سراسان المرادة من المرادة الم فاطمال صلواة الشعليها حسٹس آغام سلطان مزراد ہوی طائراہ صاحب البلاغ المبين وغيره ادارهٔ اصلاح مسجد دیوان ناصرعلی مرتضای حسین رو دیکھنو

Contact : jabir.abbas@yahoo.com

| 1 | "7 | ۳ |
|---|----|---|
|   |    |   |

|         |  | . 4    |  |
|---------|--|--------|--|
| صفح     | مضمون  | صفح    | مضمون  |
| سه      | اسلام لا نامان ب   | سوسو   |  |
|         | مكه و مدسينه بين اس زمانه كاطرز در الش                                     | "      | وطبيت رسول   |
| 4.      | اور حبناب فاطمه كاروزارة معمول زندكي                                       | m/v    | وواع على ورسول   |
| 41      | غلامی اس کی ابتدااورانتها  | "      | نفس علی کی خرید و فروخت  |
|         | امن مانے میں سادی دنیا کواس کی خورت بھی                                    | 1      | حضرت الوبكر كوبجرت رسول كاعلم دعقا   |
|         | مسلمانون كي ابتدائي فقوحات اقدين م انقلابات                                |        | سفوربجرت بين كغار وعلى كاحقابله  |
| 44      | (۱)سیاسی (۲) معاضرتی (۱۳) ندهبی  | "      | حضرت على كابيلا جهاد سيف   |
| 11      | نديبي القلاب   | 1" m/s |  |
| 4.      | معاشرتی انقلاب اکثرت دولت  | 1.0    | تنوتج وطرزر بائش روزانه وأمورضانه داري   |
| 24      | ساسی انقلاب  | •      | خواستنگاری فاطمه   |
|         | در اصل ان مينون انقلابات كي برسيفا   |        | خطبه حضرت رسالت آث بوقت بحاح   |
| . ,     | بنی ساعدہ میں متی ہے   |        | صب حصرت على  |
| المراتد | جناب فاطمه الزاميراكي كما كالفلاس  | سريم   | جناف طمة كاجيز جوالدك طرف سي الاتقا  |
|         | تسبيح فاطمدالذسرا  | 47     | رخصت و دداع  |
| A       | تسبیع فاطمه الزهرا<br>پر ده رنگین اور چاندی کے کنگن                        | 4,2    | حبوس برات<br>حصرت ام سلم کا رجز  |
| A &     | ازدان رسول کازنگی  | 44     | صرت عالمنفه كارجز  |
|         | ازواج رسول میں دوپارشیاں   |        | مضرت حفصه كارج   |
| 1       | حضرت عائشہ کے ادی یں تخالف کا آلا  | 11     | معاذه ام سعدبن سعافه كارجز   |
| 1       | مل اشكال   | H      |  |
| 4       | ميال يوي كاآپس بي سلوك   |        | مشرت على كويس دا فله   |
|         | l II.  | l .    | جناب رسول فداكاط زعل ادردعائين   |
|         | ا ن دورت می میں مصرت می محقیا کا<br>میں ابدہ بل کی اور کی سنواستگاری کا کی |        | بی ب و روی مده مارد ایران می اورون می ایران می<br>ایران خصالی در دران |
|         | ین. به ۱۵۰ری کورسادی می این<br>باب به فتم                                  | ar     |  |
|         | فضائل فاطر الزسر اصلوات التنظيلها  |        | حضرت اوطالب كا ضياس سے آيسالا  |
|         |  |        | V. 15  |

| ,             | فهرست صامین کتاب میره فاطمة الزمرا                           |          |  |  |
|---------------|--|----------|--|--|
| ينخد          | مضمون  | سفخه ا   | مضمون  |  |
| 72            | مضرت زيز فباقيا المكنة مكسمانة تقيقا                         | : ) #    | ديب جُه طبع ناني   |  |
| م بڑیا<br>رسو |  | ۲        | دساجه طع اول   |  |
|               | ازبدائش تابجرت   | س        | قرآن وآل دومون   |  |
|               | المائي المالد المايت جون المساوير                            | 1        | عمرا ہی کی دوسیں<br>مصل اور کر خوانہ                         |  |
| 74            | ولاوت<br>اکنیر سرمالتان                                      | 1        | اصلی دیام کی شناخت<br>اختلاف عقالمد کی بنا وسیاسی اغراض      |  |
| 70            | سیسیادالاب<br>حضرت فاطمهٔ کاابتلاء                           |          | اصلی آندے سوانخ حیات دطرزعلی<br>املی آندے سوانخ حیات دطرزعلی |  |
| ۲۹            | دعورت وي العستسيرة   | ;<br>j., | است معلوم كرف كى ضرورت                                       |  |
| 76.           | حضرت العطالب كي جانفشانيال المالاي                           |          |  |  |
| 71            | شعب بی طالب<br>حضرت ابد طالب کاسفانشی <b>خدنجانشی کے</b> نام | 14       | المنتبذ المنتبذ  |  |
| 19            | صرت اوط الب كاسفاتى خلا جاشى كے نام<br>ان                    |          | أنخنرت كي ميثين كوكيال من ستنصديق الت                        |  |
|               | حضرت البطالب نے اپنے اسلام کا ملا                            | ip       | بوفى بورآن وآل   |  |
| <b>9</b>      | میوں دکیا<br>سے  |          |  |  |
| 721.74        | (°* •  | منا      | أس زا فكا فلاتى تنزل<br>باب دوم                              |  |
|               | بہر ت<br>مسل ن مُإِن وحديد تهذيب سكه درميان                  | 1        | بيبادير)<br>والديمن  |  |
|               | واسط بن الخضرت كين محافظ (١)                                 |          | حضرت فذيج  |  |
| 11.           | حضرت أبوطالب د٢٥ حضرت على دس بيم                             | 19       | المقناطسي صلقه جذب   |  |
| بإس           | منافقین کا اثر<br>اس سر بر                                   |          | حضرت فديم كى اوليات  |  |
| 4             | اکثریت مکه کافیصله   | rdry     | بابسوم   |  |
|               | شبهرت اسلامین بیلامده شکر                                    |          | بادران وتوا بران   |  |

|           | <u>r</u> '                                  | 10      |  |
|-----------|---|---------|--|
| صفح       | مضمون                                       | منوء    | مضمون  |
| 411       | (<) تکرا یِمضمون                            |         |  |
| 414       | (لا) ترديد مديث                             | 140     | حضرت فالمدعليها إسسلام ك مجث   |
| 11        | ( 5) معارضه<br>( ﴿) تعدا د وثقة د داة       | 144     | محضرت ابوبكركا فيعيله  |
| 10        | (ز) تعدا د وتفقه به داة                     | 1       | اس فيصله كي حمايت  |
| 4)4       |   |         | حضرت الدكمركا قضايا فيمد كحن كاسمول طرق                                  |
| 414       | حضرت الو مكريك عذرات برنتقيد                |         | صحاب کے اس قسم کے دیادی دفتر انکا  |
| 11.4      | منصون زاج على إلىس شيخ التي المراقع الميابي | 145     | مسطرح فيصدرت تق  |
| .*1       | بالبانجديم                                  | lá.v    | مكومت كا سنوك ديمير بوب بهركساته<br>مقدمة فدك بين قرآن واحاديث يول كافين |
| المرابع ا | جناب فاطر الزير مح يجرم مصائب الاجلات<br>س  | RI      | مقدمنه فدك بين قرآن داماه يثابول كالبين                                  |
| سونو نو   | رسول کے بعد                                 | 140     | حضرت فاطمه كا خطبه   |
|           | باب شدیم                                    | 16.     | حضرت فاطمه کاخطبه<br>نطبهه می توثیق<br>حضہ دسی او کم کاجہ ا              |
| しゃっと      | الرس عوب ين بو حاصر والعرب                  | 1 12 13 | A. X. O. X. 2  |
| 440       | مستدرات فهاجر الفارك ماسط                   |         | مضرت فاطمدكا جواب مضرت الديكركو  |
| l'hya     |   | Ą.      | جناب سيده كاجواب   |
| ra.       |   | 195     | حضرت فاطمكي والبين اوه شرشهلي سفوا                                       |
|           | باب مشترسم                                  |         | اس خطاب كي دجه اور صلحت  |
| 440       | جناب معصومه کے دوا قوال داخال               |         | حضرت فاطركى تنزلت فدالهداء ل أزرك  |
|           | و قریکات جن کی محت و اقعیت ملاًدین          | , ,     | جناب رسول ضدائے دل میں پینے بینند داوں<br>کر                             |
|           | ادرجن پرموفت کی و صراط مستقیم ا دار         |         | الا ور د<br>ما سرار ما الما الما الما الما الما الما الم                 |
| Sr.       | انتناخت أكنه أورد شناب وسول و               | i .     | مقدمه فدل نے میصلہ پر منقید ی نظر  |
|           | ال دسول مبنی ہے۔                            |         | مدیث لانرث د لا <b>ف</b> درث کی تختیق<br>در مدین مین مین                 |
|           | احزار فاطال ساكراه فاوزرته علاهما           | 7-10    | (۱) خلاية عقل وعدل   |
| hu,       | بالمائية المائية                            |         | (ب) فلاتِ قرآن<br>وسيني رقو  |
| mr        | ما ب عم<br>اولاد                            | W 11    | (جي) تسبين مواقع   |

| صفي  |  | صفي ا | THE TAX TO THE PROPERTY OF THE |
|------|--|-------|--|
| 15   | مضمون                                      | صفح   | مفتمون   |
| 14.4 |  |       | الماه بيث رسول ود فضائل فأطر على حسين  |
|      | 8131129                                    | 1.7   | مجت بدری بیخصر نهین بی ملافهار دا قعیه   |
|      | إلبادواذدتم                                | 112   | ملائکه اور ضدمت دختر رسول<br>فرسشتوں کی سیتی   |
|      | رهبت رسول                                  | 110   |  |
| 10.  | أنحفرت كاحترت عائث كمكوس شريفالن           |       | اسلام مطابق عقل وسأنس يبيكين ليدبيا  |
| 161  | أتخضرت نے دان سوں قیام برایا               |       | يس ندمب اورسائلس كااختلات كيول موا   |
| 11   | حضرت على وجناب فاطريكار مج                 |       | یدرب کے تیج سے سل اوں کے دل میں بھی  |
| ,    | باب میزدیم                                 |       | خيال پدا جو گياكه ندمب ادرسانمس آميري  |
|      | الملت محدم ك أيك مفتدك اندرك اقال          |       |  |
|      | حضرت على سياز درستي بيعث لين كي كوششر      |       |  |
| 104  |  |       |  |
| 104  | حضرت فاطمه کا ناله و فریاد                 |       |  |
| 1 "  | صرات فین اُن کی رضامندی قال کرنے آئے۔      |       | اس نی تعلمیه رصدیت کساء اور کم نیم مها بله<br>این تن   |
| 101  | جنا في طيف منه ورايا در آخريك نا دا فس دين |       | الم يُدُّمُ طهير   |
| 109  | بابيجاددهم                                 |       | صدیث کسا ء   |
| تقد  | اندلافت کے ایوان عدالت میں دختر وسول کے د  | 1     | ا ما له  |
|      | آگی سماعت اوراس کا فیصله<br>سرنزی در ا     |       | واقعدمبابله برغور وفكر   |
| 164  | وعوى كرن كي مصلحت                          | - 1   | ياب آسم  |
| 141  | 3  | ľ     | مناقب ابل سيت عليهم السلام   |
| "    | عذيه لمر ماعيه                             | 119   | اللية صلوة ، أية مودة  |
| "    | اثبوت دیجوے                                | 11    | آية صلوة   |
| 4    | قبضهٔ فدک                                  | ø.    | آتيه مودة  |
| 47   | استعمول ملكيت فدك                          |       | باب دیم<br>نفیناً ل المیسیت علیهمرانسلام   |
| 41   | تينتحات فيصلطلب إدربار تيوت                | ומר   | <i>مدیث ثقلین وغیّره</i>   |

| صفئ      | مضمون                              | صغہ   | مضمون  |
|----------|------------------------------------|-------|--|
| th by th | امور فاندداري                      | سوسوس | إ د يان دين ومصائب دنيا                            |
| 200      | . 10.1                             |       | اسلام کے بادیان عل کے سوا تح حیات                  |
| 11       | ا طرز عل ا ولاد سے                 | ادسرا | l '  |
| MAK      | حقوق الله                          | ےسوسا | 1 22 3   |
| 11       | حقوق العباد                        |       | مِنَابِ فَالْمُهُ عَلِيهِ السلام كِي زُدُكَى سِيان |
| ومم      | پرده ادربے پردگ معنی قیدد آزادی یا | ٣٨٠.  | فرالفن وحقوق كى اداسط كلى كالموسر                  |
|          | د قيا زسي جهالت و زني موجده        |       |  |
| 209      | کلمات ناشر<br>موور برورین          | , 11  | <i>ج</i> ينر                                       |
| 741      | تطعهٔ تاریخ                        | 1     |  |

| صو،                                      | مصمون   | اصفي           | مصغون   |
|--|---|----------------|---|
| ررس                                      | دنیا بین کذب وصدق کی شکش  |                | حضرت امامحسن  |
| 4  | ری رون درب و مسلم کی از مارند<br>آنخصر منت کی و فارت کے بعد کا زمارند |                | شرائط صلح بدمواه يه   |
| م رس                                     | سلطنت د د ماکی حالت   |                |   |
| المام                                    | ایدان کی جنگ دوم سے   | 11 ′           | 1   |
| ٤١٢                                      | ماللتمين سرقل كي لي زبردست بطوه                                       | <b>11</b>      | معاویہ نے زمرولایا  |
| 14                                       | دِمنی اقدام کی روم مصر تشک  | 104            | ا مام حسرهٔ کی وصیب متعلق د فن  |
| ۳۲.                                      | فسرو پر دیز کاانجام   | ran            | امست کی اُر کا در بط<br>امام حسنٌ پردواعة اضامطا دران کی تعیق             |
| الممط                                    | جنگ آیر 'ن وردم کا خانمسه   | 1740           | ا المحسين عليه السلام   |
| pup p                                    |   |                | ا مام حسین کا اذا ده پزید پرحمله کرنے کا نگھا<br>مرینہ                    |
| ¥  | 1   | 11             | امُس كا تبوت  |
| بربرس                                    |   | 11             | حضرت دينيب عليهاال لام  |
| ۳۲۲                                      | 1 ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' '                               |                | حضرت زمینب کابیان جضرت لام بین کی توگا                                    |
|  |   | KY.            | مضرت بنب کاخطبه با زار کو فدمین<br>حضرت فاطمینت حسین کاخطبه بازار کو دمین |
| א איש                                    | 1   | 16             | عصرت کا مرتب عین مطب از ارودی<br>حضرت اُم کلتوم کا خطیا بل کوفه کے سامنے  |
| mpp                                      |   |                | مشرف المملوم عليه المواد مساورت<br>مرنيه حضرت أم كلة م إقت واجت بدييد     |
| 11/12/21/21/21/21/21/21/21/21/21/21/21/2 | ظام   | 19             | حضرت دینب کا وزیر تصرید پرس   |
| ه سومو                                   | )<br>عل نیک کے لیے ادبان دین کی ضرورت ا                               | 1792           | ان خطبول اور مرثيو ب كي ايميت   |
| , יעש                                    | ادیان دین کی شناخت<br>اد  |                | صرت زينب وخفرت سكنيد فالمينجين  |
| μν,                                      | ا دى كل كىبدا بودا چائي   | F9 1           | كى حلا وطني مصرير   |
| ر بېر                                    | بناس مصائب الام كالترفلسفة بومان                                      | 1              | حضرت سكينه بنت الحسين ادرمغو فعدلس  |
| ٣٣                                       | فلسفهٔ بونان کے دومتضا دنظر سیئے                                      | 11             | رىقى دىسر در  |
| 4  | عيسائيت براس فلسفه كااثر  | و مهر<br>رسوسا |   |
| 7-74                                     | للسغة اسلام كانظريه   | Pro            | جناب فاطترال براك زمات كى دنيا  |

سيرة فاطمة الزمرأ

رسل وانبياء كوچندا يات ومعجزات دے كر جي الميندسي سنت آكهي رہي ہے ۔ اور وہ آیات و معجزات اُس رسول یا ہینمبر کے زمانہ کے لوگوں کی طرز معاشرت سے بہت کی نسبت رکھتے سکھے حس زمانہ میں کر محض طا ہری محسورات ہی عجفائی منطق محدود مواكر تى تقى ماس زمامة مين محجزات تقبى بظام ران سے ملتے صلتے ہواكرتے عقے ۔ پُرانی دنیا میں جا دو کا بڑا زور تھا۔ اور انسان ظاہری الور ومحسوسات سے بہت مرعوب ہواکرتا تھا لہذا پرانی دنیا کے رسل وانبیا کو بھی الیے ہی معجزے دیے گئے جو ان کے سے کو توڑ دیں -حضرت کیا مان کے تخت کا معوا پراڑنا، بابل کے ماروت و باروت کے جاد و کا مغلوب ہونا ،حضرت بینی کے معجزات عصا وید بیضا يرسب اسى تسم كم معجزت كقحن كامقا بلسحرس تقاء اور حنجون سخ البت كرديا كسح اور معجزه مين كيا فرق ہے ۔ نظر بندى سے عصا كا سانب معلوم ہونا توبرى بات نهیں اور پہستوسیم لیکن سحری طاقت سے سے سی چیز کا وجود غائب نہیں موسکتا جضر فعینی تے عصا نے اصلی سانب بن کراورسا حروں کے سانپوں کو نگل کراس فرق کو با لکل نایاں کر دیا۔ حضرت علیسی کے زمانے میں اور اُن سے پہلے حکم یہ اور طبا برے کابڑا زور تقا- بونان کے حک وی ادویہ بڑے بڑے کام کرتی تھیں - لہذا حضرے علینگی کو ده معجزے وسیے جو اُن اوگوں کی ادویہ کوعا جز کردیں - ببیدالیشی اندھے اوربص الکے کو ا چھا کرنا - بہاں تک کے مرد ہے کو جلانا یہ السیے معجزے تھے جو بہتر میں حکیا داد زنمانیت تربكاد داكلون كى طاقت سے با ہرتھے -

جربہ واد ور متروں می مات بے ہمرے۔
حضرت علیہ کا کے ذیا نے سے نئی دنیا کا ہ غاز ہو جلا تھا جناب مجرصطفی اس کے کہ
علیہ وآلہ وسلم کا ذیا نہ تقریبًا ہمارے ہی ذیا نے سے ملتا عُبلت تھا سوائے اس کے کہ
اب معقولات ہی معقولات ہے۔ اور یہ بھی بات ہے کہ خاب دسول خلا خم المسلمین
ہیں۔ اب ان کے بعد کوئی اور دسول نئیں آئے گا۔ لہذا جناب دسولِ خدام کے
پاس ایسے معیزے ہونے چا ہئیں جو اس زمانے کے لوگوں کو بھی مغلوب کریں اور
آئیندہ قیامت تک جو حالت بھی عقل انسانی کی ہو وہ اس برغالب اسکیں۔

آن صفرت کے زمانے میں فضاحت اور نبرد آزمائی کے ہمنر بہترین مُنتمجھے اُتے تھے۔
الدزا آن حضرت کو قرآن اور آل السے مجزے دیے گئے جو اس زمانے میں ورآیندہ
کی ہمیشہ کے لیے لوگوں کو عاجز کرسکیں اور اِسی وج سے جناب رسول فلائے فرما یا
کرقرآن اور میری عترت فقط ہیں دو معدن ہدایت ہیں جب ان دونوں سے ممتاک
رکھور کے گراہ نہ ہوگے اور یہ دونوں قیاست ماک ایک دوسرے کے ساتھ رہیں گے۔
اُس زمانے میں قرآن کی فضاحت و بلاغت اور حضرت علی کی نبرد آزمائی نے مجزو
بن کراس زمانے کے لوگوں کو مغلوب کیا اور آیندہ کی نسلوں کے لیے قرآن کے معانی
اور آل محد کی دوحا میت محیرالعقول ہیں۔

تام سلما ون كا اس براتفاق ب كه قرآن شريف ابني المعند فصاحت اورنيزابني تعليم كى وحبس ايك مبخره سب -سكين سب توفقط كتاب وهستي عبى تو ا یک معرِدہ ہوگی جواس کتاب کے تام اصولوں ہے، تام احکام بیمل کرکے دکھائے۔ ات كاكهددينا ايك بات ہے -أس بيعل كركے دكھا نامشكل زسم -اگر محض اس بى معجزه ب توأس برعمل كرك والاجمى تومعجزه بوا - قرآن شريف بويا فلسف مغربی مِنو، سائنس مو یا فقه مور پیسب ذرا نع میں ان سب کا داه دُقصد ہے - وہ مقصد کمل انسان بیدا کرنا ہے - فلسفہ مغربی پرعل کرکے جیسے انساب پیا ہوے وہ بھی آب نے دیکھے سائنس نے جیسی عقل کے اومی پدا کیے وہ بھی دیکھے۔ ہرایک نوب کے فقہ برعمل کرسے والوں کو بھی آپ نے دیکھا۔ان سب کو دیکھنے کے بعد میانے نتیجہ نکالا کہ اسیا کمیل انسان جس سے کمھی لغزش نه کی بو ، تھھی گنا ہ ندکیا ہو ، تھی ظلم ندکیا ہو ۔غرضکہ بالکل عصوم ہو زب اِ ہوا سے . اورنه يه ذرائع ايسا انسان بيداكرسكت بين-لهذانيتج نكلاكدا كريم ايساكمل انسان كهيس دكھيا ديس تو بھيروه تومنجزه من مهوكا - يانهيس ضردر تجزه موكا - نه يه كه ده مي معجزہ ہوگا بلکھس کتاب کے مطابق اس نے علی کیا ہے دہ بھی بخرہ ہوگی قرآن کی تعلیم کا بچور اور مدعایہ ہے کہ وہ ایسے انسان پیدا کرے جو کہ کئیں ان صلواتى ونسكى وهميائ ومساقى الله رب العالمين بين يرى ناز میری قربانیاں، میری ذندگی ، میری موت سب ضادندتعالی کے لیے ہے۔

دنیا اس حالت براگئی تواب منذرین کی ضرورت نهیں رہی۔لمذاا نبیار سلایل سلسلختم كردياكيا چونكه نظرت انساني كيضميرمين فجوري بهي أميزش هي ليذا اس کا گراه بوناصردری ہے۔ اب جو گرا ہی ہوگی دہ البتہ اس جق وباطل کی جی حت کا کھی تخیل رہے گا۔ اور باطل کھی حق نظرا سے نظر کا حق سے باطل کو علی د کرے دکھا سے کے لیے بادیوں کی ضرورت ہو تی جن کو امام کتیم منوب کے بعد المست شروع ہوتی ہے ۔ ان کا کام یہ ہے کہ صراط ستقیم برج گراہموں کی آندهی کی وجہ سے گر د جمع ہو کراس کو نظر سے او تھبل کر ہے۔ اس گرہ وغیا کہ مثاكرصراط مستقيم كونايا بكرست دبي صراط ستقيم تدايك وفع كمل طورس اورطرز زندگی دمعالشرت وعیشت کے ہرشعبہ کے نظط نظرسے وکھائی جاجلی سے -اب تواس کومض نمایاں کرتے دہنا۔ان امادن کا کام رہے گا۔ ليكن يريمي والمشكل كام تقارسب سي بيل التياس حق وباطل بيان سي بشروع موتاب كراصلي امام ونقلي امام اس طرح خلط مطابع جات بين كرمبط س وگوں کویہ می منین علوم ہو تا کر اصلی امام کون ہے۔ دہ نقلی اماموں کی تقلید کرکے گراہ ہوجائے ہیں اصلی امام کی شاخت اور اس کی بیروسی صنوری سے یجناب رسول خلاكى يسلم مدس سيكمن مات ولديين ف امام زما نه فقد مات میت جا هلیة مین جو خص مركيا اور مرت دُم كاساسين زمان ك امام کو منہیجانا تو وہ کا فرمرا۔اس حدیث سے تنجلہ دیگرامورکے بیھی تا بہت ہوا کہ معرفت امام مشکل ہے ۔ اگر میں ہونا کہ جو برسر حکومت آگیا وہی امام سے تو میر تو اس حدیث کی صرورت فعلی - ہرایک بادیشا ہ کی معرفت اُس کی ملوار کرادیتی ہے۔ حسب چیزری اہمیت السی فقی کہ اس کے نہ ہوسائی وجہ سے کفرال زم آ تا تفاقو اسکا منه بتا نااورامام كى شناخست نركرانا يرتعبى شان نبوست سے بعيد تقا - لدندا جناب رسول خدائسے کئی نشانیاں بتا دیں اُن میں سے دومندرجہ ذیل ہیں:۔ (۱) قرآن اورمیری عترت دو نوں ایک دوسرے کے ساتھ رہیں گے اور قیامست کک ساتھ رہیں گئے اگر تم ان دولوں سے مشکک رکھو کے ۔ تو تبھی قیامت کک گراه نه بوسکے س

اب فرمائے کے میں خص کا ہر خعل خدا وند تعالیٰ کے لیے ہو وہ کب اوکس طرح دوسرو پر طلم کرسکتا ہے وہ کیوں خود عرضی کرے - کیوں فرسیب دے کیوں نتیمیں بیواؤں اور غریبوں کا مال کھائے - اگر وہ اسپنے تنگیں ایسا بنا سکے - اس اصول پکارنبر ہوسکے تو نسب وہ ہی انسان کا مل ہے -

یونضیلت ضداوند تعالیٰ سے جناب رسول ضدہ ی کے لیے دھونگی کان کی
آل سے مجست کرنی اُن کی رسالت کا اجر ہوا ور اُن کی آل کی تعلیم و زندگی لوگوں کے
لیے منونہ ہو۔ جو مورخ کدان بھار وہ معصومین کی سوانخ سیات کھنا جا ہتا ہے۔ اُسکا
فرض ہے کہ وہ اُن بزرگواروں کی تعلیم اور معاشرت کونما یاں کر کے وکھا سے تاکہ
لوگوں کو لاہ واست انھی طرح نظراً جا دے اور دنیا کو معلوم ہوجا دے کہ واقعی پر
بھی ایک معیرہ سے ۔

دنیا کی گراہی کی بہت سی صورتیں ہیں لیکن حبب اُن سب کا تجزیر کیا جائے اورنظر عورسے دکھا حادے تو تام گراہیوں کی صرف دو قسیس دہ جاتی ہیں۔ایک وه حالمت كرحب حق بالكل انسان كي نظروں سے او حجل م د جاوے اور وہ باطل میں اتنے منہ کا موجا دیں کہ انھیں خیال بھی نہ سنے کہ باطل کے سواکوئی حق بھی سے دوسری صورت وه بے کجب حق وباطل کی امیرش اسی موجا وے کہ اوکوں کوحت کا تخیل تورسے نسکن یہ نہ سانی سے فیصلہ ہوسکے کہ حق کون سا ہے۔ اور باطل کون سا ہے حب تک دنیا کی حالت صورت اول کی رہی ا بنیاد و مرسلین آتے رہے تا کہ وه طبعیت و فطرت انسانی کو ڈرکے ذریعہ سے حق دکھلا کیں۔ لہذا ان کو منڈر کہتے رہے - ڈرانے والوں کے ڈرا دھمکا کرمرعوب کرکے باطل کے قش کومٹایا اوردي كاسكتها إ - ايس منذرين مين جناب محر مصطفى سب سي توسق . اب أبي كى تعلىم سے ايسا تو بوگيا كەدنيا تىجى ئى خرىتى كى طرن يىنى جاسكتى . خدا كانتيل بميشه رسب كا-بت برستى محض معبى عود نهيس كرك كي- جوسلال ن سنين مين وه هي بهي منين كه خداكومات مين ملكه خداكو وا حديمي جاستي ين-عیسا ن باوجوداین تشلیت کے ،اور بیمن باوجوداین سنم پرستی کے اب خدا کو ابك بى كىتے ہيں- دُنيا كاپيداكرك والا، دُنيا كا مالك ايك ہى ہے جب

موجاوے - اور ہرایک سلمان حسب نے ذرائھی اس سلم پر اور دنیا کی صالت روغورکیا سبع وه اسى نيتجه برمهنجا سب سيكن سب سے ارئى شكل يەسب كروه يومتعلىم اسلام كالس ملے - اسلام میں اشنے فرقے ہو سکتے ہیں کہ اگر کوئی شخص تعلیم اسلام کی الاش سروع كرف نكا أورب كركهيس بيلابي قدم ولذل مين ذي نس المائ اب بهي جناب رسول خداً كا كهنا يا دا يا كرحس سن صبح الم زمانه كي معرفت حاصل نهيس كي وه كا فرمرا بصیح المام ان ہى فرقوں يرسے ملے گاجن ميں اسلام تقسيم ہوگيا ہے :اریخ الأم كمطالعت ظاہر ہوتا ہے -كر اگرچ بظاہر اسلام ميں بہت سے فرقے نظرا تے ہيں لكين اصلى اور بهيائي تقسيم صرف سئلداً ماست سع مودى كدامام كون سام وي صفرت کے انتقال کے بعد ہی بیسوال اُ مھا اور اسی وقت یہ دو فرفے ہو گئے اور اُخر اک ىيىنىسىمەرى، باقى جو فرقىيىن دە انھىس كىشاخىيى بىي-ايك فرقد كەتا تقاكە آلِ دسول میں سسے رسول کا مقرر کردہ امام ہو۔ دوسرا فرقہ کہتا تھا کہ اصحاب می<del>ک</del> بدردیدانخاب الممقر ہونا چا جیئے تھ اور اس اصحاب کے زمرہ میں آل رمول کو نظال كياجام - سفيفندس جرسب معيني في المراه في أس مي علايد بي اصول مقرر کیا گیا نه آل رسول کواس میں شامل کیا اور نه بوقت انتخاب اُن کاذکر کیا۔ صنرت عرك ابن فريق كى يجع ترجان كى حبب درا يا كراك بنس جا بت سق كه ایک ہی خاندان میں نبوت اور امامست ہوئی ہے خریک یہ ہی اصول قائم رکھا گیا۔ شوری میں صنعت علی کو اے کرامیدوادوں میں داخل کرایا ۔لیکن اس سوری کے اليسيممبرمقرر سي اوراكي سشرائط عالدكين، (پيروي سنت شخين أن ميس ایک کھی) کہ نہ لینے کے برابر موگیا - حضرت عثمان کے قتل کے بعد جب کوئی چارہ کادنظرنہ آیا توعلی کی طرفت رجوع کیا لیکن اس طرح کداُن میں سے بعض سربراورده لوگ بعیت کرتے وقت بھی دل میں علی سے الخواف کرنے کے تصوبے مع مردح الذهب مسعودي الجزء الاول مثل ، صلك شهرستاني . الملل والنحل برحاشيكة اللفصل ابن حزم الجزرالاول صلا لغايت ميما سله تاريخ طبري الجزر الخامس منسر ملا مساس ابن الاشراريخ الكامل الجزوالثالث ويم ، صف - مولوى شبل - الفادوق مقيدعام أكرم فال

ر ۱۷) قرآن علی کے ساتھ ہے اور علی قرآن کے ساتھ ہے۔
قرآن شریف نے بھی متقین اور صراطِ ستقیم پر چلنے والوں کی صفاست،
بیان کیس اور اُن کی نشانیاں بتائیں اسی طرح ائر مضلین کی بھی صفات بیان
کیس - تمام قرآن شریف کے مطالعہ سے ان دونوں شیم کے لوگوں کی بڑی بڑی صفات
یہ علیم ہوتی ہیں بتقین میں خوف خدا اور مصائب ہیں صبراور مضلین ہیں حق سے
اعراض اور طلم کی بُوائی پر جا بجا زور دیا گیا۔ یہ بھی فرایا کہ تھا دامحف سُنہ سے
کہد دینا کہم ایمان لاسے کا فی ہنیں ہے ۔ متھا دامتی ن مصائب وصبر سے کیا بہ بگیا
نتیج بھلاکہ مصائب ہیں صبر کرنا ، ظلم سے پر ہین ، خوف ضدا ۔ یہ ہیں اصلی امام کی
شنا خدت کرائے دالی صفات ۔

جناب دسول خدا کی ایک اور صدیث ہے ۔ آپ فرماتے ہیں کو میرے بعد اسلام کے آخر زمانے بال کی اسلام میں باری امام ہوں گئے اور وہ مب بیری عرت میں سے ہوں گئے وہ اور وہ مب بیری عرت میں سے ہوں گئے لیکن اہل سنت وجاعت کی کتب ہیں ہے کہ کلھ وہ ن قریبی ۔ قریبی میں ہے کہ کلھ وہ ن قریبی ایکن اہل سنت وجاعت کی کتب ہیں ہے کہ کلھ وہ ن اور تا ایکن اور سرے فرق سیں سے کوئی فرق بھی وہ بارہ امام شنے منبی گنوا سکتا کے وہ بازہ امام سی کوئی فرق بھی وہ بارہ امام سی کوئی فرق بھی وہ بارہ امام سی کوئی فرق بارہ امام سی منبی گنوا جائے ماسکیں ۔ آسان پسند حضرات تو حضرت او بحرسے لے کر باری بارہ اماموں کے مانے ہیں۔ درمیان میں حضرت یزید بھی آگئے لیکن عالم سی کی مان بارہ اماموں کے مانے ہیں۔ درمیان میں حضرت یزید بھی آگئے لیکن علی میں بارہ امام تو میں سے انکار کرتی ہے ۔ مبرصورت ان کی گنتی کے مطابق خواہ کوئی سی ہو بارہ امام تو میں سے انکار کرتی ہوگئے ۔ حالا تکہ آل حضرت کی حدیث کے مطابق اُن بارہ میں سے انکار کرتی ہوگئے ۔ حالا تکہ آل حضرت کی حدیث کے مطابق اُن بارہ میں سے آخرکو قیا ست تک جانا تھا ۔

بیم نے اصلی ونقلی امام کی شناخت پر بہت ذور دیا ہے۔کیونکہ وہ ضروری ہے بہم نے جب دنیا کی موجو دہ حالت پر غور کیا تو بی نتیجہ نکلا کہ دنیا حبس عذاب میں آج کل پھنسی ہوئی ہے اس کا دا حد صل یہ ہے کہ صبحے اسلامی اصول سے تمام دنیا دا تھت میں مامام احد صنبال انجزار الخامس صف رحد وصور وصور وصور تا مان اصحے بخاری سلبو عرصر۔ الجزار الوابع مصلاکتاب الاحکام باب الاستخلاف سیجے سلم طبر عرصر الجزار السادس ۳۳ دغیرہ وغیرہ۔

ستجانبی در دول جانتے ہوا در دل سے جانتے ہو۔ تب تو نیصلہ ہو ہی گیا۔ لیکن اگر
اُن کی نبوت ہی میں شک ہے۔ اُن کی نیک نیتی پر شبہ ہے تو یہ بھر دوسری باستے۔
جہاں تک ادادے کا تعلق ہے ہم آو تاریخ سے یمعلوم ہوتا ہے کہ ایک فریت سے جہاں تک ادادے کا تعلق ہے ہم آو تاریخ سے یمعلوم ہوتا ہے کہ رایک فریت صاحبل کی۔
کومنٹ سے لوگوں سے ساز باز کرکے ایک خاص طریقہ سے حکومت صاحبل کی۔
حکومت کے حاصل کرنے اور اُس کے قائم کرکھنے میں جوجو کام کیے اُن اپنے افغال نے
کر داد کو اسلام کے مطابق و موافق دکھا نے میں اسلام کے اصول کو تو اُنے اور اُس کی خراہتے ہیں کہ :۔
کی ضرورت ہوئی۔ خود مولوی شبلی فرماتے ہیں کہ :۔

" اختلاف عقائد کے اگرچ پیب اسباب فراہم کے لیکن ابتداء پالٹیکس یعنی ملکی صرورت سے ہوئی ۔ بنوامیہ کے زمانے میں جو کارسفاکی کا ازارگرم رہتا مقاطبیعتوں میں سورش بیدا ہوئی لیکن جب بھی شکایت کا لفظ کسی کی زبان پراتا تقافہ وطفلاان حکومت یہ کہرا اس کوئیپ کردیتے سے کہ جو کچ ہوتا ہے خداکی مرضی سے ہوتا ہے۔ ہم کو دُم ہنیں ما رناچا ہیئے۔ امنا بالفتد دخیر و وشری۔

مولوی شلی :- علم الکلام حدادل ك

اس عبادت کے حاشیہ پر کھا ہواہ بہ ایک اختلاف عقائد کی بنیاد بالشیس سے
ہوئی " بنوامیہ ہوں یا گوئی اور ہو۔ ایک امروا قعہ تو معلم ہوا کہ وہ حکومت جآ صفرت کے بعد قائم ہوئی عقائداسلام میں دست اندازی کہکے اُسے ابنی منافع وغرض کے
مطابق توڑا مڑوڑا کرتے گئے ۔ حضرت عرفے عبرالشدا بن عباس سے دُورانِ گفتگو میں ایک دفعہ فرمایا:۔

موا سے ابن عباس یہ قو درست ہے کہ جناب رسول ضام کا یہی ادادہ تھا کہ ضلافت علی کوسطے لیکن جناب رسول ضلاکے بچا ہے اسے کیا ہو تاہی جب خدانے نبچاہا۔
اور ضلاکی مراد حادی ہوگئی ۔ رسول خلاکی خوا مہش پوری نہ ہوئی ۔ دکھیو۔ رسول خلا سے بہت چا ہا کہ ان کا بچا ایمان لائے لیکن وہ ایمان نہ لایا ۔ کیو کم خلائے نہ چا ہا کہ دہ ایمان لائے دسول خداہ قریمی چا ہا تھا کہ مرص موسط میں خلافت کی دور اس میں خلافت کی دور اس میں خلافت کی دور اسلام کی پاگندگی کے خوت

سوچ دہے سقے۔ گویا دو جاعتیں ہوئیں۔ آل اور اصحاب اب جناب دسول خدا کی احادیث، قرآن سروی کی مقرد کر دہ جانچ پرتال اور اپنی عقل سلیم کو کامیں لانا چاہیئے کہ صحیح اسلام کہاں سلے گا۔ آل کے پاس یا اصحاب کے پاس گرکی بات گروالے ذیادہ جانتے اور سمجھتے ہیں یا باہر والے۔ کینے والے کامطلاب مقصد کون بہتر اور سمجھتے ہیں یا باہر والے۔ کینے والے کامطلاب مقصد کون بہتر اور سمجھتا ہے۔ گر والے یا غیر ؟ ہمیشہ کون ساتھ دہتا ہے اپنے اپنے گروالے یا غیر ؟ ہمیشہ کون ساتھ دہتا ہے اپنے اسینے گروالے یا غیروں کے گر والے یا غیر ؟ موشخص اسلام و رموز اسلام کو بہتر سمجھ سکتا ہے کہ سمجھ سکتا ہے کہ میں کے گر والے یا وہ جھوں سے عرکا بڑا اور بہتر بی صدیقوں کو پیٹ اور کو بیا ہے اسلام میں برورش یا تی ۔ یا وہ جھوں سے عرکا بڑا اور بہتر بی صدیقوں کو بیٹ اور کی کی بیٹر وی کر دو۔ رسول خدا سے اس کے متعلق کیا خدا کی کی بیٹر خدا کی کی بیٹر والے کا فرایا ہے۔ خدا و ند تعالیٰ سے دوائے حیاست پر نظر ڈوالو توصا و بیملوم ہوجائے کا کہ صحیح اسلام کہاں تھا۔

اتنا کام نسیں کرسکتی جتنا خود ان المئد کے سوائح حیاست پیغورو فکر کرنا اور اُن کے طرزعل کی پیروی کرنی-اس غرض کے لیے ہم نے پسلسلہ جاری کیا ہے : خداو مد تعالیٰ سے دعاہیے کہ وہ ہمارے اراد ہے میں برکت دے اور مہیار دع صورتی كى سوانح حيات كوسكير - مم مرايك المام ومعصومين كى سوائح حيات مير مندرج ویل امورکے بیان کرنے کی کوسٹیش کریں سے:۔ (1) المام كي سوائح حيات -رم) ناظرین کی توجه اس صحیح اسلامی تعلیم کی طرف دلانی جوام می اوال وطرز عمل سے غایا ں ہوئی سے ۔ رس) امام کے زمانے میں عام دنیا کی حالت . رمم ) امام کے زمانے میں عالم اسلام کی حالت۔ (۵) ونیائے اسلام پرا ام کی تعلیم کا ٹر۔ جناب دسولِ خداً کی رصلت کے بعد بھی فرراً لیکداسی دن سے استصافے اہل مبیت اسول سے تشکش سروع کردی اور ان سے اخرات کرنے کو اپنی حیام کا مقصد بنا لیا ۔اس سیاست اس مکش وظلم کی آب رسول میں سے يهلى شهيدة ظلم جناب فاطمة الزبيراعيها السلام بين لهذا بهم اس السلة مبارك كواك بي كسك سواغ حيات سي سروع كرت بين . وَمَا تُوفِيْقِي إِنَّا مِنْهِ الْعَلِي لَعَظِيمُ محيسلطان مرزا دِهْلُويْ بهنى سائد بلذنگ

روك ديا - السول الشريمي ميرك دل كي بات مجمع من اور وك من - اور الشريف جو مفدّر کیا تھا وہ ہی ہوا۔ ويكيي يذكتنا غلط مسئله تفتدير كاسبي جواسلام يس محض جوا ذبيت كادروائي سقيفه بنی ساعدہ سے لیے اختراع کیا گیاہی - اور پھی ایسے بہت مسائل ہیں جواس غرض کے لیے اسلام میں داخل کیے سکتے مثلاً مسئلہ تقدیر سب کا ذکرا و برہوا ۔ تجزیہ نبوت ینی اس صفرت کے احکام کی قسیم کی گئی - وہ احکام جودائرہ نورت کے اندر محقےوہ احكام جودائرة بنوت سے با ہر تھے حضرت علی کے تقرر کو دائرہ بوت سے باہر ركهنا مطلوب عقاتاكة سلمان رسينة بهوسيه أستكم كي مخالفنت كي حاسك- امور نے ہرسپ میں قیا س کو دخل دیا اور قیاس کواپنی عقل کے تابع کرنا -امامت خلافت کو لوگوں کی مرضی برمنحصر کرنا رسول ضدائے نظر بیر حکومست کو بدل دینا-اغراض مہا میں تغیر وتبدل - لوگوں کی نکت چینی سے سیخے کے لیے انھیں باہرلٹا اُیوں پر بھینا۔ یہ ابتداعتی اس ہوس توسیع ملکت کی حسب کو آج کل امیسریزم کتے ہیں لوگوں کے درجاست کو اُن کی دولست و تروست کی بناد پرمقر رکرنا ، امراء کومحض من کی دولست و تروت کی وجه سے مقرب سلطانی بنا نا وغیره وغیره یه بین ده امور جن کو اسلام میں داخل كريك اسلام كوبالكل مسخ كرديا بهمسك اس صعدن برعفس بحبث اينى کتا ہے۔التفریق والتحریفینہ ٹی الاسلام میں کی ہے۔اس تغیروتبذل کا انتیجه ده <sub>آی ب</sub>وا جو ہونا بھا یشبن اسلام کوتنا م ا دیان پرغالب ہوکر رہنا اور تما م دنیا پر چھا جانا تھا وہ مغلوب ہو کر ایک گوشہ میں چلا گیا۔ اوراب خود اُس کے مقلدین شیمھنے لگے کہ اسلام زمان طال کی صرور توں کے لیے ناکا فی ہے ۔ لہذا اسلام کو بھیوٹر کر ز ہا نۂ حال کے رہنما وُں کی تقلید کرنی جا ہیئے ۔حب اپنے یہ مجھنے لگے توغير أو جتنا بهي اسلام كوب سود أور مضمحه بين محه سكتي بي -كهذاصردرت اس باس كى مونى كه اصلى المرادر رينا دُون كا تعارف بروجوده مضطرب الحال دياس كرايا حاسك - اصلى اسلام كى اشاعت كى حاك اورادكور كح اس کی طردن دعوت دی جائے ۔ اس غرض کے لیے کوئی فلسفاسلام کی کتا سب من ابن ابی الحدید مشرح نج السلاغة الجزوان اسف ص<u>حوالا</u>

مكان نبروا- الأثري ميدان نبير

کراهی منبر ا

کر علی میں میری رسالت میں سفر کیب اور میرا وزیر و خلیفه موسے کی اہلیت ہے۔ أكراس مين لم يُح يحمي فقص يا و توسم ليناكه وه نقص مجوميس مع اورس اين دعوى یں سیجا سی حضرت فاطمہ انھی صغیر سی ہی کی حالت میں رسول کے پاس ان جاتی ہیں۔ آپ فرما تے ہیں کہ فاطمہ میراہی ایک فکوا سے یہ اُن چارعور توں میں سے ایک ہے اور ان سب میں انضل سے -جوتمام جنت کی عور توں کی سردار وسیدہ ہوں گی حسن انھی انگلی پکر کر چلتے سفے اور حسین گود میں رہتے سفے کہ آب فرماتے ہیں کہ برسرداران جوانان جنت ہیں برسب بینین گوئیاں ہل وزمایت عظیم الشان بیشین گوئیا ب ہیں۔ ان کے او پر جناب رسول خداشنے اپنی رسالت كى صداقت كا استان قائم كرديا -كيا يرمكن نه تقاكه يركب معيارسي بورس نرارت - أن كاعال ان ميشين كوئيون كي كذيب كرت وأس وقت برايك شخص حق بجانب بوتاكة ال حضرت كي رسالت كي صداقت سے انكادكرد سيكين جناب رسول ضائف اتنی بری جراست صرف اس علم غیب کی بناد بر کی جرآن حضرت ا ان حضات كمتعلق خدا وند تعالى كى طرت سع القاكيا كيا تقا - ورنه كيا ادلاد إيول گراہ ہنیں ہوسکتی۔ قابیل اوربسرور کے قصے سب کومعلوم ہیں حضرت بیقوب کے می الله الوارس من وه کیا جو کیا خدا بخش ف یه بات دوسری سے مان سے عل بر تصديق دسالت كاتوالخصاد نهيس زوسكتا عقاء اور بيم كيي نهيس كما بلبيت بحركركي زندگیا سآرام دخین سے گزری موں نازی پڑھ لیں ۔ دوزے رکھ لیے ۔ بس احكام اسلام بورك بوج - السيتخص كى يوادلاد عقى جوينيبر بهى كقا اوربادشا ه هی - الفیس س چیزگی کمی اوق کیایه مکن نه تقا که است ان کوایت بنی کی اولا د سجه کر آنکهوں پر کھتی -ان کی عزت کرتی اور ان کی ہرخواہش کو پراکرتی لیکن منين ايساننين موا- ان كوابتلائي عظيم مين سي كزرنا براء اور بعرفهي تابت قدم رہے - ہرطرح سے اور ہر ہیلوسے ابتلاء سے اُن پر حلہ کیا۔ لیکن کسی حالمہ میں لغرش بنس مونی و اُن کی يه استقامت صداقت دسالت محديد كا بهترين نبوت ہے جب سے خلاوند تعالیٰ کی حجت اُس کے بندوں پر اوری ہونی ۔ انبیا رسلف کے حالات جانے دالے میانے ہیں کراب مک ہرایک



لمهيد

السی گهری مذہبی اور اخلاقی سیسی میں گرے ہوے مک میں کے جبیا اس زماندمیں عرب بھا مصرت فاطرحبیبی نخرمریم کا پیدا ہونا ایک معجزہ تھا جس کے ذربعیہ سے خدا وند تعالیٰ کو رسالت محدیہ کی تصدیق کرانی تھی۔ امروا فقہ بیسے کہ جن كورسالت محديد كى تصديق مطلوب سے اورجو اس حضرت كے دعوى كى صداقت كا بنوت جاہتے ہیں اُنفیں جا ہیئے کہ عد کے قرآن اور مرکز کے المبیت کا غریکساند مطالع كرين عميل اسلام اس طرح كى جاتى سے كمان ميں سسے ايك (قرآن) واسلام ك اصول بتاتاب ادر دوسرا (الببيت مرة) أن اصولون رعمل كرك أن كوامسك ذہن نشین کراتا ہے ۔اب دیکھوکسیں اصواوں میں مجی سے ؟ یا کسی عمل می کی ہے اگرہنیں تو محد کورسول الشر مانے میں اور کیا در کا دہے ؟ عرب مبسی تصبیح وبلیغ قوم کے سامنے جناب رسول خدا یہ دعوثیٰ میش کرتے ہیں کہ یہ قرآن خدا وندتعالیٰ کی **وا**ف سے الهام کی ہوئی کتاب ہے۔ اگر م کوشک ہے تواس کی ایک ہی آیت جلیسی تم سمیت توبیش کرو۔ تم کو احا زت سے کردنیا کے تام فضحار و بلغاری مدد حال کرد۔ لیکن تم ہنیں لاسکو کے ۔ دعوت ذی العشیرہ کے اعلان کے وقت حضرت علی کی کیاعر تھی مشکل سے دس سال کے ہوں گئے۔ خدا دند تعالیٰ کی طرف سے چکم غیب آب كوعطا بوا تقا أس كى بناء برآ ب صرت اعلان كرتے بي كر يعلى ميرا وزير و خليفه ب - تم اس كي اطاعت كرو - العبي تو جناك بدر و أحد و خيبر مبت دور من كوسوائ فراكم معلوم مقا كمائي كيس بوس سك ليكرف موال في علان كوليا

اوراس سنبت كى وحبرس خداف ان كواينى طرف منسوب كرايا وسكين أفضل ترين ښې کې اولا د کوان کې اُنت کې طرف سے کيا تجا لف و پدايا ملتے ہيں ؟ عضب، قتل وغارت - شعالراتهي كي تغطيم توسنت الهيه يقى - امت محديد سان ابني سنّت ال من كوستانا قرار دى - اسلام كى شيح تا ديخ الهي كك بين على منصف مزاج لوكول کے باتھ سے بنیں اُکھی گئی جواکٹریٹ کے برو یا گنڈہ سے موٹرنہ ہوں - اگر مجبی ایساہوا اور بینیراسلامی عالموں ہی سے مکن ہے تواس کاسب سے زیادہ تعجیب لنگیزواقعہ الم محدّ المت محدّ الموك موكا - اوراس مين كيون كان يراكو تاميخ الله بریمیشه سے بدترین دصبار ہا ہے۔ دولت عباسیه کے زمانے کا بہا نہ توبیعوسکا ہے كەعلوئيين مەخ حكومىت كےخلاف جها دكيا تقا - اگرچە دەنھىي برابركى جنگ نەتقى ملكە نگ آمد بجنگ آمد کامظاہرہ تھا ،علوبین پراتنے ظلم ہوتے تھے کہ اتھوں ہے موت کو حیات پرتر جیج دی - ادرموت وه اختیاری جوبها درون کی موت بوسکتی تفی اور پیمی ایک قلیل زمانے کی بات سے مبرصورت ان کوجانے دو حصرت علی وحضرت فاطمہ وحضرت ا مصنّ وحضرت امام حسينٌ اورىبدىكا المُسن كياكيا عقا جُوان كوظلم كانشانه بنايا كيالان منطالم سے اتنا توصّرور ہوا کہ اصلی ہا دیوں کی شناخت ہوگئی اور نقلی ہا دی علیٰ دو معلوم ہونے لگے۔ جناسها فاطمه كي صحيح معرنت اوران كي اعلي صفات وخصائل كاصحح اندازه اس وفت ہی ہوسکتا سے کرجسب ہمارے پیش نظراس زمانے کے عرب کی حالت ہو اورجناب فاطريك ماحول كالمتيح اندازه كرسكيس عرب اورعرب كي لوكون كأعفسل نقشة توبهمسرة نبوى عصة وقت صيفيين سي فيكن بهال اس كي ذراسي عبلك دكها ديني صروری سے تاریخ کی اجتداد سے بہت بیلے کا ذکر ہے عرب کے لوگ تجارت و زراعت نہویا کی وجہ سے و وسروں کے مال پڑاخت وتاداج کرے ایناگزارہ کرتے کھے۔اس طرح لوسٹ مار اور دوسروں کا مال زبردستی سلے لینا ان کی حبکبت میں خل بوكيا تفاله ال تومال عورتيس عبى يراسي طرح و دسري قبيلون سے لوٹ ماركر كے لايا كرتے منے كيونكدا بني اوكيا ب تو زنده زمين ميں دفئ كرديتے مقر جولوگ اپني إلى بالتي اولادكواس طرح حنيكل ميں دفن كركے جلے البيس اور كيرخيال كھى مذكرين كر ممسك كياكيان مص نفاست عذبات ورفعت تخيلات كي أمّيدر كهنا ب وقو في مين

بنى يارسول كو تواتبلائ عظيم ميس سي كزرنا برا على قدر مراتب مصائب الامس مراكب سى كو تويالا براسي ليكن يكيمي بنيس بواكسي نبي كى امت اس كى ورمیت کی رشمن برگئی بردا در رشمن بھی اسی که صبیسی محمد کی امست ان کی دربیت کی وتنمن بودئ كبهي جكين سع بنتيف مهى ندديا - مهيشة قتل وغارت سعينش المسئ-مرایک بنی سے اپنا جانشین مقرد کیا - اور ان کی امسف نے اس کرتسلیم کیا - ایسا کبھی ہنیں ہوا کہ اپنے رسول کا جا نشین خودامست سنے مقرر کیا ہو۔ اور رسول کے مقرر کرده مبانشین کونظرا نداز کردیا ہو۔ اور پیراس کی الکے جانی دشن ہو گئے ہوں آل بڑی چیز ہوتی ہے۔ تا بوت کی بھی مجھ حقیقت ہوتی ہے۔ دیکھو حضرت مولی کے تا بوت كى اُن كى است كى تنى قدر كى سى داور تا بوت بىن تقائمى كيا حضرت الله ادر حضرت بارون کے تبرکات بعنی عصا ، عام ، جوتا دغیره - ادر خود ابوت معمولی لكوسى كأصندون عقا جس مين حضرت وسي كى ماسك أن كوب درك دريا مين وال ديا تقا- اس مس اور حضرت موسي و بارون كے جوتوں اوركبرول كي زار المل ن كتني عزمت كى اوراس نسبت سے ان چيزوں ميں هي اتنى بركمت موكني عقى كد بنواسرائيل كو ہرشكل كے وقت أن سے فائدہ ہى بہنچتا تھا۔ اور خدانے بھى ان چنروں کی تنظیم کوصنروری مجھا۔ قرآن شریف تک میں تا بوت موسی کا ذکرہے۔ حضرت عیسی کے گدھے کا نعل اور اس سے بال متبرک مجھ کرلوگ لے جاتے تھے فداد ندتعالیٰ نے بھی جتادیا تھا کرحس سے ہمارے بنی کی نسبت ہوجائے میں۔ اس کی عرصہ اس کی امسعہ پر داحبب ہوگی۔ تا بوت موسی میں بنواسرائیل کے لیے تسكين ونصرت ركفي كمي . نا قدصالح ايك جا نور بي تو عقا جو كم حضرت صالح مس أس كى نسبت بوگئى تقى لهذا أن كى است براس كا احترام داحبب كرديا كيا بيقا -كعبدكياس جناب ابراميم كابنايا مواعبادت خانه وجونكه ايك نبى كانتي ريفيس اورنبي زادى نادى الله ولا اس نسيب سے ده بسيت الله كهلايا-اوراس كا طواف واجب ہوگیا ۔ چونکہ چند افعال صفرت ابرائیم سے سرزد ہوے تھے جو خدا سے بسند کیے وہ ارکان تج مقرر کردیے سکئے ۔خدا کی شان د کھیو۔ اینٹ، پچھراورجا نور تو شعائرا متر بوجائيس اورتعظيم كمستحق مول وجونكه ان كى نسبسكسى تكسى بيكسي سي

اہلیت رسالت میں سے سے بہلی شہید اظلم جواس استحان صبرہ رصا میں سے بیلی شہید اظلم جواس استحان صبرہ رصا میں سے بیلی شہید اور استحان کرتے بینچی وہ جناب فاطمة الزہر اصلوٰۃ استرعلیہ ایس ہم ان نفوس قدریہ کے بوائح جیات کے سلسلہ کواسی بارہ حکر رسول کے واقعات سے سروع کرتے ہیں۔ اور تاریخی شوا ہد و براہین سے تابت کرتے ہیں کہ ان میں سے ہرایا سے بزرگ ، مرد ہو کہ عورت ، اینی زندگی کا مقصد خداکی اطاعت اور اس کے دین کی خدمت میں ہے دیں کی خدمت میں ہے اور ان دے کورت ، اینی زندگی کا مقصد خداکی اطاعت اور اس کے دین کی خدمت میں ہے اور میں سے براور اس کے دین کی خدمت میں ہے اور میں اتنی ہملت دے اور میں سے خداو ند تعالیٰ سے دعا ہے کہ میں ایس حیات اور میں اتنی ہملت دے اور میں سے اور دانی دے کہ ان جمالات اور میں سے اسلامیہ کے اور میں اسلوب بیان کرسکوں ۔ آ مین ۔

داخل سے انسان کی سبتی کی اس سے زیادہ اور کیا صد ہو کتی ہے۔ زن ومرد کے تعلقا ان كى اس بربيت كمطابق عقے كسى اوركى منكوج ورت سىعشق ومجمع كرنا عام ہی نہ تھا بلکہ اُس پر فخر کیا جاتا تھا اور اشعاروں سے ذریعہ سے قبائل دقبائل شہر كيا جاتا تھا سبعد علقات كے بيك تصيدے كے سولھوٹي اورسترهوئي شعراس كا بين بوت بي يرايك فيجوان عرب كاسب سي براقابل فخر كارنامه بواكراً عما. ابھی یرمعا مارسین نسین ختم او المكراس منكو صعفوقد كے ال تعلقات كواس كافاؤند سنتا تھااور اپنی بیوی کے ان کا زاموں سے خوش ہوتا تھا۔ان کے سنف نا ذک كى نزاكت يىقى كدارانى ميس ماس بوس دىمنوں كے حكرو دل كو كيا جاتى تقييں-اوران کے ناک کا ن اور عضوتناسل کا بارائیے گئے میں اطاع تی تقیں۔ اس بیم کے بوجب بہندہ زوج اوسفیان سے حضرت حزہ کا حکمرو دل کیا جایاتھا۔ یہ دہی محترمہ تقیں جن کے فاوند او مفیان کی موجودگی میں ان کی عشق بازی کا جرجا عام تقا۔ اورصرت عباس اپنی جا ہمیت کے زمانے میں ان کے وش نصیب عشان میں سے ایک تھے سااوقات ایسا ہوا ہے کہ ایک ہی طریس ایک عدرت في كئيم دول سے مقارب كى جمل ده كيا ليكن يه معلوم بوسكاكه نطف كس كام وضع حمل كے بعد قيا فرشناسوں كو بلايا جاتا تھا اور وہ اسپے علم قیا فرشناسی کے بوجب اس کے باب کومعلوم کرتے تھے۔ اس عورت سے اُس طرمیں مقارب کرنے والوں کی ایک لائن ان کے سامنے لگ جاتی تھی قیافت کا تمهى بيني كو ديجية سقي تعمى ان خوش نصيب عشات كى لائن يرنظر دالتي سقه. ان میں سے حس کے خط و خال کے ساتھ بیتے کا کبشرہ مل جاتا تھا اسی کے حوالہ وه بچر کرد یا جاتا تھا۔ حضرت عمرو بن العاص بھی الیسے ہی قیا فدشناسی کے دربیہ سے عاص سے سرچینیے گئے کتے ۔ ایسے ہی ایک منینے زیاد ابن ابیمبی تقے جن کے باب نامعلوم تھے لیکین امیرمعاویہ سے غالبًا خاندانی دوایات کی بنار پر أنفيس ايي مرده باب اوسفيان كى طرف منسوب كرديا تقا - كوابان هي ميش الدي منق حبفوں سے ابوسفیان اور والدہ زیاد کی مقار سب کی میٹم دیرشا درہے تی تھی۔ معلوم بواكه يبغل أس زمان مين اليهامعزز اورقابل فيرسجها حاتا كقساكه

عفت وبزرگی کے آثار ناصیہ سے ہویدا تھے ۔ اس زمانہ تاریکی میں همی حضرت کیکو طاهره كالقب دياكيا عما - اور بلحاظ سيا دت و شرافت ان كو قريش سيدة النساء كيت تق يق ويكدان ك دالدخو للد ضيف موسك من عقد حضرت فد يجد ليف الدك كورو بارسجارت كى مضرم تقيل - اوراسى سلسله مين جناب رسالت مآج كى صفات وخصائل سے واکھنیت ہوئی ۔ لوگ کہتے ہیں کجناب محد مصطفیٰ کی راست گودنی، دیا نتداری ،خوش معاملی اورحسن انتظام سے متاثر ہو کرحضرت خدیجیانے پیغام کاح مجیجا مکن سے کہ الیا ہد لیکن یکھی صنرورہ اور وجودہ سائنس کی تحقیقات کا نتیجہ بھی ہیں ہے کہ ہرایک انسان کے اردگرداس کا ایک مقناطليسي حلقاجذب واثر ہوتا ہے اور پیخصی مقناطیس اثریزیر ہوتا ہے استخص کی عادات ، کرداراصفات اورخصائل سے ینطا ہرسے کہ ہم نس کو ہم منس سے انسیت ہوتی ہے صدیوں کے برب کا پخواہے کرکت بہمنس إلىمجينس پرداز - بعيني ايك سي بهي عادت وخصائل كي لوگ آبيس مي رف كر ربت بير- أكر دوسخص بين جن كالمقناطيسي صلقة الراكب بي انك إلقريبًا ایک ہی رنگ کا ہے وہ ایک دوسرے سے فوراً مل جا ہیں گے اور آئیس سی مجمعت کرنے لگیں گے ۔ ایک کا مقناطیسی صلقۂ اثر دوسرے کو اپنی طنت مر من المان مراكب المراكب المراكب المراجب المراق مع المراكب المراكب وجر سے اگرایک شخص ظال نہ و بے رحانہ عاد تیں رکھتا ہے تو نہ تواس کا رجمان رحد التخص كى طرف بعركا - اور نه رحمل اوى اس كى طرف أن ح كرسكاكا - مكار و فریبی به پشدا بنے جیسے صاحب مکہ و فریب سے انسیت کرے گا۔ ندہبی اور ملکی لیڈروں اور رہناوں کی تقلید بھی اسی اصول پر ہوتی ہے ۔ اگر ایک شخص بیالاک ،عیار ، اینے مطلب حاصل کرنے میں ہوشیار اور اپنی اغراض کے اسك دين كوفراموش كرك والاب توده تام لوك جويه خاصيتين سكفة بي يا ان خاصیتوں کو اچھاسمجھتے ہیں وہ اس کی طرف خبکیں گے اس کو اٹھا تجھیں گے صاحب سیاست وعقل کہ گڑاس کی تعربیت کریں گے -برخلات اس کے وه اوگ جوت كا زياده خيال كه بي - ايني ذاتي اغراض برحى وانصاف كه

19

اب ببیویں صدی سے وسط میں جو سائنس کی ترفی کا بضعت النہارہے۔ اس بحنث كوطوالت دييني كى صرورت نيس كروالدين سے وراثت ميں سرافت ، نجابت كرواد اور أن ك خصائل وصفات بهي اسى طرح منة بس حب طرح كما ال دولت ایسی وجرسے کرونیا کی ہر حقد میں کسی تنفس کے خصا الل و کرداد معلوم کرنے کے لیے اس کے والدین کی نجابت وسرافت وکردار کوبہست اہمیست دی جاتی رہی ہے انسان توانسان حافروں کے لیے بھی ہی قاعدہ تھا۔ وج یہ سے کہ قانون حیات اجسام برایک جا ندار کی صورت میں ایک ہی طرح علی کرنا ہے۔ جاندار توجا ندار بے جانوں کی تھی ہی صورت ہے۔ تھی یہ نسیں د کھیا گیا کہ میٹھے آم کی تشمل سے کھٹے ہم سیدا موں - یا مفتے یا دام سی کردے یا دام مگیں -جناب فاطمدك والدبرركوارجناب محدصطف ابن عيدا مشدابن شبيلاطمد (عبدالمطلب) این عمرو ( ماشم) بن مغیره (عبدمنا دی) بن زید (تصنی) ابنگیم (كلاب) بن مره بن كعب بن اذى بن خالب بن فتربن مالك بن فيس (النف بن كن روبي فرايد بن عام (مدركم) ابن الياس بن عمره (مصر) بن فزار بن معدبن عدنان ہیں ۔ آپ کی والدہ ماحدہ معتبرت خدیج بنست خوبلدین اسد بن عبدالغرى بن فقى بى جناب دسول خدا تسير چىقى ئىشىت مى ملتى بى -ماں کی طرف سے حضرت خدیجہ کا شجرہ منسب یہ ہے۔ خدیجہ منبعہ فاطم میں بنت دالده بن الاصلم بن مرم بن دواح بن عرب عبد بن عيص بن عامر-ال كى طرف سے يعنى صرف فد يجركى نجا بسط ہے -صرب فدیجے والد فریار قریش کے معزز رسی سے بہت صاحب رُون سے مصرت فریجہ کی ولادت مصف میں ہوتی ۔ مین ای سے

(٥)سب سيهيلى كازفد كيرف جناب رسول فدائك سائم يرهي -( ٢ ) حضرت علی كى يرورش كرين كا اعزازان كو صاصل موا -(١) دنيا كى چار بهترين عورتوں ميں سے ايك بين -اوران كى صاحباردى دونسري غورست بيس -(٨) عِدَهُ المُدينِ -حافظ ابن عبر السب الاستيعاب في معرفة الاصحاب سي حضرت خديجه کے ذکر میں حضرت او ہریرہ ،حضرت عبداللہ ابن عباس ،انس بن مالک ، حضرت على وديكر صحابب سے روايت نقل كرتے ہي كرجناب رسول خدا فرما ياكرت من كا كا مورتول من حاري وتين بهترين اور افضل ترين إي بين فديجه بنت وليد، فاطر بنت محر، مريم بنت عمران اود أسير بنت مزاحم ذوح فرعوب حصرت عائشه كهتي بين كرميس كي كسي عورت براتنا برشك وحسد بندير كياجتنا فدى يراس كى دجريت كرجناب رسول فندان كا ذكر خيراكثر كرت دبيت تق ادر بميشدان كويادكياكرة محق حب مجمى كفرسي بابرجات مف أوسيك فدي كو ياد كرلياكرت في اور تربين كرت هي - ايك دند كي بهد كرت أن -ير خ كها كه خدى كيا على - أيك مرهيا إى توحقى - خدا وند تعالى بخاس كے بدله اید کو بهتر زوج دی - ده بوه علی - خداست اید کو بصورت باکره عورت دی۔ اس برال حضرت کوبست عضرا یا۔ اس قدر کرعضر سے آپ کے سرکے بال كورك إلو ك اور فرا ياكرنسين فسم كاداس سي مبترز وج مجهانس ملى -وہ مجیریر اس وقت ایمان لائی کرجب کوئی میں ایمان ندلایا تھا۔اس نے میرے دعوی کی اس وقت تصدیق کی حب اور اوگ مکذیب کردیم عقے اس نے است ال میں مجھے شراکی کیا کہ حب سب او گیل نے سیجھے محروم کردیا تھا۔ ضالے مجداس سے اولا دوی در آنا کا لیکرسی اورمیری زوجہ سے اولا دہنیں ہوئی۔ ختم ہدی دوایت - جناب خدیجہ بیشت کے سائٹ سال بیداور بچرت سے يانج سال تبل وس بوليس هي من الاستيعاب الجزوات في مص لفايت ملك وكرفد يج منت فويلد مطبوعدد الرة المعادت ويكر المردك متدرك على المسيحين الما كم الجزوات المن مقدا ، مندا

ترجيح ويتي بي ، خداس أرت رہتے ہيں - كوشش كرتے بين كدور كسى كليسلم انكريں يولوگ أن رہنما وُں كو اچھا تنجھيں كے ۔ اور ان كى طرف نئيں مالل ہوں گئے۔ میں اصول تا رہے خالم کے بڑے بڑے سیاسی و مذہبی رہنماؤں پر مادی ہے جوصد یوں سیلے گزر کے ہیں ۔اس زمانے میں ان گزرے ہوے رہنما وُں کی تعربیت کریسے والے اور ان کو اچھا سمجھنے والے وہی لوگ ہیں جو أن مبسى خصائل أيطقة بين اورأن خصائل كوبيند كرتي بين عز ضكر جنا فيدي اور محد مصطفّے کی ہمرنگی خصائل نے یہ مقناطیسی انسیت بیدا کردی حیں نے جناب خدیج کوال صرت سے نکاح کرنے پر مائل کیا اور اس صرت کے بھی قبول فرمایا مید میمزنگی خصائل وصفات ہی مقی که آن حضرت انھی اپنی بہلی وص کے حالات بیان کردہے سے کر جناب خدیجے نے کہ دیا کہ مبارک ہو اورایان کے آئیں۔ اسی ہمرنگئ خصائل کانتیجہ تقا کرسادی ازدواجی زندگی أل حضرت كم سائد منايت مجتب والفن سي كزري واورتهي ايك د فعرهي کوئی ناگوار دا قعه نه میشی آیا- اور پیغیر منسست اورغیر طرسی خصائل ہی مقبی که حبس كى وحبس معض انداج سے أن حضرت كى وند كى دوشكوار زُكرزى بيا تك كەقرانى تىنىيەكى ضرور يونى -

نگاج کے وقت اُں حضرت کی عمر ۲۵ سال کی اور حضرت خدیجیہ کی چالین سال کی اور حضرت خدیجیہ کی چالین سال کی اور حضرت کے دوران حیات میں اُں حضرت کے دوران حیات میں اُں حضرت کے دوسری شاوی نہوا۔ دوسری شاوی نہیں کی ۔ اُں حضرت کو جناب خدیجہ کا ذکر منابیت محبّت کے ساتھ کرتے تھے اور جب اُن کا خیال آتا تھا دوسے لگتے تھے حضرت خدیجہ کی کئی اولیات ہیں:۔

(١) آپ رسول فلائيسب سے بيلى بيدى بي

(٢) ملقدُ اللهم بين سب سي ميك واخل مولين -

(سر) سب سے بہلے جناب رسول خدائے اپنی بعثت کا تذکرہ خدر کے۔ سے کیا ۔

(١٧) سب سے کہلے حضرت خدیجہ نے جناب درول خدام کی تصدیق کی ۔

4

نورتو ولیا کا ولیا ہی رہا کا فرخاوند ہونے کی وجہ سے عورت کے نور ہونے میں

جندا موران لوگوں کے غور کے لیے بیش کرتا ہوں۔ جو کہتے ہیں کر حضرت رقيه حضرت ام كلتوم اورحضرت زيس أن حضرت كى صلبى لركيا ب تقين -(١) حضرت خد يجها وروك حضرت كي اولادكي ترتيب بيد اليش يربان کی جاتی ہے:۔

قاسم، بچرز رئیب، بچرعبدا متٰد، بچرام کلتوم، بچر فاطمه اور بچرد قبید کی (١) آن حضرت كي عمر تعين سال كي تقي حبب حضرت زينب پياز ۾ نيب مفرس زينسيك كانكاح كافرخا ومدسي قبل بعشت بدواسه رس بیشت کے وقت آن صغرت کی عمرج لیش سال کی تھی میں رم ) کویا کا ح کے وقع صرح دینب کی عمروش سال سے کم تھی -ره ) أن حضرت كي عربينتيش مال كي هي جب حضرت دفيه بدا موكيدت (١) حضرت وقيه كا نكاح عليه ابن الى لهب سے ابت الله الله بنشت پر آاس نے ان کوطلاق ہی دستادی د

() کاح کے دقت مصرت دقیرسات سال سے کم عمر کی تقییں -(م) اس عجلت کے ساتھ اتن کم عمر میں کا فرخا و ہدوں سے اپنی صلبی الكيوركوبياه دينا جناب بيغيرضا سي خلاف قياس معلوم إدنا جاب آك اس کی سب دلخواہ توجیہ نے وجاوے ان لڑکیوں کا آن حضرت کی صلبی ادالاد ہوا قرین قیاس بنہیں معلوم ہوتا -

كله الاستيماب الجزرا لي ن مص ، وسي عده الاستيماب الجزراك ن من مرة النبي سلى 20 الاستيعاب الجيروالثاني ميسك

## باتسوم برادراك وحواهران

جناب فديج كے بطن سے جناب رسول خدا كے دو فردندان عقر، قاسم و عبدالله - قاسم سب سے بڑے تھے - چلنے بھر نے لگے تھے کر مکتبی میں اُتقال روكيا - ان كى وحيس جناب رسول خدّا كي كنيت ابوالقاسم بودي له عيدالترح كا لقنب طیتیب وطا ہر کھا مکہ میں خلور اسلام کے بعد پیدا ہو ے اور مکہ ہی میں انتقال ہوگیا ۔جناب رسول فداکی نسل صرف جناب فاطر سیطی جناف طمار کے علادہ آل حضرت کی اولا دیس سے کوئی اور آل حضرت کی وفات کے وقت ننده من تقا - أن مصرت فرما ياكرت عقد كميري سل صلب على ابن ابي طالبير ودبعت كي كني سے حباب فاطمة كي حقيقي مينوں سي اختلاف سے يعض كے خيال كم مطابق حصرمت زينب، حضرت رقية ادر حضرت ام كلثوم أل حضرت كي صلبى لوكياب ديقيس يسكين سلما ذركى أكشريت اس طرف كلى كرييون فذا يسيم مجى أن مصرت كصلى الوكيا ب تقيل بهاد المحيال مين اس محيث وطوالت فيت کی صنرورت بنسیس بیرا مرسلمه سیم که به تعینون مخدرات عِصمه بید کا فرخاه ندون سے بیایی تَئَى تَقَايِل - رَقَيْه اورام كلتُوم - الولهب جيبية يَتَمن خلاد رسول سيح بييول سع بيابي مئی تھیں انفوں سے بعد زول سورۃ ابی لھب ان دو ہوں کوطلاق سے دیا۔ حضرت زنیب این عمر کے آخر صفت کے فرخا وند کے تحت میں رہیں۔ لہذاان مخدرا متعصمت اورجناك فاطئه كي فضيلت مين زمين واسمان كالسندن بوار حضرت فاطمئك معلق أصصرت فرما ياكرة عظ كالرعلى نربوت وفاطئه كا کوائی کفوہی مدہوتا - ہما دسے خیال میں حضرت دقیدا در حضرت ام کلنؤم کے مسلمان خاه ندکو ذوالنورین کهنا مناسب نهیس -اگران کی دحبسےان کا خاوند دوالنورين إدا توان ميس سے مراكب كا كا فرخا و ند دوالنور تو صرور موا كونك

بيرة فاطمة الزهرأ

الطاهره، زمرا، الزكيه، المرضيه وغيره وغيره- آب كوبتول اس وجهت كتيمين كراب كاكوني نظير حشن وجال وصفات مين ندي اورآب معمولي مستورات كي عوارض مشلًا حيض و نفاس سي مبرا تقيس -جا فاطرة سي ا تفائ الهي صادر برجي على كرجناب فاطرة كا درط ففيلت بسائن مرام المست اعلیٰ رکھا جا وہ مداراس سنت المدر کے مطابق مصائن کے اللہ اللہ میں تناسب تقل قا كم كرديا مي- آب كا درجيرا بالعبي بهت محنت عقا جب إوس بنها الأودي كرمادى ۋم باب كى دىمن سى دوران ك قتل كى درىيە سى دودكى فىنى كى تذليل سے تمام كھرورر رئے وغم كے بادل جھائے رہتے تھے جب مريد آليا تو واں کی زندگی میں اس طرف سے تواطینان تھا لیکن اس عمرت کی زندگی مین خانددادی اور بیرس کو یا انا بذات خود ایک ابتلادی - برصورت میرسی يەزماندسكون واطبینان كالتما - دالدما حد زنده عقے كوگ عز سن كرتے عظے ـ اور وحى الى سع عسرت كى تحق خوشى ميس مبدل بوجا تى تقى كى ين احضرت کی رحلت کے بعد تو بکا یک مصائب کے بیا ڈائن بڑے یا ہے سے صرعظیمیا ليكن يمريمي مجبوراً كهنا براكه سه صبت على مصائب لوا دها!! صبت على الايّام صرن لياليا!! لینی سرے در ایسے مصائب کے بیالا ان پڑے ہیں کہ اگریدون بریاتے تووہ تاریکی میں مبتدل ہو جائے ۔ مصائب دالام كامستقل مسله رحلت رسول سيرشروع بوداسي-ايك تو اسیسے عزیز باب کی موست ہی کا فی دینے دہ مقی ۔ پیرامست کے حس طرح اسپنے بنیم کی ا بیادی اکاری الوی الوی کواس کے باب کا برسادیا وہ اس امت کے دامن برایا دالمئي دهترسم حس كون تومنطن كي معول مجليان اور نرجمه وري كي طفل تسليان مٹاسکتی ہیں۔ اس ہے اعتبالی اور احبان فرامیشی کا بچھ ٹھکا اسے۔ اُن کے باب کے متبدا طرکو سے عسل و کفن جھے الرکران کے متو ہر کے حقوق پر لین ا

انبيدائش انجرت

الانع إ ١١٥ يا داري ون المالانع

کیبیت القاب ایر کی کنیت ام الحسن ام الحسین ام الاثر، المهابطین اور ام الحسین ام الاثر، المهابطین اور ام البیا این - غالبًا اس آخری کنیت محمدی عام اوگرس کی مین مقصد کے ہیں جو یا اس کنیت کے معنی ہوے اس کی امرید واقعی تبلیغ حق وا نعقاد نسل وغیرہ امور میں آب اپنے والد ما حد کی مطلوب امید تھیں -

الله كالقاب يه بي : + البتول ، العصان ، الحره ، السيده ، العذوا ا

ليرة فاطمة الزهرأ

الایخ اسلام کا بر بهبت براوا قعه تھا۔ بیلی دفعہ علانیہ دعوت الی الی کا اعظان ہوا۔ اور ساتھ ہی ساتھ یہ بھبی بٹایا گیا کہ اس رسول کے کام کو آخر کک کون اٹجام دے كا مفائدان بنو باستم كے ليے كرين ميں ضاوند تعالى نے رسالية الاستار ودىيىت فرمايا بيهنا يرت فرومها بإسعاكا دن تقابص كواحفول في خانداني روايات ك طرح معمولاً وكله الدرايين بيون كوسنايا- اس واقعر ي مناس فاطري ال بعد گراافر کیا-اورجکرای ال ایپ کفلات برای طرف سے ا دشمنی کی آوازیر سن دی تقییل مضرف علی کی بینمت و جرارت سے عبری اور مجبت والدادك صداعة صرت فاطرع كه دل سي صرت في بيت والمداد عن مشابرٌ ها دي حضرت على شمه والدحضرت ابوطالب سيخصب عا نفيًّا إنَّ الدر جانت سے آں حضرت کی مفاطعت کی اس کے دشمن بھی قائل ہیں بولوئ الگائے "ابوطالب في ال حضرت (صلى الشرعليدوسلم) كي يدومان الدال كين اسست كون الكاركيسكتاسي ؟ وه اسيخ حكر أوشون كس كرا سيد ير نشادكرة من يهيكي عبي مين تام عرب كوابنا دسمن بناليا- أب كي خاط محصور إلا عد - فاقع الله على من المرسي كالي كرف مين من بس أك م و دانسدرا کیا یومجست ، بروش ، برجان نثاریا ب منا می می گاله المع يل كريوادى الله الله الله الله الإطالب كى وفات كرينداي روز بعد صفرت خد كبرن مجمي وفامس كى يعض دوايتون مين ي كرا مفون فا ابوط السب سے ميل اتقال كيا-اب أب ك مدد كارادر عكسار ددون أتخد ك صحاب فود ا بنى حالت مين مبلا سقيمين زماندې جواسلام كاسخنساترين زماندې (بقيمه من مات مات ابن كثيرشامي: الدياية والنهاية في الماديج الجزوالثالم عن ابن تيميه مناج انسنتا أير والرابع من الوالفداء الجزوالاول مدن ماده ترجم لذلا الحفاء صيوم مك Gillon Dectine and fall vol II P. 499 cilmans History of sarozens 283 Let I'm Janophy - High all

كرنے كے بيے مدينہ كے اس دور و دراز مقام بر چلے كئے جاں دات كى تاركى ميں بیٹیرکر چررادر ڈاکوخلق خداکو لوٹنے کے لیے منصوبے با ندھاکرتے تھے بیقیفینی عد کے ظام آمیز، ظلم انگیر، ظلم پرور دنیصلہ کے خلاف جواحتی جی خطبہ جنا فیاطم ٹرین دیا ہے وہ عربی علم ادب کا بہترین منوند ، دل کے اندر بیٹھے ہوئے تم کا واضح ترین نقشه اور امت کے فاسقانہ ، ظاک نہ اورظلمت و گرا ہی کی تا ریکیوں میں لیے ہوئے تقیل کی بیتین کو ئیوں کا خزینہ دہ آپ کے او پر لکھے ہوسے تعرکی بوری تشریج ہے۔ اب کے مصائب کا مفصل ذکر انشاء اللہ ایندہ سے گا۔ حضرت علی کی وزارت اور اسلاعی میں جناب دسول فلاسور شاہبالت مسرت کی کرد ارف اور ام این اسل کتبین اسلام فی مت جناب اوطالب کی حاریث ل استان کی اسلام فی مت جناب اوطالب کی حاریث ل كا قربين علانيه تبليغ كي احازت ملي توحكم إمواكه نبيلًه وه نزد يكي رمشته داروب س سروع کی حائے۔ یہ بھی قرابت رسول کی عظمت بھی کرمب سے پہلے علانمیہ۔ دعوت اسلام ان کو دی جائے حس طرح کمخفی دعوت اسلام تھی پہلے اقربین اولى حضرت خديجه وحضيرت على بهي سيسشروع بدوي عقى -استحكم سم ملت بى آں حضرت نے اس کی عمیل کی تیاری اسپنے وزیر و خلیفہ حضرت علی سے کرائی۔ الفوس نے دعوت کا سامان کیا ۔ سبی عبدالطلب کوبلایا۔ سیلےروز توابولسب نے بدان سي سبقت كى اور محمع كوستشركرديا - دوسرب روز كيريهى مكم حضرت علي كو الله اسي طرح تعميل موني - لوك جمع موس - دعوت كا انتظام مواصيا فت كهاني -بيمرآن حضرت نے اسپنے مشن كا ذكر كيا ، اور كير فرما يا كه كون سنے تم يس سے جواس امر رسالت میں میرا وزیر اخلیفه و وصی ہو و ہے ۔ وہ تام لوگ خاموش رہے۔ نسکین حصنرت علیٰ نے جو سب میں حصو لے تھے کہا کہ اے بنی انتدیں آپ کا وزیر و خلیف بننے اور آ ہے۔ کے بوجھ سالے نے کے لیے تیار ہوں یس آل حضرت نے علیٰ کی گردن کو ہا عقسے پکڑکرکها که اے لوگو! بیمیرا عبانی ،میرا وزیر،میراخلیف میراوصی سے بس تم اس کی بات سنو اور اس کی اطاعت کرویشه ف كوين جربالطبري .- تاريخ الأم والملوك الجزاءات في صلة ابن الاشر. "اريخ الكامل الجزال في منا

18のずるながり

ليرة فاطمة النهما صرت بنوبالشم سطف ليكن ابوجبل وابولهب اوران كي اولا داس مين بنين عظم وہ قرایش کے ساتھ سے مصرت اویکر و معنرت عربی بام رای آناد سے وہ می أن حضرتُ كى كى مدد مذكريك اور شفل دمنره بينها سك- بال مي حفريد مفيك کے رشتہ داریا دیگر حمدل ارسین اس کوئی دراسا غلہ جوری چھیے بہنا دیا اتھا۔ ايك وقعه كا ذكري كفكيم بن مزام بن خولدين مدج حضرت فدي كالعثيجا علا اليف غلام كوسا عد يكون كا بالمراب الوطال على في التم كف ي الم الواليان ابوجبل مل كيا -اس ك دوكا اوركما كربخداتم بي خوماك ينويا شم كياس بنيس بے جاسکت اور اگرائے بھے توس مے کوتام قرایش میں اسواکروں کا است میں بوالبخترى بن بشام بن الحارث ولان مركيا - الإجهل في سي شيكايت كي ر لىكىن ايوالبخترى من خليم بن حرام كى حايت كى - أبير، اين عند اكلائي، يونى -ابوالبخترى من الوتيل كيمس و في المادا - اور وه خوراك ، المصنوف كي ياس يني ككى - يه محاسره كلي عسر والديم ككرتين سال ديا - اس ماصروني ابوطالب كے مزدرج بالا واقعات كے المحاد كھوسكا جناب فاطمة الزهرائك اس فالمستحيك حالات بي بنار .. الإطالم أن كاركزاد إول اورخدمات كابيا ل غيرهان مناوكا جوا كفوس في الروام او غيار ك حفاظت ين بي - بار بار قريش المي دفيركوا بوطائي كي باس الصيف في اورات عاكرت عظ كريات من كالمركوم رس حاسك كريكرم أن كوقبل كردي يال دوكوكروه بماري فعداكو را فكسيس مضرت العطالب فكووزم الفاظكمان واليس كردسية عقى - اور تعر جناب رسول فهاك بلاكر يك المائة المنات كراب المستع إنادى كساع وكنا جائية بوكة ربور بخداس مي مركة والمانيون جب جناب رسول ضائك قريش كى اديون سے جاسات كا خيال سے اربن چندامی اب کومیشر کیمیج دیا ترقریش نے شاہ میش نجامتی کے اِس اسینے قاصد مي الدرات ماك كريد ماجرين بمارك كان مكادين -ان كريار ياس يمج دو - وليكورصرت الوطالب في اينا خاص قاصد ومراسله بالشي كياري

علاه تاريخ طبري الجروال في مصل هل تاريخ طبري الجروال في دار مشلاء مال

اورخود آن حضرت (صلی الشد علیه دیلم) اس سال کو عام اکزن (سال عم) ذ ما اكرت تفي " لله ..

مصرت ابوطالب اورمضرت فد كيه ف سنانوي س انتقال كيا ولوى شلى كته اين :-

" ابطالب اور فديج ك الله جائے ك بعد قريش كس كا ياس تعا اب وه نهامت ب رحمی وب باکیسے آس صرت (صلی النوعليه وسلم) کو التاتے تھے۔ ایک دفعہ آپ المامیں طاری تھے۔ ایک تقی نے آگر فرق مبادك برخاك وال دى - اسى حالت مين آب مكرمين تشزيي الساعة أب كى صاحبزادى سن دئيما قويا نى كى كرأيس آب كاسردهونى مِانْ تقيس اورجوش مجسع مدى جانى تقيس-آب ي فراياكمان بدر رومنين - فلا شرك إب كر يجا ك كا" الله

وه صاحزادي يي حضرت فاطريقيس حضرت ابوطالب كي خدما ساسلامير ك الساد مين شعب ابوطالب كا ذكرنا كزير الله وجب قريش ف دكيها كداسلام كا دائره دسیم به تاماتا ہے اور ابوطالب بینیبارسلام کی حفاظت سے بازنسیں آنتے توافقوں مے امیں میں معاہدہ کیا کہ جات رسول خدا اور آپ کے خاندان کو مصور كرك تباه كرديا جائے - أبس ميں شرطك كدك في بنوا سفم سے فقرابت كرے ش أن سي فريدو فروخت كريد - نذاك سي مل - اور نذاك كياس كان ييفيكا سامان جائے دے۔ جب کا وہ محد اصلحی کوقتل کے لیے ہادے والمنكرويں چنا نچ مجبور او کر حضرت ابطالب ان سب کو این شعب میں سے سکتے اور و یا ب پناه گزین ہو۔ یہ واقعہ محرم سے بندی میں داقع ہوا۔ ٹین سال کا بنوہاشم في استحصوري وقيد كي حالت مين بسركي جناب فاطمه اور أن كي والده ما حده حضرت خدیج بھی اُن سب کے ساتھ تھیں۔ بسااو قات بنو ہاشم کے باس کھ نہیں ہوتا تھا اور وہ درختوں کے سیتے کھا کرگزار ہکرتے سے۔ اس شعب ین الله مولوى شلى درسيرة النبي حصداول مجلداول صلاط مطله مولوى شبى وسبيرة النبي حصدادن

اجر المحمد المحم

تاریخ اسلام کاعظیم ترمین وا تعدیج ست رسول از مکته تا مدینه ب - اس نازک ترین و قت میں جناب رسول خدا کے جان کی حفاظت ہی ہنیں کراسلام کی حفاظت بھتی ۔ ملکہ تمام دمنیا کے تہذیب اخلات اس پرمبنی تھی۔ جناب سول خداً ' كتعليم نے جو كھردنيا كو ديا اتھى آئىستہ آئىستہ كوكوں كومعلوم ہوتا جارہا ہے مسلمان یرانی تنذیب اورنئی تنذیب کے درمیان میں ایک سلسلہ ہیں اگرا ا مندوسطیٰ ہیں سلمان یونان وروم کی متذب کو دنیامیں منجصلاتے تو آج و اہل بورپ کو یے فخر مذحاصل ہوتا کہ وہ فلاسفران یونا ن وحکمائے ، وم کے جانشین ہیں۔ بلکوہ پرانی تندریب تومعدوم موجاتی او ربیر بدرب کو و بهی جرکسنی کے حنظول کی تندیب ملتی مسلمانوں سے وہ برانی شذیب اوبرانی حکمت جوں کی توں اعتوں ای ایرانی و دی کیا اچھا ہوتا اگرا تھیں فتوحات و توسیع ملکت کی طرف اشی توجہ نہ ہوئی مكد وحاصل كرتے جاتے اُس كو اپناكرتے جاتے اور اسلام ميں دنگنے جاتے اُو اج تمام دنيا براسلام يهايا بوابوتا يكن سرعت فتوصات كي دجست الهي خود ان میں اسلام اتنا اسی نه ہوا تھا کہ ہونا ن سے فلسفے پر نفتید کرے اسلام کے وهائیے میں دھال کراسے الے جلاتے میرصورت ورب کی تمذیب جبیری بھی ہے دہ تمام کی تام سلما ذر کی منون احسان ہے۔ بہت سے بورپ کے علما ،اس کو استے ہیں ا ادراكروه منهى مانيس تواسس امرداقعه ونهيس بدل جاتا يحب طرح رسول يا جانشین رسول کو مذمانے ہے ان کی رسالت اور جانشینی رسالت پر تو کچرفرق ہمیں براً السلمان بجرت كى استظمت سے واقف عقے - جنا كيرجب سالنا فيركي الله صنرت عرك زمان بيرا مواكة ماريخ كب سي جلان جا جيئ الوتمام مرررا ورده اوگ جمع بردے مصرت علی سے فرما یا کہ بجرت دسول سے النے کا آغاز کرد

ودر اس کوسارے حالات سے آگاہ کرکے کہا کدان ہا جرین کواپنی هاظمین رکے اور درونش کے پاس نہیجنا ۔ نجاشی سے ابطالب کا کناکیا ۔ لاله حبية النسب مين محصور إوب أوالوطالب في جناب ديول فكلى حفاظت فيال سير انتظام كيا إوا تقاكران صربت كوايك مكر وولات متواتر بنيس الدود رو المراكم ال صرف كول ت من المالا و المراك الديك عيادت إلى يه نقره لاها كار وه اين ماكركوشون تاكوا بي نظام كرق تفي حقرمت الوطالب كے اسلام محمقل و كيواس كتابرة فاطر كا مح اكر صرب الوطالب ين است اسلام كا اعلان ذكيا تواس كي وحب يكي الماسيدر والمالي مفاظت كافيال عقا يونكن طابره كالكرده اينا اسلام إلكل علائيه ظا بركرديقة لو تير قرميش أن كيجي دشمن برجاق اوران كا اخر دروع حمل وجر سے دور دول فدا کی فاظمی کردے کے جا تا دہا۔ إن الله اس وجه كا اطار خود مضرب ابطالب ي كيا عله چوعشق صرب ابرطالب كوجناب رسالت مآئية سے مقاا و جس مرسعه و جائع كيما تدى لفين ك وجودكي س صرب على تدرول مذاك نموسك وصده فرایا اور بیرس بی داست اس وعده کا ایداد می شروع بوگیا اس که ولي برك جناب فاطرت اورينايت كرا اثريوا- اوراك كاول صنوعالي ا کی طرف سے احدا اندی اور شکر گزاری کے مذبات سے لبرنے وہ کیا ۔ دہ وہی کی تغیر کرماری دنیاک مخالفت کے مامنے یہ ہی دوبا پ ینٹے ایسے ہی کہ المالك لوالى المالك الم كرتة رب مندسه على مع جوما نفغان شب بجرت كى عقى اس كا ذكراب الرسلة المراكب

الله ميرة ابن منام مطبوعه مصر الجود والاول معن المن المن المن المن منام مطبوعة مصر حليد و منا

تلواروں سے آب کا خاتر کردیں تا کہ بنو ہاشتم کسی ایک تنبیلہ سے نصاص بیطلب
کرسکیں اورسب سے تصاص لینا اُن کے سیے نامکن ہو۔ اگر جمود بیت (ڈیوکرسی)
کے اصول بزات خود مطابئ عقل ہیں توان کی ردسے توجناب دسول خدا (خاکم بنہن
داحب القتل ہو چکے تھے ۔ کیا کوئی گمان کرسکت ہے کہ اس اور ایسے ہی دیگر تجہات
کے بعد بھی اس حضرت اپنے اسلام میں جہودیت کے اصول لا بیچ گریں گے۔ غرضکہ
قوم کے اس مفقہ فیصلے کے مطابق لوگ سرشام ہی سے آن کر آل حضرت کے ادار گر بیٹھ ہوگئے۔ ہاتھ میں نگی تلواریں اور شمنہ غضر سے لال ۔ اور علام الغیوب نے اپنے
انبی کر اس جہودیت کے فیصلے سے آگاہ کیا اور ہجرت کا حکم صادر فرما یا اور پھی ارشاد خلون ہو کا ہوا کہ جو ایک میں اشاد خلون ہوکا
ہوا کہ علی کو اپنی حبکہ اپنے نسبتر پرسُلا جائو۔ اپنی اس ہی تجویز کو خدا و ند تھا گی سے فران رہ ہوے کے لیے معرض علی میں مکر کے لفظ سے تبدیر کیا ہے جو کھا در کے کمر کو توڑ سے کے لیے معرض علی میں لا یا گیا ۔

وادا يمكر بك الذبن كن والمستبنوك ويقتلوك الميخرجوك و يمكرا لله والله خيرالماكرين -

بنا يُ انسب نے اس مكم كى مقولىدى كو بقول كرسكر مزندلى مم كيا، وله اس نازک ترین زمان میں جناب رسول خدا کی جان کی حفاظ میں واکو کے ك عليني (١) حفرت ابطالب في كرمين ٢١) بشب بجرت حفرت على في بستراسول یر دیمتوں کے نرغرمیں جناب رسول خدا کی نابیندگی کرے دمتمنوں کو ان صفرت كي تعاقب سي إزركم كر (مع) أن انصار مبيت عقيدا ولي وانبية چىنى سىنداكى دىدىندىس كاسنىكى دى دى بىدا مسلىپ كىكفار دىددى نىماد ت اسلام كى يُصلى مونى دو ك أك باكراه اسلام قبول كرك اودوا فره إسلام يس داهل بوکراسلام کے ساتھ وشنی کی اور ایسی تدا سراختیا رکیں جن سے سلانوں میں ووزاة ل بى سے بيور شدير گئى جو آج كى بنيس كئى اس كى ايك مثال يعبى ك الفول سن الين حكم من على اورجا لا كيول ست سلما ذل كي اكثريت كوابسا دهو كا ولكم ان عینوں عسان اسلام کی قدر بن کی آنکھوں سے گر کئی اوران کے دل میں ان كى طوت سے أيك يقيم كى نفرت بيدا بوكئى عضرت ابطالب كے ليے ق يمشور كردياك ده كا فرسط اوركا فرمرك حضرت على كوخلاف سع محوم ركفا ادرانصار كى سبىد اكثرتيت كى دىمنا كون كى يكماكرام خلافت ين نصاد كاكونى فى منين يَجْ حفاظمت رسول وضرمت اسلام كاكيا التيمازجرد يأكيا - يشيطان اور أن منافقين كاكام م كاكثريف كوس را الله يركالاك -

مضرت ابوطالب اور حضرت فدیجه کے بعد جاب ایمول خدا کا مکری ایمیا دستوار ہوگیا ۔ کی مصرت کا کوئی حایت کی نے والا نزرہا۔ اور قربیش نظر ہوگئے۔ اب انفول سے ہتیہ کرلیا کہ ایک آخری اور فیصلکن تدبیر کی جادے۔ اس مللے ومشورہ کے لیے سب دادالندوہ میں جمع ہوے۔ ہر قبیلہ کے لوگ وہاں بوج دیکھا ورائن سب کے سرخذ ابوسفیان مجھے۔ بہت می تدا بیر میش ہوئیں ۔ آخر کا دابوج لی کا یہ مستورہ سب سے متفقہ طور پر منظور کرلیا کہ ہرایک قبیلہ کا ایک ایک آدمی مل کر

هله طبری الجزوالوایی ششا الفاده ق شبل مصده دم مطبوعه آگره شنه الترصیمی نیک ابن تتیب. کنب الاماست دالبیاست الجزوالادل بیک میت نیز ده مجت طافط بوج مقیقهنی مها عده میس دولی حس کی بنادیدانها دکوخلانت سے محوم کیاگیا - سيبرة فاطمة الزمراء

تیزی کے ساتھ قدم اُٹھا مے بیاں تک کہ آپ کے بیر لدو کمان ہو گئے حضر علاہ کر نے دیکھا کہاس طرح آں حضرت کو کلیف مورسی ہے۔ لہذا اعفوں نے اپنی آواز ملند كي حبر كوشنا خت كركة أن حضرت علمركئ اور بعربه دونون غارثورمين داخل ببوسك ادھ صبح ہوتے ہی حب قریش کا وہ مجمع مکان کے ایر داخل ہوا۔ تو اسینے مطلوب محرمصطفة كوومان بإيان كى حكر حضرت على كوديكه كروه بهت بوافروختهو اورتلوارین ان رعلی سے بوچھا کہ محد کہاں ہیں - حضرت ملی نے بنایت مانت اور اسنميدگى سے سچاجاب دياكي الم الع محد كوميرے والدكيا تقاء و أب أن كو كجه الميمة بر حضرت على كے ب دهور ك جواب اور نظررويد سے قراب موعوب الوكئے-اوراس خيال سے كراب مزير كفتكوميں وقت صابع بهو كا أن حضرت كى لاس ميں روانہ ہو گئے ۔ پھ آومی تلاش کرتے کو تے مار ڈر مک آن پینے تو حضرت ابو بمرون کے مارے دوسے ملک اور کہا کہ ہم تو دوہی ہیں ۔ آل حضرت سے تشکین دی اور فرما یا کہ منين تمييرا خداهي مارسيسا فقيه عن قرآن طريف مين اس وا قعد كا وكرسه آں حضرمتی اس غادیں تین دن رہے ہیں وہاں سے نکلنے کا ادا دہ ہوا توآں حضرتا ان البية ربيب بنداين خديج كو حكم دياكدو اونف خريدكرك ويصرت الوبكرك كماكدين ن دورون تيار كه بين يون صرت في فرايا مين الن مين مسيحوي اون ذاوں گاجب كا قيمت ادا شكردوں - اور آب سے حضرت على كو حكم ديا كه ده قیمت اداکردیں جنائج حضرمع علی نے قیمت اداکردی ۔ یہ وہ روایت من جو المالى مين في المجعفر محدين الحسن الطوسى في النادكي ما تقبيان كى الما المالى من المالى المالى المالى المالى الم فطبقات میں تھام کر حضرت او بكرنے كها كه ان دد اونٹوں میں سے آب ایك لے لیں۔ ال حضرت نے فرایا کرقیمت اداکر کے اوں کا۔ ابد بکرنے یہ دواونط بنی تشیر إليقير حاسية مومه ) تا اليخ الوالفلا- الجورالادل على و دوعنة الصفا علد دوم عدود و ابن مشام سيرة النبي الجزوان في معل و الحاكم - سنددك الجزوال في صلا ومشرح درقاني الجزوالاول سليس ومبال لدين سيوطي - دوالمنشور الجزوالثاني صند در ذيل تفسير آبيا فد يمكر بك مندام صنبل الجزوا لاول مساس سينه تاديخ طبري الجزواك في معيم ومتدرك على المحصين الجروالثالث يتيه وملال لدين يوطى-درالمنتور الجزء الثالث منس

جن جن کی امانتیں محرکے پاس تقیں وہ آن کرلے جائیں تمام لوگوں کے سامنے علانیہ اس طرح تم اما نتیں اداکر دینا کو فاشخص کم کونقصان ہنیں ہینچا سکے گا میں اپنی بیلی فاطرى حفاظت عماي ومركرا بوس اورتم دو نوس كوضاك حفاظت مي جوداً ابوس فاطمه اورد گیربنو ہاشم اور دیگر اشخاص کے لیےجو بھرت کرنا چاہیں۔سوار میان خریابینا اور جب تم وہ تمام کام کر اوجن کی ہدا بیت میں نے کی ہے تومیرے خط کا انتظار کرنا اور اس کے بعد فررا خدا ورسول کی طرف بیجرت کرنا - بھر نہ کھرنا -

اس کے بعد آن حضرت نے علیٰ کو سینے سے لگا یا اور دو نے لگے حضرت علی ا بھی رویے لئے۔خدا وزر تعالی نے جبرئیل دمیکا ٹیل کی طرف دھی کی کہ میں سے المردد اور کے درمیان اشترا خوت قائم کیا سے میں الم دو اور میں سے کون ہے جو الينے بھا دئے کے بدلے مُوت اختیار کرے لیکن دونول نے انکارکیا خلافد دنیا کی نے ان کی طرف و حیجہی کہ دکیھو کیا تم سیرے ولی ملی کی طرح نہیں ہو سکتے کہ میں ج اس کے اور اپنے رسول کے درمیان اخوات قائم کی - اور اب علی سے اپنی جان اپنے بهانی پرنشار کردی یس متردولوں جاؤاوراس کی حفاظت کرو یس وہ دونوں کے جبرئيل على كرسر بان اورميكائيل بيرون كى طرف ببيّه كله اور كهف لگه كوعلى تم كو مبارك بوكد فداوندتعا في متهاري مثال دے كرايني ملائكم يرمبا بات كرتا ہے -صرب علی کی اس جاں نثاری کے صلیمیں ان کے حق میں یہ آمیت نازل إبرين - وَمِنَ النَّاسِ مَنْ يَشْرِى لَفْسَنَهُ أَبْتِغَاءَ مَرُضَاتِ اللَّهِ وَاللَّهُ رَوْفِ ما لُعبَادِ مِنْ مُ

توست اذ يمكر بك كآيه سے ظا مرب كعلى كوبسترد مول يشلان كى تجويزا فدا وند تعالیٰ کی طرف سے بولی متنی حضرت ابو بکر کو آپ حضرت کی اس بجرت کاعلم فنقا وہ اس رات کوجنا برسول ضراکے جلے جانے کے بعد آئے اورصنر علی عل سے دیجاکہ مصرف کماں ہیں ۔اعوں نے جواب دیا کہ غار ورکی طرف سے ہیں اگرئم كوان سے كوئى حاجت مو توئم و بال چلے جاؤ يضانچ حضرت الوبراُدهركي طرف رواد ہوے۔ داست میں آس حضرت کوکسی کے آنے کی آ بسط معلوم ہی آئے گا ملاح تاریخ طبری الجور النانی ملائل و ابن الا شر-تاریخ کا مل الجزر النانی ملاہ و

سواربوں کے درمیان آگئے۔ اسے میں جناح صفرت علی کی طرف جھکا کہ تلوار مادے كيونكم وه بييدل عقے اور يہ سوار تھا۔ اُسے مجھكنا بڑا حضرت على بگرتی سے اس كی ضر سے ایک طرف ہوسکئے اور پھراس کے کن مصے پر اس زور سے تلوار ماری کہ تلوار اس کے دو کوشے کرکے اس کے گھوڑے کے نتا نوں پر اترا کی اس کے بعد حضرت علی شیربر كى انداس كے سا تقيوں كى طرف ليك اور يدشع يرطق جاتے سے سے تَحلُّوا سبيل الجاهد المجاهد اليت كا اعبد عير الواحد وہ سب کے سب بھاگ سکتے یہ کہتے ہوے کہ اے علی تم اپنے تئیں ہما ہے ا س رئے سے روک لو۔ بیس دہ لوگ، بھاگ سکنے اور علی المین وابو واقد کے پاس أسن اور فرایا كه طلوایني سواريون كو كر. فتح وظفر كے ساتھ منزل صبحنان ميس داخل ہوے۔ یہ مہلی تلوار تھی جو خدا درسول واسلام کے لیے تھنچی تھی۔ اور یہ اولیت بھی حضرت علی ہی کے لیے ضوا نے مقرر کردی احضرت علی کا یہ بدلاجادادر كارنامه ضداكى راه مين جناب فاطرئه في وكيفا اور ضداكا شكرا داكيا كراك كوا ور ان کے دالد ماحد کوعلی کے ذریعہ سے خدا نے بچایا مشرل ضجنان پر ایک دن اور ایک داننددیم اود سیندغریب سلمان بھی بیال آن کراُن سے مطے اور داست بھر صنرب علی دران جارو ف طریع ناز و ذکر خدا مین گزاری اور کفرے معلی کراولریث کر ضلاہی کے ذکر میں شعنول رہے ۔ صبح ہوئی ۔ خا زیرِ هی اور بھر آگئے جلے اور استہر علی اور دہ جوان کے ساتھ کھے ذکر ضدا ہی کرتے ہوے چلے بیان تک کرمقام تبایر أن جعنر معالم الله على المنتي سع يملك أن كى حالات كى اطلاع ضداہ دقعالی فی مند بعد اس وحی کے اپنے رسول کو دمی - الدنین کی کوون الله إِنَّيَامًا وَقَعُودًا وَعَلَىٰ حُنُو يِهِمْ (الى وَله تعالىٰ) فَا سُتَجَابَ لَهُمُ رَبُّهُمُ الى لا اضيع عسل عاصل منكوس ذكواوانثى بعضكمون بعض فالنابن هاجوواوا خرجوامن ديارهم واوذوا فىسبيلى وقاتلوا وقتاوكالفرن عنهدسيًا تهم ولا دخلنهم جنات تجرى من تحتها الانهاد توابا من عندالله والله عندائي حسن الثواب - اورجناب رسول خداف أيد امبالك ومن الناس من ليشرى نفسه ابتعاء مرصاة الله والله رؤف بالعاد

أكرس ورجم مين فريب عقر آن حشرت فيساداكرك ايك ليا سركانام قصدا تقا سیرة ابن بشام میں ابن اسئ سے روابیت ہے کہ آں صرب فرمایاکہ میں میرکر اس اونٹ پرسواری نکروں کا حسی کی میں سنے قیمت ادا نہیں کی ۔ بیس آب سے اس کی قیمت دسے کرایک اور سے مریدلیا سے مديد مي نزديب قياكي ياس أن كران حضرت عظر كر محضرت الديكيدية اداده كيا كدمدينه مين داخل مول يلكن آب سے فرايا كدمين بركزمديندمين داخل انتهون گاجب تك ميراابن عم على اورميري دختر فاطيد ندم ئيس - اب نے وال سے الك خط مضرت على كو كلما وصنرت على ان احكام ك تعميل كري على ما المعام كالتعميل بال عظ حب يدقر بينا ترصرت على في سواديان زيين اور عام غيث كروزسل بول كركه كدوات كوفرى طوى يراحا ليس اوراب عيى فاطرينية ودل منتا ابني والده فاطمينبت اسدس ماشم ابني ننست عم فاطمه سنت الزبيرين عبدلمطلب اور فاطرينت عزه بن عبدالطلب في ممراه نكل - المين مولى وسول و مشد و ابد وا قدالليشي عبي آب كي براه عقد - ابدوا قداد نول كوتيزي سيمبلا رب من وصنوت على من كما كه اسه الدوا قد عورتس ساته بدي أن سندا استري مسيها ابووا قدين كماكر دشمن مرآجاليس مصرت على الكراك رسول ضداف فرمايات كروشمن تقيين نقصان دينها سكيس كي- اورخود حضرت على آجست آجست اوتلول كوتيلا مين لك مَنْزِلَ صْبِحْنَان كَے نزد كيك آغُرسوادان قريش ان كى طلب ايس آپنچ الت محراة جناح مولى حرب ابن الميهجمي ها حضربة عليٌّ ن المين وابو وافدس كما كراوشول كوظهر كربا عده دو اوراسيات آن كرعورون كواتادا-است مين وإلاسوا ميى نزدك ركي وصفرت على ايني تلوار للسنج كرأن كى طرف جليد أن لوكول ين كما كراب شرار لويجها تفاكر عورنون كرسا تفتل جاب لا كاجل وابس كميل متشرعان ك كما أكرين واليس من يول قو أن أو كول الم الماكم كل حجراً عين برست كالم يوري

لے سائیں کے یک کو وہ لوگ سواریوں کی الرف پہلے لیکن حضرت علی ان کی اور

ينكي ميرة ابن مبشام مطين يرمصر-الجزرالثاني منتك

puq

صفرت ابو بكر وعرس بڑے محق بجناب رسول خداً فرما ياكرتے محفے كه اگرعلى نام بتے ته ذاط كا كفه نه بورا به

حضرت علی کے خواستکاری سے بعد جناب درول فدائے حضرت فاطمہ سے
اس نسبت کے متعلق دریا فت کیا کہ اُن کی دضا مندی ہے یا ہمیں ہے نوایا
کرعلی نے بخفا دی خواستکاری کی ہے اس کی قرابت سے اور نضیلت سے جو
اس کہ اسلام میں حاصل ہے تم احجمی طرح واقف ہو۔ اور میں نے فداو ند تعالیٰ
سے بھی اس کی اجازت جا ہی کہ میں بخفا دا نکاح علی سے کرووں - اب بتاؤ کہ
مقاری کیا مرضی ہے جناب فاطمہ حیا کی وجہ سے خاموش رہیں لیکن وہ فارشی اسی اسکون وہ فارشی اسی اسکون وہ فارشی اسی اسکون وہ فارشی اسی اسکون وہ فارشی اسکون اسکون اسکون اسکون اسکا قرارہے -

ابن بطة وابن الموذن والسمعانى نے ابنى تابوں ميں ابن عباس اورائس بن مالک سے دوابع کی ہے - وہ کتے ہیں کہ م جناب دسول خدا ہے یاس عظیمات کلے کہ اتنے میں علی ابن ابی طالب تشریف لائے ۔ جناب دسول خدا سے فریا یا کہ یاعلی کیسے الے ہو- حضرت علی نے شرم سے گردن محفیکا کہ کہا کہ یوں ہی سلام کہ نے حاصر بواہوں ۔ جناب دسول خدائے فر مایا کہ یہ جبرئیل آئے ہیں انفوں سے مجھے خروجی ہے کہ خدا و ند تعالیٰ نے فاطمہ وعلی کا نگاح عرش آغظم برکیا اور جالہ پین ا خرشتوں نے گواہی کی ۔ اور سنجرطو بی کی طرن خدانے وحی کی کہ وہ در ویا قوت خواہد کرے ۔ اس نے بیشار در ویا قوت نشار سے یہ بیس ان کی طرف حواہن جنافی اور دو اور میں جمعے کر لیے علیہ اور وہ دُر ویا قوت الیے طبا قرل میں جمعے کر لیے علیہ

خطبه حضرت دسالت مآب

انس ابن مالک اورجناب امام رضاعلیالسلام سے بیخطبہ منقول ہے کہ کشف الغمہ میں مناقب خوارزمی سے نقل کیا ہے ۔ انس بن مالک کھتے ہیں کہ میں جناب دمول خدا م کے پاس "بیٹھا ہُوا کھا کہ اسنے میں آثاد وحی آل صفرت کے سی جناب دمول خدا میں بیٹھا ہُوا کھا کہ اسنے میں آثاد وحی آل صفرت کے سیکھ اعیان الشیعہ ۔ الجزوالیٰ فی میرة الزہم و مشیق کی ملادت فرمائی- چلتے چلتے حضرت علیٰ کے پئیرزشمی ہوگئے تھے اور خون جاری تھا۔ جناب رسول خدا سے جویہ دیکھا توعلیٰ کو گلے سے لگاکردیرتک رویا کیے ہے۔

اشت

تزويج وطرز ربإيش روزاينه

اور امورخانه داري

مَرَجَ الْبَحَرَيْنِ كِلْتَقِمُ انْ يَكْرُجُ مِنْهُ مَا اللَّوْ لُورُ وَالْمَرْجَ إِنَّ حضرت ابو بمريخ أن حضرت سے حضرت فاطمه ي خواستكادي لين ليے كي. آں حضرت سے جواب دیا کہ اس امریس میں وحی الّبی کا منتظر ہوں ۔ میرحضرت عربے أن حضرت سے اسپنے لیے فاطمہ کی خواستکا دی کی۔ ان کو بھی ہی جواب وے کر انکارکردیا۔ بھرع صد کے بعد صرح علی آس مضرب کی خدمت میں حاصر ہوے اور حضرت فاطمة كى خواستكارى كى . آل حضرت ك فرما يا مرحبا وا بلا سله يرج معض أوكون كاخيال سي كم آن حضرت في حضرت الويكر وحضرت عرس يه كه كرا كادكيا كه فاطمه كي عرجيو في مع غلط معلوم بوتاب، أس زمان كي عرب كي تتذبيب بين مرد وعورت كي عمرى تفاوت كاخيال ننيس كياجا" القاعلاده اسك أن حضرت ود حضرت الوبكر وحضرت عمر دو اول سے بڑے مطع -اورآب حضرت ا بر كركى كمسن لركى حضرت عائشة سے إس سے ميلے شادى كر ميك سے اب بھلا وہ حضرت ابو بكر وعمركے سامنے يہ عذر كيسے بيش كرتے كه فاطر جيوني م حضر فط طرح برصورت حضرت عا نُشر مع عريس برى تقيس اورآ س حضرت ان دونول سي يعنى مين اعيان الشيعلمس الاين الجزوالثاني مثل لغايت منا الميم حسين وياد يكرى -" او یخ انخنیس الجزوا لاول م<del>نظیم</del> ا میشیم و طبعات ابن سعد- ایجزالناسن م<u>لادیم</u>ا و ابن گیرنشامی ـ

البداية والنايت في التاديخ الجرد اساج مناس و ابن الايرالجوري - اسدالناب زجريل

1

اوک اس کی طون مجھکے ہیں۔ اس نے اپنا حکم اپنے اوض وسا میں جاری کیا ہو اس اپنی قدرت سے اُن کو بوت اپنی قدرت سے طن کو بید اکیا ۔ اپنی احکام سے میزلیا ، اپنے دین سے اُن کو بوت اسے بخشی اسنے بنی محصلی استرعلیہ والہ وسلم کی وجہ سے ان کو بزرگی عطا کی۔ پھراس نے دشتہ داریاں اور نکاح لوگوں ہیں جاری کیے اور ان کو فرض قرار دیا جہیا کہ فراد ندانالی فرا ان میں خداو ند تعالیٰ میں جاری کے اور ان کو فرض قرار دیا جہیا کہ فران د بلث فرا اس خداو ند تعالیٰ کے امر (حکم ) سے قضا ، جاری موتی ہے اور قضا سے قدر (اندازہ) مقر ہوتی ہے۔ ہرایک قدر کے لیے ایک اجل (برت واندا) ہے اور چوا ہتا ہے اور چوا ہتا ہے اس میں کھتا ہے۔ ہس کے پاس اُم الکتاب ہے۔ اما بعد فلا فرانالی علی اور چوا ہتا ہے اس میں کھتا ہے۔ اس کے پاس اُم الکتاب ہے۔ اما بعد فلا فراناکی علی کے اس میں میں خطا کا نکاح علی سے کردوں۔ سب میں سے فاطری انکاح علی کے ایک امنی ہو۔ حضرت علی سے فرایا کہ اس کے دمول میں واضی ہوں۔ اس میں کو خوا کا کہ در کے دمول میں واضی ہوں۔

اسے صوبے دسوں میں دسی ہوں ۔ اس کے بعد حضرت علی نے سجد کہ شکرادا کیا۔ جناب دسول خدا سے فرایا کہ خدا وند تعالیٰ بھیں باک و باکیزہ اولا د دے اور برکست عطا کرے۔ ابن مردویہ کہتے ہیں کراس کے بعد آں حضرت نے حضرت علی سے کہا کہ تم بھی خطبہ بڑھ دہیں حضرت علی ا

ہے پیشطیداداکیا:

"الحمد الله الذى قرب من حامد يه و دنا من سائليه و وعدا الجنة من يتقيه واند دبالنارمن يعصيه بخمد لاعلى قد بجراحما نه وايا ديه حمد من يعلم اله خالقه وباديه ومميته و هييه وسائله عن مساويه و نستهد و نستهد و نسهد ان الله الا الله و دستهد ينه و نستهد يده و نسهد ان الله الا الله وحد كلا شريك له شهادة تبلغه و ترضيه و ان عمد العبل و دسوله صلى الله عليه و اله وسلم صلاة تزلفه و تخطيه و ترفعه و تصطفيه و هذا رسول الله زوجتى ابنته فاطمه على خسما كرد هم ذا سالو لا والله على الله والله وسلم الله قد و والله و الله على خسما الله على خسما مدر هم ذا سالو لا والله و الله و الله و الله و الله على خسما الله على خسما مدر المعتنى النت و الته ما زوجك الرحم من وقد رضيت بما رضى الله فنعم المعتنى النت

چرو پرعیاں ہوے جب افاقہ ہوا تو اُل حضرت نے کہا کہ جبر الی امین بددی کے کہ اُلہ جبر الی امین بددی کے کہ طور اُل جانب سے تشریف اللہ کے میں خدائی جانب سے تشریف اللہ کے میں فاظمہ کا نکاح علی سے کردوں ۔ پھر آپ نے حکم دیا کہ جھ ہما جرین اور چوافساد کو بلالو ۔ چنا نچ میں بلالایا تو آپ نے فاظمہ کا نکاح حضرت علی سے کردیا میں حضرت علی سے کردیا میں حضرت علی سے کردیا میں میں ہے ؟ اکفوں نے ہوا ب دیا کہ محمالات پاس کیا ہے ؟ اکفوں نے ہوا ب دیا کہ محمالات کے فرایا کہ محمالات کو اور ایک ذرہ سے آں حضرت کے فرایا کہ فرایا اور ایک ذرہ کو فردخت کردو ہیں کہ

بوقت نکاح آل مضرت نے یہ خطبہ بڑھا جوکشف الغمر سے نقل کیا گیاہے سے در

"الحدى لله المحمود بنعمته المعبود بقي رته المطاع بسلطات المرهوب من عذا به المرغوب الميه فيما عنده المنافذا امريا في ارضه وسما يته الذى خلق الحلق بقيد رته وميزهم بأحكامه واعزهم بدينه واكرمهم بنبيه بمعمد صلى الله عليه و اله وسلم بنمان الله جعل المصاهرة نسبة لاحقا وامرامفترضا وشيح بها الارحام والزمها الانام فقال تبارك اسه وتعالى جده وهوالذى خلق من الماء بشرًا في عله نسبا وصهراوكان ربك قد يرأفام والله يجرى الى قضائه و فضائه و قضاؤه بجرى الى قد ربه فلكل قضاقد دولكل قدراجل وليصل قضاؤه بجرى الى قد ربه فلكل قضافد دولكل قدراجل وليصل الشهدة من على دوفى دوا بة المناقب نثم النا الله امرنى ان ازوج فاطمه من على دوفى دوا بة المناقب نثم ان الله امرنى ان ازوج فاطمه من على وفى دوا بة المناقب نثم ان الله امرنى ان ازوج فاطمه من على وفى دو جتها ايا ه) على اربهائة امن فضة ارضيت - قال دضيت يا دسول الله "

مرحمی، تعربیت سے اس ضرا کے لیے جو اپنی نعمتوں کی وجہسے محود ہے۔ اپنی قدرت کی وجہ سے معبود ہے - اپنی حکومت کی وجہ سے مطاع ہے۔اس کے عذاب سے لوگ ڈرتے ہیں۔ ان نعم ہائے کو ناگوں کی دجہ سے جواس کے اس میں شکھ اعیان الشیعہ مسیم الملے منا قب ابن شہر اسٹوب مجدالوا بع سمال فاطمہ کے لیے خوشبوخر میداور تھائی سے بوشاک ۔ بھردونوں ہاتھوں سے وہ درہم سے کرا بو بکر کو دیے اور فر ما یا کہ اس میں سے فاطمہ کے لیے مناسب بوشاک اور اٹنا شالبیت خرید کرکے آئو۔ اوران کے ہمراہ عادبن یا سراور چیند دیگراصحاب کو کر دیا۔ ایک شھی درہموں میں سے لی ۔ اس میں ۱۲ یا ۲۴ آئے وہ آں حضرت نے اتم امین کو دیے کہ اس سے متاع خانہ خرید لیا جا دیا تی امسلمہ کو دیے کہ اپنے باس ایکھیں اور ضرورت کی چیزیں خرید تی دہیں۔

## جا فاطر كاجنرة والأى طرف سيملا تما

جینری یہ فرست احیا ن الشیعہ جزران نی میں سے مرتب کی گئی ہے جب برناب رسول خدا کے گئی ہے جب برناب رسول خدا کے سامنے پہنے بیش کیا گیا تو آس صفرت اس کو القریب اللہ بیٹ رسول خدا کے سامنے کے اور کھنے جائے سے کہ خلا و ندا الجبسیٹ رسول پر برکت نا ذل کر ایک روایت ہے کہ آب اس جینر کو دیکھ کر رو لئے ساکھ ۔ اور آسمان کی طرف سرا کھا کر فرایا کہ خدا و ندا برکت نا ذل کران لوگوں برئین کے اجھے سے اچھے برتن مٹی کے ہیں فرایا کہ خدا و ندا برکت نا ذل کران لوگوں برئین کے اچھے سے اچھے برتن مٹی کے ہیں

## رخصت ووداع

مكاح ك ايك جبينها ٢٩ دن بعد عقيل في ملى سي كما كيم فاطري واع كي لي

ونعم الصاحب النت وكفالك برضى الله رضى -ترجمين تعريف مع أس خداك سيجوات حدكرت داك سے قريب بوا اور نزدیک ہوا اس سے حب ہے اُس سے سوال کیا جواس سے ڈرتا ہے اسے يے جنت كا دعده كرتا ہے - اور آگ سے ڈراتا ہے اس كوج أس كاعصيان كراہے ہم اُس کی حداس کی معتول کے لیے کرتے ہیں، بیرحداس کی طرف سے ج جا نتاہے کہ وہ (خدا) اس کاخالت ہے۔ اس کا پرورش کرنے دالاہے۔ اس کو مارفے والاسم -أس كوملانے والاسم -اوراس كى خطاؤل كالس سيم سوال كرين والاسب بهم اس مى سه مدد جاست مين- اس سيهى بدايت مانكتر بدي اس برہم ایمان لاتے ہیں اور وہ ہی ہمارے لیے کا فی سے ہم شہاوت دیتے ہیں كدكوني خدابنيس سے اس عبود كے علاوه كوئي اس كاسشركي بنيس سے - يہ اليسي شہادت ہے جواس تک بہتیتی ہے اوراس کو داصنی کرتی ہے ۔ ہم کو اس لیتے ہیں كري اس كابنده اوررسول مع صلوة مواس ير، السي صلوة جواس كالني سزا وارہے ۔جواس کو ملبند کرتی ہے اور متخب کرتی ہے - ان دسول انتگر سے اپنی وختر فاطمه كانكاح ميرب ساته باليخ صدورهم بيكرديا السي تم أن سيمعلوم كراوا ور گراہی وو ۔ رسول خدا کے فرما یاکہ میں نے اپنی دختر فاطمہ کا نکاح تم سے اے علی اس مهر پر کیا حس برخدا و ندتعالی سے تھالانکاح فاظمہ سے کیا بس میں راصنی ہوا۔ اس حبس سے خدا راصنی موالیس توکیسا اچھا داما د اورساتھی ہے ۔ادرتیرے لیے یہ می کافی ہے کرمیری یہ رضا وہ ہی ہے جو خداکی ہے "۔

جناب فاطمہ کے ہریں کچھ اختلاف سے بعض تو کتے ہیں کد ، ۵ درہم کھا بعض کے نزدیک ، ۴۸ درہم کھا بعض کے نزدیک ، ۴۸ درہم کھا ہوں عبالبرنے الاستیعاب میں ،۴۸ درہم کھا ہی کھا ہے ۔ مضرت علی نے یہ رقم جناب دیسول خدا کی خدمت میں بیش کر دسی آئی سے آئی میں سے کچھ تو کے کر ملال کوعنا ہے کہ دیا اور فرایا کہ باقی سے فاطمہ کے لیے نوشبو خرید دو۔ ابن عبدالبر الاستیعا ب میں کتے ہیں کوار صفرت نے فرایا کہ اس کے تبائی سے فاطمہ کے لیے خوشبو خرید لو۔ ابن سعد نے طبقات الکری خرایا کہ اس میں در ڈیل ذکر فاطمہ کھا ہے کہ اس صفرت نے فرایا کہ تیس درہم سے جزوات من میں در ڈیل ذکر فاطمہ کھا ہے کہ اس صفرت نے فرایا کہ تیس درہم سے

اورعلی کو حکم دیا که کائے و مکریاں و رکے کریں حبب طعام تیار ہوگیا تو آس صفرت نے حکم دیا که ایک منا دی عام کر دی جا دے کرسب لوگوں کی دعوت سیے بیں لوگ سبجد میں جمع ہوے ۔ چار ہزار سے زائد مرد تھے اور عور تئیں اس کے علا وہ تھیں ۔ سے نے سربر بوکر کھا یا اور میر بھی اس کھا نے میں سے کچھ کم نہ ہوا۔ بھر آل حضرت سے بڑی ا كابيان اوربيا في منگوا من اوران مين كها نا ايني تام ازواج كے مكاول ريموايا۔ ایک دکابی صفرت فاطمها دران کے تقوہرکے لیے رکھ لی۔ حبب راس مونى جوكر ذفات كى داست عقى توال حضرت في ناهر يا خيرمناكوايا اس يرقطيفه دلوا ديا اورجناب فاطمه كوسواركيا اورسل ن سي كهاكداس سواري كوعلاك اور فود مع حمزه بعقيل ، بنو إلى من تلوار كيسيم بوب ينجي ييكي على اورال حضرت كى ازواج جناب فاطمه كے وسلے رجز پڑھتى ہو ئى جليس. خاندان عب المطلب إور هاجرين اورانصاري عورتول كوحكم دياكه حضرت فاطمة كيسا تهجليس -ان كادر البلاي اورخودهبی خوشیا ن منالیں۔ رجز بڑھیں ۔ خدا کی حمد ہ کیمیرکریں کسکن کوئی بات ایسی نه كهيس اوركرين حس سع خدانا خوس إوتام ورسول خدائد وكيها كرجبر سي متربزار ملا کر کے ساتھ اور میکا کیل ستر ہزار فرشتوں کے ساتھ جناب فاطمئہ کو حضرت علیٰ کے گھر ہنچانے اسے بھے جبرئیل ومیکائیل نے تکبیرکہی ، تمام ملائکہ بے تکبیرکہی اور جناب رسول فعالات تكريكرى -اسى دات سے دهن كے بيجي كليكر كوناسن مين اضل بوكيا-علامها بن تنهراً شوب نے مناقب میں تاریخ الخطیب، کتاب ابن مردویہ ابرایی وہا ومتهروم دملی سے ان کی اسانید سے علی بن الجعد عن ابن سبطام عن شعبہ بن الحجاج عن علوان عن شعير عن ابي تمزه الضيعي عن ابن عباس وعن جابر روايت لقل كي هيم كر حضرت فاطم كي مثب زخاف صاحبوس وداع مين جناب دسول خدام أن كيم مح عقر. جبرئيل دائيس طرف هے ميكائيل بائيس طرف اورسر مزاد فرشت ان كے يہ يسبيع و تقدلس خداكرد مع عقد بهان ككر صبح بوني -اس حلوس مي الدواج رسول سي جورجز بره مصان مسي بينديم ويل مرفقل كرتي بين (منقدل ذاعيا البشيعية) الجزالتاني صاف) حضرت المسلم كارجز سون بعون ادله جا دا تي واشكرنه في صلحالات

أن صفرت س كريضرت اللي العلي الم كر مجاسم التي الله والفول في كما جلومي تقلك سائھ جہلتا ہوں رئیس دولوں ام المین کے پانس اسٹے اور اُن سے تذکرہ کیا - وہ اسم لمہ كياس كيس اوران كوحضرت على كى خوامش مع مطلع كيا - اور عير ديكرا أواج ربول سے بھی وکرکیا ۔ وہ سب مل کر اُس حضرت کی خدمت میں حاصر ہوئیں اُ ورع ص کیا کہ ہارے ماں باب آب پر فعا بوں ہم ایک ایسے کام کے لیے جمع ہوئی ہیں کارمبات کے زندہ ہوتیں توان کی آنکھیں اس سے بہت ٹھنٹری ہوتیں امسلکہتی ہیں کوجب مے غدى كانام كي توال حضرت دوسان الله اور فرما يا كه خدى بال سي خديج . سكو ف ہوسکتا ہے سال ضریجہ کے راس فے میری اُس وقت تصدیق کی جب سب میری تكذيب كردب من اورميرا بوجواس في بلكاكيا ميرس كامس مشركي بوكني اوراسين ال سے میری مدد کی ۔ خداد ند تعالیٰ نے شخصے حکم دیا کہ میں خدیج کو حبت کی مبتادی دوں۔ ام سلم فیجواب دیا کہ ہمادے ماں باب اب پر فعا بدن خدیج اسی ہی تفتیں کر جنبیہ "آپ نے فرمایا۔ وہ اب اپنے رب کے پاس حلی گئی ہیں۔ ایک ن ضرا بم كذا دران كوايك حبَّر حبَّ كريك كايحس امرك ليے بم حاضر بوے ہيں دہ يہ ہے كي علی ابن ایی طالب کی خواہش ہے کہ فاطبہ کوان کے گھر خصت کر دیا جائے آں سے ين ذباياحيًّا وكرامةً -حضرت على كوبلايا - وه حيا وسرم من دوسيم وسه الساع -ا زواج رسول گھر میں جائی کئیں آب نے علی سے کہا کٹیا تم جاہتے ہوکہ فاطمہ کو مقادے گر رخصت کردیا جائے حصرت علی سے سرم سے سرنیکاکرے جواب دیا جی حضور ای صفرت نے فرمایا کدانشارامترالیایی ہوگا۔ پھر آپ نے ام سلہ و زنیب و دیگرازواج کونام کے کرفرمایاک امسلم کے گھرمیں فاطمرکو دولھن بنا واورده مکان وعلی نے لیا ہے اس کے لیے تیا دکرو بیمکان حضرت علی نے کرایہ پرلیا تھا يمكان أن حفرت كيمكان سي يحمرفاصله برتها ليكن أن حفرت في استكان كى از سرند تنميرك اس كواسيف مكان كيرسا تقر اللها ازواج رسول ف السابى اللي جيساس صفرت سن فرايا تقا -مناقب ابن شراشوب میں ابد بکر بن مردد یہ کے والدسے درج سے اصحاب رمدانًا اس موقع يربدايا و تحقف لاسك من مصرت في شفرايا كمدود في شؤا بتياد كوايا جاد

رس) البيته أس فيهم كوكفرسي كالكرداه داست دكها في اورأسي آسانون کے پرورڈگا رہنے ہم کو اعلیٰ مراتب پر بینچایا -رم ) ہماری سہیلیا ں رواز ہوں ہنترین زنان عالم کے سابھ جن ریمو پھیاں اورخالاً نير ،قربان توريي بي -(۵) اے اس کی صاحبزادی حس کوخدا وند تعالی نے سب رفضیلت دی تاج وحي اورخلعت بيسالت بيناكر -(١) حضرت عائشه كارحز (١) اے عورتوں اوڑھنیاں اور هادوالسي باتیں کر وجوحاضرین مسم شايان شان مو -رس ذکرکروسادے جان کے پالنے دالے کا۔اس کے کراس فی ارشکر كرف دالے بنده كوخصوصيت كرا تھا بين دين سفىسرفراز فرايا -اس کے احدو ثنا خدا ہی کے لیے ہے اس کے احسانات بداورشکر تا م سراوارم فدائ قادر غالب کے لیے۔ رمم) وہ جلیں ایسی محترمہ کے ساتھ حس کے ذکر کو خدانے بلند کیا ہے اور مخصوص کیا ہے اُن کوطارت جھیقی کے ساتھ۔ (س ) جعرت عف کا دح را بناب فاطه بهترین زنان عالم ہیں اور اُن کا چرومتل چود هویں رات کے جاند کے روشن ہے ۔ ربر ) خدامی ای کورادے جان پرضیات دی ہے اس فضل کے سبب حس كي تصيص آيد زمريس فراني سے -رس ) آپ کی شادی فدانے اُس فاصل ترین جوان "علی" کے ساتھ كسب جو فخر دوجال ب-(س) اسميري سيليا س اس موصوف كالما ترجليس اس ليك وه برى سے رمي شان والوس كي نظرمين مائية نازمين -اس طرح حصرت على المسكر القريد حلوس داخل موا - أن حضرت في صفوت على كو

من كشف مكرود وافات واذكرن ما انعمر س العلى انعشنا رب السلوات فقه هدانا بعد كفروفه تفدى بعمات وخالات وسرن مع خير شاء الورى بالوحي من والرسالات با بنت من فضله ذوالعلى حضرت عائشكارج واذكرن ما يحسن في المحاضر يا نسرة استرن بالمعاجر به بینه مع کل عب شاکر واذكرن رب الن س اذ بخصنا والسكر متعالعنزيزالقادر والحسد لله على افضاك وخصها منه بطهرطاهم سرن بها فالله اعلى ذكرها صرب فصر کارج (۳) ومن لها وجهه كوجهه القبر فاطمه خاير نساء البشر بفضل منخص باى الزمر فضلك الله على كل الودى اعتى عليا خيرمن في الحضر زوجك الله فت فاضلا كرديدة عن عظيم الخطر فسرن جاراتى بها فا نها معاذه ام سعد بن معادكا رجز واذكرالخيرواب سه اقول قولا 'فيه مافيه ما فنيه من كبرولا شه محمد خسر سی ادم فالله بالخير يجازيه لفضله عرفت استانا ذى شرون قال مكنت فىيە و شخن مع ملت نبی آلهدی فما ادر شياءً بدانيه في ذروة شاعنه اصلها را) حضرت امرسله کا دجز (۱) جاری سیلیا ب خداکی مدد سے روانہ و بول اورشکرکری خداکا مرحال میں ربر) اور تذکره کروخدا کے احسان کا جواس سے مصیب اور آفات سے بچانے س کیا ہے۔

ميرة فاطمة الزبراة

آب ففرمایا مرحماید دوسمندر بین که موجیس مارت موس بل رسی بین . اوسان الير كراكس مين قريب الورسي الي - ايك ، وايت مين كراب غرنسايا ضاوندا یدمیری بیٹی مجھتام مخلوت سے زیادہ بیاری ہے ۔ اور ضداوندا یا میرا عمائ بجوتام مخلوت سے زیادہ مجھے بیاواہے - ضداوندا اس کوایا ولی بنا اوراین حفاظت میں سے اور اس کی اہل میں اس کو برکت دے ۔ میرانسرایا اب على ايني زوج كي إس أد و خدا وند تعالى مري بركت ورجمت نازل كرب وه حميد ومجيد سے ي كه كرآن حضرت أن دونوں كے پاس سے على الے۔ دروانك كروون كوار و كوير كرفرايا طهركما الله وطهرنسكلما انا سلملن سالمكما وحرب لمن حاربكما استورعكما الله واستنعلقه عليكسا - يعنى ضاوند تعالى م دوون كواور مقارى نسل كوماك وياكيزه ركه \_ میں صلے واستی کرنے والا بول اس سے جوتم دونوں سے سلے واستی کرے اور میں الرسان والأبول اس كس جوئم دوان سعارات - بيراب ف اين القس دروازه بندكردا - ايك دوايت يس سع كرآل صربع ك صرب فاظمر س كما وحد زوجتك خيراهلي سيه أفي الدمرا وسيدا في الاخرة ومن الصالحين-بینیس نے اے فاطر قرانکاح کیا اس سے جمیرے اہل سی سے اس معرب دین و دنیاس سردارسے اورصالحین میں سے سے عیران دونوں سے کمالگریس جا وا ورمیرے اسے کا انتظار کرو۔ اعفوں نے ایسا ہی کیا اُن کے اد اگر دامات کوین تقيس وحضرت على وأجهات المومنين كدرميان مين ايك يرده كقاراد وصنوع المما عور تول مي تقين - پيرجياب رسول خدا آيه اوراهمات المومنين و پال سيم يمنين الصرت في ايك برتن منكواكراسي إن ت عبروايا منه مين بان كرائس بي كلكى اورفرايا اللهمرا نفهاصني وانامنهما اللهمكما أذهبت عنى الرحس وطهرتني نظهيرا فطهرهما يعني ضراد نداية دونوس مجرس بي اورس ان دد نون سے اون جس طرح تونے مجسے رحب وٹا پاک کودور رکھااور مجھے اک کردیا مع جديداك باكران كا حق الماس طرح توان دونون كوياك ركو ميراب ك حضرت فاطميس كماكه يرباني بي لو - الفول سني بي ليا - بيراب سن وضوكيا - بير

الليااورجناب فاطميكا بالتم على كے با تومين دے كركها بادك الله في ابت رسول الله ووسرى دوايت يس سبح كه آن حضرت في حضرت على كا دامنا با تم ادرجناب فاطمه كا دامنا بالتركرايي سيني يردونون كے با تقول كو ملايا- اور دونوں کی ا تھوں کے درمیان بوسہ دے كرحضرت فاطمة كوعلى كے سپردكرديا -اوركما ياعلى نعمالزوجة زوجتك بمرحضرت فاطئر كى طوف دخ كركك یا فاطمه نعم البعل بعلا - میردون ک درمیان علے اوران کے گوس إن كوداخل كرديا بيرآب نے يانى منگوا يا اس ميں سے ايك جعدليا منديس كر كلَّى كى اوركلَّى كا يان ايك بياله مين والا- اوراس ميس سع و فيا في جناب فاطرة کے سروسینہ اور شانوں پرڈالا۔ اور حضرت علیٰ کے اوپر بھبی اسی طرح پانی ڈالا۔ اور فرايا - اللهمر با دك ينهما وبارك عليهما وبادك في نسلهما - الله روايم مع كرآن صري مع فرهايا - اللهم أنهما احب الحلق الى فاحربهما وبارك في ذريتهما واجعل عليهما منك حافظا واني اعيدها بك وذريتهمامن الشيطان الرجيير ودعالفاطمه فقال اذهب املته عنك الرحس وطهرك تطهيرا وروى انه قال مرحبا بعجريلتقيان وبخمين يفترنان وفى رواية قال الهمهذ وابنتى واحب الخلن الى اللهم وهذااخي واحب الخلق الى اللهم احمله لك وليا وبك حفيا وبادك له في اهله تعمقال ياعلى ادخل با هلك بادك الله تعالى لك ورحمة الله وبركا ته عليكم انه حميد محيد (منقول از اعيان الشيعدالجزدا لثاني مسيده)

ترجمہدد۔ فراو درا۔ ان دونوں کی نسلوں میں برکت دے۔ ان دونوں پر برکت نا ذل کر۔ ایک روایت میں ہے کہ اس صفرت نے فرمایا۔ ضا و ندا یہ دونوں سبھے تام تخلوت سے زیادہ مجوب ہیں۔ سب تو بھی ان کو دوست دکھ کراوران کی اولاد میں برکت دے۔ اپنی طرف سے ان کی صفاظت کر۔ اور میں اُن دونوں کو مشیطان مردو دسے تیری پٹا میں دیتا ہوں۔ اور فاطمہ کے لیے یہ دعا ما نگی ۔ فدا و ند تعالیٰ کے چے پاک پاکنرہ دکھے جو پاک دکھنے کاحت ہے۔ روایت ہے کہ

یہ دنیا اسی قابل ہے کہ اس میں سادگی سے زندگی تبری جا دے ۔ جناب درالت مام، فرما یا کرتے تھے کہ اگر علی نہ ہوئے تو فاطمہ کے لیے کفو نداما - يه بالكل ميري مع اورجناب رسول فراكو فاطمرك ي ايسيمي كفوك صرورت اس وجسم بول كيشيم ايز دى مين قراد يا چكا عقاكة ال حضرت كى نسل جناب فاطميت حليد اوراب كوابني اس اولادس اسلام كي ليهبت كام لينا كقا - اورائسي ادلاد كدودين خلاك يے وه سرفروشيال كرتي جوسنين عليهم السلام وحصرت النيب وحصرت على بن الحسيق وغيرام ي كيس تهين مريكتي عقى حب كك كرحب خدا و نفرت كفر انهيس مان وباب دونون كي طوف سے نملتی توارف فلال و کردارالیا می اسمسلم بردیکا ہے کہ عبیا توارات مال دولت باب سے بیط کی طرف علامهٔ ابن فلدون کہتے ہیں:-"مشرافت وحسب كا الخصاراخلاق واطوار برب - اورا جهاخاندان وه سيحس كاسلاف واجوا ومشهور شريب بوس مور ٠٠ بنى نوع انسان ابنی سل وفاندان کے کا ظاسے معادن سے مثابہ ہیں چاہیج مديث من آيات الناس معادن كمعادن الذهب والفضرة خياهم فى الجاهلية خيادهم في الإسلام يس اس سي معلوم بواكه احساب واخلاق نسب كى طرف رجوع موت إين نطف خاب رسول خدا فرایا کرتے مقے کرمیرا فرتخلیق آدم سے چودہ ہزار ہیں بیلے عرش الى كالسيستبيع وتقارس الهي مين شغول عا جب آدم پريابوت تو میرا فدران کے صلب میں و دیست کیا گیا۔ اس کے بعد میرا وزیاک وطاہراصلاب دارحام میں سے منتقل ہوتا ہواصلب عبدالمطلب میں آیا اور وہاں سے سلب حبداللہ ید رم بن آگیا فظا مرسم که به نور کفرست کوسول دُور بو گا ادر اس کی شرافت و نجابت لم م بناب فاطم اسى نوركا ايك الكراقيس بناب فديج ال حفرت س چوتھی کیشت میں ملتی تھیں -علامدابن خلیددن کی تحقیق کے مطابق ایک وربیفہ كى مشرافت ونجابت وخوبي كرديد وخصائل جارشيتون كاس باقى رمبتي ہے بعلامهٔ مذكور منسور مقعمة ناريخ علامدابن خلدون عربي - مورب فضل سيز عيس

اسی طرح برتن میں یا نی منگواکر وہی عمل کیا اور صلے گئے ۔ دروازہ بند کردیا آب اے این دعامین سوائے ان دونوں کے کسی اور کوسٹریک نهدیں گیا -حب صبح ہوئی توجناب رسول خدا دروازے پرتشرفیت لالے ۔ اورالماکہاے ام المين ميرے عبائي كو بلاؤ - الفوں نے كها كه كيا وه آب كے بھائي رہے -اب تو آپ اپنی لڑکی اُن سے بیاہ دی ہے -آن صربط نے کہاکہ اے ام المین تفیک ہے وہ میرا بھا نی ہی ہے جب حضرت علی آئے تو آں حضرت نے ان کے اوير بإني دالااوران كو دعا دى مر ميرحضرت فاطمة كو بلايا و د بهت سفراتي موني آئيس آب نے فرایا کومیں نے مقادا نکاح اس سے کیا ہے جومیرے منبیس مجھ سسے زیاده عزیزے بھراک حضرت نے اُن پر بھی یا تی دالا اور وہ والیس حلی آئیں -بوقت كاح جناب فاطر كى كياعم تقى - اس مير اختلات سيحب طح كم اُن کی تاریخ ولادت میں اختلات ہے۔ ہمارے اصحاب کی اکثر میت کے نزدیک جناب فاطمة ببشف كے يا في سال بعديدا بوئيں -اس صاب سيجنا في طمة كى عمر يوقت نكاح ولو يا ديش ياكيار اله سال كي تقي كيونكة الديخ نكاح مين بعي اختلامت تين روايتي بي بجرت سي ايك سال بعديا دوسال بعديا تين سال بعد-اسی طرح اس کاح کے دن اور جہینہ میں اختلاف ہے علاملین جراشوب مناقب من تلفتے ہیں کہ مجم تاریخ ذی الحجر کو نکاح ہوا۔ اور و داع بروزسست نب مردى الحجيكة بونى- ابوالفرج نے لكھا ہے كەصفرىين كاح ببوا اور آخرىشوال ميں وداع ہوئی۔ ایک روایت سے کنکاح رمضان کے جیننیس موا اور ذی الحجیس زفان إدا علامرسير محسن الامين الحسيني العاملي كي تحقيقات ب كرزفاف جمع الصري رات کو محرم کی ۲۱، تا ریخ کو ہوا -اس حلوس وداع کی استقبال کے لیے حب طرح حضرت علیٰ نے اپنے گھرکو ہے! یا تھا وہ بھی ذکر کرنے کے قابل ہے تما م گھر میں نرم رمیت بچھا دی اور گھر میں جو چبوتره تقا اس پر مینده هے کی کھال ڈال دی - ایک کمیترس میں کھبحور کے بیتے تھے ا یک یا بی کی مشک ، ایک آثا چاننے کی حملنی -ایک بابی پینے کا پیالہ ادرایک ولیہ نی شم کا کیٹرائیس بیسا را سامان تھا جو حضرت علیؓ نے اپنی دھن کے لیے ہیا کیا تھا۔

د ماتے ہیں ہو۔

"كونى آدى فن كلے كاكر آدم عليالسلام سے كے كراس وقت ك اس كے آباء واحداد على الاتصال حسب و مشافت كے صدر نشين اسم ہوں -اگر كونى شب توجناب رسالت مائي محمصطفي صلى الله علية الدولم ہيں اس حضرت كے تام آباد واجداد آدم عليالسلام تك صاحب مجدد مشرف ہوے ورنہ جو سشرافت قائم ہوئى اسى كوز وال ہوا — اور بسكسى قوم وخاندان ميں عز وسشرف كى بنيا وقائم ہوئى جادب تي الم

نابت ہواکہ جناب فدیجہ اور آل صفرت کے بورت اعلیٰ تصبی کی شافت و سیابت فدیجہ کا در وہ اُس کی وارث ہوئیں۔
حضرت فاطر جنسی خیب و شریف و خشر رسول کے لیے جب کک شوہ بھی ارسا ہی نہ ہوتا تو اس کا نکاح نامکن تفاجناب رسول فراک وشتہ داروں اور کا بی میں شوائے علی کے کوئی ایسا نہ تفا حضرت علی کے والد حضرت ابوطالب جناب عب ماند والدرسول فراکے ماں باپ کی طرف سے تعیقی بھائی تھے پیٹرف آل حضرت علی کی والدہ فاطمہ منبت اسد بن ہاشم تھیں۔ وہ کے کسی اور چیا کو نہ تقا حضرت علی کی والدہ فاطمہ منبت اسد بن ہاشم تھیں۔ وہ جناب رسول افتار سے صرف دوس کی پیشت میں متی تھیں ۔ اور اسلام الدے والی عورت کی منب کی حضرت فدیجہ کے بعد ہی ہیلی عورت تھیں ج

صرت ابوطالب كاقتول اسلام

سیاسی ضرورتیں بیااد قات لوگوں کوئ چھپائے پر آمادہ کرتی ہیں۔ آن ضرا کی زملت کے بعد جوسیاسی تناز عالم سفروع ہوئے اُن میں اُس یادی کوجس نے اپنی مکست عملی سے حکومت پر قبضہ کر الیا تھا۔ اپنی حیثیت قائم کہ کھنے کے لیے ضرور ت اسمہ عربی مقدمہ تاریخ ابن فلدون ۔ عرب مفس مقدم صفحا ۔ اُدود ترجمیمقدم تاریخ ابن فلدون نفس کے مصدا قال

بونی که اصلی دع پدارخلاف بینی صفرت علی کے فضائل سے انکاراددائن کے درجاب عالیہ سے اغاض کرے اس کو ہم تفصیل سے البلاغ المہین میں بیان کرچکے ہیں۔ بدیمیات مشلا نسب کی فضیلت، میدان جنگ کی شجاعت علم کی فراوائی کو چھپانا تونا مکن تھا دیگر فرائع سے علی کے درجے کو کم کرنے کی کوشیش کی گئی۔ اُن فرائع میں سے آسان ذریعہ یہ تھا کہ اُن کے والد کے اسلام سے انکارکیا عادے۔ چنا نی گئی بائن کہ بیا کہ اور اور اور اور اور المال المب ایمان نہیں لا الم الله بیان نہیں میں مورث کی اور اور کے اسلام سے انکارکیا عادے۔ بین محترب ابوطالب کا طرز عمل بیان کر سے ہمیں کرنس جا نفشائی جمیب خلوص میں محترب ابوطالب کا طرز عمل بیان کر سے ہمیں کرنس جا نفشائی جمیب خلوص انہان کی تعلیم ان کے ایک کہنا ہوگا کہ ایک کا ایم اُن کے ایک کرنے ہمان کے ایک کرنے بیان کر جنے اس کی حضرت ابوطالب ابتدائے بیشت رسول ہی سے ایمان لا چکے تھے۔ اُن کے ایمان معلودہ مصرا بھردا لاہ ل صفی سے ایمان لا چکے تھے۔ اُن کے اُن

الكَ الْمُ الْمُلِكَا عَنِى عَلَىٰ ذَاتِ بَيْدِينَا اللهِ الْوَيَّا وَحُقَمَا مِن لُوَى بَى كَعْبُ اللهُ ال

سيرة فاطمتدالزبراء (۱۱) گویاکداس کے گردگھوڑے کا وا دے رہے ہوں۔ اور بہادروں کے تنهيم ميدان جاكم مي كوريخ رسم مون -(۱۲) کیا ہمارے باب (جد) ہاشم ہمیشہ (جنگ کے لیے) کرسترنکتے ادركيا الفول سن ايني اولا دكونيزه بازي اورشمشيرزني كي وصيست ملى عقى -( ۱۷ ) اور ہم کہ ہی جنگ سے نہیں اکتاتے بلک جنگ ہی ہم سے کتراتی سيح اور تفك حاتي سيم .. (۱۸۱) ہم لوگ (میدان جنگ میں بھی) ہرطرح کی حفاظیت اورعقل وہوش وحواس کے مالک ( قائم رکھنے والے ) ہوتے ہیں عبکہ خوف کے مارے بڑے رشد ، بهاورول کی روصیں پرواز کرجاتی میں -کون سے جوحضرت ابوطالب کی ان حافظ اینوں کود کیفتے ہوے اوران کے ان خیالات کو سنتے ہوے جن کہ جیش عقیدت دل کی گہرائیوں میں سے نکال کر زبان يراشعار كي شكل ميس كي ايكردد سي كاكدا بطالب سلمان منعقاً ميوازي كمايس جوالي اسلامي في اينا رئك وروب كالاب يداس كى دجر المكار آئے چندا دمی یہ کتے ہوے نظراستے ہیں کہ ابطالب کا فرمرے - ورندش وخالفین مع مرحرٌ هاكر بولاس - جنائي سيرة ابن بشام ميس كدبوقت والمت حضرها بوطل كلاتوجيد يزيدرب عقه اورعباس كنجوكان لكاكرشنا تومعلوم مواكرآب جالب واخأ كى رسالت اورخداكى وحدانيت كا اقرار كررس عق الله ايك اورموقع يرحضرت ابوطالب فرماتي مبن :-ودعوتني وعلمت إنك صادق ولقناصدات وكنت نغرامينا ولقه علت بان دين عمد من خيرا ديان البرسية دينا ترجمه، - توف اے محدمجه كورعوت دين دى ميں جا نتا موں كرتوسيا سے سيك مجي تو سيح سي بولتا عقا اور امين عقا -بحقیق میں نے جان لیا کہ محد کا دین دنیا کے تام دینوں سے بہترہے۔ ان اشعار کوتغلبی نے اپٹی تفسیر میں بیان کیا ہے۔ چٹا بخپروہ کتے ہیں 🚽 الته سيرة ابن مشام طبوع مصرا يجزاالثاني مايد

وَلَسْنَا نَمَلُ الْحَرْبَ حَتَّى تَمَلِّنَ سِر وَلَاسَّفْتِكِي مَا فَكَا بَيُوْبُ مِنَ النَّكْبِ وَلَكِنَّنَا آهُلُ الْحُفَا يَظِ وَالنَّهِي مِنْ إِذَا طَا رَآ زُوا حُ ٱلكُمَّا يَوْمِنَ لَوُّعْبِ (۱) اے (میرے دونوں قاصد و)میری طرف سے لوی کواور بالحضوص لوی بن تعب کو پنیام بہنچا دو اس بارے میں جو ہمارے اوران کے درمیان نزاع قائم (٢) كيا تم ننين جائع كهم في حضرت محدكه ويسابي نبي برق إيا حسرطرح مصرت موسی نبی برخت تقے جن کا تذکرہ کتب سابقہ میں بھی آجیکا ہے (مو) اورحقیقت یہ ہے کرتام لوگوں سے دلوں میں ان کی مجست ہے اور کیوں نه مركصب كوخداف ابني مجست كے ليے مخصوص كرايا موراس سع بهتركون بوسكا ب (١٨) اورتم اپنے حس سکھے ہوے براڑے ہوے ہو (معنی ممانے اپنے تئیں اس كا يابند بنا ركفاب ) وه محقادت يلي السابي منوس م كرخس طح اقتصالح ی فریاد (قرم صالح سے یہے) ( ۵ ) اوش میں آؤ - ہوس میں آؤ ۔ قبل اس کے کر بھاری قبریں نبیں اور یے قصور کھی مثل قصور دالوں کے بیس عباویں ۔ ( ٩ ) چنگخورون کی با تون مین مست و داور جهاری رسته داری و دربینه مبت که (٤) اورگھمسان کی لڑا ٹی کے لیے حلدی مست کرو۔ کہ بساا و قات نبرد سزما لوكوں كے كيے بھى اقر جنگ كادودهدد بنا مشكل بوجاتا ب -(٨) اب بيت كى شم بىم بركزاحدكونمقا دب بيرد نكريس كے جا ہے ذانہ كتنا بى تخت گزدى اورىشدا ادر زان كتنا بى برىينان كري -ر ۹) جب تک که جاری اور بمقاری گردنس حبایهٔ بهوجا میں اور با تعریکی مونی تلوارون سسے ندار اما کیں -(١٠) اورجب أك كرشدت جنگ كے سبب تو نيزوں كو كمرشے كمرش ند كھيلے اور (گھاٹیر) یانی یننے داوں سے بہوم کی طرح کانے کا سے لدھوں کومنڈلا ما ہوا (دد کھ لے)

كيرفك باقى نىسى ربتا -

علامشلي أين سروالنبي ميس للقت بي -"ابوطالب کی وفاعد کے وقت اس صفرت (صلی الشرطلي الله) ان كے إس تشريف ك سك - الوجل ا ورعب الشرين امتر كيك سعود وريق آب ح فرايات مرت مرت الالدالالالتكركسيعيكمين فداكم إل آب کے ایکان کی شادت دوں" او جبل اور عبدالله دین امتید نے کدا۔ ابطالب كيا تمعيدالطلب كدين سے بعرجاؤ كے ! الآخرابطال العاد میں عبدالطلب کے دین پرمرتا ہوں " عیرال تضرف اسلاما عليده من كرون خطاب كرك كما" مين وه كلم كهدوية السكن قريش كسي كرون سے دركيا آپ سے فرمايا " سي آپ كے لياعاے مغفرت كرول كاحبب كك كرفدا مجه كواس سي منع شكردس " ير بخاري وسلم كى روايت مع ابن اسخى كى روايت ب كور في ابطالب كيون بل رب مح حصرت عباس ف (جاس في مك كا فرعقي كان لكاكرمنالوآل مصنوف (صلى الله عليه ولم) كارم فحر كله كي كما قا الطالب وه بى كسديد إلى -اس بناريا بوطالب كاسلام كمعلق اختلات ميليكن بينكر بخارى كى دوايت عمومًا صيح ترماني جاتى اس ليے محدثين زياده تر ان کے کفرہی کے قائل ہیں -

الیکن محدثان حیثیت سے بخاری کی یہ دوایت جنوال قابل مجت
نہیں کہ اخیروا وی سیب ہیں جو نتج مکہ میں ایان لائے اورا بوطالب
کی دفات کے وقت موج دخیتے اسی بناء پر علام اعینی نے اس میٹ یے
کی مشرح میں کھا ہے کہ یہ دوایت مرسل ہے ابن اسخی کے ملسلز ادا تیا
میں عباس بن عبا شدبن معبد اور عبدا شدبن عباس ہیں۔ یہ دونوں
فقہ ہیں لیکن بہے کا ایک یواوی بیال تھی دہ گیا ہے اس بناء پدونوں
دوایتی کے درج استن دمیں جنداں فرق نہیں ۔

قداتغن على صحة نقل هذاكا بيات عن الى طالب مقائل وعبدالله ابن عباس والقاسم بن مخيمرة وعطابن دينا در

سینی ان ابیات کے ابوطانب کے کلام ہونے پرمقائل وعبالتہ ابن قالم ہن کے کلام ہونے پرمقائل وعبالتہ ابن قالم ہن کی م میمرہ وعطا دہن دینارئے اتفاق کیا ہے۔ اوران اشعار کوصنرت ابوطالب کا کلام کسکر ابوالفدا و نے اپنی تاریخ جے اصنعال میں نقل کیا ہے۔ چنا کچے ابوالفداد کہ اس کر ابوطالب کے اشعار میں سے ایک شعریہ ہے جوٹا بھ کوٹا ہے کہ دہ آل حضرت ہے۔ ایمان دالہ دائے ہے۔

" ودعوتنی وعلت انلف صادق البیت" سیرة طبیرس بمی صنرت اوطالب کرقصیده کونقل کیا ہے دکھوسرة طبیر چ و مصطفر اس قصیده میں تقریباً ، بر انتخار ہیں - پوجطالت ہم اس کولیاں ارچ نہیں کرتے ۔اس کا ایک شعریہ ہے ،-

والبيعة بهستسقى انعما مربوجه نمال البتامى عصمة للادامل استفريق وجرس حضرت الموالله المالام الناثاب كواسله الناثاب كياجا تاسب واس بورك قسيده كوابن بهام كالمرة المنبي مين يكمرنقل كياسم كالمام المنطالب بونا بغيرشك وطب ميرة النبي مين يكمرنقل كياسم كراس كاكلام المنطالب بونا بغيرشك وطب كثابت سب وكابس الماليا العرب مين بهنام ملبوع مصرا كاروالاول صلام النابي عراب المالياب المال العرب مين بهي يدفيده وحلاني في استى المطالب مي ملا برعالات من المناللب مي ملا براس كرب بي الموادة كية بي قال بن كثير هذه المقصية السبع والبغ في تاوية المعنى يعنى ابن كثير كية بي قال بن كثير هذه المقصية المسبع والبغ في تاوية المعنى يعنى ابن كثير كية بي كرب نهايت بليغ تعيده بها المسبع والبغ في تاوية المعنى يعنى ابن كثير كية بين كرب نهايت بليغ تعيده بها كرب المواد ينسوب المنالية المنالة المنالية المنالة المنا

رسول خدا أن بتول كوبرًا مهلا كمن عقر يقرك مكرن بتات عق توخدا ببترتو بهتيجا نزموتا - اليس بهتيح كى كيون هاظت كرت جوأن ك خداؤن مى كى چۇيى أكھا درباغة اگردود نەتىل كريتے صرف حايت بى انھا يىت تەزلىق اً الحضريث كوفتل كرديت حضرت ابطالب ك (معاذالله) فلا ترزي حاليًا-حضرت عبالطلب كا دين ابرائيمي برقايم ديهنا كون سي محال بات تقى-يموضين كى تحقيقات ہے كہ ال صفرت كى بشع سے قبل عرب ميں جيت دادى دین ارامیمی برنظرآت سفے موادی شکی سے جادنام گنواسے کر ورقد بن نو فل-عبدالشربن تحبش اعتمان من الخويريف اور زيربن عمرو برنفيل كيت بيري ميك تين آدمي بعدسي عيساني مو كئ - زيد بن عمرو بن نفيل جو نكر حضرت عمرك چیا عفان کی طوف سے خاموشی اختیاد کرلی - ملکه به فرمایا که وه کها کرے سے كرمين دين ابرائيمي بريون يشلي صاحب يرهبي كميت بهي كرا رحضرت في نوت سے پہلے زید کو دکھا تھا اور ان سے جست رہی تھی ۔ کمنا تو اس سے آگے بھی چاہتے معے لیکن اک سے مال صورت کر ایم کی صحبت ہی کا فرداوا یا ہے الله ويها منا عقاكه كدوي كراصول توحيداً لحضرت في في سي سيك حس طرح عیسائیوں سے کہاکر بنی اسرائیل سے انبیا رکا علم آب حضر سط صح مجيره دا ممب سے حاصل موا - مبرصورت اس محتف ميں برانے كى صرورت نميں ابع صاف ہے ۔ اگر صرف عمر کے چھا موحد، دین ابر آئیمی سے بیرو ہوسکتے تھے الوال حضرت كے داداكا دين ابرائيسي بر بوناكون سي بريي باست تقي -بیمبی ای ب نے غور کیا مصرف بخادی کی روایت کی د جرسے اوگ

الوطالي أن حضرت (صلى الله عليه وسلم) كمي جوجال نثاليان كيس اس سي كون انكاركرسك سم - وه اين حكر كورثول أك كوآب بر نادكرية عقير برب كى محسف مين تام عرب كواينا وشن بناليا-آب كى خاطر محصور بروس ، فاقع أعلما في ، شهرس كالع كل يمن تين يرس كك أب ودانه بندر بإكيا بي مجسف اليدويش اليه جان نشاديا ب سياضائع جائيس كى ؟ مسه بهت كم السِيا بواسي كمروادي شلى كقلم سي كليه حق نكل بويكين اس وقع پر فدرت سے ان کے قلم کو مجور کریے ان سے کائد حل کھوا ہی لیا۔ اور اگر فدا سے وقتًا فوقتًا مذم سب حصر كي اس طرح مدد زكي بودي توسيح كومذ مبريض بيد ما بي من استا-الله تر بخادى كى دواميت ليجيد - اسى بهى دواميت سے ظاہر إو تام كر صرف ابطالب نے ابنے اسلام کا اعلان کردیا ۔ اس صفرت نے فرمایا کے کارشہادت بیھد لفارائ كما كرديرهو حضرت ابوطالب في اعلان كيا كرمين عربا لمطلب وين ير مرّا ہوں - بیٹے کو بیتر تقا کہ باپ کاکیا دین تقار ہے جناب محد صطف صلی اللہ عليه والدوسلم كوسجابني ورسول ماستة بي يا منس واكر ماست بي تويمتفقدامسة كراب فراياكم ميرا فدر فلين آدم سے مزاد باسال قبل خلق كيا كيا - اور پير صلب ادم میں رکھاگیا ۔ اس کے بعداصلاب طاہرہ اور ارحام طرومین تظل بوتار با بيان كك كومس في صلب عبدالشرمين قرار يكرط اور رحم منامين قل موا اب فرائي كه بدترين نجاست كفرم يا شيس اس سے زياده صرر رسال توكونى اور خاست می ندیں ۔ اس مضرف کی اس مدیف سے ظاہر ہوا کہ اس حفرت کے آباه واحدادس كونى تعبى كا فرند تقيا - لهذا حصرت عبدالمطلب كا فرنه عقد دين رامي يرقام عقد حضرت ابطالب سن كهاكرس دين عبدالمطلب يمرتامون - يتبيد انکلاکہ: مسلمان مرے اس صفرت نے فرایک میں آپ کے لیے دعائے مغفرت كتاربون كاليبغيرى شان سے اور اس كى عدائم سى بعيد سے كر ايك كافر کے لیے دعائے مغفرت کرے ، دعائے مغفرت امیدمغفرت برکی حاتی ہے -الميه شنمي سيرة المنبي عبلدادل حصداول تقطيع كلاس مندل عناها

رست کے سل بوری زندگی منایت سادہ تھی اُن کی صرورتیں کم تھیں غربی وامیری فرق نرقا۔ اصحاب صفہ کی السی ہی قدر تھی کہ جیسے اور سلما ذن کی۔ گائے والی میشیہ ورعور آن کا م و نشان نہ تھا یورتیں یا ہر مقنع وجا در میں آئی جاتی تھنیں۔
السین مردوں کی محفل میں بیٹھ کر اُن سے ضعروشا عربی کی افرا نیاں ہنیں افرائی تھیں:
بڑے بڑے صحاب کے مکان دھوپ میں سوکھی ہوئی اینٹوں کے بینے ہوے ہے اوپر سے ملی کا بلامٹر ہوجاتا تھا۔ چھٹوں پر مجور کے بیتے اور سے ڈال دیے جاتے تھے اسی طرح اسلام کی مہلی میں میں گئی تھی۔
اسی طرح اسلام کی مہلی میں میں میں میں کئی تھی۔

مكانات كي نزله بواكرتے عقے صحن وسيع دكھا جاتا تھا اوراس كولوال صرور ہواكرتا تھا - جناب فاطمہ زہرا جوابیت كھركا پائى بحرق تھيں وہ ابہتے ہى كھركے كويں سے بعرقی تھيں صحن میں ایک چوتر ہ بھی ہوتا تھا۔ تقادیب پر مہمان كان كراس پر بنیا كرت ہے تھا اورا میسے وقعوں پرتمام كھرس رہ بھیا دی جائے تھى ديواروں سكے جائی تھی ديكان كا ایک ہی درواڑہ ہوتا تھا۔ اندر کئی كمرے كی ديواروں سكے ہوتے تھے راس كی حكر كہا ان مہمان ہوتی تھيں۔ اكھرلوگ او نمٹ يا كھوڑ المحد المورت كي ميں ركھتے تھے ۔ اس كى حكر كمان مہائش ہى جب ہوتی تھيں۔ اكھرلوگ او نمٹ يا كھوڑ المحد برق تھي ۔ اس كى حكر كمان مہائش ہى جب رہتی تھی ۔ اس كى حكر مهائ تھی۔ چوٹرے كا بڑا بھی ہوتی تھی۔ چوٹرے كا بڑا مہرا ہوتی تھی۔ چوٹرے كا بڑا المحد ہوتا تھا۔ انس پر ہی اور نس بر ہی اور نس بر ہے المحد اس چوٹرے پرون كواون كوارت كوار المحد ہوتا تھا۔ اور صفرت علی کے والات میں دوایت درج سے كراس چوٹرے پرون كواون كوارت كوارا بھا كا كام دیتا تھا۔ دانا دیتے تھے اور داس كو وہ ہی جوٹرے كا شكرا بستركا كام دیتا تھا۔ دانا دیتے تھے اور داس كو وہ ہی جوٹرے كا شكرا بستركا كام دیتا تھا۔ دانا دیتے تھے اور داس كو وہ ہی جوٹرے كا شكرا بستركا كام دیتا تھا۔ دانا دیتے تھے اور داس كو وہ ہی جوٹرے كا شكرا بستركا كام دیتا تھا۔ دانا دیتے تھے اور داس كو وہ ہی جوٹرے كا شكرا بستركا كام دیتا تھا۔ دانا دیتے تھے اور داس كو وہ ہی جوٹرے كا شكرا بستركا كام دیتا تھا۔

زار دو جابلیده میں اور اس کے بعد اسلام میں بھی علامی کا دسورهام کھا۔ عرب میں کیا بلکرساری دنیا میں غلامی کا دستوراجتاعی زندگی کا رکن اظلم تھا۔ اور دہ آدک جنوں نے بنی نوع انسان کی معاشی زندگی کے مراحل کا بغورمطالعہ کیا ہے کہ ہ جانتے ہیں کہ رسوم ورواج اپنے زمانے کی صروریایت زندگی سے بیدا ہوتی ہیں اور آیندہ کے آیے والوں کو بیعتی ہنیں ہے کہ دہ کہیں کہ فلاں نمائے می فلاں تیم احمقا دیا ظالما دیمتی۔اس میں بچھ شک ہنیں کے دیمیت کچھ عرصہ جاتا ہے صرت ابطالب کے کفر کے قائل ہیں۔ اور بخاری کی دوابیت خود بقول علامہ شلی مجروح ہے۔ تو حضرت ابطالب کے مفروضہ کفر کا سالہ کھا نڈا بھوٹ گیا۔ غرض کے حضرت ابطالب کا مسلمان مرنا ثابت ہے۔ مگر و مدین میں اس زمانے کا طرز رہا گئش اور میں میں اس زمانے کا طرز رہا گئش اور جناب فاطمہ کا دورا شمعول زندگی

برانے زمانے کے مورضین خواہ وہ عرب وایران کے بوں یا بونان وروم کے اینی تا دیخن میں قرموں مے طرز رہائش اور روزان معمولی ڈند کی کوبیا بائیس کرتے منة -آج كل ان اموركوسب ومحسب اورتاريخ كركي ليضروري مجا جاتا مي اس وجست زمانه حال کے مورضین کوبسف شکلیں ورمشی آتی ہیں اور وہ ان امرا اس المانے کے شاعود س کے کلام اگریوں کے کمیتوں ، قصہ فرسیوں کے کما نیوں اور بادشا بول کے در اروں کے حالات اور لڑا نیوں کی تفصیلات میں سے دھوندور کم كالتهي بياغياس كيا العنالياركة تصول اورعقدالفريداوركتاب الاغان جيسي كتابول سي بسف مدد ملتى ب - روا يُول كي تفصيل مع مدد دستي بي - زمانهُ ط البیت میں افواج کے ساتھ عور توں کے قافلہ کا ہونا منرور تھا اسکین اسلام نے اس دیم کوجادی در دکھا اگرچی حورتوں کا اسے خا وندوں کے ہمراہ اوائیوں میں جانا اسلام کے زمانے میں بھی جاری تقیا ۔ جناب رسول ضرا اکثر اپنی ا زواج کو ہمرا ہ العائة عقد مينوك قريب جنك احديدي - دبان سلانون كى عدين اسيف نتیمیوں کی دیکید بھال کے لیے ایم گئی تھیں۔ ان امورسے اُس زمانے کے حالات ا ورعورتوں کے خصوصیات کا بہت بترجلیا ہے ۔ ایسیمی امورسے جومالات معلوم کیے کئے ہیں وہ ہم ذیل میں درج کرتے ہیں:-

جن لوگوں سنے اریخ اسلام کو بنظر غور دیکھا ہے۔ اوراس کے داقعات کے اسلام کو بنظر غور دیکھا ہے۔ اوراس کے داقعات ک اُن کے اسباب کے ساتھ طاکر تا دیخ اسلام کا تسلسل قا پرکیا ہے اُن پراضی ہوگا کہ جناب رسول فلاکی دھلت پرسیاسی انقلاب ہی نہیں اور بلکرماشی و نہیں انقلاب کی ڈاپید سرعت کے ساتھ نہیت وسیع بیانے پر موار جناب مول فلاکی سيرة خاطمة الزسراء

قول کیا۔ یہ غلامی کی ابتداعقی اور اس زانے کے حالات کے زیزنظر سبت سى كاليف كايه بهترين صلى تقارانسان كى ابتدائى كوستسش دوق حاصل كرنا تقا- أس زمانے میں یہ ہی ایک کام تھا - اورشکل کام تھا- استنے بلیٹے نہ سکتے اتنى مصنوعات مذتقيس اتنے مشاغل نه تھے اوراتنار و بسیر نہ تھا کررس لوگ متفرن کا مرکے این گزارہ کرتے ۔ وحشیان زندگی کا مرصلہ طے کرنے سے بعد آد بمرزراعت اورمحض معولى صروريات جوزراعت كيدركار بهول انسان ك رز ق حاصل كرساخكا درىعيده حبات إي - اوريه برايك آدمي كيس كاب ندیمتی - لهذا اس غلامی کی دجہ سے سزاروں خا الانوں کورزن کی طون ساطیت بوكيا يد طبسي إست بقى - كفر مجى مل جاتاً كفا وشمنون سع امن مجى مل جاتا تقا -اگر رحمدل اور عادل آقا کا خاندان مل گیا تو پیرکسی چیزگی تحلیف ہی نه عقی -كنيزعور تول كى شادى اين آدميول مير بهى بروجا تى تقى اورسااد قات آقاس کو اپنی ہم بستری کے لیے بیت کر لیتا تھا۔ مرد غلام اپنی زیر کی اور تقلن کی وحسن تدبيرسے فاندان ميں بڑا رسوخ صاصل كرليتا تھا۔ ادرا قاكادستا ہوجاتا تھا۔ائیسی غلامی میں فرانے کیا حرج سے -دہ گھر بنایت آدام و خوستی سے زندگی گزارتے بوں سے بسبت آج کل کے متوسط الحال اورغریب لوگوں کے غریب کو بیٹ عبرسے روفی بنیس متی -پراگنده دوزی، پراگنده دل-پرسشان رستاسم متوسط الحال لوگول كونوكزنيس عنة بسب الادبين- اور ما در وبدر الداري كونى كسى كى كيول اطاعت كري اس زمانے کی غلامی الیسی ہوتی تھی کے حس کی سبس کی عاصکتا ہے سے عقل آگر داند کردل دربند زلفت جون خوش است عاقلان ويوانر كردندا زييخ لأحجيرا كيكن اب ذ ما نه بلا كها تا سيم اور امرا و سجا رغلاموك كي سجا رست سروع کردیتے ہیں۔ اور ان سے زیادہ سے زیادہ روپیر صاصل کرنا جا ہے ہیں اور کم سے کم ان پرخ چ کرتے ہیں۔ یہ وہ ہی حالت ہے اور وہی ذہانیت ہے جوہم روز د مکھتے ہیں میس بے رحمی سے ساتھ یولگ اپنے گاڈی کے گھوڑول

زمانے کے حالات بول جاتے ہیں لیکن وہ رسوم ور واج اس وجرسے کہ لوگ اس کے عاوی ہو گئے ہیں جاری رہتے ہیں۔ اور پیراگر اُن سے کوئی سنے ہیں نا جائز فائده أنفها ناچا بهتاه به تو وه ظالما نه مي بوجاتي بين اوراگرزمانه بالكل یی بدل جا تا ہے اور وہ رسوم ورواج پیر بھی مبادی رہتے ہیں تو احمقان بھی نظر آئے گئتے ہیں لیکین یہ قصور رسوم ورواج کا نہیں ہوتا للکہ اُن لوگوں کا ہوتا ہے جواب بغیرصرورت کے بھی محض اپنے فائد ہ کے لیے ان کو حادی دکھتے ہیں ا یک وه زانه تقا کرفلامی نهایت ضروری هی - حالات کا تقاضه تقا کفلامی موقبالل اور قوموں کی نقل وحرکت مکانی لازمی تقی اوروہ بڑے بیانے پرجاری تقی ابھی بہت لوك بُرامن زندكى كے عادى تنسيں ہوے تھے۔ حالات ہى ايسے تھے كريرامن زندگی نامکن کقی مضروریات زندگی تصادم متواتر برمجبورکرتے سے کے کمیں غورتیں كم تقيير - كهيس مزروعه زمين كم تقى -كهين پانى كانى نه تقا - كهيس ڇا كابين كانى نتھیں یا اُن کی سنبری حتم ہوگئی تھی۔ یا عورتیں بڑھتے ہوے مردوں کے لیے کانی دیقیں-اندری مالاس بڑے بڑے قیائل اور قوسی ایک حکیس وورس یا طافے پر مجبور موجاتی تقیس بنواسرائیل کی دشت اور دی اور حضرت ار ہم کم کا نقل مكانى كرك مكدكوآبادكر ناجن كاقرآن سرييت ميس بھي ذكر سے اس قسم كى أو آبادى كى مثالين بين جن كاتذكره مم في او يركيا عبي - اس قسم كي نقل وحركت كالازمي نتيج يه تقاكه دوسرے قبائل اور دوسرى قوموں سے تصادم واقع ہوتا - يربسے بيايے كى لڑائيوں كى ابتداء تقى حيو كے بيمانے كى لڑائياں تو ابس ميں پاس سينوالے قبائل سے اکثر ہوا کرتی تقیس لڑا کیوں میں عور توں و مردوں کی گرفتاری لازمی تھی اب سوال بپیدا ہوا کہ ان بے شار اسپران جبگی کا کیا جا وے ۔ اگر اُن کو آزا د كردية بي تو بيرايك دوسرى لاان كانهج بوت بي سب كويك قلمة تين كرنا أكرج يج عصد سنة ليه زيرامتان آيالين ببترين صل ابعد نبوا فيدوان تیدیوں سے بچویز پیش کی کہم مسب کومتفرق کردو ۔ ہم سے شاب تم کو کوئی در رسیه گا- اور مذخطرے کا امکانی ہوگا اور سم متھا دی خدمست کریں کے تم مم کو محض رو فی کیٹرا دینا۔ اس شکل کا یہ ہی حل ہوسکتا تھا امذا فریقین نے

ميرة فاطرة النجراة

الطفاكر كے ترتبغ كر ديا۔ يہ بات بيال ختم نميں ہوتى۔ ملكہ گھروں ميں بليٹے ہو۔ عورتوں، بچوں اور بوڑھوں کو نموں سے اُڑا دیاجا تا ہے کھیتی برباد کی حیاتی ہے۔ عارتوں ، میلوں ، باعوں ، مطرکوں اورکھیتوں کو ہر باد کیا جاتا ہے اوراس کا نام Scorch larth Policy و ركاما تا ب - ي توسب يحد الجما كيونكر زمانها میں ہوتا ہے اور وہ غلامی سب میں آ قااورخادم میں فرق نہ ہو وہ بری کیونکہ گزرے ہوے زمانہ کی بات ہے خداس دہنی اوتعلیمی غلامی سے بچائے .اسلام نے غلامی کی وه مبالغه آمیر نیرنگیول کومنع کردیا جو نژویت و دولسف و عود رو بیندار کانتیجه تھیں ادراُن اچھالیوں کو لے لیا جواجتماعی ذندگی کی حان تھیں۔ اُگراَں حضرت کے زمانے کی وہ سادہ زندگی اور غلامی آج کے موجود رہتی تووہ بدر ہوا بہتر تھی اس فلیش ایبل آزا دی سے جس میں سے ہم گزر رہے ہیں -آگرجه اُس زمانے میں لونڈی غلاموں کا رواج تھا نسکین مکسو مدینے میں ان کی تعداد بسف كم عقى -آل حضرت كے ذمانے ميں صرف ايك يا دولا اليو ميں اوندى غلاموں كا حاصل مونا بايا جاتا ہے أيكن كسى دوابيت سے ظاہر منسي موناكة ضرب علیٰ کے پاس کوئی اور لونڈی سوائے نصّہ کے تھی اور نصّہ فتح نیبر کے بعد آئی ا تقين ين كى سرية برجب حضرت على سه بجرى كر آخريس بقيج ك ت وہاں کے واقعات سے معلوم ہوتا ہے کہ قیدیوں میں سے ایک اوٹری حضرت علی ا الناسية ليمنتخب كي تقي حس يرحضرت فالدابن وليدك اشارك س ماد آدمیوں نے والیس آن کر آن صفرت سے شکا بت کی آن حضرت کا چرہ عضته كما ك لال موكيا - اوراب في صديث ولايت سع الت فيخورول وجواب ديا معلوم ير اوتا م كرجولوندى يا غلام صرت على كے حقدين أتا تقا أس كو بهت جلداً زا د فرما دیتے تھے کیونکہ اونڈی غلاموں کا ازاد کرنا انسلام میں کا بخیر تجهاجا تاہے ۔برصورت مضرت فضّہ کے ملادہ زمانہ حیاسہ جنا ب فاطمۃ میں سى اوراو نلرى كا نام منيس أتا - ارزائهم اصول الريخ نوسي كو مد نظر ركا كريني کہ سکتے کہ فضمہ کے علادہ اور بھی گوئی اونڈی جنا ب فاطمۂ کے پاس تقی حِصنر نیفٹہ فتح خيبر مح بعد آئي ہيں اور جناب رسول خدائے يرحكم ديا كفاكه ايك دن المركا

اور گدھوں اور ہل کے بیلوں سے کام لیتے ہیں جب غلاموں کوجانور مجاجات لگا تو داقسى غلامى برترين ظالمانه اور احمقانه رواج كانيتجه ابت مولى -اسلام سے اس کی اصلاح کی۔ اوربتایا کے حس ابتدائی صالت میں غلامی ترقع بونى تقى اسى طرح اس كوركهو و ورز جيورو و واسلام نے غلام اور اور نشيول كى خريد وفروضت قطعًا بندكردي ياكركوني كي كراسلام في المرغلاموس في خريد وفروضت بند کر دی ہوتی تو بنوامیہ و انوعباس کے زمانے میں جو پیرنجارت عام ہوگئی ایسانہ ہوتا۔ یه تو د بری محسف سیم کداسلام سے سراب بینا اگر بندکردیا بوتا تو بنوامید بنده باس ك زاين سراب دائج مرموق - فا برسي كري محت غلط ب-اسلام المسكس صورت سي مي غلاموں كى فريد وفروخست كى اجازت بنيں دى محض ال غلاموں اوران الريس كور كھنے كى اجاذت سے جن كى سبت كما جاسكے كد أو ما متلكت ایساً انکر حب را تھا دے داہنے ما تھوں معنی موار چلانے والے المقوں فرنس كرايا ہے - قرآ ن شريف ميں غلامي كا وكر فقط ان بئ الفاظ سے بواہ - اسلام ف محض جنگی اسیروں کو قیدی بنانے کی اجادت دی۔ ملکم ان کا فدیدلینا کھی ما از نسیس فدید کے کر حمیوار نے میں بھی خوابی تھی کہ وہ دوبار واپنی قرمیں جا کر مسلما نوں سے انتقام کینے میں اور زیادہ سرگرم ہوتے۔شارع علیالسلام علم عقاكه بدايسه السادستورس كرمس جلدامراء وستارك كوست شول سع برا نتائج ببداكرك لمذاقرة إن سريف مي اور فقد اسلام مي غلام كور زاد كرنا، تحرير رقبه اليك سيكي قرار دياكيا كرحيس كابدله وتواب خداك يهال ملي كا وه الك جوزمان حال كا ترمين آن كركت بين كراسلام ك اصول زمان المالك مطابن نسیں عزر کریں کھ عرصہ کے لیے قیدی تو بتالوجب وہ تم میں الل اللے اللہ تم كوأس كى طرف سے اطبينان بوجائے قو أسے آزاد كردو-اس طبح وہ آزاد مجى بو كئے ۔ اور تھادے خيرخ اور كى ايك جاعت مجمى بن كئى - ياسلوك برترى یا وہ ساوک بہترہ جو ای کل دشمنوں کے ساتھ کیا جاتا ہے۔ وہ کیا کرتے ہیں و ہم بتاتے ہیں کہ وہ کیا کوئے ہیں ۔ اوسے والوں کو تو دورسے گولوں اور بمول سے اليست ونابودكردسية اب اباي مواكم مياسب قيديون كوايك لائن مي

46

سیاسی طرفداروں کی جماعت کی توسیع مکن ہوسکے اور لوگوں کے دلول بیل مکار پیچو کی مجست و انسیت پریدا ہوجا ہے۔ بوجوہات جند درجید جن کا ذکر مواجا لاکر ہ<sup>ہے</sup> اورجو ہراکی۔ ٹاریخ کی کٹا سیامینفصیل سے درج ہیں ملکت ایران اور لمطنعی رون شاید معت کے ساتھ وال سے قدوں میں کر بڑیں - اور اسی سوست كرما تقريب ويتره صديول ك فاصله سه ايك مجزه نظراً تا سي كين اس فتح و شکست کے اساب غورکرنے والوں کے لیے اِلک عیاں ہیں کیہ صورت ان تھیا ہو سے تین ہنا ہے بڑے انقلابات رونا ہوے - وہ انقلابات (۱) سیاسی (۲) دریا اور (س ) معاشرتی تقریبلے ہم مدہبی انتقاد بات کا ذکر کرتے ہیں -ابھی ان نومسلور دل میں اسلام نے جڑمنیں بیڑی تھی اور اتفوں سے کا فی مدت کا ملام اور اتفوں زيمل بنديس ديكها تقاء اسلامي فلسفرس نا واقعت عظ كه دوسر المالك مبس مختلف تخليل سع تصادم بتوكيا - ا ورمختلف فلسفدكو زيرعمل دكيدا - وه مذابهب صدیوں سے بنی نوع کے دماغ پرحادی سقے اور اُن کے اصول ان لوگوں کے روزاندزندگی کے معمول مین سکئے سکھے۔ ایران ویونا ن وروم یو تعیون ہمایت جندب مالك عقر اور اسين اسين فرابسب كوافهوس في اسطرح عقلي فلسف كا مامه بينايا بوا بقا كروب كاساده اوح مسلمان جوكل كى است سب كراسي كفرمين مبتلا تھا اور میں کو ایران ویونان کے دور دراز مالک میں اینا ہی میرانا تخیل کا رفرا نظرًا يا فورًا ان كى طوت بھے كے كيا اوراس زرق برق حامہ كے اندر كى زمين ندو كيوسكا منتجه يا بواكه فانحان عزب اليفه مفتوح اقوام كي تخيل سيحاس طرح مغلوب بلوكي حبس طرح فاتحان روم البيني مفتةح يونانيول استحقيل وفلسفه سيمنعلوب الوطنك تے -اوراس طرح اسلامی فلسفہ کی فتعد صیات مجیشہ کے لیے معظمین - ان سلمانوں نے ابینے اسلام کو بینان کے فلسفہ کی کسونی پرکسنا اور پر کھنا شرع کیا -اوربها مخالفنت دكيمي وباكسي نكسي استدلالي بهاندس اسلامي اصول وحيوركم يزانى فلسفه كومعرب كرمي اختياد كرنيا وفلسف برى جنيرنيس سيح أكرفلسف كيمنني عقل البم كے سا تر عور وفكر كر سے كے بيں ليكي الونبيت كے فلسفري صفات كيد ېې طري چنيزېين اورميي د اصفات مين جن كالخيل ايك ندمېب كودوسوستندست

كاده بارفضة كياكري اورايك دن جناب فاطمتركياكرس علامي مي يعدل تقا-وه رواسيت نها يت سيح اورسل وزهين سيم كرس معدم بوناسي كرضرت فأكلو گھر کا سالا کا م کرتے ہوسے د کھرکراور اُن کی ا ذیت کو ملاحظہ فرماکر صفرت علی سنے مِنَابِ فَاطِرُ السي قراما يكركيا الجِها بوتاك لمراسية والدست اليب والدي فألم ليسيسي اب تو وہاں اونڈیاں اسے لکی ہیں۔ اس درخواست کا جواب دربادرسالمت سے يه ملاكريس مم كرا يكسه اليسي باسع كيون نه بتا دو ب ولوندي او دغلامون سي بترمو يُ بغون كِين رُون كِيا كه فرما سِيئَ "أن حصر من سنياس بروه سبيع تعليم فرما بيُ جو سبیج فاطمیر کے ام سے مشہور ہے ۔اس روامیت کو این تجرف اللصابۃ میں اور حاكم في مت رك مين بيان كيا هي-اندرين صورت مهم يرنهيس كريسكن كر خصر علیٔ اسے بیاں لونڈیاں اورغلام ہوا کرنے سکھے ۔لیکن اسلام نے غلامی کو قطعی منوع قرار نهیں دیا۔ غلامی پرتفضیلی سیان - دکھی وہاری کتاب فلسفہ سلام۔ غرض كه يدمتوا ترروايات سے ثابت مي كه جناب فاطمه خود ہى گفركى جمارُه «يَى عَدِين . يا في جرتى عدي على بيستى تقيي بالراس روستن كرس روال يكات تقيي (اعيان الشيعه الجزء ألثاني صيمه.) سبول له بإلنا اور ضلاه ند تعالى عبادت كرنا خا دند کے آزام کے اسیاب متیا کرنا یہ اس کے علاوہ تقایہ بیان نامل رہے گا ادرجناب فاطم عليها السلام ك طرز رباليش اور فرص شناسي كى اليميع كاكما حقها اندازه در بوسك كا ماكريم أس معاسرتي اورساجي انقلاب كا دركر مذكرين جو س صرف كى رحلت كى فيد فرانهي دنياك اسلام مين دوخا بموكيا-اورأس جشم زدن میں اسلامی طرز رہامیش اور طرز تھنگ کی اوھرسے اُوھر مایا دے دیا۔ اسنے دنیاوی مفاد کے خاطراصول عدل وانصاف کونظرا نداز کرسے اور قرآن سررهیت کونس نیشت دانسانی کاسبق جوسقیفدس اور مقدم فدک کے فیصل مرین میں امسے کو بڑھیا یا گیا اس سے آیا ہے وہنی انقلامے تظیم پیدا کردیا اور لیگوں کا مطبح نظرہٰ ی بدل گیا ۔ سیا سی میسرور توں کی دحیہ سے وہ حکومات جوآ*ل حضر س*ے ے معدقا یم ہونی وہ اس امر بیم میدور ہوگئی کا اوگوں کو باہر راوا نیول پر سے اوا ما وے الراق كالمشين سيمكومي كان الرسية المال المساور المال المساور ا

كسى زكسى شكل مي آگئى رشاعرفے خوب كماہے سه برافکن پرده تامعلوم گرده کم یادان دیگیسے دامی بیستند تقدير وتدبيرا وراناني قياس يرغوركرات كرت اسلام مين السياصول واض كرديج وبالكل فالص ابلام كفلات عقد زياد وتفصيل كاصرورت نيس يه فريسي انقلاب عا ج شخص اس ضمون كو تفصيل كما تدوكهنا جا بتا ب ده مادى تا التَّفِي نِقَ وَالتَّخِرِنفِ فِي أَلْمِسُلَّام كامطالدَرَاسُ زانے کے سے الروم خودمسوس کرنے سکے کہ ہما دا مذہب سنخ ہوکراسلام سے بست دور جلاكياجا نجد سيح بخاري ميں مے -انس بن الك سے روابيس ب الفول كاكديس كونى شفيهى اليي بنيس يا تاجيسى كرنبى لمم كم عديس دكينا تقا-وگوں سے کیا کہ خار تو ہے۔ انس بن مالک سے کما کہ خادی عمرے خاذے اندابي تصرفات تنيس كيج تم في جان بوج كريك إيس مواله دوسرى دوايت ميں ہے ۔ دا دى كت م كسى ك دبرى سے سام ده كمتًا عقاكرهي الس بن الك ك ياس ومشق مي أبيا اوراس كود كيماكروه وورا تا میں نے دریا فت کیا تھیں کیا چیز دلارہی ہے ۔ انس نے جواب دیا کر اہے مع كونى وه بات نظر نهين أتى جومين رسول ملعم ك زما ندمين باتا تقا -سواك اس خار کے سو و مجھی صافع کردی گئی مسلم ایک اور علی ابودرہ العبی کی فراتے ہیں ۔ سی بھاری سے -درواک والده كهتى بيس كريس ايك ون ابودروار بعنى والدورداركم ياس آنى تودكيداكه وه مخت عضیناک بورے تھے۔ اس سے ان سے دریا نت کیا کہ آسے کو لس بات كى وجر سيع فندر آياسيم - الخول سي حواسيا وياكريس است محدى مي كونى جيز على عدد الدل مرسطايي نهيل يا تا صرف يركر ما فل مر كاذ عجے بخاری میں عران بے میں سے روایت ہے داوی کہا ہے عمران ين منرت على كرما تر بصره مي خازيدهي اورعموان سے كاكداس آدمى منهم صيح بحارى مطب يدمعرك ب واقيت الصلاة سك

ميزكرات ورنه فداكوتو تقريبًا برمزمب مانت مع يدنان كفلسفا الومبيت مي صفات آلهيكا تفيل كوه اولميس كي بيما ظالم، شهوت سيمغلوب، ذانی د حاسد خدا و سے افغال ناشا سُت بیمنی نظا اورجو فلاسفران کران ضاؤل كى حركات سے بنزار او كئے منف أكفون كے اپنے فلسفة كى بنيا و الحادير اكول ايس فلسفركواسلام كيفلسفه الومبيت سيمكيا تغلق حسر مين خداكي صفات بيان ي التي ين (١) غذا ایک ہے۔ اُس کے علاوہ کوئی اور فدائی شیں۔ (٢) ندكوني أس كامشيرسي اورندكوني بيناسي - اورند ذوج سي -(m) ارض و سامیں ج کھے ہیں۔ (١٧) كوئي أس سے اس كے اذات كے بغير شفاعت بنسي كرسكا -(۵) نرتھی اُسے نیندا تی ہے اور دوہ تھک ہے۔ ( ۲ ) ارض وسا کا انتظام د ه بی کرتا ہے -رك ) المستشر ألده دست والاسم -(٨) علام الغيوب ٢-(9) لوگوں کے دلوں کے الائے آگاہ ہے۔ ١٠١) جَ كُورِكُه زيامين بعود باسب سبزه أكَّل سب مينه برستاسي علوفان آتيبن سباس کے مم ای سے ہوتا ہے وغیرہ دغیرہ وغیرہ يه با صابونان فلسفه كي مح مين مذا في اوركيونكراتي أن كيميان توخدا و كا تخیل یہ بھاکدایک فدا دوسرے فداکی زدج پرعاشق ہوجا تاہے اس کے بیچے دور ا کے ایک ہائی ہے - بھائے بھا گئے کانے بن مان ہے کہ فايد چيكارا بروجائ ككين أس كاعاش خداسا تدبن جاتا ہے اور اپنى بوس ورى كرماسى - أن كا فلسفه الوسيت ان صفات الهيد يرعبي عقارا كي ويشع تو الحاد كى طرف على كئ - اورايغ فلسف كوايد الفاظ مين بيان كياكر مسلمان مم المام كور حيد كت اين وه درست سهد بغا مرة اسلام كور حيود السكن مفاحد آلميه مين تغيروتبدل كرناس وعكردا -اورخداكوانا في صديات وخوا بمشات دفته عطاكر دس ستيجه يه ميوا كه اسلام مين ايراني كفر، يو ناني الحا داور و ما نوي رفيدائيت

بان میں علم کریں کے کرمحض اُن کے کہتے پرجا برب عبداللہ کولیس عبرور کے زروجوام رات دیے۔ اور ایک غلام کے کئے براس کا نان ونفقہ مقرکیا گیا اور عیرها ن اس نے مانگا ماگیردی - دیمید نوٹ مصرور اور معرور سقیفربنی ساعده میں انصاد نے حضرت ابدیکر کے فلیفر اور کی تحت کی ا كى تقى نىكىن زىدابن ئابت يا وجود الفها ر ہوئے كے حصفرت ابو كركے ساتھ آن كر ال سكة اورسب سے ملك الحدل بى فحضرت البريكرسے بعیت كى-اب ان كو ج صله دیا گیا وه ملاحظه بور یا وجود صغیرالسن بونے کے جمع قرآن کی خدست ان کے سپروکی گئی اوران کوما مع القرار کمیٹی کا صدر بنایا گیا هیاه حب آل حضرت نے كمت مدينه بجرت فرائ سب توحضرت زيدابن ثابت ي عمر كياده سال ك قريب مقى كويا آب كى بديدائش سے بيلے نزول قرآن شردع جوگيا تفاراه رائسي لامارنا طفولیت ہی تقاکر تین جو تقائی قرآن ال اُروجیکا تھا جھے قرآن کی ضورت ال سيردى جاتى مي اورصفرت على كو تجوور اجانا مي جن كي سبي و بال صدا إربار وزما يك عفى كران كرسالة ب اورقراً ن على كسالة ب جب مها مع قرآن كميشي مقرر بهو في توزيد ابن ثاب أس كرصدر منقراته استنهن معالم عبدالبرك مندرحه ذيل عبارت قابل غورسي -حضرت عثمان كوزيدبن ثابت سيبب قال ابوعمررحة الله كارعثان سيست بقى اور زيد حضرت عثمان كى يا دفي يجب زيدين ثابع وكان زيدة خانيا میں تھا۔ اور حصرت علی کے ساتھ ایک ولمرمكين فيمن شهده ستسيرا من الوالى ين عي المين شامل إوالميده مشاهدعلى مع الانصار-زیداین تابعان ایس عریب فاندان سے معے لیکن حب ان کا انتقال ہوا ہے توان کی دولت و فرورف کا اندازہ اس سے بوسکت سے کر بقت تقسد مراز کا مع مع بخاري - كتاب نفتائل القرآن - بب جمع القرآن الجزر ثالث صنه! وسلام يم بخار مي كتاب نضائل لقرآن باب جمع القرآن أنيوا لثالث مذعط حبلال الدين يوطئ كثاب كاتفان ليجز الاملك عموه ما فظ الإعربيد من المعروف إلى عبدالبرك بن بالأستيعاب الير الادل منكوا ترحمب لي این تابت نه

(على ) في م كوده خازياد دلائى سبع جوام رسول الشرك سائير طيصف سخير سسه یر روایس بخاری میں دوسلسلد وات کے ساتھ مروی سے سلطہ فتح الباری سير، ستري ميس ان دويوں صدينوں كى توشين وتصدين كى كئى سے -عُرصْ كريهم من محيح بخارى جبيبي اصح الكتب سي تابت كردياكر آن حفرت ئى خازمىن كرىية كى كى كى تى لوگ اس كو كھول جيكے كھے - اصول وعقائددين سي جو تركيف وتبديلي كي تني اس كوتفصيل سي بم في كتاب التقديق والتحديث فى كلاسلامس بيان كيام، اسيام معاسرتي انقلاب كا وكركرستيس ـ يه انقلاس براه راست بتيم كا ان فوحات كاج خلاف صدر اول بياسي انقلاب کی وجیرسے مشروع کی گئی تقییں - ان فترحات کا مذہب پرج اٹر پڑا ہے وه بهم بیان کرسیکے ہیں ۔اسلامی معاشرت برتھی اُن کا اثرابیا ہی تخریبی ہواہے ان كى درم سب مال غنيست بهست زياده آيا-لوندي غلام بهست تعدا دس آساع اور و وسرى الأم سع جو تعلقات بيدا بوف توأن كى معاسرت سلما نوس في التياد كرى - لوند يول اورغلاموں كى وجه مسيمين ان كى طرز رياليش ومعايشرت ميں نايال تبديلي مونيُ نيتيجه يه مواكه عيش وعشريت ميں يست كيے۔ زندگی کی سادگی جو اخلات و مذمرب کی حان ہے یک مختص معدوم ہوگئی۔ مکدو مرمیزمی محلفوالیو ادر دنفس كرست داليوس كالمجمع بوكيا- روم دايران سنع مشراب در قاصراً في مكيس. بھی ایٹوں کی بجائے سنگ مرمرہ سنگ موسی کے سکان پک لحنت شروع ہو گئے۔ انوگور سيم ياس مير شاز دولند، موگئي يصب پرهکومسه کي نظرالتفات موتئي ده هي کھرتی بن گیا اورنظرالتفامص مبنی بھی اُن کی خدمت سیاسیہ براور فدمت سیاسیہ يمفى أر حكومت كومضبوط كياجاد س ادر اصلى حقدادا بن حكومت كولوكون كانظروت كرايا حادب اوران كوأ بشيخ مذد إجاد سيءاس يالميسى كتحت جس فيح ما تكا اه والكيري است دين جس نے دعویٰ كيا أست بغير تحقيقات ادر احادیث كي تلاش سے لیسیں بھر پھر کے زود جوام راست مال غنیست سے دیے ہم فکرک کے سيتهم صبح بخارى معرا مصرا بجزالاول كما ب لاذان منشط ملسمه فتح السلوان بلاذري صلا

دبيرين العوام في ايك عاليشا ف محل بصره بين اليا مضبوط بنايا تفاكرو وفي خ سعودی سے زمان (سر مستریم) میں موجود مقا اور اس میں شجار اور اہل دول عمر تے محقے ایسے ہی محل انفوں نے مصرو کو فدہ اسکندریوس بنا سے تقے۔ اپنی وفات پر ا تفوں نے بچاس ہزار دینا روایک ہزار گھوڑے اور ایک ہزار ادمن جیوڑے تھے تھے ان كراك براوغلام عقد جوان كوفراج ديت عقد الله عبدالرحمن وبن عوف في ابني وفات برايك بنراد اونسك دس مزاد كرماي اور الكساصد كلوال عيورك عق اورجب مرسا سك توبست ددت عقى الوكول ك وجروجي توبتا ياكة صعب بن عمير مج سع بهتر يقي - ان كا انتقال زمانهُ ومول خداً میں ہوا تھا اور اتن بھی رچھوڑا کہ ایک کفن کے لیے کا فی ہوتا - حمزہ بن عب المطلب مجمس بشريط اورا مفول نے اتنا تھی شھیوڑا کر کفن تو ہوجا تا سکے مرتے وقت ان کی جاربی بیون میں سے ہرایک کومرم ہزار دینا دے سے الله مقا بلر کیا آب نے جناب رسول ضدا کے زمانے کی غربت کا اور حضرت عمراور حضرت عثمان کے زمانے کی تروس کا ۔ طلح بعبيدا بشرك ايك منايت عاليشا نحل كوفسي بنوايا تقابومسودى ورخ كے زمانے تك مهبت تنهور تقا اور موجو د تھا۔ مدينه ميں بھي ايك ايسا ہى كل بنايا تھا۔ معض عوات سق ان كي روزاشايك دن كي آمدني ايك مزاد دينا ركتي نشه سعدا بن ابی وقاص نے وا دی عقیق میں ایک عالمیشا ن محل بنایا تھا اس کی مجيت بهبت اور على اوراس ميس بهبت زمين على المراس مي مبت مصحاب كرام اس جاعت ابل دول مين شامل عقي يشلاً على بن أسيّم اورمغیروابن شعبه وغیرها معلی بن أمتیدن مرت وقت با فی لاکه دینادسمرخ نقد محدد ان كا ديكر تركراس كے علادہ ايك لاكھ دينا در رخ كي قيمت كا عما سك مغيره ابن شعبه كي حالت شينيه - ابن نا فع كهتے ہيں كه مغيره ابن شعبہ في اسلامي وي مروع الزمي سعودي الجزوالثاني صويع المي الاستيعاب حلدادل مدع موي الاستيعاب علدودم مسين - مردج الذب مسعودى الجزوالثاني ملائع مردج الذب مسعودي

أن كے ياس اتنى سونے اورچا دى كى انبطير كھيں كدوار قول مي كها اورك تَرْ أَكْرُفَتْسِم كَ كُنيس - يراس كعلاه وسع جوالفوس في بصورت نقداور جالكرهورا وہ سب ملکریک صدمبراد دینا د (سوئے کی اسٹرفی) کی قبیت کے عقے مسمه اس دولت وثروت كانتيجه يه اواكه ابل تروت كى ايك جاعت بن كلي عفول سن سبت جلد صكرمت كوزيرا فركرايا- أس ذاك مي عدد فضاء بسب برامحها جايا كَفًّا حَسْرَتُ عَمِ السَّمَكُم سَكِ صَا دركرتْ يرججور بوسكُّ كريميد و قضا وصرف ابل تُروسيُّ ريامادے عِرِّحْص صاحب تروس دروه فاضي در مقرر كيا جادے للكران كي فيي اور فلسی کی بنا در برعبدا مسرا بن سعود کو فضل قضایا سے روک دیا۔ د کھدالفاردت مولدى الى حصددوم صفى و ۵ ، ۷۰ - اس كا يدجواب كافى نه موكا كرغ سيب دمى كو رشوت لينكي ترغيب زياده بوني مع - صفرت سيلي خود كلفته بي كرهزت عرف قاضيون كى تتخواه ببست زياده مقرر كى تقى - تأكه بالانى الدين كى صرورت مندميك كيا خيال كيا جاسك سيك با وجوداس كعبدالله ابن معود جيس صحابي بيرهى التوت لين - الركية ويرحدس بغرم كوكيا بوا انتخاب خليد كي وقت إس بأعت امراوكا الرُّ حكومت بربست الحبي طرح نمايان تقا مصرت عمرت يوردي ميخجن مين سے فلیف منتخب ہونا تھا ۔ حضرت علی کو تو محض بنو ہاسٹم کا مُن بندکر ہے سے سرا سری لیا تقا- اُن میں ایسے ممبان سے اور اُن کو ایسی ہوایات دی گئی تقیم حضرت على توخليند إو بى منيس سكت عقد باتى بائ المي المرامي مصرت عمان معرالركان ابن عوف ، زبيربن العوام ،طلحد بن عبدا تشراه رسعد بن ابي وقاص معيا حديد ال

درج الزمب مسعودی الجزء الثانی ص<del>یعی میمی</del> الفادون مصددوم معفر، ۲۰ درج الزمب مسعودی الجزوالثانی ص<del>یعی</del>

كان سنن كريد على ما قريق عنه مسرابي على كة بي كرصرت عثمان كرفنت ینیفتے ہی مکدمیں شارب خوری ، جوابازی اور ذنا عام ہو گئے ۔خودان کے بھٹیجے نے مکہ میں ایک قارضا ندماری کیا تقا اور اب عور تؤں کی محفلیں آراستہ کرکے ان کوغشقیہ کاناسناناعام ہوگیا ہے صرف عرکے ذائے کہ ہدنی خواج کا ذکر کرسے کے بعد مسطرفلب کے ہمٹی سکھتے ہیں۔ ( ترجمہ اُر دو ) موانس قدر دولسك كي فراواني كي دحبس دويون مقدس شهرون بعيني مله ديدين كل تقترس بهبعت کم ہوگیا ۔ وہ دنیا وی عمیش دعشرے سے مرکز اورعرب کئ عشقی نباعری کے گھر بن سکنے ' کرمیں ایک شم کے کلب تھر بن سکنے ۔جہاں شہرکے عالمدآن کرتطریخ جها کھيلا كرتے ستے اوركت بيس پر شھتے ستے - مدينه ميں ايراني اور دومي لوند ايل ايده سے زیادہ تعداد میں آنے لگیں ،عشقیہ شاعری آن مشاعل کے ساتھ ساتھ ترقی کرتی گئی۔ قبیہ خانے مرینہ میں کثرت سے قائم ہو گئے۔ جباں عا<sup>ن</sup>د شہر طایا کرنے تھے۔ و ہا جیسین اور اوجوان عورتیں ارت برق سے دلا ویزاب س مین کراسیے مهالان کو كانا سُناكراوروقص وكها كرم خطوط كرتى تقين اوروه وجهان مختلف رنگون كے رستيمي كيرك يهين وس كا وكليدس لك كرعيين وعشرت كى سحر فضامين ( دو زخ ك بعو نے ہوے جنت سے بے پرواہ) ان محصن وَجال و مُربِي وَاز كا مزاليت من اور شام کی سزاب جام دمینا میں تھیلکتی ہوئی ان کے آگے آئی تھی اور دہ اس <sup>کو</sup> بینے جانے محے اوراس کے مشرور میں ان کی خوشی کا بیا ند بهست اسرز ہو حاایا تھا، مرا مدینہ وطالف میں اس مسم کے عور آوں کے بے شارمکا ناس سے لائل س بیانے دیکھا جناب رسول خدا کے زانے کی سا دہ اور مذہبی زند کی کتنی جلدی پر تکلفت عیش وعشرت ولا مذہبیت کی زندگی سے بدل گئی۔ السے عظیم انشان اور معاسرت انقلاب كااتن قليل عرص مين رونما بونا أيك السامحير الغوة ول كان المثلاً c45 A mir ali: History of The Sas acens chapt VI P. 67

and Hitti. His tory of the Arabs 44 Ed.

Cha plaz Xx. P. 237

داخل ہوئے کے بعد تین سوعور توں سے نکاح کیا۔ ابن وصاح کہتا ہے کابن افع ن كم بيان كيااس سے ايك برادعوروں سے نكاح كيا سكته صرف اميرالامراء این اس خرج کو بردانشد کرسکتے ہیں۔ سرمایہ داری اوراس کا رموخ اس صاباک بره گیا مفاکی ولگ، سرای دارون کوان کی تروست کے خلاف سندسے کم کہتے تو ان كوعبرتنا كسيمزالين لتي تقين - ابوذ بغفادي كامنا مله عيان مع كيمن كوحفرت عثمان سے اس وجرسے سزادی اور حبلا وطن کیا کدا مفول نے تروث ولداندی کے خلاف امراوکو ان کے ممند پر ملامت کی تقی اور حضرت عثمان سے عبی صاف کردیا تقا المنك اس وافتكرم في تفصيل كرسا تذابني كتاب البلاغ البين حصددوم اصفحه ۱۹۸۵ برسیان کیاہے۔ ال قرَّ مات كے ذريعہ سے دولت ہى تہا نہيں الى ملكد ايران ، روم ديونا ك لاگوں سے انتظا طکر سے کی وجست اور ان کے حالات معلوم ہونے کی وجر سے مسلما ہوں نے ان لوگوں کے ان تمام ناحا کر وعلیش پرستی کے طریقوں کوسیکھ لیا جو ا تفول نے دولت کے استعمال کرنے کے لیے ایجاد سیے عقے مکر درمدینہ میں بھی و سرود عام ہوگیا روم اورشام سے سراب اور ایران سے دقاصه اسے لگیں مكانات ت مرمرون کے مینے لگے۔ رہائش بین کلف آگیا۔ ما دائی مفقود برد کئی۔ يا امرغورك قابل م كه وه زما شروم وايران ويوثان كي تنزل و الخطاط كا زمانه عقاوه زمانه تقا كتحب إن ممالك ميرعنيش وعشرت عام بوكي تعتى- دوات كاستعمال سواك مصارف عيش وعشرت لهودلعب مياكرف كادر يونها - اس تنزل و انحطاط كذاك ذالي تمذيب وطرزرا الش تقى جوان فقصام كي ذرييه سي سلمانون بي

سم مي الله و المراعب المراء الاستيعاب البراء الدول عدم ترجمه مغيره ابن شعبد هي و جرمي و يذان در ارد و ترجمه الديخ تحدن اسلامي حصد دوم عدل

واخل ہونی اوجیس کی نقل اکفوں نے ہنا میت شوق سے کی۔ اس زما نے کی عورتوں کا

الأكركرست موسي مسطرام على تكفية بين - ترحمية مدينة كي عورتين بهت اليما كان تقييل

ادرمورخین کیتے ہیں کہ حب حضرے عمر شہر کا کشم ی کونے نکلتے مقے تو اکثران عورتو کا

ميرة فاطمة الزهرأ

المسالم بين كما المركا

كتاب التفنيق والتحريف في الاسلام مين كياسي - آل اسول كي بايت و العميل كا بجاك الفول في اين قياس س كام ليا -رم ٢٠ مود مذهبي س آل رسول برصى به كوترجيح دى اورصى ابركوايك مخالف جاعت بناكر كواكرديا اسطرح آل ديول وصحابه كودومخالف كيميدن مين ظاهرك صحابه بنام ال وسول كاعنير متنابى منا اعد شروع كرديا اوروه اس وقت تك ختم منين إوا حب تك كرال رسول كولوكون كى نظرون مي بالكل ذكرا ديا -(۵) اس مکوست کے سیصروری ہوا کاوگوں کواسین کام میں شغول الکے اُن تی طبیعت کے موافق عقاما کہ وہ اس حکومت کی جواز و ناجوازیت برعورد کرسکیں اصلی مقدادان حکومت کی حایث درسکیس اور مال عنیمت جرادے اس سے اسینے ہوا فاہوں کا صلقہ بڑھ جائے۔ اس مقصد کے لیے ایان وروم کی لوٹیاں سروع كى كىيى - اورچونكدوه دونون لطنتى اينى اندرونى تفيگرون اور طوالف الملوكى كى جم سے کرور ہوگی میں معصد کی حقا ماصل ہوا۔ ( ١ ) ان فترحات كى دم سے سرايد دارى اور اس ك اثرات مك ميكيل ك يى مائرتى انقلاب كا -الكوياية تينون انقلابات ايك دومس سعس دانسته بين اورمعا مرتى انقلابات و مذای انقلاب نتید این اسی سیاسی انقلاب کا ۔ جناب فاطمة الزيراء كركافلاس فقبيت سول اورأن كفيفكا طرة التيادر باسب-اكثر معتدوا يات سے نابع ہوتا ہے کہ آن صفرت بہرب شدن گرسنگی کے بیٹ پر تیمر ا ندھ لیا کہتے تھے بنگ ایزار میں اس دوایت کوفاص طور سے نقل کیا ہے مصرف علی کے فا الل م اكثرفاق كررت محق وصفرت على اكثر مزده وى كرك كزاده كرف سعة صبح كاعبادت الكرمونية فاطرة وكرك كام كاح بي الك جاتى تميس اورمفريك في البرمزددرى كرين صلى مات عقر بحركي شام ولات عقد أس سي كفركا في حالتا تقا- النال ك دل دد اغ كفكم دايان سيميراب كرف كالما تماساته على آب كو درخول كيميرب كري كاخاص شوق تقااور يرميشيراب كالهبيع مجوب ميشر تقارا يك دن آب كو

حیں کی نظیر تاریخ عالم میں ابتدائے آفریش سے اب کا کنیں طبی ۔ وہ لوگ جن کی اس کا تعلیم سے فتو حالت سے خیرہ ہوجاتی ہیں ذرااس انقلاب برجھی نظر ڈالیں ۔ یہ ان ہوجاتی ہیں ذرااس انقلاب برجھی نظر ڈالیں ۔ یہ ان ہوجاتی ہیں ذرااس انقلاب برجھی نظر ڈالیں ۔ یہ نیتے یہ ہواکہ سلما فوں ہیں ، ان فوجات کا لازمی نیتے یہ ہواکہ سلما فوں ہیں بیدا کردیے جو ہوشے سے بنی فوع فرادانی نے دروانی کے دوسال سے بشود نما میں جارہ ہی تو بین جب ہیں جب ہی تو بین اب اس کے نشود نما میں حالے ہیں جب ہی تو بین اب اس کے نشود نما میں اب نے بعد ہواکہ والی کی فرادانی کو گرائی ہے تھے اور فرما کی کے حب بین جب ہیں جب ہی تو بین اب اس کے نشود نما میں اب نے بعد ہوال والی کو گرائی ہے تھے اور فرما کی کے حب بین جب ہیں کے بین اب اب نب بعد ہوالہ میں اب نبی سے دروان سے نبید ہوں وہ یہ سے کہ ہوا درون میں اب نبید ہوالہ میں سے بین اب نبی سے دروان سے نبید ہوالہ میں سے بین و دروان سے نبید ہوالہ میں سے بین اب نبی سے دروان سے نبید ہوالہ میں سے بین اب نبی سے دروان سے نبید ہوالہ میں سے بین دروان سے نبید ہوالہ میں سے بین کہ تھا در سے اور دروان سے نبید ہوالہ میں سے دروان سے نبید ہوالہ میں سے بین اس کے بین اب کی دروان سے نبید ہوالہ میں سے دروان سے نبید ہوالہ میں سے دروان سے نبید ہوالہ میں سے بین الموں دو میں سے کہ ہوالہ میں سے دروان سے نبید ہوالہ میں سے بین الموں دو میں سے کہ ہوالہ میں سے دروان سے نبید ہوالہ میں سے بین الموں دو میں سے کہ ہوالہ میں سے دروان سے نبید ہوالہ میں سے دروان سے دروان سے نبید ہوالہ میں سے دروان سے دروا

یه معاشرتی اور مذہبی انقلابات صریحی نتیجہ گئے اس سیاسی انقلاب کے جو آس حضرت کی رحلت والے دن سقیفہ نئی ساعدہ میں دونجا ہوا۔ خاندان رسالست میں سے حکومت کو چند آدمیوں کے ذریعہ سے نکالے کے کئی منا بیت شطرناک نتائے کم پیدائشے جن میں سے چند یہ ہیں :۔

را) چنگرده حکومت جرمقید بنی ساعده مین فرری جوش کی بنایر قالم کی گئی تخی حق دارخلافت نرخی اور شاس کی ایل عنی لمدا اصلی حق داران خلافت کوظار دارای ک در میدست میشد خلوب رکھنا اس حکومت کا بینلامقصد جوااور اس سے ان ظلوں اور زیاد توں کا سلسلہ جاری ہوگیا جوال رسول پر ابتدائے خلافت سے انتہا کے خلافت سک جاری رکھے گئے۔

ييش كررون لكيس اورارا ياكسل افتهم سياس ضلاكي صب فيمبر الباكوسفير كركے بھيجا ہے آج تنيسرون سے كرمم سے الله فاقے سے ہيں وولال بي حسوت دين پریشان پیررسم سف الجی مجو کے سوسے اس میکن سائل دروازے پراگیا ہے۔ رد بنیں کرسکتی - اسمبلان یوایک چاورموجودہ اس کولو درسمون بودی کے یاس جا کو۔ اور کہو کہ فاطمہ دختر محد کی یہ جا در گرویں رکھ سا، ادر تھو ڈی سی جنس وض كون يال عام العالى مع إعوا بي معم جادركو في كرستمون في إس الني المنفسل كيفيت بان كى - يودى مجدريتك عادركو دكيتا دا - عير دفتراس ياكفاص مالع طاری بونی- اور کے لگا کہ اسے سلمان یہ میں وہ اوک جن کی غیرہما رسے بغیرسی نے تورات میں دی ہے - میں فاطمہ کے ایب بدایان کے آیااور سی دل سے سل ان ہوتا ہوں۔ اس کے بعد اناج منان کودیا اور جا در گھی والیس کردی ۔دہ اناج كوجناب سيده كي إس لائ - الخور ك ابين إلى سي سيا، دوي كياني اورسلمان کودی سلمان سے کماکداس میں سے تھوڑی سی روقی بچوں کے لیے رکھ لیجیے اب سے فوایا سلمان جو چیریس ضالی وا میں دے چی ہوں دواب بچوں کے لیے لین مناسب نیس ایلان وه روای کے کرسرور کائنا سف کی خدمت میں حاصر اوے ادر سارا حال مُنایا. رسول صلعم نے وہ رو الح اعرابی کو دی اور جناب سیدہ کے گھیر تشريب لايخ رهال دريا فت كيا تومعلوم جواكريتين دن سي كها نا نهي الا معفر سيدة النسادكواب إس مجفاكراسان كي طون سرائفا إ اور دعاكى كداتهي فاطر يرى اوندى كاس سے داضى دہنا ميمه علامه غزالي احياء العلوم حله ثالث مين مخرير كرية بين كرايك دفعه حنام فاطمئه بار بوكسي جناب رسول خداعمان بن صين صحابي كوكرعياوت كيد دروازے پانشریف لانے - دستانی اوراندرآنی اجازت جا ہی اور فرطا کھیے امراه ایک صحابی عران بن صین کلی بین حضرت فاطر نے عوض کی کرمیرے یاس صرف ایک ہی عباہے اس کے سوائے کوئی اور کیا ہمیں -آل حضرت، نے فرقا یا است بدن دهانک او فاعمر نے عون کی کریدن دھا ملائے کا ورکھل اللے کا

مريمه فاءن جنت مولف لك محددين ميمور ومهور

کوئی مردوری نرملی ، گھریں اکٹر بیرسے فاقہ تھا ۔ شام کے وفت ایک تاج کے ادنث آئے اسے اسباب اتاری کے لیے ایک مزدور کی صرورت بھی حضرت علی ا سے میروات کا ساس کے اونٹوں کا اسباب اُتارا۔ سوداگرینے ایک درم اُجرت دی مصية أبي من بخوشي ك ليا - اس وقت دوكا نيس أكثر بند بوكني تقيس مكرا يك حبكس جُرِكا عَلْمُ فَلَيْ مِلْ اللَّهِ ورم كَ بُوخريكار كُرلاك مصرت فاطمهُ في سنستم وك نهايت انساط کے سا عد حضرت علی کا خیر مقدم کیا اوران کی جول سے وہ جولے کواسی وقت اُن كه بيسيا، دو في بكاني اور آب سنے سامنے ركد دى حب حضرت على سيروكركها حكے توخه دکھا نے لگیں۔حضرت علیٰ فرماتے ہیں کہ مجھ کو اس وقت حضرت سرور کا کنا سے یہ ارشاد یاد آیا کہ فاطمہ دیا کی مہترین عورت سے ۔ اورسی نے خدا کا شکرا دا کیا ۔ با وجود اس افلاس كي صبروقنا عسد جناب فاطمة كاخاص جرم تقاويك فعيكا ذكرم كرصرت على نے فرما ياكا الكي مرجود ب تو مجھے كھانے كودو ليكن كرمي كيوموجود منقا ، حضرِت على بالهرتشريف لأك كي كها كانتظام كرين بجووغيره كأركوس سن توديكها كرجناب سيدة تاز الرسع فراغت باكرىجده ميل برسي اورعبود حقيقي کے در بارمیں کو گڑا دہی ہیں -با وجود اس نقرو فاقد کے حضرت فاطمہ نے تعبی اپنے شومرسے کوئی سوالنہیں کیا ایک دفته کا ذکرم کر حضرت علی نے دریا فت کیا کہ کھانے کے پہا ان گرمیں ہے ا المبين - جناب سيده ف كماكة عنيسرادوزم كركم مين ايك دان في كمنيس مع -حضرت على الديم مت محمد سكيون أكها - جواب ديا مج كوميرك إب فداع کے وقت نصیحت کی تھی کسی کیوسوال کرے ویک کھی سرمندہ نکروں -ا كيك وفدايك الموايي أل حضرت كي إس آيا وه بست بعد كالمقا ال حضرت في فرمایا کرکون سے جواس کا بریط محردے مصرت سلمان استفادر احوالی کیساتھ سکرنگلے چندگفروں پر گئے لیکن کوئی چیز موجو دن تقی آخر کارجناب سیده کے گھرائے۔ درواز ہ كه تكه شايا - جناب سيّد ولن إليها كدكون سب ؟ سلمان ن كها كريسَ مهول - آب ن پر بچھا کہ کیوں آئے ہو ،سلان سے عرض کی کہ یہ ایک اعزا بی مجبوکا ہے۔اس کے لیے فُورَاك كا انتظام كرك نكل مون كئي مكرون يرموم يا مون مجد منسي ملا- جناب سيده

**^•** 

يعبامترادر بدن كميليكافى نهيس مع - أن حضرت من ان يران چادراين بيلي

كى طرف بيميناك دى اورفرما ياكراس سع سردها كك لو جناب خاطرة ف اليابي

لياادداندرآك كي اجازت دى - أل حضرت في اندرجاكرمال إيها عضروه عصر

كمفرك درد اور بهاد عربان أن كريف كف اورور افت كياكرا عاطركس عاجت کے لیے تمیرے پاس آئی تھیں مصرف علی نے سالا وا تعبیان کیا اُن مفرشا الع فرما اكدمين مردوون كواكي السي سف بتاؤل جوخادم سي بيس بستري -جب تُرَدد وْلُ موسك للوسه وقعد سيمكان الله ١٩٥٩ مرتبه الحكمان ولله ١١١١ مرم مرتب آ لله أَلْبُرُ يُره ليا كرو، اس برجناب فاطمة في كان ميس سير ركال كرتمين مرتب فرایا کرمیں داضی بودئ خدا اور اس سے رسول سے الله ابن جرت الاصابة يريمي يدروا بيت اسطرح بيان كى بهاوريدا يزادكياب كر صريع على فرات بي كرمي سن اس دن سهاس سبيح كا در دسيشل كاابن الكواء يوي اكرياصفين كى دات كومبي حصرت على في فرمايك ابل عواق خدا متهين فارت كرے إ رصفين كى دات كو يعى نسي جيورا الله علامه ما كم في متدرك من لكما م كر صفرت على فرات بي كر مناب ول خدا بهار سه ميال تشرفيك لاسط إدراينا بمرمير سه اور فاطم شك بيرسكه درميان ركها اور فرمايا كداس فاطمرجب تمسوسف لكوتوساس مرتبه مسبعوان اللهسس مرتب الحدي للهاوريه ساغرب الله اكبركماكرو ومضرت على فرات بيرك إس كيدس كالعدس الاسبيكونسي والله اس برایک شخص مے جو علی سے کبیدہ فاطر تھا یو بھا کہ کیا صفیری کی دائد کھی تنیں عيورًا معرب على الكما إل صفين كى العدكم بنين حورًا لهم علا محسن الامين الحسيني العاملي اعيان الشيعة مين تكفيته مين كديه وبي تسبيح فاطميم جالبييت عليهم السلام سے مروى سے كر ہرايك نا ذكے بعد برصى چا سب عامطورس يها تكبيرا كير تخيد اورسبي بي ليكن دو لان طرح سے جا از ب -علامدابن ستراسوب سامنافي بيل كهام كردب ال صرف كي إسم بيدي

کنیزی آئیں اور جناب فاطرے ان سے اپنے لیے ایک خادمطلب کی آدائی حضرمگ سفے

اهي اعيان الشيعد الجزوالثاني صلمه ، خاتون جنت مولفه الكم محددين مشلك محيح يؤاي كما بالفق

باب على المرأده في مبيته ذوجها الجزء النالف منه المراكب الترب التكبير والتسبيح عندا لمست م

الجزء الرابع صفة عصيح مسلم الجزء الثاسق صف مسند ابي داؤد الطيالسي حديث ١٩ جزالاول علايا

من المتداكم على العيمين الجريما لن الف صليفا و مسال

فيعرض كى كد خدم درد سے بيچين موں اور اس پرستزاديد كركورس كوئى چيزموجود نسیں سے میوک نے می ناٹر مال کردکھا ہے۔ آل حضرت نے فرما یا کھرانے کی كون إس بنيس م آب في إنا إقدان كى بيل بدر كالروايا كرنم جنت كى عودتون كى سرداريو والم جناب امام صن عليالسلام فراقي بين كدايك دوزايك وقت كي بيريم ب كها ناتفيسب بواعقا - بدرم حضرت على اورجم دونون بهائيون لن كها ناكها ليا عقام المجي والده صاحبك كفانانسين كهايا تقاراتين بيلا بواله توزايي تقاكر دروازم يرايك سائل سے آوازدی سنت رسول کوسلام . میں دوو قت کے فلتے سے ہوں میرا بييط بعرده - جناب سيده في ورا كهافي سي الدهيني ليا اور عبرت كما كرجا وكهاناً سائل كودك أؤسيس ك واكب بى وقت منيس كهايا- استودو وقت كافاقه-معیم فاطن الزمر العلام ما علار صدوق علیالرهم نے کاب العلی میل وردیگروفین می می مان می مان می مان می می این این اسان دوایت كى م مضرعه على فرات بي كرجناب فاطمر كسيندريا في كى مشك الله الفاق الله الممل بن كميا تقا ادر إحول مين علي بيست بيسية أبلير الشيئة مقد خدي جنا بقاطم لمرى جمارد دياكرتي تقيس بهان مك كراب ك كيرب كرداود بدعاف عقر فورى الكرج ملي سي دوس كرتي تقيل بيان مكر دهوليس سي كي كيرك لا يوجاخ تے ۔ ید دیکھ کومیں نے ایک دن ان سے کما کرکیا اچھا ہوکہ اگریم اپنے والد اصل کرکر كوني كنيز معلو- وه جناب يسول خداكي خدمت مي كنيس - وبال بهبت بمع تقاميا كم ادے بغیر می کے دابس علی آئیں۔ان کے دالیں سیلے آ سے بعد اس حضرت کو معلوم ہوا کہ فاطر کسی کام کے لیے آئی تھیں دوسرے دل خود ہمادے بیال آخریت السك اس وقع م دون ايك كان كان كاندكة مم أنف الله الله عام الله الله الله عام الله عام الله الله الله ويهم خا وَن حِنت مولف ملك محروين ماس الشه خا وَن حِنت مولف ملك محروين مديما

سيرة فاطمة الزيرأ

مكات كى درخواسيدكى -اكفول مفجواب ديا بلااحانت اسينه والدكم يركي جواب منیں شیرسکتا کے دنوں بعد جب عبداللركي شادى حضرت آمندسے بوگئي اورنوزت صلب عدد شرسي فكم مندمين تقل إدكيا توجرعدا سراي والدى اجادت مامل كرك فاطرت اميرك مكان يرك اونكاح ك ورخ است كى - الخول في الاب ديا كدوه ورحبي كاشتيات ميس مين ف اتنى دوركامفراختياركيا عقارب كي إس نهي ما اب مجاسى دنياوى غرض كے ليه شادى كى ضرورت ائيں جب فاظميالزمرا تقريبًا وس سال ي تقيل توية فاطرش ميركب سے سلنے اليس اووش مسعب س تا نف ديورات جوابرات ميد كيار ادر كمان كي چيزي إفراط لينما قلاليس وخررول في نهايت مجب وخوش اخلاقى سان كاخيرمقدم كما جب ده تحا لفت فاطرش ميدك أب كى خدم سيس بيش كي و أب ف ان سي اجازت كرده مب اسلام کے امور کے لیے وید مے اور کھانے پینے کی چیزیں اور کیے ان لما ذر کی نذر كردي جو خدمت اسلام مي سركف دست عقد فاطمد شامير بغيروادي كاس اینادوسیشی سے بہت متا تر مولیں - اور آپ کوسینے سے لگا لیا . صفرس فاطمیری عادرس بازم سے زارہ بوندہوتے تے۔اس طرح حضرت علی کالباس بوندوں موربوا بومًا عقا - بيخ سوجا تر سقية و"أب ان دينكما حجلتي جاتي تقيس اور قرأن لوي کی تلاوت فراتی جاتی تقیں۔ حب حکی میستی تقیس تدیجوں کو گورسیں سے لیتی تقیں كيونكه كوني أورمبلان والاننس موتاتها بسااوقات مضرت علي بعي جنا فإطريح سائق اس على كى منفقت ميں سرمك بوجائے مقاصيح كے وقت جب صور ارز كائن نانك ييسى بنوى من تشريف لاتے عقد وصفرت فاطم كريكي ميلان كي أواز كانون من الى تقى - اب ب اختياد موكر دعاما فيك كرباراكما فاطركواس راصت مناحمت كا اجردس اوراس حالت فقرين نابس قدم رسين كي توفيق عطافرا -حسن بصرى كتي بين كداس اتمت مين فاطميس زماده كسى فعاهد عايس كى-دا توسكونا زمير اتني تقراى دمتى عقيل كم إول بردرم موجاتا عقا ممه <u>سم ه</u> اعيان الشيد الجزا الثاني ص<u>19</u> خاتون جنت مولفه محدد بن <u>مصلا</u> منافسان مرامش ا الجزوالوابع مستثل

فرایاکسی آن کنیدون کوفرد صد کرے ان کی قیمت کواہل صف پرخمی کروں گا اور جناب فاطمر كسين تعليم كى - ايك دوايع الديهروره سع مع كرجب أل صرف وا فاطر كياس سي سبيح تعليم كرك إساق وي أيت سريف الدارون -وَامَّا لَعْرِضَى عَنْهُمُ ابْتِعَاء تُحْمَة مِنْ دَّتِكَ تَرْمُوْهَا فَعْلَ لَهُمْ قَالُهُمُ يُسُوْرًا (موده ٤ كيد مرح كمر (حبب أوان سيمت بهيرساس اميديرك بي خداك المون س رعمت ناذل بوتوان سے اسانی کی بات کدے توجناب رسول خدائے صفرت فاطم کے فدست کے لیے ایک لزندی دی اوراس کا تام دفت ریکا سے ايك د فدجاب درول خدا جناب فاطر كالمرك ديها كرايك يده وليكين والنايد للكا بواب اورصفرت فاطريك بالقوس جاندى كددكتكن عقد الكرف ايعاب ب كر ي من جاندى كى دُنجير للى - آب يد ديكھتے ہى والس جلسكے عناب فاعمت كو بسيطال موا يجب جناب رسول ضداكي وجرم احست معلوم موني أو أب ف وه دونون جيزي فروش كرك قيمت جناب رسول خداكي خدمت مي جوادي - اورا ل مضرف ي الى الم كاصحافية كه او پرخده كيا - ايك روايت سے كرجناب فاحمد فار ان كافيمت سے ايك غلام فريكر آلادكرديا رجب دمول فداكويمعلوم بواترة نصفرت برعض بوس اورفرا ياكم سب تعربین خداکے لیے سے مس نے فاطئ کونا جم بھے نجا ت دی اس دوایت کو عاكم في متدرك بين نقل كياب - اورعلامرسيد من الامين كابني كما باعيال شيع المروالثان ماسي برمستدرك كي والرسينقل كياسيه ليكن متدرك كيدوايت مين صرف جاندى كى زغيركا ذكرب - زكين برد اكواس كرسائه محددين صاحب ن اليني كتاب فا قون جنت مين شامل كيا ب اورنيزاعيان الشعيد الجزوالثاني صفيههم سي مي اس كا ذكري -فاطميشاميد ملك شام ك ايك اميركبيرك الأى تقين - بنايت ديناد وبادتكذا كتب مقدسها ديدكى عالم علم بخوم سے واقف تقيس جب ان كومعلوم مواكر حضرت خاتم النبيين كي ولادت كا وقت دري الياسي توده مرمنظم مي تشريف لائس إيكن عبدالله ابن عب المطلب سے الماقات موئ - أن كى بيشانى بين علامست وردكيم كر وه اعيان الشيد الجزء اللي متلك مناقب بن شراً منوب الجزء الرابع ملك

المنكون سے أنفوجاري إو كئے . اور فرايا كه فاطمه دنيا كي تليفوں كاصبرسے فاتمكر اورا خرت کی خوشی کی شطرره -ايك، دن جناب رسول ضاحضرت فاطمر كي بهان شريف الدي بحفر في اطم ن آپ کے آگے ایک سوتھی ہونی جو کی دونی کا عروا رکھ دیا۔ آن حضرت سے وہ كها يا اور فرما ياكه تنين دن كے بعد بير بهلا ظرفوروني كامع جوتير سے بارسي كھايا ہے تھا اس میں بھرف کینیں کر آل حضرت کی دندگی بھی اسی طرح فقرد فاقدیں گزری ادربی آن صرت کا بست براطرهٔ امتیاز نقار ایک روایت بخاری وسلم سے بم ذیل ب نقل كرتي بي كرمس سي ابت بوزاسي كرحضرت عا بنشاودان كى يادنى كى المات المونين ني أن صفرت كرسا تق اس فقره فاقتس سركمت نسي كده ده ايسايه م حضرت عالىند فراق بي كرا ر صفرت على الشرعليد وسلم كى بي سيال دو بارهوا مِن قسم تقين ايك بارق مين مضرف عائشه مصرف صفيه الموده مقیں۔ دوسری پارٹیس ام سلمدادر استصرت کی دیگریی بیال تقیس اور اوگ ملنة مخ كدان صرف كوسارى ذو جكان من تصرت عالشر سي ببعث إده محسط اس وجرسے حب سی شخص کے اِس کوئی چیز ہوتی تھی اور وہ ال حضرت کے اِس مديرنا جابتا هاته وه تاخيركمة عابهان ككر مضرب عائشه ك إدى آجان اور جب الصريق صرع ما نشرك كريس بوت سفة أو د و تخص اس شفكال صنية ك باس معزم ما نفدك كريس بيجاعا -اس برصرع ام المكى بادلاك اعتراص كيا . اورام سلم سع كماكرا ل مضرف سع عض كروكد وه لوكول سع كوي ك وك صرب عاد المنظم كالفيص ذكري بلكوس كالعريد كلى ال صرب الماين ال سخالف دبدایا مجرج دیا کریں - ام ملم سے اس طرح آل صربت سے کما - وہ فاموش سے ۔ بی بیوں نے امسلم سے دیجا کہ آن صربت نے کیا کہ اینوں نے کہا وہ او فاموش رسے الفوں سے کہا پیرکنا ، غرص اسی طرح تین دفعہوا۔ دو دفعہ تو م صفرت خاموش دسم تميسري دند فراياتو مجمع عائش كحت مي ايذا شدس اس واسط كريخفيق ميرب باس مجيى وحي نهيس أني سواك اس كركحب ميس ه من قب ابن شراً تتوب الجزوالوالع من

يد عقر ده لوگ جن كى ركب و يني بين ايان سرايت كرگيا عقد ان وحشر ونشر كيات كاعين اليقتين تفاحب نے دنيا كوان كى آنكھوں ميں اپنچ كرد إتفاء انھوں نے دنيا كو محض عقبی کے صول کے ذریعہ سے زیادہ درجہ سی دیا۔ان کے نزدیک عقبی کی زندگی اصلی زندگی مقی- دنیا کے عیش وعشرت سے ان کواتن ہی نفرت مقی تبنی اسی دنیا دادکو فقروفا قرسے -انفول سے اصلی اسلام سیکھا عقول سے ان کی طرنت رجوع كى - وه أوك جود بنيا كعيش وعشرت كي وف سك المول فاسلام كو الية حصول مقصد كا درييه بنايا - دواذ رجاعتون ف اينا اينا مقصد حاصل كرايا دنياً كي جاسب والول كو دنيا ال كئي يعقبي كي جاسب والول توعقبي مل كئي -بهم بلا فوف ترد يدكت إن كديه البسيت مخرَّ جناب دسالت مات كانبوت میں سرکیٹ اوران کا بوجھ اُٹھا نے والے سے ۔اس شرکت کے یہ عنی ہنیں کریں ایجوں بنی یا در ول عقر ملکه بیمشرکت ایسی متی که جیسے با دشا جست میں وزیر اعظم کی ستر کے بردا كرتى سيد - دا قعدمها بارسي عب كا ذكريم العبى كرست بين اس شركمت كي مزيد يعتيج ہوتی ہے۔ یہ بزرگو ارتھی ابنے اس فرض کو موس کرنے مقے اور ان کی زندگیوں کے اس سائیے میں و علنے میں جناب رسول خدا کی تعلیم اور اس فرص شناسی کا بڑا تصدیم علادہ اس کے یہ لوگ ججة الشريقے - دين اسلام كى تصدين ان سے بدتى تتى فرض كو يسب لوك عيش وعشرت كوداده بوقي ادشاه وادول كي طرح رسي وكفار و منا فقين كايدكنا إلكل صيح تمجها عالا كفركامقعدة محص دنيا كاحاصل كزاها. نوت توايك، بها نه اور دربعه بناياكيا تقالسكن محدًا ورابلبيت محدك اس فقو فاقركى أندكى ك وشمنان اسلام كامنه بندكر ديا -صاحب على الشرائع حضرت اماح سن كى دوا يعافل كرية بير والمحسن كية بي كريس اين والده فاطمة الزبراك شام مصصى كم خداك آعي كمريد ذارى كرت اوراس كيدينايك عاجرى سعفدا كحضورس وعاليس ماشكة وكها -حابرانسادی كابيان مي كرايك، وخدجناب دسول خداسف و يكها كرجناب فاطمه ك حبم يراونك كوال كالباس تقارايك القرم على بيستى جاتى تقيس دوسرا بالقر اما مضن عليالسلام كودوده بالنفيل في من شغول عقاء يدحالت ديكه كراس حضوية كى

كرجب أن صرت معنون عائش كما فرسوت عقر ترجر كاينفرة م فيفالهادى ومرارده سع من صح الجارى سے ليا ہے - بورا نفره يد سے "عائشك سواكسى بى بى كے پاس سوتے ہوے ميرے پاس وحى شين آئى شفيفالمادى ياده يم مك عرا وي توصرت عالشه كي وجس آن-آن صرف كي وجسان تو جاں بھی دہ ہوتے وہاں وی آئی - اس طرح دیکھیے کسوائے جند آیا سے ساما دُرُان سراهی وی کے دائرہ سے کل کیا ۔ عیرمذ ب سے لوگ الیسی بالیس سن كرمينة بين - كوئي دنگيلارسول كلمتا م -كوئي ابني كادن مي اليسي بى كتافان فقر كه دياب عبلادى الهي كوعورت كما تقسور في مع كياتعلن ا كسى يودى كيدويد الادى مغين كيد ديوكركراس سيهارى جاعتك ایک عورت کی مزات براحتی مے اپنی اپنی میچ میں درج کردیا ۔ یہ د صوبا کدر بول خدا اوران كمسن كلتني توبين بوني سي . جناب فاطمه كا نام بيج مين الناصرور عما تاكرامچى طرح مقالمر بوجائے -حیب. بی بیون كوام سلمكي ذبا في معلوم بوگیاكاس الفتكوت آل صرت كوايدا بولى ب توافول في إد باركيول بيها - بجاك صنرت فاطر کا رصرت سے اپنی بی بیوں ہی سے کیوں دائد دیا کہ اسی اس المرو مح ما نشر مجوب سب -مل الشكال مير مائ چند شيد اور ابل نت وجاعت في الكال بلغ ما الكال بلغ ما الكال الملغ الكال بلغ من الما الله الم معدم موتا م كرواعظان اور ملاصاحبان من البيسية مالعامك نقرد فاقدى مالت كومص الربياكرك كي ليمبالعد كما تقبيان كياب جناب فري كاسادا مال يطاب ومول فدام كوطا و فوصاعب ذربيب جوال عنيمت اوراسيران كتفسي الناس مضرعه حسنين السمال الماصمونا فارجا فيصرف الأكا قصيفهوب صرت عرف جودلوان عطايا ووظا لف كامقركيا عقااس يعشره

على وحضرت سنين عليم السلام كا حصدورج سے جب حالت يد ب تو

بركنا كرصرت فاطرب عمره من زندكي كزادي فلات وا تعرم "

اس روایت سے مندرج فیل امورمعلوم ہوئے۔ ا - اُل حضرت کی ازواج میں در پارٹیاں تقیس .

الم مس آل حضرت کے نقر وفاق میں حضرت عائشہ اور ان کی اِد تی کی بیان مشر کیا نہ تھیں کیونکہ ان کی بادی میں بسب سے تحالف آجا ہے مفع اور وہ ابنی باد فی کی عور وں میں ضرور تقسیم کرتی ہوں گی -

سا - ان تحالف کا مرعا ذیاده ترحضرت عائشه کو فائده بینجا نا تھا۔ کیونکه اگر محض آن حضرت مقصود ہوتے تودہ ہماں بھی ہوتے و ان لوگ بیم دیتے یہ حضرت ابو بکروحضرت عمرہی کی کوشسٹوں کا نیتجہ ہوسکتا ہے کا تفوں نے اس طح اپنی بیٹیوں کو فقرو فاقہ سے بچاہے کی کوششش کی ۔

بہی بیوں و طروق دسے بی سے ی کوسس کی سے بیاں تک تو اس بیون شیداً دائی اس بیون شیداً دائی اس بیون شیداً دائی اس بیاسی انتخاص کے ایک اس بیون شیداً دائی سے ۔ بور تو سیجے صرف اس وقت ہی وی آئی معی المان منظم می بناری کا بالمبدالروا شائی سے ۔ بور تو سیجے سلم کماب فضائل عالمہ بھنا المبدالروا شائی سال منظم کماب فضائل عالمہ بھنا المبدالروا شائی سال منظم کماب فضائل عالمہ بھنا کا المبدالروا شائی سال منظم کماب فضائل عالمہ بھنا کا المبدالروا شائی سال منظم کماب فضائل عالمہ بھنا کا المبدالروا شائی سال منظم کماب فضائل عالمہ بھنا کا المبدالروا شائی سال منظم کماب فضائل عالمہ بھنا کا المبدالروا شائی سال منظم کماب فضائل عالمہ بھنا کا المبدالروا شائی منظم کماب فضائل عالمہ بھنا کہ بھنا کہ منظم کماب فضائل منظم کماب فضائل منظم کماب فضائل کا المبدالروا کہ بھنا کہ ب

آں حضرت کونا گوارگزرا۔ اور حبب اعفوں نے ان چیزوں کو فروخت کرکے آپ کے اِس معه پریمبیجا توخوش موسکئے اور رو بہیرخیرات کردیا۔ دوسری یہ بات ہے کہ خداکی نظر مين الهيشه صدقه وخيرات الجهي جيزسهاور باعث خوشنودي خداس اوراس زمانه مِنْ عرب مين سخاوت انسان كالهيترين جوسر مجها حاتا عقاء لهذار سول وآل يول كو يد كوارا شريقا كران ك درواز ي سيسائل محروم ميرجاك - قران سريين مين عام سلما نوں کے کیے خیارے کا یہ اندازہ مقر کردیا ہے کہ جمعقادی صرورت سے فاشل ا وه صدقه می خرچ کروریا کے وقت کی خانمقر کی ہے۔ یہ توفرض ہے۔اسل ندانه کی خيرات كرنا صرف يايخ وقت كى نا زيدها برسلان كافرض بالكين اس عافياده چوكركا و منوع شي - للكرباعث تواب مزيدهم - اسى مي لوگ نوافل وتتجد پرست ہیں ۔خرات اتن کرتے ہیں جتنی دہ کرسکتے ہیں لیکن آل دسول کا یہ امکان خيرات بهت دسيع تقامه مرحالت مي اور بهرصورت مين سائل كواين اويرتر جيح شيته سے تیسری بات جوزادہ بادیک ہے وہ یہ سے کدرزق ملال ورزق طیبس فرق ب- ازواج رسول رزن حلال يركزاره كرتى تقيس- رسول وآل رسول حلال کے درجے سے آگے بڑھ کررن ق طینب کی تلاش میں رہتے تھے۔ ہم مثال ہے کر مجھاتے ہیں۔ ایک شخص نے اپنی کمانی میں سے یک صدروبیہ ایک اوی حب کو ندان بیش کیا - بظا ہراس کی کمانی میں کھ سے حوام بنیں ہے - کم سے کم وادی صاب موصوف کے علمیں شیس ہے۔ الفوں نے وہ رو پسیقول کرلیا -ان کے لیے صلال ہے ليكن دزق طينب ده مع حس مين حرام كي آميزش كا امكان كليي نه جو- ايك شخص تاجرى دوزى سي المكان مع كراس في جائزت زياده اين مال كي قيمت وصول کی ہو۔ بیر حوام ہوگیا۔ آیک پولیس آفیسراور تصیلداری دوزی میں اس بات کا امکا م كروشوت كا روبييشا مل مو واكرجير ليف دالے كواس كاعلم نهيں سے ليكن اس امركا امكان توسى لبذا وه مال جواس دوزى ميس سے دياجائے كالاعلم لين والے کے لیے ملال ہو گا۔لیکن طیتب نہ ہوگا کیونکداس میں امکان حرصف افی سے ، اس وجرس آب في ديها بوكاكر عابل لوك اورجيته فينيخ والي رزق طيب كا خیال دکھتے ہیں ۔ اپنی طال کمائی سے حاصل کیا ہوا رزق اینے اعترسے

بظلير يجسف به وقت دارمادم اولى عدادد انعال مي كرجبانانك زندكى كامتصد صرفته دو بهرب ادر مفن دوير كرمياد يرق ذاحق كا فيصاري ما المراجية ك زور كران كانديشر مه - لمذاس بمفصل فتكوفرى با جیکسی قم کے واقعات و حالات اورسی فرد کے مواغ حیار عاداس کے افعالی و تورخ کا باب وسل پر گفتگر کرن بون ب تونورخ کا زص بال قم الداس على كانتى مالت كاس قد زيج اندازه كرك دريها معلوم وكوه معیی ان میں کا ایک ہے۔ اس کا دوسرا فرنش یہ ہے کہ اس قوم یا سخص کا واقع اس طرح بھوجا ہے کہ برمعلوم ہوکدان کا مجمع مرتفا۔ اس مورج کی تھی ون کاب كى قدر دقيمت وخوبى اس كے اس عظم اندازے اور فنم كتاب سے اوكى . تع مل دنیا ایک زمان علیت بین سے گزرہی ہے جوکام جلدی میں ہوسکا ہے ہوجائے ۔زیادہ سطح کے بیٹیے جاکر وقت صابع کرنا آج کل کے ذہنی فلیش کے خلا ہے۔ سوال نزیر جست پر فورکرانے کے لیے دو مین امور کو انجی طرح سمجو لینا جا ہیے۔ القل تذي كرجناب رسول خداكا خديمي ييعمل عنا اورايني اولا دكويمي يتعليم ذي تني كوجب مرويه وكركمي أوى ايك بي صيب عدي كرفتاد بين اورتم ان مين سي ايك الا تواميشه اب اويد دوسرول كو رجي ده-آب كي تعليم كا دوسراج ويه على كابني الت الورطرة دائشش اورعمول زندكى كوابسار كلوكرميرى المست كاعزميب سيغري فيضف اس سے اسے کی مؤند کے سے - اور آگر اولا درسول این ذندگی فراوان اور زوت میں گزارتے توغیب لوگوں کوغرین مناس و ندکی گزارے کا مؤند ندمات اور وہ پر کہا ہے مقاكه إلى تفيك مع حبب وسعت وزق برتو خدا خرب يادا تام اوريخاوت معى بوتى ب اگر بهادى طرح كى دندكى كزارت قويريم ان كى عبادت اورخادت ديكية ويكف جب أل صفرت سي جناب فاطري فا دمطلب كي توجناب ربول فدائف فادمرس بيترش معنى لسبيج توصرورد عدى كين فادمرندى ادريكماكه فاطميري اولادكاكام توصيركرنا ب-تراس شقيت يصبرلود وندى غلاموں کو جا کز طور سے فروضوں کر کے میں اس رو سے کو اہلے صفہ کیفسیم کروں کا جب جناب فاطري محص عده يرده لفكايا اورصرف جأندى كا ايك ويوريسنات

کے جن ب خدیج نے ہوت وصلے کتن مال چھوٹرا ادر اس میں ان دو نون بزرگوادوں کے حضے کی کتنی رقم ہو تھی۔ جب تاک یہ نہ معلوم ہو محض قیاس کہ چھرصہ کی دقم ہو گی درست بہنس جب جناب خدیج کا نکاح جناب درسول خداسے ہوا نوجا بضریح اپنے باپ کے مال کی منظر کھیں۔ مالکہ نہ تھیں۔ اپنے والد کے انتقال پران کو کچھ درشاس قدر نقا۔ اس کے بعد جناب کے درشاس قدر نقا۔ اس کے بعد جناب کے بیر کیمیں سال زندہ دہیں اورجناب دسول خدا کے مشن کی مددا پنے مال سے کرنی بیس کیمیں سال زندہ دہیں اورجناب دسول خدا کے مشن کی مددا پنے مال سے کرنی بیس کیمیں سال زندہ دہیں آئی کہ اس کا حرب بعد بعدی مال سے کرنی بیس کے بعد بعدی مال سے کرنی بیس کے بعد بھی مال سے کا دواں بغرض تجارت کے قابل مال ہی شدہ ہا ہوگا۔ دومال اب کا بیا ہوگا کے جناب فاطمہ کے ورشیں آئا۔ اسی طرح کی لوگوں سے اپنی سے مندل ہوگا کہ جناب فاطمہ ہوتا حضر سے مسل اور سے مسل اور سے میں مال بندیں رہتا حضر سے مسل اور سے میں مال بندیں میں میں میں میں میں ان کا لو نگری رہنا ظلم ہوتا حضر سے مسل اور سے مسل اور سے میں میں سے مسل اور سے میں میں سے مسل اور سے میں میں سے مسل اور میں ہوتا حضر سے مطل نے کر اپنے شہزادہ میں شادی کر دی ۔

میاں موی کا امیں میں سکوک میاں بوی کے آبس ہے تنازعات اس وقت بیدا ہوئے ہیں کرجب آبس میں ان مان میں کا امیں میں سکوک میاں بوی کے آبس ہے تنازعات اس وقت بیدا ہوئے ہیں کرجب آبس میں مل طبیعت ، مزاج اور کرداد کا اختلاف ہوتا ہے ۔ میاں غریب ہے اور بدی نیش ہین بند سے عبدہ وا بدہ ہے عبد منا بدہ وا بدہ سے عبادت ہی میں گئی رہتی ہے ۔ میاں اور بجوں کا خیال ہندیں رکھتی یا آبس کا شخصی عبادت ہی میں اور بیدی اس میں خوش - دو نون کا زاہدہ ، عابدہ اور خداد وست جینے کہ خاد ند - دو نون فلسی میں خوش - دو نون کا مقصد حیا سے ایک مورث بندی اسلام اور اطاعت خدا ورسول - دو اور حقوق خدا ورسول - دو اور حقوق بندگان کے ایک طرح اداکر سے والے ۔ بیچن کی تعبت و تعلیم میں دو نوں وحقوق بندگان کے ایک طرح اداکر سے والے ۔ بیچن کی تعبت و تعلیم میں دو نوں وحقوق بندگان کے ایک طرح اداکر سے والے ۔ بیچن کی تعبت و تعلیم میں دو نوں

الله بربانی سے بیکا یا ہوا کھا نا کھائے ہیں ۔ دوران جیتہ ہیں اس کا نیال صرور اریکے ہیں۔ بیسے الس کا نیال صرور اریکے ہیں۔ بیسی طرح سے حاصل کیا ہوا عام سلمانوں کے لیے حلال کھا لیکن حضرت علی سے اسپے اوپر اسے حرام کرلیا تھا۔ اسپے دست و بازوسے محنت و مزدوری کرکے دزق حاصل کرنے تھے اور اس برگزارہ کرنے تھے۔ بہت بھی الغنیمت آتا تھا مسلمانوں میں بیا تھا۔ لیکن حبب حضرت عمران کی تلاش میں نکلے تو حضرت علی کو درخوں میں یا نی دیتے لیکن حبب حضرت عمران کی تلاش میں نکلے تو حضرت علی کو درخوں میں یا نی دیتے ہوئے۔ اور ا دواج دسول کا دن ق حلال تھا۔ لوگ اپنی خوشی سے بدایا اور تحالف دیتے ہوئے۔ اور ا دواج دسول کا دن حلال تھا۔ لوگ اپنی خوشی سے بدایا اور تحالف دیتے سے۔ اور ا دواج دسول کا دیتے اور برخرج کو تی تھیں۔ ان کے لیے حلال تھا۔ لیکن جناب دسول خدار دیتے طویس نمان تھا تھا۔ لیکن جناب دسول خدار دیتے طویس نمان کراس کو تلاش کرتے تھے۔ ورجب اپنے گھریں نان کراس کو تلاش کرتے تھے۔

ایک ادر بات کھی نظر انداز نہ کرنی جاہیے ۔ہم جناب فاطمۃ الزّہر کے موائح جات کھورہے ہیں۔ اس زمانہ کے حالات پرغور کرنے اس موال کا فیصلہ کرنا چاہیے۔ ان بعد ہی سلیا نور میں دولت وٹروت بھیل گئی۔ اور ایک ایک گھر میں متعدد اور ڈی غلام ہونے گئے دیکین جناب فاطمۂ کے معمول زندگی معلوم کرنے کے لیے اس صور سب

حالات كونظرا تدازكرنا بوكا-

دل برج ط لکی مسجد میں جاکر مسبر پر کھڑے ہوے اور لوگوں سے فر ما یا کہ بنقام بن المغيره كے فائدان كے لوگ تجرسے اجازت لين آسے سے ك على سے اپنى الكى كا كاح كرديں۔ ميں بركرا الان نهيں دے سكتاريد شیں ہوسکتا کدرسول اللہ اور ضوائے وشمن ابوجل کی بیٹی ایک گھریں جمع موں ۔ یا درکھو فاطرمیرے جگر کا فکڑا ہے ۔ اس کے دیج سے میکھ رىج برتاب راوراس كى كليف سے كليف رسول الشصلى الشرعلية لم كى يەنا داصى دىكھ كرعلى نے كانوں ير با تقداكها اورحب كك فاطمه زنده ربس معى دوسرے كاح كا نام ندليا " كه يه قصداتنا غيراغلب اخلات عقل وفهم ونامكن مع كربغيرمزيد بحبث كاسكو ردكردينا چاہيے ليكن چونگه اس سيملي كي فضيلت ميں كمي اور كاركنان تيفيني عدا كيرم مين دعايت كا امكان ب لهذا مرايك مورخ ومحدث في اس كوينيزورو فكر سے تسلیم رہا۔ ان بزرگواروں کی ایس ہماری مجھسے الاتر ہیں حبفروعبا سے عيش وعشرت كے واقعات كومصن ايك جلد لكه كرابن خلدون نے دد كرديا كر فيليفة رسول اورامیرالمومنین کی بین سے یا بعیدے کرایک نا محرم سے ناجالوعش کرتی۔ ہرایک الدیج میں بلاتر دیدان کے واقعات عینی درج ہیں لکین محض الل ایک جملیت ان خلدون نے اس کی صحت سے انکارکر دیا ۔ بخاری اصح اکسب بدیر اب باری سمجی جائے ہے۔ بخاری نے قصہ قرطاس کوایک حگرمنیں سام حکم کھا مسلم ان دومكر لكها يكن بوكر مصرت عمر كا قدم درميان مي مي اس يرهبي تقيدمون اللي بخارى ك غلطى كى عبدا شرابن عباس كى عمراس دقت بندر الموارسال كى تقى-ا سے بیچے کی دوامیت کو بخاری سے مان لیا ۔ حضرت عرسے بدیدہ کردہ جنالی ول خلا كى اس قدركت فى كرت حتنى كه اس تصنيه سے ظا بريونى سے داسس تصنيم مواد بخارى مبى اس قياس كى بنا پر مجروح إو كئے - يوں تو عبدا مشرا بن عباس مجرالعلولي ليكن بيان ان كابعى حافظه نا قابل اعتبار مسلم بخارى طبقات ابن معد مشكوة سب اس تقعے کو میچ ماننے کی وجر سے مجودے ہو گئے۔ لیکن عکرم غلام و صرع علی کا

کین آن نهاک عادت خصائل کرداد مزاج دونون کا کیسال عجر تنازه بو تو
کس بات پر ہو۔ دونوں میں کس طرح کی مجست کھی جناب امیر کے استحارہ اقوال سے
ظاہر ہے۔ آپ فراتے ہیں کہ فاطم جنت کا ایک بھول تھیں جس کے مرجبانے کے
بعد بھی میرا دماغ اس کی خوشیو سے معظر ہے۔ اس افلاس و تنگی میں ہمی کھی خاوند سے
کسی امرکی شکا بیت نہیں کی ۔ بلکہ ان کی حالت دکھ کرخود حضرت علی نے کہا کہ لینے
والد سے ایک خادمہ انگ لو کئی کئی دن متواتر فاقوں سے گزرے شکا بیت کا حرف
والد سے ایک و فعد زبان پر نہ آیا۔ اندرین صورت جب کوئی وجہ تنازعہ ہی جھی تو تنازع کہاں
ایک دفعہ زبان پر نہ آیا۔ اندرین صورت جب کوئی وجہ تنازعہ ہی جھی تو تنازع کہاں
سے بیدا ہوتا ۔ جنا نجو حضرت علی کے اشعار جو جناب فاطمۂ کی تعربی میں وہ بتا ہے
ہیں کہ دونوں کو ایس میں تتنا عشق تھا جناب فاطمہ زہرا سے انتقال پر صورت علی ا

حبیب لیس بعد له حبیب و ما لسوالا فی مسلبی نصیب حبیب غاب عن عینی قویمی وعن قلبی حبیب کا تغییب بناب رسول خدا فرمایا کرتے سے کہ فاطمہ میرے حکم کا کارا سی حبیب کا تغییب ایڈا دی - اور جناب فاطمہ سے رحلت کے وقت کا دکنان مقیفہ بنی ساعدہ سے صاف کہ دیا گئر دونوں سے میں خت ایذا دی ہے میں تم دونوں کے میں موں کی تو مقادی شکا بھت ضرور نادا ضربوں - اور اپنے والدما جدسے حبنت میں ملوں کی تو مقادی شکا بھت ضرور کروں کی - لهذا کا دکنان حکومت کے لیے ضروری ہوا کر حضرت علی پریمی جن فالوں جنت ادامن ہوتا دکھا کیس - اب ایک قصر شیار ہوا - ملک محدالدین اپنی فالوں جنت " میں اس قصر کواس طرح کھتے ہیں ، -

"ایک دفعه حضرت علی سے اوجل کی بیٹی سے نکاح کرناچا ہا۔ لوکی دالوں کو اندلیشہ ہواکہ شاید آل حضرت صلعم کونا گوا دہو۔ اس لیے آب سے اجازت لینے آئے۔ ادھ فاطر سے بھی عرض کیا کہ دیکھئے میں لوگ اپنی لڑکیوں کی حایث کرتے ہیں۔ گرآپ کچھ خیال ہی نمیں فرملتے۔ اب علی اوجل کی بیٹی سے شادی کہ کے مجھ پرنوں ت لاناچاہتے ہیں۔ اس حال کو سننے اور فاطر ہو کو عملین دیکھنے سے آل حضرت صلی اللہ علیہ دسلم کے

-1 (c) 21 (s) (١) ابدالوليد (١) الليث (١١) ابدلنيك (١١) مسور بن مخرم ( کا ) کے استادیں او (١) أحدين عبدالتدين بونس (١) قتيبه بن سعيد (١٧) الليث بن سعند ( به ) عبدا مندس عبيدا شرس ابي مليكه ( ۵ ) مسور بن مخرس (و) کے استادوہ ہیں جو (1) کے ہیں -- Und ((1) 21 most 12 (1) 一: リアンシーノ (で) (۱) وبلب بنجرير (۲) جرير (۳) نعان (م) زهري (۵) على بي ين (۲) مهورين فخرم ( الله ) کے استادیہ ایل :-۱) ایالیان ( ۲) شیب ( ۱۰) دبری ( ۲ ) کلی بین بین (۵) مورین کور (ی) کے استادیہ ایں ا-(١) بعقاب (١) ابرائيم (١) وليدابن كثير (١) محدين عسم (٥) ابن طعلة الدولي ( ١) ابن شماب (٤) على ابن الحسين (٨) مسوربن فرم رك كاسساديناديان ( 1 ) المعم بن محاسم ( ١٠) الليسف يميني ابن سعد ( ١٠) هبدالله بن عبيدالله يول بوليكم (مهم ) مسورين مخرص رل) کے استادیہ این ا-(١) عيسى ابن حاد ( س ) اليث بن سعد (س) عيدانشرابي بليكه (١١) موريط مب سے بہا ور مین کی اس ب کریام ردایات صرف ایک محالی سے خبوب ہیں اگران کو صحابی کها جاسکتا ہے بعنی مسور بن مخرمہ -ان کی عمر تھیسال ک عقى حب جناب رسول فداكا نتقال باوا هده علامدا بن عبدالبر كت بي ريسور شفه كنب الجمع مين و عال الصيحيين لآبي العضل محد بن ظا جرين على المقدسي المودن بما لقيراني الجزء الناني صفاه وكرمسورين مخرمه مناس

بد ترین دشمن اور ند بهیا خارجی مخدا ان ہی عبدامتند ابن عباس کی طرف ایک علط مدیث حضرت ابو کرکے خوخر کے تعلق منسوب کردیتا ہے تو وہی عبالتاری اس اب قابل اعتبار بن جاتے ایں ۔ خوض کے واقعہ کے وقت توعیدالشراب عباس اور مجى جيوك أول ك يكين مب كي قول كيونكراس تدبير ان بزركوارون كا کام بنتا ہے۔ امب ہم اس اوجیل وائی ارفک کی دوایت پر عزر کرتے ہیں۔ يەردايى بخارى ميں جارعگرے -(١) كتاب الحنس باب ٥ ميلا الجروان بي- (ب) كتاب نضا كل معاب ليني إب ١١ ذكراصها النبي بخادي الجزوالثاني صنع ( ج ) كتاب النكاح ياب ١٠٩ الجزدالثالث مكا ( د ) كتاب الطلاق باب النقاق ١١ ا كرزالثاني معيمه ير دايت المي ين مركب ( كا )كتاب فضائل الصحابه بإب فضائل فاطمه نبت البني عليه الصلوة والسلام الجوالها في والمال و معل يردايت المينيل سي عارعكر ع (ح) البرااراني ملامية (ط) الجروالرابع ملامة (ى) الجروالماني ملامة (لع) الجزالالي مع يد دوايت ابن ماجر مين ايك حكيب \_ (ل) سنن ابن اجركتاب النكاح إب الغيره معيدا ( 1 ) کے استادیمیں ،-(١) سيد بن عدا ليري (٢) يعقوب ابن ابرايم (١١) ابرايم (١٨) وليدابركثير (۵) محدین عمرو بن صلحلة الدوله (۲) ابن شماب (۱) علی بیجیین ا (م) مسود بن گرمم (ب) کاسنادییین (۱) ایوالیان (۷) شیب (۳) زهری (۸) علی بن مین (۵) مسور بن کرم 一ルパッといし(で) (1) قيمبه (4) الليسف (4) الومليكه (4) مسورين مخرم

ميرة فاطمة الزميرام

بیچ کی ہے جوابھی تک اس سے بھی واقع ف منتا کہ پیچ کس کو کہتے ہیں۔اور بھوٹ کیوں بڑا ہے۔ سیج بولنے کا فرصل نداس برعا کہ ہوتا تھا۔ نداس سے وہ واقعت تھا۔ اس سے یہ بالکل ناممکن تھا کہ وہ ایک کلافم سلسل کوسٹن کراسی طرح یاد رکھے گا کہ حب طرح وہ بیان ہوا تھا۔ دوسری وجہ اس کے نا قابل اعتباد ہونے کی یہ ہے کہ ایک ہی واقعہ کی مختاہ درسری وجہ اس کے نا قابل اعتباد ہوئے تھ جو سے کہ ایک ہی واقعہ کی

دوسری وجراس کے نا قابل اعتباد ہونے لی یہ ہے کہ ایک ہی واقعہ کی اختلف دوایات ہی اور ایک دوسرے سے مختلف ہیں۔ ہم اس امر برمھی عزر کرتے ہیں۔ ہم اس است میں حضرت اوام کرتے ہیں۔ مندرج الاروایات کل ۱۲ ہیں جن میں سے سامت میں حضرت اوام زین العابدین مھی ایک رادی ہیں۔ بیان کیا جا تا ہے کہ امام زین العابدین ہی نے پردوایت مسور سے شنی ہے۔ بیمات روایت اس ب و ، ز ، ح ، طاور سی میں۔ ان میں اسپر میں سخت اختلاف ہے۔ روایات ا ، و ، می کامضمون اکل مختلف ہے۔ روایات ا ، و ، می کامضمون اکل مختلف ہے۔ روایات ا ، و ، می کامضمون اکل مختلف ہے۔ روایات ا ، و ، می کامضمون اکل مختلف ہے۔ روایات ا ، و ، می کامضمون اکل مختلف ہے۔ روایات ا ، و ، می کامشمون اکسان مختلف ہے۔ روایات ا ، و ، می کامشمون اکسان مختلف ہے۔ روایات ا ، و ، می کامشمون اکسان مختلف ہے۔ روایات ا ، و ، می کامشمون اکسان مختلف ہے۔ روایات ا ، و ، می کامشمون اکسان مختلف ہے۔ روایات ا ، و ، می کامشمون اکسان مختلف ہے۔

كرين بجرت سے دوسال كرزنے كے بعديدا موس مقے اور اواخرذى الحيرمين ان كے دالد مكرسے ان كو مدينہ لائے يسور كا انتقال د بھے الاول سے بير ميں ہوا -رمضان سئسة بيحري مين مكه فتح إبوا تقا- اورجناب رمول ضُلا كانتقال مي الاول مسلامين بوالكويا مدينهين موربن مخرمه صرف دؤسال ادر دو جيين رسب كر جناب رسول خدا كانتقال بوكيا-اورحب وه مدينة الي توبعول ما فظابن عبدالبر ان كى عمر يون في مال كى متى - ا دربعة ل ابن طا برمقامي بوك آئم سال كى - اور يه وا قد خطبه دخترا بي جبل كا أن صنرت كي وفات من الرجيم منين تو دوسال تبل وكا نخ کمة کا توعکرمرابن ای جبل کا فریقا۔اور بیرسب کرمیں رہنے تھے۔ دیے مگر کے بعد عکرمه ابن ابی چل کمین جلاگیا - و ہاں سے اس کی بیری اس کو مدین کے آنی اور دونون سلان اوك - اس ك بعدي يخطبه كا واقد بوسك القارتوك إجب واقد ہواا در آل حضرت نے مسرمہ جا کراس کا اعلان کیا حب کومسور روایت کونے ہیں 🗸 اس وقت مسور كي عرصارسال يا زياده سع زياده وجوسال بقى اوريه أعرسال إجهال کے مخ کرب آل صفرت کا تقال ہوا۔ ابھی تویس میرکو بھی ہنیں بہنچ سے۔ ان كوصحابى كالقب قدديا بى بنيس جاسك - بم حران بي كياديا سے الضاف الكل بى معدوم بوكيا - اس ظلم ى بعى كوئى حديد - اس بياد يا چھ برس كے بيخ اکے اس قال پراتنا اعتباد کیا گیا سیفین سے اپنی این سیح میں اس کو درج کیا ۔ عمران يراعتباركركم تام محدثين ك ددايت كيا- استعجان ومعرصابرموجود الق نسى فاس كونسير منا -كوئ اس كربيان شيس كرتا -صرف مطرم وساع من اليا اوربائك، ديل اس كا علان كرديا اس بهد دهرى كي يمي كدي مدب عيدالشر ابن عباس کی دواست کوشک کی تگاہ سے مولوی شبلی دیکھتے ہیں کہ ان کی عمصرات بخدة ما يندره سال كالمحى جب دا قعد قرطاس بواحس كوده بيان كرتي اور بمان عمرس كين يراتنا اعتبادكيا ما تاب -ايك كوسط يدر وبواول ك مثل من كريم كها كرت عقر كرايسا كون بيدقون بوگاحس پريمثل عالدموني بوگل. اب اتنے بڑے محدثین کود کھولیا کیس طح ایک کوسطے بر دو ہواؤں کے قائل ہیں۔ 

ميرة فاطمة الزبرأ كوني روايت معلوم بنيس بوتي مصرف ابن ماحيه والى روايت بعيني رواميت (ل)بي عبدالله کو ابن ابی ملیکه کلها سے اور اس سے روایت کی ہے۔ یا تو بیواقعی عبدالله بن ابی المیکدی روایت مع یا علطی کا تب سے عبیدا مندی مجا سے عبالانتراکھا گیا-عبدالتروالي روايات اي اورك اين وراصل يه نام كامغالطيهي ان كل عت کے فلات بہت مضبوط نبوت ہے ۔ راوی کو بینی پترہمیں کہ بیٹے سے سُنا یا پوتے سے مناکوئ بیا کتاہے۔کوئی پوتا۔اب ہم ان روایات ع ، د ، لا ، ك ل برغوركرت بين -روایت ح منر پرمسورین عزمدنے آن صرت کو سکتے ہو سے ان کو بیام مجه سے اجازت چاہتے ہیں کہ وہ اپنی مٹی کا نکاح علی این ابی طالب سے کردیں۔ مي منين اجازت ديتا بنين اجازت ديتا بنين اجازت ديتا ياكين أرعلى كاح كردين فاطميرے حكر كا فكرا معص في اسى ايذادى -اس سے مجھ روایت حرین فقط اتنام کرآن حضرت نے فرمایا کہ بنوالمغیرہ محبسے اجاز

ابن ایمطالب میری اول فاطر کوطلات دیناچا ستا ہے تو سیاطلات دیدے میرده المنطقة بين كدوه الني لا كي على سے بيا ه دي يسب ميں اجازت بنس ديتا عوريج اس مین نوطلات کا ذکرہے اور ندایذ اکا ذکرہے۔ اور ثدنهمیں کو نتین دفعہ دم المالیا کیا کا روامیت کی اگریپه الفاظ ذرامتلف مین کیکی شخون تقریباً وه بهی یا جوره ایت روایت لق اس دوایت میں علی کے فاطر کوطلات دینے کا دکرنسیں اسے علادہ اس کا مضمون وہ ہی ہے جوروایت ج اور کا کامے -روايت ل اس دوايت كامضمون مطابن ردايات ج الا م -ان دوایات کا به اختلاف ، اضطراب هی کا فی بهران کوغیرمعتبر ا بست كرف كي اب مم اس قص يراك مبسوط تفيد وكمل جرح كرت بين -١- يرصرف ايك بيلي كائن اولى دوايت سيمس ك الريسي صحابى ك

آب اس عبادت پراهی طرح عور کریں - بدروا میت اصح الکتب بعد کتاب باری میں سے ایک تھ برس کے بیج کی روایت ہے۔اس پرانسابقین بھا کر حمد کی نوت سے انكارم وجاسط قرم وجاس الم المصحرت سيسانكا ماسي محض اس وحرسن كاس مي جناب على مرضى كى مذمت كوك كوك كر عبرى بونى مع - اورعلى كى مذمت ان كى المنكھوں كو مفنڈا كرتى ہے - ہم اس روايت كے حمن وقبح كى طرف ناظرين كو توجيلاتين روایات ب، نه ، ح کامقعمون حضرت علی بن الحسین مام زیر العابدی کتے ہیں کرمسور نے بیان کیا کرعلی نے ابو جہل کی لٹر کی کے لیے نکاح کا خطبہ دیا۔ یہ جناب فاطمه ف من ليا يسب ده اين والدكي خدمت مين صاصر ورئيس اوروض كيا كآب كى قوم كوخيال بوكيا ب كراب ابنى الأكيون كى حايت وطرف ايى نهيس كرة علی کودیکھئے اوجبل کی لڑکی سے شاوی کرنا چاہتے ہیں۔ سپر آل حضرت متیریر تشریف کے گئے میں سے سُنا کہ آپ بعد حمدو تنا فرائے کہ میں سے زینب کا نكاح الدالعاص بن الربع سے كيا يس اس كي سے جواس كى سے كي اورحب كونى دعده كيا وه يوراكيا - فاطمير عبر كالمكرات اورس نايسندكرتا موسك کوئی شنے اسے رشنج بہنچا سئے قسم بخدارسول خداکی بیطی اور دھمن خداکی بیطی ایک ستخص کے پاس مجتمع مرموں کی معلی سے ایناالادہ ترک کردیا محدبن عمروب ملحلہ في ابن شهاب سے اور اس سے امام زین العامدین سے اور اعفوں سے مسور سے ات الفاظ اور تفصيلاً ذائد كي مي كرمناس في كرجناب وبول حداك بن عيتمس کی دامادی کا ذکرکیا اوراس کی تعربیت کی اور فرمایا کراس سے زابوالعاص بارسی جوبنوعبيتس سي تقل) جو بات كهي سيج كهي اورجو وعده كياوه إواكيا-(نوم : يالفاظ كجهزياده بين ورزمضمون توان كاستن دوايستين هي أكياب) یک منشد دوستد به ده روایت سم حس سع جناب فاطمته وعلی مرتضی اور جناب رسول خداً كى توبين بيك وقت بوتى سبى -وه روا یاست جن میں حضرت امام زین العابدین کا توسل نهیں ہے ان میں چندمیں توامام زین العابدین کی بجائے سردسے سننے والے ابو ملیکہ ہیں۔ یاان کے پوتے عبدالتر میں - ابو ملیکروالی دوایات ج ، د میں ، ان کے پیشے عبیدالشرسات

ہوں کے اورخوش ہوکر تلوار ان کوعنا بت کر دیں گے۔ ٧ يحبس بنا برمسوربن مخرمه مع جناب زين العابدين سے تلواد مانكى وه مجمى فلان عقل ہے - اعدوں نے کما کر منبوامیہ سے تلواریم سے تو چھیں لیس کے اور میں مرتے دُم تک ندوں گا ۔ کیا مطلب یہ تھا کہ تم کواس تلواد کی قدر ہنیں مجھے بہت قدرے لیا بیک میں تھا دی سبت زیادہ سادر ہوں ائم تو ڈرکردے دو کے اور میں مرجاؤں کا اور بنیں دوں گا - اگریہ کھے کہ میں بنو امنیہ کی جاعمت کا آدی ہوں مجرسے وہ ندلیس کے تو بھر زیا دہ مطابق عقل باست موتی ۔ اور میراس منطن کی بنیاد پرجسوسف بیش کی امام زمین العابدین اس کو کیون تلوار دیں اگر بنوامیلی سے توخوانه شاہی میں تومحفوظ رسم کی مسورصاحب کے پاس دوکس مصرف کی تھی۔ اگر بنوامیہ تبرکات ربول کے ایسے دلدادہ تھے تومیدان جنگ ہی میل مام میں عالیسالا كے شہادت كے بعد لے جاتے -اور كير الوار بى كيول-اور كھى تو تبركات تھے جسا، عيا ،عامه وغيره يه بعي مسورصاحب كوجابي تها كالمرزي لعامين سعائك يست ٤ - ياب زياده قابل عزيب كسى دوايت يس اوجل كى اس اللك كانام داج ہنیں ہے کے جس سے صرماعلی مرضیٰ کا ح کرنا جا ہے گئے۔ آیا اوجل کی کو لئ اللي قابل كاح إقى بمي تقى يانهيس جبتك يسوال طے نادواس وقت كك اس ددایت کی صحب کو قبول بنس کیا جاسکتا داری کانام دسته دیتا ناظا مرکردا ہے کہ یہ تو یہنی ایک گپ چلادی ہے تاکیسی طرح تو حضرت علی کی تضیلت میں

بھر ہی در بہ ہمیں ہندی ہوم اور نداس دوایت سے ظاہر ہوتا ہے کر صفرت علیٰ کیوں
او ہجل کی اوکی سے شادی کرنا جا ہے تھے ۔صرف چار وجہ اس دوسری شادی کی
ہوسکتی ہیں (۱) مرجودہ زوجہ برمزاج برسلیقہ ہے۔ اس سے بحب اندیں (۲) موجدہ
زوجہ کی اولاد نہیں ہوئی (۳) مرد میں التی طاقت ہے کہ ایک عورت اس کے لیے
کافی نہیں ۔ (۲) کسی عورت سے عشق ہوگیا اور اس سے اب نکاح مطلوب ہے
مرجودہ صالت میں ان چاروں وجہ ہات میں سے ایک بھی ندی ۔ اسلامی اونڈیو کا
ایسا عمدہ اصول قائم کھا کہ خواہ مردکت ہی طاقت ور ہوجتنی چاہے کنے زمر کی کھا تھا

المسود بن مخرم کی عمر اس دوایت کے بیان ہونے کے دقت صرف چارا بھر ہیں کا مسود بن مخرم کی عمر اس دوایت کے بیان ہونے کے دقت صرف چارا بھر ہیں اس میں پہلے کسی سے بیلے کسی سے بیلے کسی سے بیلے کسی اس والبی ہدیں انتقال دبیج الاول سے اللہ علی میں ہوا۔ ابلبیت علیہم السلام کی ذمش سے والبی ہدیں صفرت ذین العابدین کی خدمت میں صاضر ہو سے اور اور ایک یا دو سال کے اندران کا انتقال ہوگیا۔ جاد یا جھ سال کی عمر سے اس دوایت کو اور اس کے مضمون کو دوا عمر میں کیوں یک لیخت میں ساتھ سال کے دیا جو روں ایک لیخت ان کواس کے بیان کرنے کی صرورت ہوئی

۵ - بے ربطی اور نامورونی موقع بھی طاخطہ ہو ۔ یہ جناب دین العا برین کی فرمت میں گئے تو جناب دین العا برین کی فرمت میں گئے تو جناب رمول المرائی الرائی ہے میں گئے تو جناب رمول المرائی الرائی ہے میں کا مقاص کو ، ہمال کے عصرت کا انفوں سے بیان نمیں کیا تھا۔ انگار المرائی المائی کی المائی کو ایما دی ۔ یہ کیا بات ہوئی ۔ یہ کون سا محل تھا ۔ کیا ایفوں نے خیال کیا کہ یہ دوایت میں کرجناب امام زین العابرین توش

ميرة فاطمة الزهرأ

يه قانون بهي منسوخ كراديا ياكردياستام امسعه كي لؤكيا ب صنره فاطمهُ سيطفيل سي اس ايذا سي في جائيس -مه و حضرت فاطر نے تعمی فقرو فاقه کی شکایت نه کی چکی پیسنے کی شکایت کی المركا بان بوسن كى شكايت ذكى شكايم على تركس كى وخداكى طرف سے على کے لیے جائز تھا۔ اور کوئی منع ہنیں کرسکتا۔ یہ اُن کی شان سے بعید تھا۔ آگر يُراسى لكَ وصبركرتي - زبان پردلاتين -اصل بات يه سم كه ان لوكون فيمى المبسيد عليم السلام ي عظمت ورنعسب سنان كو شميها- البسيد عليم السلام كولوك ك نظرز ن سر گراسے کی تخر کی عصد سے جاری برجکی تھی۔ اور اسی مجبوئی روایات اسی پالسی کے احمد تراسی مئی ہیں۔ تاکہ لوگ ان کومعولی انسان مجیں۔ اور بیاں تو خضرت فاطرة كومعمولي عورتون سي هي گراه يا-كيا آب كي تجربيس نهيس آيا كه اكثر نیک بخند عورتیں فاوند کی خوشی کو اپنی خوشی مجرکران کے دوسرے کارے میں فد سعى كرنى بين - اورجو مجوبه خاوندكى آئىسى اس كى خود خدست كرسك للتى بين-السييء رئيس بوقى بي اورصرود بوتى بي أكرجيه كم بون لمكين حضرت فاطم كو ان اوگوں نے یدر جیمی نددیا مالانکروب میں دوسری عورت کا آجا نامعمولی اِت تقی ادرسیل عورت کے لیے باعدفِ ایذا نہیں ہواکرتا تھا۔ وہاں قدعام رواج تھا۔ ہمال كسى باك كا عام دواج بو- د باس وه بات نه تو تعجب الكيرمعلوم بوني سب اور انداس سے اید ابونی سے -۵۱- اس روايت ميں يرتجى ب كرجناب يدره ك فرايك آب كي قوم كو یقین ہوگی ہے کہ آ ہے اپنی لزاکیوں کی طرفعار سی نہیں کرتے ۔ این گل دیگرشگفت-ايك نظيرس ويقين نهيس موتا معلوم موتاب كرايسي متواز نظيرس كالتفاق كالقيس اور نقط ایک بهی لوک کی طرف سے نهیں ملکرسب لوکیوں پر پر جملہ حادثی ہے تالیخ اور مديث توكوني السي نظيرنسي بتاتي -١٦ - السي مطيع وفرا نبردار زوجست كصبيى حضرت فاطمقس ينامكن

كيصروعلى سعاس إحدينا واص بوتس وضراف على كيصلال كردى هى

11- جناب دسالع آب جيس شارع اسلام سے يد بديرمعلوم بوتا سے ك

مجورشين كيااس كانيتجه يهب كأكروه جاب توجاد بيويون تك بيك قت كاكما ہے کوئی اس امرسے بنیں دوک سکتا۔ یہ اس کے لیے ملال ہے کوئی اس اورام نسيس كرسكتا يسكن الكروه جاس توايك ريفي قناعت كرسكتاب ليكن يراس كي این مرضی ہے۔ چن بنچ رسول خدائے حضرت ضریح کی زندگی میں کوئی اور شکاح سي كيا -كيا دسول فداك لي بي ما لز تقاكر وجيز فداك على كے لي ملال اردی وہ حرام کردیتے اور علی کو مجبور کرتے کہ دوسرا نکائ فرکرے۔ آج کل کے وہمی دالدین اسنے دا مادوں سے تھمی تھی الیا کرتے ہیں کہاری اس اولی کی موجود كى مين تم دوسرا نكاح مذكرنا ليكن حب عدالت مين معامله جاتا بيع توجع فوراً اس اقرارکواس مجسف کے ساتھ کالعدم و ناجا نز قرار دیتا ہے کرسلم شرع کے فلات كونى معاہدہ بنيں ہوسكتا ـ

١٢ - اس حلال كرحوام كرك كي وجريه بيان كي جائي ب كدرسول خدام كي بيني اور عدوا مشركي بيني ايك تفريس جمع نهيس بوسكتيس - اوجبل كي لوكي توجو بهي بو كن مسلمان بوكى - اوجهل مرحيكا تقا - خود ته ويسلمان تقى - ان لوگور كوينميال آیا که زینب در تبیتروام کلثوم آل صغیرت کی سبی از کیا س تقیس کا فرخاوندوں سے بيا بى دۇئىقىس جىب دىيال فىلاكى لۈكيال خود عدد الشركى كىستىكى رەكىتى بىي تواگردسول خدا کی افزی کے مسا تھ ایک اوسلمان اوکی آگئی جس کا اب کا فرتھا تو کی ہوج اوا کیا درول خدائے کسی عورت سے نکاح ہنیں کیا تقاحب کے ان باب کا فر ده چکے سے اکفن ی رمر چکے سے حب خودرمول خدا کے ساتھ عدوا ملدی میں گا اجماع بوسكتا سي تورسول فكاكى وختر كما تق أيك عدوالتدكى الأكي كيون وسك ١١- كيا موكن كآف سي جناب فاطبركوايذا بوق-ارے خداكے بندو، در وفداسے ۔ کیوں ہر ایک کی تو بین کرنے پر شلے ہوئے مو کیاموکن کے آنے سے ایدارون سے اور مونی چاہیے ؟ آگرایدا مونی ہے اور مونی چاہیے وکیا اور من بنيس بوسك كرجار بى بيول كى اجازت دمكرتام امسع كى لوكيوس كولايداد دى ادرابى لرك كربياليا - بيرايسا ايذادين والاقانون بي كيور بناما بجال منبرير ما كراسيا اعلان كرسنت كرحب مي ابن بعي بتك بوتي عنى كيول فأل صفرت في

ميرة فالمتالزيرة

نمائے کے ختارہیں۔ اس کامفصل جواب ہم اپنی کتاب التلالیق والعجو بھت فی کا سلام میں دے چکے ہیں۔ اگر اینا جانشین مقرد کرنا اورا بنے بعداسلام کے چینے اور ترقی پالے کا اتظام کرنا بھی عمد فر نبوت ہیں شامل ہنیں توکیا وہ بوت عصد میں اینٹیس سال ہی سے لیے دنیا میں آئی تھی۔ اس کے بعد نبوت کا ربوت ختر ہوگیا۔

اب د با بشریت کا عدر اور بشریت کی کزوری کی وجست این اولادادرا قربین کے فضائل بیان کرنا تواس کے دوجواب ہیں ایک تو بیکر جناب لا دل ضاکی محیک ونفرت ضرامے سیے اورا مور دین کی وجرسے ہوا کرتی تقی جناب رسول فدا جائے من كان لوكوں سے ميرے دين سكے كھيت كى آبيا دى بوكى -ان سے عبت كرستے معة أنَّا بَسَفَوُ مِينَّنُكُ كُورُ كَامِطلب تو فقط اتناسي كسمين محقا دى بى برع سيمول اوران ہی قوانین قدرت کا یا سند ہوں کہ جن کے تم ہو۔ میں غیرمنس کا فرستہ یا جن نهیں ہوں ۔ بشربیاں نوعیت کے خیال سے استعال ہوا ہے ذکر نظیمات اور کن بوں کے اعتبارے فضیات کے لحاظ سے تورسولوں کی نسبت فرمانا کیا ہے كرتِلْكَ الرُّسُلُ فَخَلَنَا بَعْضَهُ مُرْعَلَىٰ بَعْضِ - ونيامِسِ م ويَعِيد بي كم ا کے کو دوسرے بضیات ہے۔ ساری بحث کوجائے دو۔ ان بُراکوں کے موالح جُیا ا ان كان فضائل كوثابت كرت بي يانسي جرسول فداس بيان فرا في عقد ا مصرف کی وطع کے بعد سادے ہی اصحاب دنیا کی طوف دوڑ سے ان ان اس ىمى كونى ايسا عقاج اسلام كوجيمور كراده كيا بو حضرت على في في هومبركيادة عض عبت اسلام کی دجسے کیا اور کونی ایساصبر کرسکتا تھا ؟ سادے ہی اصحاب دین کو بنتا ہوا دیکھ رسم سے الیکن سوائے سین کے کوئی اور آسے بڑھا ؟ اوراس بڑھتے ہوے ميلاب بفركوردكا وبمهناب فاطمتالزم راصلاة الشرعليها كنفنائل جناب وأف كى زائى بيان كرية بي-آب ديھے كرجناب مصور كرك وائح حيات سے أن نضائل کی تا ئید ہوتی سے یا تنیں۔اس عورت کے نضائل کا کیا کہنا جس سے این کودمین سنین اور زینسی میسی اولاد کو بالا مواوراسلام کا شیران با بامویس محرجي سنيرود إبكى بدايت برايساعل كياكه جناب دسول فداكم

كئى تقين لىكن تعريف اسى بېيى كى كرتے بين كرحب كوعلى كى زوجىيد بين اين بين اسنی کے بچوں کو بڑھاتے ہیں۔ کندھوں پرلیے بھرتے ہیں جنت کا پرواندلوگوں کو اُسی کے اِنقس ولاتے ہیں۔ یا فقط حکومت کو اینے خاندان میں لانے کی رکبیبی تقیں مقیفہ والوں نے عین جمہوریت ومسا وات کے اصول رعمل کرکے جناب رسول خدا کے منصوبوں کو کامیاب دہونے دیا۔ ان کا یغل لائق صدرت انش ہے ادراصل میں وہی لوگ مفے جنھوں سے اسلام کو عمورسے کے اصولوں بھلاکجالیا۔ يه ب ان لوگوں كامجور من خيالات اور جو س جوالت في جي جاتى ب تربيت و نقد سے بعد بوتا جا تاہیے ۔ ان کی جاعمت میں ترقی ہوتی جاتی ہے ہم سے سوچا كان كے مض كوكس طرح دُوركيا جائے -آب سے ديكيا ہوگا كديُرا سے اور مزمن مض كاعلاج اطباكس طرح كرتي بي- اقال السيى ادويد سية بي كما ندر بي الوالي پُرانا مرض او پِرا جائے اور اس میں تیزی اَجا دے جب مرض میں تیزی دشترت پیا موجا تی ہے تو وہ میھے ہیں کراب اس کے علاج کا وقت آگیا۔ اب آسی ادویا دیتے ہیں کیسب سے مرض فورا دور ہوجاتا ہے۔ ہم نے بھی ہی طریقا اختیار کیاہے محض یہ تابت کرنے کے لیے کتا ہیں تھمی ہیں کہ ان اوگوں کو اور کوئی جائے مفرنظونہ لگئ سوائے یہ کینے کے کہ واقعی جناب رسول خداکی یہنوا ہش تھی کوعلی خلیف موجا ویں۔ اور ا تفوں نے علی کوخلیفہ مقرکر کے اس کا اعلان تھی کردیا لیکن بیب جنا بسول ضلا كى بشريت كا تفاضا عقا - ده ابكسخت فلطى كيك كيم ادومو كي - ليكن الاكبين قيفر نے جن مي محسف در مدرى اسلام كوٹ كوٹ كورى مولى تقى ان كے ان نصوبی کوند صلنے دیا اور براسام کے لیے بست ایکھا ہوا۔ ہم تھی ہی چا ہت ہیں کہ سپ کے دل کی بات آپ کی زبان پر قرائے۔ آپ اپ مولویوں کے سائے دنیا کے سامنے اپنے خیالات کا افہار تو فرائیں اس کے بعدہ مجمع الا ده بست سادى اورصا ت بوگى ده مجسف قواشى بى بوگى كراب جناب مخدصطفىما كوصادق اللنجر ببغييرما نناجيحو ثرديب إوراسيغ تنكين سلبان نركهيس لييس تجميف ختم لكين اكرقوت مج بحثى زياده مضبوط مؤكئي ب توآب فرائيس كے كرجنا ك مول فكا ك يداحكام إن مح عدة أنبوت مع تعلى نهير و كلفة عقد المدا بهمان كم طنفيا

قريش ميں سے بنواسم كو، بنواشم ميں سے اولادعب الطلب كواوراولاد طلب مي مجركونتخب كرايا وه الدمعدف مرض النبوة ميس اورمحب لدين طبرى في ذخا والعقبي في ايت باسنادى سے كجناب دسول ضدائے فراياك حبب بين معراج كى واس كو اسمان براكيا أو ببريل على السلام في عجم كوايك ميب جنت الفردوس ميس سے لاكرديا اور ده مي ف کھا یا۔ وہ نطفر بنا اورجب سی سے خدیج سے مقارب کی تواس نطفر سے دہ حاملہ برئيس وإدرفاطمه بيدا موليس وسرحب مجركو حبت كاشوق برتاب تومين فاطمك وشبوسو كموليتا موس سنه جن لوگوں نے اس روابت کی جرح اس بنا یر کی ہے کہ جناب فاظم نبوت سے يا يخ سال بيك بيدا بوجكى تقيى -لهذاب دوايت غلط معلوم بونى ميم - وه ايك صحيح روات كى جا يخ برتال غلط دوايت سے كرتے ہيں - دراصل يغلطب كرجناب فاطريجنت سے پانخ سال سیلے سیدا ہوئیں۔ وہ بہت سے یا پخ سال بعدیدا ہوئی تھیں۔ ماكم في صفرت مذيفس إن دخودروايت كى م كرجناب ديول ضواعي فرايك ايك فرشته اسان سے نازل مواجواس سے قبل مير سے إس نهيس آيا تھا۔ اس نے مجید اطلاع دی کروہ خاص طورسے ضادند تعالیٰ سے اجازت نے کر مجھے یہ بغارت دين ازل مواس كفاطر جنت كي ورون كي سيده بعني سردارس الله ماكم وغيروك إسنا وخود صرت على وركر صهاب سيدوايت كي عدو فواتي كسي من الما المال والما كالم يدكت الوس مناكرة المستعدن الكمنا وي المناكرة ييج سے داكيے كا كائے الم مشرابى آكھيں بندكروبيان كك كفاظم بنت محد گزرجائیں۔ حاکم کتے ہیں کہ بہ حدیث مغرا نطا بخا دی وسلم کے بوجیہ حصے ہے کیان ان دونوں سے روایت سیس کی الله ماكم فيمتدرك مي اورز مبى في تلخيص مي مصرت عالفد سي دوايد كان ب وها بن يجر كى صواعق محرقد - الراب المادى عشرالفصل الثالث رسيد الم في طبني فوالله جارت المد مسدر على معين المرال الماسة والعراف المرابة الناني والمرا الدور المرابة الناس مناقب ابن فررسوب الجيدالوالي صك اعيان الشيعد الجزادات في السيم

أن كى تعريف بى كىلى حسب فعلى جيس شو برك مندس يدكهاواليا كه فاطمه ايك جنت کا بھول تقیں جس کے کھلانے کے بعد تھی اُس کی مک میرے دماغ کومطر کررہی ہے جس سے اپنے ہمسایوں کی تکلیف کو گوارا نہ کیا اور اپنا گھر حجود کر جنت البقيع مين جاكر باب كورونا قبول كيا يصب فداكى اتنى عبادت كى كياية تام فرائض اداكرتے بوے دن كوروزے سكے اوررات كواتنا غاندن يكورى رہیں کہ پاؤں پرورم آگیا۔ان کے توخودسوائح حیاس بی ان کے فضائل ہی۔ اگردسول فدام نے اپنی زبان سے کدد ایک فاطم حبت کی عوراول کی مردارسے و محض ایک امرواقعہ بیان کیا۔ کھے تعلی ہنسی کی ۔ بڑی بڑی عورتیں ان سے بیلے گزری ہیں۔ حضرت مریم سے بڑا کون ہوسکتا تھا۔ اسکین وہاں خاو مدی اطاعیت کا شعیہ خالی ہے۔ ایک ہی بچے پالااور وہ بھی صیبت کے وقت آسان پڑھالیا گیا حضرت فاطمته نے منتے بھے پانے دوسب راه فدا میں قربان کر دیے۔ اوران میں ایك بچه تواسا تفاكرس ف استضيليد رواكيا جو حضرت اراييم و حضرت اساعيل اورصفرت عبيني كوسنتي ملتيره كئي اورج محد صطفيصلي التسرعليه والهوسكم کے بیرکئی مصالح سے مناسب تنم بھی گئی بعین شہا دت ۔اپینے اور اپنی اولاد سے سرول کو را و خدامیں بیش کردیا اپنی دولت کولٹادیا۔ نا موس کے وخدا کے والے کردیا۔ یہ کون کرسکتا تھا سوائے فاطمہ کے فرزندکے ، اسی عورت انسی حرجنت کے لیے یکناکراس کے اب نےجاس سے نضائل بیان کیے ہیں فقط پرری مجمت کی وج سے کیے ہیں۔ ظامنیں توکیا ہے۔اب م خاف طرا الراع السالا كي دفعال بيان كرتيس تام فعائل بيان كرك توطاقت بشرى سيا بربي -سلم وترندى وغيرها في والمسعدوايت كى سيكفرايا جناكيهول فداعي كرفداوندتعالى في بنواساعيل ميس سعكنا ذكونتخب كيا - اور بوكنا نديس سعة بش كو همتخب كرليا اورقرليش ميں سے بنوانشم كوننتخب كرليا - اور بنو باستم ميں سے مجھ كونتخب كيا ایک دوایت میں سے کہ خدا وند تعالیٰ نے اولاد آدم میں سے ابراہیم کو منتخب کیا اور ا بناخلیل بنایا اور اولادار اہم میں سے اساعیل کو اور اولادا ساعیل میں سے لالدكو، اولاد نزارمي سيمصركواورمضرس سيكن ندكو، اولادكنانس سي قرسين كو،

ميرة فاطمة الزبيرا

مضرف عائشہ کہتی ہیں کہ میں نے فاطمہ سے زیادہ کسی کو گفتگواور لہج میں ک صفرت کے مشابہ نہیں دکھیا گئے

صرف عائشہ کہتی ہیں کجب صرف فاطر جناب رسول فکا کی فدمت میں ا ماضر ہواکرتی تھیں تو آس صفرت سروقہ کھڑے ہوجائے تھے۔ مرحب کتے تھے چوشتے کھے اورا پنے پاس بھالیا کرتے تھے۔ اور حبب آس صفرت فاطر کے پاس تنوی لائے تق تو صفرت فاطر اسی طرح کھڑی ہوجا یا کرتی تھیں۔ استقبال کرتی تھیں اور اس مضرت کے باتھوں کوچے ملیتی تھیں شفہ اس صفرت کے باتھوں کوچے ملیتی تھیں شفہ

صفرت علی فراتے میں کرجناب درول خدا نے مجھے فر مایا کرسے سیلے جنت میں ا (مینی علی) فاطمہ اورحسن اورحسین علیم السلام داخل ہوں گے حضرت علی کتے میں کہ میں سے بوجھا کرہادے محب سے سے حضرت نے جواب دیا کہ وہ مقارے بعد جنت میں داخل ہوں گے لئے ہ

صفرت عائشہ کتی ہیں کہ میں نے جناب فاطمیْت زیادہ کسی کوسوالیان کے باپ کے سپتھا نئیں دیا۔ ایک دفید جناب رسول خدا اور صفرت عائشہ میں کچوتنا زع ہوگیا۔ جنامب فاکٹرنے درول خدائے کہا کہ آپ فاطمہ سے دیجہ لیس کیونکہ وہ کسی جالعہ میں محبوث نہ بولیس کی تھے ہ

صرت فاطمة كى دريت يرنا رجهنم حرامسه - جناب دول فدا فراياكرت من كالله كى دريت يرنا رجهنم حرامه الله

جیع بن عمیہ کیتے ہیں کہ میں اپنی والدہ کے رافز حضرت عائشہ کی فدرت میں اسلی فدرت میں مامندہ سے حضرت عائشہ سے معندہ میں اللہ و کے رافز حضرت عائشہ نے جاب دیا کہ دنیا کے حضرت عائشہ نے جاب دیا کہ دنیا کے تام مردوں میں سب سے ذیا دہ اس حضرت علی سے محبت علی اور تورتوں میں اللہ می

وہ کہتی میں کرجناب دسول خدائے اپنے مرض موست میں فاطمہ سے فرایا کہا ہے فاطمه كيا تواس سے داضي نهيں ہے كہ تو تام دنيا كى عورتوں كى اوراس السعه كى تام عورتوں کی اور تام مومنین کی عورتوں کی سیدہ وسردارہے سات ابوسعيه الحذري صحابي سعروى بي كرجناب رسول خداصف فرما ياكه فاطرتهام جنت کی عورتوں کی ماسوا کے مریم منت عمران کے سردار دسیدہ ہے ۔ حاکم کھتے ہیں کہ يه ماديد باري مسلم ك اصول ك مطابق صح ب ليكن الفول في بالنيس كالله بخارى دسلم ف اسين اسين امنادس روايد نقل كي سي كرفز ما ياجناب رسول خدائث كرائب فاطمه ترسيده نساو مومنين عالم موهيك جناب درول فدائے فرایا که افضل نساء اہل جنے جارہی صریح بیرنی یاد۔ فأطمه بنسطة محدة سير منبت مزاحم زوج فزعون ادرمريم منبت عمال سلكه جناب يسول غدائسك فرا يا كرحسن وسين سرداران جوانا بن ابل جنسة اليام فاطرسده مساوا بمنت مي كله امش بن مالك خادم دمول الشركية مي بيس في ابنى والده من جناب فاطمه فنسيت موال كيا اخور سے كماكدان كا چرومش ماه سب جياد مم كے تقايامش أفتاب كے جب وہ با دار سے تعلیے اور تاریكي كو دور كر دے بيرسے پر بفيدى سرخى تقى اوران كے بال جاب رسول فلا كے بالال كاطرح تام لاكوت ذياده كا لے تقے شاق اس سےمعلوم مواكر جناب فاطرتمام لوگوں سے بردہ كرتى تقيس تب بى توانس بن الك كوضرورت بودي كران كنسبت اليني والدوس دريا فت كرب -من الله اعيان الشيد الجزء الن في صفون و صفور مستدوك على الصحين الجزء الثالث والقاصيم مسلم الجروالوا يع متلك متدالى دالدهيالسي مديث يهمسا كله متداك الجزوالثان منده منداع والبراكزوالثالث ١٠٠٨ اعيان الشيد الجزوالث في والما ومنس هله صمح بخادى كماييد الاستئذان باب من ابى بن والناس الجزء الرابع معلى صحيح مسلم كتاب فضائل لصحابه أب نفعالل فاطر الجزءالسائي متلك اعيان الشيد الجزء السشائي مصيم لله مندام احمد الداليودالادل عيوا ، الجوالة الفره الاستدرك الجوالة الف مدهد اميان الشهر الجروان في مدين طله مندام احرشبل الجروانا من المحروان في المرواناك

عامرالشعبی والنسن البصري وسفيان ټوري ، مجابدا بن جبريرجا برالانصاري محالباقرا جفرالصادق عليها السلام ردايت كرن بي كفرايا جناب رسول خداف كفاطمير حبم كاايك كالاسبعس فاس وعضيناك كياس في مي عضيناك كيا صحيمسكم علية الادلياء صافظا وبينيميس مع كدفا المدير الصبيم كالحكوا مع وشف اس كووش كري ب ده مجاوخ ش كرتى ب اورج شف اس كوايداديتى مع ده محمركوا يذاديتى ب يعدب وقاص كينة بيركرس فجناب رسول فذاكويه كتة بوسي سناكه فاطمير يحسمكا الرام من المروس من المروس من المرام ا الماس سعين الاص اول مقه أن صريت كامعمول تقاكر دورًا فدا عاكو موق وقت آب جناب فاطرك مر وجبین پردیت ایمان کے لیے ضاسے دعا ما مکتے ۔ اور پیرسو نے مات فی ابن شراشوب اين مناقب مي مجال العلى الصولى درانعياد فاطمرا الوالسعادات درنضائل العشره ان دكرا تا الاذرغفارى سے دوايت كرتے ہيں۔ الددر غفارى كتيبي كر مجم رسول خداف حضرت فاطرك أهرعلى كوبلا فت المعجابي الياليا وی دیستا بور کری می دری م اوروی اس کے اس سے میں نے اس کا ساتھ فرجناب رسول ضاسه كيا -الحفول في فرطها اسهابه ذر تقيب زكر- طالكراسمان ك اكثرنين يرات المتعالي وه ال فيركى اعان المعالي المعالي المالي حسن معرى داين اسحاق حاروسيوندس دوايت كرية بين وه دوان كيتن بي كريم في ويكا كرفاط كركي على من المراق في اور فود فاطر سور بي تقيين - ابس كا ورم ين جناب المول خداس كيا آپ ف فرايا كر ضاوئد تعالى كوابنى إذارى المراح كيان كرورى كاعلم ب،اس فظم ديا بي على فرر يخذ على دي اسى مدايي كوابدالقامم في مناقب اميرالمه فين من ابصالح المودن في الابعين من إسا وخورميونس اورابن الفياض فنشرح الاخبارس نقل كياب سه ٨ ٤ منات ابن شرك تنوب الجزوالواجع مدف صلية الأولياء المحلدات في صل عبالتيد الجزالثاني حص وعن المينا مط شكه من قب ابن شرآ شرب الجزو الرابع مطا

سب سے زیادہ مجست آل مصرت کو مصرب فاطمۂ سے تھی کا کھ عبدالتدابن عمركت بي كحب جناب اسول خداسفريه البرشيف الحجلت تقة ترسب كاخرس مفرت فاطئيس ملفائة عقد اورجب مفرس والبس كفاعظ توسي يبل مفرح فاطريس النافات كرف ان كركونشريف لي ما تريق مده ابن شریج نے اپنے اساد سے صرب جعفرالصادق عس ، ابسعیدالواعظ نے مشرمی النبی میں صرمت علی سے ابوصالح مؤذن کے کتاب الفضائل میں ابن عباس سے البوعيدا متنزعكميري سفا المانة مين مجود الاسفراكيني سف ديان مين مكرتمام محرثين سف ردایت کی ہے کہ فرمایا جناب رسول ضرائے اے فاطمر ضاو مُدتعا لی عضبناک موتاہے يرعضبكي وجس اورراضي بوتات تيرى دضاس الكه جناب رسول خدائے فرمایا کہ جناب فاطمۂ قیامت کے دن عرش الکی <mark>سے نزد ک</mark> أليس كى ا درخدا مسيوض كريس كى اسيمير المصار المسير المحمار فرام مير اوران کے درمیان حفیوں نے میرے او رظام کیا اور حکم صا در فرمامیرے اور اِن کے درماین جفوں نے میرے بیٹر میں کوقتل کیا ۔ بازگاہ ضلاد مدی میں سے مدا آسا کی کہ اسے مير ي مبيب اورمير ي دختر جوجات تو عجم سيسوال كريس تحقي عطاكون كا شفاعت كرئين تيري شفاعت قبول كرول كاقسم سبح محيدا يينع سد وحلال كيتي ظالم كظلم كابدله لون كا - اس يرجناب فاطمة عطن كري كى كرميرى ذرميع كوامير طیعوں کو امیر سرسینیوں کی ذریع کو امیری ذرسیت کے دوستوں کو بحث دے اس مصور دوا کیلال والا کرام سے ندا آئے گی کہاں ہے فاطمہ کی ذریب، کہاں ہیں فاطمه تصنفيديان تحسب اوركها بهي اس كي اولاد تصحب ليس وه لوگ آوازوي تي الله تكريمت ان كوتھيرليس سے اوران سب سے آئے آسے چل كرجناب فاطمان سبكو جنت میں داخل کریں گی شک تهكيده مبتدرك الجودالثالية والمقاء هفاء صبح ترذى من بريده مناقب ابن شرآستو لجز الابع اعيان الشيدا لجراك في من الله الاستيعاب اب عبدالبر هيكة مستدرك الجزوال الف

مناقب أبن تروشوب الجزوا ارابع صف اعيان الشيعد الجروالثاني صين للحصنات ابن الموادب

الجزوالوابع صفية ، منادى كزالدقائن، اعيان الشيعة الجزوالثاني صليه محكم منات ابن

مثرة شوب الجزاالياليع سك

116

ادیری اولاد مونی م حضرت ام محداقرس مردی مے کا اس صرف کی والت کے بعكسى في جناب فاطئركو سينست موسينسين وكيها المه ملائکہ او رضدمت خشررسول مر نے چند روایات نقل کی ہیں جن سے ظاہر ہوتا ہے۔ ملائکہ او رضدمت خشررسول مرکم کا ہ بکا ہ صفرت فاطمہ کی ضدمت کے لیےجب ووعبادت الهي مين شغول بوق تقيس فرشق أياكرت عقد يميي نسي كرسارا اياق عقيد ع كرايسا بواكرتا عقا بكديقين كامل مع كرالسابوتا عقا اوراكرميرايه كهنا حدادب و احتیاط سے اہر سمجھا مائے تو میں کموں گاکہ ایسا ہونا ہی جا سے تھا عبادت وقدم کی ہوتی ہے ۔مومن کامل کا اپنے بچیں کو برورش کرنا اور گھر کا کا م کرا عبادت اللی میں داخل سے میرایک قسم کی عبادت ہوئی دوسری طا ہری عبادت کوسب جاستے إيس مناز الشبيح وتهليل مدون فسم كي عبادتين ايني البني حكم وبايس يعبادت ظاهري توفرتنت كرتي اسبعة بين اكر حضرت فاطركاس عبادت أنيدي كالمكم فراوندى الفوس في مشركت كربي توعبادت توان كى اسى طرح جارى دىمي ملكمان كو فخزاس بات کااور ہوگیا کہ اکفوں سے دونوں شتم کی عبادتوں سے مزے چکو لیے۔ دوسرے ملاک سے ان کو یہ استیان حال ہوگیا۔ اور اگروہ اس پر فخروم الاست کویں و بیجانه موگا۔ ان بررگوا روں سے اپنا نفس خداکے ہاتھ فرو حست کر دیا را کر خدا رمبی فرشتے بھیجا تہ یہ اسی طرح اسپنے فرائض انجام دیتے ۔فرشتوں کو بھی کرفدا نے ان كى عرب وعظمت كا دراسا منوند دكها ديا تأكدامت كوان كى معرفت هاصل كرنيس مدد ملے اور محب طبی وری ہوجائے کہمے ان کی عظمت وسراست جہما سے نزدیات مقاری حبانی آنکھوں سے دکھا دی چرکھی تمنے ان کے ساتھ وہ سلوک کیا جو كيار دوزانه بروقت تقوارى فرنستے آياكرت كقدروزاند تووه بى عالمت تقى كم جِكَى بليت بيت إلا مين جها في بركك اوريان كى مشك الله اقدام اللها تا اللها تا اللها تا اللها تا الله عمن ہے کہ وہ کوگ جن کو اس زما نے کی ہوالگ گئی ہے اعتراض کریں کا وّل تو فرشتوں کا وجود ہی نا بت نمیس عجراس طرح ان کا آدمیوں سی آن کوان کے بچوں کو ملكه مناقب ابن شراسوب الجزوالرالع صا

اکٹرایسا بوتا تھا کہ جناب فاطرایی ان کے ادمی شغول بوقی فقیس ان کے يية حموك مين، وت تو حجولا خود بخود بليغ لكتاب حضرت محد با قرمس مقول بي رسلان آن صرف نے کسی کام کے لیے مصرف فاطر کے گرمینیا سلمان کھود تھائے لیے دروازے برکھرے ہوے - بھرسلام کیا اور شناکہ فاطمہ قرائن سربیت بڑھ دہی ہیں اور دوسرى طرف جى خود بخود جلى دائى ہے جب آل صفرت سے ذكركيا تو آل معظرت في فرا یا کداسے ملان خلاوند تعالی نے فاطمہ کے قلب واعضا کو ایمان کابل سے پر لردياس تاكرا طاعمع خداوندنغالى كے بيده فادغ بروا مع مندادند تعالى ن ایک فرشته کوعکم دیا که اس کی علی چلادے جبکه ده عباد سع کرے الله التعلبي في ابني تفسيرس اورابن المؤدن في الاربعين مين البيفي ليفاساد کے سائق جا برابن عبدالشرسي روايت كى سام كدا يك دن جناب رسول خدائد نے يكركها يانهين - ايني ازواج كم كانون مين آساخ تؤه إن مبي يكرد طا - تقتر بهت طویل ہے سی آل مصرف نے جناب فاطر کے پاس طباق میں کھا ناد کھا آل حفرت نے فرایک بیکهاں سے آیا۔ فاطر شدنے فرایا کہ خداوند تعالیٰ کی طرعہ سے آیا ہے۔ أل مفرت ببت ون إوسدا ورفرا إكر خدا كا شكرسن كرم يح ورف در الى جرب ك يس سن ده د ديوليا جود كريات مريم كے سي ديوا تا الله جاب فاطمہ نے اپنی روا زید بودی کے اس گردیں بھی اوراس سے بھ يُو قرض ميه حب زيرابي كرس داخل موا توسادا كمر ورسه مجراموا يايا -اپنی عورت سے پوچھا کدیہ نور کیسا ہے؟ اس نے جواب دیا کہ ہمارے گوس مفترت فاطمة كى چادرب يس دواس كى عورت ادراس كے بمسائے كل انتى آدى فراً ایان سے آئے لیہ ا ب معنوت نے ایک دن مضرف فاطری دیافت کیا کیورت کے لیے بتری شے كيا مي بناب فاطمه في فرا يا يوكه و كسى مردكو مدد يكھ اوركو الى مرداس كورد وكيے-أن صفرت في برجواب من كرجناب فاحمد كو كل س لكاليا اورفرايا كمال باب ك أه مناقب ابن شراتوب الجزوالوا يع مسال

مثل لقه ايناً مثلا

الوكواياب ببرصورت بناميد لائن أدمى بير-برمزمب سي اليمى واتفيت الحقيم اور نهایت نیک بین ان کی کتاب سے صاف عیال سے کرزشتی نرمب میں فرشتوکی اعقاد بنايي يخترب ييناني اس كتاب سك باب فيتم كاعوان مى ب-MAZDA'S MINISTERING ANGELS یعنی مزداکے کا رکن فرشنے - اس ندہب میرحب طرح بھی میہ خدا کا شنیل کرسکتے ہیں اس كومزداكيتي بي يكويا مزدايا رسيون يا ذرتشتيون كاخلام، اس تام محيف كا نتجریه نکلاکر صرطرح خدا کا تخیل دنیا کے ہرایک مذہب میں ہے اس کا فرشتوں کا ہے اورسی تخیل کا تمام دنیا پرصاوی ہوجانا اس تخیل کے ایک اٹل اورلا فانی حقیقت ہونے کا ثبوت سے گویا جا اس کا ماہب کا تعلق ہے فرشتوں کی ہت مسلم م اور ایک الل اور لافانی حقیقت مے -سكن اب ايك ايسا فرقه بهي بيدا بوتاجاتا سي كدم كسي مذبب كونهيس مانتا فدا کوہنیں مانت تو فرشتوں کوکیا مائے گا -اوراب اس فرقہ کی تعدا دمیں دوزافزوں اضافه مود ماسے - برلوگ کیتے ہیں کہ مذہب اورسائنس ایک دوسرے کے مخالفت میں - مذہب خلاف عقل سے اورسائنس عین مطابق عقل سے بوخلاف عقل مودہ جول كرنا حاقت ہے يهم وه بات مانيں كے جرمائنس مانتا ہے . مرمب ورائنس كى يىنىك وحدل بنايت دلىسب سى - يىم بيان استخيل كى مخصِرًا ليخ تكفتى بي-يخيالات أكرچ مزم ب عيسائيت كے خلاف ہيں كين ان لوكوں كا دران مے اس نیال کا باعث مذہب عیسا نیت ہی ہے۔وہہم بتاتے ہیں سرح جب ورب میں سائنس فے انجرنا سروع کیا تواس زمانے میں جو مزہب اورب میں عقا يعنى مذم ب عيسائيت اس مي اتنى خلاف عقل وتهذريب باتيس داخل بولى تقيرك الل سائعنس كايه نتيجه كالناكه مزمب خلاف عقل موتاب كون تعجب الكيزات زيقى مثلًا جاد وكرنيون كا قتل عام مرحكه تقريبًا برعيسا بي كي القول بيعجرون كا قائمً موجانا، تصویدوں کی برتش کرنااوران کے سامنے اپنی طاجتیں بیان کرنا تین میں

ايك دورايك مين تين كالمعمد وعيره وغيره اوربيران غلط عقا لمركح ما من والدل كو

اس قدرستگین و بے رحمانه اور دل بلانے والی سزائیں دی گئی که وه ایک معجز م موتا

حبولا مُبلانا یا ان کی حِلّی بلینا ہمارے تو قیاس سے باہرہے۔ یہ تو تحض وٹرائ تقادیا معص كى يا بندى عقل ليم منين كرسكتى يهم اس اعتراض كاجواب ديتي بي -اس اعتراض کے دوستھے ہیں (۱) فرشتوں کی ستی (۷) فرشتوں کا آدمیوں یا ان كران كے كام كرنا -بی میں استی فرشتوں کی موجود گئی۔سے سی سلمان کو انکار نہونا جا ہے۔ فرشتوں کی استی فرشتوں پر ایمان لانا ادکا ن اسلام میں سے ایک این ہے۔ قرآن شریف میں اس کی تاکید بلیغ ہے۔ اور فرشتوں کا ذکر قرآن شریف میں اس کٹرت سے آیا ہے کہ اس شخص کی ہمست توفرشتوں کی ہستی سے انکار کرنے کی موہنی سکتی جواینے تئیں سلمان کہلوانا چاہتا کے ۔ بہی حالت ذہب عیسوریت ئىسبى - وە بھى فرىتئتوں كى موجود كى كے اسى طرح قائل ہير حسل طرح كەسلىل <mark>قائل</mark> ہیں بہی نعلیم انجیل کی سہے - امروا قعہ یہ سے کہ فرشتوں کی موجود گی دنیا کی ہر رایک قوم براكب المت اذابتدائ عالم اايندم ما نتى جلى ائى ب- اسلام وعيسا فيت اس امریس تفت ہیں-انجیل و قران سربھین ہم زبان ہیں ۔ دنیا کے بڑے براے ویکرمذا ہمی عبی ان کے قائل ہیں۔ یونان کے اولمیک دیونا اور مندوستان کے ا کاس کے ہوائی باشندگان جومین برساتے ہیں ، بجلیاں گراتے ہیں، با دلوں کو دورُات بي، دهوب كونكات بي - جاندن كو بهيلات بي سب فرشتول كيفيل كى صورتى بىي -ايران كا قدىم مذم ب حس كو تارىخ نے ہم تك بينچا يا سے زرتشك نكالا إواس اس كم اسن واسل اب صرف كواجي ومبئي ك اداكر دياس الا العالية میں اور پارسی مشہور میں - اس پراسنے مدم سب کوز مان اصال کی کتر بیونت کا لباس مبترین شکل میں مانکہ جی تضروا بھی دکھلا نے بیٹا یا ہے - اکفوں نے اپنی کتا ب Historyof ZozoosThiANISM میں اس دہب کے جالاتقائی منازل ہذا يت خوبى سے بيان كيے ہيں - يس سے ان سے كئى دفعہ كا قات كى ليكين إنسوس من كربهس اونيا سنة أبي مرسدان كي بيوى بيسي كي فنكوكونفين سمجها مكنى دير، السي ملاقات مين كهل كريجيت كسي صنون بركيا برسكتي مقى -لهذا ميرس دل كى حسرت دل مى ميں ده كئى - ورندان مقامات برنجسٹ كرتا جهاں ان كا قدم

کہ طزمہ لمیٹ کرسونہ بس کتی تھی۔اس طرے کئی کئی دنگرہ جائے۔ تھے۔ایک فیہ
پورے گیا دہ دن اس طرح طزمہ کو بند ھے ہوئے جائیں ۔ مزید برا س کے علادہ بڑی بڑی
کو سے کی کیلیس اس کے جسم میں چھوئی جائی تھیں ۔ مزید برا س یہ کہ طرحہ کو متوا تر
کئی دن تاک یا بی نہیں دیتے سے ہے۔ آخر کا داس اذیب سے تنگ آکرا وربوت کو
اس سے بہتر سمجھ کر بیجا رہی ا قبال کر لیتی تھی کہ واقعی میں جاد وگرنی ہوں۔ ایسے بھی
گواہ بیدا ہوجائے سمجھ کر جو یہ بیان کرنے نے لیے تیار سے کہ ہم نے ملزم کو ہوا ہی
اور نے دیکھا جنگل میں تنہا جا کر شیطا بوں سے باتیں کرتی سئی گئی تھی عمل بڑھتے
اور دی ہو تھوں کے مارے اندر ہونسی ہوئیں ، و بنیا سے بیزار ، اکثروں کے دہا نے ایش یا
کروری و بھوک کے مارے اندر ہونسی ہوئیں ، و بنیا سے بیزار ، اکثروں کے دہا غرب کو از الربان ہوئی جانا ۔ ایش یا
گزون ہوئے دیم بی باب کرتے بھرنا جو بانا ۔ بارش یا
گزون ہوئے دیم بی بی بی کرتے بھرنا جو بی کرتے ہوئی ہوئی ہوئی کا دار کے دہا نے ایش یا
گزون ہوئے دیم بی بیا دو جہا یوں کی دشمی اور آتا ہیں کا جدد ورشک ہی الزام
کے باعث ہوا کرتے تھے۔

الراس نرمب كے فلاف عام نا داصلى كا أطهار اس سے قطعى انكادكى صورت يرظ مر مذبوتا - بائبل کے عدعتین میں جاں بنواسرائیل کے لیے خدا وند تعالی نے قوانین مقرر میجاین - (Leviticus) اور صفرت وین کوان کے اجراء کا حکم دیا ہے. د ال کتی حگر پرهمی حکم ہے کہ حاد و گرنیوں کو جینے کاحق نہیں ہے۔ وہ جا رہمی ملیں النيس مادو- بيندره سوسال مك يورب كي يادريول في اس كم يربنا يريخي سي عمل كرايا - يرهبي الفول في شدو يكها كرجادو كرني ( المركال كس والمية بي اور اس کا کیا قصدرے - بائبل میں جی اس کی تشریح ہنیں سے بیٹی یہ ہواکہ وجادوگرنی كى تعريف كسى ك اين تخيل سے بنالى دەبى كاركر مونى ريا درول نے يالمى زايا له ان كى شاخت كياس اوران كا تصوركيا سب - مرايك في جيمها ومحيل اور بيريادريوں نے با سيں ہاں ملادی اور وہ ہی ان کا جُرم سمجھا جانے لگا عام ال عقا كمارضى دساوى حتنى أفتيس أنى مين ده حا دو كرنيوس كى بلائى بورئ بورتى مين مثلاً بياريان عبيلانا مجازون كوغرت كرانا طوغان بادوبالان تزاله باري ريحب ور جا رہی ہوتے سے سب جاددگرنیوں کے سرتھویے جاتے تھے۔ یا دریوں نے لوگوں و کھڑ کا نے کے لیے اس میں اور جس بیدا کر دیا تقا۔اس کا بوت وال کے پاس کیا تقا کر پر امور جادوگر نیوں کے سیداکردہ ہیں رصوب این غلط اعتقاد کی بنادر يقتل عام سروع كرديا عقا- مرايك سياسي فجرم عدالت كي ذريعيد مع كرانا ية يورب كى شروع سے عادت سے عدالتيں مقرر موليں اور اس ميں نبوت ميم منجا يا جانے ملکے ۔ فَروت توکیا بیش کرسکتے تھے۔کوسٹسٹ یکرتے ککسی طی مزمادرمزن خود ہی اقبال جُرم کرلے ۔ اقبال جرم یہ ہوتا مقاکہ واقعی میں شیطان سے مل ہونی ہو طیطان برے یاس اتاہے اور اس کے ذریعہ سے پیجا کم میں کرتی ہوں ۔ اس ا قبال كو حاصل كري الح ليه ايك مزيد عذاب ديا حامًا عمّا جوكسي كنتي سي دها ادرص كالمقصد مص براقبال ماصل كرنا بوتا عقاءاس غرص كحصول كي لي ایک اوب کی تصنی ملزمر کے منے اندر مشسالی جاتی تقی ۔ اس تصنی کے جار نوكدا يسرب موستے عقے جو اندر جاكراس كوتكليف ديتے عقے -اس تضلی كو ايك السبك وتبخيرين لكات عقد ادراس كابسراييه ديوارسهاسطح بانه دياجاً اعقا کردی - ہرایک مردہ یا دری کی جتی کے تسمے یا چادر سے پھٹے ہوئے کھڑے سے معجزوں کی سوئیں جاری ہوگئیں اور کھن معجزوں تو خاص خاص بغیبروں کو دیے جاتے ہیں۔ تاکہ لوگ اس کو سیفیہ محجدیں۔ حضرت عدینی سے بعد نہ تو کوئی امام تھااور نہ کوئی ہفیہ ہے چورس کی تصدیق ان معجزوں سے مذنظر تھی معجزوں کی اس بہتات نے اہل سائنس کو موقع دیا ۔ انھوں نے ٹا مبت کیا کہ فلاں مرفیض جو فلاں مرض سے نفایاب ہوا اس کی یہ قدرتی وجو ہا سے تھیں ۔ جوئی کے تسمہ کو اس کی شفاسے کوئی نفایسے کوئی تعلق نہ تھا۔ یا دریوں نے اہل سائنس کو بے دمین ۔ اورعیسائیت کا دہمن قرار دینے تعلق نہ تھا۔ یا دریوں نے اہل سائنس کو بے دمین ۔ اورعیسائیت کا دہمن قرار دینے کی کوششش کی ۔ میتجر یہ ہوا کہ سائنس کا میاب ہوگیا اور کوگوں کو یقین ہوگیا کہ مذہب کوعقل سے کوسوں کا بھی واسط بندیں ۔ اورمشہور ہوگیا کہ سائنش اور ندیج ۔ میں ازلی دہمنی ہے سامی

یہ وجوہات چند درجند من کاہم نے تفصیل سے البلاع البین ہیں ذکر کیا ہے مسلما نوں کا بے وقت عرب سے کل کرفتو صاح ملکی کی طرف متوجہ ہونا مذہب اسلام کی کمزوری اور آخر کا رسلما نوں کی سیاسی موت کا باعث ہوا۔ اس مغلوبہ یہ کا پہلا نتیجہ یہ تقا کہ اضوں نے اپنے اپنے اپنے فاشحین کواپنا استا دبھی مان لیا۔ اور چوخوا بیاں ان کے استا دوں میں تقیب ان کو فوز کے ساتھ اپنے میں صفر ب کولیا۔ مذہب مغلارت ان خوا میوں میں سے ایک خوابی تھی۔ صالا نکر سلما نوں کا مذہب میں مند ب کولیا۔ میں سالم کا دشمن نہیں طائرہ سالم کا دشمن نہیں طائرہ عادت ہے لیکن مسلمان کی مجاوا مذہب سے بواتو ہم یا رجائیں کے میں دجہ ہے کہ جنت ، حور ، دو زخ کا جب یہ ذرا جہین ہیں و م ان جب یہ ذکر کرتے ہیں تو مشر یا تے ہوے اور جوان میں سے ذرا ذہبین ہیں و م ان جب یہ ذکر کرتے ہیں تو مشر یا تے ہوے اور جوان میں سے ذرا ذہبین ہیں و م ان تینوں چیزوں کی اسی تا وطیس کرتے ہیں کہ جوانکار کے مراد ف ہوتی ہیں۔ علام یہ یہ دور ہے ۔ اور جب حیر سائلگر

the shirit of Rationalism by Leeky vot. TPPI to 187

داخل کرکے بھرایا جا تا تھا۔ دوسراایک کو ہے کا فریم ہوتا تھا حس میں ملزمگا بیرڈال کو توڑا جا تا تھا۔ تبیسرابھی کو ہے کا فریم ہیرکے لیے ہوتا تھا جس میں ملزم کا بیرڈوال کر ہمایت ہے وہ کا خریم ہیرکے لیے ہوتا تھا جس کے دیا جا تا تھا۔ کھفٹوں ملزمان کو اس طرح دکھا جا تا تھا۔ آگ کے جلتے جلتے شعلے ملزم کے بدن پر کھفٹوں ملزمان کو اس طرح دکھا جا تا تھا۔ آگ کے جلتے جلتے شعلے ملزم رہتے تھے۔ لکا لئے جاتے ہے ۔ اس طرح بعض دفعہ گیا آو دن ملکہ جودہ چودہ دن ملزم رہتے تھے۔ اور روزاندان کو ایک از بیا از بیوں کو ایم میں اور اور برسے کوڑے بھی ما درجاتے تھے۔ اس سارے طلم کا ایمتام پاریوں کے ہاتھ میں تھا۔ پاپاک اظم اور اور کا مصادر کرتے ہوئے کہا دی کرنے کا مصادر کرتے کے کہا دو کرنیوں کو زندہ ججوڑنا خدا و ند تھا گئی کو بین ہے بیا کہ اور اور پرسے کا میں اور پرسے میں ہوئے۔ اس کا میں اور اور پرسے کا میں اور پرسے کے اس کا میں اور اور پرسے کا میں اور اور پرسے کوئی ۔ میں بیادوں کے قتل میں اور اور تیت میں بہت زیادتی ہوگئی ۔

 سيرة فاطمة الزبرا

بدایت کی گئی سیے منفاعلم برسطے کا اتنی ہی اسلام کی حقامیت تا بت موکی علم الابدان سے خدا وند تعالیٰ کی حکمت اورسائنس کے اعجو بوں سے خدا وند تعالیٰ کی قدرت کا پت ملتا ہے معجزوں کے متعلق اسلام سے کہا کہ لن نیچے ما لیسٹنے فران انتاء تنہیں یُلگ ضاويدتنالي كيسنت (ميني قائين ) مين تمكيين تبديلي يا اختلاف نيادك واقعا اسين اسباب كيمطاب ظامر إواكريس كد بنيرسب ككولى وا تعدز بوكا - يصروره كراس سن الكيدي سے ايك يولى منت بيك دخدا ويد تعالى الين سني اور ومول كو بيها نيال العجزي في كره ينا بم تأكريه لكب يدنكهكيس كرم فلال تغييب ركو نهیجان سے موسی کوعصااور پر بیضا دیا گیا۔عیسیٰ کوہبی کئی نشانیاں دی کئیں۔ اُن كى ولادت بى برى نشانى عقى -اسى كے بروت ميں ان كا جدي والاا كى مجزه عقا - انده اوركورهي كوشفا دينا يهمي عجزه تقاليكين يمع زے معدود ي ينافق بى ادران كى غرص دغايت ايك بى بوقى بى تعنى تصديق رسالت يا مامت يە سیس کہ مراکی سے ہا تھسی عجزے دیدیے ادر وہ شعبدہ بازی کردہا سے بیجوں ی نوعیت ز مانه کی صرور توں کے رہا تھ بدلتی رہی۔جنا ب رسول خداختم المرسلین تھے سأنس وعقل وغور وفكرس زمان ميس معرف بوب عقد داور زياده سأنسو عقل كا كه محد كالمعجزة ان كا قرآن اورخود ان كالبسيت كي ذات سب - يه بهترين بجزت مبي ان پرغورکر د اورخ بعورکر و -اگران جزول سے ضراد ند تعالی کی قدرت و صلمت کی طرف مقاری دیمنانی بنیل بودی اور مقارے تزدیک ان سے تصدیق رسالت محدید ہیں ہوتی تو بھرکون معجم المقیں قائل مرکسکیں کے جوایان لائیں کے ان کوہی دیم کرایان لائیں گے۔اورجو باوجودان کی موجود کی کے ایمان دلائیں گے توسس ان ك ليكون اميدنس خَتَمَ اللهُ عَلى قُلُو بِهِ مِرَعَلَى سَمُعِهِمْ وَعَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى الله ٱبْصَادِهِيمْ غِشَاوَيُّ ، كِيهِيكيا بهترين ادرسا كُنٹيفك طريق ب اسلام ي ط<sup>ون</sup> بلايا جاد إمم منود غوركرو - اليمي طرح امتحان كرو- دكيدواس كادعوى درت ب يا نهيس مم عقل ركفت مو - ابني عقل سے كام اور معجزوں برانحصار فرا- اسلام نيس كتاكه خداكي سى مخلوق سے خداكى تو بين بوتى سے - وہ ذات رو بين سے بالا ترب

سرعت كے سائق مسلمان ميں ير ترجم مقبول بوائد وه بوت سے اس امركاك قوم میں یہ مض عالمگیر ہوگیا ہے جو بات ان کے دل میں علی وہ انفول نے اس ترجید قرآنِ میں دیمی اور اس کے گرویدہ ہو گئے۔ ہم نے اپنی دیگر تصنیفات بل تھی طرح نابت كرديا م كرير سرمانا بالكل بيجاب حنت دوزخ وحورين مي اوراسي طرح بین حس طرح کدان کا ذکرقرآن سریف میں سے - بیال اس بجیث کی صرورت نہیں ۔ ابنى اس مفلوميت سيمتا تر بوكرسل ن هيى يى مي سكي مي كاملام وسس كى أبيس سي ديمنى سے يلكن يفلط سے إن مى دوضمونوں كو لے جادواور عراب اسلام بھی جا دو کا قالل ہے اور ساحروں کے اٹرسے واقف سے لیکن اس کا کیا۔ حس صديك يه امردا قعه ب - قرآن شريف سي جادوگري صرف دوطا مون كا ذكرب میاں بیوی میں تفرقه بیدا کرنا اور نظر بندی کرنی مرمیاں بیوی میں تفرقه توجاد وکروں کے علاوہ اور اوک تھی وال سکتے ہیں۔ نظر بندی ایک ایسی شعیدہ بازی ہے میں کو اسلام میں کوئی اہمیت بنیں دی جاتی ۔ برصورت ان کوسی قسم کی منزادینے کا ذکر بنين -ان کي موجود گي سي صورت مين خداد ندتعالي کي تو بين بنيل سيحس طرح خدا کے اور گنه کا د زندگی سرکرتے ہیں ایم بی کردہے ہیں - اسلام سفان کونا بہت حقادت کے ساتھ نظرا نداز کرنا ہی مناسب مجھا۔ ان سے منزلکن اپنی شان کے فلات مجها قرآن شريف مين صاف ذكري كطوفان بادوبادان، ژاله باري، بیادی صحت ، موس سب خدا کی طرف سے ہے۔ اورمصا نب سے بینے کے ای ا يك بى طريقه ب كرخدات تربه واستغفارات كنا دول كى كروكسى مي كيوطاقت نہیں کیبنیراذب خداکوئی ضررکسی کو بہنیا سنے ۔ جاددگروں کے بیے صاف طور سعنراديا وَمَا هُمُ بِضَارِينَ بِهِ مِنْ آحِيدٍ إِلَّا بِإِذْنِ الله (١٠٢) بعنيوه المكرفدا كي بغيرس كوكير تقصان منين بيني سكت با در بور سف ابل سائنس كوابينا وثن ادراوكون وعلم حاصل كرسف سع منع كيا. بعکس اس کے اسلام کا تقاصاہے کر حس طرح ہوسکے علم حاصل کرو۔ اگر علم تم کو چین جیسے بدیداورکا فر ملک میں سلے تر بھی دہاں جاؤ اور اسے کھوجب آ ب صرف نے یہ فرایا تقااس وقت جین باکل کا فرتھا۔ گویا کا فروں تک سے علم سیکھنے کی

سائنس کے بدنام کرنے والے کتے ہیں کرسائنس ہیں اس چیزے ماننے سے منع كرتام جوانسان كيكسي سي محسوس ني بوسك واس وجرسيم فرنشتول كي متى سے انكاركرتے ہیں - ہماداتو خيال ندير كرسائنس يركتا ہے والركتا ہے تو فلطی کرتاہے ۔خودسائنس سے جو ترقیاں اب کک کی ہیں اُن سے اس کی فردید ہوتی ہے۔ اس وقت فضا میں کتنی آوازیں ہوتی ہیں جومین نمیں کتا یکننی تصديرس بين جرين نين وكيوسك راس نضايس جرمير الأن اوراً تكوك الالا المرا تكوك الالا ے بوے باقی دیڈیو لاکھ درکتے ہی کہ Tele rision کی ایک لاکھ درکتے ہیں کہ بيان والوس كى تصويرس مبى نظر آئيس كى - يديريونكا لاا ورنكايا - بيرو دسارى آواذى محسوس ہونے لکیں۔ تصویریں نظر آئے لگیں۔ سائنس کے اس اصول کے مطابق قان اوازوں اورتصوروں سے انکارکرد سے لیکن دیڈیوٹے کالیااورمیدریلی سیس تھا توا کارہی کرتے تھے کہ جب یک کوئی شے کسی ص مدمعلوم ہوسکے اس سے انکارکرنا جاہے۔اگر انکار کرتے ہوتو انکارکرنے سے سیلے دوامورصرور ا بعارف بي ك - اول ويركه بهارس وا عصيدات كا ال بو حكمين كد كونى چيزاكرده موجود بان سے پرستيده منيں رهكتى -دويم ج چيزى بميملوم ارو حکی ہیں۔ ان ک موجود گی سے اس متنازعرے کی موجود گی کی نفی لا زم آئی سے۔ اسي كوالفاظ ديگراس طرح تعبى كه سكت بين كه اليسي سيح اورمعارم وا تعاف كابتاع موچکا ہے کرچن کی وجہ سے سٹے متنا زند کی عزروجو د کی لاز ما ٹا بھ ہوتی ہے - یہ ہے ما نندناک طریقی سے کی موجودگی سے انکارکرنے کا اس طریقے برعلی سے ظامِر ہوتا ہے کہ ہمن تو خدای اور مذفر شتوں کی موجود گی سے انکار کرسکتے ہیں امدا اس بیندین کدسکے کردہ تخیل خداکا اور فرشتوں کا جوابتدا کے عالم سے بنی فرع انسان کے ساتھ ساتھ جلاآ تاہے اوراب فطرت ٹانیہ ہوگیا ہے محض اس فہرسے علط سے کہ آپ کے موجدہ ناممل اورناقص قوائے صبیدان کو حبا فی طریق سے محسوس بنيس كركت - آب او يرفضا مين بوان جماد مين بيهم كر عيا مايس وال فضايس الرف والے يرندے مثلًا عقاب حيليس . شابين ، شكرے وه چريي دكيركيس كم جواب كى منكى اكلونني دكياسكى - الرمين اس دج سائب

اسلام کی تعلیم یہ سے کہ دنیا کی حقیرسے حقیرادرطا تقورسے طاقتورشے سے خدا کی قدرت وظمت و وصلانیت نایاں ہوتی ہے ہرایک شے جو دُنیا میں یائی جاتی ہے وہ کسی مطلب اور وص کے لیے ہے ۔ ہیں بقین کاس ہے کہ اگرسائنس کو ایٹ اُٹھان کے زمانے میں اسلام سے یا لا پڑتا اور اس زمانے میں بوری میں عیسائیست کے بجا کے اصلی اسلام ہوتا توایک دوسرے کا شاہیت فراضدلی سے خیرمقدم کرتے سائنس کو یہ کنے کاموقع نہ ماتا کہ مذہب کوعقل سے سروکا رہنیں اور مذہب کو نہکنا بڑتا کہ سائنس دہرمیت اور لا مذمیسیت کی تحریک ہے۔ بديسي امرس انكارب فائده ب ميمسليم رقي بي كرسليان كي اكثريت دل سے اس بات کی قائل ہے کہ اسلام کے بہت سے اصول عقل و تہذیب کے خلاف ہیں دہ کہتے ہیں کہ اصلی باس ماننے کی وہی ہے جوسائنس کے اصول سے اہمیت ہو ا فی میا فائدہ کی عقید تندی سے اسی دہنیت کے انحت جنب، دوزخ اور حروب کی تاویل کرنے کی صرورمی انھیں ہوئی۔ اور اسی اٹر کی وجہ سے انھیں فرشتو كى مستى كو مان سے تامل ب بهم العبى نابت كرتے بي كه فرشتوں كى مبتى اصول ساننس كے خلاف بنيں - ذرااكي امرى طرف توجه دلاتے جليں ،اخياروں ميں ، تقريرون ميں الكيروں ميں ہارے ليڈر كيت كيرت ميں كر الكريزوں كو مجت براے عدد سے کالا رسکن ان کے دماعوں اور داوں یروسی انگریز میت جھائی ہوئی ہے ان کے لباس ؛ طرز رہائش ، بول حیال ، تخیلات سب سے انگریز میٹ ٹیکی ٹرتی ہے ، انگریزه ل کونکا ان اورانگریز میص کی بینتش کرنا میرکیا باست دونی لیکین فورگرو آنس میں کوفئ تضا دہنیں ہے ۔ دو نوں خوا مہشیں ایک ہی اصول بیمنی ہیں - انگریز دں کو نکالو تاکه مهیں اور ہا رسے رشتہ داروں کو عهد سے ملیں - انگریز میت کو برقرار مکھو کیونکہ اس کی زندگی بنا بت اوام واس نشش کی زندگی سے -اگراس کو جیوال تواسلامی زندگی کی طرف رجرع کرنا پرشسے گا۔ وہ تربڑی خشک زندگی ہوتی سے - مسنیما میں حاؤ - مذاهد والعسب مين حصد لور يائ وقست كى خاز يرهو - فرصدت سلے و متحد يمي يمه سال میں بورے تعین دن عبو کے رہو۔ زندگی ہوئی کہ قید با مشقت روکھا آپ نے وزى ايك اصول فس يروري م -

قرآن شریون سے ناب ہے۔ ہوالقاھی فوق عبادی و برسل علیکھ حفظة
(الانعام آیت او بینی ۱۰،۱۰) ہرایک آدمی کی حفاظت کے لیے فرشتے تقربہیں ۔
کراماً کا تبین کا نام تو سُنا ہوگا۔ ہمارے اقوال وافعال کے دیکھنے والے فرشتی ہیں ۔
یہ تو ہرایک آدمیوں کے لیے ہے۔ آگر کوئی انسان ہمولی آدمیوں میں سے برتر ہو۔
خداکی مجبت میں سرشار، خداکی عیادت میں شغول رہنے کی وجہسے گفرے کام کلی ایا اولاد کے مبلانے کا وقت نہ طل، اور خلاکے حکم سے فرشوں نے بھی کھوے کام کلی اور کا مرکز کے بھی مدکر کے اور کا مرکز کی بیاری کا وقت نہ طل، اور خلاکے حکم سے فرشوں نے بھی کھو کے کام کلی اور کا دیا یا جو دل محبولا مجال دیا یا جو دل میں خراج ہوئی ہے والے اور کی مسلح قوم سے لڑانے سے جو نکہ ال محد کے اربیا میں ایس مسلح قوم سے لڑانے سے جو نکہ ال محد کے اربیا میں مسلح قوم سے لڑانے سے جو نکہ ال محد کے اربیا ہے کہ اس میں اس میں اس میں اس میں این میں قرادیا چکا تھا۔ اس المسلم کی مجت نہاتی ہے۔
اس میں میں اس میں اس میں مصروری تھا تا کہ اُن کے رشید سے العلمی کی مجت نہاتی ہے۔
اس میں میں تا کا مرزا بھی صروری تھا تا کہ اُن کے رشید سے العلمی کی مجت نہاتی ہے۔

من الله المعدوق المسلم السلام الأير الميروريف واليمبالهم)

المسارة المسلمة المحروق المسلم الإن البلاغ المبين اليرب المجتل المسلم المارة المعدول المبين الميرب المبيت محري المسلم المارة المحري المعلى المالم المرت محريات المحري المعلى المالم المحري المحري المعلى المالم المحري المحري المعلى المالم المالم

اس سے کی موجود گی سے انکار کریں کے تو ہالت ہوگی ۔ ہاں دور بین لگانے سے ورا پھر دور کی چیزیں نظرآ تی ہیں ۔ سکین اس میں ہمیشہ تر تی کا امکان ہے ۔ تیز سے تیز تر دور بین بن سکتی ہے -بست سی السی چیزیں ہیں جو آپ خور دبین سی بینیں و كيد سكت و Atomic و موسيع كامطالع اس تيقت كو آشكارا كس خورد بين سے دي سكتے ہيں -اس كوآب جمبى محسوس كرتے ہيں كرجب وه آب کو Shock بہنیا اے-اوراگروہ علیدہ فانوش رم تو پیرکسا۔ اس کی موجود گی سے توانکار بنیں ہوسکتا ۔ ہم اس فضاییں ہیں کہ ہا ںہم ہوا کو بنين دكيه سكة حس طرح مجهليان باني كونهين د كيرسكتين - بير خلاكي عكم على الغرب اگرہم ہواکو اورمچھلیاں یا نی کو دیکھ سکتیں تو ہوا ہماری نظر کے ساسنے ایک ججاب ہوجاتی اور پانی مجھلیوں کی نظر کے سامنے ایک حجاب ہوجاتا سیتجہ سے ہوآ کر درہم ہوا میں جل سکتے ۔ اور نہ مجھلیا ں یان میں -جب آھے کچونظر ہی نہ آسے تو کما صلیب حبي حكسه بالغدني بمارى نظرون كى طاقت كوبهارك احول كے مطابق بنا يا ہے اسی مکست سے ہماری آ تھوں کی وضع اسقسم کی رکھی کہ ہم فرشتوں کوندد کھیرسکیں۔ اگریم فرشتوں کی حضوری کو ہر حگر محسوس کرتے تو پھریم کونی کا م بھی آزادی سے مذكر يسكنة اورسا لااتنظام دريم بريم أوجاتا

اب صورت حالم یہ ہے کہ اکنس کے سی اصول کے مطابق ہم فرشوں اور ا خداکی موج دگی سے انکارندیں کر سکتے ۔ بڑکس اس کے بنی نوع انسان کا متفقہ فیصلہ اذا بتدائے عالم تا ایں دم یہ ہے کہ دو ان موج دہیں۔ لدزاکسی اہل سائنس کے لیے خدا و فرشتوں کے وجود کے انکارکی گنجا کئی نہیں ہے ۔

فرستوں کا آدمیوں کے معاملات میں دکریا آنجیل دقرآن سربیت کے مطالعہ فرستوں کا ادمیوں کے مطالعہ سے طاہر ہوتا ہے کہ فرستاک آلی اس کے مکم سے جون دچراتھمیں کرناان کا فرض اولین ہے۔ بدر کی لڑا تی کے سالات قرآن سربیت میں پڑھو۔ فرشتوں نے سلمان کی مدد کے بیٹ تعین ہونا مدکی تھی آگر جیسلمان ان کو ڈدکھ سکے۔ فرشتوں کا انسا وں کی مدد کے بیٹ تعین ہونا مدکی تھی آگر جیسلمان ان کو ڈدکھ سکے۔ فرشتوں کا انسا وں کی مدد کے بیٹ تعین ہونا

علامه حاکم نے متدرک علی اصحبی ن میں اس دوایت کوکئی طرق سے بیان کیا ہے ۔ بہاں ہم اس کالفظی ترجمبار دوسیں کھتے ہیں (اسماء رواۃ ہم نے چیور دیے ہیں۔) "حضرت ام ملہ سے مروی ہے دہ فرفاتی ہیں کہ آیا تعلیر میرے گھر میں نازل ہوئی تھی ۔ اسی دقت جناب رسول خدائے علی و فاطر وحسن وحسین کو بوایا اور فرفایا کہ یوسرے المبیت ہیں ۔ یہ صدیث بخاری کی مشرائط کے

141

والمدبن سقع کتے ہیں کہ میں حضرت علی کے پاس ان کے گو آیا۔
لیکن وہ گھر پرموجو دستھے۔ جناب فاطم نے فرایا کہ وہ توجناب دیول خدا کی طوف کئے ہیں۔ کیو کہ جناب رسول خدا نے انھیں بلایا تھا۔ اسنے میں حضرت علی جناب رسول خدا تسے میں السلے۔ اور وہ وہ وہ وہ کھر میں داخل ہورے یس جناب رسول خدا تے حسین کو طلا کراہے دو وہ وہ کھر میں داخل ہور کے اور ایک رواؤلا کے ایک میں خوالی کے اور ایک رواؤلا کے ایک میں میں المبیت ہیں۔ یہ صدیق نے میں کہ خالے کے بوجب صحیح ہے۔
کو یہ گوگ میں سے مردی ہے وہ کہتے ہیں کہ جناب دسول خدا کے اور میڈوں میٹوں میں کو ایک کا ایک دونوں میٹوں کو ایک کرائی کے دونوں میٹوں کو ایک کرائی کرائی کے دونوں میٹوں کرائی کرائی

عبرالمتراین جعفرین ای طالب سے مردی ہے دہ کتے ہیں کہ جب جناب دسول خدا میں کہ جب جناب دسول خدا میں کہ جب یہ الرس خدا ہے دہ اللہ ہو لے کے آثار محسوس فرائے قوفوا کر میرے پاس بلا کہ اتم المرمنین صفیہ نے دریافت کیا کرکس کو بلا کیں ربول خدا نے فرما یا کہ میرے المبعیت علی وفاظمہ حسن وصید کی کو با کہ بیس دہ جا اروں صاحبان تشریعت لاسے قومان برسول خدائے ان کے او پرایک چا در دالی میں سواحبان تشریعت کی طوف ہا تھ بلند کرکے فرما یا کہ خداو تدا یہ میری آل ہیں سوادہ تعمیم محداور آل محد پڑے اس وقت خداد ندتعالی نے آئی تطبیرازل فرائی۔ یہ صدید ضح الان ادم اور شرا تطاش خین کے مطابق شیحے ہے جناب بواضائے یہ صدید شریع الان ادم اور شرا تطاش خین کے مطابق شیحے ہے جناب بواضائے یہ صدید شیحے ہے جناب بواضائے

و حضرت المسلمة ذاتي بيرك أيتطبيريرك كوي ازل بوي عني میں دروا ا و خانہ سے نز دیک بیٹی ہوائتی یس میں سے عرص کی کہ اے رسول ضدا کیا میں البسب مین میں ہوں۔ جنا ب رسول ضائے جاب یا كرتيري عا قبت بخيرم ليكين تو ازواج وسول ميس م -اس وقت اس كرمين جناب رسول خدًا على وفاطر وحسن وسين عق -الحضراع في ان کو اپنی چادر (عبا کساد) کے پنچے لے لیا۔ اور کما کر حداو ندا یم سرے المبیت ہیں۔ان کورص سے دور رک اوران کواٹنا پاک دکھ کرمٹنا پاک کھے کاح ہجا۔ صیح سلمیں روایت کسا داس طرح مروی ہے۔ ( تفظی ترجمہ ) حطرت عائشه بيان كرني مي كدايك ون يح جناب رسول خدااي كر سے ا مرکل دے مقے دوا رخیری سیاہ الوں والی آب کدد شر مبارک پر مقى كدات مين الم محسن تشريف لاك عناب ديول خدائد الخيل بي دداد کے اندرداخل کرلیا عجرام حسین آسے انھیں اسی طرح اپنی کسارکے اندر داخل كرليا بيرحضرت فاطرت أيس انفيس اسى طرح ابنى كساءكي اندر واخل كربيا يجرعلي أسك اعلين على اس ددارس دافل كرليا - بيراس كنعد الصنوع ي الي تطير الدسع فران " الكيف

مهيمة فيح مسلم طبوع مصركاب نضائل الصحاب إب نضائل المبسيت الجزوالسابع مسلا

جاب مجبس سنو كويا آب فتظروى عقد سين دوسرت دوزيرآيات الل ومي -إِنَّ مَنْلَ عِيسَىٰ عِنْهَ اللهِ حَمَنْ إِلَى اللهِ عَمْنَ اللهِ عَمْدُ اللهِ عَمْدًا قَالَ لَهُ كُنْ فَيَكُونُ آ كُحَتُّ مِنْ رَّبِكَ فَلَا تَكُنْ مِنِ الْمُمْثَوِيْنَ فَمَنْ حَاجَكَ فِيهِ مِنْ بَعْدِ مَا جَآءَ كَ هِنَ الْعِلْمِ فَقُلْ لَعَا كُوا تَنْ عُ أَبُنَا عَنَا وَآبُنَا عَ لَمُ وَيِسَاءً نَا وَيِسَاءً لَمُ وَآنَفُ سُنَا وَ الْفُسْتَكُمُ تَفِ ثُمَّ نَنُيْتَهِ لِلْ فَتَخِعَلْ لَعُنَةَ اللَّهِ عَلَى أَلْكَادِ بِأِنَ-جناب رسول خدائف نفرانيون كو بلايا اورية آيات بره هكرسنائيس ليكين وعفول فياس كورد فاناا ورابين اعتقاد برقائم اسير اس برجناب ولفلاكف فرايك چونكريم كواعتيار ويقين نيس ب- لهذا أداورم بالمهري يعنى ايك دوسرے كمتعلى خداس دعاكريك محبولان يرخداكى لعنت بود-الخول في كهاكريس ملت ديخ بم غوركرلس اوركل اليس ووسرك دوزصيح جناب امول خُدا كى خدمت سي حاضر ہوے - اور حضرت بھي ميا بلد كے ليے تيا استقے-اس طرے کوسیٹن کو نغل میں ہے لیا ۔حسن کی انگلی بکرالی - حضرت فاطمة زمرا الم صرف كي يك اور صرب على أن كم يك على الم صرف فات من كرجب مين دعاكرون تولم آمين كهنا يسبحان الشركيا وقت اوركيا حالت م كيس كوابان بي اوركيسامشهود - جاعب رضاري ن حب النجيش ماك دی اور دعا اور آمین کی است من تو در کے - ابدا کار سف بن علقر کرانسب مين دياده عالم وعقلن دهما بولاكرمين جاعت مين جينداليسي جراء ديكه دامين ك اگرده جا بي ترفدان كى فاطربيا لاكواس كى مگر سے سركادے - بركز مبابله دركزا وردبلاك بوك راوركوني نصراى دو عادس يرباني درب كا اور آن حضرت نے فرایا کے قسم اس ذات کی حس کے ہاتھ میں میری جا ج الروهما بلكرة تومع برجات ابعدرت بندرد مور- ادراس دادى ان برآتش برستی عام ابل بخران بلاک موتے ان کے درخوں بر کے يرندے مرجاتے اور ايك السراني إقى در متا ويس ان لوگوں سے كماكم مبابد نهيب كرتير يرب في فرايامسلان بوحالي الفوسي كما يعجى مبي

IMM

الجبيث براس طرح صلواة بيني كوفرايا ب جرمطرح آل پرهه معلى علام تيمير مديث كسادك تعلى كهته بيريد اماحد بيشا لكساء فهو هميح من مالا احمد والم وسلد ودوالا مسلم في صميحه من حديث عاشعه ويده

یعنی حدیث کساوصیح ہے۔اس کو احد منبل و تر مذی نے ام سلم سے اور ہم نے اپنی صیح میں عائشہ سے وامت ہے حدیث کساد کی صحب کے شورت کے لیے مندرج ذیل والد جات ملا خطے ہوں کھے

همه الهاكم مستدرك على الصيحيين الجزالثان ولا الله منهاج السند الجزالثان من على المحمد الها المحمد ا

داقعيمبالمس مستام اور دورس نتائج بيدا موتين ناظن عوروفكر غوروفكرين- بم ان كى توجهندرج ذيل اموركى طرف دلاتين. و- قرآن شريف كا دعوى في اورسي اس كامعجزه سي كراينده آك وال واقعات ومسائل كاجواب اورمشكلات كاصل اس ميس موجودس مداوند تعالى كعلمي عاكمايك موقع برآ كي الكواس كاسول اوراتس سانانعبيا موجائے گا- رسول تو یہ کے گاکہ میں مقادے درمیان دو بزرگ چیزیں جوڑے ا جاتا ہوں ور آن سرنیف اورمیری عرمت ۔ یہ دونوں ایک دوسرے سے تیانمت ک مدان موں کے مم کوچا ہے کان دونوں کی اطاعت ادر بیروی کرو-ادراگریم نے ان دونول سے تماک رکھا توقیاست کا گراہ نہوسے ایکن است کی اکثریت كے كى كرينيں حسبناكتاب الله بهي توصرف كتاب الله كا في مع عرب كى صنرورت نهيى - خدا وند تعالى في عترت رسول كى عظميد اورصرورت كوكس عدى سے ظام ركر ديا - كاش وہ قرآن سرنيف كا غوروفكركے سا قرمطاً لعدر تي مھی اسی نیچر پر بہنیکے کہ اس کے سیح کعنی سمجھے کے لیے ایک صاحب علم مرکز معنی عرس كى بدايت كى صرورت ب ودند بترحض ابنى عقل سفعنى كرك كا توتود يراك الما جناني تفزة براى كيا ببرصورت اس وا قدمنا بلرس فداوندتعالى ف اس سلك وعل كرديا على طورس اتست كودكاد ياكرة أن صامت كافي نديس اوروه بداید تامرکے لیے عرت اسول کا محاج ہے ۔ مور نساونا كامقصور مصن مصرت فاطرته وسيكسى اورعورت كوبمراه ندليا

 گوادا نہیں ہے۔ آپ نے فرایا کہ بھر لڑائی کے لیے تیار ہوجا کو الفوں نے کہا

کہ ہم میں آپ سے جنگ کرنے ہیں

اس پرکہ ہرسال چالیس درہم کے تیمیتی دو ہزاد سُقے (پوشاک) دیں گے۔

ایک دوایت میں یہ بھی ہے تیمیں گھوڑے ، تمیں شتر، تنیں ذرہ ،تیس نیزہ

دیں گے ۔ بیں ان سب پرمصالحت ہوگئی میمه

علامہ جار الشر محود بن عمرالز مختشری ابنی تفسیر کشا جن میں ہا کہ کی تفسیری یہ واقعات ہالکل اسی طرح کھنے کے بعد مصنرے عائشہ سے اس طرح دوایت کرتے ہیں

د واقعات ہالکل اسی طرح کھنے کے بعد مصنرے عائشہ سے اس طرح دوایت کرتے ہیں

د افعال میں طرح کھنے کے بعد مصنرے عائشہ سے اس طرح دوایت کرتے ہیں

د افعال ترجمہ

"جناب عائشہ فرائی ہیں کہ جناب رسول خدا مباہد کے لیے اس طرح نکلے

کرا یک کالی دوا و در سعے ہوے مقعے حسن آئے انھیں اپنی دوا کے اندر کر لیا

حسین آئے اپنی دوا کے اندر کر لیا ۔ بھر فاطمۂ بھر علیٰ آئے اور ان کو بھی

اُل صرت نے اپنی دوا کے اندر داخل کرلیا ۔ بھر آئے تطبیۃ لاور صدن دائی کہ

یرا ہمیں جن سے رجس دور دکھا گیا ہے اور جن کہ ایک فیصات کیا گیا ہے

در اس میں آل عبا کے لیے نمایت قری دلیل ان کی نظید لدے کہ ہے ور مباہلہ

ہرا کے تاریخ و صدیف کی کتا ہ میں اس واقعہ کو اسی طرح مح رکی یا ہے اور مباہلہ

مراک تاریخ و تحدیث باک کا نکل اور تیا در مہنا بیان کیا ہے ۔ چند حوالے

ملا حظم ہوں فی

۵- کارِنبوت وخلاف میں لوگوں کی دایوں کو اور اُن کے انتخاب کو ڈائ میں ورنه بيان كفرى واك سى فيصلك جاتا -٧- ممبران مبابله تام امت مين افضل ترين افراد عقر -٤- يزرگى بايان است د بسال -يُوْفُنُ بِالتَّنْدِرَةَ يَخَافُونَ يَوْمًا كَانَ شَيُّرُ ﴾ مُسْتَطِيْرًا ۞ وَ يُطْعِمُونَ الطَّعَامَ عَلَى حُيِّهِ مِشْكِلُيْنًا وَّيَنِ يُمَّاوَّ آسِيُرًا ﴿ إِنَّهَا نُظْعِمَّلُمْ لِوَجُهِ اللهِ لا نُرِيْكُ مِنْكُمُ حَزَاءً وَلاشَكُوْسَ أَنْ (ترجميد: ووفتول كو إداكرت إي ادداس دن سے درت بي كريس كى سختى سرطون بهيلي موكى -اوراس كى محبت مين محتاج بتيم اوراسيركوكها نا كملاتيس (اوركيتيس)) م تويم كوس خالص خدات ليكولات ہیں۔ ہم ذاتم سے بدل کے خواستگا رہیں۔ اور نظر گزادی کے -) السيئ يشي الجن مين مومنين كواعمال صالح كى ترغيب دى كئي الفال بر سے برمبزکرنے کو کہا گیا ہے 'وقسم کی ہیں۔ ایک تو وہ جوعام ہیں بشلاً سورہ بقر كى يىلى بى آيى كولو-اس مين تقين كى عام تعريف كى كئى كى دوسرفتى كى وه آیات بین جوخاص و افعداوراس و اقعه کے خاص آ دمیوں کی طرف اشارہ کرتی ہیں مرعان کا بھی تحریض ولقین اثرغیب ہی ہوتاہے لیکن وہ خاص قعدسے تعلق ركمتى بين مثيلًا واقعدافك كم مقلوع جدايات بين حالا كرسب جانتيبي كران كي ذريد معضرت عائش كو حبواني تمت سے برى كياكيا ليكن صرف الشكا ان میں نام کا کنیس مے وصرف احادمیف کے ذریعہ سے م کویہ واقفیت اوئی کے اسى طرح آيا بعد مندرجه بالاايك خاص واقعه كى طرف اشا رەكرتى ہيں مم تفسيكيشا سے صرب عبدالتدابن عباس کی روایت کالفظی ترجمبدذیل مین تقل کرتے ہیں -" ابن عباس كية بيرك ايك دند حسنين عليها السلام بياد بو سياد ا جناب رسول خداتعیا دس كوتشرىيك لائے -ان كى جراه اور لوك جي تھے-الفول في حضرت على مع كماك مبترود الكرتم البي فرزندول كي لي

سمجى كذب سے داسطرند ركھا ہو -كذب كيسى شكل سے ماوسف نموسے ہول سياسى إ ذاتى اعزاض ومقاصدك يعمى مجوث بنه بولا بو كيونكرة خرنقره دعا كالوبي عقا كرج جميراً بني اس يرخداكي لعنت واندرس صورت صادت كامل كي صرورت على -تيسرى دجريد سيع كداكر وه وصاحب تطييرة بوتا-ادرايان يعيى اس كاكا مل دبوتا توده ود آمین کتے ہوے ڈرا۔ وراگر موقع کی اہمیت دیکھ کرآ دھے دل سے آمین کہ بھی دیتا تو اس آمین میں وہ اثر نہ ہو تا جو محض ایمان کا مل سے پیدا ہوتا ہے جب تک یقین كرسا قرآين نكهي جاتى أس كا اثرنه اوتا مدعاك اخرك يريقين ك مخت صروي كا ايان بعي كابل بوزا چاہيے تھا۔اس جاعب كاايك كفريد إيان كامل ركھنے والا بمونا جابت عقا - در دامتحان می فنیل موجاتے ممکن مے کر جن میں طهارت کامل رز عقی ان كايقين كامل مربوتا- الردرابعي خيال أتاكه فايد تضاري بي سي كت بول ادام تومان باب دونون نه من عنيسي كي مان تونقي - كهين ايسا تونسين كديمول خاكومغالط ہوا ہو- اوراضا ری ہی سے کہتے ہوں ترہم ارے جائیں گے - دوسرے لوگوں سے اسی نكمته جينيا بسااه قات كي بي لهذا ضرورت موني كه ده لوگ ما ته مون جورمول فحداكو البرحالت مين برصورت مين ستيا جائت بين -س-جولوگ أس مين شامل عقران ك فضيلت سارے عالم يرس تر طورس ابت سے میم اس وقت جناب فاطم علیماالسلام ی سوالخ حیات اوران کے فضائل پر غوركررم بب مجناب عائشكهتي بي كه تمام مخلوق مين ستي زياده يجي حضرت فاطمه تقين - باستثناء والدخود وا تعاس مبايله بتاريج بي كههه صديقه كالمحقين -اكر ان کے صدی میں ذراسا شا البر میں شک کا ہوتا تواس تا ذک ترمین اور نبوت کے ابهم ترمين واقعه ميس ان كى تشمولىيت يامكىن تقى كېكىن جېپ بىي صدىقة كا مله اپنا فذك كا حى كين درار فلاف من تشريف ليكني توكها ليا كرفقط متحاد تول كانهيل عتبار نهير يكوالإن الله جنب كوالان ميش ك ومرالان جودا تعدمها بلمين سرك عقد وَكُها كَيا كُلا كُول كِي شَهادت ال كيهي من قابل قبول نهيس -س - و ولوگ جواعتراص كرت بي كركا بنبوت سي سركي بعد خ كيامعنى

مداس دا قعدسے اس شرکت کی تشریح ومعانی سمجھنے کی کوسٹسش کریں ۔

MY.

مناقب المبيث على السلام (آيصلوة ،آيمودة)

سی صنمون میچی سلم و دگیر کتب احادیث میں ہے ساتھ علیا کے شیعہ دستی کا اتفاق ہے کہ اگر تشد نا زمیں محمدُ ادراً ل محدّ بِصِلاَۃ دیمیجی جادے

مذر ما فت يس جناب البير دجناب سيدة ادر نظيمان كي اد يدى فال داون كى تندرسىكے يا تين تين دوزے سكن كى منت مانى يس حرف ذصاحبرات صحت یاب ہو سے ترسب نے مل کردوزے دیکھ لیکن اس وقت ان کے پاس کچد مین د تقام و افطار کے لیے کام آتا ۔ لدناجناب امیر ف تمون ہوی س جو کے تین بیانے قرص لیے اس میں سے ایک بیا نہ کوجا اب بیال السلام فيسي كربائخ روطيال تعداد كمطابق تياكيس حب افطاركم ليان أكم وكليس تواكيب سائل ك آن كرة دادى- السلام عليكم في المعبيدة محدد سين سلمان ساكين ميس سع ايك يسكين بون - مجع يحد كلاز- فدائم كو جنع كي نعمتون مسير كرك يسب في اينا كها نااس كريش ديا ورياني سے افطارکرکے مورب - دو سرسے دن مجردوزہ رکھا اورجب فطارکے لیے الفوں نے اپنے آگے کھا نا دکھا توایک سالل نے آن کوآ واز دی کرمیں متیم ہو سب فابنا کھا نااس کودے دیا اور یانی سے افطار کرے سورہے ۔ اس کل قيسر دن كى افطارى ايك فيدى كونبش دى يصبح كوجناب ميرسندين كا الق يُركر جناب يسول فداك صنورس العاسمة ومسبعدك سے جوزہ مرغ كى طرح كاني رب عقے - ال صنرت في ان كو ديك كرفرا يا يكيا حالت ج حسس عجد كوبسع ديخ بوتاب بيرة بجناب ايترك كونونهي كي وإل جناب سيده عليها السلام كومواب عيادت مين كمرا أبوا وكيعا ودا خاليكه ان كى كران سے بريا سے لگ كئى تقى - ادرضعت سے ان كى آ كھوں ميں صلق پڑھئے ساتھ ۔ آن حضرت کو یہ دی کو کسب ملال ہوا۔ اتنے میں جنا بجریل عليالسلام نازل بوس اوركيف لك ك اس محديد لور خلا و ندتعالى مم كو مقادك البيب يرمبادكاد ويتاسم-اب صرت جريل في يدوة ويعي جناب فاطميلها السلام كي زيروعيادت كاحال الرواقعه سي عي معام الأله اس وايت سے يومى معلوم بواكد البيبيع رسول كون بي فواكن كوالبيب عدكد كريا الباد ديتاب يوام الناس كن كوالبليب موجم كوعطا وخيش طلب كري كي عاقبي . <u> ۱۹۵ زمنشری - تنسیرت ما اجران فاه ماه مواده عبیدانشرام تسری ان ما المالب باب دوم مده .</u>

ان کے اہلیت اورا یہ تطہیر کے تقصود صوف یہ حضرات نہیں ۔ آئی مبا ہلہ کے وقت اس تشریح کا اعادہ کیا گیا ۔ آ بیصلوق ہے نا اللہ ہونے پر جناب رسول خدا نے صاف طور پر سبلادیا کہ اِس کے مصداق صرف آ اس صفرت علی ، فاطر ہستی ہسین ہیں اس ایم مورث آ اس صفرت علی ، فاطر ہستی ہسین ہیں اس ایم مورث آ اس کے وقع بھی یہ ہی تشریح کی ۔ اس پر آل صفرت کے معتول خدا ہم معترضین اور صفرت کے فافدان خورت کے فاطر کی مجمعت میں اس طرح سرشار ہیں کہ خدا پر بھی اپنتان یا ندھنے گئے ۔ اس آیٹ میں ان معترضین کی اس مکتر جنی کی طرف بھی لشارہ کہنان یا ندھنے گئے ۔ اس آیٹ میں ان معترضین کی اس مکتر جنی کی طرف بھی لشارہ کیا ہے ۔ آ مُریکھ کو گؤت اف اُور کی علی احدہ کن با ۔ اور ان کرج اب بھی ویرا گیا ۔ اور ان کرج اب بھی ویرا گیا ہے ۔ اور وہ کلیا ت کے ذریعہ سے باطل کو مثانا ہم اپنے قال ہر کرتا ہے ۔ اور وہ کلیا ت بھی قرابت دادان کرج اب کوئی یہ نہ تھے کہ ہم اپنے قیاس سے یہ تفسیران آیا سے کی کر رہے ہیں ۔ ابن مجر مکی صواعی محرف میں ہم اپنے قیاس سے یہ تفسیران آیا سے کی کر رہے ہیں ۔ ابن مجر مکی صواعی محرف میں اس جم اپنے ہیں ۔ ابن مجر مکی صواعی محرف میں اب اب محرف کو ایک کر رہے ہیں ۔ ابن مجر مکی صواعی محرف میں اب اب مجرائے تھیں : ۔

101

تعلبي ويغوى في ابن عماس سي نقل كيا و نقل الثعلبي وبغوي عن كيام كحب يا يودة القربي الربيل ابن عباس انه لها نزل قوله تعالى عَلُ لا آسْتَلُكُ عَلَيْهِ آجُرًا توایک جاعت نے اپنے دل میں کہاکہ ایواضًا إِلَّا اللَّوْدَةَ فَي فِي الْفَتُرُبِي حَال كاس سے يعنشان كي كدان كے بعديم ال قراب داروں کے ساتھ سلک کریں ۔ نیس قوم ني نفوسهم ما يريد الا جرل في اس اعتراهن كي اطلاع جناب ان محتناعلى قرابت المن بعلا فاخبرجيرشيل النبي سلى الله وسول فداكودى كدوه آب يريد معسعه كفنين اورية يعانا ذل مولى - آمُرتقُولُونَ افْأَرَى عليه وسلمانهما تهمولافانزل عَلَى الله كَنْ يًا ـ امريقولون افترى على الله كل با

ابن عباس کیت ہیں کہ جب بیات مودہ ا القربی نازل ہوئی تولوگوں سے یو چھا کہ الآيه الله عن ابن عباس قال لما نزلت هذه لايه قل استلكم الإيه

كله ابن مجر كل - صواعق موقد الباب الها دى عشر الفصل الاول صلاك

تونا ذجائز نهیں ہوتی اور نیزیہ کرجناب رسول ضدانے فرمایا کہ وہ دعا بارگارہ آلہی ا تنسين بنجتي حبن مين محدّ اور آل محدّ ير درود زيجيجي كئي بروسك جنانج المهنا فعي كيم منهور الشعارة علامه ابن حجر مكى في ابنى كتاب صواعق محرة مين فقل سميلي اس امريد دلالت كيت إي - وه اشعارية إي موه يا اهل بليت رسول الله حبّ كمر فرض من الله في الفتر أن انزلَهُ كَفَا كُومِن عَظِيمِ القِلِدِ ا نَكُورِ مِن لَمِيصِلِ عَلَيكُم لاصلوح لِهُ ا الرحميد والبيس وسول المدر فعاوندتوالى في الني قرآن من جواس في الني بغيريم نازل كيا محقادي عبسكوامت اسلاميه بإخرض قرار ديايه تحاري عظمت قد كم يسيم كافي بيم كا قُلُ ﴾ آسْتَمَلَكُمُ عَلَيْهِ آجْرًا إِلَّا الْمُو رَبِّ فِي الْقُرْدِي رُيهِ مودة القرفي وَمَنْ يَقَنَّرُفُ حَسَنَاةً نَزِدْ لَهُ فِيهَا حُسْنًا ما إِنَّ اللهُ غَفُوْرٌ شَكُوْسٌ ٥ آمُرَيَفُوْ لُوْنَ إِفْآتِرِي عَلَى اللهِ لَذِبًّا جِ فَإِن تَيْنَا عِاللَّهُ يَخْتِمُ عَلَىٰ قَلْمِكَ وَيَهِنَّ اللَّهُ الْبَاطِلَ وَيُحُقُّ الْحُقَّ بِكَلِيمَا يَهُ وَاتَّهُ عَلِنْمُ بِنَاتِ الصُّهُ وَرِهِ (١٣٠: ٢٢) (ترجمهد: يتم اس بني يكددوكرمين تواس تبليغ رسالت كالم سع كه اجرسوا عاس ك طلمينيس كرتا كرميرك نزديكي رشتددارون معصمت كرو-ادرجواس بارسيس وي تكيكي كركاس كى خاطر ہم اس كى سكى كومب براهاديں كے -بينيك الشريخ والااورمبت برا قدر دان ہے۔ کیا وہ یہ کتے ہیں کہ اس نے اسٹر پر جھوط بہتان با ندھاہے سب اگرامشر عاسب تواسے بی ترے دل پر جر لگا دے اور اشر باطل کومطاتا ہے اورا پنے کلیات کے ورسیت حق کونا معد کرتاب منظاف وه دلوس کی حالت سے پورا پورا آگاه مے -) لفظ قرنی کی تشریج نود جناب درول فدار نے فرمادی معصیم اہم ابھی ابت ارتياب ييسترسيك يأجار وسحفرات على وفاطمه وسنين عليهم السلام أواس لفظاك ب سے بیلے مصدات ہیں -اب تواتنی ہی کوسٹسٹل رہ گئی کر جھنرے علی کے بھائیوں اور صبیر ن کواس میں داخل کرکے ذراان کی فضیلت میں کمی کردی جائے لیکن و م بھی تکن نہوا۔حبب آیہ تعلمیز ازل ہوئی تنب دمولِ خلانے ان پرجیا در ڈال کر تبلادیا کہ ابن يج كمي مواعن محرقه الباب الحادى عشرالعفسل الأوّل مد م ها الهناك اليفاك

ج كروريد في سرح لوفي ند محتى أو سكى في تريي موري ال موري

IMM

صرع الوہر یرہ سے مروی ہے وہ کھتے ہیں کہ جناب ایمول فعالے علی وفاطرہ وحسن وسين عليهم السلام كى طرف نظركى اورفرايا انا حرب لمن حاد مكم ومسلملن سالمكدييني بري الوالى باس سے ولا سے اور ميرى صلح بے اس جوم عصلے رکھا ہے وق یی دوایت زیران ارقم سے می مردی ہے شاہ عن ابن عباس رضى الله عنهما قال قال رسول الله صلى الله عليه وأله وسلمه النجوم أمان لاهل الارض من العنوق واهل بيتي امان لامتح من الاختلاف فاذاخا لفتها قبيلة من العرب اختلفوا فصاروا حزب البليس-هذاحديث صعيح الاسناد ولم يخرجاع الله يبنى صنرت عبدالله ابن عباس كتة بي كه فرما باجناب دسول صُدَّ في كترس طرح بخوم زمین کے دہنے والوں کے لیے عرق سے امان ہیں اِسی طرح میرے البسید میری امت کے لیے اختلاف سے المان ہیں جب است ان کی مخالفت کرے گی تو امت کے لوگ آ بس میں اختلاف کریں مے اورسی اس وجہ سے دہ شیطان کے لشكرين جائيس تے وولوك عوكة بي كرجاب المول فلاف التي بدك زال كي ليمامت كا يراتظام بدفرايا-يهان آك كه البيغ جانشين مقرركران كى طرف بعي كيرة وجانس كى اس مدید کوبست عزرسے بڑھیں ۔ ہرایک ندیب و قوم کے لیے ایک مرز کی ضرور ہوتی ہے تاک اس میں انتشار واختلات نہ بیدا ہو ۔ بینیرسلم مرکزے قوم تشریب مار كى طرح وافوا دول يرى جرى سے ، يمان كك كرا بيس ك اختلا د بيدا بوكر اس كونميس ونا بودكرد يني بي -اسى طرح اكرند بهب مين كوني مركز نميس - بي ت براكس شخص ابني دائ سے ذمب سے اصول سے معانی كرے كا اوراس طرح فرق كا بيدا بونا لازى ب عناب رسول خداك النائق الانتشاء واختلات سك وه مدرك الجدوات لف موس صواعق محق الباب حادى عشرهم، عدينا بي المدة منا شنله متدرك الجزوان لف ماك ينايج المودة معوا لناه متدرك الجروال ك صاعد ينابى المودة نشخ سليان قندورى مفتى عظم مسطقطني إلياب لناس والمنسون مثلا ينزوب لساوس والمنسون ملا . الباب لثالث سك ، مثل صواحق محرة ابن مجركي الباب الحادي عشرصل

قالوا یا رسول من هؤلاء الذی اے ربول مقبول وہ کون سے آپ کے قرابتدار امونا الله تعالیٰ بِهَوَ وَ تهد قال بین بِن کی مجب کا حکم خداوند تعالیٰ نے ہم کو علی و فاطمه و ابنا ها علی ان کے دونوں بسران -ان کے دونوں بسران -

شیخ علی ہمدانی نے جو اہلسنت وجاعت سے بہدت بڑے عالم ہیں اس دخوع پر ایک تقل ہیں اس دخوع پر ایک تقاب کی تشریح پر ایک تقاب کی تشریح و تقصیل تسطنطنیہ کے مفتی اعظم شیخ سلیمان قندوزی نے کی ہے اوراسر کا نام فیا بیجالاؤہ الدوں کے ایک اسلام بول میں جھپ جکی ہے ۔
ادکھا ہے ۔ بیکتا ب اسلام بول میں جھپ جکی ہے ۔

بارديم

فضائل المبيت ليهم السلام

جناب رسول ضدائد في فرايا فلوان رحلاط معن بين الوكن والمقام فضلى وصامر تشمر لقى الله وهومبغض لاهل بيت عسد دخل لناد-ماكم كتة بين كه يصديت بروك سرائط سيخين منى بخارى وسلم إكل صيح سب-اگرچ الغون ني نقل بنيس كى شقه اگرچ الغون سنے نقل بنيس كى شقه

ترجمبه- اگرایک خص رکن و مقام کے درمیان خان بیسے اور دوزہ رکھ مولیکن وہ منفض المبسیت محدود تو سیدھا دو زخ میں ڈال دیا جائے گا ۔

عقد حلال الدين سيوطى احيادا لميست في الاحاديث الواددة في إبل البيست بمطاسشيد كاب اتحاف صنك، صلك - ابن هجر على -صواعت محرة الباب الحادى عنوالفض الإلى مدال - شنخ سليان - ينابع المودة - سيدعلى بهدائى ودة القربى - ميرزامعتمدهال ذل للالا مد شنخ عدائد كاب الاتحاف صد - دوضة النديد صهمذا يعبيدا نترام رسرى -ادج المطالب باب دوم صن - شنخ ومعن بن اساعيل الشون المويد لآل محرصك ادج المطالب باب دوم صن - شنخ ومعن بن اساعيل الشون المويد لآل محرصك عنده من مناهدة صبعت ميرة فاطمة الزبيرا

رکھنا تھا اور جواسلام آں حضرت کی رصلت کے بعدامس کی اکٹرمیت ہیں دائے كياكيا اس كے دستورالعمل كا ببلا عنوان عترت درول سے الحواف كرنا اوران كے غيري طرت رجوع كزاعقا - اس طرز على كاج أيتجه بإدا اس سن حدريث ثقلين كي بيشين كوني كي صداقت كونا بعد الديا- اسلامي قدم اس طرح وا دي صلااسد مي إرِّرى كه اب تك اس سے تطف كي صورت نظر بنس آتى . نوعترت رسول كي طوت جوع ا كريس كم دريضلالت صالح مركى -اس عناد والخراف كى يورى اريخ اوراس كى تفصیلات اگرکوئ معلوم کرناچا متاہ تواسے چاہیے کہ ہاری کاب التفرین والتحريف في الأسلام" كالنورمطالعهكرك -

أسى مدميث كالسلاد بيان س أل صري في فرايا سالت دبى ذالك لهما فلا تقدموهما فتهلكوا ولا تقصى واعنهما فتهلكوا ولا تعلموهم فانهم اعلم عنكم سنك بيني تم ان دونون (ميرب عتربت و قرآن) سے بیش قدمی نکرد ورنہ لاک ہوئے ۔اورندان کی بیروی میں کوتا ہی کرو ورنہ اللك إوسى -اورميرى عترت البيب كوتم سكهاف كى كوشيش ندكرو -كيونكهوه ممس زياده علم د كھنے والے ہيں .

نا ظرین ان احا دیث کے مصنون کو انھی طرح ذہبن میں محفوظ رکھی ہیں کیونکہ أكم في فرك كم مقدمين حيب مكومت في مصرت فاطم اورح فرا المرادة على كد مجودًا مجمع اور لا وارث حديث ان كوسكها في كي كوسست كي يهي ان احاديث كرود روع كرزاراك كا-

من صرب العليم فرايا اناحرب لمن حاربهم وسلم لمن سا ملھد ساندہ میری اوا نی ہے اس سے جومیرے عترت سے لوا تا ہے اوری صلح مع اس سے جو میری عترت سے صلح کرتا ہے۔

سيفله ودالدين على بن عبدالشراكسهودي- جوابرالعقدين - ابن بجر كى - صواعق محرة الباب الحادى عشر الفصل الأول مدام بن الفضل باكثير. وسسيلة المال في عدمناقب الآل - محدوبن محد - السينان القادرى - صراط سوى في مناقب الرالنبي -المنك بركر مواعق محدة الباب الحادى عشرهم، منه الحاكم مدرك ليوات ند موادا

ردے کے ایک ورز قائم کردیا اور عکم ویا کداس مرکزی اطاعت کریں اوراس کے احكام كومانين أكرايساكرس كة توده اختلاف وفئندس بي دين ك وريختلف فرقے شیطا نوں کی جاعتیں بن جائیں گی : اوراس مرکونے سے آپ نے الجبیت کو بحرضا وندى قرادديا لنكن لوكون في آب كاس مكمى اطاعت نك آب كى اخلاف دالى ميشين كُونى يورى بوكى اوراسلام يس سبع صفرق بيدا بو كي -أب كے البيت است كواخلاف سے كانے دالے تھے ليكن است فيال كى نشنى - ديداد بس مي كتنااختلاف سے - اسى طلب كايك دوسرى صرف ب حب كومريث قلين كتي ب

سري طلبي باد كا و احديث مين بوي مياه رمين تركت فيكم الثقلين احداهما البيك كدرى ب مين مقاد عديم اكبرمن أكاخر كتاب الله و | ووكران بها جيزي جيور عجاما بول-ان بي عددی ا هل دینی فا نظروا ایک دوسرے سے بڑی ہے۔ قرآن کریم وسرے كهف تخلفوني فيهسالن الببيد بين ميرى عرت خال ركوكم ان ون يفترة احتى يرداعلى لحوف سمير عبدكيساسلوك كرية بووه دوول ليك دورس سے عدانہ وں سے حتی کدمیرے ہاس ومن كوثر يرقيامت كيدن دارد ورن الرئمن ان دون كى سائق الله كا توبرى بعد قياست تكسكراه شروك +

كانى وعيت فاجست الى ا ماان تسسكتريها لن تضلوا ما الله الله

اسلام ك استادى كيرى برج تقف بى سامده سے مروع بولى ب اور اب كسام من جوار ون بين يكف إوا ملائب كداسلام من جوارم الماسي ك درة الله الله الله كالمياسة كالبيلا اور آخرى اصول الميسية يسول مسعناد المال مليح مسلم الجزوالسابع موالى مسلا - مندا صحفيل والجزوالثالث ما والمارمك مس - الجروالدايع معدس ، مديس - الجروالخامس معدا ، مصا يميرة الحليد لجووالثالث ابن تبير - منهاج السنة الجود الوابع صيرا ، عصل - الحاكم - مندوك على الصحيمين - الجوالناك الحقاجي يسيم الراجن مرح تفائي قاصي عياص الجروالثالث مده

سيرة فاطمة الزبيرا

آب کے ہمراہ ایک لاکھ بسی ہزار آدمی تقے مناہ حضرت فاطر اور ازواج دول محى ال صنرت كى مراه تقيل - صنرت كى اس وقت ين ي عقد ال صنوعات على كولكها كرج كے سيا كرستركي بوراسترمين ايك، دلجيمي وا تعربين آيا . حضرت عائشه كالباب إلكا تقا اوران كالدفيض يريداباب تقايترفتا دفا. حنرت صفيه كارباب بجاري تفااورأن كارون كست رفتار تفاله لهنااكثرده قلف کے پیچے رہ جا تا تھا۔ یہ ملا خطر فر اکر ال حضرت نے حکم دیا کر صنرت صفیہ ك اسباب كومصنرت عائشه والاونث يرالاد دياجائ اورصرت عائش ك الباب كومفرم صفيه والي او تفدير مكرد يا جاك - اور آل صرعت في صفرت عائشت كاكداك امعبالشر شرااسياب الكاعقا اوراونط تيررفتا واوصفيدكا الباب معادى ب اوراونك سيست دفتا درس ممن شرك ألباب كوهفيه كادمن برركودياب - اورصفيرك اسباب كونترك اوس برركودياب اس يرصرت عائشة كومب عضمة اكيا-اور فرمايا" اور آب كاير كمان سع كا كب خداك رسول بن " أن صرت في فراياك كيام كواس مين شاك بيك میں رسول المتر موں اسام عبدہ سند - اس برحصرت عائشے نوایا کہ کیا وجب كرآب الضاف المين كرت في العرب أن مفرت كرك وب ينع لا صرب على بھي آ كئے - اور أن معنرت كے ساتھ كے بيں شرك ہو گئے ۔ اس سفرس وابسى برمرارذي المحبسنك عكوبمقام غدر خم آميته باي الرسو بلغ ما آنزل الميك من م تلك إليه ازل يوني يرس فرا وبي فرك زين صاف كرا في - إلان إلى عائد منيربنايا - اورشوراعلان تكنت مولاي فهذا على مولاي الم فرايا - أس كا تذكر مفصل مالبلاغ المبين صداول من كريك اي -منك احيان الشيديم رعالي الجزالاني لمص عين ميرة طبيدا بجزوا لنالف منت . منت

فرمایا جناب دسول خدائنے کہ مجم سے محب کرو خداکی مجب کی وجہ سے اور میری عترت اہلیت سے مجست کرو میری مجمت کی وجہ سے شنان فرمایا جناب دسول خدائنے کہ اس قادرِ طلق کی شم ہے جس کے قبضہ قدرت میں میری جان ہے کہ جوشخص کبی ہم المبین سے مبغض کرے گا خدا اسے دوزخ میں داخل کرے گا۔ اندان

باب خان کرد کو پیراکر صفرت ابو ذر رضی الشد عند نے فرا یا کرد بھی جانتا ہے وہ تو جانتا ہے جو نسیں جانتا وہ معلوم کرے کرمیں ابوذر ہوں میں نے جنا ہے سول فعدا کر کئتے ہوئے میں نے جنا ہے سوار ہوگیا کو کتتے ہوے سُنا ہے کرمیرے المبدیعہ کی مثال کشتی فزح کی ہے کہ جو اس پر سوار ہوگیا اُس نے نجات بائی اور جس سے اعراض کیا وہ غرق ہوا مینی جس سے اُن سے معراض کیا وہ غرق ہوا مینی جس سے اُن سے متماک کیا اس سے نجات بائی اور جس نے ان سے انواف کیا وہ غرق ہوا محلم

اسانه

Eldiz,

اسلام میں ج اس دقت فرض ہوا ہے کہ جب آل حضرت کہ منظمیسے ہوت کرکے مرینہ منورہ میں تشریف لا ہے تھے ہے واع کے بعد نہ تو آل صفرت سخاور ناعلی مرتضی وفا طرز ہرائے نے کئی ج کیا علا۔ لہذا جناب رمول ضلائے ادادہ ج فرمایا اور تمام اطراف واکنا ف عرب میں اس آخری کے کی منادی کوا دی گئی۔ ہزادوں آدمی مدینہ سے آل صفرت کے ہمراہ کے برجائے کے میادہ وکئے۔ آل صفرت جموامع اور بقو لے ہفتہ 84ر ذیف عدہ سنا ہے کو مدینہ مؤدہ سے مج کے لیے نیکلے۔ اس دقت آل صفرت کے ہمرکاب ، مع ہزاد آدمی منظمہ پہنے ہیں تو مسعد سے لوگ شامل ہوتے دہے۔ بیان کا کہ جب آب مکر منظمہ پہنے ہیں تو

هيك ماكم المستدرك الجزء الثالث منظ النبك اليشا كخشك المستدرك الجزالثان منظارها

جرمعی الدیخ مو وه دن عرب البهيت رسول کے ليے سحنت زين صيد بست كادن تفاكراسي دن سے ان يرمصائب والام وظلم وجذر كا و مسلسار شروع أواجو اب تک بھی ختم نہیں ہوا۔ ان کی زندگیاں ختم ہوگئیں لیکن مرنے کے بعد بھی ظموں كاسلسلى الى يى ب رحلس دا ك دن آب مضرت ك حضرت المكى كو فاص طورت بلايا - ومسى كام نك ليه إمريط من تق عفرت على المريد أن حضرت في الثاره كيا يحضرت على جعك سنَّ اور آن حضرت دريك متقرعليُّ سے باتیں کرتے رہے ۔ اس کے بعد صفرت علی آن حضرت کے نزدیک بیٹھ گئے۔ مرض عرتيز بوكيا حب احتضاد كا وقت إلا قال حنيت على على المراس اینی گود میں الا دا درجی علم خلاورا جوجائے اور سری دوح کل جائے تواسینے إلا سے ایت جرے کومیرے جرف سے ملنا۔ اور می قلد کو لناونا۔ اور می نرجيورنا جب كأسكرون تكراو يس حضرت على في آن مضرح كاسرايني كودي ليار اور آن صرب بعرش بوكئ خلا جناب فاطم شي كرية وكاشرع كيانيا اوربست ہی دوئیں سال صرات نے اشارہ سے انھیں اپنے پاس ملا یا سے تجاری میں صرب عائشہ سے مردی ہے کہ آں صرف نے اپنے مرض کے آخیر فاطر کو اللك المراحة على الدوه ود الكي - يوران صريق في مراور بالعد المي توده خوشی سے ہنس پڑیں -آل صنرے کے انتقال کے بعد ہم نے فاطمیت وج یوچی - انفوں نے کہا ہیلے تو آں حضرت کے کہا تھا کہ میں اس مضرب اُتقال ترجاؤں كا - اس يرسى و ي في - بيراً ن صفرت في فرا إكراطيبيت ين س سب سے پہلے میں آن صفرت سے جاکر طوں کی اس پرسی خوش ہو گئی الله اب حضرت عزداليل البيب رسالت كي احانت سي اندر داخل موب. اور وه روح اقدس اسين رفيق اعلى سعطاقى بردكى - كمريس ايك كرام فاليا-ازواج رسول بین کرکے دونی تھیں۔ اور جناب فاطمئری تویر صالب بقی کر خرک اند یجیا ڈیس کھا تی تھیں آئسو دُن کی لڑی تھی کہ آٹھوں سے دواں تھی معلی ہوا کھا ک والله اعيان الشيعد الجزوان في والمس معمس الله مارج البنوة ولكشورى ملدوم معهده، معه وطبقات ابن معد ق ۲ ج ۲ مك صحيح بخاري مطبوع مصرا بجزوالثالث إلى لموليني

## اب دواردیم

لوطله الله خلقا قبله خله الممار من فاته اليوم هم لمينة عنه اليوم هم لمينة عنه المينة عنه المينة عنه المينة عنه المينة عنه المينة المين

هناالسبى وليرتخل لاسته للوت فيناسها مغير خاطية

وذكوابى من منائ والله ازديد

اذا ما ت يومرسيت قل ذكره فلوكاشت اللهاياي ومربقا نكها

 ميرة فاطر الزيرا

اگرمنا نقین اور کفارید کمیس کو آخری وقع مک آن حضرت کے لیے حسن و جوانی کی جاذبید نگری اور کا میں کا میں کا میں م جوانی کی جاذبید ندگئی۔ تو یہ خلط ہوگا۔ حضرت عائشہ کے ہماں محض کے آخری ن اللہ اللہ اللہ عادی عزمات، مناف، مناف مصافی محت کا ملائے اللہ الدی عزمات، مناف، مناف اب آنووں کے ساتھ دوج بھی تھنے کولی آئے گی جسنین طیم السلام نانا تعجد اِقد سے لیسے کر بھا ڈیں کھانے منے علی مرتضیٰ کی آ تھوں میں دنیا ندھیر نھی۔ کتے ہیں لداس وقنت کے بعبسے پیرکسی نے جنامیا فاطر کو سٹنے وہدے بندیں دکھا۔ بال گریں یا کرام مقا دہاں صرب عرضلافع کے انتظامیں لگے ہوے تھ مشكلية آبري على كرأن كي ساعتي صنوف الع بكرابني نئي وُلهن سل كمركل مع ويرتع اُن کے بغیر کام شروع منیں، اُن کا تا۔ اتنی دیر کے کیا تعول نے یا تظام کیا کہ آن صرت كى خرمرك د يصيف ياك - لهذا الوادك كر كور عاد كا وور مات نقاك ج يدك كاكر كي مركة وين مرقار دون كارده وتعضيص وين ك على بيقات كے ية تشريف نے كئے ہيں - وائيل آن كرمنا فقين كا سُرقام كري كے معرف وي توميقات كے بيم جم ك تشريف ك كئے تقد يمان توم د متم ما من إله والقاء موادی شبلی کیتے ہیں کہ یہ ایک، پالسی تقی سالله تقوری دیر میں صفر ف ابو بکر آ کئے۔ اینامشهورخطهداداکیاکجوخدایعیادس کرتایج ده توجان کے که خدازنده ہے۔ مجھی بنیں مرے کا - اور جو محد کی پیشش کرتاہے وہ سمجر نے کر محدم سکے ۔ اومایس مل كرفليفكا انتخاب كرين كريم البين مي من سيسى كوفليف مقركري الالله آن فري كى محبت كويستش كا نام دينے سے يه معاش كر محمد كاذور زياده بوكرلوكوں كو عرب متونى فى طوف د ك جائ - فيريش كرصرم على الرح صدر وكيا - اور وه دو ونون ال كرمقيف بن اعده كي طرف على راست مين اومبيده بن الجراح مع - الخيس سائق لي اور صرف يتمين بزرگوارسقيفرس ينيخ - وإن جاكراس طح فلانع کے بے اوالی لای ہے کہ بقول مولوی شلی کے بیمعلوم ہوتا تھا کران پرکوئی عاداتى منين يرا حضرت على المرادول من المصرف كيانك ساكم في سے عبیا کر مجس دوفاداری کا تقاضاہ سال اس موقع کے مقلق عن نے كيا المجاليات م المميكروز وفات يمير خلاف گذاده باتم نشیند

ساله الفاردن حداول معل سله صواعق عرقه المقدمة الثانسيد مد

الفارد ق صداول ملك

ان کے دیج کی گدائی اور اہلبیت علیهم السلام کی فضاحت و بلاغت زبان مح درجے کی بندی اچھی طرح خایاں ہیں اس پر ان ہیں سه (١) اذا مات يوم بيت قل ذكره وذكر ابي منامات والله ازي (١) فَنَكُوت لما فَرِق المُوت بينا فعن بيت نفسى بالنبي عصمه (س ) فقلت لها إن المهات سيلنا ومن لم بيت في يوم ما ت على إرتجمروا ) جبكونى مراع تومرف والع كاغم اوراس كى إداسى دن سے كم چدنے گئی ہے۔ لیکن مخدائ لایزال میرے والدکی یا دحین دن سے ان کی رحلت بولی ہے روز پروز را کی جاتی ہے۔ (۲) جب موسعد في جارب درسيان مين تفرقد والدر إاسي دن سيمين إدكرن بند اورائي جي كي يركم توريد كرفي بال (م) موت تو بمسيد كا داستها وآج نسي مراه وكل ركا -) ميرزالي بي ٥ (١) قل للغيب محتاطيات الذي ان كنت أسمع صرختى و دند الميا صبت على الإيام صرن لياليا رم اصبت على مصائبُ اوانها لاحتشى ضيماوكان جماليا رس من كن كنت ذارت عمى بظل عجل ضیمی وارفع ظالمی برواشیا رم ) فاليوم اخشع للذليل وانقى شجنا على غصن بكيت صباحيا ره وفاذا بكعاقمرية في ليلها ولاجعلن الدمع فيك وشابئيا ربى فلاجعلن الحزن بعداله مؤتى ان كاليشمملاي الزمان عواليا (٤) ما ذاعلى من شمرترية إحلا (ترحم (١) كددت ملى كے تبول كے ينے فائب بدن دالے سے ككاش و رى دونادى والدى والدي (٧) مرسه ١٥ يراشخ معالمب يسكك أكر دوش ونون يريشة لة ده كالى اين ويأي رسى بين مُدك سايك في محفوظ على - بين سي ظلم إود ظالم سے بنس أرتى على وه يرى مفيرط : هال تق -ملك منافي ابن شرآشوب المجدد الادلى صنعوا ، صاحوا

گزادىنىمىن چىندىسلىتىن كىيى -اوراس كى وجوپات كىيىن - ( 1 ) يدام واقعدى جىيساكە مضرمع عالئشەك بىيان كياسىم كداد داج اسول دەمخالەن جاعتول س منقسم تقيل ايك مين حضربت عا نششه ، حضرست سوده اورصفيه اور ووسري سي حصرت ام سلمه اور باقى ازواج عقيس وحصورت والشراد جعشرت حف كامزاج جیسا تھا اس کا مذکرہ قرآن سربیت میں آئیا ہے۔ حضرت ام سلماور ان کی جاعمع کی ادواج نے تو اس صرا کے اجازت دےوی کرصرت عالمتے کے مكان مين قيام فرمائين يمكن اكرأن حضرت ام المركم مكان مين قيام فرمانا بياسيت تو حضرت عالتُشه اور حضرت حف تعبى اخبارنت من ديني اورايك تنازعه رم ) ال صرف كا الماده مقاكر مرض كے آخرى ایام میں حضرت علی كے حق میں وصیت ظریکوائیں گے ۔ اگر آن حضرت اپنی دختریا حضرت ام سلم کے گریں جنے تومخا تفين كنت كرأن صغريق برزوروال كرية وصيت كلما في ممني مع - ابنه كلريس

عوسة الوت توكدد إكري عض بذيان كب وإسم واكر دوسرا كالكري الوسة أوعام بنين كاكته-

(٣) ال صرب مبر صرب ما نظر کا گراک تو مراتی طاقت دری عنی کدومرے کروں پر ادی ادی اسے جاتے۔

يول توالبسيد عليهم السلام ميس سے سرايك كوجناب رسول فداكى حدائ كا ريخ وصدم عظيم مواليكين جاب فاطمة كريخ كى توكوني صريى ندهمي اس واقعه كي بعدسى ك خضرت فاطر كومنت موس مدد كيا راس دن دو ني ساكام ما. اِن مَنْ مِنْ وَرَبُكُا سِي مُحَلِّدُ واللَّهِ بَهِينِ رَجْتَ عَلَى اللَّهِ لِ لِيْ حضرت عليَّ كَ رَبُّهُ میں آن کرعومن کی کہ فاطمہ کی گریہ و ذاری وشیون سے ہما دا آ دام حوام ہوگیا ہے۔ صريفائي ني جناب فالمركوبينيام عيا-اس دن سيجناب مطرسك جند البقيع من ايك جميز نيطري دال ني - ون كو و إل ملي حاتى تقيس اور باب کے فران میں دواکرتی تھیں۔

جُنَابِ فَاطَمَرُ كِنَابِ وَالدِيزِرِكُوارِكِ فِرَاقِ مِين جِوامِثْعَا رَكِيمِينِ السَّ

100

جمع دیجیتا ہوں - اکٹو اور ابو بکر کی مجیت کر درمیں نے ادرانصادتے ان كى معيت كرلى سے - اس پرعثمان ابن عفان اور كام نوامير شكاكى معيت كرلى اوريم سعدع إرتن اوران كرسائقي اعظم اورا كفون في معيت كرلى-لىكن مصرت على وعباس اورجوبو باشم ان كرسامة عقده بغير بعدي الإن المح المح المح المان كالقربرابن الوام مى يى كى ـ يى ان كى ون مغرب عرى ايد جاعت كري اسيدبن صير اورسلم بن التيم عقد سك اوركما كرجلو الوكركي بعيث كوور الفول نے انکارک - زیر بن العوام لوار کے ریکے حصرت عرفی اکر لوگوں سے کینے گئے کراس آدی کو پکولو ۔ بیں اُن لوگوں نے زیر کولالیا۔ المدين الشيمان أمجول كرعوا وجهين لى اور دوادس دسمارا اور زبرك پکٹ کرے سے اس مالع میں اس نے بعیت کرلی- اور اس طح بنوائم العلى الموائد على كم بعيث كرلى - بحرصرت على كو كو حضرت الدير ك إس لك عنوعلى كة ما ق عدي فدا كاطي نده ي ادرسول مذا کا مجالی بول- این سے کما گیا کر اور برکی بعید کرد أعنون نے جاب دیا کر سبید لینے کا میں تم سے دیادہ ستی ہوں۔ یں مس براز بعیت ذکروں کا ۔ م کر باہے کہ کی سے بیت کرلو . م ت الفارس برام فافت اس دليل وجمع كما لا لياس كرم وروافا ے قرابت م جوانعاد کوماصل نقی اور اب ہم البید سے پانوائ ترغمب كرك لية بوكيا لم ي الفارس يعبق نس كالماس امر فلا نع كمان كى نسبت زيادة ستى بريكية كر كرة مي سيبير اس دلیل کو ان کرا تغوں سے بدام مقادے بروکر دیا۔ اور مکوست ترک دسادى-اب سىم يو داى قبع قا لم كرنا بول ج فيد ترك الفارير قالم كى فى - يم دول فعائكان كى جامد واحديد ولد دارىدى. بس اكرم كرم كرادراسلام برايان لا عيم ديه ديما د عماة الفاف كرد. ودنم يظم جان بع كركردت بد عرك كما بم م كنين كوديدك

(١٨) اب مير مرايك ذليل كى منت ساجت كرتى إول اورابي ظالم سے درتى ہوں - اس کے ظلم کو اپنی رُواسے د فغ کرنے کی کوسٹسٹ کرتی ہوں - (کیونکر ٹیری کوار کی گئی) (۵) بیں حب رات کو ورای درخسع کی شاخ پر اندو بھیں ہوکرالے کرتی ہے تو میں بھی اس کے ساتھ مبع کک روتی ہوں ۔ ر ٢ ) میں نے تھادے بعد عم وحن کواپٹا مونس بنا لیاہے اور آ تھوں سے ج أنسود كى الرى حفرات ب- ده ميرى كوارس -(٤) احدى قبرى منى سونكمنا ميرس او ير فرص او كياسي كيونكري اكراس ندرو تکموں تو بلاک ہوجاؤں بعینی اس مٹی ہی کی نوشبوسے زندہ ہوں۔ غوروفكركرك والاول حياسي - ايك أيك لفظمين عم و اندوه وحن طال کوٹ کوٹ کوبط کربھرا ہواہے ۔ بھیرا من پراممت کے سلوک اور ان کے مثطا لم کی طرف جواشارہ ہے دور راسفے والے مے دل کو ادر معبی جاک کردیتا ہے۔ بیال کے ذرب الملى تقى كەم رايك دلىل كى منت وساجىھ كرنى پرتى تقى - اورظا لموں كے ظلم كو رو کے سے لیے کوئی چیز ندیمی مظلومیت کی آخری صدیے کہ ان عظلم کی اوادوائ ابنی دداسے دو کتی ہوں - است سے اس طرح دخرِ ربول کوان کے باب کے مرفع نسلی وستفی دی تقی ۔ واقات واقات يضمون بنايت كليف ده م واس كم ي صرب ابن قبير كاللاامت والسياسع كصفول كواردوس ترجمه كرني براكفا كرت اين تيتب جب برسية تخلفين (حضرب الوكيس بعيد مركرت والے) مسجدين جمع إرس قوابو بكر اعمره الوعبيده بن الجراح ال كياس ك جبكراد بكركى سبيس اوچكى مقى - عمران ان سع كماكديس مركوبياب كيون

سيرة خاطمة الزبرا

صرت علی کے إبركل آئے اور جاكر بعيد كرلى - حضرت علی ايك كما مين قسم كهاني مع كرجب تك قرآن كوجمع ذكرون كالمرص إجريد كلون كار ادر فاسيخ كنده برردا والوسكا . حضرت فاطمرًا ين كوك دردازي أن كر كافرى بوكليس اورفرها ياكرس السي قوم سى سروكا د منسيس ركهتي جو اتى بدى كرى سه- ئررول فلات كجائس كوبارك درسانى توركر بل على ادراس امركاف دبى فيصلكرليا ادربهم كويه جها كالمنبيل دربهاك عن كومم سع جيس ليا يجر حضرت عمرواس أساء ورصرت الوكري ماكركماكم استخلف سيبيدكيونيس لية (حضرت المكرك ابنا غلام یا، ارصنرصطلی کے یاس جمیار وہ ندائے تو) پیر مصرت عمر کا علام یا دوادے برا اور دردازه كعشكت إ حبب حضرت فاطمين ان كي وازسني تواداد لبند كرسك فراياكم است والد بركواره اس دسول خدا بمكواب كربداب لخطة اورابن إلى فحا فرسي كياكيا مصائب ديك نعيب المدين جبب اس جاعمت نے معرب قاطم کی اوارشنی ادر کریے و زاری فاضطری تو وہ روتے بوے دابس بو سے صرف حضرت عرای قلیل جاعت کے الق اق اق الل اورا تفول في ريستي حضرت علي كوحضرت فاطمئه من كلرين كال ليااور ال كوسك كم مصرت الوكرك إس أسط (اس كيد فاصل ولف ي مصرص الله وعلى المفين كى ددو قدح اللهي ب اوربيان كيا بكرا فركا وطرعلى بنير بعيده مي موسى واليس مط محمد الدر قررسول پرجاكر فرياد كى )اس ك بعضرت عرف صرف او كرس كاكر في فاطرك ياس علين . بمن ان كوغفىدناك كردياب يس ان دونون في صفرت فاطر كردواني اكراندراك كى اما دعيا بى - معترف فاطر في إن كراما زت درى ف يدوون حضرت على سكياس آيا يس حضرت على ان كواندر العسكان سبب وه دو نوں فاطر اس ا کر کھ سے ہو سے تو حضرت فاطر ان ان کی طرف سے مند مورکر دیواری طرف اُرخ کرایا۔ ان دو قال نے آپ پسالام کیا

حبت کا بربیت در لوگے معفرت علی سے کا وہ نفع توج ال كرك حبس میں ترامی صدیم - آج او برکے لیے تو شقع کر اے اکر کل وہ اس کویٹری طرف واپس کردے عمرقسم بخدا میں سرا قول قول نكرون كا داورالو كرك مبيت شكرون كا .... استكروه ماجرين محراسلم ) کی دیاست و حکومت کوان کے گھرسے نکال کرائے گروں کی طرف نه کے جاؤ۔ اور ان صرب کے المبیت کوان کے مقام عرب سے نهاؤيسم بخدا اے كرده ماجرين بم مرسب سياس مفلات ك زياده متى اورحقدار بيس كيو كديم المبيث رسول بي - أكرك في علم قراك مان دالا، نفتهدين فدا، عالم سنت المول، صاحب اطلاع المور رعايا . عادل ومنصعت ارعاياس ان كى كاليمت دوركرك دالاس ق وه بهم میں سیس تما بنی خواہشاے کی پیردی مکرد ورف گراه بروجاؤ کے ادر حق سے بسید ہوجاؤ کے ۔ بشیر ابن معدانضا دی سے کما کدارے علی اگرانفادئم سے باکام او برے معیت کرنے سے کیلے سے سنتے آدیمی مقارى كالفت ذكرت فرع على بغير بعيث كيداس مجمع سه والبرن كي بيراع على ابن قشيد كمن بي ٠٠

دادی که تا می کراد کرے ان لوگوں کو جھوں نے ان کی بعید سے مخلف کیا تھا کا مش کونا مشروع کیا۔ قد معلیم جواکہ کچر لوگ صفرت علی سکی کھریا جمع ہیں ۔ بسی ان کی طرف صفرت عمر کو صحیحا ۔ عرف حضرت علی سکھریا ان کو آواذ دی ۔ ان لوگوں سے باہر آنے سے انگاد کیا۔ اس برصفرت عمر نے مسلف والی لکڑیاں منگا کیں اور کہا اس ذات کی شعر بس کے تبعیل فرد وہ لوگ جواس گھریں ہیں سب جل جا کی سے کہا کہ اس گھریں ہیں سب جل جا کیں کے ۔ لوگوں نے حضرت عمر سے کہا کہ اس گھریں جی اس کی بروا میں میں سب جل جا کی سے کہا کہ اس گھریں کی بروا وہ نہیں سب جل جا کی ہے وہ سب لوگ موالے ۔

الخاله بن تبتيه بماب ماسط الهاسط الجزوالادل سلا مط عاري صبي المرحلادل وويام سل

109

بات کاردی

خلافت کے ایوان عدالت میں دخبرریول کے تقدیم کی الم

جناب فاطمه زهبراعلها السلام ي زندگي كاانهم ترين دا قعه تضيار فذك بيد اس عالم حن وياس ميس كرجب آب كي آكه ول مين وينا اندهير محتى اورايني ذند كي بى دو برمعوم بوتى عقى -اس شكل معامله برعوركرا اوصيح داستداختياركرا معولى ابت نهی - فدک جناب فاطم کے قبصنہ میں تھا ۔ حکومت کے اس رقبط کرلیا ،اورضر فاطمه يعال كوز بردستى ب دخل كرديا - حكام خلافت كاجوط زعمل آب د كيوكي تنيس اور جرساوک اعفوں نے آپ کے سائٹ اب کے اعقاس سے ایک معمولی عقل کا آدى تعبى يتجد نكال سكتا تقاكدان كے دعوى كرك بريعبى وہ لوگ فلك واليس درس کے ۔ اوجد اس کے آپ نے دعویٰ کیا۔ بھر اس زا اے ایم ورواج کے معان و الراب الراب الري مصرت ما سند يا حصرت الديرك إس ماكركت بي ك ہارے کیے میں ایک زریفیر معامل ہے عمرے وہ جھین لیا۔ وہ ہیں والس کردایین آب فايسان كيا كله بإضا بطررد بادلوكون كي وجود كي مين جاكردعوى كيا اور لوگوں كے ماستے يوفيل لئناكر آل رسول جورك بول دسم ميں آئے مفت الى مے لیے جوٹا دعویٰ کیا ہے جوہم خارج کرتے ہیں ادر میں حکومت کی سیاسی کسید بقى مكل ميانست كابيلا اوربهايت ابهم كرُيه هيه كراميني دل كي مالت مخالف كو معلوم مربو- اسبي دل كى حالت كوظا سركردينا وه احمقاند ففل اور برا معل ب جومياسى صالط ميركسى صورت سے قابل معافى بنيس اندرس صورت أيسفرن كى سب سے بڑی فتے ، بول سے کہ وہ اپنے عرف کو ایسے قل دفل بر مجبور کردے ك أسى بغيردلى مالع ظا مركي موس كوئ ادرجاده كاربى نظرزات

و صرت فاطر نے جاب سلام دریا۔ صرف او بکرا کا کا کے دول کی پیاری بیٹی بخدا میں رسول اشرکے قرابتداد....اتناہی ك إلى تقريباب فاطر خاكركيا تم دون بابت يوكريس تحيين مبناب رسول خدا كي اسبي حديث نناؤل جوتم مانتي بورايفون عِضَى كَصْروروه مديث آب، بي كناشي حضرت فاطمين ك كمين تم دونون كوشم دے كر چيتى بون كركيا تم في جناب ريول صّاكر يركت موسى بنيس ك أكر فاطمه كي توشيدى بيرى توشيدى ب اورفاطم كا تفسيد بمراعضب سے ميں بن يرى دخر فاطم سے عب كي اس ك ي سي محبيد كى اورس ي فاطركوراضى كيا أس ي مجعد راصى كيا اور حب نے فاطر کو تضیینا کے نیا اور آزادہ کیا اس نے مجھے عضینا ک اور أنده كيا-ان دو فرن الم كماكهان م في مديث جناب ومول فدات ای الم ان ہے۔ اس پرجاب فاطر نے درایا کسی خداور اس کے طائك كو كواه كرك كمتى بول كرنم دولول ك يجه آزرده كيا اورضب دلايار ادرام فرم المناس كا اورجب بي المول مداس طاقات كروس كية فردون كالكايت أن سارول في جفرها بالمرسع و عليال كروب هاكرمان انبى بدن صفارت كرباك كين معزد فاطر التى جانى هين كوسم بدا براك الدين بوين بمونى يرك ي all Justes &

على كاب الا است دالياست الجزء الاقل منك منك طلاق الدي طري الجوان لا دولا المالية المري الجوان لا دولا المالية المري الجوان لا دولا المري الجوال الثالمة منكا والامتياب المريق المري الجوالة المري الجوالة المري ا

141

منب كرك ديا ہے -اورخس خيبروا قطاع حوالي مرينه ميں ان كاحصر بطور وارم کے سم یعنی ترک رسول ضداکی وہ حقدار ہیں سالله مدعا عليدك ميركم تعلق حضرت فاطمة سع كماكتم تفاك عذر مدعا عليه بيان كوستجانبين سمجة كوالان منيش كرو - وراشت سي أكار سنين كرسكة مق -اس كم تعلق كما كرجناب دسول خدائك مسندا ياسم شخن معاضوكا نبياء لانرت وكانورث ماتركنا لاصداقة يني يمركروه انبياءتو سى كا ورشاليس اور نمكوئي وارس نهادا تركه كسكتا ب سم ج حيوات بي ده و عرف الجناب فاطمة في النه دعوك مبدك بنوت مين حضرت على الموت على الموت المراكبين المر عليهم السلام كوييش كيا حفور سي بيان دياك واقعي مارسه رو بروجالبول فدًا ف ان الطبيات كوبح فاطمة بمبكرك قبضدان كودس ديا عقا مسله قبضهٔ فیک جناب فاطری وی کیا تقاکر ان صرت نے فیک کے ميكرك ديد إب - اتنا وده مهي جانتي تقيل كربغيرتبندك بهبنا كمل موتام -أكران كوقيصه مل كرمبه كمل منهوكيا موتا تووه ايساخلاف قد امرنہ بیان فرماتیں جوسب کے علم میں اس دفت غلط ہدتا - علادہ اس سے اگر حضرت فاطمئه كا قبضد نرموتا توحصرت الوكمركوشها دسه طلب كرساخ كي صرورت مي منهون - فررا فراكي كريبهذا مكل تقا كيونكه تقاد ببضين بواتقا حضرت ابوبكر کے عذرات میں عدم قبضه کا عذر نه ہونا، صاف دلیل ہے اس بات کی کرجا فاطرا كا قصر عما البست سي روايات بي بيك ان الما بكوان وع من فاطها فلاك ميني الوكر في حضرت فاطرة سے فدك كا فبضر جيس ليا الملا و حضر على نفي يولك صيح بخادى كتاب الخس باب فرط فخس عب عدمه الي والثاني ما ١٢٠ في البلدان الماذوى مطبوه من الله المام مع وغيره وغيره منظله صداع عرفه ابن عركي باسالا واصل المامس المروفا ميد ورادين مهودى الجروالتاني باب لهاوت فللشان مصابير مواقعة كتاب اكفاءالا يابيرن عباسراله مان مالله وقاءالوقا باخيار داوالمصطفرالجراكان إسالااس ملا

بناب درون خدائث مبين اسامرس ان دول كوشا س كري عكم دياك فرا مهم ب على جاءُ - الخول سان الرانى ك ول كى حالع ظامر الان - كير أن صرت س صكم ديا كرقام دواس لا ومي السي وصيت الكودون كديم محيى مراه شرو محمداس قت بين ا زان ي اورا ي عكر يكرواكدرواكدرول أو بذيان كالمدراك والك زياده دل ي مالت اورس طرح فل بريدي - اس عاطم بي ب فاطميس باه لاسيف دوى فدكرك فري كالعن مراصل مرعا ومقصد كرب نقاب كرويا بصرف الأثر ے خود در إيضا فت ميں اينا دعوى اصاب الله بليش كرسے بعيف سے ماسے بيلولوں كو غیرتنفن بنا دیا۔ اور اسپ دعوی شیم شوسف میں ان گوا ہوں کو میش کرسے جن کی شادم دسالم کی تصدیق کے لیے فدا و ندتا لی سے کفار کے لائے است رمول سے میش کرانی تھی مکومسے کے بجاؤ کے سارے واستے مندکرد لیے۔اب تو صرف ايسه بي سوال ده كيا عقاء بتاد تم مجه كو ادرعلى اورسنين كومجودًا قرار في مر الساع كرية بوكريم احت يرود ودا يظافت سه دعوى خاديع جواحس كمسريح معنی یہ سے کہ اور تھارے گوا ان جوسٹے ہی اور کرس سے مرکب ہو سے ہیں۔ اس وقت حسرت فاطر عنايد الفيح وأبي نطبه بركون كما عن ادا فرايا-اور واليس تشريف سي اليس ويك والي أنكم اور عوركرف والا داغ اور حق كو مَعِينَ والاول عابي - خود بخود يح سنج على آئيس كم- اس مع بترطوني من كو ظاہر رف کا س صورت حالات کے اندراور کوئی ند تھا۔ اس سے اس فقر ہ حسبُنا كتاب الله كو كعبلاديا من كادير فريق كالعد في بي مجف كقامًا كيا تنا اور فردى اس فقره كى ترديدادرك بب مشرى منالفسد كري تك كالبشر كا مكام وراش كو نظراندا وكرف ك لي ايك صديف وض كرني ين اس مقدم ك نيسليس مبت كروصدنگا بركا ملكن اسقليل وصيب دوزرون ك طرح والنع بوكيا كري كس طرف عقا -اب، ہم اس مقدر کوعام اصوال عدل وافعات محمطابن اظری کے المن المراكرة ال د سوی مصرت فاطمة كا دعوى ير عقا كرجاب رسول فلاك فدك ان كو

اين عابل كوكها:-

بلى كانىدە فى ايداينان ك

من كل مآ ظلّته السماء نشحت

عليها نفوس فومروسمن عنها

نفوس اخربن لنعم الحكم

N. .

ابت بخل کیا اور مبتوں کے دل میں آگ لکی اور میں استھوں نے دل میں آگ لکی اور میں ا

مم سے جین کیا گرست بہر فیصلکرنے والا فدائے۔

نبعنه کا تنازیر توخود حضرت عمر کے قول سے طی دھاتا ہے۔ آب اسسرائے ہیں شعر توفی الله نبیده صلی الله علیه وسلم فقال ابو بکر انا ولی

رسول الله فقنضها ابو مكو (صحيح بخاري إب الخنس د إب المغاني ولعسسر

الفاردن حصددهم ممهم

بیں ان لوگوں نے جناب دسول خڈا کو نصف آ داضی فدک دسے کرمصا بحت کہ لی۔
اور آن حضرے نے اس کومنظور کر لیا۔ بس پیلصف فدک خاص جنا سیاسول خلاکی
ملکیسعہ تھا۔ کیو نکہ اس کے صول کے لیے سلما وٰں نے اونٹ کھوڑس ہنیس دوڑائے
سقے۔ (یہ فقرح البلدان کی عبادت کا ترجمہ ہے۔) لاطابہ
خود حضرت عمراس کو جناب دسول خلاکی ملکیت بلاشرکت عفرے مجعتہ تھے۔

خود حضرت عمراس کو جناب درول فناکی ملکیست بلاشرکست عیرت مجعیق تقے۔ پینانچ مولوی شبلی کک سنے اس کوتسلیم کیا ہے ۔ ہم الفاد دق سے مولوی شبلی کی عبادت نقل کرتے ہیں :-

در اس آیت سے کیا جو آیت ہے اس سے فدک دغیرہ کا آل صفرت کی خاص جا لیاد ہونا اللہ علی دسولہ منھموندا او جف نقر کے اس سے اور خود تضریع گراس کی می قرار نیچ سے ۔ وما افاء الله علی دسوله منھموندا او جف نقر علیه من خیل و کا رکاب ولکن الله بسلط دسله علی من لینا ء جنا نج صفرت عمر نے اس آیت کویٹر مرکہا تھا کہ فکا نت خالصة فی این میں آیٹ میں اللہ میں الله میں آیٹ میں آیٹ میں آیٹ میں آیٹ میں المیار فی میں آیٹ میں آئی میں آیٹ میں آئی میں آیٹ میں آیٹ میں آیٹ میں آئی میں آ

باقى سب تفتيحات بنمه حصرت الويكر تقيس ده نه بتاسك كه قاون درا منت كيونكر منسوخ موا- لا دارت حديث كوكيون ندمجع عام مين سجدمين بيش كيا سالت قرائن اس مدیث کی صحت کے خلاف ہیں ۔ جبیا کہم ابھی بیا ن کرتے ہیں ۔ البزار- ابوبعلی - ابن ابی حاتم و ابن مردویه ابوسعیدالخدری سے روایت كرتي بين كرجب برآميت نازل بوئ وات ذالقربي حقه توجناب رسول ضرا نے فاطمہ کو بلایا اور فدک ان کو مبہ کردیا اور ابن مرددیہ نے عبالتداین عیاس روايت كى سے كجب يرايت ادل موئى وات ذالقربى حقه تو جنا ب رسول فدان فدك جناب فاطم كو مب كرديا - لكبهال كك كهاجانا ب كرجناب رسول خداع في أيك وتيقر مبه كاجناب فاطمه وحسنين عليم السلام ك حق مين كله ديا- اوريه وجي وشيفته عقاج حصريت معصومه در بارخلا فسدين لائين-اور عيش كيا هيله صرت فاطمیلیهاالسلام کی مجمث جناب دوران مقدمة بن حضرت الطمیلیها وه خود بي مرعا عليه عقر - مرعا عليه كي طرح عدرات بيش كرت ما ت عقر اور خود می فیصلہ کرنے والے تھے) توجناب فاطمة سے سوال کیا کیجب متم رو کے تو عقارى جالدادكون في كا ب حضرت ابو برن جواب دياكمميرى اولاد-اس بد اس فرایک والی والی مربع بر مقارا در تر تو مقاری ادلاد کے - ادر میں است إباب كا درفرز ياون - يدلا دارف مديث محف المقارى بنادس سم -اكريجاب رسول خدا كا كلام بوتا وسب سے يہلے أل صربت اس كا ذكر ہم سے كرتے -قرآن سريف سي وورث سليان داؤر اور صرت وكرياكي رعا <u>معل</u>ه حلال الدين سيوطي - كتاب الدرا لمنوّد الجزء الرابع منك المجتله عاديخ مبير الير عدد ادل بروسوم مهم - ملامعين كاشفى - معادى النيوة ركن جادم إب ويم دربيان وقائع سال بعتم از بجرت واقدميز دميم

احكا اس جناب فاطرعليها السلام كحتيس عقراداس كحافن وراشسس كوئى استثنا جائداد رسول كم معلى منس ب - لهذا وراش كے مقدمين تومندري ذيل امور تنقيح طلب بيدا موت بين - اور ده سب بدمه مدعا عليه مين -ا - كيا مصرم فاطمة كوان سك والدبزرگواركا در شبي بهنچتا عما اورشرعي و قرآنی قانون دراشت ان پرهادی در نقل شوست بنرمه مدعاعلیه رحضرت ابو بکر) المرجاب فاطمد كريع في وران مريف كا قانون والت مسوخ موكيا عالوكي منسوخ ہوا اورکس لئے منسوخ کیا۔ بٹوت بذمر مدعا علیہ (مضرت ابوبکر) س - كيامفوصد دوايت لاموت ولا نورت وا تعي كلام رمول كما - بوت بذمنه مدعاعليه - (حضرت الوكر) ٥٠ - (١) كيا جناب رسول خدان اس الهم منسيخ آيات قرائي كا اعلال كيا-لب كيا يكس طرح اوركس موقع يركيا ؟ شوت مذمه مدعاعليه- (حصنرت ابوبكر) (ب) كيايير وايت قرآن شريف من قانون وراشت كومسوخ كرسكتي عقى .... بنونسي كما عليه - ( حضرت الوبكر) مبرك مقدمهم من منقيح كا إر شوس بذمر معاعليه وتا واكر معاعليه سن ابنی حکومت کی طاقت سے حضرت فاطر کو اے دخل ذکردیا ہوتا ۔اس صورت میں حكومت كوقبضه كادعوى كرنا برتار اورتنقيج يه بوق، ا- كيا حضرت فاطمة كا قبضه احائز مع - اورجناب رسول خدائف ان كوفدك بمبركر كمينس ديارليكن اب جو كر حصرت فاطميكو دعوى كرنا برا - اور قبضه صاسل كزايرا توتنقيع فيصلطلب يربوني و-١- كيا جناب وسول خدام يه جالدا دنج مدعيه ( دختر دور) مبه كردى مقى. بأرشومت بزمه مدعيه سأ عام مقدمات میں تواب بھی بارشوت بذمر حکومت می ہونا جا ہے ۔ کیونکہ تحص مفترسه ی فاطرنا ما انزطورس رعبه کو سیدخل کرے اسے دعوی کرنے برمجور كيك سع إر شوت منيس براتا -اس سارے قصیر میں زیادہ سے زیادہ حضرت فاطمی کومن پریکا ٹیوٹ بنا تھا۔

وہ اس طرح کرمسجد میں مبنی گئے۔ اکا برصحاب کوبل لیا۔ اور ان کےمشورے سےمقدات فيصله كردسي سمطه صحاب کاستم کے دعاوی صربت ابدیکر جب بری کا مال آیا توضو ابدیکر نے عام منادی کوادی حبر صب جناب رسول ضدات في وعده فرايا ہے دہمیرے پاس ان کرلے کے - ما برکتے ہیں کرمیں مصرف او بمرکے پاس گیااورال كى كى جناب، رسول خدائف مجب وعده كيا تفاكداكر بحرين كا مال آيا تومهم تم كواتناامنا ادراتنادیں کے داس پر صرف ابو بکرنے مجدسے کما کہ اس مال میں سے ایک ال جوال یں سے ایک لیے بحرلی تو حضرت او بکرسے کما کداس کوشادکرہ - میں سے شار کیا تو ن ابنے غلام کی ناک کا ف ڈالی - جناب رسول ضدام کے انتقال کے بعد وہ غلام حضرت ابربکرے یاس آیا اور دعوی کیا کہ جناب رسول ضداعت میری کئی ہوئ ناک و بكداد رسر احال سن كرفرايا عناكر جانوا زادب ميس سن يوجها كريس اسين تنيس كس كا أذاد كرده فلام بول- تو أن صغرت سن فرما يا تقا كه خدا ورسول كالمصرت الإكرك اس سے يجد كواه شا پر منيں التكے . اور مض اس كے ميان كوستجات المركم اس كادراس كے اہل وعيال كانان و نفقه مقرر كرديا -جب حضرت الإبكركا انتقال موكي توده بي غلام حضرت عرك إس أيا ادريسي دعوى بيش كيا - اعفول في فرراً إيهاك وكمال ك ماكرما بتأبيرا بتأبيدا ينكاكيم كعاليرمابتابول يفوت عرف فردا عام معرد ها كراس كومسوس حاكيرد عدد - جنام اس كوم كى جاكير بل كئي يرسى في كواه ما بكا د شا برطلب كياً و زنيا ع سن اس كى اكس اس دجسے کا ٹی تھی کہ دہ اس کی لونڈی سے زناکرتا ہوایا یا گیا تھا تسالہ نہ تہ سمسود طبقات ابن سعد جلد و من م ولا هسال مي بخارى من كتا المحنس باليا اقطى النبي من البحرين إد عدمن مال البحرين الجزء الثاني حصيل به طبقات ابن سعد مبلدق م مصلات من الم احد منيل الجوالثاني من الجواللال من الجوالث لف معد ، ماه ، ماه الجزاليانع من معد الجوليادس صوف، مدور مدون مدون

144 قران شريف مين اسطرح مع وَاتِيْ خِفْتُ الْمُوَالِيَ مِنْ وَدَا بِي وَكَا مَتِ امُوَّا تِيْ غَافِرًا فَهَبْ لِي مِنْ لَكُ نُكَ وَلِيًّا يَرِفْنِي وَيَرِثُ مِنْ إِل يَعْقُون اوريعلي وحسنين ويهي بيجن كوروزمبا بلدرسالت عوريا ورضلقت عیسیٰ کی شادت کے لیے فدا وند تعالیٰ کے علم سے بیش کیا گیا تھا ہے ان کی ا گوا بی قبول بنیں کی جاتی نظام حضرت ابولكركا فيصله كرك جناب فاطر كح في فدك غيره ألافيات كاوتيقه كله ديا - اس وتيقه كوكراب على كلي عنين كرحضرت عرتشريف كالي اور مضرت فاطمرت وه وفيقة ال كروالا اور مصرف أبوكرت كما كمنا فياط كا مقدسفارج كردو اسله جنائي صنرف الوكرف يدكد كرمقدمفارج كرديا كنصاب يوراننيس موا-اورمدسيف لانورث مايغ مصول ورشب \_ اس فیصلہ کی حامیت اس مفیلہ کی حامیت اس طرح کی جاتی ہے کہضاب اس فیصلہ کی حامیت متماد سعب درا شہر میں استوہر کی گوا ہی اپنی ذوجہ کے حت میں اوراولا دکی گراہی اپنے والدین کے حق میں قابل قبول ہنیں ہے۔ ملکہ باطل مے - رسول خدانے فرایا تھا کہ ہم ا نبیاد د تو در دلیں اور نہم سے کوئی ورفد نے ہم جو چھ التے ہیں وہ اسمع کے لیے ہوتا ہے۔ بہتا بت نہیں۔ ورند ملتا بنسيس لهذا دعوى درست طور بيضادرج بواسيك مضرنا بو بركا قضا إ فيصل كرن كاعمولي طريقه اس السامي ياسلوم كالبي المالي المراج كاعمولي طريقه كرنا بعي فالى الذوبيي مربوكا كرص رس الوكرعام طورس اليسة تنا ذعاس كس طرح فيصله كيا كرت تق حضرت البركرك زامنيس درينس بنداصحاب مقرر عقد ج مقدات فيصلك كرت تق سسله ان کے علاوہ حضرت او بکریمی مقد مات فیصارکیا کرتے تھے۔لین معله طقات ابن سد ع ۲ ق ۲ مده . ار يخ طرى الجووا لثالث من المعلى من بمان الدين - انسان العيون في ميرة الامين الماءن أمجوز النالث من يطبيع مصر مسلك ابن جريكي صدائق الرق الب اللدل تصل كامس مسة ، فوالمدين مهودي وفاء الوقا الجزوات في إب النان ضلال ا

ور مسلم الدي طري اجزوالها بع منه

اس درواز ب برحاضر بود مسلع اس مقدمته فدك كے فيصله سے ظا مرزواكمعا ذاللہ عليٌّ ميں فقه كا اتناعلم بھي نه تقا كەنضاب شها دىنەمعلوم ہوتا اور بيعلوم ہوتا كه ابنياعليهم لأم كاتركه در شدین مین مین موتا مان بزرگوار دل كوا تنائعی ندمعلوم مخفا كه شو مهركی گواهی ا زوج کے حق میں اور اولاد کی گواہی والدین کے حق میں بروے نفر اسلامی قابل قبول انس درراتوجاب رسول ضراع الدارث صريث اين در شكو د بتاني يان ورثا معتى حضرت فاطروعلى وسين عليم السلام فعداس جهيايا صورت اولي مي جاليمول فالا كى توبين بونى ب - اورصورت دوم مين آئي تطيير وروف آنامي -حضرت فاطم کا خطیم اس فعل سے فت کی تبلیغ اور اطل کی تکذیب کی ہے اس كى نظيرتارىخ عالم مين مي ملتى حضرت ابو بكركا يفيصل أسف سك بعد صرت فاطمة ف ماجرين وانصارس ايك بنايت فصيح ولين خطبه ادافرايا- اس نطبه في معاندين کے سینوں میں اسی ہی کا ری ضرب لگا فی جیسی کہ ووالفقار سیلان جنگ بیں کفارے سينوسين لكا في تقى - اس خطبركي متعلق كشف الغيله مين درج سي .-المينطبه ببترين اورعجبين عليوليس سيحس يرفوينون كاغاده ب الربينم رسالت كي خوشبو- اس خطبه كرموافن ومخالف سي اين تصانيف میں درکیا ہے ادرمیں (صاحب کشف الغمر) نے اس ابو بکر احمد بن عدالمزيد جربري كى كاب سقيفك اس قديم شخر سنقل كياب جو اس سے مولف کی درست میں ماہ رہے الاول سوس میں براھ کر بغرض تصیحے سنا یا گیا تھا ادراس خطبہ کوجو ہری نے اپنے رجال کے خلف طرفیوں سے نابعہ کیا ہے "۔ اس خطبر کو جناب سیم تصنی علم الحدی نے اپنی کیا ب شافی میں درج کیا ہے مسله متدرك الجزوالثالث والله ويلا الاستيعاب الجزوالثان ترجيعلى مسيريم وهديم -ديا عن الخرو الجروالثالث الباب الرابع نصل السادس متناقل - جدة الجيمان الجزوالاولى مص

اشعة اللعات شيخ عبدالي جلديادم صلت . البداية والنهاية في التاريخ الجزوال بع مدهد،

ماه وغيره وغيره

طاہرا بن عبدالشرسے اور خاس زائی غلام سے گواہ دفورت مانگاگیا، وہ ایسے ہے سے کھا میں خواب کے کوئی ہو اسے کی کھی کے کم محص ان کا بیان ہی ان کے دعوے کے بورت کے لیے کا فی ہو ان لیکن حضرت فاطمۂ کے بیان کوسچانہ مانا گیا اور گوا ہان طلب ہوسے اور خصالمیا گیا کہ وہ گوا ہاں مین حضرت علی وصنین معانوا شرقا بل اعتباد ہنیں۔ رشتہ داری جب میں مفعدت کی وجرسے حق ہنیں ول دہے ہیں۔

اس در واز سے پر حاضر ہو مسلم اس مقدمت فدک کے فیصلہ سے ظا میر ہواک معا ذاللہ علیٔ میں فقہ کا اتناعلم بعبی نه تقا که نضاب شها دے معلوم ہوتا اور بیعلوم ہوتا کہ ابنیاعلیسما كاتركه در شبیت مینیس موتا - ان بزرگوار دل كوا مناكبی ندمعلوم محقا كه شو هركی گواهی ا دوج کے حق میں اور اولاد کی گواہی والدین کے حق میں بروے فقراسلامی قابل قبول منيس -ادرياتوجاب رسول ضرائف لادارث صرميث اين در شكو ميتالي يان ورثاميتي حضرت فاطر وعلى وسين عليهم السلام في عمد السي عليايا صورت اولى مين جناب مول فلا كى توبين بوتى ب - اورصورت دۇم سى آئى تطبير يرحرف آناسىم -حضرت فاطم کا خطیم اس فعل سے حتی کی ساتھ حضرت فاطم نے اپنے حضرت فاطم کا خطیم اس فعل سے حتی تبلیغ اور باطل کی تکذیب کی ہے اس کی نظیر اریخ عالم مین میں متی حضرت ابو بکر کا یفیصل سنے سے بعد حضرت فاظمتہ في ماجرين وانصاري ايك بهاميت تصيح والني خطبه ادافرايا- اس نطبه في معاندين كيسينون مي اسى بى كارى ضرب لكا فى جيسى كدة والفقار يدان جناك بي كقارك سينوس لكاتى تقى -اس خطب كم تعلق كشف الغياديس درج سي :-ا يخطبه ببرين اورعجبب خطرو ميس سي حب يرفور نوت كاغاده ب ادر بنم رسالت كي خوشبو- اس خطب كرموافق ومخالف سي اين تصانيف مین درکیا ہے اور میں (صاحب کشف الغمر) نے اسے ابد بر احمد بن عدالم بري كي كاب سقيف كاس قديم سخد سنقل كياب جو اس سے مولف کی خدمت میں ماہ رہے الاول سوس میں براھ کر بغرض تصیحے سنا یا گیا تھا اوراس خطبہ کوجو ہری نے اپنے دجال کے خلف طرفیوں سے نابعہ کیا ہے "۔ اس خطبه كوجناب سيدم تضنى علم الحدى في ابنى كماب شافى مين درج كياب مسله متدرك الجزوالثالث والله وعلا الاستيعاب الجزوالثاني ترجيعلى مسيريم وهدي -ديا عن الخرو الجرو الثالث الباب الرابع نصل السادس متنا1 - جدة الجيمان الجزوالادني مه الشدة اللمات شيخ عبدالى جلديادم وسيس . البداية والنهاية في التاريخ الجزوال بع مدهم ، ماه وغيره وغيره

141 حابرابن عبدالشرس اور نداس زانی غلام سے گواہ و ثبوت مانگا گیا، وہ ایسے سے مجھے سے کم محص ان کا بیان ہی ان کے دعوے کے بوت کے لیے کافی مواج لكين حضرت فاطمئك بيان كوسجانه ماناكيا اوركوا بان طلب بوس اوفي المياكيا كه وه كوا بال معنى حضرت على وحسنين معانوا مشرقا بل اعتباد ينسير ورشته دارجي عبب منفعت ك وجرسي حق مني بول رسم مي -حکومت کاسلوک گروم و البهم کے ساتھ میں بعدان بی نطبیری بھی الطفیات معادمت کاسلوک گروم و البهم کے ساتھ اسی بی تقین کرجن کو عام مسلما وں نے بذریعہ فوج کشی فتح نہیں کیا تھا۔ ملکہ بزد بعیصلے اعفوں نے ساراضیا خاب سول فدائك واكر تقيي - ان آماضيات سي سع جناب رسول فداك

اسى طرح أراضيات حضرت الديكروعبدالرحمن بن عوف والودجانه ، ساك بن خوشرالسا عدى اورد يرصحاب كحق مي مبركي علي الاله حكومت كرجا بدي كرفدك كى طرح ان يربهي فبصنه كرليا جاماً اورجب بيالوك دعوي كرتے تو بھران سيھبي كواه وشا بدطلب كي مات الرعلى وحسنين عليهم السلام سع بسركواه لا تحقوان كي آراضیات والمیں کردیتے درد وہ می فدک کی طرح این فیضی س کر لیتے ۔ اور ان کے دعاوی خارج کرشتے ..

مقدمه فَدَكُ مِن قُرْآن احاديث سول كي وبين مين نقد استاسلامين حضرت فاطمه اورجنا حصنين عليهم السلام شامل بين ليكن فدك كي قضيه كا فيصله اس نتیجه یه سی که ضاوند تعالی س ان بزرگوارون کومطر کرنے کی قدرت دمقی . ادرده استے اس اداده میں کامیاب مرموا ۔ ان میں سے ایک نے جبورا دعویٰ کیا إقدىك جول كوابى دى - جناب رسول فلاك فرا يا عقاكيس علم كالشروون اورعلى اس شركا دروازه سب - جستخص علم حاصل كرنا حيابت اسب أسي جابيك وسله جادى - الاستيعاب ابن عبدالبر الجووالثاني ترجم على صد يمندا بددادُد طب لسى الجزوالنامن مهيئ مديث ٢٥٥ - استعة اللعات شيخ عيدالحق محدث د الدي جلدجام مين مويت موطا . امم الك وغيره وغيره بساله نق البلان بالذي ماس، مسي اور خود میرسے پدر بزرگوار فے میرسے دادواسے اس روابیت فطبہ کوجاب فاطبی اس کا میں بیاباس کا درس دیا ہے جیاب فاطبی خطبہ کی روابیت کی ہے دادا کی بیدائش سے بیلے اس خطبہ کی روابیت کی ہے کہ انفوں نے عبدالشربی مین طلبہ کی روابیت کی ہے کہ انفوں نے عبدالشربی مین بن علیان نے علیہ وہ سے اس فطبہ کو کام سید کی ہے کہ انفوں انکا کرتے ہیں درانحالیک بن حسن کو ان انکا کرتے ہیں جو حضر فاطبہ کہ اس کلام سے بھی عجیب ترہے - اوراس کا ذکر بیعنوان تحقیق کرتے ہیں و حضر فاطبہ کے اس کلام سے بھی عجیب ترہے - اوراس کا ذکر بیعنوان تحقیق کرتے ہیں - منا ب بعصومہ کے اس کلام سے بھی عجیب ترہے - اوراس کا ذکر بیعنوان تحقیق کرتے ہیں - منا ب بعصومہ کے اس کلام سے بھی عجیب ترہے - اوراس کا ذکر بیعنوان تحقیق کرتے ہیں - کی بناء پر ہے - بھر سید مرتضیٰ فرماتے ہیں کہ بین طبہ اسی عنوان سے مختلف طریقوں اور کھی ہوتوں کو معلوم کرنا چا ہے وہ اور کئی جو توں کو معلوم کرنا چا ہے وہ اور کئی جو توں کو معلوم کرنا چا ہے وہ اور کئی جو توں کو معلوم کرنا چا ہے وہ اور کئی جو توں کو معلوم کرنا چا ہے وہ اس کے مقامات سے ماصل کرے -

کتاب بالمغات المنساء کے مصنف ابدالفضل احدین ابی ظاہر جوبغدادیں کا اللہ میں ہیں ابتدا ہوں انتقال کر سکئے ۔ کتاب بذکوری کھتے ہیں ہوں میں ہیں انتقال کر سکئے ۔ کتاب بذکوری کھتے ہیں ہوں میں ہیں انتقال کر سکئے ۔ کتاب بخص جعفر ابن محد سے جن سے مجھ سے ذا فقہ میں ملاقات ہوئی بیان کیا کہ اس سے اس کے دالد نے اور اس سے دوراس سے موسیٰ بن علیی نے ، اوراس سے عبدالشرین پونس نے اوراس سے حیفر ابن احر سے اور اس سے ذید ابن علی نے اور ان سے ان کی بھی پی زنیب بنت الحسین فراتی ہیں کہ جب جناب سیڈہ کو بنت الحسین نے بیان کیا ۔ زینیب بنت الحسین فراتی ہیں کہ جب جناب سیڈہ کو ابد کرکے فدک ندرینے کا حتی ادارہ معلم ہوا تو آپ نے مقنداوڑھا اور ابنی فرایت کی عوروں کے گروہ میں گوست برامہ ہوگیں (آخر دوایت کاس) اور معاص ما حب بلاغات النساء نے اس دوایت کے شروع کونے سے قبل ہو عبادت ما حیا ہونی المناء نہ المناء نے اس دوایت کے شروع کونے سے قبل ہو عبادت کھی ہے ، کلام فاطر بنت رسول المشرصلی الشرعلی السلام ابدالفضل میں ان کی طاقب کے موقع ہی کتاب کتے ہیں کہ میں نے ابدائیسین ڈیدین علی ابن الحسین ابن الی طاقب کے موقع ہو کتاب می دوکلام جو ان منظم نے ابد بکرکے فدک فدک ودیئے کے موقع ہو

يكاب شانى قاصى القضاة عبالجارستزى كالابلغني في الامسك كديس الهي كُني عنى - جناب علم الحدي فرمات بين:-" عمس بيان كيا ابعبيد محد بن عمان المرز إنى سف ادراس س بان کی محدین احدالکا تب سے ،اوراس سے بیان کیا احدین عبیداین ناصحالفتى في اوراس سے بيان كيا الزيادى في ، اوراس سے بيان كي سترفى بن القصاى في ، اور اس سے بيان كيامحدين اسحاق في ، اور اس بیان کیاصالح بن کیسان ہے ، اوراس سے بیان کیا عودہ نے اوراس بيان كيا حضرت عاكشه في اور دومر اسلسلدواة بم سع مرزاني فيمان كياكربيان كيا اس سے او كراحدين حرالملكي في اوراس سے بيان كيا ابن عائشه ك كحب جناب رسول فداكا انتقال موا توحضرت فاطمرابي كنيرون كرده مين صرف الديكيك إس أليس -اورسلى دوايت مي بي كرحضيه عائشاكسي بي كرحب مضرف فاطر في شنا كرحضرت الم بكرك الكر فدك مددين كافهد لكراياب تراب في ابني سرير مقنعة والا اور كيرس پاؤں تک چادراڈرھی ادراین کینروں کے ایک گردہ میں ابر بکرکے پاس اس اور پيريان سے دو ون روايتين آليس مين تحديب اب حضرت فاطمين ايک الميغ خطبرادا فرايا (بيخطبه تمام وكمال نقل كرف ك بعدسيد مرتضى على الحدى كمية ہیں) اور ہمسے بیان کیا اوعبیدانشدالرزبانی نے ،اس سے بیان کیا علی بن ادون سن اس سے بیان کیا عداسترین ابی طا ہرنے اس سے بیان یا اس کے باب نے ، ابطا مرسے بیان کیاکسیں نے ابوالحسین دید بی سلی بن الحسين بن على ابن ابي طالب كرائي بناب فاطمة كا وه كلام ( قطبه) پیش کیا جوابو بکرے فدک مذرینے کے وقعہ صفرت فاطمتر نے بیان فرایا تا اور يس ن زيد بن الى سے بيان كيا كريا لك كتے ہيں كريد بنائي بوني إحد اوريكروه تطب الوالعين وكاكلام مب كيونكروه بسب زباده لمين سي توزيدين على في واكس في الالله الى طالب كرز كول كود يكها بكرده اي اب دادا سے اس خطیہ کی روایت کرستے ہیں اوراین اولادکواس کی علیم وتے ہیں

عورتوں کے گروہ میں سجد کا رخ کیا ۔ شرم کے سبب چادر کے کنادے زمین پر المنع عاق مقد اورجاب فاطرى دفتارا ورجناب رسول فكراكي دفتاري يح فرق نه تقامسجدمين اس وقت بهنجين كرحبب مصرت الوكرك ما نن وال جاچرین وانصاد وغیره ان کے گردجع سکتے ۔ حضرت فاطر کے مسامنے ایک عادر للينج دى كى -آب سيفيس اورآب في اس درد وعم آميز لهيس كرا كم قريب تقاكسب لوك كرية وكباس جان كعودي محلس سي ايك ضطراب پیدا ہوگیا ۔ آپ نے تعواری مملت ان لوگوں کو دی کدان کا اصطراب کا اور امندت بدے دل مفرے - بھر آب فحدو تنا و خدا اورصلواق درول کے سائقہ اپنے کلام کی ابتداء کی ۔ لوگ کھررہ نے لگے۔حبب دہ چیسے ہوت تو اب نے این کلام کود ہرایا اور یہ کلام کیا جوصفی ۱۵ است سروع مے ۱۰

16

آنحَدْنُ يلهُ عَلَىٰ مَا أَ نَعْتِهَ الْمُعْتَى مِهِ مُعْرِص سِهِ فَدَاك لِيهُ كَاسِ اللهِ تعتیںعطافرالیں اوراس کے لیے شکرہ کاس نفس کونیک وبدی تیز بخشی اوراسی کے لیے ثناد ب كراس نے اپنی معتبی عام كي بغير استحقاق كے اوربندون كوامني كامل فمتول مصرم اندوز فرمايا اور بورا بوراانعام لگاتار دار د فرایا اتنی همتین حربی شار نامکن ہے اور ایسی ممتیں جن کی مرت ادفات شکرسے کمیں زیادہ ہے اور جن کی میشکی کا اوراک انسان كيس س البرب فلان اين بنال شكركر كي متين زياده كراين كي طريت وغبت دلاني تاكينمت مسلسل ربي اوزهمتون سيرجزيل موسخ کی وجهر سے مخلوقات پراینی حمد کی فرمائش کی اور بعرائفيس دنيوى نغيثول كحطرة أخرت كافمتول كا شكرا داكريخ كى جانب مالى فرمايا يس كوابى ديتى موں کہ کوئی معبود تعقی تندیں ہے مگرامتدوں مکی ہے

وَلَهُ الشُّكُرُ عَلَىٰ مَا ٱلْهُمَ وَالثَّنَاءُ بِمَاقَتَا مَرَمِنُ عُمُوْمِ يَعْسَمِ اِبْتَكَ اهَا، وَسُبُوعَ الْآيَّةِ الشكاها، وتمام نعم وألاها، جَمِّعُنِ أَلْإِحْصَاءِ عَنَا دُهَا وَنَايِ عَنِ الْجُورَاءِ آمَدُ هَا، وَ تَّفَا وَتَعَنِ الْإِذْرَاكِ آيَانُ هَا وَنَهُ بَهُمُ كِرِسُتِزَا وَيَهَا بِالشَّكْرِ لإرتصالها واستحمت الى الخلائق بِا حُرَّ الِهَا وَ ثَنَّى بِالنَّهَ بِإِللَّهُ المَتَالِهَا وَآشُهَا أَنْ لَا إِلَّهُ إِلَّاللَّهُ وَخُدَ لَالْشَرِيْكَ لَهُ عَلِمَةُ بُجَعَلَ أَلَا خُلَاصَ مَا وِيْلَهَا وَضَمَّنَ الْقُلُوبِ

ارشاد فرایا تقا ذکرکیا اوران سے وض کی کریہ قدم گیان کری سے کہ آخر روايت ك- اسك بعدوه عبارت مذكورت جوم زبانى سعميد يرضى نے روایت کرنے میں وار د کی ہے - بھر وہ صربیف ذکر کی سے اور یہ كما بي كرجب ابو برف جناب فاطمدنت اسول المتركوفدك نافيخا حتى الاده كرليا توان عظمة في اين تئيس ايك عادرس ومثيده كيااو ابنی کنیزوں کے گروہ میں ائیں۔ پیرصاحب بلاغت النساء کتے ہیں کا یک قوم نے یہ وکرکیا سے کر ابوالعین سے ادعا کیا ہے کو بیمیرا کالم سے اورایک قوم نے اس سے اس دعوے کونقل کیا ہے۔ امروا نعدیہ سے کراس کلام کے اور ابدالعیناء کے تعلق تصنیف کا دعویٰ کینے کاسب وہی ہے جو نیج البلاغه کوجناب شریف رصنی کی تصنیعت کینے کا ہے ۔ اور یہ دونوں دعوب باطل ہیں۔ان کی جانب النفات دکرنا جا ہیے کیو کر تھ لوگو النے صیح طریقوں سے اس خطبہ کی روابیت کی ہے۔ یه امریمی قابل ذکرہے کہ معلوم ہوتاہے کہ بلا غات النساء کے مطبوع نسخہ میں کچھ

عبارت اس مقام برطيع بوك سے روكئي سے كيونكمولف ملاغات النسا ا كتے ہيں كمين في ابوالحسين ابن على سے وكركيا ليكن يه بالكل عيال سے كوزيد بن على الحسين ان سے بہت قبل گزر چکے تھے اور ایفوں نے زید کا زمانہ نہیں پایا تھا معلوم ہوتا ہے كديولف مذكور في ميال وسى مندكهي موجوب مرتضى كالكفي سع اوروه تخص جندو نے زید ابن علی ابن سے یہ دکرکیا وہ عباللہ بن ابی طام رے طبع موت

میں بیعبارت ساقط ہوگئی۔

جن لوگوں نے اس خطبہ کا ذکر کیا ہے ان میں علامہ طبرتی بھی ہیں۔ انھوں<sup>نے</sup> کتا ب الاحتجاج میں اس خطبہ کو کلام فاطبہ کہ کرنقل کیا ہے۔ اور وہ فرماتے ہیں س عبداللدابن سين في ابنى مندس ابني الطاهرين عليم السلام س ردايت كى كرجب مضرت الوكرف جناب فاطميلام الشرعليها كوفدك محروم كرف كاحتى اداده كرليا - اودان فطم كواس كى خبريني واب فاينا دويشراورها اوراي تنيس سرس بادل تكسيبا يا ادرابى كنيرول ورابى دم

جنت كى طرف لے جائے اور ميں گرا اى دي عول كرميرت بدر يزركواد محد اس كيند سه اور دمول بين جنبين اس نے بدول بنا كريسين ميطي بي مفتاره متاز بناليا - اورانفيي مبعوسف كرية سے بيلے بى انبياركوان كام ساكاه كرديا تقااورانهيس درحيارسالت برفالزكرسان سے پہلے ہی اصطفا کی منزل پر فائز کر دیا تھا۔ جبكسارى كلوق فيب كي تجاب سي برشيده اورعدم كے جولناك يردول سيس محفوظ كفى اور مدمدم سے والبتر تھی۔ یرسب اس ملے تھا كه فعاد ندعا لم كوانجام اموركي خريقي اورزمانك وادف كاس كاعلم محيط كي او عاقا - اور مقدورات كروق اس كالم كالدريق أن حصر فلك كو خدا وند تعالى الني امر ما ميت كو تام كرت ، استي حكم كوما دى كرست كى مشوطى اور المراد المستران المالية المراد مبورة فرايا. أسي معلم هاكرامتين ملامي مين متفرق بوتكي بين . كجراوك ، الش برستى بر الليس كولوك بتولكوني دستويي ادر کے لوگ با وجود فداک من کے علم کے اس کے منكريسي رسي خدا و ند تداني من ميرسد برريز كال محدم المعلق كارسيس التولى بعدين كى تاركييا ل دوركس عفلول كى شكلير عل فوليس اوربھیرت کی اکھوں یہ سے باد سے اٹاد سیا۔ أن صفرت في انها ون بريايك كالم خام إ

قَبْلَ آن إِجْتَبَاهُ وَاصْطَفَاهُ قَبْلَ آنُ إِبْتَعَنَّهُ الْمَاكَلُكُ بالقنب محكثونة و بستثراكاها ويلمصونة سُم إية العام مقرية عِلْمًا مِن الله تعالى بِمَالُ الْمُ مُؤْدِ، وَإِمَاطَةً بِحَوَارِثِ اللَّهُ هُوُرِ وَمَغُرِفَهُ بِمَوَا قِعَ الْمُعَنِّكُ وَرُو إِبْنَتَخَيَّكُ ' آلله تحالى إ ثبامًا كامرة وعزيتة على امضاع حُكْمِيم وَإِنْفَاذًا لِلْقَادِيْرِ حَمْيه، فتراى الاميم ضِرَقًا فِيُ ادْيَا نِهَا عُكُمًّا عَلَىٰ يِنْيِرَا يِهَا عَمَا بِلَا لَهُ لِأَوْ نَا نِهَا، مُسْئَكِرَكُا لِلهِ مَع عِدْ فَا نِهَا، فَأَ نارَاللهُ تَعِيَّالَىٰ بِإِنْ مُحَتَّيْرِصِ) طُلَّمَهَا ، وَلَيْنِ عَنِ الْقُلُوْبِ بهتها ، قحبل عن الآبضارغتسها، وقام في التاس بالهيماتية وَ مَ نُقَّدُ مُعْمِنَ الْغُوايَةِ وَبَعْرَهُمُ مِنَ الْعَمَا يَهُ وَهُمَّا هُمْ إِلَى اللَّهِ يُنِ الْقَوِيْمِ وَ دَعَا هُمْ

اس كاكونى سركينيس يركلمنه توحيد ده كلمهب حبى كى تاوىل غدانے صفت اخلاص كو قرار ديا ( نعینی ج شخص خالص خداکے لیے بغیر دیا اور فاسد غرضوں کے اعمال بجالائے ارتفیقیت وہی کار پوسیگر قائل ب اورمعتقد باوركلمرك طلب كعقال کے لیے لازم قرار دیا کہ اس کے بیٹی پیل دراس کلمیک حاصل عنی کو دسی دیر بان کے ذریعہ قوست فکریہ کے لیے واضح اور رومنن کردیا۔ امیا خداحس کی دو ان ظاہری آنکھوں سے کال سے من توزانیل سکا وصعت بيان كرسكتي بيس اور نه ويهم اس كي مفييت پاسکتا سے اسیا دینیسی اسی سے کے پيداكيا جواس كي قبل دسي موادرعالم كووجودي لا یا بغیرسی اسی مثال کے جینے پیداکرت وقت ببین نظر رکھا ہوان جیزوں کواس نے اپنی قارش سي فلن فرا إا ورابني شيت سے ميرواكيا حالانكه اس کوان جیروں کے سپاکرنے کی عاجت نکھی اورندان جيزول كوصورت وجودعطا كرية سي اسكا كونى فاكره تقا حرف اس كيد بيداكيا كه عقل دالول كواس كي مكست كاثوت ملي اور اس کی اطاعت اورا دائیگی شکر کی طرف متوج ہوب فداكى قدرت كا اظهار مواور بندس اس كى بندكى اقرادكري اورسغيرول كواس كى طرف الساس يس غلبه ماصل مو - كيراس ك ابني اطاعت ير ثواب مقرركيا - اور مصيمت برسزا قرار دى اكراين بنده ل کوایخ عذاب سے بچائے اور گھیر کر

مَوْصُوْ لَهَا ، وَ آنَا مَ فِي التَّفَكِرِ مَعْقُولَهَا المُسْتَنعِ مِنَ لَا يُصَادِ رُوْ يَبِتُكُ ، وَمِنَ أَكَّا لُسُن صِفَتُهُ وَمِنَّ أَلَا وْهَا مِرْكَيْفِيتَ ثُهُ إِبْنَاعَ كَلَّ شُيَاءً لَامِنْ شَيْعً كَانَ لَّهُ بُلُهَا وَ النَّقَا هَا بِلَا احْتِلَا اوْ النَّقَاءِ آمْشِلَةِ إِمْلَقَلَقًا ، لَوْنَهَا بِعَكُمْ يَهِ وَزَرَاهُا مِسَيْلَتِهِ مِنْ غَايْرِ عَاجَيةٍ مِنْ هُ إلى تَحْدِيْنِهَا وَلاَ قَائِلًا إِ لَهُ فِي تَصُو يُوهَا، إِلَّا تَشْبِينًا كيكمتيه وتتنبها على مَا عَدَيْهِ وَ إِظْهَا رَّالِقُلُارَةِ وَتَعَبُّنَا لِيهِ تَيْتِهِ، وَ إعْسَوَارًا لِللهُ عُوْمِتِهِ ثُمَّرً تجعُسل الثَّوَابَ عَلَىٰ طَاعَتِهِ ووضع العقاب عسل امَعُصِيَّتِهِ، زِيادَ يُ لِعِيا و لا عَنْ نِفْسَتِهِ وَ لِيَا شَدُ لَهُمُ إِلَىٰ جَنْتِهِ ، وَ أَشْهَا لُو أَلَّ آبي مختتما صلى الله عكيه وَالِهِ وَ سَلَّمَ عَبُنُ كُا وَ رَّسُولُهُ إِخْتَارَةُ وَانْتَجَّكُهُ قَبْل آن آئسك، وستالا

سيرة فاطمة الزبيرا

اموربین اوراس کے اسرار ورمور منگشف اور آشكار ہيں اُس كے طوام رہديدا اور حلى ہيں -أس كا اتباع كرفي والحي قابل رشك إي اور اس کی بیروی رضوان خدا کسینجانے دالی سے ادراس كوتوجر سيسننا نجات كك تعييج كرفي جا ہے -اسی قرآن کے ذریعہ خداکی منور جسیں یا ان جائی ہیں ۔بیان کیے ہوے داجبات معلوم ہوتے ہیں اوران محرات کی اطلاع ہوتی ہے جس سے خون دلا یا گیا ہے ، اور اسی قرآن سے خداکے مقررکردہ ستحیات معلوم ہوستے ہیں جن کی رغبت دلاني گئي سي ، اور ان سباح باور کا ية حلمام حضين خدان بندول مح ليحلال كردياب اورشرىعيت كى مقرركره وباوس كابيشر چلتا ہے میں خلاوندتعالیٰ نے ہم لوگوں کے بیے شرك سے إك بونے كا دسليدايان كواورمكيت برى بوك كاسب نا ذكوبناديا بي - زكاة كو نفنس کی باکیزگی اور رز ت کی زیادات کا ذریعیه قرار دیا ہے اور وہ اس لیے واحب کیا کد دین بی خبولی ایده موسعدل دانصات کو دلوں کنظیم ہاری اطاعت كوللت اسلام كانظ م اور درستى اور جارى المسكوتفرفك بلاسي بيخ كي ليالان قرارديا جباد كواسلام كى عزمت اورايل كفرونفا ق كى ذلت كاذرىيه بنايا يعيب عدي صبركران كتحسيل اج میں مرد گاراورامر بالمعروت ادر بنی عن لنکرمیں عوام الناس كے ليے مصالح ود نعيت فرمائے۔

وَالنُّوْسِ السَّاطِعِ وَالضِّيلِهِ اللامع ببينة تعتايكرة المُنكَشِفَةُ سَرَائِرُهُ مُتَبَعِلِيةٌ ظَوَاهِمْ وَمُغَلِّبَطَ يِهِ ٱشْيَاعُهُ أَفَا يُلاثًا إِلَىٰ الرِّحْنُوَانِ إِنِّبَاعُهُ مُوَدِّدِ إِلَى الْفِجَاعِ السِّينَاعُهُ بِهِ إِنهُ تُنَالُ مُجْتِعُ اللهِ الْمُنْوَتَرَةُ لَا قَ عَزَائِمُهُ الْمُفْتَدَى لَا وَعَجَارِمُهُ المُحْنَدَّىٰ مَا ثُورُ بَيِّنَا ثُهُ الْحَالِمَةُ وَبَرَاهِيْنُهُ الْكَاهِنِيَهُ وَضَمَائِلُهُ الْمَنْ وَبَهُ ، وَمُخَصُّهُ الْمَوْهُوْنَةُ وَشَرَائِعُهُ الْمُتَكُنُّوْبَهُ فِجَعَلَ اللهُ الأَيْمَانَ تَطْهِ بُرًا لَكُمْ مِنَ الشِّركِ وَالصَّلوٰةَ تَنْزِيْهَا لَكُمْ عَنِ الْكِبْرِ وَالْوَّكَانَةُ تَزْكِيةً الِلتَّفْسُ وَنَهَاءً فِي الرِّرُق، والصيام تثبيتا للأخلاص وَالْحَجَّ شَيْدِينًا لِلنِّ بْنِ وَالْعَيْنَالَ تَنْسِينُهُمَّا لِلْقُلُوبِ وطاعتت ينظامًا لِلْمِلَةِ وَإِمَا مَتَنَا آمَانًا مِنَ الْغُنِّ قَةِ وَالْجِهَا دَعِنَّا لِلْإِسُلَامِ وَذُلًّا كِلاَ هَلِ الْكُفْنِ وَ النِّعنَا مَ وَالصَّنَّرِهُ مُعُونَهُ عَلَى إِسْتِيْجًا بِإِلَّا حُبُر،

ادرانفیں گراہی سے د اکیا۔ صلالت سے ساکر بدایت کی ماه د کھائی دین قیم کی جانب ان کی رببری کی- اورصراط متقیم کی طرف انفیس بلایااور پیرخداوند تعالیٰ نے آل حضرت کو مرانی سے ان کے اختیار، رغبت وایثار کے ساتھ اپنی طرف بالياجانيده وجناب دار دنياكي زحمتون نكل كرواجت وآلم مي بهنج كلي الفيل الألاباد كهرب رست بين - رب غفادكي دضالين أغيش میں لیے بوے ہے۔ وہ ماک جباری مسالکی مسيهرواندوزين خداه ندتعالى درود ازام میرے پردبزرگوا ربیجاس کے بیمبراوراس کی وحی براس کے امین تھے ۔ اوراس کی مخلو قات میں اس کے برگزیرہ منتخب اوربیندیدہ تھے ، ان رخدا كا سلام ،اس كى رحمت اوراس كى كرتيس ناذل بوق عيرجناب فاطمدا بلمعلس كاطرف متوجم وسي اور فرايا اس بند كان فعالم أو فداک امردہنی کے بجا لانے کے لیے تصوب و مقرم و- اوراس کے دین دوی کے حامل ہو ا ور اینے نفوس کے اوپراس کے امین ہو، دو مسری امتون كى طرف خداكى عباب سيمبلغ بو، تدورك امتوں میں ضامن ادر کھنیل ہواس عددی کے اور وميت كي وفلاف فرس كيام اوراس لقيد كجن كوتم ربعدرسول فيتزار اردياب اوروه من ادر بقييض اي كتاب ناطق اور قرآن صادق ؟ ورساطع اورضیادالا معسب اس کی بعیرت کے

[آني الصِّراطِ المُستَقِينِينِ ثُمَّةً قبضه الله المدية وَإِخْتِيادٍ، وَمَ عُنْبَةٍ وَ إِيْنَا إِ فَهُ حَمَّ لُهُ (ص) عَنْ تَمَبِ هُ إِلَيَّ الِهَ الِ في دَا حَةٍ فَعَلَا حُعَثَ بالمسلاعكة الأثرار و يضوّان الرّب الْعَفّادِ وهجاورة الملك الجتبار صلى الله على أبي نبيته وَآمِينِهِ عَلَىٰ وَحُبِهُ وَ صَفِيتِه وَخِيرَتِهُ مِنَ الْخَلَيْ ورضيته والشكام عكنه ورحمته الله وبركاك رشُمَّ التَّفَتُّ إِلَىٰ آهُلِ المَتَّجُلِينِ وَقَالَتُ ) آنْتُمُّ عِبًا وُاللَّهِ نَصْبُ آمْرِهِ و نَهْيه وحَمَدَلَةُ وِيُنِهِ وَقَحْيِهِ وَمُمَنّاءُ اللّهِ عَلَىٰ آ نُفْسِكُمُ وَ بُلَغَاءُ لا إلى الأسمر، و زَعِيْمُ حَيْ لَهُ فِيكُرُ وَعَهُمْ لِي قُلَّا مُنَّهُ المَيْلَمُ ، وَبَقِيَّةٍ إِسْتَخْلَفَهَا عَلَيْكُمْ كِتَابِ اللهِ التَّاطِقِ وَالْفُسُرُ إِنِ الصَّادِيِّ،

تم ہی اوگوں میں سے ہے۔اس بیشان ہے کہم تكليف المفاذ - اوراً سيمفاري بسودي كالموكا مع - ایما ندادوں پر صددرحیر فین اور جراب سے بس أكرتم ان كى طرف كسى كونسبت دداوران كا تعادف كراؤلة تم ان كوميراباب باؤك ندكه ابني عورتوں کا - اورمیرے ابن عم (علی ابن ابی طالب) كالعانى بادك مناب مردول مي سيكسي كا اوروه جناب بهتر سيتخص بين حن كي طرف ينسب كى جائے يس صرت نے فلاكا پيغام بدايھي اوريورى طرح بينجادياس طرح كرضدا سس درانے میں بوری وضاحت سے کاملیا۔ اورشرکو كيمسلك سع بالكل علييده اورمخالف داه كال ہوے تھے مشرکوں کے مسلک کی مثاز حیزوں پر ضرب کاری لگاری سے اوران کا ناطقہ بند کے ہوے سکے اورایت پر در دکا اسے داستہ کی طرف مكس اوروظ عض منكرا تودعوت في المع كا یوں کو توڑرہے مقد اور اہل شرک کے سردادوں کو نگوں کر دہے تھے ہیاں تک کہ گردہ مشرکین کو شكست مولى - اور وه بيشيد كهيركر كهاك كارس موے - بہاں تک کہ جہالت کی دات ختم موتی -بدايعه كي صبح في جلوه دكها يا ادر حق ابني فألص شكل مين مودار باوا- دين كا دنكا بولنے لكا اور سيطان كالطق كم بوسك نفاق يدور كيين بلاك بو كے كفراور مي ديني كى كر بيس كفل كر رەڭئىس اورىم نے چند روسش نىسب اور گرسسىنە

مَاعَنِتُمْ حُرِيضٌ عَلَى عِلَى الْمُ إِبِالْمُؤْمِينِينَ رَوُّ فَ الرَّحِلْير) فَإِنْ تَعْزُولُا و تَعْزِنُونُو لَا تَجِدُاوُلُا كِيْ دُوْنَ لِسَاَّ عُكُمْ وَاخَالِبُنِ عَمِيِّى دُوْنَ رِجَالِكُمْ وَلَيْعُمَرَ الْمُعَنْزِينَى إِلَيْهِ فَعَلَّغَ الرِّسَالَية، صَادِعًا بِالتَّنَّارَةِ ، مَا عِلَا عَنْ مِي رَجِةِ الْمُشْرِكِينَ ضَارِبًا تُبَجِّهُمُ أَخِنَّا إِبِلِظَوِهِم دَاعِيًّا إِلَى سَبِيلِ رَبِّهِ بِالْحِكْمُتُهُ والنتؤعظة الخستنة بكسي ألاصنام، وَيَنْكُتُ الْهَامَ حَتَّى انْهَزَمَ الْجَمَعُ وَوَلُّوالِثُ يُرَ حَتَّى ثُفَّةً يَ اللَّيْلُ عَنْ صَبْعِيهِ وَأَسْفَى الْحُتَّ عَنْ مَحْضِهِ وَنَطَقَ زَعِيْمُ لَكِ بُن وَخُرِسَتُ شِقَاشِيُّ الشَّيَاطِين، وَطَاحَ وَشَيْظُ النِّفَان وَا مُعَلَّمْتُ عُقْلَا يُوالْكُفِّرُ وَالشِّفَاتِ وَفُهُنُّهُ بِكُلِمة إلا خَلَاصَ فِي تَغَيِر مِنَ الْبَيضِ الْحَيْمَاصِ وَ كُنْ أُمْرِ عَلَىٰ شَفَا حُفْرَية مِنَ النَّالِ مَنْ قَةَ الشَّارِبِ وَثُمُوزَةَ الطَّامِع وَقُلْسَةَ الْعَجُلَانِ وَمَوْطِئَ لُلِفَكُمْ لَّشُرَبُونَ الطِّرَ قَ، وَتَقُتَا فُونَ الْقِيلَ آدِلَةً خَاسِينِينَ تَخَافُونَ

والدین کے سا کانیکی کرنے کواس لیے واحب کیا كمغضب خلاس حفاظت ربي صلارهم اس مقرركيا كرعمرس برهتي دبين بقصاص اس كير قرارديا كرخور ريزى دك جائے لندرو وفاكرنے كى دا د اس سے كالى كىسندوں كى مغرب قصور عقى - بيانداوروزن إدراكرين كاحكماس سيع واجب كياكه توست دور بو بشراب بيني كي ماعت اس لیے کی کرئرے اخلاق سے بندے پاکسی ذناكا بي جاالزام لكانا اس في حرام كماكرلعنت كرساف ايك خياب اور مانع بيدا موصال چىرىكرىك كواس كيمنوع قرارد ياكدوسرول کے ال میں بے اجازت تصرف کرنے سے لوگ ا پنے تئیں پاک رکھیں۔ خدانے سٹرک کوائٹ ج صحوام كياكداس كى ديوبيت كا اقرار ظالص لنداخدا سے ڈر دج ڈرنے کا حق ہے ادر بیکشش كروكحب مروتومسلمان بي مرد-اه رضاكي الما كرو اداهرمين - اورجن الورسي منع كيا ب أت بازرمو ي شك ضاس درنے والے اسك بندون مي علماء بي بي عير حضرت فاطميت فرمایا (سلام مهدان پر) اے لوگوجان لوکرمیں فاطر موں میرے والد محرمصطفے ہیں جو بات میں تم سے پہلے سے کہدرہی ہوں دہی آخریک کهتی رابوں گی- اور میر جوکهتی بهون دہ فلط بینو كىتى - اوراينى نغل مىن مدسى تجاوز نهيس كرتى لقينًا بادك إس ضراكا دبى رسول آيا بع

وَالْأَمْرُ بِالْمُعَرُّوْفِ وَالنَّهُي اعَن الْمُنْكَرَمَضِ لِحَةً لِلْعَامَّةِ وَبِرَّا لُوَالِمَ يُنِ وِقَا يَةً مِنَ الشنخط وصلة الكنحام منسالةً في العُسْرِ وَالْفِصَاصَ حَفْنًا لِللَّهُ مَاءِ وَالْوَفَآءَ بِالنَّذَرِ تَعُرُيْشًا لِلْكَغْفِرَةِ وَ تَوْ فِيَةً المتكاميني والمتوادين تغييبرا لِلْمِيْنِينِ وَالنَّهَىٰ عَنْ شُرُلِ كُنْبُرُ تَنْزِنُهَا عَنِ الرِّجْسِ وَالْجَنِنَابَ الْقَنُ فِ حِمَا بًا عَن اللَّعُتَ قِ وَتَرُكَ السَّرُ قَامَ الْيَجَابَالِلُعِفَّةِ وَحَرِّمَ اللهُ الشِّرُكَ إِخْلَامًا لَهُ إِللَّهُ بُونِ بِيَّا فِي (فَا تَّفَوُّ اللَّهُ حَقّ أُنَّا رِّهِ وَكَانَّهُوْ ثُنَّ إِلَّا وَ أَنْ تُنْهُ مُسْلِمُونَ وَاطِيْعُولِللَّهُ رِفِيْمَا ٱصْرَكُمْ بِهِ وَنَهَا كُمْ عَنْهُ رَفَا تَنْمَا بَحَثْثَى اللَّهُ مِنْ عِمَا دِ مِ الْعُلَمَاءُ) نُتُمَّةً فَا لَتْ عَلَيْهَاالسَّلَام ا ٱيُّهَا النَّاسُ إِعْلَىمُوْ ا آتِیْ فَاطِمَهُ وَ إِنْ هُحُمَّتَ نُ (ص) آ مُوْ لُ عَوْدًا وَ مَانَ عُ وَلَا أَقُولُ مَا آقُولُ غَلْطاً وَلا آفَعَلُ مَا أَفْعَلُ شَطَطًا (لَقَانُ جَاءَ كُمْ رَسُولٌ مِنَ أَفْسُكُمْ عَزِيْزٌ عَلَيْهِ

111

بدایت بر کمرسته ، بندگان خدا کا ناصر، مفید ایس بيش كرين والاراور كوستسش اورسعي ملينج كرين والا تقاراور مر لوگ زندگی کی خوشگوارصالت میں رایے بیوے تھے۔اطبینا ن اور نوش طبعی کی حالت میں بیخون زندگی سرکررہے کھے ہم جیستیں سميرے كى ارز وكرتے تھے اور بھا رسے سيفتنول اورصیستوں کی امیدر کھتے تھے، تم لوگ جنگ کے موقعوں برنسیا ہوجاتے اورسیدان جنگ سے بھاگ حاتے تھے یس حب خدا وندعا لمنے اپنے مغیر کے لیے گذشتہ انبیاء کے گھراور اپنے اصفیا کے مسكن كوىسند فرمايا ( أن جناب كو دنيا مسائفا ايا) تم لوگوں میں نفاق اور دشمنی ظاہر ہو تی ۔ دین کی جا در بوسیده ہوگئی ۔ گرا ہوں کی زبان گھُل گئی ا در گنام اور دلیل لوگ انجر سی اور باطل بیستی او ش بولنے لگا ۔ اس نے تم لوگوں کے صحن میں اینی وم بلانی شروع کردی یشیطان اے اپنے كوشے سے سركالا،اس نے تھيں الانے كے ييا وازدى اورايني وازبرتم كولبيك كمتابوا یایا۔ اپنے قرمیب کی طرف تم کونگراں دیکھولیا۔ پھر اس نے تم کواپنی فرما نبرداری کے لیے اُسطے کا حكم ديا - تربمته مين فرزًا شيار بوسنه والآيايا اورتفيس كالركايا تواپني مددمين تقيين غضبناك اورتند پایا-لهذائم فراین اورث کے بدلے دوسرے کے اون کے داغا۔ اوراینا گھاٹ جھوڑ کر دوسرے كے كھا ف بريان پلايا يون جودوس كاحق تھا۔

لتَّنْكِصُوْنَ عِنْهَ النِّزَالِ وَ تَضِمُّ ونَ مِنَ الْقِيسَالَ فكت آختارالله لينبيه صلى اللهُ عَلَيْهِ وَ الله وَسَلَمَّةً دَارًا نُبِيا عِهِ وَمَا وَيُ أَصْفِيَائِهِ ظَهَرَتُ في المُرْحَسِينِكَةُ النِّفَاقِ وَ سَمِيلُ حِلْمَا اللَّهِ يُنَ وتطق كاظم الغاوين وَ نَبَعَ خَاصِلُ أَكَا قَلِّينَ وَهَدَدَ فَيْنِينُ الْمُبْطِلِينَ فخطر في عَرْصًا سَكُمْ وَ رَطُلَعُ الشَّيْطَانُ رَاستهُ مِنْ مَخْرَزِم هَايَقًا بِكُرُ فَأَ لُفِتَا حُثُمْ لِمَاعُوْ يَهِ مُسُرِّيِجِ يُبِينَ وَ لِلْخَرَجُ فِيهُ مُلَاحِظُينَ نُمَّ اسْتَنْهُ صَلَّاهُ وَتَجَلَّاكُمُ خِفَا فَا وَ آحُمَشُكُمْ فَالْفَاكُمُ عِضَا يًا تَوْسَمُ تُمْعَلُا إ بُلِيكُمُ وَآوْسُ دُ سُكُمُ غَيْرَ شِرْ بِكُمْ هُذَا | وَالْعُهَاكُ قُرِيْبُ وَالْكُلُمُ رَحِيبُ وَالْجُنْرُحُ لَنْتَا بَيْنُدَ مِنْ وَالرَّسُولِ لَهَمَّا

(روزه دار لوگ) معنی البلبیت رسول کے درمیان زبان يوكل وايت جاري كيا ودا خاليكة مهم نمك كنارب يرتق اليه بي مقدار حيي ييني والي كا ايك كمونك اورطم كرن واليكا ايك صلواد وتحلت كرف دالي الكرجيكاري-ادراكي دليل عق جیسے پیرتلے کی فاک گندہ یانی بیتے تھے اور بے دباعث کی ہوئی کھال چباتے تھے ذلیل تھے اور دھتکا رے ہوے محف اور قرر رہے محف کروہ لوگ جوتھارے اردگرد ہیں ترکو بلک درکروالیں ایسے وقت برضا وندعا لم في مراوكون كومير عبد بزركوا محرصطفي كي ذربعيس ان فكروس سيخات ي ان جیون ٹری بلاؤں کے بعداور میداس کے کہ ہادروں کے ساتھ ان کی اُز اکش کی گئی۔عوبے ڈاکدڈں اور اہلِ کاب کے سرکشوں سے آل حفرت كوسابقه يلائقا حبب كعيى ان لوكوں نے جنگ كى آگ عبركانى و خداف اس فاموش كرديا يا حب به بی شیطان نے سرا کھا یا مشرکوں کی شرارت كے الديب نے منه كھولاتو أن حضرت نے اپنے بعان على مى كواس بلاكيمندمير بهيجايس اس بها دعلی کی خان بیمقی کرده اس وقت کس زملیا كحبب تك اپنے پئيروں تلے ان ملاؤں كے مسر ر کیل دیے اور فت کی آگ نرجما دی وه فداکے بادے مین سنقت بردائشت کرنے والا تھا اورام تعدا میں پوری کوششش کرنے والا تھا دور ہرات میں ردول خداً سے قریب تقادا ولیار خدا کا سردار،

آنُ تَيْخَطَّعَكُمُ النَّاسِ مِنْ حَوْ لِكُمْ فَا نَفْتَنَ كُمُ اللَّهُ تَبَارِكَ وَتَعَالَىٰ بِأَنِي مُحَكِّرُون تعُدت اللَّتَّكَاوالتِّي وَبعد أَن مُنِيَ بِبُهَمِ الرِّحْتَالَ وَ ذُوْ بَانِ الْعَتَرِبِ وَصَودَةِ آهل الكيتاب (كُلَّمَا آوُفَتُهُ وَا نَامٌ الِلْحُتُوبِ إِطْفًا هَا اللهُ ) آ وُ تَجَـّمَ قَرْنُ لِلشَّيَاطِينَ آوُفَعَمَتُ فَا يَغُونُ مِنَ الْمُسْتُوكُ ثُنَّ قَنَ كُ آخًا ﴾ في لَهُوَانِهَا فَلَا يَنْكَفِي حَسَثَى يَطَاءَ صِهَا خِهَا بِآخُمُصِهُ وَيُخْلِدَ لَهَنَهَا بِسَيْفِهِ مَثَلُكُ وُدًا في ذَاتِ اللهِ عُجِنْهَ مَا فِي آمسُوا دَلْهِ فَكُونِيًّا مِنْ تَرْسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَ الله وَسَلَّمَ سَيِّمًا فِي أَوْلِياءَالله مُشَهِّدًا نَا صِعَا عُجِبَّنَ اكَادِمًا وَ اَ نُهُمْ فِي اللَّهُ يُدِّيةٍ مِنَ الْعَيْشِ، قادِعُونَ فَا كِهُو نَ إَمِنُونَ تَاتَرَبُّهُونَ سِكَا اللهِ والسِير و تَتَوَ لَقُوْنَ ٱلْاَخْتَ الْرَقَ

lyba

تيزكرنے لگے يتفيطان كمراه كى آدازىر لبيك کنے دین روسن کے اور جھانے اور بغیرر گزیدہ كىسنىۋى دە موكرنے برتيار ہو كئے لفام رمنے اسلام اختیار کردکھا ہے اور دراصل باطن میں نفاق ہے - رسول فداکے اہلیت اوراولادکے فلامن گنجان ورختوں اور حجا اليوں ميں محبب كر چال جلنے لگے - اور ہم لوگ محفارے افعال پر يون صبركرك للى مسيكون يمرى كى كاشاور نیزے کے سین میں ہوست ہونے یوسرکرا ہے۔ ادراب تم يركمان كرف لكم موكر كل كاليف بدر بزركا ك زكري كونى ق ورائت بنس م كيا ترجا بايت كاحكام ليندكرتي الدخداس المتركم كرية والا بقین رکف والی قوم کے لیے اورکون ہے کیا تم نهين جانتے نهيں بلينك تم جانتے ہواور تھاك يے يامرآ فتاب بضعف لنهاري طرح واضح مے كم مين بيغيركي مبيعي مون - كيون سيلما يو كيا تماس داضى موكرميرى ميرات مجمر سعيين لى جاف ادرك ابدتما فرك بيظ - بيكاب التنرس سيك توائي باب كى ميراف إك اورسى الني باب كى میراث نهاؤں - تونے پر کیابری اِت میش کے ہے کیا تم لوگوں نے دیدہ و دانستہ کتا ب ضاکو تھوڑ ركها ب اوراس كولس سين وال ديا م حالانك اس میں ذکرہے کر جناب لیمان اپنے باب داؤر كے دارك ہوے - اور جناب بجنی كے قصريں حضرت ذکریا کی یه دعا مذکورے که ضاوندا مجھ

الْغَوِيّ وَالْطَفَاءِ نُوْرِالِيّ بُنِ الجيلي وراهما دسنن النبي الصَّفِيِّ شُيرُ وَنَ حَسْوًا فِيْ اِدُ يَغَاءٍ وَتَسْشُونَ } هُلِهِ وَوْلُهُ لِهِ فِي الْخُسَرِ وَالْخَمَّاءِ وَ نَصْبُ رُمِنْكُ مُ اعْتَلَىٰ مِنْكُ حَيِزًا لمُنْكُنَّ يُ وَوَخُزُ السِّنَانِ فِي الْحَتَّمٰيُ وَآنَ نُناتُمُ الْأَنَّ تَزْعُمُونَ آنُ كَا إِرْتَ لِي (اَ فُعَكُمُ الْجَاهِلِيَّةِ يَبَغُونَ وَمَنْ أَحْسَنُ مِنَ اللهُ كُلًّا لِقَوْمٍ بِثِّ قِنْوُنَ ﴾ آ فَلَاتَعْلَمُونُنَ بَلَىٰ قَانَ تَجَلَّىٰ تَكُمُّوْكَا لِشَّمِسُ الضَّاحِيةِ آتِي إِنْنَتُهُ آيُّهَا المستلمون الغلك عملي إِذْ فِي يَا إِبْنَ أَبِيْ تَحْمَا فَهُ آفِي حِكابِ اللهِ آنُ تُرِثَ آباك وكارت آبي لَقُلُ جِنْتُ شَيْعًا فَرُبًّا، آفعكي عَمْيِ تَرَكَتُهُ كِتَابَ اللهِ وَنَكَنْ تُسُوُّهُ وَرَاءَ ظُهُوْ يِكُمْ إِذْ يَقُّولُ ارو ورت سُلِيَان دَاؤد) وْقَالَ فِيْهَا ٱقْتُصَّى مِنْ خَيْرِ يجيى ابن زكرِيًّا عُلَيْهُ مُمَّا السَّلَامُ

أسازردسى ابناق بناليا درانحاليكرترس رمول کے جدوبیان کا وقت قربیب تھا اوران کی جدانی کا وتم مراحقا بجواحت مندل نم ونی تقی اوررسول ضراً دفن كس من وس عقد كرشيطاني کاموں کی طرف تھے نے سیفت کی۔ یا گمان کرکے كمفتن كاخوت ميدابوكيا تفاء حالانكه يركمان غلط تقاءً آگاه مرحاة كرمنا نقين برجيري فتن میں جاگرے ہیں - اور جبتم بے شاک کا فرون کا گھیرنے والاسع - تم سے بحث تنجب سے تھیں کیا ہوگیا ہے اور تم کہاں حق سے مندمور سے ہو ہے م ادب موريه فراك كتاب مقادر دري موجود ہے۔ اس کے امورظا ہر ہیں اس کے احکام روشن ہیں اور اس کی نشا منیان اضح ہیں۔ اس کی تنبیهیں صاف وعلانیہ ہیں اور اس کے ا دامر اَشكا را بي -اليي كتاب كوتم في لي تثبت وال ركها ہے -كياس سے نفرت كركي مطيع التي ہو۔یاغیرقرآن کے ساتھ احکام جاری کرنے پر تیار ہوگئے ہو۔ طالموں کے لیے ان کے ظلم کا البعث برا بدله او رجتخص كداسلام كيسوا كسى اورطريقي برجليكا تو ده اس-سے قبول نزكيا حاك كا اوروه أخرت مين نقصان يا ن والوں میں ہوگا۔ پھر لم سف اتنی بھی تا خیر مذکی کہ فتته كى نفرت ذراكم موجاتى اوراس برقابو بإنا ورا آسان إدجانًا ملكهم في بيراك كواورزياده عير كاناستروع كرديا-اوراس كي چنگارياں

يُقْتَرُ إِبْسَدَارًا زَعَمِنْكُمْ خَوُفَ الْغِيْنَةِ (آكَا فِيُ الْفِنْتُهُ سَقَطُوا وَ إِنَّ جَهَنَّمَ لَمُحِيْظَةً "بِاللَّفِينِينَ فَهَيْهَا مَ مِنْكُمْ وَكَيْفَ بِلَمْ وَ إِنَّى تُوْفَكُونَ وَ هنا عدا كاكا الله بان آظَهُ وعُدُ أُمُورُكُ ظَاهِرُكُا وَأَخْكَامُهُ ظَاهِرَةٌ وَ آغُلَامُهُ بَاهِرَةُ وَزَوَاجِونُهُ لائِحَةٌ وَآوَا مِرْهُ وَاضِعَةٌ हों के किंके हैं है है जो व ظهُوُ رِكُمْ آرَ غَنْكُ عَنْهُ تُكُا بِرُونَ آمْرِيبَ بُرِي تَعْكَمُونَ (بِئُسُ لِلظَّالِمِينَ تِدَ لَاط وَ مَنْ يَبْتَغ غَيْرًا لا سُلَامِ دِنْيًّا فَكُنَّ يَّقْبَلَ مِنْهُ وَ هُوَ رِفِي ﴿ الأخِرَة مِنَ الْخَيْرِينَ) المُمَّرِكُنُ تَلْبَتُوا إِلَا رَيْثُمَا تَسْكُنُ نَفْلَ تُهَا وَلِيسُلْسُ مُحْدُمُ مُحَدِّمَةً مَحْدًا لِمُعَالِمُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّ تَوْمُ وُنَ وَ مِسْلَ تَهَا وَ تُهَبِّجُونَ جَمْرَ تَهَا وَ سُنَجَيْنُ الشَّيْطَانِ

اورتیاست کے دن اطل پیست گھا نے میں رہیں کے اور اس وقت کی نمامت م لوگوں کو فائده ندينچاكى- برامركى ليه اكاف تعقو م اورعنقریب تم اس خص کرمعلوم کرلو گے جس میر عذاب نا ذل بوكراس رسواكر يكا ادراس كيا دائمى عذاب مقرر بوكا - بعرجناب فاطرانصاركي فر متوج بوئيس اوريد فرايا- استجوا بفردول كروه اك ملت كے دسملہ ما زور كے اسلام كى حفاظمت كرف والواميرے حق ميں كيسيى ستى ہے -اور ميرى فريادس كيسى غفلت سي كيامير دربراوا تھادے دسول پہنیں فراتے تھے کسی خص كى حفاظت اس كى اولادكى حفاظت كركے بوتى ہے ، کتنی طدی مہنے دین میں معت بیداری ا دراس کے قبل از دفت مرکب ہوے ۔ درانحالیکہ مم كواس باست كى طاقت صاصل معرص كامير مطالبه کرتی ہوں اور تم کو قوت صاصل ہے اس بييزيرجوس تم لوگون سيطلب كرديري مون ال ير فيك ب جناب محمطف في انتقال زايا لس يهبت برى صيبت بيحس كارحنه وسيع خِيتِرَ اللهُ اللهُ المُصِيِّكِيّة وَكَسَفَتِ السّيصِ كَا شَكَاف بسن ذياده مع -اوداس كا النَّكِيمُ مُن وَالْقَدُو وَانْتَ رَّتِ الصال انزان سع بدل جِكاب انسان اللَّهُ مُن وَالْقَدَ وَانْتَ رَّتِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ مِن اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مُن اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مِن اللَّهُ مِن اللَّهُ مِن اللَّهُ مُن الللَّهُ مُن اللَّهُ مِن اللَّهُ مِن اللَّهُ مُن اللَّهُ مُلَّا مُن اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُن اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مِن اللَّهُ مِن اللَّهُ مِن اللَّهُ مُن اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مُن اللَّ آ فار سے اریک ہوئیکی ہے۔ خدا کے برگزیدہ بندسه ان کی صیبت میں محزون دینموم کیت ہیں اً ضِنْعَ الْخُتُوبِ عُرُوا إِنْيَاتِ الْحُوْمَةُ الشَّمْنُ قرب بذرا ورستادے بردیثان ہیں -ان عينكا متسك يه فكت النف اركوادى دات ساجوار ديس والبشاهين ده

تَعْلَمُونَ مَنْ تَايِيهِ عَنَ ابُ يُّخُزِن و تَجِلُّ عَلَيْهِ عَذَابُ مُّقِيْمُ عُمَّرَتَتُ بِطَرُفِهَا تَحْوَاكُمْ نَصَارِ (فَقَالَتُ) بَا مَعْفِرَ الْفِتْيَةِ وَآعُضَا دَالْمِلَّةِ وحضنة الإشكامين و الْغَمِينُوَةُ فِي حَقِي، وَالسِّنَةُ عَنْ ظُلَّامَتِيْ، أَمَاكًا نَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَ اله وسَلَمُ رَبِي يَقُولُ (المُوعِ يُحْفَظُ فِيْ وَلَى لِا) سَرُعانَ مَا آحُدَ نُكُثُرُ وَيَحَالُانَ ذَا إِهَالَةً وَلَكُمْ طَاقَهُ مِهَا الْحَاوِلُ وَتُوَّ وَمُعَلَىٰ مَا أَطْلُبُ وَأَزَاوِلُ وَ تَقُولُونَ مَاتَ مُحَمَّدُهُ تَحْطُتُ جَلِيُلُ إِسْ تَوْ سَعَ وَهُنُهُ وَاسْتَنْهَرَّ فَنَقُتُهُ وَانْفَتَنَ ، رَثْقُهُ وَ ٱطْلَمَتِ الأرُصُ لِغَيْبَتِيمُ وَاكْتَا بَتْ التَّجُوْمُ لمِصْينَبَتِهِ وَٱكِّدَتِ الآمالُ وَخَشَعَت الْجُمَالُ وَ

اینے پاس سے ایسا وارت عطا فرما - جومیری میراث بائے اور آل بعقوب کا ور شرعبی کے۔ بھراسی کتاب میں ضاد ندتعالی فرما تا ہے کہ متھا رارب مجھاری اولادکے بارے میں مرکوفیت كتابي كاميرات كيفسيمي ايك مردكودة عورتون ے برا برصد دو۔ معراد شادے کہ اگر کوئی مرت وقت ال جيوڙے أو ووالدين اور قرسي إشترارا کے لیےنیکی بینی میراف کی وصیت کرمائے۔فعا قيه فرما كاس اورتم ك كمان كردها ي كميرا كول حق إى البيس ب- س اين إب كاداره ہی بنیں بھی ت اورہم اوگوں کے درمیان کونی رجى قرابت بى بنيس ب كيا خداوندعا لم ال معالم میراف میں تم کوکسی آیت کے ساتھ محصو كيام يحس سيرب بدرزرگواركوستنى كرديا سع ما تم كتي موكرد علت دالے اليس ميں ايك دوسرے کے دارے بنیں ہوتے۔ توکیا میں اور ميرے والد بزرگواراكي الت ريسي ميں مثا يرتم میرے بدر بزرگواراورمیرے ابن عم (علی )کن بت خصوص وعموم قرآن كوبهتر سيحييت بو- الجها آج فدك كواس طرح قبضدس كراديس طرح مارو الان بسترنا قرقيضيس كياجا تاس ك نتائج سے) توقیامت کے دن اے ابو بربلاتی بركا ـ اور خدا وبدتعالى بست اجماحكم كرف والا بوكاء ورمجر بهار صضامن وكفيل ببول كيسي ا سے ابو بکرمیری ادرتیری دعد وگا واب قیامت،

إِذُ يَقُّولُ رَبِّهِ هِبِ لِي مِنْ لَّهُ دُكَ وَلِيًّا يَرِثُنِيُ وَيَرِثُ مِنُ إلى تَعِنْقُوبَ) وَمِنَ الْ رَوْ أُوْلُوْ ٱلْأَرْحَامِ تَعِضُهُمُ أَوْلِيَ بِبَعِضِ فِي كِتَابِ اللهِ) وَقَالَ (يُوْصِينَكُمُ الله فِي أَوْلاَدِكُمُرُ للِنَّ كُومِتُلُ حَظِّ الْكُانْلَيَيْنِ) وَ قَالَ ( إِنُ تَرَكَ خَيْرَ الْوَصِيَّةُ لِلْوَالِلَ يَن وَالْمَا قُرَبِينَ بِاللَّعَوْدُونِ حَقَّاعَلَى الْمُنتَقِينَ) وَرَعَمُنتُمُ آنُ لَاحَظُوعَ لِي وَلَا إِنْكَ مِنْ آبئ وَلَا رَحِمَ بَيْنَنَا ٱلْخَصَّاكُمُ اللهُ بِاللَّهِ آخُرَجَ مِنْهَا إِنَّ رَس آمُ تَقُولُونَ آهُلُ مِلْتَيْنِ لَا يَتُوا رِثَانِ آوَلَسْتُ آنَاوَ آبَيْ مِنُ آ هُلِ مِلَّةٍ وَاحِدَ قِ آمْ اَنْتُمُ اَعْلَمُ اِلْحُصُوطِ الْقُرُانِ وَعُهُوْمِهِ مِنْ آبِيْ وَابْنِ عَيْنِي ا فَدُ وْنَكُهَا عَخُطُوْمَةً مَّرُحُولَةً قَلْقَاكَ يَوْمَحَشُوكَ فَيْعُمَ الْحَكَمُ اللَّهُ وَالزَّعِنْمُ مِحْمَدًا وَالْمُؤْعِدُ الْقِتِيَامَةُ وَعِنْكَا الله عَاعَةِ يَحْسَنُ الْمُبْطِلُونَ ، وَلا يَنْفَعُكُمُ إِذُ تَنَنَّا مُوْنَ (لِكُلُ نَبَاءٍ مُّسْتَقُنُ وَسُوْفَ

تھارے پاس ملے کے لیے ہمیار عی بی اور سپرريجي اين - تم تک ميري پار پنج راي ب مرتم لبيك ينس كت مفارك إس فرادك اوادارانی مے اور فریادرسی نمیں کرے -درانخاليكرتم دستمنول سعمقا بلركريخ كي طاقتك استعداد رکھتے ہو۔ اورخیروصلاح کے ساتھ مشہو ومعردت بهو-اورثم وه منتخب افراد بهوادرا ليس عده بور مقس بم البسية كي لي افتيار كرايا كيا تقار كمت غرب سے جنگ كى يقب اور مشقت بردائت كي- دوسرى المتول سي جبك كى اوربها درول كامقا بلدكيا يس ميشيم مكركدة رہے اور تم ہما داحكم مانے رہے بيان أكر كوب ہادے ذریعے سے سیائے اسلام نے دورہ کرنا سروع كيا . زمانه كالفع برهنا سروع بهدار شرك كي وازدب كني ادرهبوث كافواره سندموكيا كفر كى آگ بجيركنى اور فقىندۇ فىيادى أوازىندامۇلكى -دین کا انتظام درست موگیا تواب تم حق کے واضح ہونے کے بعد کماں اس سے من مود کے بو ادراعلان حق کے بعداس کی دازکو جہائے ہو۔ اکے بڑھ کے پیچے بہف رہے ہوا درایان لانے کے بعید شرک ہوے جاتے ہو۔ خدا براکرے ان لوك كاجفول في است عدد كوراء اور اسول على نے يرآ ما ده بوے اوراعفول في بادي دي یں دوسروں کو ملانے کی ابتدائم سے کی۔ تم ان درسته بودرانحاليكه خدازياده حق دارسيم كمتم

تُغِيلِنُونَ وَ } نَتُمُ مَوْصُوفُونَ بِالْكِفَاحِ مَعْدُوفُونَ بِالْخَيْرِ و الفَّلَاح وَالْفَنَّبَّةُ الَّذِي ٱنْتَخِبَتُ وَالْخِيرَةُ ٱلَّتِي اختيرَتْ لَنَا آهُلُ الْبَيْتِ قَا تَلْتُكُوا لَعَرَبَ وَيَحْتَلْنُهُ الكنة والتَّعَت وَنَا طَخْتُمُ الاُمَّة وَكَالْخَنْمُ النَّهُمَ فَلَا نَبْرُحُ وَ تَنْبُرَحُونَ نَا مُرُكُمُ فَتَا تَمْوُونَ حتى إذا دَارَتْ بِا تَحَى الإسْلامَ وَدَيَّ حَلَّيُ الْمَ يَا مِرْ وَخَضَعَتُ نَعْتَرَةُ الشِّيرُكِ وَسَكَّنَتُ وْمَ وَ الْإِفْكِ وَخَمَلَاتُ نِيْرًا نُ الْكُفْنِ وَ هَدَاتُ دَعُونُ الْهَرَجِ وَاسْتَوْسَقَ نِظَامُ اللَّهِ يُنِي كَا يَنْ حُونتُمْ بَعْنَهُ الْبُيَّانِ وَٱسْتَرِيْنُ ثُمُّ بَعُنَّهُ لَا يُعَلَّانِ وَ تَكْمُنْ لُكُ بَعُنْ الْإِقْلَا الْمِوَ الشَّرَكْتُمُ بَعِنْ أَلْ مِنْهَانِ (يُؤْسَالِقَوْمِ تَكَنُّوا إَيْهَا نَهُمُ وَ هَمُّوُ باخِرَاج الرَّسُولِ وَهُمْر بَدَ وُوْ كُمُرا وَلَ مَوْقِ

ختم بو فيكيس اس صيبه عدين بيارون كول عي آب آب بورسے بیں ۔حرمت دسول ضائع کردی گئی۔ اور تریم رسول کی عظمت لوگوں کے دلوں سے الطاكئي يس مصيب تسمفداكى مست برى ملاادر عظیم صیبت سے -اس کے مثل کوئی اور الابنیں اور شاس سے زیادہ بلاک کرنے والی نیزمسیب ادراس بلاكى فرضائ برترى كابين فدة تهار گھردں میں صبح د شام ہنا بہت خوش الحاتی کے مثا بلندا داز کے ساتھ بینچا دی گئی تھی۔ ادر ہے شک ال حفرت سے پیلے خدا کے بیغیروں اور اسواون جرمصيبتين نازل بوئين وه امرواقعي ادرفضائي حتى عقين جنائج فدا فرما ما ب كه محر فقط فدامك ومول تق -ان ك بيشتر بعبى بهبت سع رسول كزرهيكي إين ولبس الرمخ مرجائين ياقتل موجائين وتوم لوك البيغ بجليله بيرون البينسان حابليت كَ الزيب يرمليك جا وُك راور جبيمض تعبي اين مجيل بيرون پربينظ كا ده مركز خدا و ندعالم كوكوني صررة ببنجا سك كا-اورخدا وندعا لم عنقريب شكر كرف دالون كوجزاد سيكا-ات قبيله أوس وخراجي اے انصاد محد إميرے باب كى يراث مرظام كيا جادے ورانحالیکہ تم میری آنکھوں کے سامنے مور ادريس متفاري أواز سن كتي مول سي اورتم الكسائي محمي مين موجود بين و تمسب كيمسرير تفنيع سدواتف ببوتم سب حجفه واليموتم مآد إس ساما بن جنگ موج ديد مم قوت ركھتے ہو۔

وَاللهِ النَّازِلَةُ النَّكُرُى وَالْمُصِيدَةُ الْعُظْسَى الَّتِي اللمِفْلَهَا تَا زِلَةٌ وَلَا بَائِقَةٌ عَاجِلَةٌ الْفُلْنَ عَالَمَ اللهِ جَلَّ ثَمَنَا عُولُ فِي آ فَيْدِيتِكُمُ \* في مُمْ اللهُ وَمُصِّبِكُمُ وَمُصِّبِكُمُ مِثَاقًا وَصُمَّ اخًا وَتُلَاوَةً وَالْحَانًا وَ لَمَّنْ لَهُ مَا حَلَّتْ بَا نَكِمَاءِ الله وَمُ سُلِم عَلَمْ وَقَصْلٌ وَقَصْلٌ وَقَضَاءٌ حَثُمُّ ( وَمَا شَحِبَ لَهُ إِلَا رَسُولُ اللهِ رَسُولُ قَالْ خَلَتْ مِنْ قَبْلِهِ الرُّسُلُ اَ فَأَنَّ مَنَّاكَ آوُ قُلْتِلَ الْقَلَيْتُورُ عَلَى إَعْقًا بِكُمْ وَمِنْ نَيْنَقَلِبُ عَلَىٰ عَقِبَدُهِ فَلَنْ تَبْخُرُ اللهَ مَنْ فِي اللهُ الشَّاكِرَينَ اللهُ الشَّاكِرِينَ أَيْهًا بَنِي قَيْلَةً أَأَهُضَهُ تُوَاتَ آ إِنْ وَ ٱلْتُكُومِ مِنْ أَيْ مِّنِيْ وَمَسْمَتِع وَمُلْتَلَى يَ هَجْمَعِ تَلْسِلُمُوالِنَّ عُوَةً كَشُمُتُكُكُمُ الْخُيْرُةُ وَ انْتُكُمُ رَوْوالْعُكَة دِوَالْعُرْثُكُ فِي وَ الْمَ كَاتِ وَالْقُولَ لَا وَعِنْكَ لَكُمُ الشَّلَاحُ وَالْحُدِّقَةُ ثُوًّا فِيكُمْ الذَّعُولُ قَلَا تَجِينُونَ وَ يَا يَسَكُمُ الصَّرْخَةُ وَلَا

آئَ مُنْقَلَبِ لِيَنْقَلِبُونَ ) بازگشست کتنی بُری بوگی - میں اس سِغیبرکی مبیلی موں جوئم كوئمقارے سامنے آنے والے عذاب وَإِنَّا ا يُمَنَّهُ تَانِ يُرِلِّكُمُ بَايُنَ يِّتَ مَى عَنَ إبِ مِنْكِ بِيلٍ - شديد عدراتا عقا لبِن تم ابنا كام كرو-اور (قَاعُمْ لَوْ اللَّهُ الله الدر وَانْتَظِوْوْا إِنَّا مُنْتَظِوُونَ ) مِمْ مِي انظاد كرت إلى -بناب فاطرعليها السلام كايه كلام سن كرحضرت ابد بكراس طرح كوم وفشات نبوك اے رسول فداکی میٹی۔ یقینا آب سے پدر بزرگوارمومنین برجمر این منفیت رافت ورثمت والے عقد - اور کا فروں کے لیے در دناک عذاب اور بڑی عقوب تھے يس اگريم ان كا ذكركريس تو تام دينا كى عورتول مين ان كوصرف آب كا باب اور مردوں میں صرف آپ سے شوہر کا بھائی پاکیں کے جن کو آل حصرت نے اپنے مردوست برمقدم رکھا تھا۔اورآپ کے شو ہرنے مبر بڑے امریس آل حفرت کی مد دكى - تم المبسيت كونه دوست ركه كالمكر نيك محست خص - اورنه دستمن له كل كا مگرشفتی اور بر جنت به تم رسول خداکی پاکیزه عترت اور بین دیده افراد موتم لوگ خیر کی طرف ہما دے رہبر اور حبنت کی جانب ہما دے ہا دی ہو۔ اور کے مبترین نساد اور بسترین ا نبیا کی دختری این قبل میں سچی اورایتی نیادتی عقل میں سب سے خدائی نوتو میں نے رسول اشد کی دائے سے سجا وزکیا ہے اور شان کے بغیراؤن كونى كام كيائ ملاش أب وداندين أكب الكياف والاسيفال سيحموث شيس ولتا میں ضاکو گواہ قاردیتا ہوں اوردہ گواہی کے لیے کافی ہے کہ میں سے رسول خدا كويركيت مناكرهم كروه انبيارنة سوفيا الدى كوميرات بين جهورت بب ادر دمكان دجا مداد، بهم كروه انبياء توكتاب حكست علم نبوت كوداشت ي جود حلية ہیں -اورج مجھ ہا را مال ہوتا ہے وہ ہا رے بعدولی امر کاحق سے -اسے اختیار سے کہ وہ اس میں این حرماری کرے۔اور تم جو انگ رہی ہونینی فاک اس کو ہم نے حبائی گھوڑوں اور آلات جرب کے لیے عصوص کرد ایس کے ذریعہ سے مسلمان كافروں سے قتال وہبادكريں كے اورسكرش فاجروں كامقا لمريس كے

اس سے ڈرو پشرطیکہ تم مومن ہو۔ میں دیکھ دہی ہو كة تم أوام طلبي برمائل مو كئے ہو۔ اوراس بزرگ (علی) کودور کردیا ہے۔جودین کے صل وعقد کا دیاده حق دادم - تم زندگی کی تنگی سے نکل کر وانگری سی ای می اید اور دین کی این جو مجھ تمن یادی ملی ان کو ممن دماغ سے بالکل نكال كر عيبيتك دياس اورحس يان كوسترس مجركر بيا عقا اس كوئم في أكل ديا يسي الرئم لوك اورتمام اس زمین والے کا فرہوجائیں تو خدا کو كونى يرداه نهيس ب -آگاه بوجا وكور في كهام وه اس ترك لصرت كوجا نتے ہوك كماسي و مقارب مزاج مين داخل بوكني سبع-ادراس غداری کوجانتے ہوے کما ہے جس کو متمارے داوں نے جھیار کھا ہے یعنی میں جانتی کھی کہتم میری فرماید پر لبیاب نہ کہو گے لیکن یہ جوکچیرین نے کہاہیے دہ عمر کا اظہارہے۔ کھولتے ہوے دل کی آہ ہے۔ اب یہ ناقم (حکومت یادین) تقارب سائے ہے اسے لواس پر پالان با ندھور گریاد رہے کراس کی سینت مجردح سے اور باؤں زخى بير- اس كاعيب إتى دين والاسحس عضب ضماكي نشاني اور دائمي رسوال كالشاب فدائی اگ سے تصل ہے جو برک رہی ہے۔ اورقيامسدس داول يروار دبوگى سپ جو كھ كرتى بويادكرد كده فعاكى نظرك ساسن ب ادرعنقربيب ظلم كرنے والے جان ليس كے كران كى

ٱلْمَخْشُونَهُمُ فَا لللهُ آحَقُ آنُ تَخْشُو لُا إِنْ كَمْنْ تُصُمُّوُمُونِينَ، أُلاقَانُ ٱرَىٰ آنُ قَانُ ٱخْلَنُاتُمُ إلى الْحَفْضِ وَآبُعَدُ ثُمُومَنُ هُو آحَتُ بِالْبُسَطِ وَالْقَبَصِ وَرَكَنْتُهُ إلى اللهَ عَهِ وَيَجُونُكُمُ مِنَ الطِّينِ إِللَّفَهِ فَعِيَّجُتُهُمَّا وَعَبْتُهُ وَرَسَعْ نُمُ الَّذِي نَسَوَّعَ نُكُرُ (فَانُ تَكُفُّنُ وَا آ نُتُمُ وَمَنْ فِي اللهُ رُضِ جَمِيْعًا فَإِنَّ اللهَ لَغَنِيُّ حَمِينٌ) آلاوَقُنُ قُلْتُ مَا ثُلْكِ عَلَىٰ مَعْمِ فَهِ مِسِيِّى بالخنة لَهِ الَّذِي خَاصَرَ ثُكُمُ وَالْغَنَّهُ رَيِّهِ النَّتِيُّ اسْتَشْعَرَّهُمَّا عُلُوْ لَكُمُ وَ لَكِنَّهَا فَيْضَمُّ النَّفْسِ وَبَيَّةُ الصَّهُ رِوَنَفُتُهُ الْغَيْظِ وَ تَقْدِمَتُ الْحُكِبَةُ فَلُ وُ تَكَمُّوْهَا فَاحْتَقِبُوُهَا وَبِرَةَ الظَّهُرِلَفِيبَةَ الْخُفْتِ بَافِيَّةَ الْعَارِمَوْسُوْمَةً بغَضَبِ اللهِ وَشَنَا رِلْكَابِلَا مَوْصُوْلَةً بِنَارِ إِنَّهُ اللَّوْقَكَةِ الِّينُ تَظَّلِعُ عَلَى لَمَّ فَيْلَ فِي فَيِعَيْنِ اللهِ مَا تَفْعَلُونَ روستيغلو الني بن ظلموا

نفسوں نے تھادے سائے ایک بڑے امرکو مستحسن اور خوشنما بناکر بپیش کردیا ہے بہی میرے میصر حمیل ہی سناسب ہے اور چ باتیں تم بنا رہے ہواس پر ضدا ہی سے مدد طلب کی جاوے گی۔ وَالشُّبُهَاتِ فِي الْغَابِرِيُنَ، كُلَّا بَلْ سَوَّلَتُ لَكُمُّ الْفُسُتَكُمُ الْمُسَوَّلَتُ لَكُمُ الْفُسُتَكُمُ الْمُسُتَّعَانُ عَلَىٰ مَا تَصِفُونَ الْمُسُتَّعَانُ عَلَىٰ مَا تَصِفُونَ

اس پر حضرت او بکراس طرح گرافشاں ہوئے:
خدا بھی ستیا ، خدا کا رسول بھی ستیا ، اور رسول کی بیٹی بھی بیٹی ، تم مکر کے معدان اور دین کا ڈکن ہو۔ بھاری درست باقد کوئ سے دُور میں ہوئے۔

ہزارے ورحمت کا مسکن اور دین کا ڈکن ہو۔ بھاری درست باقد کوئ سے دوریان یہ مسلمان ہیں ۔ خبوں نے مجھے حاکم بنایا ہے ، اور میں نے جو کچھ تم سے جھین کرا بینے مسلمان ہیں ۔ خبوں ان ہی سلمان کوئ سے جھین کرا بینے قبض میں لیا ہے ، وہ ان ہی سلمان بی سلمان سے اور یہ لوگ اس کے گواہ ہیں ۔

ہرف دھرمی کی ہے اور زنت ابنی رائے سے کا م لیا ہے ۔ اور یہ لوگ اس کے گواہ ہیں ۔

ہرف دھرمی کی ہے اور زنت بابی رائے سے کا م لیا ہے۔ اور یہ لوگ اس کے گواہ ہیں ۔

ہرج اب سن کر جنا ب سے ، وگوں کی طرف متوج ہوئیں اور فرنا یا :
ہرج اب سن کر جنا ب سے ۔ وگوں کی طرف متوج ہوئیں اور فرنا یا :-

مَعَاشِهَ النَّاسِ الْمُسُرِعَةُ مَعَاشِهِ النَّاسِ الْمُسُرِعَةُ النَّاسِ الْمُسُرِعَةُ النَّاسِ الْمُسُرِعَةُ عَلَى الْعَبْرِ الْعَلَى الْعَبْرِ الْعَبْرِ الْعَبْرِ الْعَبْرِ الْعَبْرِ الْعَبْرِ الْعَبْرِ الْعَبْرُانَ عَلَى قُلُو الْعَبْرُانَ الْعَبْرُونَ الْعَبْرُونَ الْعَبْرُونَ الْعَبْرُونَ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ الْعَبْرُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللْمُلْ

ادر یہ چیزیں نے تہنا اپنی دائے سے ہندی کی بلکرسلیا نوں کی اجاع کی مدد سے کہ ادر یہ چیزیں نے تہنا اپنی دائے سے ہندی کی بلکرسلیا نوں کی اجاع کی مدد سے کہ در بینی اور آپ سے در بینی نور کر دار ہیں۔ اور اپنی اولاد کی در بینی نور کی امت کی سردار ہیں۔ اور اپنی اولاد کی سے مجر کہ طبیبہ ہیں۔ آپ کی تضییلت کا انکار نہیں ہوسکتا اور آپ کے فرع واصل کو بست مندیں تھے جو میری ملکیت ہے۔ بست مندیں تعجمتی ہیں کہ میں نے ان باقوں میں آپ کے پرر بزرگوار کی خالفت کی ہے۔ بسس کیا آپ مجمتی ہیں کہ میں نے ان باقوں میں آپ کے پرر بزرگوار کی خالفت کی ہے۔ مصرت ابو بجری یہ با بتیں سئ کرجناب فاطر کے فرمایا ،۔

سبحا ف اشرمير عبد بزرگوارد توكاب فدا سے دوگردال محق اوراس کے احکام کے تفالفت اللاس كي كمك ما يع ادراس كي وروس ك يُروك يروك وكالم لوكون في دسول الشريجيوك بالدهكراس كے ذريعه دغا بازي راجاع كرايا ہے -ال صفرت كى وفات كى بعديم وكافيسى ای ہے جیسے آن جناب کی زندگی میں ان کو اللك كرك كي جادى هى - يكتاب فلاء ماكم، عادل، فيصلوكن اطن براس كاارشادي جبيا كرصرت ذكريان كها ده لواكا براهي ورث ادرال بيقوب كالعبى درفسك اادرييمي ارشاد فرما يا كرحضرت مليمان في جناب دا دركا ورنزليا ـ بس خداه ند تعالى نے جو مال كي تسيم ومیراف کی صد مقرد کردی ہے۔ ادر بنی ادم کے مردون اورور وي كا ميرات مين جوهد قراد ديا م اس میں دہ چیز بیان کردی م جاطل بود كى غلط دليلوں كودوركردك اوركيندون لوركم گهان اورشهات كوزائل كرديد بيشك تعالى

سُبْعَانَ اللهِ مَا كَانَ آئِي رَسُول الله (ص)عَنَ كَتَابِ اللهِ صَادِقًا وَلَا لِاحْكَامِهِ مُحَالِقًا بَلْ كَانَ يَلْبَعُ مَا فَرَهُ، وَلَقِمَعِيْ سُوَّرَ ﴾ آ فَتَمِعْمَعُونَ إِلَى الْغَنْدِ إغْتِلَا لَاعَلَيْهِ بِالزُّوْسِ وَهُنَا بَعْنَ وَفَا يِهِ شَبِيتُهُ بِمَا لَيُنْنِي لَهُ مِنَ الْغُوَائِلَ إِنْ حِياتِهِ هِنْ الْكِتَابُ اللهِ كُلْمًا عَنْ لًا وَ نَاطِقًا نَضِلًا يَقُولُ (بَرِيثُنِيُ وَيَرِيفُ مِنْ ال يَعْقُونُ وَ بَقَوْلُ (وَوَرِثَ سُلَيْمَا نُ دَاؤُدَ ) فَمَا يَنَ عَزَّوَجَلَّ فِيُهَا وَزَعَ مِنَ إِلَا قُسَاط، وَ فَتَوَعَ مِنَ الْغَمَ النَّضِ وَالْمِيْرُاثِ أَوَا بَاحٌ مِنْ حَظِّ الدُّ كُوَّا ن وَالْإِنَاتِ مَا أَزَاحَ عِلَهُ الْبُطَلِينَ وَآزَالَ التَّطَيِّي

يراكميرس العين بها درول كوزيركيا) ادرآج اب كى يدسروسا ان آب ك ساعر خيان كرداى سي ديوني أبيدمغلوب موكي مي دي ابن ابی قعاد میرے باب کےعطیداورمرے بجرکا 一点をこの「テレッション」 عِبْكُوا كرف مين اپني يوري قوت صرف كي ادر میں نے اسے اپنی گفتگوسی بڑا صفقی پایا حد تو يه الفادية مي سرايي نفريد كال اورجاجرين فصلارهم كاخيال نزكيا -اورورس جاعه نے میرے میں میں شیر دیشی کوراہ دی ۔ حالت يدسي كريز تؤكوني وشمن كو دفع كريف دالام مظالم كور وكن والاستي منه كوئ ناصري ، ش كونى مقارش كرف والاب يين بيال سي غض ين كل كي منى اوروال سے دليل واس الن جول مكيا أب في السين بيم وكودليل كرد يا جبكراسينه حن كوصا لغ كرديا وايك دن تو اب في معير الورك ويرك كيديك ديا-الارآج ندمين كو فريش بنا ير بينظير بن مدة السيناكسي بولن وال كى زبان دوكى اور زكولى فالمروسينيايا ا در مجھے کھوا فتریار ہوں کا تن میں اپنی اس لیا وسوالی کے بیلے مرکئی ہوتی۔ خدا وندتوالی آب جیے و فغظلم كرف واك اورميري حابيت كرف واكري خدسته سی میری اس گشاخی کو در رفرا و د-میرے کیے قربر صبح و ہرشام کو آ دوزاری بی کرنا ہے ميرامعتد مركبا اور بازوضعيف اوكيا مين اسيخ

المَيْنِكَةُ آبِي وَالْفَعَةُ (رَبَيْنِيَّةً خل) إِ بُنِيَّ لَقَلُ ٱجْهَلَا فِي خِصمًا مِي وَ الْفَيْنُهُ اللَّهِ فَي كَلامِيْ حَتَّى حَبِّسَتُمْنِيُّ قَيْلَةٌ نَصْرَهَا وَالْهُمَاجِرَةُ وَصُلَّهَا وَغَضَّتِ الْحِبَاعَةُ وَفِي الْمِنَاعَةُ وَوَفِي طَوْفَهَا وَلَامَ افْعَ وَلَامَا يُعَ وَلا نَاصِرَ وَلا سَنَا فِعَ تحرجك كاظهنةً وَعُلْكُ مَا عِنْمَةً آضَرَعْتَ خَتَّكُ فَالْ يَوْمَ إَضَعْتَ حَبِدً كَ اِفْتَرَشْقَ الله مَ بَ وَا فُكَّرُسُتُ الثُّرَّابَ مَا لَفَقَتُ قَا ثِلَّا وَكَا آغُنَيْتَ طَائِلًا وَ لا خِيا رَلِي لَيْتَنِي مِتْ قَبْلَ مُسُنِيَتِي وَدُوْنَ ذِلْتِي عَين يُرِي اللهُ مينُك عَادِيًا وَ فِيْكَ عَامِمًا وَيُلَايَ فِي كُلِّ شَا رِيِ وَيُلَائَى فِيْ كُلِّ غَادِبِ مَاتَ الْعُمَــُنُّ وَ وَ هَتَ الْعَصَلَكُ شُكُواَئُ الى ابى وَعَدُ واى إلىٰ رَيِّي - اللهُمَّرِ إِنَّكَ اللهُمَّرِ اللهُمَّرِ اللهُمَّرِ اللهُمَّرِ اللهُمَّرِ اللهُمُّرِ اللهُمُّةِ قُوْةً وَحَوْلًا وَآحَتُكُ بَا سَا وَ تَنْكَيُنُلًا ( فَقَالَ) لَهَا

إِذَا كُشِفَ لَكُمُّ الْغُطَا بُرُ وَ بَانَ مَا وَ مَ اءَ الضَّرَاءِ وَ بَانَ مَا وَ مَ اءَ الضَّرَاءِ مَالَمُ تَكُوُّ نُوْا آَكُمْ مِنْ مَّ بَتِكُمُّ مَالَمُ تَكُوُّ نُوُا آكُمْ مِنْ مَّ بَيْرِهُ فَى مَالَمُ تَكُوُّ نُوُا آكُمْ مِنْ مَّ بَعُمَّا الْمُنْطَلُوُنَ ثَمُّةً عَطِفَتُ عَلَى قَابُوا النَّبِي مَلَّا اللَّهِ عَلَى الله عَطِفَتُ عَلَى قَابُوا النَّبِي مَقَالَتُ مَا مَعْ اللهِ وَسَلَمْ وَقَالَتُ مَا فَانَا عَلَى اللهِ وَسَلَمْ وَقَالَتُ مَا فَانَا عَلَى اللهِ وَسَلَمْ وَقَالَتُ مَا فَانَا عَلَى اللهِ وَسَلَمْ وَقَالَتُ وَمَا المُرتَّلُ الْمُؤْلِكُ الْخَلَامِ وَاللّهِ اللهِ وَسَلَمْ اللهِ وَاللّهِ اللّهُ الْمُؤْلِقَةَ اللّهُ الْمُؤْلِقَةُ اللّهُ الْمُؤْلِقَةُ اللّهُ الْمُؤْلِقَةُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ

علام ابن قتيبه ف واقات كواس ترنيب سي كلهاسم كحس سع علوم موا ب كر قضييه فدك بيلے واقع ہوا-اوراس كے بعد حضرت عمر كاخانه فاطم كے عبالت كے ليے اك لے جائے كاما كر بيش آيا كيونكر علام موصوف كھتے ہيں كر حبب مصرت على كو کشاں کشاں مغرض بعیت الو بکرکے پاس ہے گئے اور مضرمت علی سے سعیت الحارکیا۔ اور آپ قبررسول پر فریا دکرے گئے تو اس کے بعد عمر کی صلاح سے صرمع ابو بکر وعمر دونون حضرت فاطئ كى ضرمت مين اينا عدر بييش كرك سين كرا كفول سن كيول فدك حجین لیا لیکن جناب فاطمهٔ نے قبول ذکیا اور اُن کی طرف سے مُند تھیرلیا -معضل گفتگو کے لیے د کھیوکتا بلالامتد والسیاست ابن قتیب الجزوالاة ل مطاب

البلاغ المبين حصته دوم صين مهادے مورضین ومناظرین کو جا ہیے کہ جناب فاطم علیما السلام کے ان طبوت علیما چرمطالب اخذ ہوئے ہیں اُن پرغور کریں۔جناب دسول خدا کی ساری تعلیم کا نها یت صيح الفاظ ميں خلاصه ہيں۔معرفت الَّهي اعظمية في دفعست نبوت ا امامست كي ثناخت

ادداس کے فرائض وحقوق ، قرآن سربیت کی تعلیم اوراس کے اوامرو نواہی ، نما نہ ، روزه، زكوة ، ايان كى غرض وغايت اوران كى صلحت،عدل خدا وندى برعبروس، حضرونشر برایمان ، عاقبت کی سزا و جزا کی طرف امت کی توجد لانا ، اوران کا یقین

لوگوں سے دلوں میں بیداکرنا ، کون می بات ہے جوان میں ہنیں ہے۔ معرفت آلمی کی تعلیم ایسے مختصادر**جا**مع الفاظ میں اس سے زیادہ ممکن نہیں ۔امستہا*سلامیمیں گرا*ہی

وضلالت محض اس وجرس عيلي كه اعفول ك شابن بنوت كونتمجها جنا فطحة الزماعيلهاالسلام

تُ إِن بنوت كواسِ طرح بنا تي بين - جناب كرمصطفّى كوخدا و ندتعالى في اختيادكيا المرتحب ال كيا قبل اس سے كررسالت كا باران ير دالا - اوران كى بعثت سے بيلے ہى تام انبيا كو

ان كى خامسة اكاه كرديا- اوريسب ائس دقت جدا كه ابهى تمام عالم بيده عدم مين تھا.

بيدا بهي نهيس بوائقا۔ يه اس ليے عقاكه خداو ندعا لم كو انجام اموركي خرتقى اورزمانك

حادث كواس كاعلم معيط كي بول عقاريد عقا مديد على محد مصطفة وليكن امست كى اكثريت ف ا تفیں کیا سجھا کہ اپنی آل کو ہمارے سرمیجست کی دجسے بھارہے ہیں - علی کو

بنی نوع انسان کے سامنے نہیش کیا جاسکتا۔

یدر بزرگوارسے شکایت کرتی ہوں ۔ اور ضراکی بارگاہ میں فریاد لے جاتی ہوں۔ ضا دنداتو قوت اور حفاظت سسس سيمضيوطت - اورعذاب اور واب كرن ميسك زياده ستدت والاسم-اس ير جناب علی مرتضی نے فرمایا کہ ویل اور تیا ہی متحادے لیے ہنیں۔ ملکہ تھا رہے وتمن کے لیے ہے۔ لهذلا الصطف كي بيثي اوربقيه بنوت البيغ غضه كو یی جا د کیونکسی نے تواہیے دین کے مقابلسی مسستی کی ہے اور نراینے مقدور کھر کوئی خطاکی ہے۔اگر تم ا ذو قرچا ہتی ہو تو محقادے درق کی ضانت کرلی کئی ہے اور بھا دا کفیل قابل طینان ہے۔ اور بھتا رے لیے جو تؤاب مقرر ہے ٥٥ اس جینر س کہیں بہترہے جہتے سے لے لی کئی ہے۔لمذا خداكوا ينير مواسلي كافي يجوييس كرخاب طريع نے فر ما یک خدامیرے لیے کا نی ہے اور خاموں ہوئیں۔

آمينيوا لُمُؤُ مِينِين لَا وَيُل لَكِ بَلِ الْوَيْلُ لِشَايْعِكَ تَهُنِهِيْ عَنْ وَحُبِدِ كِ يَا إِنْ أَنَّهُ الصَّفْوَةَ وَبَقِيَّةً النُّبُوَّةَ فَمَا وَ نَيْتُ عَنَّ دِ يُنِيُ وَ لا آخُطَاتُ مَقُدُونِي فَإِنْ كُنْتُ تُرِيُّكَ يُنَ الْبَلْغَةَ فَرِزُ قُلِي مَضْمُونًا وَحَيْفِيلُكِ مَا مُونٌ وَمَا أعِنَّ لَكِ آفضَلُ مِيتَمَا قُطِعَ عَنْكِ فَا خُتَسِبِي اللَّهُ ( فَقَا لَتْ ) تَحْسُبِتِي اللهُ وَ آ مُستَحَتُ ۔

جناب فاطمه على السلام كاحضرت على سع يركفتكوكرنا جناب معصوم ك عنيظ وعضب اورريخ وهم كي انها في حدكو ظا مركرتا سبي جوان كوفيك كقضبه كظالمان فيصليس يبيدا ببوا عفاسيه حالت بعينه وسي تقى بوصفرت وسئ يرواقع بودئ تقي حبكه أب ميقات سے دائيس تشريف لائے۔ اور ديھا كران كى قوم گؤسالەريتى كى طرف رجوع كركني سب عضيدين أكراب سف ضاك عطاكى إوني الواح كوجهي كم ديا اوراين عمان بارون كى دائدهى كو يكر كوينيا - درانحالسكه حضرت بارون كاكونى قصور مذعقا -اليس واقعات البيت كراح بي كران حضرات مين بشريت كي حبر إت موجود عقر -اور با وجودسیترسیت کے اعفوں نے دوحانیات میں وہ ترقی کی جو کی - اگر میشری ناموتی تو فرشتوں کی ہانند ہوئے ۔اور عیران کی عبادت واطاعت اکہی کو تعجست کے طور پر سه بوط: بالمصرم ي خطيم في اعيان السنيد الروالثان ميرمس العالمي سنقل كيمير

ہم نے جو پھے" البلاغ المبین" میں کہا ہے انسب کو یہ ایک فقرہ ابنا کرتا ہے۔ صنرت على كے فلاف سازش آل صنرت ك ذمانے سے ملى . أن لدكول كى فوائش تقى كرحشرت على يرج كفارس لارب عقيم ميستيس بريس يعنى ده قتل موجاكيس كويا كفاركة قاتل كى وت جامة عقر بتجر نظاكريد لوكم أس وتت يعبى دل سي سلى ن نه عقد ين حضرت كي رهلت كي بيدكيا بهوا . جناب فاطم فران بين كه ئم لَدُّون مِي جِ نفان اور ہم سے عداوت تھی وہ ظاہر ہو گئی یشیطان گرشہ میں مجھیا ہدا تھا۔ اُس مے سرنکا لا۔ عمر کو آواز دی۔ اور عمر سے اُس کی آواز پر لنبیک کسی۔ این فرانبردادی کے لیے می کوشیطان نے تیار پایا۔ اب تم شیطان کے استہ پھل سے ایو جن لگوں نے سِترمرگ، یورسول فلاکو ان کے اخیرو تحصیب بیالماتھا کہ حسینا كتاب الله ، إن الرجل ليجعبو ، اورا بها في الم قوموا عني أن لكوري اسب كتاب خداكى طرف بالق بين اوركهتى الين كدي سي كتاب خدا بها دراهاف درسیان ہے۔ اس کے مطابق فیصلہ کرد۔ وہ لوگ، اعراض کرتے ہیں ، دہ لوگ اس كتاب خداكا وكركريت بي -كب جب رمول خدائس الران كرى إوى بي رياشام سے کا فردل کرشکست کے عذاب سے بچانامطلوب ہوتا ہے۔ آب صاف طورسے کہتی ہیں کہ تم لئے اسلام صرف ظا ہرا اختیار کر دکھا ہے۔ وراصل باطن میں نفاق سے۔ رسول ضرا کے المبیت اور اولا دے ضلاف تم الیں چل دست بود اس سے بر بات صاف طور سے عیاں ہو گئی که اہلیست وسول کون أيس-ازواج النامين شال منسين كيونكرانواج كے خلاف بيالوگ كوئي حالين مير ميل م فدك سي معاملين آب نے اليي عمد مجسف كى سے كرمس كا جوالينيس موسكا. اُس بحدث کے بعد مصرت الد بکر کو مخاطب کرکے فراتی ہیں کہ الدیکراینے کا موں سے نتائج سے تو تیاست کے دن ملاتی ہوگا ۔ ضاوند تعالیٰ حاتم ہوگا اور محد ہا رسے صامل اللہ اللہ الماسك يس اسداله كمريري اورشيري دعده كا واب فيامس سے - قيامست ك دن باطل بيت مله الشيس ديس سك اوراس وقت كى ندامت مم كو كيم فالده في بينيا الحكى برامرك ليه ايك وقت مقرده اورهفقريب تم استخص كومعلوم كرار عرص برعذاب ا ا ذل ہوکر اسے دسواکرے گا۔ اور اس کے لیے دائی عذاب مقرر ہوگا ۔

ا پینا جانشین اس وجہ سے کر رہے ہیں کہ وہ اُن کے داما دہیں، تھیاتی ہیں۔ بھرہم کیوں اُن کے حکم کومانیں لہذااُن کے حکم دروشسم کے سکتھے۔ایک دہ جن کی اطاعت ہم برداخب عقى ، دوسرے وه جومنصسينبوت سے بالبرسطة - بهارے اور فرص بنيس سے كرام ال احكام كوما منين - لهذا بهم على كوخليفة منهيس مائت \_ مصرت عائشة عن كےعلم فقائي تعربیت میں زمین واسان کے قلاسے ملائے جاتے ہیں فرماتی ہیں کد داست کو بارہ سجے کے قریب حبب ال مصرف المحكر البريط توميم محمى كرسي عورت كم ياس جاري بي المناس فرق اس کے بعد بالمصر مراوں کی ملکہ دیا کی جا ہلیدہ و گرا ہی جا قبل معشف تھی بیان فراتی ہیں میرجو کام آں حضرت ہے کیا اس کی تفصیل ہے۔ میروال محلی کی اطرف مخاطب بوكركمتي بي آل حضرت كي يطعف ك بعد مقاداكيا فرض بوناج اسي عقا۔ تمقارے درمیان میں قرآن ہے۔ اس کے اوا مرو نواہی پیعل کرو۔ مھرآ ہے ایان، نماز، روزه ، ذکرهٔ اور اوامرو نوابی قرآن کی غرض و غایت بیان فرانی ہیں یجوالاست کے فرائض وحقوت کی طرف مقدمہ ہوتی ہیں اسپ فراتی ہیں کہ ہماری اطاعت وا مامت تم ہر واحب سے - ہماری اطاعت و امامت سے ملت میں مرکز قائم کرنا متصور تھا۔ اور ہاری بدایت کی وجے سے تم تفرقہ سے بچے سے بھر أب بهاً واصبر امر بالمعروف اوربني عن المنكرك منا بغ سينة كا وسنداني مبر. والدین سے نیکی کرنا ، صلارتم قائم دکھنا ، زناوس اس احتناب کرنا ،ان کے تصلحت واحکام سے مطلع کرتی ہیں۔ اس کے بعدامینے اور حصرمع علی کے فضائل آگاه فراتی ہیں۔حضرمص علی نے اپنی جا ن خطرہ میں ڈال کراسلام کو تھیلا یا۔مشرکھین کو تتلكيا بجناك كصعوبين ثبات قدم كسا تداعظ أيس - درائ الكريم أس قت مجى عيش وراحت كے طالب عقد اور رسول خداكو جھوڑ كر عداك جاتے تھے على مىكو مربا وخطرت سے مقابلہ کرنے کے لیے جناب رسول خلانے مجیجا۔ اور علی وہاں سے نهيل ميلية حسب كك كدان الماؤل كواسينه بئيرس مركبل ليا ماس وقت بعبي تم خوشگوار اور راحمت والى زندگى سبركردى عقى - اور مقارى دلىس يا دروكى تقيل كرسارى ا د پیصیبست پڑے ۔ اور تم جنگ سے مجاگ جائے تھے ۔ یہبت عور کرنے کی باشہے ،

جنگ بدر کے بعد جب اہل مکر نے اپنے اسروں کا فدیر بھیجا تو حضرت زینب رہیں۔
رسول خدا سنے اپنے کا فرشوم ہرا ہوالعاص کے فدید کے لیے مال بھیجا اس مال ہیں
دہ ہا رسی کھا جو حضرت فدیجہ نے زمنیب کی شا دی کے وقت زمنیب کو دیا تھا جب
جناب رسول خدا نے دہ ہا د د کھا تو شدت سے دو نے لگے۔ اور اپنے اصحاب فرمایا
کراگریم مناسب مجھو تو زمنیب کو اس کا اسرا ہوالعاص بھی والبیں کر دوا وراس کا مال بھی
عبی دے دو۔ لوگوں نے کہا کر بہتر۔ اور ابوالعاص کور ہاکر دیا۔ اور زمینب کا مال بھی
دالبیں کر دیا ہسلہ،

اگر حکام کی دا نے میں فدک سلمانوں کا مال تھا توکیا اس وقت جنا ہے ہول خگا کے اس فغل کی بیئر دی نہیں ہوسکتی تقی رحضرت فاطمہ کا دل خوش ہوجا کا مسلمانوں کا دعا دیتیں۔ اور سلمانوں کے لیے وہ کوئی چیز نہ تھی۔ باہر سیفنیسٹ کا اس قدر مال اس با تقا کہ ان کے لیے فدک کی صرورت نہ تھی۔

مقدمه فکرک کے فیصل بر المبسب رسول میں سے ہرایک بزرگواد نے خواہ وہ است مقدمه فکرک کے فیصل بر المبسب رسول میں سے ہرایک بزرگواد نے خواہ وہ است من فیصل کی میں اپنے اپنے است من موجود کر جبٹ عفر ہمیں بیسلبر کرنے پر مجبود کر دیتا ہے کہ ہمیہ وافن ہدا یہ کئٹ کٹر کٹر اُمّد ہوا کہ خرجبٹ میں المبسب رسول میں سے ہملی سنہ یہ کہ فلا منا میں بچوط بھا ہما کہ میں میں میں المبسب رسول میں سے ہملی سنہ یہ کہ واقعی میں بزرگوادی بیس جوط بھا ہما وان کے لیے شکل میں پوراکیا ہے کہ واقعی میں بزرگوادی بے سب ضاوند تعالیٰ میں مورد کی مراسب کا کام است کہ اور کی ما سب کہ واقعی میں بزرگوادی بے سب ضاوند تعالیٰ کی طرف سے مارد کے رہی کا کام است الرف تائی میں اپنے شوہر و فرز ندوں کے کہ حال ہو تھی ہیں اپنے شوہر و فرز ندوں کے جناب رسول خدا کا بہ مرسب کی طرف کی کریں۔ کہلے موقع پر بھی جناب رسول خدا کا بہر مرک بر بح پر وصیت سے لیے قلم دوات طلب کرنا۔ ان دو توں موقعوں پر جاعت مخالفین جکوا گئی۔ اور کچھ ما سوجھا کہ کیا کریں۔ کہلے موقع پر بھی موقع پر بھی الیے اللہ میں ایک ان میں جاتا ہی این خلاوں ان خلاوں ان

جناب فاطر سے انصار سے کتنی فریاد کی ہے۔ اور نصرت جا ہی ہے کیکن جکومید اور دنیا کی وجا ہست سے ان لوگوں کے اندر سے عوب کی جمیت کو بھی زائل کردیا تھا۔

ور مرعوب قرم الیسی بھی کہ ظلوم عورت کے استفاقہ پر فوراً تیا ر ہروجاتے تھے۔ لیکن و ہ سازش الیسی کہری تھی اور اس کا اٹر ایسا اُن کی طبیعت میں نفوذ کر گیا تھا کہ یہ ذرا اس سے میس نہ ہوے ۔ جناب فاطر ہے سے تھیک فرما یا کہ رسول کی حرست ضائع ہو گئی ۔

آپ سے بھیڈ تا فرما یا کہ اُن کے اوپر اُن لوگوں سے ظلم کیا تھا۔ حضرت ابو بکری لاوارث اروایت کے متعلق آپ فرما یا کہ اُن کے اوپر اُن لوگوں سے فاطر کیا تھا۔ حضرت ابو بکری لاوارث دربیہ سے دغا بازی پر اجاع کر لیا ہے ۔ اس حضرت کی و فات کے بعد یہ حرکت اس خطر میں اُن کو ہلاک کرنے کے لیے کی جارہی تھی۔ وربی ہی تھی جبیں آپ کو نہا ہے ۔ اس حضرت کے ایک کو جارہی تھی۔ اس خطر میں اُن کو ہلاک کرنے کے اُس کے ستی سے ہطا کرتم اب اس نظر بی اس خطر میں اُن کو ہلاک کرنے کے اُس کے ستی سے ہطا کرتم اب ایس میں میں میں میں ہی تھی ۔ اس میشین گوئی ہما ہو و انصاد کی ستورات کے سامنے کی تھی ۔ اس میشین گوئی پر اہم اس حافظ کو کریں گے ۔

میں ہے جو بستر مرگ پر ہما جو و انصاد کی ستورات کے سامنے کی تھی ۔ اس میشین گوئی پر اہم اس حافظ کو کریں گے ۔

میں می جو بستر مرگ بر ہما جو و انصاد کی ستورات کے سامنے کی تھی ۔ اس میشین گوئی پر اس کے مقدال ور رسول کی ذیلی ہما سی می تفصیل سے گفتگو کریں گے ۔

میں می جو بستر مرگ بی مورا میں گوئی اس کے مسلست نے کہ تعن ۔ اس میشین گوئی پر اس کی جو مند لیت خدا اور رسول کی ذیلی ہما سی می تفصیل سے گوئی کر اس کی جو مند لیت خدا اور رسول کی ذیل

خضرت فاطمئه کی مزلت منافر مین همی ده بهم بهلے بیان کر چکے بیں اس قع به خدا اور رسول کی نظر خدا اور رسول کی نظر خدا اور رسول کے نزدیاب ان مناف کودو باره پڑھولیں ۔

كسله تاريخ ملبري الجزوالثاني مثميم آتائيخ ابن ييضام الجروالثالث ويوسي وارُدورٌ حمرَ بالريخ ابن خلدون عبدر الم

(١) نفنيه فكرك يس سب سے بيلے من برنظر لائى سب - اور آخر كاستى كى جميت انسی مان و در جار مصور کا خلید ب وال فیملد کے بعد اضار و ماجرین کے مشتركه عليه من بهان جوا مجرجن الفاظ مين حو رست على سير حاكران لوگون كي شكايت كى - وه مى قابل يۇرىي - ىم ان برزياد دىنى كلىغ - ناظرىن كى غۇر د فكرىيم اس كو تھوڑتے ہیں۔ اگر وہ اس برغور کریں کے توا تھیں علوم ہوگا کہ اس مقدمہ یہ اس سے زاد و كولكها بى نهيس ماسك و محديث جاب معموس نے دوران مقدمين عديث \ نورت اور ورائث كيستلن كي دو مين بيت فكركم لائن ب-( ۱۷ ) دوسری بری اجمیده کی بات جوسه و در سیسه که حضرت الدیکرکواس مقدمگا اختيار ساعت ماصل نديقا بناب فاطريكا مقدمه يا توصيرت ابكرك فلاف كفايا اس مكرم مد ك فلات كما حس كم كاركن اورا فسراعلى حضرت الومكرسي - دويون صور قون میں حضرت ابدیکر کی خواہش اورخوشی اس میں تھی کہ حضرت فاطریکا وعوی کی خارج بوكسى ملك كركسى قانون من يهنين سے كدفود مدعا عليه بى مقدم فيدكرك يرمعاملهميس حمر منين بوا ملكرجس مديث كى بنادير دعوى خادع كياكيا وهبي صنرت ابو مرنے بیان کی ۔ درسیف کیا یہ تو مقد سرخارج کریے کا بہا نہ ہوا۔ رس ) حضرت الديكركو في سي تفاكر يمقد كسي قاضي سي نيصلكراتي اور اگرخودی کرنا تھا توسی میں تا م جا بہتے سامنے اور ان کے مشودہ سے فیصلہ کرتے۔ حب طرح و و اورمقد مات فيصله كياكرت كف جاعب حكومت كعلماء كانظراد هراوكلي كراولاد ك بنهادت والدين كے حتاميں تبول ند ہونی جا ہيے لکين غربي تعصب ليے الفين برند د كيف د ياكس معاعليه في فرد دوي كا فيصله كيات -رم ) يدام جمي قابل ذكريه كداس دعو عدك خادج مد فيرس مفرات الويكركا واق فائده مقاحبه طرح كريب إسول فلاكى داقى مكيت مقى حضرت بوبكرت اين تئیں جنا ب درول خرا کا جانشین تصور کرکے اس کو ذاتی ملک بنالیا تھا کیسی دواہیت سے ظا ہر ہنیں ہوتا کراس کو یا اس کی بیدا وار کو حضرت ابو بکرٹے سلما نوں میں تقسیم کیا ہو اس كا مريد شورت امون الرشيد كحكم است ملتاب عينا ي المرامون عرجب فدك بذفاطمه كاحت مجركراه رحفرت الوكرك فصلك غلط تصوركرك بنوفاطم كوديناجالا تو

بات منبن كى اورتها بيت بجود الرافقره إنَّ الرُّحُبِلَ لِيَهِ مُحُرُّ كَدَّرُر ب م ي نقره جوابینه بینیبرو محسن کی نسیس که اگیا سے کس طرح دما عنی حالست و بیاسی کوظا میر كرديا م -اسى طرح بناب فاطمئن في براه داست دعوى كريك فرين مخالصناع الى معا إمقصدكوا يا ب نقاب كياكراس كوسى كى ذيا من و ذكا در وريا سين نجماکی مضرف فاطئے فرد دربار فلاف میں اپنا دعوی اصالی مین کرے بحسف كم سارك ببلوون كوغير تعلق بناديا - اب من فرايا مين رسول كى بيشي اس عداك ماصره اظرهان كركهتي إول كحي فيرسي والديزدكور محد مصطف ك مبعد مقسر الت كياكم جناب رسول خلاف معي فدك بمبرك وإ تقارا ورفدك مع دیگرجا اراد رسول غدا بول تعبی وراشف میں مجم کوئی پہنچتا ہے میں اپنے دعوے کی صداقت میں ان گوا ہوں کر مینٹی کرتی ہوں جن کی شا دستہ تصدیق رسالہ کے لیے خدا وند تعالی نے نصاری تجران کے سامنے بیش کی تھی ۔ اب صرب ایک ایک سوال ره كيا هي - اسيه بنا أو كديم مجوكوا درميرس ان كوايان كوهيوًا قرار ديتي بويانسليم كرك بهدك تم ناحى يرمو- در با رخلافت سي فيصله صادر بورا بي كريم مم كواد رفضاي كوالان كوسي المي منجة المذاعقادامقدمادة كرية اي - اس و تت أب في ايسا نصيح ومليغ ومرال خطبهارشا وفرما باكرهب كاجواب وه مذ دست مك و اورسان تروصديو ميں كوئى اس كا جواب بيداكرسكا عوركرك والا دماغ ، اورس كوسم يعين والا ول مياسي خود بخود منتبج نطحة أليس على-اس سى بهترطريقة تتبليغ حق كا اس صورمت عالات ك اندراورسيس بوسكا عقا-اس في اس فقره حسبتناكياب الله كوعبلاديا حبرك ادير فريق مخالعت كم مرسب وتجسف كا دار و مدار تفار اسيس اوسان حطا مرسير كر غود بی است اس فقرے کی تردیکردی -اس قرآن کے صفح اسکام درانت کو عجى نظراندا زكرين يرميورم وتكف حير كى سنيت كمانقة كرحسيكنا كتاب ادله -اسداس کاب کی طرف نظرا عفا کر بھی ہنیں دیجیتے اس مقدمہ کی کارردائی ادراس کے فیصلے سے دوز روشن کی طرح واضح برگیا کہ عن کس طرف عقا ۔ اب بهم اس تفییر فدک پرشها دمت کو زیرنظر دکھ کر محبث کرتے ہیں۔ ناظرین کھیاہیے کہ بغیر قصعب فرہبی سکے ہماری اس عبث کوعورسے مطالعہ کریں ۔

ان وجوبات برغور كرست بين -نصاب شهادت كى صرورت بى كيول مو - نصاب شهادت تو وال دكيما جاتا مب كههال دُو فريقين مبن تنا زعه بويهال دُو فريقين بي الهي موجود مذيقه يضر الوبكرة قاضى اورضعت وحاكم كي حيثيت بيس عقد- المبي معاعليه توكوني مذكا. جوتر دید کرتا حبب تردید سی کوئی دعمی تو بھر نصاب شها دست د کیفنے کی صرورت ہی ينهمي معلوم ہوتاہ کے مصرت ابو بکرا دران کے مقلدین انھیں مدعا علیہ ہی مجھتے تھے اور مطور مدعا عليه بي ك دعوب ك لي نيور صطلب كيا دادر اين طرف سى لاداريث صدید بیان کی ۔ کیس ملک کے قانون میں حائزت کہ مدعا علیہ ہی فیصلہ کرنے ۔اگر اس مقدر میں حضرت ابو بکر کو حاکم سیجھتے ہو تو ان کو جیا ہے تھا کہ حبار مسلما وال کے حالمہ ا عامیں دعوی مرعیر بناتے اوران سے عذرات طلب کرتے مکن سے کرو ہست عوب وعيه كوتسليم بي كركييت و تعيير شها دس كي ضرورت بي نه بودي - حاكم كو تو محض ابني تسلّى کرلینی چاہیے کہ تیخص سے ول رہاہے اس کے بیے نصاب شا دس کی ضرورت ہنیں کیونکہ مزعیہ کے دعوے کا انکا دکرسنے والاا ورکوئی ہنیں تھا ۔حضریت ابد بکر کیسلی کے لیے کانی نبوست تھا یسیکرموں ایسی احا دیب اوس کھیں حن سے طاہر ہوتا تھا کھائی و فاطريكيمي عمور ف دوليس كے يا محضرت كى چندا ماديث ير و كرد -ا فاطمهٔ جنت کی عور توں کی سر دارہے ۔ ب وصريب عالستدكه ي بي كرحضرت فاطميس زياده ميس في كسي ويخالنيس و کھھا تھا علی و قرآن دو نوں قیامت کاسساتھ رہیں گے میمی ایک دوسرے سے اللہ من موں کے د - مدهرعلی بهرا سے ادهرت بهراب -اس سے زیاده کن الفاظس حضرت علیٰ کی صداقت کو بیان کیا جاتا ۔ لا- آئي تطبير-و - ان بى برركوس كرمبا بدك ي باياكيا - كيونكه وإل عبولوس يرلعنت ز على صديق اكبرادر فاردق اعظم ب -

اس نے گھا تھا کہ آیندہ سے محدین کی اور محدین عبدالشرکو ایسا ہی مالک کا مل
سمجھنا جیسا کہ میرے غلام مبارک کو شمجھتے تھے گویا مادن الرّشید کا غلام خلیفہ کی ذائی
طکیست ہونے کی وجے سے اس کی طرف سے قابض تھا صاف عیاں ہوا کہ صفرت فاظم کا
دعوی پراہ داست حضرت ابو بکر کے خلاف تھا۔ اور اس دعوے کا مانا جانا حضرت ابو بکر
کے ذائی مفاد کے خلاف ہوتا حضرت علی کے ذمانہ خلافت میں ایک ذرہ کے تعلق ایک
یودی میں اور حضرت علی میں تنازعہ تھا۔ وہ مقدم حضرت علی سے قاصنی کے پروکردیا۔
اور خود بطور مدعی اس کی عدالہ عسی معاطلیہ کے رابر جا کر کھڑے ہو تھے ۔ انصاف
اور خود بطور مدعی اس کی عدالہ عسی معاطلیہ کے رابر جا کر کھڑے ہو تھے ۔ انصاف
اس کو کہتے ہیں ۔

(۵) حضرت فاطر کا دعوی تھا کہ (۱) فدک توجناب رسول خدائے انھیں مہم کرکے دے دیا ہے۔ اور (۱) اقطاع والی مدیمہ دخمس خیبر میں ان کا حصد المبادوارث کے ہے۔ یعنی ترکہ رسول خداکی وہ حقدار امیں ۔

( ) خود حضرت او بکر و حضرت زبیر اعبالرهم ن ابن عوف ، او د حانداوردگر حضرات کو اس حضرت نے بنونضیر کی جاگیری ہمبہ کر دی تقییں۔ وہ اس طسیع کی ادا ضیات تقیدی حسل حلیت تو ان اصحاب سے کیوں نہ ہمبہ کی تقیدی بعینی اس صفرت کی این ملکست تو ان اصحاب سے کیوں نہ ہمبہ کی شا د مت طلب کی اور کیوں نان کی آوا ضیات برقب خدار کے اس خوار کے کیا معنی ۔ ان کہ بے دخل کرکے الحقیں دعوئی کرنے برمجو رکیا ۔ ایک کو بطفی پر داد ہوا اول کے کیا معنی ۔ ان کہ بے دام ہوا اول کے کیا معنی ۔ اب ہم اس شا د ت برغور کرتے ہیں۔ صفرت او برکے اس فیصلہ مبل فی کس کو بیش مندرج ذیل تین وجوہات سے کی جاتی ہے ۔ فضاب شا دت بورانہ تھا۔

ب - حضرت على وعضرت حسنين عليم السلام كى شهادت دخت دارى كى وجسس قابل قبول نهيس -

ج يصرف عنين ادرام كلفهم صغيرين عقر -

M. A

اورنصاب بهما وسيمي إدر جائات وروز خرس فيصلكيا ما تاسم كحصرت فاطمراور ان كُولْ إلى المان المعتبار المعتبار المدا وعوى فارج - اخراس كاسبب كياسي آل رسول كوكيون اس قدر دلس كياجاتاب وصرف اس وجرس كرصرت فاطرع كا سو ہراس حکوست کا مزعی سے کرمس برم سے فضر کر لیا ہے۔ ڈریر سے کہ آج اگر ہم فدك تي معاسلي مين جناب فاطر كوسچا سميرليس توكل آن كريد دعوى فكردين كوفائي كو رسول خدا نے اپنا مانشین مقرد کردیا تھا تھے ہمکس منہ سے ان کر تھوٹا کہیں کے ۔ جناب فاطمد فے اسپنے وعوے کے بٹونسامیں صفرت علی کو مدیش کیا جھنر مالا کرکر ن دور اکواه ما نکا-اس برام این کوبیش کیا-حضرت ابدیکرسن کها کرنصاب شهار پورا نهین بروا- ان کےعلا وہ امام سن وا مام سین وا مرکلتوم نے بھی حضرت فاطریک حق میں گواہی دی - وہ شما دست اس وجہ سے باطل مجھی گئی کر اولاد اور کمسرے بی ل شادت اب والدين ك حق مين قابل قول منس رباح غلام درول خدامي كوايي سي بيش كيد كني-اكفول في حضرت فاطم كرون مي سماد دى السله بچوں کی شمادرہ یوں ر دہوگئی کروہ بی سے اب رہ سکتے ام ایمن وصفرت کی ان سے نصابہیں بورا ہوتا لیکن حضرت فاطمیکا بھی قربیان تھا۔ تعجب ہے کراس كن كزر زمان ميس ميساكيول ك عديس تو مزعى عبى الميس كوا ومحجاجا تاب اور بطور كوان وه اينا بيان دس سكتا سه-يه قاعد ه اس اصول برمبني سه كراسان اكرج مدعی مو بیر کبی وه سے بول سکتاہے۔اس قاعدہ میں بٹی نوع انسان کی عظمت ہوتی ہے لیکن اس زمان کی اسلامی فکیمت نے صفرت فاطمیّے بیان کوشمارت سی ندر کھا كيونكرا كروه تها دست مين ركف لين تونصاب إدرا موجاتا- ان كايه فاعده اس اصول ير سنی تفاکدانسان اگراسینے حق میں بیان دے تو و کسی صورت میں قابل اعتبار ہو ہی سنين سكتا يكويا جهان دايق منفعت كاخيال درميان مين آيا- انسان صرورهبوث بوكي ديكيها آب سن بني نوع النان كي عرّبت كوكتنا كرا ديا -

والله فق البلدان بلا ذرى مطبوع مصرويه مصرويه مصروي مصروع على مصواعت محرقه باب الاقال فضل الخامس معتب ميد و فادا او فادا او فادا الميزالة في باب السادس فضل النافي في المارس مع ما تدام معدالله المراسيم من عبدالله الموصل في كتاب الاكتفاء أبراسيم من تدلس كتاب من غلى -

ح - أكران يصلواة ودرود نربيجا جاك تو خاذ بتول نسيس بوق -ط- ان سے عبد کرنا اجر رسالت اداکرنا سے -ى - يوز فدك عنا حضره على في دادائيكي ذون كيما من خلاف ك لاست ماددى - سقيف بن ساعده مين خلافت الفيلتي ديمي ليكن الى تعبد المعالي في المعالية السيعلى كى سبيعا كمان كرناكه وه فدك كى آمدى كى كيوبي بهرده خیال سے رورامطر کا درهمی اجوا مرال بنرو ، پنیشت مدن موہن ما لوی کی فسيست بيكركر توركههوك ووجهوك عقد وكهوبهنده كالمتع بي عضربت الويكرسك اس طرز على كو د كيم كرك عف اليصحابي كي كيف يدك رسول فالك اس سه وعده كيا عن اسرفيوں كى بيسي كاركرف ويل محضرات المستديد وجماعت في البيغ فقر كا اصول رکھا ہے کہ ایک صحابی عادل کی گواہی کا تی ہے اسلام کیا صنوع لی عادل في عضرت عزيمير من ابت كو ذوالسنها دتين كيتي بين ان كي أيك كواني دوارديو كردائي هي جاتى على -كياحضرت على ان سيمهى كف كزرس موت-شادت آدا يمد ذريد م مقصد وديا فت حق سى د صاب شادت مولى مال كريك وكفاكيا سب-اس من و همورتين تني بين جن مين ما كم كودافقات كالمحمقيقي کیا آسیا کو بیرکهنا گذارا برگا که امام او حنیفه دا مام احترصنبل ، ا ما م بخاری ، معضرت عونت اعظم؛ ا مامسلم يا ان اوليا وُن مين سطيني ايك ني جن كي فهرست مست طویل سے استے مفار دائی کے لیے عمورط بولا مقا -اگروہ حموط نہیں بال سکتے تُوكريا حضرت على عبوت بول سكتے محقة ؟ مسلما نو إعور توكر د - خدا كومان دىبنى ہے-الفدان هي كي جيزے - قرآن شريف سي انصاب كرك كى كتنى تاكيد ہے حضرت الإكرية ايام ج مين عام منا ذي كرا دي كريس كرما تقديسول خدا في ميوايد ده مجيسة آن كرود وعده إدراكرام . لوك آست سق ادرج وعده اسيفمنرسيبان كرت محقد و پدراكيا جاتا تفا صرف ان كى جى زبان بدليدى معرمجركر د وجوا مرات ديه كفي ماكيري دي منس ريكوه ونشا بدر نتفقيد خد نصاب شادت كا اصراد لىكىن دختر دسول أن كرجه دعوى كريق سب قد شادمت مبيش كرده برتنفتيد كى جانى ب منظه في البارى شرع بخارى إره و صنيك ، عدة القارى مرح ميم بخارى مل ه دوا

بهر صرب ابوبكركومه كسنها دت طلب كرائ كيا صرورت عقى الرحقيقات طلوب مقى توديگرور ثاركوطلب كرك انسس يوجيعة داكر وه مان ليت تومعا ملختم عقا -(۱۰) اس کا یہ جواب درست دم مو گا کر بطور حالشین دسول کے حضر ما او بکر کھی ال حضرت كرايك وارث تق - وه أكر وارث تق تو حكومت كروارث تقريرام قابل ذکرسے کہ ایمی تک ملکہ اس کے بعد بہت عصب تک تقداسلام سی حکومت كى ملكيت كالتخيل بيدا نهيس موا عقا حكومت كى ابنى مكيست كى كوري أواضي ما جاملاه منیں ہوتی متی فیرگی آراضیات اسی دقت آل حضرت نے ایکول مرتقسیم ردی تیں ا در کوئی جائدا دائیسی دیکتی کرچ حکومت کے تبضد میں ہوسکتی۔ جوشے حکومت کے فیضیس ا تى تى فورا مسلما نول مى تى تى تى كى دى جاتى تى كى يەشكرىدى كەتتىخدا دىسىنى كادستوراكىمى منیں ہوا تھا مسلما نوں کی سادی قوم ایک اشکرتصور ہوتا تھا غرضکہ آ حضرت کے وقت کے حکومت کی کوئی جا ارا د نمفی جس کے وارث حضرت ابو بکر ہوتے۔ حدیث لا نورت كا بيش كرنا بي اب من اب كرنا مي كرحضرت ابو كرف جائدا دمتناز عركوجناك والم ك داتى كليت توان ليا مرف يعدر ميني كياكيد در فك قانون مين نهيس الما الر م ول خداعام حاكم بوت بغيرز بوت توية الضيات ورثه مير تقسيم بوجاتين -اس معی طاہرہے کہ یکومت کی طاعب دعقیں اور حضرت ابدیکران کے وارث دیتے۔ (١١) حديث لاوارث كى روس يرجائدا دمتنا زعرسلها نوس كى صدقة بولى تويور حضرت الوكرف كيون ويكرصدقات كي طرح اس كوسلما ون مي وتقسيم كيا-(۱۷) اب ہماس لاوارث حدیث بِتنقیر کرتے ہیں۔ یہ صدیث اس طرح ہے ا الحَيْنُ مَعَا سِنْ رَأَكُمْ نَبِياعِ لا نُرُبِ وَلَا نُورِيكُ مَا تُرَكْنَا وُصَدُ قَلْمُ لِيفَ مم كرو و انبيا يكسى سيراث ليت بي اورنهم سى كونى مراث يا اب - بم جو جھوڑتے ہیں وہ صدقہ ہوتا ہے۔ اس قسم کی احاد بیٹ کی صحبت کی تحقیقات کے لیے چند قواعد وضوا بط بين - وه مم ينج درج كرت بين --( ل )كيا يه مديث عقلًا درست سے اوراس كے تبول كرنے سے عالات عقلي ديدا نسين بوسة ياايس نتائج تونسين يكلة جوصريًا خلاف عقل والضاف وشرع بول-( ب) قرآن شربین کے معمون واحکام کے توخلات بنیں سے ۔

ای دل نے یہ کلیہ قائم کیا کہ اولاد کی گواہی ایٹے والدین کے حق میں قابل قبول ہنیں۔ اچھا ہیں ہیں۔ فدک گیا تو جائے دو۔ ہم آپ سے کتے ہیں کہ اسی کلیہ برقائم اس میں یہ وقت آپر سے گئے۔ اس میں یہ وقت آپر سے کی کہ حضرت ابو بر وحضرت عمر کے نصائل کی حتنی احادیث ہیں اس میں یہ وقت آپر سے کی کہ حضرت ابو بر وحضرت عمر سے نصائل کی حتنی احادیث ہیں اُن کے اکثر کے داوی حضرت عائشہ ہیں۔ یہ بڑی ہیں امس نماز مبنو وال مرض دسول کی تو واحد داوی حضرت عائشہ ہیں۔ یہ بڑی کی امس نماز مبنو وال مرض دسول کی تو واحد داوی محضرت عائشہ ہیں۔ یہ بڑی وقت ہے۔ یہ اس وقت اس ہوگئ کہ حب یہ استثنا قائم کیا جاوے کے اگر چواس کلیم استثنا تو قائم ہو ہی گیا جب ان دونوں بزرگوں کی شہادت فضیلت اپنے اینے اس نے اس بے اس نے اس بے اس نے میں بلا عذر قبول کی جائی ہے۔ در اصل بات یہ ہے کو حقل وقیص ب ایس نمی ہی نا اُرت سے کر حتنی عقل وعشق میں حکما ، بیان کرتے ہیں اور کیوں نہ ہو میں اُن می میں تو جائز مجست ہی کا نام ہے۔

مصرت عیسی عضی بیدا موتے ہی ابنی ماں کی عصمت کی شمادت دی ۔ اگر صفرت عیسی عضرت میں اور اور مونا ما نع سنہا دت ہوتا تو خداو نار تعالیٰ حضرت عیسی سے بیشمادت مند دلوا تا ۔ اور میو دیوں کر بھی یہ خرسو تھی کہ بی عذر اکھا تے ۔ جناب رسول خدام نے ابنی رسالت کی شہا دست بروز مبابلہ ، ابنی لڑکی ، ابنے داماد ، اور ابینے نواسوں سے دلوائی اور سالت کی شہا دست بروز مبابلہ ، ابنی لڑکی ، ابنے داماد ، اور ابینے نواسوں سے دلوائی اور سالت کی داور خلاف اور خلاف کا ۔ اور خلاف اور خلاف کی نیا میں سے دونوں عذر کس بھی اس رست داری دصغر سنی کو ما نعی شہادت نہ تمجھا معلوم ہندیں یہ دونوں عذر کس بنار براکھا کے سی توان عذرات کو مدد نہیں ملتی ۔

( 9 ) ہربہ سے انگارکرنا حضرت ابو بکرکے لیے جائز نہ تھا۔اس سے تو وڑا اکا اس میں تو وڑا اوکا اس میں تو وڑا اوکا اس میں بیت کے بین ۔متو فی کے کئی دڑا اہیں۔
ان میں سے ایک دارف دعویٰ کرتا ہے کہ نجارہ الداد کے ایک باغ متو فی نے مجھے اس سے کرکے دیدیا تھا۔اس دعوے کا افر محض درثا، پر بڑتا ہے کیسی شخص غیر پہنیں ہے۔ اس وقت کسی دارث نے دعویٰ فاطریکی بڑتا ہے کیسی دارث نے دعویٰ فاطریکی تردید میں میں درید میں کی ماکھ اس کے بعد میں کھی تردید میں کی ۔دیگر درثا اور مدعا علیم کھی نہ تھے۔

سيرة فاطمة الزثيرا

اسے بچے دیدیا توخیرورنہ بھوکوں مرے کا ۔اورحب تک اُمنسط ندہوگی وہ شہر کی کلیوں ی بھیک مانگن پھرے ، و مسب لوگ کا فرہی ہوں کے صورت عالمت سے ہوئی کہ کا فردل سے محلیس حاکر گداگری عمی کرے اوران کے خداؤں کو بُرا عبلا بھی کیے ۔ وہ کا فراسے بھیا کیوں دیں گے ۔وہ تو کہیں گے کے کل کا حرا آج مرجائے عجیب عالت ہوئی۔ ائتست ہے بنیں جوندرا ہزدے۔ کا فر بھیک تک بنیں دیتے مزددری کیا دیں گے اورامت ہوئی تو سی ان کے رحم رضیع ہوتی ہے اوران کے رحم پیشام ہوتی سمے۔ ببغيبركواس طرح امست كامحتاج ركامنامننيت الهي مين تونهيين وسكتا عقايسانسي عمرة کا پرایک گرم مونّه مهو - انبیا رسابقه کی تاریخ میں تو انسی کوئی نظیر نسی لتی ۔ اگر ابسے الیا ورشر سیفیرر کھ بھی لے تو بھیریہ مرد کا کہ اس نے تو باب اور مردہ بھا نیوں کا اور دیگر وریز کا حصر کے لیا جب خود مرا تو اس کا سالا مال دمتاع اس کی اُمّت کے گئی۔ اس کے عدائی ، بیوہ بچے اور دیگر ور ثارد یکھتے کے دیکھتے رہ گئے اور اگر بچے کس بہات بیوه و بیون کی خبرگیری بھی اس کے اقیا ندہ بھا کیوں پر ٹری یمبیر کا ورفر توالانہیں بینمبری بیوه ادر بیول کو بانا پرا - یا توظلم صریح سے اگروه برورش نکری توبیغیبرے بیری بیروں کو با ہرسر ک برنکال دو ۔ گھر معبی توصد قد بن کر امست کے یاس میلاگیا ۔ اب ان بيوں كے ليكونى جارہ كا رہميں سوائے اس كے كركنى كوچوں سى بھياك مانگة تھریں پینمیسرکی ال کو اس طرح زلبیل کرنا خدا وند تعالیٰ کی شیسے منیں تو ہو ہندیں سکتا ۔ یا کا رکنان سقیقه بنی ساعده کی سیاست کا پرایک جزو ہو تو ہو۔ اور لطف بیسیم که امت بركهيس به فرض عالد نهيس كيا كيا كرينجيبركو يااس كي ادلا دكو اپني آمدني كاايك معين حقبہ دیاکریں مسائل پوسی سے میلے ایک ذراسی فق کی ادائیگی لگا دی گئی تھی۔ وه توادا نهروسكي-ا در آييع يخوي كومنسوخ كرنا پڙا -اگريه فرض عالد موجا يا تواسسے کون بوراکرتا ایا سیمبرے لیے بیمکم ہوتا کہ خبردا رعورت کے پاس ناجا نا بمقالے لیے بیوی بیج حرام ہیں۔ قانون کے لیے جامعیت پہلی سترط ہے بینی بیرکہ وہ ہرصورت حالاً پر حادی ہوسکے۔ اس لاوارٹ حدمیث کا یہ نتیجہ نکا کہ بیغیبرکے مرنے بامت اس کے مال دستاع کی تو مالک موجائے گرامت پر یو خرص نهیں کراس کے بجار کی برویش کرے ۔ بیوی بیچے میں کافی ہوں گے ۔ اونڈیوں کی بھی اجا زمت ہوتی ہے جب : ہ

Y.9

( ع ) ده کیا مواقع اور دیج است میں جب یہ صدیقہ بیان ہوئی۔ ( ﴿ ) اس صدريف كي مضمون كي تكراد آن صفرت في ميركيمي دوباده كي يابني -( یک ) کیا کہی اس مدیث کی تردید ہوئی اور کسی صحابی نے اس کی صحتے انکاکیا۔ رو) کیااس کے معارض کوئی اور صدیت بھی ہے یا آن حضرت کا فعل اس کے

رز ) اس مدیث کے داوی کون کون ہیں کیا غلط بیانی کے لیے ایفیں کوئی توٹی تونیمنی - پانسیان کاامکان توزیها -

(٣) نتداد و تقريداة

(ط) انبیادسابقے نظائرے اس صابیفی تردید تونہیں ہوتی۔

اسبيم ان قواعد وصوا بطري دوسياس لادارت مديف كي جائج بيتال كرتي بير.

(1) خلاف عقل وعدل

فقراسلام مي يسلما مريح كرنبي ورسول مي فرق موتا ي بيال صوف بالباركا ذکرہے کیا اسول اس سے سنتی ہیں۔ قانون کے لیے یاضروری ہے کہاس کے الفاظ میں بچھرشبہ کی گنجالیش ناہو۔ حفیوں لے قانون ادراصول قانون پڑھے ہیں دہ اس - UZ 0872 05 20 -

آن حضرت فرما یا کرتے سے کویں اس وقت بنی تقا کہ انجی آدم جدووج کے درمیان عقر یعنی مخلون بندیں ہوے تھے مصرت عینی نے بھی بجالب طفلی فرمایا تفاکہ میں بنی ہوں - ایک بنی کا پاپ مرجا تا ہے جب کداس کا بنی بلیٹا بچر ہی ہے ۔ اب بتاليك كه ورا تشكس طرح تقسيم مو كياشنا خص بهاكم ير بخير بني موكا - اوراكراس بيكي كه وراشت سے محروم کردیا تو اس کی گفالت کس مال سے ہوگی - اس کے معیا لی صغیالت امیں یا غریب ہیں۔ چھا کوئی نہیں۔اب اس کی پر ورش کیو نکر ہو۔

فرض كروك لاعلمي مين اس بيني كو ورشيل كيا -اب اس كي بعشد ظا مربوني قو اس کوچاہیے کرمارا ال والیس کردے۔اس کے ورثا کا فرای ہوں گے۔ان کو واليس إى كرنا يراسي كا - امت أو العبي مونى نسيس جوان سي تعشيم كردب نتيج يمواك وه يك تحنت فقير بوكيا - أسكوعيل كرا كرامت إوني اورامت مي سكسي في كالكراكر

سيرة فاطمة الزمرزا

۷- جناب دسول فناکا مرایک قبیله بیمن کاله شادی بی ایک ایسا در بید تقاکه
کران کی جمدر دی حاصل بوسکتی تقی . بینی دسیندس ادر بینی لین سی بهت فرق سے
اسلام کا مفادی چا بتنا کا کہ برایک قبیله کو آن حضرت سے انسیت ہو۔ یہ دیجھنے کی
بات ہے کہ آن صفرت نے مین دجال کی وجہسے کوئی شادی بنیس کی مرائی سنادی
میں کوئی نیکوئی مصلحت تقی مناسینیس معلوم ہونا کہ ہم ان مصالے کا یماں ذکر کریں ۔
میں کوئی نیکوئی مصلحت تھی مناسینیس معلوم ہونا کہ ہم ان مصالے کا یماں ذکر کریں ۔
میں کوئی نیکوئی میں ہوا ۔ اور ورش کی قیود سے بینیمبرکو نکا لئے میں بہت سے آدمیوں پر
میں بین بین بین بین سے ۔ اور ضراکی طلم سی صورت میں بین بین بنیس ۔
میکسی بینلیس مواقع ۔

طریقہ یہ سے کرمب سے مدیث کو بیان کیا جاتا ہے تواس کے موقع کا ضرورذ کر كريتي بي كدفلال واقعات تقد مفلال موقع تقاجب يه صديث بيان كي كني صديث منزلت ، حدمیثِ غدیر، حدمیثِ ولا بیع، حدمیث دامیت اور حدمیث تقلین وغیره کے واقعات ومواقع بست نضاحت كمساتة بيان كي كئي بين يكن حضرطا وكرف من کما کیکس موقع برکن وا تعات کے اندر بالا وارث حدیث بیان کی گئی اولاس باعتفاليا تقل اس كامضمون تويربتاتا بهكراس مديث كومض موس كوقت اشاد فرمانا چا ہیے مقالیکن مرض الموت کے دولان کی احادیث میں کمیر اس کا پتر ہنیوجاتا فيبرو فدك كي حصول كأ دوسراموقع بوسكا عقاليكن اس وقت يمي بيعديث بيان ىنىين كَنْ ئَى - ايك تىسرامو فى بى نقاحب اياسى داشت نا زل بولىن توان كى هنيري أب كوينا ناجابي عقاكم بم يغيرن ان أيات كدائر سع بابريس عام تبدد تفاسيركدد كيه دالو اس لاوارسف حديث كايتران أيات كى تفسيرو توشيح كے سلسلے ميں تھی ہنیں ملتا جب ان موزوں موقعوں پراس سدسٹ کا بتہ نمیں جاتا تو کھیریہ بتا نا نهايت صنروري وكيا كركس ناموزول وقت براس كوميان كيا كيا كيقارام واقعدة بي ي كياب فاطمير في السار أراس إحول إلى تفاكرسا دى سقى كم بوكى كورنسوتيني كركياكري موادي من منه سي ونكل كيا الونكل كيا لجه تفصيلات موترة ما يركون ( ﴿ ) عَلَمُ الصَّعْمُول : - جناب رسول عَنَّاك العاديث كم مطالع كرية والي ير

مرتائے - دس بندہ مبیجے توہوں کے ۔ کچھ صغیر سن کچھ قرمیب بلوغت ۔ شام کو یہ خواکے ابندے اپنے تئیں سٹرک پر بڑا ہوا یا نے ہیں۔ گمز، دیا دکتا ہوا - روٹیوں سے محتاج ۔ انست کی جان وہ ال اور سینمیر کی روح کو دعا دیتے ہو ہے سبح کرتے ہیں کسی سے رو ن کر گا اور کے ڈوال وی توبان ہوگئی ۔ ور نہ موست توسائے کھڑی ہی ہی ہے۔ بیسے اس محدیث کا نیتجہ۔ یہ بیسی بہت چکٹا کہ یہ عدمیت جا کہا دمنقولہ وی منقولہ دو نوں کے لیے ہے یا مرت جا کہا دمنقولہ دی نہیں علوم ہوتی ۔ اگر منقولہ کے لیے میں اس فرق کی نہیں علوم ہوتی ۔ اگر منقولہ کے لیے میں سے نہیں کی ۔ میں منظولہ حضرت ابو بکر ہے کسی سے نہیں کی ۔

قرآن کے احکام و داشت کے یہ حدیث قطعی خلاف ہے کوئی و صلوم نہ بڑوئی کا انبیاء کے ورثار کیوں خوم الادف کیے جا دیں اس کی وجہ نہ حدیث متنازعہ میں بیان ابوئی اور نعقل میں آئی سے مہم ثابت کہ چکے ہیں کہ آبیشر بیٹ واست و القربی حقام کی است میں کہ آبیشر بیٹ حقام کی است میں کہ آبیشر بیٹ حقام کی است میں کہ جب یہ آبیت نا ذل ہوئی توجناب دسول خدا است الادکا حضرت فاطئہ کو بلایا اور فدک ان کو ہم بہ کر دیا۔ اگر آن صفرت کی جا کہ اوس اولاد کا حقرت فاطئہ کو بلایا اور فدک ان کو ہم بہ کر دیا۔ اگر آن صفرت کی جا کہ اوس اولاد کا حق نہ ہوتا تو بہاں حقد کا لفظ نہ استعمال ہوتا ۔ ابنیا اس سربیت کے بابند ہوت کے بابند ہوت است کو کرتے ہیں ۔ بست سے ایسے انبیاء ہورے ہیں جو خو د ابنی استربیت نہیں لائے بلا اپنے سے پہلے کی سربیت کی با بند کے حتب دہ استی سے کہ بنیا کی شربیت میں بیا بند کے حتب دہ استی کہ بیٹ کہ ایک سے بیلے کی انبیاد کو سے ان کوکس نے بہت کی اور دوسرے کم سے بھی آذا د ہو سکتے ہیں کہ بیٹ ریوست کی بیٹورس کے بیٹورس کی اجاز سے بنیا میں آذا د ہو سکتے ہیں کہ بیٹورس کے بیٹورس کے بیٹورس کی ایک میٹورس کے بیٹورس کے بیٹورس کے بیٹورس کی مقصدت کی بیٹورس کی ایک میٹورس کے بیٹورس کے بیٹورس کی بیٹورس کی ایک میٹورس کی ایک میٹورس کی ایک میٹورس کی ایک میٹورس کے بیٹورس کی مقصدت کی بیٹورس کی میٹورس کی میٹورس کی دور سرے کم سے بھی آذا د ہو سکتے ہیں کیگوں یو بیٹورس کی مقصدت کی بیٹورس کو دور سرے کم سے وہ ہاست و دیل طاح خطریوں : ۔

ا - غالباً بینا بت کرنامشکل ہوگا کہ جادے ذاکد ہویاں کرنے کی صریحاما نستہ ہوں ۔ بال بیضرور سے کہ ایسی سرط لگا دی گئی ہے کہ دو بویاں دکھنی بھی شکل ہوجاتی ہیں۔ ہرایک سے ساتھ قطعی عدل کرنے کی ایسی سرط ہے کہ عیس کو بہدی کم آومی پور ا کرسکتے ہیں - دسول و المکرئے علا و دشایری کوئی ہوج پودا کرسکے ۔

اور کوئی منیں ہیں - اور آب کا ذاتی مفاد آب کی سیاست ملکی اور اپنی بات کایاس (كيونكه فارك پر بيلے ہى قبضة كرايا عقا)سباس امركے متقاضى محقے كرجنا في طميكو فدك واليس ذكيا ماك -

رط)سا بقرانبياري نظائرا-

قرآن شربیت ہی سے ان نظائر کا بہت چاتا ہے -

(١) وَوَرِتَ سُلَيْمَانُ دَاوُدَ ١٧: ١١

بيني ور فريا ياسليان سفاين باب داؤدكا -

، قِلْهِ تَعَالَىٰ مُحُنْدِرًا عَنْ زُكَرِيًّا : وَإِنَّىٰ خَفْتُ الْمُوَالِيَ مِنْ قَرَمَ احَثُ وَكَانَتِ امْرَازِيْ عَافِرًا فَهَبْ لِيْ مِنْ لَكُ نُكَ وَلِيًّا تَيرِبُنِيْ وَيَرِثُ مِنْ إِلِ يَعْقُونِ \_

روجد وصرب وكرياني باركاه فلاه ندى سي اسطرح ساجات كى سي الي ان دادنان بازگشع سے اندسیٹر رکھتا موں جرمیرے مرنے کے بعدمیرے میجیاتی سے میری زوج با بخدیم - خدا و ندااینی درگاه سے مجھے وارسٹ عطا کر جومیراا ور آلِ بعقیب (-2 1 20

نے پایا ظاہر ہے کہ ان او پر کی دونوں آیتوں میں ور ترسے مال و دولت کا ترک مراد مع علم ونبوت اس سے مراد نهیں موسکتے ۔اگراس سے علم و نبوت مراد ہوتے تو پور حضرت ذکر یا کا ڈر ہے معنی تھا۔ ان کے اقربا زیر دستی علم ونبوں پیٹیس لے سکتے تھے۔ نبوت اورعلم لدُنّ ترعطار ربّاني هي -

خورجناب رسالت مائب فاسف والدكا وكدورة مين حاصل كياتفا- ديكمو ميرة النبي شبلى نعانى علداول معلال يرجد درست وروكى كرجب آل حضرت في ورفوايا عمّاس وقت بني دي عربم يهك أن حضرت وحضرت عيسى كى شالول اور ويكردلائل سے اب كر جكي بي كرنى اپنى مدسے كد كك نبى بى اوا ہے - و ه بيدارى ښيروتا ہے۔

(۱۸) صفرت فاطریک اس عوے کی تردیدس صفرت او بکرنے میں عندائش کیے تھے

يدامر اليمى طرح واضح ب كراب ايك مضمون كومختلف اوقات يربيان فرمايا كرت عقر اور آپ کی احادیث ایک دوسرے کی تصدیق و توثیق کرنے والی مونی تھیں ۔مثلاً جناب امير كفيلت كى احادميف، ان سے مجست كرين كى تأكيدكى احادميث بسيري ہیں اور بہے سے طریقوں سے بیان کی گئی ہیں صبیح بخاری و پیجے مسلم کے کسی اب يا فضل كوالمفاكر ديكه لو مراكب من ايك بهي صروري صنون يختلف عنوان كاحادثها يا و كليكن بيرمديث لا نوريث من كاس عنون كى دوسرى مدميث بنيس لتى -ادر اس کی توشق سی دوسری مدیث سے بنیس ہوتی -- گردرمدیث

جناب فاطمئه اور حضرت علی نے مفروضه صدمین کی صریحاتر دید کی اور فرما دیا کہ يد كلام رسول مثيل سے -(و) معارضه -

اس لادارت صديث كا معارضة أل معنرت كى سادى عمر كي طرز عمل سادرا ب ديكر كلام سے سب -اكر آن حضرت امت كواپني جا نداد كا دادت مجعة و كيراس مي من تو مبر کرے - اور شرمنو پاستم کو دیتے اور اپنی اولا دکوجو اسٹے تنگیں آل مصرب علا کے والمف مجعة مف كمدية كرتم ميرب والمف بنيس بو مين تو نعوذ بالشريقة ل كقار البر موں -لاوار فرموں میرے مرف کے بعدمیری است کی اورمیری جائدا دکی فرست بناكرك ماية كى معلوم مرة اسم كراس لا دارت مدريف كا تعلق مناب بركر ك دماع من كفا رك اس طعنه في ذالا عمّا كر عمر توابتروي - بيكفا رف اس وقت لها عقا كه مبب حضرت ابراتهم فرز ندرسول كا انتقال موا عقامه ابتروى كي وراثت اس طرح گلیوں میں لنتی ہے۔ حضرت او کرنے کہا کہ واقعی درست ہے -ان کی وراثت اب است بے گی - اسر تو که ندسکے -اس کے معانی کواس طرح دمیرا یا مصرب علی وصنرت فاطرع في صاف كدو إكراب رسول فعاف اس مديث كا ذكر بم مجى سي كيا - بيصاف وصرى شوت ب- اس امركاك بيصديث كلام ومول المين اكراك حضرت في يكما بوتا توال مضرف ضروداس كا ذكرا بين والأن سي كرتي -(ز) و ( ح ) تعداد و تفت روا ق ١٠١١س مديث تے افت العظم العظم العام العظم العام العظم العام پوسک تقا۔ دوسرے بیرکہ بیا دنناد دا قعیت سے بالکل مغرانقا۔ حضرت او بکر کے تبقاد کے برجیب نو آل حضرت او بکر کے تبقاد کے برجیب نو آل حضرت کی دیا ۔
کیوں حضرت عمرکو اپنا جانشین مقرد کردیا۔ اور آل حضرت کا طریقہ عمل بدل دیا ۔
مضمس کو لیجیے ۔ آل حضرت خمس کو بنو ہا شم اور بنوعب المطلب بیر تقشیم کرنے تھے اور بنویو اس کی دھنے و مضرت عمرت مقاور بنویو فل کو مطلق حضر بندیں دیتے تھے ۔ حضرت او بکرد حضرت عمرت خمس تقسیم کرنے آ برے غیرے کو دیدیا لیکین قرابتدادان دسول کو ہندیں دیا شکلہ علامہ شبلی فرماتے ہیں : ۔

" وه ( صفرت عمر ) قرابتدادان بغير كومطلقاً خمس كاحقداد نهي محية كقد بنائج الخول في المرحجة كومطلقاً خمس كاحقداد نهي و يا المرحجة بنائج الخول في المرحجة على مست محمد منهي و يا المرحجة بن المام البحنية بعنى و يا المرحجة المحتمد الماديث وروايات كر استقراء سع جو كجوثا بت بوتا سى يرسه و وي القرئي مين سع آب (جناب رسول خدا") صرف بنويا شم اور نبوعالمطلب كوصند ديت عقر - بنو نوفل و مبوعة شمس حالا كر ذوى القرئي مين داخل عقر ليكن آب في ان كويا وجود طلب كرين كيمي كيم نهين ديا -

(الفاروق مصرودم ولايماء مفيد)

اقل تويدكه دعوى بهد البدينين ـ دويم يه كربيغيركي اولاد هجو ومراي دف موتى سب -سويم يكرسي اس طريق كوج رسول فداعك زماندس دائج تقارم كزنه بداول كا-كون كى زمين مجھ الفائے كى اوركون سا آسان مجھ دينے سايہ تلے كے گارا كرميں أن حفره كحطر على مي تبديلي كردون -چو تھا عذر حضرت ابو مکر کے و کلا ایڈا دکرتے ہیں کہ اولا دکی شماد ت اپنے والدين كے حن من اقابل قبول موتى ہے۔ عدرات اول و دوم وجارم کا جواب مم بیلے دے ملے ہیں۔ تیسراعدمان می عذرات كالع ع- اكرمساني عب وراولادرسول عروم الانع بنيس ك أو مجفر حضرت الويكركوان ألاضيات وصدقات يدكوني دسترس بي ماصل مع عقا الدينده اس ك انتظام كري كم ماند في رلمنا حصرت اله كرك ليطريق الموالك وبال یا زیدان کاسوال بی سیدانسیس بوتا- اوراگریم اس عذرکو دیگر عذرات سے علیمده معی کرلیں مربی مکرسے کو کھی فائدہ نہیں بہنچنا۔ دوایات سے ثابت ہوتا ہے کا بخدصد قامت مين سي مب تهم في ديتا عمّا تؤال حضرت اس بقية كوبنو بالتم كرغز! وساكين تقسيم كرديتي محق فرك كعلاده ديكرذا لغ أمرني هي توجناكيهول فعا كياس عقد عزيا وماكين كي يدورش ان ديكر ذرائع سي بوق على -يرمطلقاً ثابت منیں کہ فدک کے ہمبہ کے بعد فدک کی آمدنی پر جناب رسول خداز سے تصرف کیا ہو۔ دیکرصدقات کا دعوی جناب سیده کابدردد میراث کے تھا۔ جب تک ان صرت خود زنده رہے۔ان کوحق حاصل مقاکر اپنی اولاد کو دیں - اپنی بیویوں کو دیں جو بھائے اس كوم مرح مي چاہے من كريں ورنے كى بدتھ ون اكا ہوتا ہے ماكم ك دبانوننس كرتصرف كرب ياس كوضيط كري وكرمت كى ده كرامنى ديني جيها بم بان کرچک ہیں۔اب دہ کیا یہ عذر کر رسول فلا کے عمل کے مطابق عل کیا صروری ب- ورد مصنرت الويكركون أسمان سايرز رسكاكا اوركوني زمين مداعما ياكي بياتو د نع القتي كي كفتكر عشي صبيري كرحسه بكنا كتا م الله - اقال يركنظيرقا كم منين بوتي ا ية راضي آن حضرت كى ملكيت على اورا بو بكرى مليت ديمتى - لدذا طرز عمل ايم ماكيونكر

(۱۷) عزر توکر و خداکو جان محاری ہے ۔ انصاف کونہ ہا کھ سے جھوڑ و چھنر شاہیکر اس حکومت برقابض سے جو جناب فاظمہ کے والد بزرگوار کی بیداکردہ اور ان کے شوہر کی تلوارسے حاصل شدہ تھی۔ اگرید دو لون نہوت تو حضرت ابو بکرکس حکومت برقابض بروتے ۔ علا دہ اس کے جناب فاظمہ کے والد بزرگواران کے بنی و مسن اعظم کھے ۔ کیا ان کے احداؤں کا میں مدل تھا۔ اور میں اجر رسالت تھا جوامست نے بان کی اکلوتی پایی بیٹی کو دیا۔ کتنا جناب اسول خدا کی دوح کوصد مر ہوا ہو کا جب جناب فاظمہ فریا دیس میں ہوں کی جس دل نے اپنے چیا عباس کا چند کھنٹوں کا کرا ہنا بردائشت فاکیا وہ اپنی بیاری بیٹی کی فریا دور ہو اور ان کی ساتھ سنتا ہو گا۔ جناب فاظمہ اتنی اپنی بیاری بیٹی کی فریا دورہ کو کرا من کیا۔ ساتھ سنتا ہو گا۔ جناب فاظمہ اتنی این سے ناداخس ہوئیں کہ تو کھر کلام نہ کیا۔ ساتھ سنتا ہو گا۔ جناب فاظمہ اتنی حسان ان سے بیان کر دی۔ اور مرتے وقت وحیت کر دی کہ یہ دو نوں اور عائش میرے جنان سے بیان کر دی۔ اور مرتے وقت وحیت کر دی کہ یہ دو نوں اور عائش میرے جنان سے بیان کر دی۔ اور مرتے وقت وحیت کر دی کہ یہ دو نوں اور عائش میرے جنان سے بیان کر دی۔ اور مرتے وقت وحیت کر دی کہ یہ دو نوں اور عائش میرے جنان سے بیان کر دی۔ اور مرتے وقت وحیت کر دی کہ یہ دو نوں اور عائش میرے جنان سے بیان کر دی۔ بین تا کی سے بیان کر دی۔ اور مرتے وقت وحیت کر دی کہ یہ دو نوں اور عائش میں بیمان

م الم الم صبح بحادى كاب المنادى باب غزده أخير طوي مدمو المجرد الثالث مدير مطبقات ابن سعد الجود الثامن ذكر فاطمه صفل مستدرك على أصبحيين الجرد الثالث ذكر فاطمه ساله والاستيعاب ابن هدالبر الجرد الن في صلك حسين ديا دكرى يا ديخ الخيس الجزوالثاني صلاس

ترجمه - عام تفيس سے ذیاد و الكل جناب قاطم لرمبرا كا تضيد فدك سے كرد كر

اس عمل کی بیروی کیوں نہ کی۔اور دختراسول کی دلجوئی کیوں نہ کی ۔
(۱۲) اگریالاوارٹ حدمیف درست بھتی تو حضہ سے عائشہ اور حضرت حفصہ کے دہ حجرے اور مکا ناست کیوں نہ لے لیے گئے جوان کو آل حضرت کی طاکس مقے۔ اور اسکے ۔یومکا ناست آل حضرت کی طاکس مقے۔ اور الذواج نبی کو ور شیس آل حضرت سے بہنچے مقے المال

اب درا مولوی شبلی کی عادت بر بھی نظر التے جلیں۔ دیکھیے کس چالا کی اور ہوشیاری سے جناب رسول ضا بر نکستہ جینی کرتے ہیں اور حضرت عمر کے نفل کی جا بیت کرتے ہیں۔ اور حضرت عمر کے نفل کی جا بیت کرتے ہیں۔ دیسے ہیں۔ بیلے تو یہ کہا کہ حضرت عمر اور امام ایو صنیف ذوی القربی سے قائل نہ سکتے۔ بھر رسول خدا کا طرز عمل بتا یا کہ جناب رسول خدا کی دی القربی میں سے صرف بنو ہا شم اور بنوعب المطلب کو دیتے ہے۔ بنو نو فل اور بنوعب تقس کو نمیں دیتے ہیں۔ بنو فول اور بنوعب تقس کو نمیں دیتے الکل سے عمل اور نوعب المطلب کو دیتے ہیں۔ باسم کا مور وہ ہوسکتے ہیں جن بھر بنوعدی کو بھی دینا چا ہیں عربی سالے اور نوفل کی دو سری لائن ہوگئی۔ یوں تو بھر بنوعدی کو بھی دینا چا ہیں عقا۔ اور بھرسالے قریش ہی دینا چا ہیں۔

(۱۵) حضرت فاطمة وحضرت على في صفرت الإبكر كے مصل كو غلط مبنى الجام على الا ) حضرت فاطمة التى نالاض بوئيں كر بھر حضرت الوبكر وحضرت عمر سے عمر بحر الا ) حضرت فاطمة اتنى نالاض بوئيں كر بھر حضرت الوبكر وحضرت عمر سے اور ميں اسبينے والد بزرگواد سے متحادى شكا بت كروں كى -حضرات في بنالات كو داضى كرنے كئے توان كى طرف سے مند موڑ ليا - اور كلام مذكيا - جو لوگ محرصطف كورسول برح سيجين بهيں اور الب كروں كو بيا و اسرائى كا كر جنا ب رسول فعدائے قربا لا تقال كو الله المرائي المول فعدائے قربا لا تقال كو فاطة مير سے مرم كا فكر اسے حس نے اسے نا داص كيا اس نے مجھنا داص كيا۔ اور جس في الدر سے خس الوبل فعدائے قربا لا تا اور با ندام ہو جا ہيں ۔ اسے نا داص كيا اس نے مجھنا داص كيا۔ اور جس فعل سے لرزہ برا ندام ہو جا ئيں گئے ۔

الله الله الدين بهودي و وفادالوفار باخباد دارالمصطفى الحبسسة والادل إب الرابع مضل الماس مصف - r19

ا صفرت کا ایک مرتبہ کها تقاحیں کا بہلا شعریہ ہے، -اثر مجریشعر: - میرے او براسی صیبتیں بڑی ہیں کہ اگروہ دوز مائے دوشن بر بڑتیں تومشل رات کے ادیک ہوجائے ۔

شاه عدالی اوردولی صدرالدین ہی پرکیا مخصرہ - اپنے برائے حس نے اس فضے کومٹنا دانتوں میں انتخلیاں دے لیں کہ اسیسے بھی غلط فیصلے ہوا کرتے ہیں ۔ مامون الرشید نے حب یہ واقد رُئنا حالات معلوم کیے قواس نیتجہ پر پہنچا کرچ نوا کہ الدی کیا فدک چھین لینے اور پھر والیس مترکہ نے میں غلطی کی جنانچہاس نے آیک فرمان چاری کیا کہ فدک اولا دفاط شکو دائیس کر دیا جائے ہیں اس کو فل کیا اللہ میں اس کو نقل کیا ہے اور ہم نے اپنی البلاغ المبین مصددہ م میں اس کو نقل کیا ہے ۔ یہاں ہم اس کو نقل کیا ہے۔ یہاں ہم اس کا ترجم درج کرتے ہیں : ۔

حبب سناسيه بوا توامير المؤنين مامون عيدا مشرابن بإددن الرشيدك حكردياك فدك اولاد فاطر عليها السلام كوديديا جائے - يرحكم نا مراس ف المن عامل درينه فتم بن عفركو كها، - اما بعد اميرالمؤندين كا ابني اس فييت موجبها جراس دين الكيدمين ماصل م اورطور خليفده انشين وقرابت دار وسول التربك يروض سے كرجاب درول فدا كر بقري على كيا اوران ك احكام كومادى كرب - اورجيت إصدقر رسول خدائ كسى كوعطاكياب امیرالمومنین بھی وہ شنے یا صدقہ اس تخص کو دیدے ۔ بھیرالمومنین کی بینرگا کی وتوفيق مب خداكي طرف سے بے۔ اورامير المرمنين كى يرخاص خوام مش ب كدوه كام كريس ف رضا ك خداد ندى ماصل مو- يرتحفين كرجناب رول فدائے اپنی دختر قاطر کو فنک مبرکیا تفا۔ اور طور ملیت کے دیدیا عاددد براكم الهاما ف ومرك واقدع كرس جاب بدولمنا كے رشة دار درسيكى كراخلاف انسى ب يس اميرالوشين اس كرفئ مجعة بي كرفدك خاب فاطرك ورثاء كومانس ديدي تاكر فداونه فعالى ك مفت مدل وحق كرقاع كرك اس كا تقريب ماصل كريدا ورجاب وافعا كاكام كومادى كرك ان عائر فرد فاعاصل كرب لناام لونين ف

اگریم کمیں کہ جناب فاطمہ اس منت بعنی مدیث سے جاہل تھیں جو او بکرے

داشت کے ارب میں فرائی تو یہ بعید سے جناب فاطمہ سے اوراگریم فرض کوی

کرفنا ید بیر مدیث سننے کا اتفاق دیوا ہوگا تو جب حضرت او بکرنے بیان کردی
اور چرک صحاب نے پاس میں بال بھی ملا دی تو بھر انفوں نے کیوں نہ قبول کرایا اور
عضم ہوگئیں ۔ اوراگر آپ کا عضر اس مدیث کے سننے سے بیکے تھا تو اس کے

سننے کے بعد کیوں ندان کا عضر فر ہوگیا ۔ بیان کے کرجب کے زندہ دہیں

ابو بکرسے کلام ندکیا ۔

مولوی صدرالدین مفی اپنی کتاب دوا مج المصطفاییں جناب فاطری کا مال کھتے ہوے فرمائے ہیں ، ۔ مال کھتے ہوے فرمائے کا

بعدانه فات پنیبر دا قعامت بسیارگذشته ش معامله فدک دسقط شده کلاد ه تشدید مودن ترخطاب بنی با مقم واکه درخانهٔ زهراا جناع موده و بودند د تا لاه شیون نودن حضرت زهرا پیش انصارطوساهٔ دار د و ذکرش نا کردن اوسلا ترست دصیت نودن حضرت زهراکه به یکی کس برجنانهٔ او حاصر نشود - دلیل مربح است برآن که حضرت زهراکه به یکی کس برجنانهٔ او دنیا دفت - اکتون و دلیل مربح جوامند کنند و مرشیه برائے مینی برانشا او ده یک بسیت از داخل آن تصیده این است –

صُبَّتَ عَلَى مَصَاعِبُ لَوْ آتَهَا صُبَّتَ عَلَى أَكَا يَا مِصِرُنَ لِيَالِيا

الماجية

جا فاطن الريرا كيمائي عوم وروم والميول كي

جناب فاطمة الزهراصلوات لشدعليها كوابيني يدربزركوا رشي انتقال كااتناريج موا كرحس كى كوني صدو انتها بهى مندي معلوم بونى - اس كى دو وجو إت تقييل - ايك تويك در فطرون كوجوا يك دومسر السع حا ذبهيت الونى سب وه ان كروها في درحمار تقاركي مناسبت سے ہوتی ہے جس کو آج کل کی زبان میں مقناطیسی جارب کتے ہیں ، دوسر يركر المحسة ال صرية في انتقال فرايا اس سي من امت في با أسلى ويقى مینے سے جناب فاطمہ سے زخمی دل میں اپنے عمل و گفتگو کے نشتروں سے بچو کے دیسے شروع كرديه-اگرامت كى طرف سے أب كونستى ملتى عميں سركت بوق ،آب كار جون كى جانى جب طرح آب كا اعر ازاينے يدر بزركوارك زمانے ميں تقا اسى طرح قائم دكھا جاتا توبهت مديك أب كعم كي شدرت والزمين كمي موجاتي ليكن است تواس بر عى ينتيمى بدوئى معلوم بوتى تقى كه مبرا يك وهطريقيرا يذاد صردرسانى كالسنعال كياجا في جب سے جناب فاطنُه اگراپنے والد ما حد کی بطلت کا عم بھیون بھی چاہیں یا اس مرکمی کرناچاہیں تر دکرسکیں آپ کو آپ کے والد ماجد کا بڑسا دینا تو کٹجا ان کے حبیراطرکو بعنسل وكفن جيور كراتت اينے ميں سے ايك حاكم هوركرنے على كئى - آب كي شوہر جن كا مِن سرطرة من فلا فت بريقًا نظرا ثدار كرديد كف فلافت يجيني افدك عينا ا المركة اك لكاف الما الما الب كى برطرح سائفيرو توبين كى - يداي الس المست ك كارناك الي رسول كى دختر كے سائق حب كوان كے معدر بزر كوار نے خاكب فالسف مين سے اٹھاكريكونت تخت انسانيت پر تھا ديا تھا۔ دين و دنيا كي را وستقيم د كھا كي -ان كوانسان بناياً - اورانسان بناكراكيب قوم بنايا - ان كم مخالفين كومغلوب كيا. ان کی مذہرم اسمیں کو دورکیا ای ایس کے عناد و عدادت ددورکرکے انتھیں آسی می مجب مے رہا اللہ مل علی کرر مینا سکھایا ،غرضکہ ان آئے دن کے بچے کوں نے بی پنسیں کہ دخم کو

حكم دياسي كريد والبيي فدك رحبطول سي كهي حاسة واوريداحكام تمام عال کے پاس جھیج جائیں حبب سے جناب رسول خدائے رحلات فرانی سے اب تک بدر مرسی ب كدريم ع يتمام لوگون كودعوت دى حاتى سے كم حبرکسی کوجنامب دمول ضدائت کی صدقه دیا سے یا بهبر کیا ہے وہ آن کر بیا ن کرے۔ اوراس کا قول قبول کیا جا تاہے۔اس صورت میں جناب فاطمتہ زیاده حقدار بین که ان کا قبل در بارهٔ بهدفدک منجاب دسول استرقبل كياجاك يعقيق كرامر المونين فابي فالممبارك طبرى كومكردياب كرفدك صفرت فاطرئك وارول كوديرك مع اس كرتام مدود وحقوق وپیاوار د غلاموں کے والیس دیدیے محدین کی برجسین بن زیدبی لی بن حسين بن على بن الى طالب اور محدين عيدا مشرب حسن بن على بن حسين، بن على بن الى طالب كوديديدان دو نون كوامير المومنين فياس الماضى کے الکا ن یعنی درا ، جناب فاطم علیهاالسلام کی طوف سے ایجند و کا رکن مقردكيا ميسي عركي علوم إونا جابي كرياميرالموسين كى دائ مع ادري وہ ہےج خدا و درتعالی کی طرف سے تقیین حکم ہواہد تاکر معادر اس کے يول كي رضا ماصل كي ما في جي تقاري ما تحت بي ان كو بي اس ي آگاه کردد محدین کیلی دمجدین عمدا شرکے ساتھ بھی دہی عمل کر دجواس يد ايرالونين كاركن مبادك طبرى كما تذكيا كرت عقرا وران دون كم وه مددمینیا و حس سے اس اراضی کی درخیری و سیداواد و منافع میں اینادی اوسینیت ایددی کا جما بود مورخد وزیهادشنیددی قدره سناشدهد ( فق البلدان ملك معك)

اس صفون كويم قرآن طريعينه كى اس آييت بختم كهية بين وَكَا تَزُكُنُو ْ إِلَى الَّدِينَ وَكَا تَزُكُنُو ْ إِلَى الَّدِينَ ظَلَهُ وَا فَتَمَسَّتَكُمُ مِ النَّى مِ كَوْمَا لَكُمُ مِنْ دُوْنِ اللَّهِ وَلِيَا عَ نُصَّلَاتَ فَكُونَ النَّ (ترجمه حدادر قرمت مُجَلَوان لوگول كى طرف جفول نظام كيه بين ورند تم كوجه فركي آگ اپنے لپيٹے میں لے لیکی وادر تھا داكوئى دوست نہوكا اور انتقادى مدد ندى جائے گی۔)

----

ال صفرت کے انتقال کے بعد صفرت بلا سے امادہ کولیا تھا کا بہی کے لیے دہ الد الدہ کولیا تھا کا بہی کے لیے دہ الد اللہ اللہ کا بہتری تو ام ش ظا ہری کہ این والد اللہ کو بہتری تو آپ نے ادان دینی سڑوع کی جیب اعفوں نے اللہ براگر اس کی جرحفرت بلال کو بہتری تو آپ نے دالد براگو اراور اس کی جیب اعفوں نے اللہ براگر اسٹر اگر کہ اقد جن ب فاطمة الزہر المانے دالد براگو اراور اس کو فاطن کے لیا م اللہ براگر اللہ اللہ کو اللہ براگر اللہ اللہ کو کہ اللہ براگر اللہ اللہ کے کا استمدان جو الله براگر اللہ کو کہ اس کو برائر کہ اور اللہ برائر کہ اللہ اللہ کے اور اللہ برائر کے اس کو برائر کہ اور اللہ برائر کہ برائر کہ برائر کہ اور اللہ برائر کہ برائر کہ اور اللہ برائر کہ برائر کو برائر کہ برائر ک

الم الم من مبرد مبلى مجلداله الع مصر

مندس نبونے دیا بلداس کو اور گراکیا۔ بہان کے کرنے بردانشد کی طاقت ندی اورآپ نےداعی اجل کو لبیک کیا شیعہ درخین کا کتا ہے کرجیب حضرت علی کو المرع المركاك كالاتاك والمائية المائية الدا تفول كالرواز عكواس زور عكرا باكرا يكالي كاللي الفارة كيا المتفريقات र्भा दिल्ले के कि कि के कि نميں يى غلط ہے۔ آپ نے اپنے والدكے غمر ميں تھل گفل كرمان دى - بہرصورت است ك صاحبان مل وعقد اس صوريت مين على البني ذمه داري سي برا بنيس بوسكة - ب اعتراص ميريسي قائم ده ما تا ہے كرميب ما نتے سے كرہاد ب سني سر من مني برك كار تى بیٹی ایٹے والد کے عم میں کھٹل رہی ہے تو تھیرا مندوں سے اس عم کو تعملا نے میں اوران کی د رون كرسن مين كيا كوسنوش كي-اس كوزيا ده بني كيا- كم تو نذكيا - اور يوطوفه اجرايي كم كت بي كرج كيوم ي كيا سنت وسول كي بيروى سي كيا - اسى طرح كت بي كي سيروى توكر بلاس ان كے نا ناكى تادار نے قتل كيا۔ قابل تعربيت ہے و منطق حس نے اسينے ظلمول کواسینے نبی کے سرتھویا - اس طرح وہ ہی قدم جسٹ کرسکتی ہے جس کی گراہی ہی کی عقل سے آیادہ گری ہے معلوم نہیں یہ بزرگرارا بنی مجسف کر کا غذید کھ کراسے ددیارہ مجی المند عدل مع يرفي المن يرفي الريد الريد المربي المعين المناس المن این عجف می نظرنسی آتا تو داغی امراص کے معالجین کے لیے اپنے منزک آزانی کا - 6- Exteriz

علامرا بن ٹمر آئٹ بن اقب من قیسی صفرت کھریا قرعلیاں لام کا قرل افل کرتے ہیں کرجناب دسول خداکی و فات کے بعد کسی نے جناب فاخت کو سنتے ہو سے نہیں دیکھا بیان تک کر آپ نے رحلت فرمانی سکالہ

سرة النيويد والأثار محديه مين سيدا حمد ذيني وحلان كتين بي كه جنب فاطمير ال حضرت كي يعد عجر جميد تك ذيره دم بي اوراس عرصه مين وه ايك فندي مي نه مين سين اسكاه صلية الاوليا مين او فنيم حضرت محد باقر عليالسلام كي دوايت نقل كرست بهي كه حمل كتاب مناقب الرابي على الما بي على الرابع عد المسكان سرة النبويد احد زمبي و حبلان و ماشير سرة حليب الجزوان الف مستاق

ان كى عدو باقد ك بدملات من يرمان ال مانة دوسرى فرنون كے يُواسلوك كرف ال كے نيرو كيون ماخ،ان كادايس كالماسدادران ك فواستول کے خواب ہوجانے کا فدا بھا کرے د ان کے نفسوں سے ان کے سلیے ایسے اعمالوں کا توشد صيايقا كه خدان يغضبناك بوكيا الهاب يبهيشه عذاب مين ربين على) برخفين كه حكومت و ملطنت نے ان کی گرد وزر میں اپنا پیندا اور اينابرج والديام اورائفيس إربارتباه وغارت كرديام خداظ لموس كى ناك كاف ادرا تفيي ہے دست ویاکرے اور انھیں اپنی دھسے ادر انکھ ان پر انسوس مے کراہفوں نے خلافت کو ایستی فق روركرديا سيجورسال كاستحكم كرف والا بنوت و بدايت كاستبعا في والا، روح الامين في منزل ور اموردين ودنيا ميل الهريج ان كاي المراب ال آخر يابوالحسن سيكس إحدس الداص بين . بان بخدا- لوگ او الحسن كي نواد كمنكر واون كد دوركرف ( بدايت) الوالحسن كي موت كي بداه بونے ( چاکف ان ک محنت حباک ( جاد ) ادر مثل عذاب طون اور شاکے ادی میں ان کی جرات ومستسع اوس بي حالا كالسم بداكر يال كفك بوت مجيح لاست سي بمك جات اور دامنح دليل كم بتول كرف سع كنا و وكنظى كوسفاة ابالحس ال كويوان إلى كيما ميدوايس ال ادراعفیں اس وا ویرلگادیے - اور تسم بخدا اگروک

يَوْنَ الْجِبِّ وَقَرْعِ الصَّفَا يَوْوَ صَدْع الْقَنَّا قِ وَخَطْلِ لَآتاء وَزَلِلُا هُوَاءِ روَلَشِهُ مَا قَدَّامَتُ لِهُمْ ﴿ نَفُكُمُ هُمُ أَنْ سحنط الله عكيه يمروفي العتاب هُ مُ خُلِلًا وَتَ ) لَا جَرَمَ وَاللهِ لَقَنُ قَلَنُ تُهُمُ رِ نُقَتَّهَا وَ حَمَّلَتُهُمْ رَاوُ قَتُهَا وَ شَنَنْتُ عَلَيْهِمْ غَارَتَهَا نَحَهُ عَا وَ عَفْنًا وَ بُعُنًّا لِلْقَوْمِ الْكَلِيانَ وَيُحَهُمُ آنٌ زَعُزُعُوْ هَا عَنْ مَ وَاسِي الرِّسَاكَةِ وَقُوا عِدِ النُّبُونَ فِي وَالدُّلَّالَةِ وَمَهْبَطِ الرُّوْحِ أَلَامِينِ وَالطَّيِّبِينِ مَامُوْرِاللَّهُ نَيَّا وَاللَّهُ بِينَ آلَاذُ لِكَ هُوَ الخنسوران الميين وماالَّاني نَقَهُ وُامِنَ آبِي الْحُسَنِ لَقَمُوا مِنْهُ وَاللَّهِ نَكِيْرُسُ يَعْنِهِ وَقِلَّهِ مُبَالَاتِه تَحْتُفِهُ وَ شِيلَةٍ وَطَأْنِهِ وَ بِكَالَ وَقُعَيْهُ وَتُنتَثُرُ لا فِي عَاسَاللهِ عَزَوَجُلَّ وَتَا لِلَّهِ لَوْمَالُوْا عَن الْمُحْتَجَةِ اللَّائِحَةِ وَزَّالُوْا عَنْ فَبُولِ الْحُمَّةِ الْوَاضِعَةِ

آپ برغش طاری ہوجا تا تقار آپ اپنے والمد ما حدکے لیے اتنا روتی تھیں کا ہلم بینکو اس گرید و باک سے ایذا ہوتی تھی کا ہلم بینکو اس گرید و باک سے ایذا ہوتی تھی بس انھوں نے جنا بعصومہ سے گزارش کی کا پ کی گرید و باک نے دیکھوں کر آپ سے نے بیموں کر لیا تقاک قبرشان شہداد کی طوف حلی مائی تھیں اور و ہاں دل کھول کر گرید و کہا کرتی تھیں جنا باج لرونین حصورت علی علیال نسام نے جنا ہے مصورت کے ایک قبرشنان بھی میں ایک مکان بنا دیا تھا اور و ہ اب تا ہے باق ہے میں ایک مکان بنا دیا تھا اور و ہ اب تا ہے باق ہے میں ایک مکان بنا دیا تھا اور و ہ اب تا ہے باق ہے میں ایک مکان بنا دیا تھا اور و ہ اب تا ہے باق ہے میں ایک مکان بنا دیا تھا ۔ اور و ہ اب تا ہے باق ہے میں ایک مکان بنا دیا تھا ۔ اور و ہ اب تا ہے باق ہے میں ایک مکان بنا دیا تھا ۔ اور و ہ اب تا ہے باق ہے میں ایک میں میں ایک میں ایک میں ایک میں ایک میں ایک میں ایک میں میں ایک میں ایک میں میں ایک میں میں ایک میں ایک میں ایک میں ایک میں میں میں ایک میں میں ایک میاں ایک میں ایک

مرض لرب من جناب مصومه کا خطب مستورات الماجروانمالی مانخ

احتجاج طبری میں موید بن غفلہ سے ، معانی الاخبار وسترح سنج البلاغاب الحالیہ میں فاظمہ سنت الحسین سے ان کے فرز ندع بدالشرین الحسن کی ذبا تی امالی شنج مفیدیں اس عباس سے ، کشف النم میں کتاب لسقیفہ ابی بکرا حمد بن عبدالعزیز المحوسری کے حوالہ سے بر وابیت عبدالشرین المحسن عن امر فاظمہ بنت الحسین مردی ہے کمہ جب بناب مصرمہ کے مرض موت میں شدت ہوئی تو آب کے پاس مها جرین وانصادی عورآ بخت ہوئیں ۔ سلام عرض کی اور دریا فت کیا کہ نبت دسول آب سے کے مس مالت میں صبح کی ہجتا ہے مصرمہ نے حدوث نا والی و درود سیم برکے بعد فرمایا ۔۔

یں سے آج اس عالت میں سے کی ہے کہ تھاری دنیا سے بیزار ہوں ادر تھادے مردوں کی دیمن ہوں میں نے انحفیں اس طرح دورکیا ہے جیسے فاسد خرم تھوک دیا جاتا ہے ادر اور دی طرح جائے کران سے دیمنی کی ہے ان کی تلواروں کی باڑھوکے کوئند ہوجانے يهيك النيان الشيد للمسن الامين العاطى الجزوالثاني مهيم

ميرة فأطمة الزمرا

ان كا قول من كاش مجهم معلوم إدرا ما كريدلوك ابوالحسن كوچيولوكرس جاك بناه كىطرف ماكل ہوے ہیں اورس جااے سے شکا دلیام کس ستون ير هروسه كيام كس حلق اس كو بكرا سي-ررول خدا کی ذرئیت کوجیو ژکرکس کی بارگا و میں حاصر بوسے ہیں - اور ان سے والبت ہوسکے ہیں (كيسي برئ مين ما ين وال اوركسا برام وه قبيارص كى بيناه مين داخل بوسي اور ظا لمول كو برا بى بدلدمات سے الفول سے باردوں کے بروں کے بدلے بروں کے برول يكراب - اوران كركرست كرباك كالمكانده كى بريوس كواختياد كيام بصدفدا السي قوم كى ناك الكوات (جواليسي بوائيون كے بعد بھي) خيال كوتے بين كرودا جي كام كرديد بين. (أي قرأني ده بقیناً مغسد میں سکن ده حاستے نمیں) ان برابو- ( آبیعه قرآن - آیا و پخص بیروی کید صافے کے قابل ہے جوفق کی طرف ہدایت کرتاہے ياده جود بدايت كاممتاج بكيا برانصله جرتم کرتے ہو) میری جان کی شیم خلاف کی اہٹنی حاملہ دھکی ہے۔ جملت دو کر بچے جنے بھر سالے عرورك فول كنده اور زمر بالال اس ميس وعوو ك وفتنك ي دل كوط بن كراواد تي بال اوزطالم سيدادكرك تسقط كي خوسخبري الداور اليف فسادك متظره جويا ينده ادرسب كو ليستن والابوكارا ورفا لول ك استبراد اور

وَمَا عِشْتَ آرَاكَ الدَّهُ مُ عَجِبًا (وَإِنْ نَعْجَبُ فَعِجَبُ قَوْلَهُمْ إِلَيْتَ شَعْرِي إِلَىٰ أَيْ لَجَالِجُووا وَإِلَىٰ آئِيَ سِنَادِ استنك وأوعلى أى عُادِاعُتَكُوا وَ بِأَيْ عُرُو لِهِ أَمْسَتَكُو اوْعَلَىٰ اَئِي دَرِيةِ قَلَامُوا وَاحْتَنَاكُوا (كَيْسُ اللَّهُ فِي وَكَبِسُ الْمَيْثِيرِ وَ بِشَنِ لِلظَّالِمِينَ بَلَاكًا) إستنبي لؤا والله النافايي بالفقادم والعجز بالكاهل كَرَعْمًا لِمَعَا طِسِ قَوْمِ تَعْيِيبُونَ آنَهُمْ يَجْسِنُونَ صُنْعًا (17 إِنَّهُمْ هُمُ مُالمُعُنَّدُ الْمُعَنِّدُ وَنَ وَلَكِنُ لِآلَا لَيْنُعُرُونَ ) وَيُحِهُمُ (آ فِينَ يَهُدِي كِالِي الْحِقِّ آخَقُ آنُ يَتَبَعُ آمَنَ كَا يَفَتِي كُالِكًا أَنْ يَتُهُا مَىٰ فَهَا لَا مُرْحَيْفَ كَيْفَ مِحْكُمُونَ) آمَالَعسري لَقَاهُ لَقِعْتُ فَيَطِرَةٌ رَيْمًا تَلْبَعُ نُعَدِّ أَحْتَلِيبُوا مِيلِ المَقْعَلِبِ وَمَّا عَدِيُطًا وَ ذَعَا قَا مُهِيْلًا وَ ٱطْمَيْنُوا لِلْفِيتُنَّةِ حَبًّا شًّا واستروابسيف صارم وسطوة مُعْتَدِينَ غَاثِمِوهِم جَ

ابدائسن سے اس مارکوالگ مرتم جو اسول فال ن ان كواك كاعلى توابدا حسن أست وجيد في لمكراس مهارك مهاب بلى زم دفنادى مع بغين العظي كرناس واركا جلة جيس زم منوالية اس كا دابرو تفكما اورزسواد درما نده بو ااورادين ان كواليد كما المدير بينجات حس كايا في تلك بينا صاف شفا ف وكثير روتاحب كها ط ك وونال کناروں سے پانی اُمھیل کرمہتا اور کھی گندا ویکدر مع ا اور عفرميروميراب والبيل لاق اوران كي ظاہروباطن ارحالت میں خیرخواجا کرسے۔ دولت سے اپنی کوئی زیست نے کرتے اور نیا ہے كوئى مصدند ليتي سوائك اتنى مقداد كي جويسياس کی بیاس مجها دے یا محد کے کومیراب کردے اور اس دنیاسے مند تھیرنے والے اور دنیا کے طالب کا اورنیزصادق و کا دب کا فرق ظا بر بو جاتا ر آیہ قرآنی (ادراگرابل قرید ایان لاتے اور تقوی اختیادکرتے توہم ان پر آسان وزمین کی برکون دروا زے کھول دسے۔ لیکن اعول سے اسوال کی تكذب كي توبيك ال كرودون كي مصري عنيس مبلاك عذاب كوديا- اوران مي بسيجن أوكون الم تعلم بعى كيا توان كوعنقريب إن كى برايي كا بدام الله كا مداورده فعالو عاجز نهيس كرسكتي ال من فال درا دهرمتوجر بوں اور من لیں کھیت ک توزنده دب كازماز تجوكوعب بالتين دكها البيكا (اگرتم تعجب كريتے بر توسيت زياد و قابل تعجب

لِوَدِّهِ مُ الْهُمَّا وَحَسَّلِهُمُ عَلَيْهَا وَ تَالِيلُهِ لَوْ تُكَا فُواعَنُ زِمَا مِهِ نَبَىٰ ﴾ إِلَيْهِ رَسُولُ اللَّهُ كاغتنكقة وكساربه سَنُوا سُجُحَا لَا يُكَلِّمُ خِتَاشُهُ وَ لا يَكُلُّ سَا يَوْلا وَ لا بَمْنُ مَ الْكِيْهُ وَلاَ وَرَدَ هُمْ مَنْهُلَّا بَهِ يُرَّاصَافِيًّا رَويًّا فَضُفَا ضَّا تَطَفُّو ۗ ضَفُتَا لَا وَلَا يَـٰتَرَبُّقُ جَانِبًا لَا وَ الصَّهُ رَهُمُ بِطَا نَا وَ نَصْحِ لَهُمُ سِيًّا وَاعْلَانًا وَلَمْ يَكُنْ لَيْحُتَالَىٰ مِنَ الْغِنَى بِطَائِلِ وَلَا يَحْظَىٰ مِينَ اللَّهُ نَيَابِهَا لِلَّهِ غَيْرَرِي النَّا هِلِ وَشَبُعَيُّهُ الْكَا فِيلِ وَلَبَانِ لَهُمُ الزَّاهِلُ مِنَ الرَّاغِبِ وَالصَّادِئُ مِنَ الْكَاذِبِ ( وَ لَوْ آنَ آهُلَ الْقُدِّي امَنُوا وَالنَّقُوالَفَتَيْنَا عَلَيْهُمْ بَرَكَا بِ مِنَ السَّمَاءِ وَالْأَرْضِ وَ لَكِنَّ لَكَ إِنَّا لَكَ إِنَّا الْخَذُنَا اللَّهِ بِمَا كَا نُوُا يَكسِيبُونَ وَ الَّذِينَ طَلَّهُمُوا مِنْ هُوَلَاءِ سَيُصِيبُهُمُ ستتاك ماكسنوا وماهم بِهُ عَجِرِيْن ) آلاهَلُمَّ فَاسْتَمَعْ

ميرة فاطمةالزمرا

سيرة فاطمة الزنزا

ما تخمط تم آجا و سي تم ايس فسا ديم منتظر دبوج ياينده ا درتمس كولييشي والابوكا ظلم اور استبدا ديت تم مي والح بوس كم راب تمدا و داست يرنسيس اسكة المستقيم مقارى نظرس اوتھبل اوجكى ہے مسلما و ن عور كروا بنى تارىخ پر نظر دالو كيا يہ بیشین گوئی مون بوری نمیس موئی بخاب رسول ضلاک بعدکیا مقاری تاریخ میں کوئی ایسا زما نه گزرا ہے جب امن و اما ن ہو۔ ظلم دائج نہ ہواور اسلام قرى مو مقادس بهترين زمان حكومت ميس اسلام غريب ويردسي آدميول كىسى اندكى كزارتا بوانظراتا عقا -

## بالبيفتديم

## وصيت اوروكس

ہمارے اصحاب کے نزدیک جناب معصوم کی صحیح تاریخ رحلست المجادی اللّٰتِم مطابق و اراكست معسود عبد اوريه اى تاريخ الم حفوصا د ت عليدالسلام مردی ہے کسکین اورلوگوں نے مختلف تواریخ وفات بیا ن کی ہیں مِثْلًا باجادیٰلام ۱۱۰رسی الآخر، الدرجب سلام بحری - مالنی و واقدی اور ابن عبدالبرکے نزدیک ١٧ رمضان المعرب ما كم في مستدرك مين ١١٠ ما ورمضان بي كلما بع-اس میں بھی اختلاف مے کرا ب جناب رسول خدا کی رحلمت کے بعد کتنے وال أنده روي مندرج ذيل مختلف رتيس بيان كي جان إي اي -يه دن ، ۵ م دن ، دو كين جيدا كر حاكم في متدرك مير ابند صرت عائشة ماربيان كيام ، ، ، ، دن جيساكر ابن عبدالبرف الاستيعاب مير ابن بريده س نقل يا ميد دن ١٥ ، دن ١٥ ، دن ١١٠ مين اس مدت كوافوالفرج صفائي فصرت الممحد إقرس نقل كياب - ماكم في متدرك بين اورابن عبدالبرك الاستيعاب مي هي اس قول كوقا بل اعتبار محجاب علامدلا ليدي في الطابروي

خودرائ كے ليے آماد و بوجا أو جو مقال سال كى قیمت کوکم کردے گا۔ اور مقاری جاعت کو کا ملے الدال د سكار م إا فسوس مع راب كها تم الوقا يراً سكته مور دا وستقيم فقادى نظرسے الحجل ولكي ہے۔ ہم زیر دستی اس گو مقادے کے میں کیو مگر وال دیں جکیم اس سے (واستقیمسے) کراہمت كرت مور سويدس عفله كت مي كر جناب معصوم كا يه قول ان عورتون في الني مردول سع بيان كيا تراك كروه تهاجرين الضادكاجناب سيده كي خدست مين حاضر بوا اورمعذر سكر كرسان كما كراب سيدة النساء اكرا بوالحسن مج لوكوب اس عهد وعقد خلافت كي تحكم تدف علي اس امر کا ذکرکرتے تو ہم ان کوچھوڑ کردومرے کو اختیاد ندکرتے جضرت فاطرنے فرایا کر جم میرے اسس سے ملے ماؤ۔ مقاری تقصیرو کو ابی کے ىبداب كوى معذرت كى صورت باقى منس دى م

وَالِيُوِشَاصِلِ واسْتِبْ مَادِ مِنَ الظَّا لِمِينَ يَكُ عُ مِيا كُمُ زهيدا وجمتكك حصيدا فياحسرة لكمرواني بكموقة عَمِيتَ عَلَيْكُمُ إِنْلَوْمُكُمُّ وَهَا وَ إِنْ أَمْرُ لِهَا كَارِهُونَ - قال سوري بن عفله، فاعادت النساء قولهاعلى رحالهن فجاء اليها قرمن المهاجرين وكالم نصار معتدارين وقا لوا ستيكاة اليساء كوكان ابوالحسن ذكولناهله الامومن قبل ان يبرم العهد ومحكم العقد لماعدلناعنه الى غيري " فقالت عليها السلام اليكم عنى فلاعن ربع ل تعن يركم وكا امرىب تقصيركمر-(اعيان الشيعة جزوالث في ميسك

وختررسول اسلام کی زندگی کے آخری چند جیسے جوا مفون نے اپنے پدر بزرگوار کے بعد گزارے صاحبان غورو فکرے لیے اسے میں است کے ستقبل کی بوری داستان صفر ركفته بين اور ايك اليها آئينه جان نما بيش كرت بين كرجس ينظرغا كر والنے سے آئ کا سے وہ سارے مراص ومنا ذل اجھی طرح نا یاں نظرات ہیں جوامت کواس راست پرسیش آنے والے مقرجو وہ اختیاد کر میلی متی جناب مصوم كى ببشين أونى ود در وب بورى مونى كرتم كواس خلافت كى دونتى مير سے بجالي دوده کے خون کندہ اور زہر بالابل ملے گا۔ تین برّاں اور ظالم بیداد کرکے تسلط کے عنسل دمينا اوركفن بيبنا ناا ورميرس اوربخاز برطفنا

ادرمجركولات كود فتركرنا أوركسي كوميرى موت ك

اطلاع مذدينا ميس تم كوخدا كيسيردكرتي بول

ادراين بيون كوسلام كهتي مون دز قيامت ك

آپ نے زبانی وصیت یں بھی فرمائیں ، حضرت علی ام ایمین، اسمار نب عمیس کو

بلاكرصنرى على سے تين وصيتيں كي (بيلى) تويكميرى بھالجى امامر منيت زينيب سے

نكاح كرنا كيونكه اس كوميري اولاد سے بهت محبت سے ( دوسرے) بربتا يا كه جنازه

كس طرح اعما يا حاك - الاستيعاب مين اسناد كے سائة درج سے كرجنا فياطمه ك

اساء سب عسي سي كها كرحس طريقة سيعودون كاجنازه اللها ياجاتا سيمين بسند

ہنیں کرتی عورت کے جنادت پرجا دروال دیتے ہیں اور اس کاحیم اس جادرسے

معلوم موجات اے - اسما، بنست عملیس سے کہا کہ اے بنت رسول میں آپ کوبتا فی موں

جربیں نے صبش میں دیکھا تھا ۔ سیں اسار منت عمیس نے ایک لکڑی کا سختہ منگوایا اس

جاروں کونوں برجار وندسے کھڑے کیے۔جناب فاطئ کوست بسند یا۔اسلام میں

سب سيهيلي عورت جن كاجنازه اس طرح الطاياكيا فاطهرنبت ومول المترم مي-

اوردور ی عورت بنب بند محیش ہیں الماله جناب فاطئ کو پردے کا بہت ہی

خیال مقا جنا نی حب جناب رسول خدائے ان سے دریافت کیا کرورت کے لیے

سب سے بہتر کیا چیز سے توجناب فاطمائے فرمایا کہ دہسی امیم مردکو ندد مجھے اور

كوئى نامحرم مرد السيس فرويكي شفاه حب اساد بنت عيس ف التن مم كاجنازه تيار

کے دکھایا تومعصوم میں فوش ہوئیں۔ بیان کب کر اس میس طیس سے میلاادرائنوی

موقع على حب اين يدرعالى مقام كى دفات كىدبر آب السي تقيل سبب دوسرى

وصیت یکھی کر ب کواس شم کے جنادے میں اٹھا یاجادے (تیسری) وصیت یہ

تھی کہ کہا ہے جنا ذے پران میں سے کوئی ندا سے جن سے آب ذند کی میں ناداحن ا

تقيير-ان ميس سعكوني آب كي خارجنازه نه برسع ادردات كوجنازه الحايا واسك

ابن عنبالبر الاستياب ج ٢ صفي وصلية الاوليا الي فيم اصفاق الجواالكائي مسك

فله ملية الأدليا الى نعيم اصفهائي الجزرالتاني صاب

وعسلني وكفني وصلعلى

وادفنى بالليل ولانعلماحدا

واستودعك الله واقرأعلى ولك

السلام الى يوم القيمة -

بيبرة فأطمة الزهرا

انس كى تصديق كى سے - ١٠٠ دن مى شاركى جاتے ہيں - حاكم في سندرك ميں اور الوقعيم اصعتاني سے صلية الأولايا ميں جير جيد كى مرت مبان كى ب م الله جيد كى مرت معى ابن عبدالبرف عروبن ويناداور حاكم في متدك مين عبدا مترين حادث سي نقل کی ہے - دو مدیر بقینی این بینی م جینے سے زیادہ اور ۸۰ ون سے کم کی مرت مسى سے بيان شين كى- ہادى اصحاب ميں ٥ ، دن كى مدت دوا يات البياعا بالسام سے مروی ہے اور میں درسع سے لیکن اس میں ایک شکل آن بڑنی ہے ہارے بہاں جناب رسول خدا کی وفاص کی تاریخ مراصفرمستم ہے۔ ۵ کون اس کے بعد جنا ضاطرتا کی تاریخ وفات ۱۳ رجا دی الاول ہوتی ہے نیکر ۱۷ رجا دی آلا خرج کرسٹنور سے۔ اور صحیح ہے۔ علامرس وخسن لامين كي عبث يرب مكن ب مكري سب ملكه بسب الفلب سي كرخمس و تسعيس (٩٥) دن کي مدت صيح او يکاتب في استعين کي حکر سبعين (١٠) كا ديا کيونکه حرد ف اليسے ہيں كه ان ميں مغالطه كا امكان سے - لهذا غلط طورسے ٥، دن شهور موكيا اس زمان میں نفط عبی منسی لگایا کرنے تھے۔ اب مطابقت ہوجاتی ہے۔ مرصفر کو آں حضرت کا انتقال ہوا ۔ دو دن صفر کے اور سر دن حا دی الآخر کے۔ بیدو نوں مل کر ۵ وان جوسے - ربع الأول ، ربع الثاني اورجا دي الاول ان تيبون مينون كے . وين ہوے۔ یا پنج اور وے مل کر بیا ویے ہو گئے۔ علام بحسن الامین کے نزدیک جنا فاطم کا انتقال المصرف كے ٥٥ دن بعد موا -

جناب فاطمة الزميراك انتقال كي بعدان كرس باف س الك برج كلاتفا حب مي آب كي م وضيف درج على و-

هذا أما اوصيف به فاطه بنت رسول الله صلى الله عليه واله وسلم الله عليه واله وسلم الله عليه واله الله الله والله والله والله والله عليه والله الله يبعث التي فيها والله يبعث من في الفنود يا على منطنى

یہ ہے کہ صرف اپنے بیری اور بچوں ہی کے لیے سب کچھ چھوڈ جاتے ہیں دوسروں کا خیال بھی ہنیں کرتے ۔ علامہ سیر محسن الامین کھتے ہیں کہ جناب فاطمہ کے سات باغ کتے ۔ ان کو جناب فاطمہ نے اولاد ہا شم اولا دعب المطلب پر و تف کردیا۔ اور اس وقف کا متولی حضرت علی کوا دران کے بعدا الم سین کو مقر رکیا اور امام سین کے بعد جناب فاطمہ کی اولا دمیں سے جبھی سب سے بڑا ہوگا وہ ولی و متولی ہوگا۔ آپ نے سے بع وصیت تحریر کردی تھی۔ ان سات باغوں سے نام یہ تھے۔ العواف ، الذ لال ،البرق ا دا لمبیت والحسنی والصافیہ اور وہ جوام ابر اہیم کے پاس کھا۔ اعیان الشیعہ الجرائر الشانی صوص

ما نظ ا بونعيم صليته الاولياميس للصفح بين كرحب وقت رصلت نز ديك آيا تو جناب فاطمة في صفرت على سے كماكه ميرسي عسل كا انتظام كرد-يس مضرت نے انتظام كيا - جناب فاطمة في عسل كيا- طها رت كي- جديد كير سيمنكو أكريه عوط لگایا اور بچر حضرت علی سے که که ان بی کیطروں میں بعدر ملاعظمال بینا يه كبرك نه الارا العقله ابن سعد في طبقات الكبرى بين ادرابن جرعسقلان نے اصابیں ابورا فع سے الفوں اللی سے دوایت کی ہے کہ میں دن آپ نے انتقال کیا ہے۔ انتقال سے تعوری در پہلے ملی سے کماکہ لے امان میرے اوپر عسل معلی یان والویس انصوں نے بانی والاجدیدیو شاک منگوائی وہ بہنی۔ عير فريا يا كدميرا بجهوناني كويس بها دويس اس براب ليك كئيس - قبله كي طرف رخ كيا اور پيركها كراس اتان حان بين ابھي مرنے والي ہوں -يس فيعمل كرابا ہے-اس سے معنس كے سے ميرے كيارے نه أثار عالين - يه كما اور انتقال فر مایا - جناب مصومه کی رصلت کی جرفور آیرینه میں بہار کئی الل مینا نے مل کر گریہ وزاری کی - بنو باسم کی عور میں آب سے معریس جمع ہوئیں اور اس شدت کے سائھ کرید وزاری کی کہ تمام مدینہ لرزگیا اور وہ کہتی جاتی تھیں اے سیّد ہ ، بنت د سول الند، اہل مدینہ حضرت علیٰ سے پاس محمد ہوئ - وہ لوگوں سے برسالے رہے تھے۔اور جنا بسٹ اور سین ان سے پاس بیٹے روہ تھے عص ماية الادلي الجردان في مسم

چنانچاسی وج سے حضرت اب بکرکوا حازت نددی مکی اهلی ادری حضرت عالی ک احادث دى ملى سمل الديخ الخيس كى عبارت كا ترحمبريني درج سه :-« ام جفر کتی بی کریناب فاطریف اساد بنسع مسی سے کما کجب يس مرجالون قديم أورهل محمد كوعسل دين اورابين مواكسي اوركومير يجناني داسك ديريس جب حضرت فاطئه كاانتقال مواتو حضرمت عائشة أئي مكر اساء بنت عيس ف ان كوجنانب برداك ديار حضرت عا لشف الوكرس حاكرتمكايت كى كريشتميه بهاوسادرنبت رسول الشرك دريان مالل بوتى ب اورایک ہودج مثل ہودج عوس جنانے کے لیے بنایا ہے لیے صفرات با باکر تك ادر با هر بى عشر كئ ا دركها كه اساسار توكيون الدواج رسول كو متعدد مول کے جنازے برآنے سے ددکتی ہے اور کیوں جنانے کے لیے وُلفن كاسا ہودج بنایا ہواہے۔اسارے كهاكد حضرت فاطمة نے مجھے وصيده كالم يقى كم أن كے بنازے يدكونى اور ندآوك اورا سابورج الفول يندكيا تقا وجب ميس في ان كوبناكردكها يا تقا- الوكرف كماكرا عجا كروجونم كوالفول في وصيت كى سب- يدكدكرواليس على كف اورحباطمرك على واساء في عسل ديا- ابعمودلابي في بعي اس اليسكا اخواج كيام -(تاريخ الخيس الجزوالثاني صالع مطبوع مصر)

حضرت فاطمئت بهرایک زوج بنی کے لیے ۱۱ اوقیہ دینے کی وصیت کی ۔
ایک اوقیہ جیالیس درہم کا ہوتا ہے۔ اورا تنا ہی بنو ہاشم کی ہرایک عورت کو دیا تھا۔
اور کھا پنی بہن زینی کی لڑکی امامہ کو بھی دیا تھا۔ جناب معصومہ کی اس وصیت سے ہم کو بہن حاصل کرنا جا ہیں۔ حالا کہ آپ کے جھوٹے جھوٹے جھے سیتے ۔ پوراگھری مقا لیکن کھر بھی اپنے اور اپنے دخات واردں کے حق میں وصیت کی۔ اب سلما اول میں گفتا لیکن کھر بھی اپنے اور اپنے دشتہ واروں کے حق میں وصیت کی۔ اب سلما اول میں الجزوال ان ان صصیح بنی دی میں مورد کے میں الجزوال ان ان صصیح بنی الجزوال ان ان صصیح بنی الجزوال ان ان صصیح بنی ما کھر دال میں الجزوال ان ان صصیح بنی الجزوال ان میں میں میں میں میں الجزوال ان میں میں میں میں الجزوال ان میں میں میں میں دیار کھری تاریخ الحقیمیں الجزوال ان میں میں میں میں دیار کھری تاریخ الحقیمیں الجزوال ان میں میں دیار کھری تاریخ الحقیمیں الجزوال نان میں میں میں دیار کھری تاریخ الحقیمیں الجزوال نان میں میں دیار کھری کھری دیار کھری دی

مقام وفن میں اختلاف ہے۔ بہت ہی دوایات سے نابیت ہوتاہے کہ اسپنے ہی گرمیں وفن میں اور بیر روایات سے اور قابل اعتبار ہیں۔ اور بعض دوایات بیری کہ قبر ستا ن بقیع میں آپ کو وفن کیا گیا ، اور حضرت علی شناخت نہ ہو سکے۔ بعض طرح کی اور اس سے اردگر وبنا دیں کہ آپ کی قبر کی شناخت نہ ہو سکے۔ بعض روایا ت سے ظاہر ہوتا ہے کہ قبر کا نشان مطاکر زین کو ہموار کر دیا۔ تاکہ مقام قبر کسی کو معلوم مذہو سکے۔ سوال پیدا ہوتا ہے کہ ایسا کیوں کیا اس کی وجہ دہی جناب فاطر کی دھیوں سے آپ جناب فاطر کی دھیوں۔

بعض ردایات میں توید ب کحضرت ابد بکر کو تویر بھی نه معلوم مو اکم تصنرت فاطميَّا نے اُتقال فر مایا۔ اگرچہ ان روایات کی نقیدعلامہ سلمو دی نے اس طرح کی سے کہ یہ کیو نگر مکن سے کہ حضرت ابد بکر کو جنا ب مصومہ کی رصلت كالجمي علم منهو احالاتكه ان كي زوج عسل جنازه مين ما ضرتفين ليكن اس بات کو و هیمی تسلیم کرتے ہیں کے حضرت او مکر کویہ شمعلوم ہو اکہ جناب معصومه كوكب دفن كياكيا بعطله ليكن بم كنة بي كدان دونون اموريس كوني ضد نهیں ہے۔ جناب اسماء بنستی توتیا رداری بیر بھی شابل تھیں اور دھلت مصلی و ک پیلے سے آئی جاتی تھیں اور تیا رداری کرتی تھیں جب جناب فاطما كر يصلت مولي تواس وقت كون سا وقت اورموقع عقاكه سب سے بيل جاكر اس کی اطلاع دو صرت ابو بکر کو دیتیں حضرت البکر کوکوشی رفاقت دمجست جناب فاطمة سيمقى بأبدر دى حضرت على سيمقى كدان كونور أبى اطلاع دياتى ا بینے شوہرو اہلبیت رسالت کے تعلقات سے دوآ گا دیقیں - ہاں اگر ضرح کہشتہ ا بوتیس تو شایده سب سے پیلے حضرت ابد بکری کو اطلاع دیتیں کہ لوید ایک کا نظا تھادہ بھی نکل گیاکوئی یہ خیال مرک کہ تکہ ضرت اسار سنت عمیس کے تعلقات مضرت فاطمة سے اچھے تھے توان کے شوہری ان کے دوست ہی ہونگے۔ حضرت عا نشهٔ وجناب سول خدّا کی مثال اس خیال کی تر دید کرتی ہے حضرت عائشہ كمهله وفادالوفا إخباء داوالصطفامطبوع بصرالجز والثاني صرو

ا در ان دونوں کے رونے سے وہ سب لوگ رو نے گئے۔ ام کلتوم گھرسے برقعہ مین کرنکلیں اور قبرر سول کی طرف یہ کہی موئی چلیں کہ اے رسول التدسم نے محسوس کیا کہ آپ ہم سے جدا ہو گئے ہیں۔ اب اس سے بعد ہمیں آپ کی زیادت تصيب نه بوگى -جو لوگ كتے بين كرسين عليه السلام بر روناكناه ب معلوم نبين وه اس گیروزاری کوکیا کہیں ۔لوک جمع ہوئے اور اس انتظار بیں تھے کہ جنازہ نکلے تونا زجنانه ه پرهيس- استفيس ابو ورو الس آئے اور ان سے كماكي آب سب بطِلے جِا بُیں کیو کمہ بنت رسول کا جنازہ ابھی نہیں اُٹھے گا۔ پیسنکرلوگ اُٹھے اور على كئ - جناب فاطمة نے ہرطریقہ سے است پرظا ہر كردياكر ده و نياسان لوگوں سے نارا ضِ کئی میں۔ کیا اس وقت کرحب ان لوگوں نے جنا ہے عصوبہ کی و صینت سنی ہوگی تو اینے ول میں قائل نہ ہوئے ہوں گے ۔کدواتھی ہنت سول برُطَلَم الوا- اور وه مم سے ناراض الوسنے میں بنیا نب تقدیں۔ صيح روايات سعيهي معلوم بوتاب كعسل تو درهقيقت صرف هنرسه على في دیا ادر اسار بست عمیس ا ویر کے کاموں میں مدد دیتی تقییں۔ اس طرح لوگوں کا يه اعتراض بهي با في نهيس د مهتاكه اس وقت تو اساء سنت عميس نه وجه ابي برتفيس- ادر على نا مرم تھے بھر دونوں نے بل كرعسل كيو مكرويا برو كا يفض دوايات بيں يہ بھی ہے کہ حضرت علی عسل دے رہے تھ اور جنا بے تین علیما السلام یان لا ر ہے سکتے۔ اور اس وقت زمینب، ام کلٹوم، فضہ وا سماء بنت علیس کے علا وہ کوئی موجود من تقيا اوريد امريمي قابل ذكرهم كمجناب فاطمة كالباس غسل كوقت نهين أنار أكبيا - يدمقي وصيت حضرت فاطمدكي اس وصت سي بناب فاطمه كي حيا كادروب الم إلا الم حضرت علی نے سات کیروں میں کفن دیا اور حبنا ب مسول ضام کے کفن سے جو کا نور ہاتی رہ گیا تھا اس سے حنوط کیا۔ پیمرنا زیر سی با پنج تکییروں کے ساتھ ا آ دهی را ت کو دفن کیا ۱ ور قبر کا نشان می مثا ویا۔ وفن و نیا زمسے وقت حضرت علیجا سنين عليهم السلام ،عمار ،مقداً د عقيل ، زمير ، ابو ذر رسلما ن ، بريده وچند بنو ماشم مسك علاوه أوركوني موج ونه عقا-اس امريرسب كإالفاق مص كرآ وصى رات کو د فن کیا گیاا در دفن نا ز وجنا ز ہ کے وفت حضرا سیجنیں موجود منہ مقیر

اس وقت بولی کرجب آب کا جسم میری گردن و سینے کے درمیان تھا قرآن سریف کا حکم سرے يكانى - إِنَّا يِلْهِ وَانَّا إِلَيْهِ وَاجْوُنَ آب نے اپنی در بعیت وائیس کے لی اورابنی ارتظم كوج ميرك باس جوارا تفا آب نيان الليا- زمين وأسمان ميرك ليم اندهير موسك اب ميراغمُ دائمي بوگيا - ا درسري دائيس نيندوآدام سے خالی ہو گئیں جب تک کہ ضاوند تعالیٰ مجھے مجى اس مقام يربلا لے جناں آپ بس ميرس دل مين زخم بيب آلود يرسط بي ادرغم كى موسي جونش میں آگئیں کتنی حلدی جارے ایک وسرے کے درمیان مبانی ہوئی ہے میں فداسے تکایت كر تابول اورآپ كى بينى آپ كو آگاه كرس كى كرآب كى امت في آب كى دخترك حرار فصب كرفي مير أكبس مين مددكي -أب ان سعروال كريل اوروه آپ كوسادا حال بتاليس كى-ات سيغ ميں شديوغم والم بحرابوا تقاجب كے ظاہر كرك كاموقع الحدين اس دنيا مين ندملاء اور اب ده ایکوبتالین گی-اورخلاست بهترفیله کرنے والا ہے تم دویوں برمیراسلام ہو و د اع كرف والاسلام أكريس بيان سي حيلا حاوس قو ده اس وحبسے مربوگا كريس بيا ب عرب ف ملول موں اور اگریس بھیاں قبر پر مضمر جاؤں تو مموم اس وجب نہ ہوگا کہ جو وعد مصابرین کے ساتو خدا كيا ب اس بريرا يقين نيس-

موضع تعزفلق وسدتك في ملحود قبرك وفاضت بين بخرى وصدارى نفسك بلى وفى كتاب الله لى الغمرالقبول انا لله وانااليه م اجعون قداسترجعت الوديعة واخنت الرهبنة واختلست الزهراء فها افيح الحضراء الغبراء يا رسول الله اماحزني فسرمد واماليلي فنسهد الى ان مختارا لى دارك التى انت ينهامقير كمل مفيح وهممهيج سوعان ما فرق بينه نا و الى الله الشكو وستنبعك ابنتك بتضافر استك على مضمها فاحفها السوال واستخبرها الحال فكر من غليل معتلج بصد رها لم تحبد الى بنه سبيلاو ستقول ویحکمرایله و هو خيرالحاكمين والسلامعليكما سلام مودع لا قال ولاستمر فان الصرف فلاهن ملالة وان اقم فلاعن سؤظن بما وعدالله الصابرين واها واها والصبرا يمن واجمل

حضرت فاها وحضرت علی کاتنی مخالف تغییں حضرت علی کاؤٹیزئیں شن سی تغییں حضرت فاها وحضرت علی کائٹی مخالف کا اندو کو ان اس سے حضرت اسول خاصلی التندعلیہ وآلد دسلم کو ان و و نو ان حضرات سے کشی مجبت تغیی جب جنا بسول خدا کے افر سے حضرت عائشہ کی طبیعت نہ بدل سلی تو حضرت او بگر کے افر سے جناب اسما د بنت عبیس کلیمیت کیو نکر بدل جاتی ۔ اور اپنی بیوی کو حضرت فاطمہ کی گھر جانے سے ان کی بیادی سے موقع پر جبراً دوکنا حضرت او بکر کی سیاسی صلیحوں سے ضلاف تھا۔
ام الحورثین اوعبداللہ المود ف بالحاکم کتے این کے حضرت فاطمہ دات کو دفن کیا اور اور اس کی اطلاع نہ ہوئی ھے لئے اربنا زہ اطھایا۔ اور دات کو دفن کیا اور اوپر کراسی اطلاع نہ ہوئی ھے لئے ۔

علامہ طبری نے دلائل النبوۃ میں محد بن هام سے دوابت نقل کی سے کہ جناب امیر علیہ السلام نے حضرت فاطمت کے حب اطبرکو رات کو بقیع میں دفن کیا اور ان کی قبر کا نشان مثا دیا جس رات کو آپ کو دفن کیا گیا اس رات کو آپ کو دفن کیا گیا اس رات کو آپ کو دفن کیا گیا اس رات کو چالیس اور قبریں بقیع میں بنائی کمبئن ۔

د فن کرنے کے بعد جناب امیر علیہ السلام کھواہے ہوئے اور ابنا منہ قیر د سول کی ط ن پھیر کر اس طرح فریاد کی -

اس رسول الله آب بربر ادر آپ کی دختر کا سلام بوجواب آپ سے مطن ادر آپ کے بہدائے بیں دہت آئی ہیں۔ اور آپ کے بقید میں الا خاک آدام کریں گی اور خداسے ان کو آپ سے بہت جلد مال سے میراصبر جا تا ذیا ہے لیکن آپ کی جدائی سے میراصبر جا تا ذیا ہے لیکن آپ کی جدائی کا صدمہ و تکلیف میں نے بدائشت کیا اس بردائشت کی میں اب تقلید کرتا ہوں میں نے آپ کو کے دمیں سلایا۔ اور آپ کی روح و بدن کی جدائی

السلامعليك يارسول الله عنى وعن ابنتك وزائر تك النازلة فى جوارك والسائنة فى النزى ببقعتك والمختادالله لها سرعة اللحاق بك متل يارسول الله عن صفيتك صبرى ورق عدها تجلى ى التاسى بعظيم فرقتك وفا دح مصيبتك

هي مندرّ الجزء الثالث سال

ميرة فاطمة الزشرا

مرتھی گئی - دفن تھی ہوگئی اور تم ناس کی رحمت کے وقت حاصر آ لئے نااس کی نا زیرههی - بیمان تک کرنتم اس کی قبرسے بھی دا قعین نبیس که ده کهاں ہے - اس بر حكام خلافت لي كما كرجاء أسلما ول كي عورتول كوبلا لاؤ- اور وه ال فبرول كو كعودي تاكم بم كومعلوم بوجائ كفاطرى كونسي قرب توييريم ان پرغاز برهيس اور ان كي د يادت كريس - يه خبر صنرت امير الموسنين على ابن ابي طالب كريمي بينيجي - آبيه عفظ میں تھرے ہوے ، آتھ میں سرخ ہوئی ہوئی ، رکب گردن عضر سے بھول ہوئی وه زر دخبا اورط مع بوب جوآب بهیشر کلسان کی لڑائی میں اوڑھا کرتے سکتے۔اپنی مُنكَى تلوار ذوالفقار برنكيم بوسب بقتي مين تشريف لائے الوگوں بررعب وخوب عِما گیا اور کھنے لگے دیکھوکس عنصے کی حالت میں علی ابن آبی طالب آئے ہیں ال اوركهدرم بين خداكي قسم كها ك كه أكركسي في ايك ميم بهي ان قبرون كا أكها وا قريس اس كى كردن اس علوارسي الا دول كا - اس حكام خلا فين مفنيس بركي اوران میں سے ایک شخص نے حضرت علیٰ کو مخاطب ارکے کہا کہ اسے ایوانحسن آپھے كيا مواس - ادراك كاكيا حرج مي واس مي فرفاطم والفيرنا جاست مي كمان كى نا ذجنان وبرهيس حضرت اميرالونين عليه السلام في البين باعد سي اين كيرون يرمكا مادا اورير من تلواركوزمين يرزورس دے مارا-اور حزما ياكرمين سي ا بناحی تو محض اس وج سے جھوڑا اور اس کے لینے کے لیے تلوار نہ اٹھا نی کولگ مرتد ہوجائے بیکن قبر فاطمہ تواس قادر طلق کی تسم ہے کیس کے قبض قدرت میں على كى جان سب كراكر توف يا يترسه اصخاب الكسدة هيلا هي اس قرسي انھایا تومیں اس زمین کو تمسب کے خون سے میران کردوں کارسن اگریا سات ہے لر ك سامة آجا - اب دور - عماص جرامي سي تفتاكي كرف وال تق مفت على سے مخاطب ہوكر بوك كروسول خدائك حق كى تسم اوراس كے حق كى تسم جو عرش کے ادیر سے ہم اب یہ کام مذکریں کے کرحس سے تم نا داخس ہوتے ہو۔ یا کمر کرده او کی اور کھی اور کھی ادھ کا خیال ذکیا اعلام ہم حیران ہیں کہ ان او کو ان کی ذہم نیست اور عقل برجو حضرت فاطروح خدرت علی کے وهله اعيان الشيعر الجزوالثاني طيم المراكاني -

ال باک صبر ہی ہتر ہے اور اگرجا بر وظالم لوکوکا فلام فلوکی فلیم نیز ہاتھ ہے ہوجاتا اور اس صیب بنا کہ اور اس صیب کے اور کر دہ لیے گر کہ وزادی کر گا کہ جیسے ما در مُردہ لیے گر کہ وزادی کرتی ہے ۔ لین خداکے سامنے آپ کی دختر پر شید کئی کے ساتھ وفن کی گئی۔ ان کا حق تلف کر لیا گیا اور ان کو میراف بھی نہ دی۔ در انحالیکہ ابھی آپ کی یا دلوگوں میں بُرُانی نہیں ہوئی۔ ابھی آپ کی یا دلوگوں میں بُرُانی نہیں ہوئی۔ اب رسول خدا خداس ہم شکا بت کرتے ہیں اور آپ سے بہتر کون ہم حسن سے فاطر زہراکے دسلام کی تعزیب کی جائے۔

فلو كا علية المستولين لجعلت المقام واللبث لزاما معكوفا وكاعول الشكلي على حليل الرزية فبعين الله متن ابنتك سوًا وتُهُ فُهُم مر حقها و تمنع ارتهاد لم ليطل العهد ولم يخلق منك الله المشتكى الى الله يا دسول الله المشتكى وفيك يا دسول الله احسل لعزا معليك وعليك وعليها والمسلام والرضوان - (اعيال نبيد من الامن الجزوات في منه منه المن المن المروا المنافية المسلام والرضوان - (اعيال نبيد منه المنافية المسلام والرضوان - (اعيال نبيد منه المنافية المسلام والرضوان منه المنافية المسلام والرضوان - (اعيال نبيد منه المنافية المنا

جناب فاطمه کی قرکے کنارے پر کھڑے ہوکر حضرت علی مرتضیٰ نے یہ دوشعر اسی وقت انشا کر کے بڑھے ،۔

(۱) لكل اجتماع مرنج ليلين فرقة وكل الذى دون الفراق قليل رم) وان افتقادى فاطما بغد احد دليل على ان لايد و مخليل

(ترجمید: - (۱) دو دوستوں کے ایک مگرجم ہونے کے بعد فرقت صرور ہوتی ہے -فراق کے علاوہ جو زمانہ مہدتا ہے -

(۷) میرے دوستوں بعنی فاطمہ واحمد کا کیے بعد دیگرے کھویا جا نااس بات کی

دلیل ہے کہ دوست ہمیشہ نہیں رہتا۔)

علامه طبری سے دلا کل الهامة میں محد بن ہمام سے نقل کیا ہے کہ جب لمانون کو جناب فاطمہ زبترا سے انتقال کی خبر ملی تو وہ سب بقیع میں آسئے - وہاں ان کو جانب فاطمہ زبترا کے انتقال کی خبر ملی تو وہ سب ان کو نہ معلوم ہوں کا کہ ان قبروں میں کو ن سی قبر جناب فاطمہ کی سبے تو ان کو ہبت رہنج ہوا اور ایک دوسرے کو ملامت کو ن سی قبر جناب فاطمہ کی سبے تو ان کو ہبت رہنج ہوا اور ایک دوسرے کو ملامت کرنے سے اور کینے اور کینے کہ کھا رہے نبی کے نقط ایک لڑکی ہی تو حجود رسی تھی۔وہ

حق وناحق صاف طورسے نایاں ہوگیا۔ ( ۵ ) جناب مصور اور صنرت على في حكومت كي فيصله فدك كوسمية غلط سما اوراس كوظلمس تعبيركيا -( 4 ) جناب فاطمه زمیر کے صافت طورسے برملا ان لوگوں کے ممند بریکٹ یاکہ خلا<sup>ت</sup> حضرت علی کا حت تقیا اور ان کوخلانت سے محروم دکھنا ان کے اور ظلم عظیم مے اور اسلام کے لیے باعث بربادی ہے -( ٤ ) ان اوگوں سے آپ نے صاف فرما دیا کو میں مترسے نا داحش ہوں اور تھا دی شکایت عاكر ضا در رول سے كرونگى - اور كيرم تے دم ان سے گفتگو مزكى -ر 💉 ) جناب فاطمئه نے دصیت کی کہ جنازہ دانت کو اُسٹے، چنانچی جنازہ آپ کا لات کو اُنٹھا تھا۔ ر ۹ ) یہ بھی وصیت بھی کے جنازہ پر وہ لوگ نہ ائیں حیفوں نے آپ نظام کیا تھا اور حربتے الب الاص عين جائي وه لوك جنان يرآف سي دوك دي سف ادر الفدل نے حس طرح رسول ضدام کے دفن وکفن میں سٹر کی ہونے کی سعادت عال نکی تھی اس طرح نبت رسول کی تھیز تدفین و تکفین کی شرکت سے محروم رہے۔ ١٠٠١) جناب رمول خلا كا قول كرحس نے فاطئر كوا بنيا دى اور نا داخس كيا-اس نے مجھے ا بذادى اورنا داص كيا ، ورحب في مجعة الاص كياأس كفا ونوتعالى وناداص كيا

باب نوردهم

جناب فاطمة الزمراك اوقاب وصدقات

جناب فاطمہ زہراصلوات اللہ علیہا کے سات باغ تھے، بوقت رصلت آپنے بردئے دصیست تحریری اُن کو بنو ہاشم و بنوعب المطلب کے حق میں دقف کردیا۔ ان کا انتظام و تولیسعہ جناب علی مرضی سے ہاتھ میں رکھی گئی۔ ان کے بعدا مام من اوران کے بعد امام حسین بردے دصیسے تولی تقررکیا گیا۔ جب امام محد باقر علیہ لیسلام سے اس دصیت کی اولاد میں جوسب سے بڑا ہو وہ مقرد کیا گیا۔ جب امام محد باقر علیہ لیسلام سے اس دصیت کی سوائے حیات سے واقفیت دکھتے ہوے کہتے ہیں کر صفرت علی اس انتظام حکورت کے فوش کتے ۔ جواں صفرت کے انتقال کے بعد ہوا۔ اپنے تئیں تقدالیں سمجھتے کتے اور ایناحی ہنسی جتایا اگر حقدار کتے تو اکفوں نے تلوار کیوں نہ اکٹا کی۔ فاتح بدروحنین و خیبر کی تلواد کو کیا ہوگیا یؤر تو کروان کی تلواد اسی ہی تیز کتمی کہ جیسے مہلے تھی مہر موقع پر اپنا حق جتایا۔ دوسروں کے ظلم کو اشکا داکیا اور پہمی بتایا کہ میں ضلافت کے لیے تلواد کیوں ہنسیں اُکٹا تا۔

اب اشترام

جناب معصومہ کے وہ اقوال دا فعال دیخر کیات جن کی صحیفہ واقعیت مسلم امت ہے اور جن پرمعرفیت المئے حق وصراط تقیم

اورشنا خت كرمضلين أورد منان رسول اورال رسول مبنى مع

جب آن حضرت کی رصلت کے بعد اسلام پروہ صیبت بڑی میں کا ذکرکتا الله تن کے عذال کے عذال کے توسیس سے اس حضرت کی وصلت کے بعد اسلام پروہ مصیبت بڑی میں موجود ہے توسیس سے پہلی داعیہ الی الاسلام جناب فاعمہ میں۔ اور جس غم میں مصل کھی کرجنا بعصومہ نے انتقال فرمایا وہ بھی تقاکر آن صفرت کے بعد کسیسی جلدی اور قوار نے اور فریا ۔ اس سے آن حضرت کی حکمائی کا ریخ اور فریادہ شدید ہوگیا۔ آ سب کی افراد یا دہ شدید ہوگیا۔ آ سب کی افراد نہ ہیں،۔۔

(١) واليان رياست سي ايني ميراث طلب كرنا -

ر ۲) اس دعوے کی بیروی خودارباب حکومت میں آگر کرنی تاکہ لوگوں کو پیشبہ نہوکہ ایخیس تواس کا خیال نہیں۔ دوسرے لوگ خواہ مخواہ بیتنازعہ کھڑا کر رہے ہیں (۳) اس معاملہ کو اپنی طرف نسب عدیثے میں اتنا مبالغہ کرنا کہ حضرت علی سے بھی بر سر سر سر سر شرب

شکایت کی کراپ خاموش کیوں ہیں -رہ ) اس دعوے کے انکار پر وعظیم اشان خطبہ ارگوں کے مجھے میں اداکرناجس سے

444

سيرة فاطمة الزمرا

دولوگیاں ہوئیں ۔ اولا دنر سنہ میں حضرت امام حسن وحسین و محسن سقے۔ اوراولاد اناف
میں حضرت زینب وام کلتوم محقیں ۔ ہم ان میں سے ہرایک کا مخصر حال کھتے ہیں
حس سے معلوم ہوگا کر جناب فاطمہ سنے اپنی اولا دکی تعلیم و تربیب کس طرح کی تھی۔
اور پر تھی ظاہر ہوگا کر جناب معصوم کی اولاد کو اپنے والدین کی طرف سے دنیا وی ور تہ
میں سے صرف ایک جیز طی تھی اور وہ امت کا سلوک تھا۔ یہ بات ضرورہ کا مت نے
میں سے صرف ایک جیز طی تھی اور وہ امت کا سلوک تھا۔ یہ بات ضرورہ کا مت ان ساوک
میں سے صرف ایک جیز طی تھی اور وہ ام میں کا ساوک کی دو میں طریق اسلوک
کی مختلف صورت میں ہوگئیں کی کن فوعیت ایک ہی د ہی د ہی طریق اسلوک
ا مام حسن علیہ السلام ۔

شفه ادن المطالب عبيدالله المرسم مطبوعه المسلام بحرى طبع بهادم باب سوم طاسم، مسسه منزح زرقان على موام ب البراد الثاني صل مطبوعه عمواعت المحرفة ابن جر ملى مسك درياض النضره محب طبرى باب الرابع فضل السادس جز آالثاني صلا كنزا لعال على متقى المحيرة المعرب المصادم معهد المعرب المصل

سنبت دریافت کیا گیا توآپ نے ایک تحریز کالی اس وصیت کی نقل ہم باسٹ شدیم یں درج کرچکے ہیں -

جناب ابوالحسن الثاني عليالسلام سے ان سات باغوں كى سبت موال كياكيا جوجناب فاطمة كو ورفرمين جناب رسول خداس كرطون سے ملے محق توآب نے فرمايكم و ەساتۇں باغ وقف ئقے يىن كى آمدنى مىں سے جناب دسول خىدار بىنے جھا نوں اور متعلقين يرخرج كياكرت مق وحب أ حضرت كا انتقال بهوا قراس ميراث كا تناذعه عباس نے جناب فاطمہ سے کیا اس پر حضرت علی اور دیگر لوگوں سے گوا ہی دی کہوہ سانؤن باغ جناب فاطمهٔ کے حق میں بروئے وصیت جناب رسول خدائے و قعت کردیے تھے ۔صاحب اعیان الشیعہ تھتے ہیں کہ ان خبروں میں ڈراٹ کی گنجائش ره حالنے كا امكان سے -كيونكه تعض دوايات سے توظا ہر ہوتا سے كەجناب فاطمة نے بنو ہاستم و بنوعبدالمطلب پر وقف کردیا تھا۔اگریہ سے تواس سے ثابت ہوتاہے کریہ آب کی ملکیسع میں تھے ۔ کیونکہ و قف تواس وقت ہی مکن سے کر حبف انق مكيت كا حا بل مو اورىعض روايات سے ظاہر موتا سے كرجناب رسول خدام ك يه جناب فاطمة كے حق ميں وقف كيے عقم واكرانيها ہے تو پھر جناب فاطمة ان كو بنو باسم وبنوع بالطلب يرو قف نهيس كرسكتى تقييل كيونكه و تقف ميس كير دوباره وقف نهيس ملوتا - ان دو نون تتم كي روايات مين اس طرح مطا بقت موسكتي مي ريد وقف جناب رسولِ خداہی سے اس طرح کر دیا ہوکر جناب فاطمۂ کی حیات تک تددہ اُن کے حقيمين دمي اوران كے بعد بنو ہاستم و بنوعبدالمطلب كى طرف عودكر او سے- اور اسى ترتیب سے اس کا انتظام اور تولیت دکھا ہو جو جناب فاطمۂ کی وسیت میں درج کیے گئے

إلىب اولاد

اس بیتمام امت اسلامیه کا اتفاق ہے کہ جناب فاطمۂ کے تین لڑکے اور <u>کھا</u> ماین الشید طبع دوم الجزء الثانی ماھ

ميرة فاطمة الزبيرا خدان ابني دسالت كے ليے منتخب كرلي حس مبنازے پر ملائکہ نے نا زمیر صحب سے امت سرخرو ہوئی عب کے پاس جبرسل خداک طرف سے سفیرین کراتے تھے ۔جو مخلوت کے لیے دحمة للعالمين بناءمعاويهاس بيقادريز مواكه نبی صلعم کی عداوت جواس کے دل میں تھی جھیالیت معادير نے كماكدا حسن كي خرف كے ترك صفات بيان كرو- الم محن في جواب مين كما كدا جيا اے معادیہ فرایا کہ ہوا خرفے ترکو بڑھاتی ہے سورج اس كوخوشيو ديتا م عياند رنگ ديتا ہے۔ گرمی یکا تی ہے۔ دات اس کو مردکرتی ہے عمرایے سابقہ کلام کوجاری دکھتے ہوے فرمایا کہ میں فرزند ہوں اس کاحب کی دعا بقول ہونی ۔ حب کے اور اس کے ضاکے درمیان فاصلهمات قاب توسين كاره كيا تقاريا اس سيهى كم ويفيع روز جرام ،حس کی اطاعت دا حبب ہے۔ میں كمه ومنى كا فرزند مول- مين اس كا فرزند مول حس كي سطة قريش في ايك ركر دى س كا بيرونيكي برفائز بواء اورحسفاس كوجيورديا ده سفقى بوا-مين اس كا فرزندمول حسب كيسب زمین طاہرو قابل مجدہ بنائی گئی حس کے پاس اسمان كى خبرين لكا تارا تى تقيي حب كوخدا دندتعالى نے پاک و پائیزہ رکھا ۔معادیہ سے شرا گیا اور کہا كرك حسن كيا بتفاوادل خلافت كے ليے تنا زعه كرناجا بتاب آب نجاب دياكدوالع وفطير

ابن البشيرالنظيراناابن المصطفأ بالرسالة إنا ابن من صلت عليه الملعكة اناابن من شرفت به الامة اناابن من كان جبز مكيل السفيومن الله اليه إنا ابن من بعث رحمة للعالمان فلم يقدر معاوية ان يكتمر عداوته وحسده فقال يا حسن عليك بالرطب فانعته كنا قال نعمر يامعا وية الريح تلقحه والشمس تنفيه والقسر يلونه والحرينضجه والليل يأبوه تتمراد برعلى منطقه فقال إناابن المستجاب الدعوة انا ابن من كان من ربه كقياب قوسين اوادني اناابن الشفيع المطاع اناابن مكة ومنى انا ابن من خضعت له قولش رغما انا ابن من سعل تا بعه وشقى خاذ له انا ابن من جعلت الارض لهطهورا ومسجعاً ا اناابن صن كانت اخباد السماء اليه تاترى أذا بن من اذهب الله عنهم الرحس وطهرههم نطهايرًا فقال معاويه اظن

سخت ِ خلاِ فت ظام بری برشکن ، وے - روزاول ہی سیطلحہ و زبیرومعادیہ کی بغاوست مشروع ہوگئی ۔ حضرت عا کشہ نے عمی اپنی مخالفت کا اعلان حبک جبل کی صورت میں كرديا -جناك احباك وحنك صفين مين امام صن شامل عقد ١٦ررمضان سبع مع مطابق ١٨٠ رجنوري كالتيايية ميس حضرت على كي شها دت براما محسن عليابسلام اسينه والدك نظيمين موسالين معاديد ك دونول متحيا ريين زمر و فريب اينا كام كريك كق اورامام حسنً کی فوج میں علاینیہ بغا وست ہوگئی یثوال این شرمطاین بسر جولائی سالاتہ عمیں معاویہ سے صلح ہوئی صلح کی شرائط میں سے تین سرطیس پر یقیس کہ (۱۱) معاویہ جناب علی تیزئی کوا ما حسن کے سامنے بڑا نہیں کیے گا ( بو ) معاویہ کچھر دقم آما م حسن کو دیا کرے گا۔ (١٧) معاديد كے مرفے يرام عسن كوخلافت ملے كى عيراما محسين خليف بول كے وهاه اس صلح کاسوال سلامید میں ہونا مشرامیر علی نے اپنی تا دیج میں کھا ہے علامان عبالبراد رعلامه حاكم اس صلح كو ۵ ارجادي الاولى سائع مشرمطابق وار نوميرا ٧ لاع مين ابوناسان كرتے س

يامرقابل ذكريم كرسى كاب سے يهنس بإيا طاتا كداما حسن في معادير ابعیت کی ۔صرف تریات کے ذریعی سے صلح ہوئی تھی۔ مدا ہ یہ نے بعیت یراصرار اندیکیا اگرکیا ہوگا توامائ سن نے انکارکیا ہوگا ۔ چنا پخ جب معادیہ کو فدمیں آیا اورامام خسن بھی اس کے مقام يرتشريف ك سكة - تواس في يها كراب خطبه ديري تاكدلوكون برطا مرجو صافية كراكب في مجست صبلح كرني مع -اكر بعيت كرنية تو كيرمعاويه يه بالت وكما اس كي س خوامیش کوا ما حسن نے مان لیا -اورمنبر پرتشریف کے حاکر یخطب ارشاد فرمایا -

بعد حدوثنا والهي ودرود برمني اكرم آب في فرايا كروكه كومانتاب ده جانتا بيجو كه كونهين جا نتا ہے اُس کوہیں بتاتا ہوں کہ ہیں ہمیر ضدا کا البشيرد نذير كالبيثا بول - استخص كايساد رجبرك

فغسد الله والثى عليه وصلى على النبي وأله تثمرقال من عرفني فقاء غرفني ومن لمربعير فنني فاناالحسن ابن رسول الله انا

وهله اليرعلي الديخ الكريزي - ابن عبوالبر- الاستيعاب الجزر الاول مستم الميما ترجيس إبن على ابن قييم. كناب الامامت والسياست الجزرالا ول والسلام، بن جركى صواعق محرقه الباب العاشر في خلافة الحسن صلت مولانا مياهي من منوا بدالبنودة ركن مها دس صلك مطبوء نوكك شور مصباح الدين جهد الهارون

سيرة فاطمة الزبرا

حيورا - اورماري اطاعت عقادت اورفرض م- اور خداکی اطاعت کے نزدیک ہے اور حکم دياكيا مع كداكرتم كسى شفيس تنا زعرو واس تنادع كوفلا درسول كے پاس كے جاؤ آپ ك فرا خردار موجا ويسف تقوى كالباس مين ليا ب. اورس فجور كى جيزى اكها وكريمين كي البول طومت درولت كى ايكسميعاد موتى سے را مردنيا ہرتی مجرتی حجاؤں ہے خلید دہ ہے جو کتاب اسٹر ادرسنت رسول کی بیروی کراسی - ده طیفه نمین جو جُور وظلم كرتام . يه إدشامون كا ملك بسقيل عرصہ کے لیے فائدہ بینچا تا ہے اور پیراس کی لذت متقطع ہوجاتی ہے اور اس کی برایوں کے نتا یخ باقی رہتے ہیں۔ بھرآب معادیہ کی طرف متوج ہونے اور فرایا که ایا مجمع محیم معلوم بھی ہے کہتم لوگ کس فقفی میں ہوادر اس سرمایکی مت بہت قلیل م ین ظریش کر لوگ مبت دوسالے اور معاویہ لے عروبن العاص کی طرف متوج ہو کرکھا کہ یہ شیری دائے کا متبح ہے میرا ام حسن سے کہا کہ اے الامحريه كافي ہے ۔

الى الله والى الرسول وعنال كلان آكيس الكيس التقي واعجزا لعجزا لفجوس وان لهذا لا مرمه لأوان الديا دول انها الخليفة من ساس بصتاب الله وسنة نبيه رص وليس الخليفة من ساس بالجور ذلك ملك ملكاً يستع فيه قليلًا نثر تنقطع لن ته و تبقى تبعته بشمرا لتفت إلى معاوية فقال وان ادبري لعله فتنة ككر ومتاع الىحين فضج الناس بالبكاء فالنقت معاويه الى عبدوو وقال هنا ا دا يك خرقال الحسن حسبك يا ابا محمد ب

اِس خطبہ کا بہت بڑا حصہ طبری نے اپنی تا دیج میں بھی نقل کیا ہے۔ دیکھو تاریخ طبری عربی الجزوالسا دس م<u>سوق</u>، ص<u>وق</u>

ا بوالحسن مدائنی نے امام حسن کا ایک اور خطب نقل کیا ہے۔ وہ یہ ہے:۔ الحسد لله الذی توحد میں تعربیت ہے اس خدائی جو اپنی قدرت و

سلطنت میں داحد سے ادرصفت ربوبہت میں کونی اس کا سٹر کیب نہیں ،حس کو چا ہتا ہے ابرانحس مدائن ف امام حسن کا الم حسن کا الحمد لله الذی توحد فی ملکه و تقس دفی د بوبیت و بیند فی د بوبیت و بیند فی د بوبیت و بیند و بیند فی د بوبیت و بیند فی د بوبیت و بیند فی د بوبیت و بیند فی د بوبید و بیند و بید و بیند و بیند و بیند و بیند و بید و بیند و بیند و بیند و بید و بیند و ب

اسے معادیہ خلیفہ وہ سے جوسرت اسول برجیا ہے
اور ان کے عمل واحکام کی اطاعت کرتاہے بخدا
میں ہدایت کا علم بر ہیزگاری کا مینا رہوں - اور
اے معاویہ توان میں سے ہے جنوں نے سنے سول کو
براد کیا اور بند کان خوا کو اپنا غلام مبالیا اور
مدا کے دین کو کھونا بنالیا حب میں توسع وہ
برادی ہے بیس تو کھوڑے دن زندہ دہ کالیکن
برادی ایوں کے برے نا کے باقی دہ جائیں گے۔
برادی ایوں کے برے نا کے باقی دہ جائیں گے۔
برادی ایوں کے برے نا کے باقی دہ جائیں گے۔

نفسك ياحسن تنازعك الى المخلافة فقال وبلك يامعاديه النما الخليفة من ساربسيرة رسول الله (ص) وعلى بطاعته ولعمرى انالاعلام الهدى ومنارالتقى ولكنك يامعاوية ممن ابادالسنن واحيا البدع والمختاف عبادا لله خوگاودين الله لعباً فكان فد اخمل ما انت فيه فعشت يسيرًا وبقيت عليك تبعاته

یہ خطبہ ہم نے علام محسن الامین کی اعیان الشیعہ الجزواله ایع قسم اول مصلات الیائے تھے۔ الیائے تعلق الدی اللہ الیائے تحت العقول میں بھی یہ درج ہے۔ اسی خطبہ کو ذرا تعقول سے اختلاطیے البرائے ولکا مل میں ، ابن عبد البرائے الاستیعاب میں اور الوالفرج الاصفہانی نے مقائل الطالبین میں نقل کیا ہے۔ الاستیعاب میں اور الوالفرج الاصفہانی نے مقائل الطالبین میں نقل کیا ہے۔ العقوں نے اس طرح نقل کیا ہے۔ یہ بھی اعیان الشیعہ میں درج ہے۔

ال الوگر اخدات می کوہارے بیط شخص (محریہ)
کے ذریعہ سے ہدا بہت دی ادر آخری شخص (محریہ)
سے مقارے خون میں سے بچا لیا۔ ہم محما اس سے مقارے
المبدیت ہیں۔ ہم سے خدا و ند تعالیٰ نے
دحب و نا یا کی دور رکھی ہے۔ اور باک و صاف
کیا۔ ہے ہم خدا کے فلاح پانے والے گروہ ہیں۔
اس کے رسول کی پاک اولا دہیں۔ اور اس کے
طیب و طا ہر اہلیست ہیں۔ دو گراں و ب بہا
حیروں میں کے ایک ہیں۔ دہ دوجیزی جن کو
رسول خدا شے ایک ہیں۔ دہ دوجیزی جن کو
رسول خدا شے نکھا رہے درمیان بطور در اشتہ کے

ایهاالناس ان الله هد آکر باولناوحقن دماءکر باخرنا ونخن اهل بیت نبیکراذهالیه عناالرجس وطهرنا تطهیراً بخن حزب الله المفلحون وعترة رسوله المطهرون واهل بیته الطیبون الطاهی ون واحد المثلین الذین خلفه مارسواله فیکرفطاعتنامی و نه بطاعة الله فان تنا زعتونی منی فر دو لا

ان پرائیوں کا حماب لیا جائے گاج گزرگئی ہیں ادران یا ایوں کا جاتھاری عبیت کے کرداد ادر تقارے فاجران اورظالان احكام ك وجيس المكراف والياس عيراب فالالكاك اہل کو فیضل کے ترکش کے اس شرائے مہس كل صدائي كى ب جوسميند خداك دسمنون كو بجروح كرتا تقاء جرقر ليش كے. فاجروں كيري مسييع عاجس في عيشة ريش كے كلوں كو يراعقا جس في ضاكي امورسي مجمى كوتايي تنسي كي فياكا مال تنسي ليا مفلسكي وتمنين رونے میں میں کمی نمیس کی راس کے عوز کم خداکی كتاب كيموان مفيد قرآن كي احكام كي ہیشہ بیروی کی - ضایک امورسی وہ لوگاں گی المعدسية وراعقا اسكاور فعاكى صلوات ورجمت ہو ۔

مامضي وما ينتظر من سوع ارعيتكم وحيف حكمكم يتمرقال إيااهل الكوفه لقد فارقتكم بالامس سهممن مراحى الله صابيب على اعداء الله نكال على مجاد قراس لديزل اخذا بجناجرها حاشاعلى انفاسها اليس بالملومة في امرائله ولا بالسروقة لمال الله ولا بالفروقة في حرب اعداء الله اعطى الكتاب خواتمه وعزامته رعالا فاجابه وقادلا فاتتعه لا تا خن لا في الله لومية لا تمصلوات الله عليه اوي حدة-

ال خليول كوغورس برهيس به صاف ما ن ما ن با متن وه بنس كيمكا مين الميكا مين المين الميكا مين المين ال

ابنا ملك ديتا ہے اور حسب سے جا بہتا ہے اينا الك والس ليتاب تعرفي باسفداكي حیں نے مقادے مومنوں کو ہمادی دجہ سے بردگی دى اور تھارے يملے لوگوں كو ہمارى وجرسے سرك سف كالااور آخ لوكون كاخون كاري وج سے بینے سے بچایا۔سی تھادا امتحان بہارے درىيدسى قارىم على ب ادرجد يدعى بيدريدرين اسخان ميخواه م شكركه ياكفران نعمت كردر اے لوگو علی کا ضراعلی سے العی طرح وا تفت کھا جب اس فعلى واين إس باياد رفدان علی کوایسے نضائل سے مخصوص کیا چرکسی اور کو مددي كف اورتم ان نضائل كونه يا وكيدان مي جوعلی سے پہلے گرز گئے اس تم نے علی کے امور کو لید دا بیان ککرخدان ان کو تقادے اور يلط ديا- ده متعاسب التي يعيى عقد اور مرد وغيره كى جنگ ميں بھاد ب ديشن كھي تھے۔ الفول نے م كونها يت كنده بان بلايا درخون سنقيل بارب كيا مقارى كردون كودليل كيابس فرجعل كراكم بغض ديكف بوقواس كى دجرب بخدا تمامت محدكو معنی اوام سے زدیکھوگے ۔حب کک بنوامہ اس مردا دا در دبنا س بخقین کرخداد ند تعالی نے فتنكارخ عقادى طرت كردياب يتماس خلاصی ور بانی میادگ. بیال کسکدم اسینے گراه کرنے دالور شیطان کی اطاعت کرنے کی وج سے الک بوجاد اس خدا کے بیاں تھاری

عسن سيآء والحمد لله الذي أكرمبنا مومنكمواخرج من الشرك اولكير وحقن دماء اخركم فبلاؤناعناكم قد يما وحديثا احس البلاء ان شکرتم او عفرتمر ايهاالناس ان ربعلى کان اعلم بعلی حین قبضه اليه ولقد اختصه بفضل لم تعتروا بمثله ولمرتجده وامتل سابقته فههات هيهات طالماقليتر له الامورحتي اعلالا الله عليكم وهوصاحيكم وعدوكم في به رواخوا تهاجرعكر رنقا وسقاكم علقاوا ذل رقامكم واشوقكم بريقكم فلسكم بملومين على بغضه وايم الله لانزى امة محميد خفضاما كانت سادا تهمروقارتهم بنى اميه ولقد وجهم الله اليكمرفتنة لن تصدر وا عنهاحتى تهلكوالطاعتكم طوا غيتكم وانضوا لكم إلى شياطينكم فغندالله احتسب MAI

مرے نانامیرے إب كواك د كفتے تھے اور تام کلیف وخطرے کے موقعوں پرمیرے نانا ميرك إب كو تهيجة عقم يكونكه ال كوميرب والدير عفروسم موتا عقا- اوران سے اطبینان تقا فدا وندتعالى فرماتات والسابقون السابقون اولئك المقربون ميرك والد سابقين سےسابن مقد مقربين ملادرسول میں سے سب سے زیادہ اقرب عقد ادریاس وجرسے كرسوات جناب فدى كركستخص نے اسلام میں علی برسعقت منیں کی میرے والد خلاد دسول كى اطاعت كرنيس سابقين سے پہلے اورس مقربین سے اقرب سے۔ كيونكم اليكن لاف ميس مواك حضرت خديجه ميرى نانى كيسى ادر في على برسفت بنيس كي-بس ميں وقت خدا وند تعالیٰ نے سابقين كو تاخيركرف والول يضيلت دى اسى ما سابقين میں اسی میں بھی فضیلت کے درجے ہیں اور فلاوندتعالى نے فرمایا اجعلتم سقایة الحاج الايترية يرايت صرف ميرس والدكح عن يس اذل مونی ہے اور جناب حمزہ وجعفر اکثر صحابہ کے ساتھ قتل ہونے تھے لیکن مقالمان شہداء کے خداد ند تعالی نے جناب عزہ کومیدالشداء کا خطاب عطاكيا - اورمير يحسم نا مارحبفركو دو پرعطاکیے کہ وہ ان کے ذریعیہ سے بہشت ہیں اللكك كالمفرس طرح جائية بي الرية

فى ابنة عسه حسز با اما انت يأعلى فمنى وإنامنك وإنت ولى كل مومن ومومنة بعدى فلمريزل إبى وقى جدى سفسه وفي ڪل موطن يقد مه جىى ولكلىشدة يرسله ثقن يمنه طمانية السهو قال الله تعالى روالسابقون السابقون اولئك المقربون) فكان ابى سابق السابقين واقرب المقربين الى الله و الىٰ رسوله و ذلك انه لمر يسبقه الى الايان احد غير خدديجة سلام الله عليها فكسان الله عزوجل فضل السابقين على المتاخرين فضل سابق السابقين وقال قال الله عزوجل اجعلتم سقاية الجاج وعارة المسجد الحرامكن إمن بإيلة واليومر الأخروحاهم في سبيل الله نزلت هذ ١٦ ية في ابي وكان حمزه وجعفرة تلاستهيدين فى قتلاء كشيرة من الصحاية فبعل الله حمزة سيد الشهلاء

اور منتخنب كرليا \_ تنام مخلوق ميں - اورتمام الانشول سے ہم کو باک دیاکیزہ رکھا۔ انسان فرق میں تقسيم الاستنك اور فرقدا خيارس سے خداسك جناب آدم سے لے كرميرے نا نامحديسول الله کومنتخب و برگرزیده کرلیا - اوران براینی کتاب نا ذل كى حس برہمارے والد بزرگوارفورا ايان ك آئے - چنائى قران سرىين ميں آبيد نازل فرائ افسن كان على بينة من س ب ويتلولا شاهد منه اس بيعلى بدينة سے مراد میرے نا تا ہیں اور بیلوی سٹاھد معنه سے ہمارے والدعلی ابن ای طالب مرد إس - ا درميراع نا ناك برب والدكوسورة برأة دى اوريكركركرهيا كرعلى يداكر وكوجا أو كيونكمه مجهم خدا وندتعال كاحكم سيجاب كاس یا تو میں اے حاؤں یا دہ تحص کے حالے جو تھے سے ب اورا علی تم تھےسے ہوئیں پرے باب على نا ناسع بي - ادرميرس نا نا هلاس قريب میں اور پیرمیرے اب کی شان میں میرے نانا ف اس وقت ادامًا دفرا یا کمجب دختر حضرت جمزه كيمتعلق ميرسه والدجناب جعفرا درزيدبن حارثه میں بحث ہو تی ۔ یا علی تم محمدسے ہوا در میں تم سع بول اورميرك بعدتم عام مومن اورمومند سكودلي مداور تأم معركون مين اور بها ميت سخت لڑائی میں میرے والدف اپنی جان کوفلاکر کے ميرك نا ناكى حفا ظعت كى-اورتمام لوائيوں ميں

والتناءعلى الله التصلية على رسول الله إنا إهل بليت الرمنا الله واختارنا واصطفانااذهب عناالرحس وطهرنا تطهيرا ولعنقترق الناس فوقسين كلاجعلنا الله فيخبرهما من ادم عليها السيلام الي حبى عصم رسول الله صلى الله عليه واله وسلففلها بعثه للنبولة واختاري للرسالة و ا نزل علميه كتابه فكان إبي اول من أمن وصدة الله ورسوله قده قال الله تعالى فى كتا بەالمنزل على نبيه المرسل فنس كانعلى بلينة من ربّه وبيتلود شاهد منه وقد قال له حباى رسول الله حين امري ان ليسير الى مكة فى موسم الحج سبورة برأة سويها ياعلى خابى اموتان سيربها كاانا اورجلمني والمت منى فابى من حبى ى و حبى ى من الله فقال له جها حين قضى ببيته ويين اخيه جعف ومولاة زيدابن حادثه

كراست ب اور السي فضيلت ب كرس سيم كو تمام بندگان خدا برنضيلت حاصل ميم - اور منا وند تالى فيرس نانا البيغ رسول سنع خطا باكرك فرايا رحبب لضادى فران الص مناظره كرية الع كرتم ال سع كمودوندع ابناءنا وابناءكم واساء ناوساءكمرو انفسنا وانفسكم بفرنبتهل فنتجعل لعنة الله على إلكا دبين س ميرسة حد بزرگواراسيغ سائق مجركوميرے عبان حسين كو ميرسة والدعلى اورميري والده فاطركوسا كق كربيت الشرف بوت سے با مرتشره الك أدر سمين وكران كالل بميدان كوشت يوسعه ان ك خون اوران ك نفس عقر اور مين لوك ان سع عقد اورمين لوكون من سع ده عقد او خلاف ايسان ل فراي اسما يريدانله ليل هب عنكم الرحس الاية توير عد بزركوادك مع مرع الاصل یری ال اورمیرے الب کو ایک کمکل خیبری کے يني ام المرمنين صربت ام سلسك كريس ممع كرك فرما ياكر فلذ ونداسي لوك ميرا الببيت ہیں۔ اور میں میرے مخصوصین ہیں۔ تو ان سے برقسم كي آلانش كو دور ركد اوران كواب ياك و ياكنزه ركع جعيها كرباك و ياكيزه ركيف كاحق ب ام سلمہ نے کما کہ میں کھی اس کے اندرا سکتی ہوں ا مصرت من فرمایا که وابنے مقام بر عمری ده

محسدة المعرفي على كلصسلم فريضة واجبة ان الصلى علين مع الصلوة على حدى رسول لله صلى الله عليه وأله وسلمرواحليه تفالى خسل لعننمية لرسوله و اوجيها فىكتابه واوجب النامن ذالك ما اوجب له وحرم عليه الصداقة وجرمها علينا فلله الحمد نزهنامما نزهه وطيب لناماطيب لذكرامته اكرمناالله بها وقضيلة فضلنا على سائر عبادة وقال لله لحك حين جعدة كفرة إهل لكتاب وحاجود رفقل تعالواندع الناتنا والبنائكمرونسأتمنا وساكم وإنفشا وانفسكم ثمر للبتهل فنجعل لعنة الله على الكا ذباين) فاخرج حدى صلى الله عليه واله وسلوميه من كلا نفس إلى ومن النبين اناواخي الحسين ومن النساء امى فاطهه فتحن اهله ولحمه ودمه و نفسه و نخی مسه و هومناوق قال الله تعالى وتبارك (اخايرىيالله ليذهب عنكم لرحي

عرفي بن-ادرمران الاعمراع عامره ير . ٤٠ دند يوم احد ناز پرهي عني - اسي سيج وراه ند تعالیٰ نے ازواج نبی میں سے جونیکی کرے اسے دوگنا قاب عطا فرایا۔ اور جو بدی کرے اس کے لیے دوگئی مزایج بزکی - یا میرے نا نا رسول الندسكي تعلق كى وجدس ميم - جويتحف سجد اسول میں خار پرسے اس کی ایک خان کا تواب ایک ہزاد خانوں کے برار جناب احدیث نے مقرد فرايا- براس وج مسكراس كوجناب المول خداً ميرے مدسينسبت ملى - اور حب م أبيت نازل مولى ان الله وملك لمت بصلون على النبي الآية ولوكون في الصفيت سے درا فت کیا کہ آب پرکس طرح صلواہ بھیجیں تؤأب في فرا ياكه كواللهم صل على محمد وال عصب ادر سرایک سلان کے کے فریق واجبه ہے کہ ہرایک ناز میں میرے نا نا جناب رسول فدافيك ساته بهادك ادريهي صلواة بيع ضا و ندتعا لی فی منامت میں سے خس ہارے یے اور جناب رسول خداکے کیے واجب کیا اس طرح صدقہ جناب رسول مدائر ریمی حام ہے ادربهم بربهبي حرام ب سيس هذا وند تعالى كالشكري كربس باك ويأكيز وزمايا اسي طرح مبياكم اين رسول يين جارے ناناكو باكيره فرمايا وور ہم کو بھی وبیا ہی طاہر فرایا جبیا کران کو طاہر در مایا ۔ اور بیانسا خاص سردن ادر ظامبر

من بديهم وحعل لجعفسر جناحين بطيريهما في الجنة مع الملائكة كيف سناءمن بينهم وذلك لقرابتهما من جباى صلى الله عليه و اله وسلم وصلى حدى على عهجمزة سبعين صالوة من بين الشهداء بوراحد وكذالك جعل الله تعالى لنسآء نبيدالمحسنةمنين اجرس وللسيئة منهن وزمين صعفين لمكانفن من حدى رسول الله صلى الله على واله وسلم وحعل الله الصلوة في مسيد نبيه صلى الله عليه واله وسلم بالف صلولة من بين سائر المساحب الكا المسيجين الحوام لمكان رسول الله صلى الله علميه واله وسلم فليانزل (ان الله و ملاعكته بصلون على النبى يا ايها الذين امنوا صلواعليه وسلواشليًا) قالوا بارسول الله كيف نضلي عليك فقال قرلوا اللهم صلى

raa

سزلت ميرك نزديك وسى مع جوارون كى موسیٰ کے نزدیک بھی ۔ صرف فرق یہ کامیرے بعد كونى نبى مراو كاراور برعقيق امساك جناب رسول خداكومقام غدريتم على كايا تقرير كوكر یہ کہتے ہوے بھی سنا ہے کرحس کا منین کی دحاکم بور اس کا بیعلی حاکم و ولی ہے صاور اور ا ركه اس كوجوعلى كو د وست ركھ اور دستن ركھ اس کوجوعلی کو دستمن رکھے اور پیرآ ل حضرت شے یچکم دیا کدان کے اس میان کوج حاصر ہیں الفين منادي جوغائب بين ميرامام منطبيلسكا فرايكاك وكواكرتم جابلقاء وجابسائك درمیان ایسی خض کو تلاش کردسگے کر حس کا نا نا دسول مع - اور باب رسول كا وصى اورعانشين ہے توسوا كى ميرے اورميرے عمالي حسين كے كسى اوركونه إ دُك يس اس لوكو شدا سے درو ادر گراه منه بواگر تم این نضائل دمنا تب وکا بطوا ادر زبان رسول سے ٹابت ہوتے ہیں -ادر اپنے وہ خصا لکی ج محضرص ہمادی ذات کے لیے خالق عالم كى طرف سے د دىيىت، فرائے گئے ہیں۔ اور جس کی وجسے ہم کو تام دیا کے اوگوں پرفضیلت ماصل ہے بیان کریں تو ان كاشارىتىن بوسكتا . مى بىشىركا فرزندىيون میں تذریکا فرزند ہوں میں اس مراج میر کا يسر إون حين كوفداك ريصمة للعالمين بنایا ہے ۔ پیرآپ نے مداکی سم کھا کرمان

اعلممنه كالمريزل يناهب امرهم سفالاحتى يرجعوا الئ ما تركولا وسمعولاصلى الله عليه واله وسلم يقول لا بي ا نت منى بمنزلة هاردنمن موسى كانه كانبى ىجدى وقدراولا وسمعولا حين اخذاسد ابي بغه يرخم وقال لهم رمن كنت مولالا فغلى مولالا اللهمرو ال من والألا وعادمن عادالا) نمر امرهم ان يبلغ الشاه منهم الغائب تمقال لحس عليه السلام ايها الناس انكمرلوا لتمستمر مابين حاليقاء وحابلساءرجلا حبالانبي وابولا وصيه لمرتجدا غيري وغيراخي فا تقوالله ولا تضلواا يهاالناس لواذكرالذي اعطانا الله تبارك وتعالى و خصصنابه من الفضائل في كتابه وعلى لسان نبيه صلى لله عليه وأله وسلم لماحصه وانا ابن السنير واناأبن لنذير واناابن السراح المنيوالذى جعله رحمة للعالمين واقسم ما دينه لوتمسكت الامة بالتقلين

یہ ترخاص میرے اوران کے لیے سے اگرچی تو تھی خير پرهم - جب يه آيت نادل مولي و ا مسر اهلك بالصلوة واصطبرعليها توجاب رسول ضراً سرروز طلوع فجر کے دقت جارے مكان برأكرفرما يأكرت مقي كداك المبسية الصلاة خدائم بررح كرے - اوراك تطبيري الادت فراتے معقے معاملہ سدا بواب میں سب لوگوں کے دروائے ہادے دروازے کے علا دہسجد رسول کی طرف سے بند کردیے سکے ۔ اس بر معن اوگوں سے بكمة جيني كي تو أل حضرت في فرما ياكرس لا اینی دلی خواسش سے مقارے دروا زے بند ننیں کیے ہیں اور ناعلی کا دروازہ کھلار کھاہے ملكه يه تو خداكا حكم ب ا در مين في اس كنعيل کی ہے ۔ خدانے وحی بھیجی کرتما م اوگوں سے مكا ذن ك دردازے جسيدك اندركھاتے ہيں بندكردي ما ديس ليكن على كايد وروا زه ككلات د ا جادے میں نے اس حکم کی تعمیل کی ہے۔ تام است في مناب رمول خداك يكت بوب سُناہے کواگر یہ امعد ابنے امریوالیسے سخص کو حكم بنا لے كى جوعلم ميں كمتر درج ركھتا ہے ادر سب سے زیادہ علم کا رکھنے دالا ان میں موجود م - تواس است كا امر بميشه يراكنده دسم كا جب تک براس کی طرفت رجوع مذکریں گے بجو النول في عيور ديا ب - اورا مفول في المول خدا كوبيكت إد يهي سناس كدات على تحفادي

اهل البيت ويطهركم تطهيرا فلهانزلت هنالاجمعناجدى اياى واخى واحى وابى ونفسه فى كساء خيبرى فى حجر لاالسله فقال اللهم هؤلاء إهلبيتي وخاصتى اذهب عنهم الرحب وطهرهم تطهيرا فقالت امتله اناادخل معهمر بارسول الله فقال لها قفى مكانك يرحمك الله إنت على خير واغاخامة لى ونهم ولم نزلت (وإمراهدك بالصلولة واصطبرعليها) باتينا حياى كل يوميعنداطلوع الفخ يقول الصلوة بااهل لبيت يرحكوالله إنها يزيدالله لناف عنكم الرحبى اهل البيت ويطهركم تظهيرا وامرسيكالا بواب في مسيحديه غيربابنا فكلموه في دالك فقال الى لماسد الوالكم ولمرافتح بابعلى من تلفاء نفسى ولكن اتبع ما اوحى الى ان الله امرنی بسیّ ابوایکرو فتح بابعلى وقلامعتها لا الامة حيائ يقول ماولت امه اصوهارحيلاوفيهمونهو

كه اگرامت ان دو ون تقليبن بعني عترت رسول قرآن خداسے متسک کرتی تو اسان ایمی فمتیں اور زمین این برکتیں ان کوعطا کرتے -اوردوان تام نعمتوں سے ہمرہ در ہوتے اور پیمتیں ان کے ادیرسے - اُن کے بنچے بیروں میں سے ان کے المين ان كي المين سع اكر قيامت كك النبيس كليري ومنين اوران مير كبهي انتلات د ہوتا۔ عیراب نے باتیت الادسان ولوانهمراقامواالتورائة والامنحميل الآتة كيم آبيد سفيه أبيت الاوس دراني وادان إهل القرئ إمنواوا تقوا الأيه ادر فرايا ایماالناس بم تام لاگون سے ادرو ئے كتاب الشرو حدميث رسول أولى ومبتر بيس -لبن اسك كروه مسلين مهارساريكا م كوسنواور جادى اعانت كرورا ور فداس درو ادراىك طرف دج ع كرو -

الاعطتهم السمآء قطرها وكاون بركتهاؤكا كلوا نعستهاخضاع من فوقهم ومن تحت ارحلهم من غيراختلات بينهمراكي يوم القيمة قال الله عزوجل (ولوانهم اقاموا التوس الخ والأمجيل وماانزل البيهمر من ربهم لا كلوامن فوقهمو من عثار حلهم الآي وقال عزوجل (ولوان اهل العرى إمنوا والقوالفقيما عليهم بركاب من السماع والارض ولكن لذا بوا فاحد ناهم بما كا دوا كيسيون) مخن اولى الناس بالناس ف كتاب الله وعلى لسان نبيه صليله عليه واله وسلم بااعاالناس معوا ووعوا وانقوالله وارجعوا البيههما منكم الرجعة الى الحق وقلاصارعكم النكوص وخاصركم الطغياق لمجود اللزمكموها والتقرلها كارهون والسلام على من اثبع الهدى -

اس تطبه کا اعاده ذرا اختلاف کے ساتھ جناب امام حسن نے اس قت بھی کیا تھا کہ حب بعضلے آپ کو فرسے مدینہ کے ہیں -حب بعضلی آپ کو فرسے مدینہ کے ہیں -انتقال: - جناب امام حسن نے ۲۸رصفر سف مطابق ۲۷رمارچ سنگ تاریکی کو جدہ بنت اشعنت ابن قلیس کے زہروینے کی وجسے انتقال ذرایا - اس سے

سيرة فاطمة الزيرا 106 نیلے میں آپ کوکئی دفعہز سرد یا جاجیکا تھا۔لیکن بیہب ہیسم قائل تھاجی کے ارش آب ما نبرنه اوسك -امير معاويه سے والى مدين ك ذريعيس جعده بني اشعث كواس بات يو آماده کیا ۔ کہ وہ امام حسن کو زمردے اور وعده کیا کہ وہ اس کو ایک مزاد دینار دے گا-اوراس کا نگاح اینے بیٹے بزیدسے کودے گا-اوراس عرض کے لیے اس کے پاسم قاتل مجوایا جب جدہ حضرت امام حسن کو زہردسے جلی اور ورآن جناب كااس زمرسے انتقال ہوگیا تواس نے معادیہ کے ایس ایفاروعد كا پنیام بھیجا۔معاویہ نے ایک مہزار دینا رتد بھیجدیے لیکن تکاح سے بیکہ کرانکار کرد یا کہ مجھے اپنے بیٹے یز بد کی زند گی بیاری ہے جب تو نے حسن جیسے فرزندر ہو<sup>ں</sup> كوزمرد عديا توميرا بيا يزيرس كنتى سي باله انتقال کے وقت امام صن نے اپنے مجانی امام صین سے وصیت کی کہ مجھے ميران ناكر بهلومين دفن كرنا - للكين الركوني ما نع بو توجدال وقتال فدكرنا - ملك بقيع میں مجھے دفن کردینا بینا نجی حب آب کا انتقال ہوا توا مام سین علیالسلام آب کا

انتقال کے وقت امام صن نے اپنے بھائی امام صین سے وصیت کی کہ بھیے میں سے میں نے بہائی امام صین سے وصیت کی کہ بھی میرے نا ناکے بہار میں دفن کرنا ۔ لیکن اگر کوئی ما نع ہو تو جدال وقتال ذکرنا ۔ للک ایسی میں مجھے دفن کردینا ۔ جنا نجے حب آپ کا انتقال ہوا تو امام صین علیالسلام آپ کا جنازہ قبررسول کی طوت سے جلے لیکن بنوامیہ مزاحم ہوں ۔ اور اس مزاحمت میں والی مدین معید بن العاص اور حضرت عائشتھی شامل تھیں ۔ حمیگر افروکیا ۔ ان لوگوں نے جنازے پر شریعی مادے ۔ لہذا امام صین وصیت برادر کے مطابق خاموش ہوگئے اور بقتی میں جنازے کولے جاکہ وفن کردیا الله

تاریخ ابدالفدای عبارت به مے:-وکان الحسن قد اوصی آن یدفن عند جدد رسول الله صلی الله علیه واله وسلم فلما توفی اس ادوا ذالات و کا دیقع باین بنی امیه و بنی هاست عربسبب ذالك فتنة "فقالت عاششه البیت بیتی و کا اذت

شلاه مودی الذهه بیمسعودی الج والثانی صفح - ابن عبدالبر- الاستیعاب ذکرا ما م حسن - ربی الا باد زمنشری - تاریخ ابی الفداد - الجزوالا ول صفط برسط ابن الجزی تذکره خواطلات ذکراما حسین مدوضة المناظر - تا دیخ حبیب لسیر حبلد دوم جزا اول صفار سیر الادلیا - البخررو الله لیا - البخر عبدالله تا دیخ ابی الفذا والجزوالا ول صف - تا دیخ حبیب لسیر مبلد دوم جزی صف

سيرة ناطمةالزهرا

حس کا ذکر ہیلے کیا گیا ہے۔ اما جسین جنازہ کوبائے دفن بقیع میں لیے گئے ہے

اس موقع برحضرت عبدالتدابن عباس ومحدين حنفيه كي لفظي تحبث حضرت لنشه

سے ہوگئی۔اس موقع بیعبدا متدابن عباس نے بیشغیر کہا - اور ٹیصا :-

تَجَمَّلُتِ تَهُ ظُلْتِ وَكَوْعِشُتِ تَفْتَلَتِ الْعَلَيْتِ الْعَلَمْنُ مِنَ الشَّغِ وَلَلِكُلِّ تَصَرَّفَتِ

رترجمه: - آب ادنت بر معبى سوار بولي اور نيخ بر معبى سوار بو جيكيس اور اگر زنده دبي

قد باعلى برسوار م و يكي المعلى التو تو تو توصور مين أنظوا ب حصد موتا سم ليكن أب ك

سادے پرتصرف کرایا ہے۔)

معلوم ہنیں یہ گھر حضرت عائشہ کا گھر کیونکہ ہوگیا۔ کیونکہ ان کے والدما حدفرما چکے کے خرسے ہوئی۔ کو نہ مان کے دالدما حدفرما چکے کے خرسے ہوئی۔ کو نہ ترکہ ملتا ہے۔ حضرت او برکرکو خیال نہ آیا ورنہ تمام احمات المومنین سے ان کے مکان تھیںں لیتے کیونکہ ان کے مکان ت جناب رسول خدا کا ترکہ تھا۔ دیکھو نؤرالدین محمودی کی و فادا لوفا با خبار دارالمصطفے الے والاول باب الرابع فضل التاسع مصل

بین رائت اصاب ده دولگ جوتاریخ کوغورسے منیں بڑھتے جنا ب امام جس علیالسلام کے عمل پر دواعتراض کرتے ہیں۔ (۱) ایک تو یہ کہ آپ عورتوں کو مبست طلاق دیا کرتے ہے۔ (۲) دوسرے یہ کہ آپ آلام دراحت کے دلدادہ تھے۔ اس دھیمن ہی میں بیاعتراض ہوتا ہے کہ امام حسن ادرامام حسین کے عمل میں کسیس میں صدیقی ۔ لہذا دونوں میں سے ایک غلطی پر بھتے ۔ امام حسین علیالسلام کے طرزعمل کی بنا پر بجٹ کرکے یہ بھی کتے ہیں کہ اگر حضرت علی اپنے زمانے نا سے خلیفہ کوحی مجانب

دسمجھے تو وہ بھی اما مسین کی طرح لڑائی کرکے دبان دیدیتے ۔ جولوگ واقعات کا مطالد بورسے نہیں کرتے ادرائی عقال کمیم کو کام میں نہیں ۔ لاتے وہ اسی طرح کی بے ربط باتیں کرتے ہیں رہم ان اعتراضا سے کا جواب نے ہیں ۔ امیر معاویہ کے حالات کو جانبے والے جانبے ہیں کہ وشمن کے ساتھ محت بلہ کرنے کے لیے ان کے پاس بہترین تو بہ زہر کا تھا۔ اوراس کے بعدر دبہ کا امیر معاوت ہی پر منحصر نہیں ہے۔ دینا کے با دشاہ اور امراء جو خدا و آخرت براعتقاد ہنیں کہ کھے أن يدفن فيه فيدفن با لبقيع ـ

(ترجمه: امام حسن نے وصیت فرمائی حتی کہ ان کو ان کے نا نا دسول اللہ کے بہامیں اون کی حال اللہ کے بہامیں اون کیا جائے کے باتا در اس امری کوشش کی گئی۔ اورانس دجہ اس امری کوشش کی گئی۔ اورانس دجہ کے بیان میں جناب عالمت نے فرنا یا کہ یہ گامریا گھرے اللہ میں اورانس دین کوسٹ بہاں دفن سکیے جائیں ایس ان کو نقیع میں دفن کردیا گیا۔) اور بین اوران کے دوخت الصفا کی عبادت یہ سے دیا

تر حجمہ الب بعن دوایات سے ظاہر ہوتا ہے کہ جاب الم حسن کے لیے ایک فرجناب الم حسن کے لیے ایک فرجناب اور خون کرنے کے لیے ایک اس کے کا دون کریں جھرے عالیہ کو رہنا کہ مود کی گئی الورجنا دوکو وفن کرنے ہے لیے اس کے کا دون کویں جھرے عالیہ کو رہنا ہوکر کو قع پر تشریف الا لیس اور وفن کرنے سے منع کرنے لکیں یک خور سالہ ہوکر کو قع پر تشریف الا لیس اور وفن کرنے سے منع کرنے لکیں یک خور سالہ ہوکر خوا میں کہ کوئی ہو کسی وہ نیج پر سواد ہوکر خوا مار بیغیر مسلوات اللہ علیہ سے جنا ذم بر براکر تنازع بر پاکری ہو۔ اور اکھیں فری شیس معلوں نے ہم کر تنازع بر پاکری ہو۔ اور اکھیں فری شیس معلوں نے ہم کہ اور ایک دو تر سے کی طرف تیر کھیں نے اور ایک لگے۔ اور ایک دو تر سے کی طرف تیر کھیں نے ہو جو برا کر تنازہ کی اس وقت اس وصیت سے برجب برخی میں میں معلوں تا پر کھی لگے۔ اس وقت اس وصیت سے برجب

دنیا دی امورکے محاظ سے داقعی حضرت علیٰ کی عزت رکھبی حرف الا تا تھا تا ان کی جرات ريمين نكته جيني بوسكتي تقى اور مونى -خود دارى كو تعبى زديميني اور اطنت ا ما سے خل گئی وہ الک - واقعات برغور کرنے سے بنتیج صریح نکلتا مے کا گراوروں كى طرح مصرت على بعبى ببلوك رسول كوجيور كرسقيفدسازى كي لي علي مات تو جسا الصارف اورنیز بهت سے ماجرین نے بھی بعد میں کما علی کے وال ہو ہوسے سی ادر سے معیت ہوہی ہندیں کتی تھی جس محسف کی بنا پر انصار سے ان خرکار مهاجرین کے حق کو مان لیا۔ وہ مهاجرین کی قرابت رسول تھی۔ اور علی سے زیادہ و با رون اور قریب نه تقا - دیگر فضائل و ایک حکد دیے یہ ہی بات کا فی تقی -على كوسلطنت تومل جاتى يسكين اسلام بانقسص جاتا رمهتا بمنافقين وردتمنان اسلام كويه كجسف مل جاتى كه نبوت ووحى سب يرده كفاحس كى أرسي صكومت وال كرنامقصد رها - اولاد ك رسول كي حبم وهيؤر كئي - صروري رسول كي وسيت بوگ-كدد كليسلطنت مي في برئ شكل سے حاصل كي ہے - يه نه إلا سے نكلے ميرب د فن كا حيال زكرنا - دِنن تومير موسى حاؤل كا - بوكس اس كے مم اور معلوم كرآكے ہیں کہ رسول خدا سے علی کو وصیت کی تقی کرتم میرے بیلوسے جدا نہوتا جب مک مجرکو دفن نگرلوا ورلوگ دنیا کی طرف حالیں ترجا ہے دینا۔ تم دین کو ند حجوز نا۔ ا الرحضرت الويكركي بعيت كے بعد حضرت على تلوا رائھاتے قوا كركسى كى فتح یقینی نہوتی تو بھی نیٹے مشکوک توضردر ہوجا تا۔ دنیا کے آدمیوں کے لیے یہ موقع بجربرك كے قابل تھا يسكن اس تجربه ميں اسلام يقينا برباد ہوجا تا اوراج كو صدك الشراكبر، لا الدالا المترد سنع مين آتى - حضرت على في قدب كرصبر لرلیا لیکن ان کے مخالفین اس فطرت کے آدمی تھے کہ خاموش نہ بیٹیتے - اور اگر بہت مجور ہوتے تو اسلام کی پرداہ ذکرتے ہوے وہ کام کرتے کہ حسب اسلام مطلقاً مدربتا منا نقين سے مل كرايك عام صدا لبند بوجا تى كرمحد كے إياس مذبنوت عقى مذوحى بيسب دهوكه بازى حكوست صاصل كرف كے ليے مقى میروہ ہی قبیلوں کے حمد اور آ<sub>ی</sub>ں حضرت کے زمانے کی حنگوں کی ع**دادت کو** اتنا بھیلا یا جاتا کے علی کے یاس حکومت ردہتی اور لوگوں کے بایس اسلام ندہما

ادر مستد جوائ سے عادی موت ای اسے می او جھے متعیار استعال کرنے لگتے المين مولوظين للفتي بين كراما محسن كوجيد دفعه زمرد ياكيا مقالس سي صاحب يا مسكدامام حسن خفيه ومنمنول مين طهرب موسه عقد وادرجو كمصلح كى مشرط يرفق كمعادير كيعداما م صنى كوخلا بنع مطي لهذا اليرمعاويدي ولي خواميش يعتى كدا مام حسق اس كى زندگى ميں انتقال كرچائيں -اب قياس كيا جاسك سے كراما م تن كى مؤسم كىكىنى كومشىنى كى جاتى بول كى د البرعمد ماعد تدى كى ذريست ديا جاتا عقا-ا ما م سن کے کیا صروری ہوا کر حب بھی ذرامیا شبہ بھی سی عورت پر ہو اس کو اسپینا سے غلیکہ ہ کر دیں ، مشبر پرسزا قد دی ہنیں جاسکتی علی علی تال تی جی ذریعیہ سے حب کی ا جازت بشرویت نے دیدی تھی یالمیار کی ہوسکتی تھی۔ اندرین صورت تعرب يهنين سي كراما م سن ف طلات كيول دى ملك تعجب يدسي كوا في كرطلا في والى ا وا قعام ساخ نا مب كرد ياكر دا فعي طلاق كم سق حبب مي توادي ك ذر سي حد اي كي دوسراا عتراص زياده عورجا بشاست اس كى مجسف مي اقليدس كى شكال كى بحث كى طرح چنداصول موصنوعه وعلوم مقارفه قالم كركيني صروري مي اورده يرمين . ﴿إِ الْمُسْلِمِ الْمُسْلِمِ السَّلَامِ كَي وَلَمْكِيالِ الْ كَالِي نَعْقِيلِ الْفُولِ لِيَا إِنَّا نفس فلا يك إلى فروضع كرديا عا - أوزا با فالده كاغود وجادميد كابيدادان عل يراثر يزير نهين بوسكتا عناب د ۲ ) دواندان کی جان صرصا موس کی جان کی ای طرح مفاظف کرت معص طرحة قرآن في حكم دياست - قرآن مومن كي جلك كودنيا كي برسف ساوي د کھتاہے رہاں کے کے جان کیا نے کے لیے وام بھی طلال کردیا گیا ہے اماد موس ى جان كومصن جا بليد كم منداد إدنياكى د جامت كے سے خطرے ميں ائيں ( ١١ ) ان كي على ليم في دنياكي اشياءكوان كي مناسب قدر برركها مقاء

ان کے نزد کیابسب سے زیادہ تیمتی سے دین اسلام تقا۔اس دین کے لیے ہرسے

اب ان تین اصول موضوع کو مدنظر دکھ کرسم اپنی مجت سروع کرتے ہیں۔

يال تك كرميان دع دم كوم قربان كرديتے تھے -

كيا تصوريع - بنواميد عقي من الي اور بنواتم سع جوان كوعنا دكفا وهسدل مولكا اباعث ہوا۔ اچھا دیکھئے اب سی خلافت بنو ہاستم میں جاتی ہے۔ وہال اس سے کیا گل کھلانے رسب حاستے ہیں کہ بنوعیاس سنے کیا کیا ظلم سکے ہیں - اورا ن کی سلطنت كس طرح اسلام سے دورما براى عتى -بنوعباس تولى دور عقر يربياص بنوفاطرمین بیفلافت کینچی ہے تو وال بھی اس کا رنگ ایساسی دیاہے۔ اورجب الركي مين الى تو آخر كارلو كون ما السين كوزنده وسيف كے قابل تھي نتهجھا -اورشم ہي كرديا غرضكه قاهره بغلاد ، ومشق اوتسطنطنيهس ايك مى رنگ ميس رنگيوك نظرات أين وا تعاب ف نابت كرد ياكت كالمري عرف جانشيني رسول كالقب دے کراوگوں کو دھوکہ دینے کے لیے سنجھا لا ہواہے وہ در اصل حالتنینی رسوالنہیں ي يعانشيني رسواع بوي تواس مين يظهروا يخ نه بوت اوراسلام ذليل نهوتا-السوام في وابنا جانشدي سي اور مي كوبنايا عقا واس خلافت في اس صلى جانشين رسول من اعراض کرے اپنے تنگیں ایسا بنالیا کھبسی وہ ہردور میں نظراً تی ہے، ا الم حسن نے دیکھا کہ احس میں سے بیصلا جست بھی جاتی رہی تھی کرنیک آؤیول کے یاس من کر کھران سے اٹر لیتی حضرت علی نے لوگوں کے اصرار مرحبکہ کوئی اسے لینے کے لیے شار نہ تھا اس کرسنبھال لیا ایکن ان کے پاس اس طرح رہی کم جیے سونے چاندی کے تیلیوں کے بخرے میں کوسے کوبند کردو۔ میسینہ کارکتی دہی اور محلف کے بے قرار ہی - اور آخرنکل کرہی جین لیا- یا مقی و ہجیز جو ا امام حسن نے امیر معاویہ کودی -

الاحسین کی حالت بالکل مختلف تھی۔ لہذا ان کاطرز علی بھی ختلف تھا۔
الاحسین کے پاس حکومت رکھی۔ باب اور بھالی کے بخر باب سامنے ستھے۔
بھائی کے بعد بنسی سال کی ڈندگی بتاد ہی تھی کہ حکومت سے کچے سرو کا دہنیوں کھا
تھا۔ حکومت کے تقسی سے معاذبین دکی تھی۔ مدینہ سے اس نیے نکلے کوالی مدینہ
نے میں ندرہنے دیا ۔ کرسے اس لیے نکلے کریز یدی خفیہ ایجنٹ آب کی جان کے درب
سے اس سامان سے بیند بڑھے ، کچے جان ہمت سے بیخے اور عوتیں کے کہ
داست میں کتے دہے کہ میں تو مرب شے کے جا دہا ہوں جرب کاجی جا ہے بھرسے

حضرت علی سنے نیتجہ پرنظر ڈالی اور خاموش رہے۔ ہمیں تو مضرت علی کی دورہنی كى تعريف كرنى جا ميد - اتنى دۇرتك برايك آدمى نىيى دىكىسك -حضرت امام حسق کی همی ہی صالت بھی۔ دنیا کے بادشاہ رہ چکے تھے۔ معادیہ کی نقريبًا فتح يوجًا على - زمهراه روبيه اينا يورا كام كرجكا عقار بهب مكن عقا كامام من ي كى فرج كے باغى آپ كو قيد كرك معاوير كے ياس بے جاتے اورا كرہا توسل الوار کے کرا ود سے پوراورج پورکے را جیو توں کی طرح دستمن کی فوج میں کھش جاتے وکیا ہوا جانیں سب کی صابح ہوجاتیں۔ تھوڑی دیرے لیے دیتا یہ دیتی کہ بادر تھے اسے ہی بهادر مقے کہ جیسے بعدیں راجید توں نے استخاب ابت کیا بس آخری تعربین یہ ہوئی کیکن دین پرائر نریر تا الوک یر ما کہتے کہ دین کے لیے جان دی ۔ یہ کہتے کہ د مناکے کیے جان دی - انتی جانوں کے مقابلہ میں یہ تعربیت ہیچ تھی۔ یہ تعی و عزار ا كه اما محسن سنة معا ويدكوكيا جيزوي حكومت دي حس كوعوت عام مين خلاهت كماجانا سع - يه وه جير تقى جوا ما م سن كي ياس بينجة بينجة ايك زمر بلا بل كابيال بن يقي تَهَام كُنَا ہوں كا مُجَوع بن كِي تَقي كَثْ في اور گزندگي كي ايك يوٹ تقني كرجس ومحض مُس كرف بسه امنسان تنس موجاتا تقامه بيشيطان كالثيم م بن حكى تقى مد دنياكى تام بدوكا مركب لقى -اس كونىكى سے وہ ہى مخالفىت بقى جو تارىكى كوردى سے بوتى ہے جواں پيقى د إن كى كا نام في تقالم بهم منا زعه با وك كويهال بنيس ليتي بهم اس خلافت كود بال سے ستروع کرتے ہیں کر جس کے نامور خلیفدا میرمعادیہ تھے۔ اعفوں نے خلافت داشدہ کے ایک سبت بڑے دکن مکے خلافت بغادت کی ۔ له غلاس خاا فت کی بنیاد بغاوت يرهى- ادرية خلا فت خلافت راستده كے مخالف على - اب فرماينے كرومكوست يا فلاقت خلافت ملامنتره كے خلاف موكى - وقسين بوكى -كيا بوكى -اسلام بوكى يا كفرادكى -أكروه واسلام ب وخلافت داشده كفر اوراكر خلافت راسنده اسلام ب توبین است کفر - ہم ادیر کہ حکے ہیں کہ اس خلافت کو نیکی سے عناد تھا یفلافت بن استرس دوبی نیک بادشاه موسے میں معاویدا بن بریداورعراب عبدلعزیم ان دولوس كواس خلاحت في زنده مذي ورًا-ادر فوراً قتل كرديا - اس خلافت بي الم حين كالم وكيا وو توظام رب مكن بك كماجاك كيفلان بايكا

سيرة فاطمة الزثيل

حمین کا نظر میش کرنے سے قاصرے توالفوں نے وہ کیا جواس صورت سی المريكة مع بعن حسين كى قرانى الميت كوكم كرناجا إلى كمري كا توادرك كالد الظرية يا-نا نهال كي زمينيت اور لا مزميتيت اورحب ماس جاه كو ديموكم يكنا اللهوع كياسي كرصين النه ويزيد كفلاف بغاوت كعمى وبغاوت عيى دانشندان ندفقی -لسنافکسے بولی - مایس کے - یہی بناوت کانٹیجہ ہوتا سے معلوم بوتا سے كدان لوكون ف واقعات كامطالومني كيا-اوراكرطالعكياب توعداً عاص كيدة اين - يرواقعات عورطلب بين -(١) حسين في مدينه عيوراكيونكه وإل كاحاكم يزيد كي حكم اورمره ان كوزيس ام مین کر قتل کرنا چا ہتا تھا۔ مرینہ میں سین کے لیے جائے بناہ ناتھی۔ مرینہ کو طاقت جان کے لیے چوڑا ذکر شام پر محرکرنے کے لیے۔ رم) دید جود کرکو فرک منس کے ملک کر کو استے کی کرده فدا كالمرتجاحاتا عقاءا ورحومس كبوتركا مادنا مجي حرام تقا-(س ) بزید کارکول اورا مجنبوں نے وہالمجی تعاقب کیا۔ ارسیر تھاکہ ومين قتل كردي كے -اوروم كى ومصفا فع بوجائے كى-لدا مكر بجوراً بچوڑنا يا-رم) سب سے ٹری بات دیکنے کی ہے ککس سا دورامان کے ساتھ سینے من وكر جيورا - توكى سارى عورون ، بيل ، بوڙهون اورجيند قريبي جوانون كے ما ما المانة ميم اولتى اورزكسى فوج كے جمع كرنے كى كوستسش كى كيا باغ الك اس مرح مرس ملکرے کے لیے ہیں۔ ( ٥) جناب المحسن كي رحلت اور لريزجولت كيك دركيان المحين ك دند آجر طرح كرزى سي - اس كامطا لعرب صردرى سي - اس دوران مي شاتو المصين في مكرم على ومنون اور كمترجينون كالما تا دارى دوي مح كرين كى كوست في اور زائي حقوق اور بنواميه كے مظالم كوم برت دى -(٢) مكر سے تكلف كے بعد حب الم حسين عيثى منزل زياله بريميني بي وولال ان بنعوه اوراب کے قاصد کو مال کردیا گیا ہے۔ آ آپ سندی تام

على ده برجاك جناني ببت سي لاك جوعض مال و دولت كي خاطر شامل بوسيد عق على موسكة يشب فتل كاس أب اين اس اجادات كود برايا سع - بلك الان كالمراكمين المالين بعيد القاري كردون سع الحالي مع ميل مع نك كرجا سكت موريدلاك توصرف ميرب دربي مين داس برمعي الركوئي يد كان ك الم حسين حكومت كي لي الحف عقية اس كاعلاج بماست إس منسي ي وه ميمس يحنف دكرب ملكه اليصطيم يا واكثرى طرف رجه ع كرب جما مرام اختاع الدوس - يزيد كا بعيت كامطاليه تفاحسين كواس مستعلى انكار تفام عنور بعي مَكُرِتُ بِرِسَا لِأَكُولُنَا وِيا- عِن يرز واصحاب قتل كرداد مي يجون كوراه وخلامين فيدمايه لكن اينا إلى تينيك القيس دديا- دنياى أكليس كل كنيس كريديا سلام كس طرف نے جا دہا تھا یسب کومعلوم ہوگیا کہ اصلی اسلام کیا ہے۔ اورس طرف لیے۔ نیتج بین کلا که ان بزرگوار دل کاعمل ایک بی اصول برسی عقا اسلام کو بچاہے کے لیے جان دے دولیکن دنیا کی وجاہمت کی پروا ند کرو۔ امام صن اورا مام حسین طراعل اس وجر سے مختلف عقا کہ ان کے ذما نے کے حالات مختلف مقے۔ نوع عمل يايون كهوكه باعت على ايك بهي عقاطرز على مختلف عقا مقصدا يك عقام طريق حدا محق اوريسب ايك بى ظلم كے مظلوم ستے \_ حضرت امام حسين عليه السلام:-مقام دنا دی بیدائش بقام مرید بتائی سوم تعبان کا مرطاب وجودی مقام د تاریخ شادت بقام كرالد دم ما و محرم الحرام بالده مطابق اراكتوبهناد ا بنول سے اور عفروں نے امام میں علیانسلام کے حالات اور خصوصا واقع کرمالے اتنالكها بي كراس حكراس كا إعاده بالكل غيرضروري معلوم موتاب ليكن ريمي امر وا قعد يك المحسين كوالديد يكل بيت كياب مؤركم كياكيات ما خاكم الا تاريخ عالم كا و ه واقعد ب كرجوايني نوعيت ادرنتائج مين إينا نظير ثبين ركفيالهي فرصت ملی اور آجل بے جملت دی توسم اس برایات مبوط رسالہ مخریر کریں گے۔ يان بريان كرناصروري معلوم موتا يست كرجب غيرسلم مغالفين يز د كهما كرمضان الكسبى دا فقر سر محرصطف كي إسالت وبنوت أابت بون ب اوربارادين ادب 446

آب نے صاف صاف کد دیا کرموت بھتنی ہے لیکن آپ کے اصحاب اقادب میں سیکسی نے شانا۔ اور آپ کے ساتھ قتل ہوجائے کو اپنی حیات ابری کی ابتدائمجھا۔ امام حسین گی یہ احبازت عین تمثل کی دات کو اوران اصحابُ اقادبِ کا انكارادر موت كي مي اصرار فطرت انساني ك ارتفا اور إرتفاع كي انتماني منراكا مونز مے - وہ لوگ جود کھینا چا ہے ہیں کہ اسلام نے کیا سکھایا اور کیسے آدمی بيداكيه وه أنيس اوركر بلا كرميان مين ديكيس- يد مؤنه الفير تعقيف في ساعده میں نظر شیں آئے گا سٹکروں کو فئے کولینا آسان ہے۔ دوسروں کے ملکو ہے چھیننے کی ستعبدہ بازی بست سے وبصوں نے کردکھائی ہے لیکن موت کو نتخ كرنا حسين اوران كے اصحاب كے ليے باتى دوكيا تقا -اس اجازت اوراس انكار مے لیے دیکھو المال

اتنى بحث كے بعد مي اگركونى يسى كمان كرتا ہے كامام سين فيزيد يرخوج كيا تقا-اوراس سے ماكسے عين لينے كے ليے اُسطے تھے تواب مبالد كا ندو ذانه اور زما بلر والے الدی بیں - یہ ہی کدسکتا ہوں کہ ان لوگوں کی مجھ کا علاج میرے یاس بنیں ہے کسی اسرامراض دماعیہ کی طرف رج ع کریں۔ تصريف سي به يه تاريخي سله ب كرجناب فاطر ز شرا كاايك الأك كاحل ساقط اوا عام ايك فردكتا م كجب است محريه صرت فاطرك بيدالشرف كح ملاك كے ليے آماد و مقى اور جناب فاطمه در دازے كے بيچے آن كر دريا و كر رسى تقسیں ۔ توالیک شخص نے دروازے پر زورسے لاسعہ ما دی ۔ جن سیا فاطمۂ پرکواڈ کر بڑا۔ ص كصدمس مل العلم وكيا - اور جناب فاطر في اسى علم ميل تقال ونايا دوسرا فزبت کتا ہے کوسی معتبرتا ریخ میں بیروا قعہ درج نہیں ہے اسفااس کہ نہانتا جابهي بكين اس فرقے كے معمن مزاج اصحاب ميى دبى زبان سے اس كوانت بين الم خطر بومولوى صدرالدين عفى كى كتاب روائح المصطفى كا افتياس جوامها اس كتاب كصفى ٢٨ پرنقل كياب - وه معامله فدك اور على ساقط وي كو الله تاريخ طبري الجزء السادس مدسس مصيع سالسوايد والدرايد في التاليخ لاين كثيرها ي المرواك من صلاك الدور ترجي الدي الكامل خلافت بنواميرصداول صلال

سيرة فاطمة الزبئرا 444 ساتیوں کو جمع کرکے ایک خطبہ ا دا فرمایا حس میں ان کو ان حالات سے طلع کیا اور صاف طورسے كدد يا كدمين قرقتل موت كے ياء ماموں - ہاداكونى دوست منين ديا - تم مين سے جو چا بهنا ہے وہ چلا جائے ميں نے مقادي گردوں ميں اپنی بعید کاطوق کال لیا ہے میرے ساتھ دہنے میں مے کوسوائے موت کے اور کھے ناسل کا - يوس كر بهت سے لوگ جل كئے - صرف وہ ہى دہ كے جو مدينہ سے آنیا کے ساتھ ہوے کتے ساتھ ہم اہل انصاف سے انصاف طلب ہیں۔ خدالگنی کیے ۔ کیا دنیا کے کسی ملك كيسى ذما ك كي الريخ مين آب يد ديجها م كرد تخف ملك في كران أسما ب ادرس كامقصد ملك جيننا بوتاب وه اسيفسا تفيون اورمدد كارون كو موت سے ڈراکر انفیس صُداکرتا ہے ۔ یا سے وجھوسط ملاکر اور فتح و فالرہ کی اسید دلا کرانفیں اپنی مدد پر آما دہ کرتا ہے۔ اور ذیا دہ سے زیادہ مدد گار جمع کرتا ہے۔ دُوتاريخ أه وحرم سلك يدوز تبعرات المصين عليالسلام كرملاس وادد ہوے ۔ وہا بعرسعد سے کئی ملاقاتیں ہوئیں اور ضلح کی کوسشسٹ کھی کی گئی ۔ امام صين في مين فريس في المام صين أن الم مين في بي جلا جا ول

جهال سے آیا ہوں یا تم محمد کواس وسیع زمین میں کمیں اور جلاجات دو-امام سین مجی بنیں کما کہ مجھے یزید کے یاس لے چاہ اکرسی ایٹا ہاتھ اس کے ہاتھ ایس ركه دول - أكربهي ما ننا كلها تو وطن سيم كيول نطلة معقبه ابن سمعان مجتيباً ما حمين كے ساتدر ہا۔ يرام رباب كاغلام آ ذاد كرده عقاء وه كمتا سے كرامام صبيت ساتھي يرسرط پيش سي كى مجھ دستن مع جلو اور يزيد كے ساست بيش كرد وسواله آخر کار حبب ان لوگوں سے کسی بات کو ندمانا اورلزائی بقینی ہوگئی و پولام میں نے خطیہ دیا اور لوگوں کو احبا زئے دی کہ دا مصہ کے اندھیر سے میں جمال جا ہیں جلے مہر

سيلاله تاريخ طبري الجزوالسادس ويسع والبدايه والهايه في الناريخ لا بن ميرتاي الجزوال مواقا أددو ترجيه تاريخ كامل خلافت بنوامير حصداول صهدا والاله اددو ترجد الايخ كالل ضاف بنواميه مصداول مسك - تاديخ طبرى الجود السادس مصيع - السبدايه والهابي

الجزءاك من صطفا

ميرة فالمتالزمرا 440

قيدى بناكرك ماك لك توعدة ل الالكريان يزيد الكركم كوتل كالهيلة كن طرف ند الحامانا - در ناعورتين ادر بيخ ترابي سك ليكن ده لشكر مان زيدان فدالها عصمت اوراولاد رسول كو متل كاه كى طرف سے لے جلے جب دہاں يہنچ تو ساب

المام سين كى لاش كود يكه كرحضرت زينيت في اس طرح فريادكى ا

فرياد ب اعظر مالك أسماك أنب يدودو بيع يصين خون الوده ديت يريب وسامي ان کے اعضادیارہ پارہ میں اورآپ کی مثیاں اليرادوي بي خداس تكايت ب يحم سے شکایت ہے ، علی تعنی سے شکایت ہے اور مروميدالشدارك تعكامع بويادم محر، يصين فيل ميان من في بور مي ان يرجوا في حاك كي وراز عالى بولى -بدكارون كاولاد الاكان كوتل كردوا ي-العكيدا فرب العكيداكرب بي كامير وناالمول ف انقال فرايا است اصحاب م يالك ذريت معطف بي وتيديال فرح يوال عاديه الي

اسطرع بى فرادى س فرادي اسمحداآب كيشيال تدهيس اور کی کی در سے الحراج قتل کی میں ان کا ما فاك كى جادرالارجى ب- اورجيسين ين جي مرسين كردن مع كافاكياب ان كاعام اور ردالوط ليكني ميرس إب اس يدواجس كا المشكر ومشنبك ون لوثاكيا بمرسط إب اس قران ص كفيرك طنابس كاظ وال كنيوا

واعمداه، صلى عَلَيْكَ مَلِيْكُ السَّمَّاءِ هُنَّ احْسَيْنُكِ مُوَمِّلٌ مَا لِنِّمَاءِ، مُفَطَعُ الأعضاء وبنا تك ستماما الى الله المُسَنَّلِي وَالِي عَنِي الْمُعَمِّطَةِ وَإِلَىٰ عَلِي الْمُورَنَّضَى إِلَى فَاطِلَةً الزَّهُوَّا وَإِلَىٰ حَمْزَةً سَيِّهِ الشفتاء واعتتاه هذا محسين بالعراء تشغي عليه ريح الصَّبَا قَيْنِينُ ٱوْلَادِ الْبَعَايَا قَاحُونًا فَ وَاكُونَا فَ يَا آبًا عَبُدِ اللهِ آلْيُؤمِّ مَاكَ جَدَّى مَ ارسول اللوكا أضحاب عجباً هؤلاء وُرْتِيةُ الْمُصْطَفَّ ، يُسَا قُوْنَ مُوْقَ السَّبَايا اس طرح محى فرادى -كالمحتنكة الأبنا ثك الشكايا وَذُرِّيِّيتُكَ مُقَتَّلَهُ لِلسَّفِي عَلَيْهُمُ رَبِّحُ الصَّبَّا، وَهُنَّا حُسُين فِهِ أُوْرُ الرَّاسِ مِنَ الْفَقَا مَسْلُوبِ العَمَامَةِ والرداء بأبامن صيغسكرة

ایک بهی فوع بعنی است کے ظلم میں رکھتے ہیں کران امور کی وجہ سے مصرت فاطرت است سے ناداص دینا سے کئیں۔اب جوجی جانب ان کی تاویل کراو۔ببرصورت یہ ایسی باتیں ہیں جن کا نعلق آخرت سے زیادہ ہے بینجت اس دینیا سے اور آخرے کے ماکم علی سب کھے ہے۔ ہمیں محسف کی ضرورت اندیں کی بیضرور سبه كداسقا واحل سترسب اوراس ك وجهنس بتاني عاتى - ان بي آيام مي جنا خاطم کی رحلت سلم سیلیکن مرض کی نوعیت بنیس بیان کی جاتی واوران معتبراً ریخون گا بنوامت کے ذیر از مرتب بونا ٹابت ہے آئیر پڑھے والے کے دل سن بہات بررابوں تو وہ حق بجانب ہے م حضرت زيني عليها السلام:-تأديخ ومقام بيدائش دبقام دينه شعبان سيطه مطابق ومبركتات الديخ ومقام وفاست مصريه روب الديم مطابق سرايي سيدان يه امروا قديم كاجناب رسول خداصل الشاعليه والدوسلم كى تكيل تبوت جناب ادام صلين المرض عليه الملكاكي فهادت سے بوئى جيساكر مولوى شا وعالع زيات تحقد في اين كتاب سرالشا ديمن مي كهاسه - امام حسن كي شمادت جناط عمين کی شہاوت کا بیش خمید کیے اورا ما حصین فلیالسلام کی شہادت اور شادت کے مقصدى كميل جناب ذيب عليها السلام سعم وي ان كاصبر وانتقلال فيكال اینجا بوا کها - اورسبست برمی بات جو ب ده یه سی که واقعد کردای عظمت شهرت جاس زماسى بى بون دەسىب جناب دىنىدى وجىسى بونى دورنىشامى توسىمىيى

منت كرايك فيرهمب واسك باغى كوبهادس بادشاه سانقل الإسها كرالاس كوفدادر كوفسه ومشق تك وانستدمين بالدادون مين در باوون مين آب لوگون كو بنان آئ میں کم سے کس وقتل کیا ہے۔ اس کی عقب اسلام میں کیا مقی - و ف ایک اسلام کاعلی تقاصی کوئم نے سرنگوں کودیا۔ بھائے کا جوان مقاصل لائم لفکل كرديا -اس ك المنطبع دور محرر بي جن كوم تع ميشدك سية الراص كرديا -اب كس كى شفاعىد كالخ كو عرومدد باراس عكر بم صرف جناب زيب كے چند ظرات

القل رقيب حب المنجسين فك الملك الادريميون مي أكف لكادي في اولادورول ا

سيرة فاطمة الزثيرا

مروخیانت کو بیش نظر در کھے ہوے ہو۔ تم اور تم اور س صرف غلط دعوے ہیں ادر تم سے سے سے عیب و كذب سے دانستہ ہورتم میں نیزوں كىسى چا پلوسی اور دشمنوں کی سی عنا زی ۔ یم یتھادی مثال اس بری گاس کی سے جو کورسے پر لملماديمي بوديا اس جاندي كى طرح ، وحس کوئی فرسنواری کئی موسئے کے اپنی آخرے کے ليهب واب وسركه عام رمالاعفى محاد علي مياب - اور تم عذاب سي عيشر دہو کے مادے تم ہم پردورے ہور یا تسم بخدا بست رود قسم بخدا مقادے کے لیم مناسب كدهم دوست دمور زماده ودؤ اوركم مينسو- لينني خوستی محقیں کرنصیب ہو عیب وناگ تم نے اب لي جيم كرد كها اوراس درت كو يم الي سيكسى طرح وورنسين كرسكة الركي بإلى سے اس دھبہ کوشیں دھوسکے اور تم کیو نگر اس بات كى تلافى كريسكة بدكم في فالم النبيين کے حکر کوستراور جوانان جنسہ کے سرداد کوفل کرفاہی وعقارى حناك سيراتها دامقام امن تقار وتمقاك گردہ کے لیے جائے بناہ ادر تھا ری کے کی جائے قرادتها - م مباحث مين حس كي طرف دجرع كرسكة عقے -ج عقاری دلیاوں کامعدن ادر تھا سے دینی داستر کا دوش کرفے والا تھا - کتے برے گناہ کے تم مرکب اوے بدر جست خلاسے دور بو گئے ہو تھا دی کوشش سکارہوکے روگئی۔ تم دشیا

كَكُتُكِلِ الْمَيِّى لَقَصَنَتُ غَزُ لَهَا مِنْ بَعُيْدٍ قُولَةٍ آنكا ثَا تَنْكَانُ وُنَ ٱيْهَالَكُوْدَ خَلَابَيْنَكُوْ هُلْ فِيَامُ إِلَّا الصَّلَقِ وَالْعُجِثُ وَالشَّنَفُ وَالْكُنُ بُومَلَقُ الإماء وغَمْزُالْاعْلَااء آوُ كَمَوْعِيُّ عَلَىٰ دِمْنَاةٍ آوُكَفِضَّةٍ عَلَىٰ مَلْحُوْدَةٍ آكُاسَاءِ مِنَا فَكَامَتُ لَكُمْ الْفُسُكُمْ آنَ سخط الله عكيكرة في العكاب آئلمُ خُلِلُ وْنَ آَيْ آَجُلْ وَاللَّهِ فَمَا يُكُونُ ا كَا تَكُمُرُ وَاللَّهِ آحَقُّ مِالْهُكَاءِ فَآ ثَكُو الدِّيرِا وَ أَصْحُكُوا فَلِينِكُلَّا فَلَقَاهُ ذَهَيْلُمْ بعارها وشنتارها وكن ترهنها بغسل ببن ها آيانًا وَ آنَّ تَرْعُفُونَ قَتْلَ سَلِيْلِ خَالِقُ اللَّهُ وَ وَ وَمَعْلَ إِنَّ الرِّسَالَةِ وَسَنيِّلِ سَمَابِ أَهْلِ الْجَنَّةِ وَمَلادِ حَرْبِكُمْ وَمَعَا ذِخِرْ بِكُمْ ومَقَرِّسُ لَمُ لَكُمْ وَ إِسِي كَلِكُمْ وَمَفْزَع نَا ذِلَتِكُمْ وَالْمُوْجَعَ النيه عننه مقالتكم ومناوة مُحَمِّيحِكُمُ وَمَنَادَةٍ عَجِّتَتِكُمُ أكامتاء مَا قَالَامَتُ لَكُمْ

مير اب اس بإنارج الساغائينس م اس کے دالیں اُنے کی المیدکی جاسکے اور زابیا وخى سے كوس كا علاج كياجاسكے ميرے باب اس يفداحس يميرى مان كلى قربان ي-ميرے إب اس برفداحس كے مصدسي غيري غم تقامیمان کا کراس نے تضاکی میرے باب اس پنتار چوبیال می دنیاسے اعظار میرے باب اس برفداحس كنانا رسول خدا عقر ميرب ياب اس يرفدا جوينى مدى كافراسه عقا مرساب محرصطفى فدا ،مرس الضيكري لتاد اميرت إب على مرتفني برقرإن اميرت إب قاطمة نبراسيدة النساءير فدا ،ميركابياس فداحس كى خاطرس مورج كو كوالا يأكيا بياتك

كريركردس بويخفارك أنسوكين وتقبس اور

مخصاري فرياد كيمي رختم بلويه محاري مثال اس

عورت کی ہے جو موس المجی طرح کا تنے کے بعد

اصلى كفركى طرف لوسط كي كمياتم اين تسمو رسي

فُي يَوْمِ إِنَّ الْمُنْكِينِ نُهِبًا بِإِي مَنْ فُسُطًا طُهُ مُقَطَّعُ الْعُرِي بِآبِي مَنْ لَاغَامِبُ، فَيُرْتَبِي مَوَلا جَرِيْحُ فَيْكَ اوْي بِآبِيْ مَنْ لَقَشِي لَهُ الْفِلَاأُ يابي من لَهُ الْهُمُ زُمْرَ حَتَى تَصْلَى بِإِنْ مَن هُوَالْعَطْشَانُ حَتَّى مَعَنى ، يِا بِيُ مِنْ شَيْبَتُهُ تَقَطُّرُ بِالرِيِّ مَاءِ ، بِآبِي مَنْ حَبِثُ كُا رَسُولُ إِلَهِ السَّمَاءِ بِأَيْ مَنْ هُ وَسِبُطُ النَّهِي الْهُمَائِ بِأَنِي مُعْمَتِينِ الْمُسْطَفِيٰ بِآلِيْ خُلَا يُعِدَة الْكُنْرِي، يا بِيْ عَلِيِّ الْمُؤْتَعَىٰ بِآ بِيْ فَاطِهَ الرَّهُ رَاسَيِّمَةُ النَّسَاء يَا بِيْ مَنْ رُوِّيتُ لَهُ الشَّمْسُحَةَ عَبَلْي ﴿ كُواسِ لَهُ عَادَ بِمِعِي مِ

حب یہ قافلہ کو فرمیں بہنیا جہاں کے اوگ صرت علی وصرت امام س غدارى كريك عقد ا در حضرت المركو بلاكراوران سي معيت كرك الاكوتها جودد اعقا ادر صنرت اميرالموسين كى لركيا ب ادر بيوياب ان بازارد ل مي بيا درومقنعبر ا بخيرد ن ميں بن رهي بوئي لائي گئي ہيں -اوران كو د كليمكر لوگوں سے گريئے وزاري شرفتا كردى توحصرت زينب ف ان كوخامين بون كا اشاره كيا- اور كير فرايا:-اسابل كوفرواسك غدارور استمكاروا مم

الحَمَدُ وَلَهُ وَالصَّاوَةُ عَلَىٰ إ هُحَمَّدٍ قُ اللهِ الطَّاهِرِينَ (آمَّابَعُنه) ياً أَهْلَ ٱلكُوفَةِ يَا آهُلَ الْخُتُلِ وَالْعَنَّهُ رِا تَنْكُونَ فَلَا رَقَا تِ النَّامَعُهُ وَلَاقَطَعَتِ الرَّنَّة توريتي سم - تم في است عهدكو تور دالا اور وَكُلُّ هَاكُمُ إِنِّ الزُّ فُورَةُ إِنَّهَا مَثَلُكُمُ

کی جاب و زیت نے یہ اشعا دانشا فر لئے:

(۱) تم اس دقت کیا جواب دو گےجب بیغیر خدا

مرحرس) ہو تم نے یہ کیا گیا ۔

مرحس) ہو تم نے یہ کیا گیا ۔

کے ساتھ بعض کو ان میں سے قید کیا اور

بعض کو قتل کر ڈوالا ۔

اصلاح کا جو میں نے تھالے ساتھ کیا تھا کہ

اصلاح کا جو میں نے تھالے ساتھ کیا تھا کہ

(۳) یہ توصلہ نہ تھا میری نفیع دیے دسالت و

مرے بعد میرے ڈوا تبدادوں کی ساتھ ایما براسلوکئے

مرے بعد میرے ڈوا تبدادوں کی ساتھ ایما براسلوکئے

(۳) میں ڈورتی ہوں کہ کمیں تم بر بھی دہی عذاب

بالاک کر ڈوالا تھا ۔

بالاک کر ڈوالا تھا ۔

سُّمَّ اَ نَشْنَا أَمْتُ تَقُوُلُ لُ سه الْمُعَلِّمَ اللَّهِيُّ لَكُمُرُ (١) مَا ذَا لَقُولُوْنَ إِذْ قَالَ اللَّبِيُّ لَكُمُرُ مَا ذَا صَنَعْتُمُ وَالنَّهُ الْخِرُاكُ الْمَمِر

(٢) بِأَهْلِ بَيْتِي وَأَذْ لَادِي وَصَلَوْمَتِي وَمَلَوْمَتِي وَمِنْهُمُ وَمِنْهُمُ مُؤْمِّرُ جُوْرَ لِهِ مِ

(٣) مَا كَان دُالِكَ جَزَائِيُ إِذَا لَضَكُمْ عُكُمُ لَكُمُ آنُ تَعُلِفُونِيُ بِسُوعِ فِي ذَوِي وَتَحْدِرِ

رس) إِنِّى لَاحْتْمَىٰ عَلَىٰ كُوُّانَ تَجِيلَ بِكُوُّ مِثْلُ الْعَنَ ابِ الَّهِنِى اَوْدَىٰ عَلَىٰ إِرَمِ

جناب نینب صلاة الشرطیهای یه تقریس کولگ دارهیں مادکردو تے ہے۔

ایشر بن خریم اسدی کمتا ہے کہ میں لئے وفہ کے لوگوں کو دیکھا کہ یہ تقریر سن کرذن لیسر

مرے یاس کواری اور تے تھے ۔ اور دانتوں سے اپنی انگلیاں چباتے تھے۔ ایک خصصیف
میرے یاس کواری اور کے لگا بابی واقی کہولہ خیر الکہول وسٹ باہم خیرشاب

وسلیم سسل کریم وفضلہ فضل عظیم ۔ بعثی یرے اللہول وسٹ باہم خیرشاب

بردگ ہے اور ان کا فضل عظیم ہے ۔ جب جوش گریہ زیادہ ہوا تو جناب زیرا لعابہ ین کے اور والی دنیا کے جوافوں سے بہتر ہیں ۔ ان کیسل

فرایا کہ بچو چی سب اب خا موسق ہوجاؤ ۔ ماضی سے جوجی گیا ہے اس پر سب کرو ۔

بزدگ ہے اور ان کا فضل عظیم ہے ۔ جب جوش گریہ زیادہ ہوا تو جناب زیرا لعابہ ین کے اور والی انسان سے دیکھ کیا ہے اس پر سب کرو ۔

فدا کا شکر کر آب ایسی عالمہ ہیں کہ جس کوسی انسان سے دیکھ کیا ہے اس پر سب کرو کے اور فرایا کہ والیس ہنیں ہے ہوں کو دو انہیں ہنیں کے ہو کہ کو دو انہیں ہنیں ہے ہوں کو ذانہ فنا کر چکا ہے ۔

جن کو ذانہ فنا کر چکا ہے ۔

وآخرت کے خمارے سے دوجاد ہو سکے ہو۔ عذاب الهي كستى قرار باك مو-اور ذلت و فوادى كوم فاب ليخديليا م داسالكوند تم يرداك بو، جناب رسا لتماب كي كيس مركزت کویا رہ یارہ کردیا ہے اور اُن کے خا وارہ کیمیں ميسى عذره اورعفت مآب بى سول كوب يرده كرديا-ان كي كيم بركزيده فرزندول كافون يا ادرة ن صريع كي كياكي ومت هنائع كي إبيا قابل فورد كام م في كيا ب كحر ل دمي قريب ميمكرة سان شكا فتربه وجاك اورزمين سنت موجائ اوربها و الرع المرع المرع وكارجاني الم نے الیوی بری حرکت کی ہے کی جس نے زمین و أسان كوكيرليا ، تم كواس بال رتيجب م كركسان عاس داهم في رسا (در انقط نٹانی ہے) دیکھومذاب آخرت تھیں اس بجى ذياده رسواكرسككا اوركوني تعارى مدوزكر كا وإن فعال فى ادوالمت مقارب بيم كواكما ذكر في (و إلى ك عذاب كم نتظر ديو) كونكر فعاد نويا لمرمداب س علدي نسي رتاء اسے دفت اورا تقام کے وسے بوجائے کا الدين السي ب يقارا بدورد كاركنه كارول کا مایں ہے۔

أَنْفُسُكُمْ وَسَاءَمَا تَرِنَ وْنَ لِيَوْمِ لَعُنْكُمْ فَنَعْمًا تَعْسَنَّا وَنَكُسًّا تَكْسِينًا لِكَفَّنْ خَابَ السَّعْيُ وَ تَتْبَيُّ لَا يُدِئ وَخَيرًا تِ القَّنْعُقَّةُ وَيُوْتُمُرُ يِغَضَبِ مِنَ اللهِ وَضِي بَتُ عَلَيْكُمُ الذِّلَّةُ والْمُسَنِّكَنَّةُ أَتَلُادُونَ وَثُلُكُهُ إِنْ كُنِّهِ لِيُحْمَدِي قَرْ نُهِثُمُ وَ آئَ عَهُمِ تَلَكُ ثُمُّ وَ وَای کُونیکه له آ بُرزنشمُ وُ آئ حُرْمَةٍ لَهُ هَتَكُنَّهُ وَاَيُّ وَيِهِ لَهُ سَفَكُتُمْ لَعَنَهُ جِعْنَكُمْ شَيْئًا إِدَّاتُكَا دُ السَّمَانِكَ يَتَفَطَّرُونَ مِنْهُ وَتَنْشَنُّ الْأَرْضُ وَفَيْ وَأَلْحِينَ الْحِيدَ الْحِيدَ الْحَدَد الْحَدَد الْحَد الْ क्विकारी के वार्डी के लही के تَقْمَاءَ وَنَيْ تَعْضِهَا خَرْقًاءَ ह में बीह यूर्डि मिंडिंग و السَّمَاءِ ٱ فَعَجِهُ بُهُوانَ فَعَلَرَتِ الشَّمَاءُ دَمَّا وَلَعَلَ ابُ ٱلْاخِرَة ٱخْزَىٰ وَٱ نُتُمُا لا نُنْفَتَىٰ وْنَ لَكُ تَسْتُعْفِقَتُكُمُ الْمُعْلُ قَا نَّكُ عِلْوَقِ حِلْ لَا يَعْضِي كُوالْكِمَ الْكِمَا أَوْلَا كُِنَّا فِ عَلَيْهِ فَوْتُ النَّا رِكُلَّا إِنَّ تَكْلُوْلُنَا وَ لَكُوْ لَبِ الْمِيْرُصَاد

دورکیا اور ندان جناب کے مرتے وقت تااینکہ خدانے ان کوا بنی طرف بلالیا - درا کالیکدوه طبیعت کے پاک اور نطرت کے باکنرہ تھے۔ ان كيمنا قبرب كومعلىم عقر-اوران كامسلك مشهورتقا فداوندا تيرب بارسيمين ان جناب كو ية توكسي ملامسة كرنے والے كاخوت بوتا تھا اور دكسى سرزنش كرف ولك كادر- بروردكاراتي الهنيس ان كي طفلي ہي ميں اسلام كي طوت مہري کی اوران کے بڑے ہونے بران کے مناقب کی مدح فرمانی ۔ وہ جناب ہمیشہ تیرسے اور تیرے رسول كى خدمت ميں خالص باست سيني كرتے سے-تارينكر توني اس حالت مين اپني طرف بلاليا كه وه دنيا كى جيزول مين ذا بد مق رويص د تق آزت کے کامول میں ممر تن داعنب عقے اور تیری لاوس تیری خوشنودی کے لیے سیا ہا دکرنے والے تقے۔ توان سے داضي موا، تونے ان كونتخب كرليا اور صرا فيستقيم كى طرف تدسفان كى ربهيرى فرماني-الم بعد - اے اہل كوف اسے كر و بيوفا في والوا ات كمبردالو،ب شك بهم المبيت ده إين كل ا زائش خدانے مقارے ذرید کی ہے اور عادی ا زائش كواجها قرار ديا- اس خدان ابناعلم ہیں بخشا۔ اپنی فہم ہمیں عنامیت کی ۔چنانج یہم اس كے علم كا ظرف اوراس كے انم وحكمت كا مقام میں۔ درسم روک زمین یراس کے ملکوں اور اس کے بندوں کے لیے اس کی مجتب ہیں

لَمْ يَاخُنُ لَا مَ اللَّهُمَّ فِي اللَّهُمِّ فِي اللَّهُمُ الللَّهُمُ اللَّهُمُ اللَّهُمُ اللَّهُمُ اللَّهُمُ اللَّهُمُ اللللَّهُمُ اللَّهُمُ اللَّهُ اللَّهُمُ اللَّهُمُ اللَّهُمُ اللَّهُمُ اللَّهُمُ اللَّهُمُ الللَّهُمُ اللَّهُمُ اللّهُمُ اللَّهُمُ اللَّهُ اللَّهُمُ اللَّهُمُ اللَّهُمُ اللَّهُمُ اللَّهُمُ اللَّهُمُ اللللَّهُمُ الللَّهُمُ الللَّهُمُ اللَّهُمُ اللَّهُمُ الللَّهُمُ اللللَّهُمُ اللَّالِيلَّهُمُ اللَّهُمُ اللَّهُمُ الللَّهُمُ الللللّ لَوْمَةُ لَا يُعْرِوَ لَاعَنْالُ عَاذِلِ هَدَيْتَهُ يَارَبِ لِلْإِسْكَامِ صَغِيرً ﴿ وَحَمَّدُهُ تَ مَنَاقِبُهُ كَبُيرًا وَلَمُ يَزِلُ نَاصِعًا لَكَ وَلِرَسُولِكَ حَتَّى فَبَضْنَتَهُ اِلَيْكَ زَاهِمًا فِي اللَّهُ نُمَّا غَيْرَ حَرِنْصِ عَلَيْهَا دَاعْبًا فِي الْأَخْرَةِ مُعَاهِلًا اللَّفِي سَيِدِيكِ رَضِيْتَهُ وَآخُكُرُ تُهُ وَهَمَايْتُهُ عَلَيْ صِمَ اطِ مُسْتَقِيْدِ-آمَّا يَعْنُدُ يَا آهُلَ الْكُوْفَةِ يَا آهُلُ الْمُتَكُورُوا لَعْنَدُ يِن وَالْحَنَلَاءِ فَإِنَّا آهُلَ بَيْتِ البُتُلانًا اللهُ بِكُمْ وَالْبَتَلَاكُمُ بِنَا فَغِمَلَ بَلَا ثَنَّا حَسَنًا وَ جَعَلَ عَلَيْتُ عِنْدَ نَاوَفَهُمَهُ لَدَيْنَا فَنَعْنُ عَينَتُهُ عِلْمِهِ وَ وعاء فهيه وحكيته ومحته في الكارض ليلدد و ولعباده آكُرَمَنَا اللهُ بِكَرّامَتِهِ وَنَضَّلْنَا بيّنيه مُحَمَّت بِي صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَ الِهِ عَلَىٰ لَكُو يُرِمِيةً نُ خَلَقَ تَفْضِيْلًا بَتِينًا فَعَكَنَّ أَنْهُو مُنْ إِ وَكُفَّنْ شُهُوْ نَا وَرَآيِنُكُمُ وَيَا لَنَا

سادی حد خدائے کیے سے ایسی حدج ریاب بیا با سادرسنگ دیزوں سے تعدادسی ادرع ش الكريخت الشرئ كسكمادسام احام صوران میں برار ہو ایس اس کی حد کرتی ہوں۔ اس پر كَمْ إِلَىٰ إِنَّ اللَّهُ وَحُدَى اللَّهُ فِيكَ ايان ركهي مون ادراسي يرجي بورسب اور لَه و آتَ مَحْمَتُ مَا عَدُلُ لا وَرَسُولُ أَما مِن كُوابِي دِينَ بول لا المُرْبِح سواكوني مبود برح صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَ أَلِهِ وَأَنَّ وُلُلَّهُ النَّي عِيدِهِ الْكِلَّالِي اسْكَالُونَ شَرِكِينُين ذُ بِحُوْا بِنِشَطِ الْفُرُ اتِ بِغَسَيْدِ إسى اوريكوابى ديتى بون كرمحداس مبودك بندسادر اس سكرابول بين فراكي وحمد بو ان پر اور ان کی آل پر اور مین اس بات کی گواہی دیتی ہوں کہ آل حضرت کے بعظے فرات کے کنا ای اس طرح و زي كي سكن كدن ان كافور بها ليا جاتا ہے نہ بدلا۔ خدا وندا میں تیری مرد کے سالان اس بات سے بینا ہ مانگتی ہوں کرتج رچھوٹ باندھو ادراس عدك خلاف بولول جوتو ف اليغ ببغير کے وصی علی ابن ابی طالب کے بارے میں ازل كياب يعني امرخلافت، وه على جن كاحت مجين لیاگیا اور بغیرجرم کے قتل کردیے سے جس طرح کل دوزعاسور وان کا فرزندقتل کردیا گیا ۔ وہ على جن كى شهادت خداك كر (مسجد كوفر) ميرا في ا بونی - جال ده لوگ موجود مع جصرف زبان مسلمان مخدمان كالرودك الدول ك ر تو آس جناب کی ذیرگی میں ان سیسی ظلم کو

جناب ديدبن موسى بن حبفر عليهم السلام فرمات بين كرجناب فاطرين يحيي ليلسله نے بازار کوفد میں یہ نقریر فرائی :-أَنْحَمْنُ لِللهِ عَنَّ وَ ٱلرَّمْيِلِ وَالْحُصِّلِي وَئِرَنَةُ الْعَرْسِي إِلَى النَّرِي آخْمَتُ لَا وَ ٱوُمِينُ بِهِ وَآ تَوَحُّلُ عَلَيْهِ وَآشُهُ مُ أَنْ تَحْمِيلُ وَكَارِتُوابِ ٱللَّهُمَّالِينَ آعُوْدُ بِكَ مِنُ آن آفَ تَرِيٰ عَلَيْكَ اللَّيْنَ بَ وَأَنْ اَ قُولَ عَلَيْكَ خِلَاتَ مَا ٱنْزَلْتَ عَلَيْهِ مِنْ آخُذِ الْعُهُوْدِ لِوَ صِيِّهِ عَلِيّ ابْن إِبِي طَالِبِ الْمُسَلُّوبِ حقه المُقَتُولِ مِنْ غَيْرِذَنْبِ حَمَّا فَتِلَ وَ لَكُ لَا بِالْإَمْسِ فِيْ بَيْتٍ مِنْ بُيُومِتِ اللهِ تَعَالىٰ فيثه متغنث مسكلمة يالسنتهم تغشا لرؤسهم مادفعت عَنْهُ ضَيْمًا فِي حَيَّا يَهِ وَلَاعِنُهَ متمايه حتى قبضته إلينك مُحْنُمُونَ النَّفِينَةِ وَطَبِّتِهِ الْغُونِكَةِ مَغُرُوْتَ الْمُنَاقِبِ مَشْهُوْ وَالْمُنَاهِبِ

ہلاک کرے لعنت وعذاب کے شفرر ہو ۔ کو یا لعنت المريار حكى سي جومحفار بركروت كے سبب مم كو الماكردك كل اورتم مي سي معفن كونعف كى تعدى سے دوجار كردے كى بیرقیاست کے دوزتم لوگ دالمی ادر در دناک عذاب ميں مبتلا رہوستے۔كيونكر تم فيم ال محرير ظلم كيا م ين كا ه موكه طالمون يرخداكم لعنت م - عمر بروائ مو، ثم جاست موكم محما رس كن إنقول فيهيس نيزك ادسيس ادر کیسے کیسے دل ہمارے تنال پر کھنچ کر آلے سفق - اوركن بيرون سيمم سے جاكسكر سے کے ادادے سے ہماری طرف بڑھے تھے۔ تمهارك داس خنت اور لمها را حركم وطرح كم ہیں۔ تھا دے داوں براور تھارے کا نوں پر مرلگا دی گئی ہے شیطان نے تھادے فعلوں کو متقارى نظرمين خوشناكركے دكھا إسب ادر تھارى م نكمون يريد عادال دي لهذااب تم دا و بدایت نه یا دُک اے اہل کو فد خدا تھیں بلاكرے - دسول ضاككيساكيسا خون بسا مقادے سروں ہر ادر کیسی کسی جانوں کا بدلہ مخاری گردیوں پرہے۔کیونکہ تم نے آن حضرت کے بھائی اورمیرے حدیزرگوارعلی ابن ایطالب ا دران کی اولاد ادر نبی کی عترت پاکیزو کےما تھ ب، فان کی ہے اوراس پرایک فخرکرنے والے نے یوں گخرہمی کیا ہے

في الْعَنَابِ أَلَا لِيمِيوِمُ الْفِيلَةِ بِهَا ظَلَمْتُمُوْنَا ٱلْأَلَهُنَةُ اللهِ عَلَى القِللي مِنْ وَيُلَكُمُ أَتَهُ رُفْقَ اَ تَكُ تُلِطَاعَنَتَنَا مِنْكُمُ وَآيَةً نَفْسِ تَرْعَتْ إلى فْتَالِنَا آمْ مِاً يَهُ وَلِحُلِ مَشَيْتُهُ لِللَّهُ لِللَّهُ إِلَيْنَا تَبْغُونَ مُعَامَ بَلَّنَا فَسَتُ تُعُلُونًا لُمُ وَغَلَظَتْ آكْبًا دُكُمْ وَطُبِعَ عَلَيٰ أَفْعِلَ يَكُمُ وَخُتِيمَ عَلَيٰ سَمْعِكُمْ وَتَجَيِّكُمْ وَسَوَّلَ تَكُمُ الشَّيْظَانُ وَآمُلَا لَكُمُ وَحَعِبُلَ عَلَىٰ لَحِي كُمُرْغِينَا وَةً <u> قَالْمَتُمُ } تَهُنتَانُهُ وْنَ تَبَّالَكُمُ </u> يَا اَهُلَ الْكُوْ فَهُ ٓ اَ كُنُّ ثُمِّرا بِ لِرَسُولِ اللهِ قِيبَكَكُمْ وَدُجُولُ لِهِ لَنَ يُعِلِّمُ بِمَاعَكَ رُتُمُ بِإِخْدِهِ عَـِلَى بْنِ إِنْ كَالِبِ حَبِّينَى وَ بَيْنَيْهِ عَيْثُورَ فِي النَّسِمِي الطَّاهِدِينَ ۖ ﴿ الطَّاهِدِينَ الْمَاحَدَادِ وَ ا فَنْ تَكُنِّي بِنَ إِيكُ مُفَكِّخِرُهُ ألحن فتلنّا عَلِيًّا وَتَبني عَلِيٍّ بِسُيُونِ هِنْدِ تَةِ وَ رِمَا عَ دسببين يسائهه مشبى نوك وَ نَطَعُنَا هُمُ فَأَى نَطَاحِ بِفِيْكَ آيُّهَا الْقَايِّلُ الْكَثْكِثُ

خدانے ہیں اپنی کرامت کے ساتھ مخصوص کیا ہے ا در مہیں اپنے بنی محد مصطفے کے ذریع اکثر مخلوقات يربين فضيلت دي سم- بإ دجرواس تم نے ہیں جھٹلایا ۔ ہیں کا فرکھا۔ اور ہمارے قتل كو حلال جانا - ادر جادك مالول كو نوشنا حائز سمجها ۔ گویا ہم تُرک دکا بل کی نسل سے ہیں۔ایسے ہی تر نے کل ہمارے مد بزرگوار على ابن ابي طالب ُوقتل كروالا ادراب تك مقاري تلوارون سے سم اہلبیت محمد کا خون ٹیک رہا ہے۔ براس کبینہ کی وجرسے سے جو بيط سيمقادے دل سي حلا اواب -اس قتل دغارت سيمقارى أنهيس كفنذى ہولیں مقارے دل سرور ہوے حالا نکتھا اے يانغال سرخا سرخدا ورسول برا فتراء وبهتان تطي ادريه البيها نكريقا جو تم نے ديدهُ و دانسته كيا ہے۔ خدا كركا المجي طرح بدار لين والاس لمذاخرار عقادے نفوس ہمارا خون سانے برئم کو خوش مونے پرا ما دہ ندکریں اور ہمارا مالع اسباب لوطین پر تم كو فرح ومروركى طرف اكل ذكريس -كيو كديم بر جو بڑی بڑی صیبتیں نا زل ہوئی ہیں ۔ وہ خدا کی كت ب مين فلقت دنياس سيد بي تنبت ادميكي تقیں ادریہ امرخدا کے لیے مہل ہے بہرگز فوت تنده جيزيرا فنوس نذكرد ادرجونني شے حصل ہو اس برخوستی ندگرو به خداکسی اکرانے والے اور فخر کرنے والے کو دوست نہیں رکھتا بضائمتیں

حَلَالًا وَإِمْوَالَنَا نَهْبًا كَأَنَّا آۇلادُ تُوْكِ آ وْكَا بُلِ كَمَا قَتَلْتُمُوْجَمَّا ثَا بِالْهَامْسِ ق سُيُونُكُمْ تَقَطُرُ مِنْ دِمَا مِنَا آهُٰلَ الْبَينِ لِحِقْدِهُ مُتَقَدِّهِ قَتْرَتُ لِلنَّالِكَ عُيْوُ نُكُمُّرُوَفَرِحَتُ عُلُوْ نُكُمُ إِنْ يِرَاءً مِنْكُمُ عَلَى اللهِ وَمَكُنَّوا مَكُونَتُمْ وَاللَّهُ خَلَيْهُ الْمُنَاكِرِيْنَ فَلَا تَكُ عُوَ تَنْكُمُ وَآ نُفْسُضِكُمُ إِلَى الْجُتِدَلِ بِمِمَا آصَبُتَمُون دِمَا يْنَا وَنَالَتْ آيْدِهِ بُكِكُمْ مِنْ آمُوَ الِمَا فِإِنَّ مَا اَصَابَنَا مِنَ الْمُصَائِبُ كَيْلِلَة وَالرِّزَايَا الْعَظِيْمَةِ فِي كِتَأْبِ اللهِ مِنْ قَبْل أَنْ نَكْرًا هَا إِنَّ ذُلِكَ عَلَى اللَّهِ لِيَسِينُ لِكُيْلًا تَا سَوْ عَلَىٰ مَا فَا تَكُمُهُ وَكَلَّ لَقُنَّ حُوْا بِمَا إِتَاكُمْ وَاللَّهُ كَا يُجِيبُ حُلِّ مُغْتَالِ فَخُوْرِيَتَتَا لَكُمُرُ فَانْتَظِرُوا للَّعْنَةَ وَالْعُنَابَ فَكَانُ فَكُمْ فَالْحَالُمُ فَالْحَامُ وَنُوا تَرَتُ مِنَ السُّتُمَاءِ نَقَمَاكُ فَشُمِعِتَكُمُ بِمِنَا كَسَبْتُمُ وَيُذِيقُ يَعْضَكُمُ بَأْسَ لَعِمْضِ بِثُمَّ مُتَّكِلُهُ وْنَ

149

ابان برئم افسوس كرح مد مالا كرتم في اب تعبى ان كى عور توں كواسيركور كھا ہے۔ اور كير ان برتم روت بھی ہو۔ تم پر ہلاکت نازل سے ۔ تم الديروما وتم يرواك بو- تم جانت بوكرتم ب كيسي أفت أساخ والى مع اوركن مخدرات كى حادي تمنع جيني بي اور كيس محترم ال و اساب کو اٹا ہے۔ دسول کے بعد جسس سے بيترمرد محق ان كولم في قتل كردالا بمقادب داوں سے رحم دور ہوگیا ہے ۔ یا درہے کضائی گروه کامیاب رہتا ہے۔ اور تنبیطان کا تشکم ناكامياب مع - ييرفزايا سه (١) عُمْ فَ سِرِ عِبِهِ إِنَّ كُومِ عِبِورُكِ مُثَّلِ كُودًا لا -مقادى ال بلاك م عقريب اس كريدكس م كودة أك ي كاب كالي كالي المائل المائل الم (١) م في السيدة ن بها ع بين جن كوفدات معرم وارد إنفا ،جے وان نے محرم ایا ہے اور محدمصطف في اس مع أمت كو آگاه كرديا-(س) خردارتم كوهنم كي د شخيري موسينك تم قیامت کے دن سقریں ڈالے جاؤ محص میں يقيناتم بهيشه رموسطي رمم) میں زندگی بھرانے بھانی کوروق دربوں گ ج بعديغير برمولودس ببتركفا -(۵) مِن آسوبهاؤن كي جُسلسل مِوكا - برابر جادىدى كاحس سے بميشد دخمارے ورس جو تھي بند نه ٻوگا -

وَرَثِيْتُهُ ولا وسَبَيْتُهُ اللهِ عَلِي اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ الله وَبَلَكُ مُونَ اللَّهُ وَكُنَّا لَكُمْ وَسُخْهَا وَيُلَكُمُوا تَن مُ وَنَ آتَى مُوالِ دَهَثُكُمُ وَآيَّ وِزُيِعَالَىٰ ظَهُوْ رِكُمُ حَمَلُتُمْ وَآيَّ دَمَاءً سَنَعَكُمُّوُ هَا وَآئَ كَا حَيْكُ رِئِمَةً آصَبْتُهُوْ هَا وَآيَّ صَبِيتَةِ سَلَبْتُمُوْهَا وَآيَّ آمُوالِ آ نُتَهَبُّمُوْهَا قَتَلْتُمْخُمُ رِجَالَاتِ بَعُنَهَ النَّبِيِّ وَنُزِعَتُ الرَّحْمَةُ مِنْ قُلُوْ يَكُمُ آكَااِتَ حِزْبِ اللهِ هُمُ الْفَا يُؤُوْنَ وَحِزْبَ الشَّيْطَانِ هُمُ الْحَا سِـرُونَ نُكُرَّقَالَتُ -(١) قَتَلْتُهُ إِنْ صَابِرًا فَوَيْلُ إِلَا تِكُمُ سَتُجُزُونَ نَا رَّاحُرُّهَا يَتُوَ قُلُهُ (٢) سَعَلَنُهُ دِمَا عَدَرَمَ اللَّهُ سَعَلَهُا وَحَرَّمَهَا الْقُنُ إِنْ نَتُمَّ مُعَمَّلًا رس آكا فَا نَيْتُمُ وَا بِالنَّا لِإِنَّا مُوعَدًّا لَفِي سَقَى حَقًّا يَقِئيًّا تَخَلَّدُ وا رم ، وَالِّنْ كَانَكِيْ فِي خَيَاتِيْ عَلَى آجِي عَلىٰ خَيْرِمَنْ بَنِهَ اللَّبِيُّ يُولِّلُ (٥)بِلَا مَيِع غَرِ يُزِيِّسْةَ هَإِل مُلَقَلَقَةٍ عَلَى الْخَلِرِ مِنْيِي ذَائِبًا لَهُ اللَّهِ الْخُلِدُ

يهم نے علی اور اولا دعلی کو مہندی تلواد دں او نیزوں سے قتل کیا۔ ان کی عورتوں کو ترک کی عوروں کی طرح قید کہا اور بڑی بڑی طرک موت اے اس طرح بولنے والے تیرے مذیر فاک اورریت أاس قم ك تمل ير فخركرا ع ج ضدائے پاکینوبایا ہے طابرکیاہے اوران مريران كو دور دها ب لهذا يوغمه كالهين بيتا ده داوركة كانفسك سع بينيس طي حراب بينما عا - برشف كراس كيعل كا بدله مط كارتم برداس موه عمد في الما ففنل ہادا کیا قصور ہے اگر ہمادے مندرج ش ادتے دہیں اور تیرا دریا عیب کے جا اور کو جهيا ندسكي بإخداكا نفس بي جيابا مسعطافراتاب - ده برا نفسل والاسر. اورخدا سے ورنسیں دیتا اسے کسی سے الذرمهيس مليا -

وَلِكَ لَمَ الْمُعْلِي الْفَتَكُونَ يَقَيْل قُوْمٍ زَكَا هُمُ اللهُ وَطَهُرَهُمُ وَٱ ذُهَبْ عَنْهُمُ الرَّجْبِ فَالظُّمْ وَلَقَّعْ حَمَّا مَا فَعَيْ آبُوْكَ وَإِنَّمَا يُكُلِّ آ مُوعِ مَا فَكُ مَتْ يَنْ آ كُا وَحْسَلُ ثُمُؤنًا وْنْلَا لَكُمْ عَلَىٰ ما وَخَتَّلْنَا اللهُ عَلَيْكُمْ - قَمَا ذَنْ يُنَا آن جَافَ وَهُوًّا بُحُوْرًا نَا وَ بْخُوْكَ سَاجَ كَا يُوَّارَي اللَّهُ عَامِصًا \_ ذلك فَضَلُاللهِ يُؤيِّيهِ مَنْ لِمَقَاعَ وَ اللهُ ذُوا لُفَضُلِ الْعَظِيمِي ق مَنْ لَكُمْ يَجْعَلِ اللهُ لَهُ نُؤِدًا قَمَّا لَهُ مِنْ نُؤْرٍ \_

جناب فاطمہ کی اس تقریب لوگوں میں کمرام می گیا اور ہرایک بے ساخة بلک بلک کردوسے لگا - وہ کسے جاتے سے کہ اے پاک و پاکیزہ لوگوں کی دختر مشنے ہمارے ولوں کو بارہ پارہ کردیا ہے -اور ہما رسے حکر میں دیخ واندوہ کی آگ لگا دی سید ابن طاؤس علیا لرحمۃ کتے ہیں کہ حضرت ام کلٹوم نے بھی ایک ہنامیت مؤٹر تقریر فرائی تھی - وہ خطبہ یہ ہے ۔

ا سے اہل کو فدا خدا بھا دا بڑا کرے مقیں کیا ہوگی ہے کہ تم نے حسین کوچھوڑ دیا۔ ان کو قسل کردیا۔ ان کا مال داسباب لوٹ لیا۔

يَّا أَهْلَ الْكُوْفَةِ سَوْءَةً لَكُوْ مَا لَكُوْخَةَ لَكُوْخَةً لِلْهُ حُسَيْنًا وَ قَتَلُمُوْ لَا وَ الْتَهَبِثُوْلَهُ الْفَالِهُ الْمُوالِدُ

كياتج يد كمان موكيا م كريم خداك نزديك ذليل وحواربي اورتواس كي نظرمي مرم ميم اورتيرا يظلم جومم يركزرام توكيا بيخيال كرتاب كه تجهاس كي باركاه مين شان ومنزلت حال بوگئی ہے اور تواس کمان برکے سبب ستکبروں کی طرح پرشکن ڈالتا ہے اور دائیں بائیں متکبرانہ انداز سے دیکھر رہا ہے۔خوشی سے اپنے شاؤں کو حركت دے دہاہے اور اترا اترا كركولے ملكا دہائے ادراس برخوش مے كوف ديناكواين ليے بموار یا یا ہے ادر اپنے کام درست کر لیے ہیں ادر ہماری ملكت وسلطنت تَجَدِّكُو بِإِخَارُ وَخَلْسُ لِلَّ كُنِي مِي م طدى ذكر ذرا وم لے مكي توفي يات فراموش كردى مع كرخلا قرآن مين فرامات زينار یگان د کرکرمیں نے کفارکوملے دیدی ہے۔ اورجر عجدان كويردهيل مع يرسيرس علكمماس جاعت كوزان دراز كم جيور ركف بي اكران كا گن ہ اور بڑھے۔اوران کے کیے دلیل کرنے والا عذاب موجود سے " (س، ۱۷۸) استطلقارک بيليط ( فتح مكدك دن رسول خداف الوسفيان وعيره كويه كه كرحيور وياتفاكه إذهبواها دتمر الطلقاءُ ما وتم أزاد غلام مو - اس وا قعه كي طرف اشاره سيم) كيايه تيراعدل وانضاف ہے کہ تونے اپنی عور توں اور کنیزوں کو پرنے میں د کعاہے اور دختران مینمیرکواسیر کرکے تشہیر کرایا ہے ان کی حرمت ضائع کر دی ہے ، ان کو

وُ أَفانِ السَّمَاءِ فَأَصْبِعَنَا نُسَاقُ كَمَا نُسَاقُ الْمُ اسَادِى أَنَّ بِنَا عَلَىٰ اللهِ هَوَانَا وَ بِكَ عَلَيْهِ كَوَامَةً وَإَنَّ ذَاكَ لِعِظْمِ خَطِرِكَ عِنْلَالُا فَشَخِيْتَ بِالْفِكَ وَنَظَرْتَ فِي عِطْفِكَ حَلَاكَانَ مَسْرُوْسًا حِينِ رَايِتُ الثَّانْيَا لَكَ مَسْتُوْسِقَةً وَالْأُمُورُ مُنتِسَقَةً حِينَ صَعَالَكَ مُلكناً وَسُلُطاً ثُنَا مَهُلَّامَهُلَّا اَنْسِيتَ وَوْلَ اللهِ (وَكَا بَعُسَابَنَ الَّذِي نِينَ كَفَنَّ وُا اَ نَّهَا نُمُ لِئَ لَهُمُ خَيْرٌ ﴿ لَفُسُيهِ مِنْ إِنَّامَا نُمُلِئُ لَهُمْرُ لِلَوْدُوا دُوُ إِنَّهَا وَلَهُ مُرْعَدَاكِ مُعِينٌ ) آمِنَ الْعَدُلِ كَاابْنَ الطَّلَقَاءِ تَعَنُهِ يُرُكَ حَوَايُرَكَ وَامِّا يُلِكُ وَسُوْقُكَ بَنَابِ رَسُوْلِ اللهِ سَلّالِيا قَدْهُ هَتَكُنَّ سَنُوْسَ هُنَّ وَ آبَهَ بُتَ وَجُوْهَ فُنَّ نَحُدُهُ وبِهِنَّ الْإَعْدُهُ اعْ مِنْ بَلَّهِ إِلَىٰ بَلَهِ وَيَسْتَشَيِّ فِهُنَّ ۗ آهُلُ المُنَا هِلِ وَالْمُنَا فِيل وَ يَيْصَفِّحُ وُجُوْهُ مُعُنَّ الْقُرَا فِي وَالْبَعِينِهُ وَالدَّ نِنُّ وَالشُّولُعِيُّ ۗ كَيْسَ لَهُنَّ مِن رِبِّحِيا لِهِيَّ

خطئير زينيب درمحلس بزيد :- يروه طبه معص في دنيا كسام نابي کرد یا کرحق اسمیشه حکومت کی سطوت اورطا قت پرغالب رہتا ہے اور د نیا کی کوئی طا اہل حق کوہنیں دباسکتی کل کی بات مقی کہ حکومت نے اپنا سا دا زور لگا کر کر باا کے ميران بيرايني يورى طاقت كامظامره كيا تقا-ادراس بي فاندان كي تام افراد قتل إو كئے۔ ال واساب جو مجر مقالم كيا- بظا ہر دُنيا كى وئى چنيران كے ياس نهمی حس حاکم کے حکم سے برسادی صیبتیں آئی تھیں وہ ہی اپنے پوری شان و شوكت كے ما تھ مندزري ير ببيھا موات - اوراس كے اور كرد ننگى تلوارس كيرو ي اس کے سیاہی کھڑے ہیں۔ اس حاکم کے سامنے بیند کرور اور سیف بیکس قیدوں کی لا من ذیخیروں میں حکومی موئ کھڑئی سے - ان کےسب مرد رہتنہ دار کر الیس کا م تك - اوراب بظامرونيا مين يكسى كواينا موس واصربنين بات راس ماكم وقط چندنا جائز حرکات کیں۔ زبان سے غودر اسمیر کلمے نکا لے جوایک بیکس وغریب نزادعورت فين حب كرسبعزيز كهاني اورحس ك ابين بي معتبج سب ميان كريلامين قتل إو يكي عقد - دنياوى حراس وبمت كالنوى تطره السيعورت مك بدن سينكل جاتا ہے ليكن اس عورت نے حس سے فاطمه كا دو دھ بيا تھا۔ على كى كوديس برورش يانى على اور جناب رسول خداكى ذبان جوسى على - يركل ات ناحق سنت اورتاب نه لاسكي حق كي طاقت كي دور براور سرحالي مين غالب رسين والى جوائت كے ساتھ يه تقرير فرمائى:-

حمد سب واسطے دب العالمین کے صلوٰۃ وردود

ہے اس کے دسول پراوران کی اَل بیضا و درود

ف یج فرایا ہے" بحریما ہوا انجام اِن لوگوں کا
چوٹرائی کرتے تھے۔ فعدا کی نشانیوں کو بحثمالات

ہے اور ان کا مذاق اڑا نے تھے" اے برنید
وقتے ہم پر ناکہ ناکہ بند کر دیا ہے سمان کی فضا

تنگ کردی ۔ بیا ن کہ کہ الجنسیت کی مخدراست
عصمسے کو قید کرکے دیا دیدیا دیجرایا۔ اس جب

آخَمُنُ شَهِ رَبِ الْعَالَمِينَ وَصَلَّى اللهُ عَلَىٰ رَسُولِهِ وَ اللهِ آجُمَعِينَ صَلَاقَ اللهُ كَنَ اللهَ الشُّوْعَ إَنْ كَنَّ بُوْ اللهِ يُنَ آسَاوًا الشُّوْعَ إَنْ كَنَّ بُوْ اللهِ يَنَ آسَاوًا الشُّوْعَ إِنْ كَنَّ بُوْ اللهِ يَا اللهِ وَكَا ثُوْ اللهُ السِّنَهُ فِرْوُنَ ) تَقُوْلُ مَلَيْنَ ا قَلْما مَ الْحَارِ مِنْ عَلَيْنَ ا قَلْما مَ الْحَارِ مِنْ

تمثل كرة دالا م اورايين اسلات كوايني اس كاميابى يرسلاد يراس يسي وعقريبان طحق مد گا-ادراس وقت آرز و کرے گا کہ کاسش دنیا میں مزیرے ہاتم ہوتے اور منیری زبان ہوتی اکر توفي ح كيكيا وه مذكرتا- اورجو كيم تون كها وه ذكتا - اس كے بعداس معظرے أسان كى جات دخ كر كي ومن كي كرميرت معود ميرت في كالبرل ظالموں سے لے اور ستا کا روں سے ترخود انتقام مے ادراس پرایاعضب نازل کرمیں نے مارا فون بما یا اور بهار معجاؤں کوتر سی کیا۔ اے ينيينسم بخداج كجيظلم تولي كياس وه ابني ساتف كيا مع-توني بي كهال جاك كي به اور اینا ہی گوشتہ کا الم ہے ۔ تو رسول خداکے حفور میں تصورت جرم لایا جائے گا کہ لوت ان کی ورميت كاخون بهايا سي ادران كى عمرس ادر ياده إلى جكيك نادس كى بتكسير معالى؟ اس دقت ضلا دندعالم ان کی پریشان کودورکر کیا ان کی باگندگی کومیدل بسکون کرے کا اور ستمكارد سے ان كاحق كے كارتوبرگز كمان ندكر كركشتكان راهِ ضدا مُرده بين ملكره زنده بي ادرائي يروردكاركي بيال طرح طرح كي فمتول برواندور بي - اور فداكا انصاف كرناييقم فداكا مجرسے دعوبدار ہوناا ورجیشل کاان کی ذرمت كى مدد كے ليے ستعد بدنا شرى سراكے ليے كانى م يعقريب و متخص ب من شرسه سي

تَجُنهُ الْجُقِّنَا وَ ٱنْتَقْتِمُ مِنْ ظَالِمِينَا وَ لُ عَضَبَكَ بِمِنْ صَفَّكَ دِمَا يُنَا وَقَتَلَ حُمَّا تَنَا وَ اللهِ مَا قَرَيْتَ إِلَّهُ مِلْدَكَ وَلاحَزَرْتِ إِلَّا لَحُمْدَكَ وَلَنْزِرَ نَّ عَلَىٰ رَسُوْلِ اللهِ بِمَا يَحَمَّلُنَ مِنْ سَفْكِ دِمَاءِ ذُينَ يَبْتِهِ وَانْتَهَكُنْتَ مِنْ حُرْمَتِهِ فِيْ عِنْزَتِهِ وَ لَهُ مَنْ إِلَهُ مَنْ اللَّهُ اللَّهُ شَهْلَهُمْ وَ يَلُمَّ شَعْنَهُمُ وَ يَا خُنُهُ بِحَقِّهِمِ (وَكَا تُحُمَّانِنَّ اللَّهِ بِنُ قُتِلُوا فِيْ سَيِبِيلِ اللَّهِ إَمُوا تُل بَلْ آحُمّاء و عِنْ مَ يِهِمُ يُرُزِ قُون ) جَسْمُكَ بالله حاكماً وبفحة بخصيما ويج بُرِّمْنِل ظَهِيْرًا وَسَيَعْلَمُ مَنْ سَوْى لَكَ وَمَلَّمَكُ كَ مِنْ رِ قَابِ الْمُسْلِمِينَ بِلْسَ لِلظُّلِمِينِ بَهَ لَا وَٱثَّكُهُ شَدُّ مَكَا نَا وَ أَضْعَفُ جُنْدًا وَلَئِنْ جَرِتُ عَلَيَّ الدَّوَاهِيُ مُخَاطَبَتُكَ اِنْ كَاسْتَصْنِي فَنْ رَكَ وَ ٱسْتَعْفَاهُ لَقُنْ يُعِكَ وَاسْتَكُفُّو تَوْبِهُفَكَ لَكِنَّ الْفُيُونَ عَبْرِلَى

مرربمذكرديات - ديمنون في ايك تمرت دورك مشريس الخصيس بجرايات، لوگ ال كے جرال ير نظر کرتے ہیں اور دور ونزدیک کے لوگ اشریف ادر کینے سبان کے رضاد دن کو گھور گھور سکے د کیفتے ہیں۔اس بیصیس، بیسے کدان بیادوں کے سائة كوني ان كي حايت كرين والا بااختيار مرد ہنیں ہے ہاں اس شخص سے کیونکر مراعات کی مید كى جائے جس كے بزركوں (يوندكى دادى) كے مُنه نے پاکیزہ لوگوں کا حکر جیا کے تھو کا موادر حس کا گرسته درست شدوں کے خون سے بروش بافتا بو کیوں بیصالت ناہو۔جو ہمیں بعض ورہمنی ادر کیمذکی نظرسے دیکھتاہے۔ وہ دستمنی کرنے میں کیا كى كرك كا-اب يزير بيرة بغيركناه ادرام طيم كا خیال کیے ہوے اپنے بزرگوں کوباد کرے کتام الاهلوا واستهلوفوها بشرف الوا لايزيد لا تشمل (يرك زديك يمنظر د كيه كرخوشي سي الحيل يرف اوركه أعظمة ك ا بيرنديترا ما تقومتل خرايه ) حالانكه مزارجوا نافغ ا برعداللر الحسين كي دانون سي و بادبي كرر إب - اب يزيد توكيوں مذخوش مو- اور البيدكلام ذبان بركيون مذلائ اس اليم كر تونے زخم کو گرا کردیا ہے۔ اور شجرہ طیب کواس کی جڑے کا طاکر بھینک دیا ہے ۔ بینی ذریت محد کا خن بهایا ہے واور آل محدا وراد لادعبدالمطلب کی ان افراد کو جومثل ستارہ پائے زمین عقے

وَلَّ وَكَا مِنْ حُمَّا نِهِيَّ حَيًّا وَكُنُّيفَ يُرْتَجِلَى مُرَّا قِبَهُ البُّن مَنْ لَفَظَ ثُوْمٌ ٱلْبَادَا إِلَا ذَلِيَاءِ وَ نَبَّتَ لَحُمُّتُهُ بِلَا مَاءِ الشُّهُ لَا آغِ أَوَّ كَيْفَ لَيسُنَّذُ بُطَّاعٍ فِي كُغُضِنًا آهُلَ الْبِنَيْتِ مَتَنْ نَظَرَ إِلَيْنَا إبالشِّنَفُ وَالشَّنَانِ وَٱلاحْتِ وَالْمَ ضُغَانِ نُعُمَّ لَقُونُ لُ غَنير مُتَا يَعْرِدُوكَ مُسْتَغَطِّمِ لَاهَلُّوا وَاسْتَهُمُّ أَوْ فَرِحًا ثُمِّ فَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللّ ا يَا يَزِيْهُ كَا تُشَالِ مُنْفَيِّيًا عَلَىٰ ثَنَا يَا آ بِيْ عَتَبِ اللهِ سَيِّدِ شَبَابِ آهُلِ الْجُنَّةِ تَنْكُمُهُا بِعَمْضَمَ تِكَ وَكَيْفَ كَا تَقُولُ ذَٰ إِلَكَ وَ لَقَتَ مَا تَكَاتَ الْقُلُ حَةَ وَاسْتَاصَلْتَ الشَّا فَهُ رِيارًا أَقِيْكَ دِمَاعَ ذُرِن يَادِي مُحَمَّتُ بِوَ وَتُجُو مِلْكَارُمِن مِنْ إلى عَبْدِ الْمُطْلَبُ وَ تَهْتِعِتُ بِآشْتِيَا خِيكَ زَعَمُهُ مَا لَكَ تُنَارِدِيهُمُ فَلَثَرِدَنَّ وَشِيْكًا مُوْرِدَهُمُ وَلَنَّوَ ذَنَّ } أَنَّكَ شَلِلْتَ وَ بَكَمْتَ وَلَمْ تَكُنُ قُلْتَ مَا قُلْتَ وَفَعَلْتَ مَا فَعَلْثَ اَ لِلْهُ مَدّ

MAM

بنالے لیکن قدم بخدا تو ہما لا ذکر صفولہ بان سے محو النمیں کرسکتا اور اس واقعہ کا ننگ وعال تھے سے اور محری ند نگی صرف بیٹے ہوے دن ہیں اور شرا دخیرہ اس دن صرف پر نشائی ہوگی ۔ حبس دن منادی ندا کرے گا طا لموں پر خدا کی لعندے ۔ فدا کا شکر ہے کرجیں نے ہادے اول (محری سطف) منادی ندا کا شکر ہے کرجیں نے ہادے اول (محری سطف) کو معادت سے ہرہ اند وزکیا ۔ اور ہما لیے آخر میں خدا سے میں خدا سے میں اور کہ ہادے کا فرایا ۔ میں خدا سے دعا کرتی ہوں کہ ہمادے تہیدوں کا اور ہما رہے ہوں کہ ہمادے کی درستی اور اور ہما دے بھیدا فراد کے حالات کی درستی اور اور ہما دے بین احمال سے کا مراے ۔ وہ بخشنے والا اور ہم دان سے اور ہم رہیلو سے وہی برستی اور اور ہم دان سے اور ہم رہیلو سے وہی برستی اور اور ہم دان سے اور ہم رہیلو سے وہی برستی والا اور ہم دان سے اور ہم رہیلو سے وہی برستی والا اور ہم دان سے اور ہم رہیلو سے وہی برستی والا اور ہم دان سے اور ہم رہیلو سے وہی برستی والا اور ہم دان سے اور ہم رہیلو سے وہی برستی والا اور ہم دان سے اور ہم رہیلو سے وہی برستی والا اور ہم دان سے اور ہم رہیلو سے وہی برستی والا اور ہم دان سے اور ہم رہیلو سے وہی برستی والا اور ہم دان سے اور ہم رہیلو سے وہی برستی والا اور ہم دان سے اور ہم رہیلو سے وہی برستی والا اور ہم دان سے اور ہم رہیلو سے وہی برستی والا اور ہم دان سے اور ہم رہیلو سے وہی برستی والا سے کا مرب رہیلو سے وہی برستی والا سے اور ہم رہیلو سے وہی برستی والا سے اور ہم رہیلو سے وہی برستی والا سے اور ہم رہیلو سے وہی برستی والوں سے اور ہم رہیلوں سے اور ہم رہوں سے اور ہم رہیلوں سے اور ہم رہوں سے اور

بالشّعَادِ قِوَ لَاخْرِنَا بِالشَّهَادَةِ وَالرَّحْسَةِ وَ لَسُسُلُ اللَّوَابَ اَنْ يُصِيلَ لَهُمُ اللَّوَابَ وَيُوجِبُ لَهُمُ الْمُتَزِيْدِ وَيَحْسِنَ عَلَيْنَا الْخَلَافَةَ إِنَّهُ مَ حِيمُ وَ دُودُ وَحَسُبُنَا اللهُ وَيغِمُ مَا الْوَصِيلُ الْوَصِيلُ -

مرتر مصرت ملائوم بوقت اسبدان کاربید حب شام کے تا ہاں سے دہائی باکر المبسیت رسول مدینہ میں داخل ہونے کے بین اور شہر مدینہ کی دیواریں نظر آئیں توجنا ب ام کلثوم نے ایک ہمایت بلیغ اور دردامیز مرشہ جناب امام صین علیالسلام کی شمادت پر پڑھا، وہ ہم بہا ن فقل کرتے ہیں۔ دکھیو

مَّكِ لَحْسَرَاتِ وَالْآخُوَانِ حِمْنَا بِأَنَّا قَلْ لَحُعْنَا فِي آبِيْنَا بَلَامُ وَسِوقَكُ فَهُ يَحُوُّا الْبِيْنِيَا وَبَعْنَ أَلَا سُرِيًا حَبِينَا سُبِينَا عَرَاكِا بِاالطُّفُوُ فِ مُسلِينِا اسخ التواريخ طلد ششم ساسة (۱) مدينينة تجلة ناكا تقبلينا (۱) الكاخبر م سول الله فيننا (٣) وات يعالنا بالظفن صرى (م) واخبر جلة نااتا المسرئة (۵) وره ك يارشول للورضحوا

بساط سلطنت بجهاني هي اور تحقيم سلمانون كي گرد و ل يرسلطك تقا بهت جلدمعلوم كرك كاكد ظالموں کا بدلہ مرا ہوتاہ اورجا سے قیام کے اعتبادسے تمیں سے کون برترہے اورکس کے اعوان و مردكا رضعيف تربي -اگرجيگردس زمانه اورحوا دت ووز كارف مجهد تجسس مكلام كرديا ہے۔ یا اگر تھے سے اس دلیری سے ممکلام ہونا مجويستم يستم دهائي يميرهمي مين مجواد حقيري سمجمتی ہوں اور تمجمتی رہوں گی-اور میں اپنی سرزنش اورشاتت كوح تؤمهار بساتوعل مين لارباسيم بهست فطيم حانتي بهون اورجاستي دمون كي ا نسوس سے کہ آنکھیں گریاں ہیں اورسینے آنش عم - سے حل رہے ہیں۔ ہایت تعجب ہے کہ رحان کا لشکرشیطانوں کے ہاتھوں قتل ہوگیا۔ ہما را خون ہما رسے رسمنوں کے ہاتھوں سے اعلی مک طیک دہاہے اوران کے دہنوں سے ہمارے گوستند کی رطوبت جاری ہے ، ا درصحوا کے بھیریے ان پاکیزه احباد کاطوات کررہ میں۔ لے بزیر اگر تونے آج ہم کو تبا وکر کے فنیمت یا لیسے تو كل تياسف كے دن خمارے ميں يوٹ كارجبكم توسواك اسين اعال بدك ا دركوني چيزوبان زباك كأرحق تعالى مندون يظلم بنيس كرتا-فدا ہی سے شکا یت ہے ادراسی پراعثماد ہے۔ ابريزيد حتناكيد وكمرجاس كيحالورابني كومشِس سے باد ندا اور تم كوا ينا نصرب العين

وَالصُّنَّ وَيَحُرِّي الأَفْالْحِبُ كُلُّ الْعَجَبِ لِقَتْلِحَزُبِ اللهِ النجتاء ويجيزب الشنطآب الطُّلْقَاءِ فَهَا إِنَّ لِمَاكُمٌ بِدُنِّ يَ مَنْظِفُ مِنْ حِمَا مِنْ أَوْلَا فُوَالُا تخلِبُ مِنْ كُومُمِنَا وَيَلْكَ الْجُثُثُ الطَّواهِرُ الزَّوَ اكِي تَنْتَا بُهَا الْعَوَاسِلُ وَتَعْفَى هَا اُ مَيْهَا تُ الْفَرْرَ اعِيلِ وَلَيْنَ اَ تَحْنَهُ تَنَامَعُنَا لَجَعِثُ كَا وَ شَيْكًا مَغْرَمًا حِيْنَ لَا يَجِكُ الكا مَا قَتَ مَتْ يَدَ الْ وَمَا أَمَ يُنِكَ يِظَلَامِ النِّعِبَيْدِهَا إِلَى الله المُسُفُتَكِيٰ وَعَلَيْهِ المُعُوَّلُ فَكِنُ كَيْنَ كَ وَ اسْعَ سَعْيَكَ أَوْنَاصِبْ جُهِدَكَ فَوَ اللهِ لَا تَسْعُوا ذِكْرُنَا قَاكَا تُمْيِثُ وَحُمِينًا وَكُا تُلْأُلِكُ آمَلَانًا وَلا يُلُ حَضُ عَنْكَ عَارُهَا وَهُوَلُ مِمَ الْبِكِ إِلَّا فَنَلُهُ وَآيًا مُكَ إِلَيْ عَلَىٰ دُو جَمْعُكُ لِكَا يَهَ ذُ يُوْمَ يُنَا دِي المُنَا دِي الْمَنَا وِي الْمَنَا مِنْ الْمَنَا مِنْ الْمَنَا مِنْ الْمَنَا مِنْ الْمَنَا عَلَى الظَّا لِمِينَ فَالْحَمَدُ لِلَّهِ الَّذِي خَتَمْ يَكَ قَ لَتَ

وَلاَ يَرْعَوْا جَنَابِ اللهِ فِينَا مُنَا هَا وَاشْتَقَى الْاَعْدَاءُ فِينَا عَلَى الْاَقْطَابِ قَهْرًا اَجْمَعِيْنَا وَفَاطِهُ وَ إِلَهُ تُبْدِي كَالْمَ نِينَا ثُنَا دِى الْغَوْفَ رَبِّ الْعَالَمِينَا وَمَا مُوْا قَتْلُهُ } هَلُ الْحَنُونَ الْعَالَمِينَا وَمَا مُوا قَتْلُهُ } هَلُ الْحَنُونَ الْعَالَمِينَا وَكَاسَ الْمُونِ فِيْهَا وَثُنْ سُقِينَا وَكَاسَ الْمُونِ فِيْهَا وَثُنْ سُقِينَا

(٣١) آکا یا جَدِّ نَا فَتَاوُا هُسَدِئًا السِمِ ) آکا یا جَدِّ نَا فَتَاوُا هُسَدِئًا السِمِ ) آکا یا جَدِّ نَا بَلَغَتْ عِدَانَا (سِم) لَقَانُ هَنَّکُوالنِسِماءَ وَحَمَّدُوْهَا (سِم) وَزَیْدَبُ آخُرِجُوْهَامِنُ جَرِّقَ جُوْهَامِنُ جَرِّقَ جُوْهَامِنُ جَرِّقَ جُوْهَامِنُ جَرِّقَ جُوْهَامِنُ جَرِّقَ جُوْهَامِنُ جَرِّقَ جُوْهَامِنُ جَرَّقَ جُوْهَامِنُ جَرِّقَ جُوهِ اللَّهُ الْمُؤْمِنِ عَلَيْ اللَّهُ اللْهُ اللَّهُ اللَهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلِمُ اللَّهُ الْمُلْعُلُمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْعُ اللَّهُ الْمُلْعُلُمُ اللَّهُ الْمُلْعُلِمُ الْمُلْعُلُمُ الْمُلْعُلِمُ الْمُلْعُلُمُ الْمُلْعُلُمُ الْمُلْعُلُمُ الْمُلْعُلُمُ الْمُلْعُلِمُ الْمُلْعُلُمُ الْمُلْعُلُمُ ال

## أرجمه

(۱) ہادے نانا کے دینہ تو ہمیں قبول ذکر کیونکہ ہم حستیں اور رنے وغم کے کرا کے ہیں۔

(۱) ہاں رسول ن اکو ہما بہ صفائ خرکر ہے کہ ہم کہ ہما ہے باب کی صوبہ پنچا یا گیا۔

(۱) یعمی خرکر دے کہ ہمادے فا ہمان کے مرد زمین طف میں مقتول پڑے ہوے ہیں ،

حن کے صبوں پر سندی ہیں ۔ اور دہ شنوں نے ہمادے بچی کو ذبح کر ڈوالا۔

(۱۵) ہادے نانا کو یہ خریجی دیدے کہ ہم گرفتار کیے گئے ۔ اور گرفتاد کرکے قیدی بناکر کے جانے کے ۔ اور گرفتاد کرکے قیدی بناکر کے جانے کے ۔ اور گرفتاد کرکے قیدی بناکر کے جانے کے ۔ اور گرفتاد کرکے قیدی بناکر کے جانے کے ۔ اور ہمان کے جسم کا لیاس لوط لیا گیا ہے ۔

(۱۵) میں اور ہمانی کے کرویا ہے ۔ اور ہمادے بادے ہیں اے دسول خدا آپ کی لیا ہمانے کی مقامی ہم قبد یوں کو د کھیتیں کہ بالان شتر برسواد کیے گئے ۔

(۱۵) کا ش آپ کی آ کھیں ہم قیدیوں کو د کھیتیں کہ بالان شتر برسواد کیے گئے ۔

(۱۵) ہے تو ہمادی بڑی حفاظرے کرے دور ہمیں اور آپ کی آ کھیں بند ہو ہیں اور آپ کی آ کھیں بند ہو ہمیں اور آپ کی آ کھی بند ہو ہمیں اور آپ کی آ کھیں بند ہو ہمیں اور آپ کی آ کھیں بند ہو ہمیں اور آپ کی آ کھیں بند ہو ہمیں اور آپ کی آ کھی بند ہو ہمیں اور آپ کی آ

ا دھر دسٹن ہم بی معملہ کر بیٹیمے سے (۱۰) کے فاطر کاش آب اپنی قیدی بیٹیوں کو دیکھتیں کے سٹسر سینٹہ تشہیر کی گئیں ۔

حَنَا مَكَ يَا مَ سُولَ اللهِ فِينِنَا عَلَىٰ آفتاب الْحِيمَال مُعَمَّلِنَا عُيُونُ النَّاسِ تَا ظِرَةً إِلَيْنَا عُيُوْكُ فَارَتِ الْمَاعَلَيْنَا تَنَا يَكِ فِي الْبِلادِ مُشَيِّتُنَا وَكُوْ اَنْصَرْبِ رَيْنَ الْعَابِدِ يُنَا وَمِنْ سَهَرِاللَّيَالِيْ فَنَدُعَهُدُتِا وَلَاقِهُ يُرَاطَ مِسْمَاتُ لَقِيْنَا رانى يَوْ مِرالْقِيلِيَةِ تَنْنُكُ بِينَا ءَ ابْنَ حَبِيبِ مِ تِبِالْعَالَمِينَا عِيَالُ آخِيْكَ آضَعُواْ ضَائِعِينَا تعييدة اعتلق باالترمضا بهيئنا طيُوْنُ وَالْوُحُوْشُ الْمُوْحِيشِينَا حَرِيْسًا لَا يَجِدَنَ لَهُمْمُعُمِينًا وَشَاهَ مُ مَا الْعِيالَ مُكَشَّفِينًا وَبِالْحُسَرَاتِ وَالْأَخْزَانِ جِئْنَا مَجَمْنَا لَا بِي جَالَ وَ لَا يَبِينِينَا تجعننا خاسيرين مُسَلِّديننا تتجننا بالقطيعة خاتفيين رَجَعْنَا وَالْحُسُدِينَ بِهِ مَ هِينَنَا وَيَعْنُ النَّا يُحَاتُ عَلَىٰ آخِينُنَا أنفال على جمال المبعنين وَيَخِنُ الْبَاكِيَاتُ عَلَىٰ آبِينَا وَ يَحِنُ الْمُكُولِيمُونَ الْمُصُنِّطَ فَوْنَا وَ يَخِنُ الصَّادِقُونَ التَّاصِمُونَا

(٧) وَقَنْ دَيَحُوا لَحُدَيْنَ وَلَمْ يُواعُو (٤) فَلَوْ نَظَرَتْ عُيُوْ زُلْقَ لِلْأُسَارِيٰ (٨) رَسُولَ اللهِ مَعْلَمَ الصَّمُون صَارَتُ (٩) وَكَنْتُ تَحُوْ طُنَاحَتَىٰ تَوَلَّتُ (١٠) أَفَا طِمُ لَوْ نَظَرُ بِ إِلَى السَّبَايَا (١١) ] فَاطِمُ لَوْ نَظَرُ سِيَالِيَ الْحَيَارِيٰ (۱۲) آفَ طِعُرَكُوْسَ آیْتِ بِنَاسُهَای الان آ قَاطِمُ ما لَقِينِتِ مِنْ عِدَاكِ (١٣) فَلَوْ دَامَتُ حَيَا تُكِ لَمْ تَزَالِيْ (١٥) وَعَرِّحْ بِالْبَهِيَّعُ وَقِمْ فَ ذَا دِ (١٧١) وَقُلْ يَاءَمُّ كِأَ ٱلْحَتَى الْمُؤَلِّي (١٥) آياعًا لا إنَّ آخَافَ اصْحِي ا(١٨) بلارًاس تَنُونَحُ عَلَيْهِ جَهْرًا (١٩) وَ لَوْعَا نَيِثَ يَامَوُلَايَ سَاقُوا (٢٠) عَلَىٰ مَت نُنِي نِهَا فِي بِلَا وَطَاعِ (٢١) مَدِ يُبِنَهُ جَبِّ نَا لَا تَقْتُلِنَا (۲۲) حَرَّجْنَامِنْكِ بِالْأَهْلِيْنَ جَمَّنًا (٢٣١) وَكُنَّا فِي الْخُنُرُونَ يَهِ بِجَمِيْعِ شَكِلْيُ (٣٨) وَكُنَّا فِي أَلَا مَا إِنَّ اللَّهِ يَجَعُوًّا (٢٥) وَمَوْلَانَا الْحُسُمَةُ يُثُلِّنَا آيِنييُنَ (۲۷) فَنَعُنُ الضَّا تِعَانُ بِلَا كَفِيْلِ (٢4) وَيَخْنُ السَّبَا بِتُوَاسِ عَلَى الْمُطَّالِّيُّ (۲۸) و مَعَنْ بَنَاتُ يَاسِين وَطَاهَا (٢٩) وَيَحْنُ الطَّاهِرَاتُ بِلَاخَفَاءٍ رس، وَ مَعَنُّ الصَّابِرَاكُ عَلَى الْمُبَارَيُ

سيرة فاطمة ذبرا

(۲۷) سم سی ده بین جواونسوں بر دیار بدیار بیرائے کئے ۔اور و انجی ان دیمنوں کے اونط ج ہارے تعض اور کینہ سے عمرے ہوے تھے۔ (۲۸) ہم نسین وظلے کی سٹیاں ہیں ۔اورہم اپنے باپ کی عُبرائی برگر ماں ہیں۔ ( ۲۹) سم بے شاک وسٹر طاہرہ اور باکیزہ عورتیں ہیں -اورسم خداکے مخلص مرکزیدہ (۳۰) ہم صیب توں پرصبر کرنے والے ہیں ہم سیجے اور اوگوں کو تصیحت کرنے <sup>والے</sup> ہیں۔ (۱۳۱) اےنانا دسمنوں نے حسین کوقتل کردیا۔ اور ہمارے بارے میں ذاب ضلی دعامت نه کی ر (۳۲) اے نانا ہارے دشمن اپنی آرزد کو بھے گئے اور میں ساکر سقی من گئے۔ (سس) عورتول كى يرده درى كى - ان سبكويا لان شتر رسواد كرك ميرايا -(٣٨٧) زمنيب عليا مقام كوان سكے يرده سے بكالا -اور فاطمه دخترا ميرا لمومنين سركردال وناله كنال كقيس -ره م) سكينه آسش حدائيس فريا وكرتي تقييرا در بار با ديكارتي تقيي - اعدالعالمين فرايد ہے فرايد ہے۔ (١٠١١) زين العابدين ولي قيدس كرفتا رتق - اس يهي دسمنون سفك بار ال كِ قتل كرد سين كا تصدكيا - " ( ٤ ١٧ ) مترد اوكر ملاكے بعداس دنیا برخاك سے يہيں اسى دنیا کے ليے جام مرك بلاماكيا (٣٨) يميرادا قدم ادريمير مفضل حال مع-اس سنع والوسم يركريركرو-اس وقت جناب المام دين العابدين البيخ حمد من تشريف كے سك اور البسية. نے دورسے حمیر میں قیام کیا۔ بیٹیرابن حبز کم کوحکم دیا کہ ہما دے اسے کی خبر ا ہل مدینڈ کوجاکرٹنا دے۔ وہ آیا۔ بغیرسی سے بچھ بولے ہوے سیدھامسجد رسول ا میں جالگیا۔ اور و ہاں ہما یت بلندآ وازسے یہ مشعر پرشیع سے يَا اَهُلَ يَاثِرْبَ لَامُقَامَ لَكُمْ نَهَا فَيُتِلَ الْحُسَيْنُ فَأَدْمُعِيْ مِدْ زَاكُ ٱلْجِيْتُمُومِنُهُ بِكُوْبَلِاءَمُّضَّكَرِجُ ﴿ وَالدَّاسُمِينُهُ عَلَى الْقَنَاةِ بُيلَا لُ (ترجميم دا ع ابل يترب اب ديندس مقاد ع ليكولي حكد بسي العني اب تعالا

(١١) اے فاعلہ کا ش آب اپنی اولاد کو حیات وسرگرداں وکھیتیں۔ کا ش نین لعا بین رِنظرکتریّا (۱۲) اے فاطمہ کا ش بین دیجیتیں کرس طرح راتیں بیدادی میں گزاری ہیں ایک كرنا بينان كويسنج كسكيس ر ر ۱۳۷) اے فاطمہ آپ نے اپنے ہٹمنوں کے ہاتھوں وہصیبتیں ملکران کا ایک ذرہ کھی نه دیکھا جو ہم پرنا ذل ہوئیں ۔ (١٨) أكرآب اس وفت زنده موتيس اور جميشه زنده رستيس توقيامت تكسم برروتي رشي (١٥) اسے خبر ہینچا نے والے بقیع کی طرف متوج ہو۔ اور دیاں تھیراور پکار کمہ اے صبيب رب العالمين كے فرزند (١٧) اوران سيح كدكه اسيرچها اسے خس باكيزه ريزست آب سے معالی كے المبيت ضا بغي يوسكيني .. (۱۷) اے چھا ایپ کے بھا کی صنین آپ سے دُورعلتی امیت میں بیرد کھ کردیے گئے۔ (۱۸) نگراس طرح كه حسم ميرسر نه كقا -اوران په وحوش وطيور جيخ تينخ كر نوحه كرديج عقير (١٩) كامش آب دي عظي كروشن آب ك كمواك كي ان عدرات عصمت كوقيدي بناكم کے کے جن کا کوئی مددگار نہ تھا۔ (۲۰) أبيه كي اولاد ا دنىۋى كى برمينه بىيى بىلھا ئى گئى - ا در د ەغورتىي كلىكے منه بيراني كئيں - كاش أب ان كى يەحالت دىكيىتى \_ (۲۱) اے نانا کے مدینہ تو ہم کو قبول نکر کیونکہ ہم حسرتوں درمیخ والام کے ساتھ أيمبي (٢٢) جب تجمع الملك على من و المربع القام الداب والس آما بي تو مردساته بي ر موم ) حبب کی محلے تو ہوری جاعمت کے ساتھ۔اورحب والیں ہوے تو برہندسر ادر سنة يدسه (۲۲۷) اس دفست معلائيه خدا كي امان ميں مقع اور آج خوفزده اور ب بناه أيس ميں -(۴۵) اس دقت بهادس قاامام حسین مونس و یا در سطف اور آج میں انفیس اسی عِفْل کے سبرد کرآئی ہوں۔ (٣٩) اب توسم ، وْنْبَا ه سَد و بين حِنْ كاكو نئ كفيل نهيں اور بم لينے بھائي پر نوصر كريم ميں۔

491 مِنَ الْعَافِيْنَ وَالْهُلُكَى السِّغَابِ (١٨١)لَقَهُ كَانُوُ البحادلِينُ آتَاهُمُ وَقَدُ عِيْضُوا النَّعِيْمُ صِيَ الْعِقَابِ (١٥) نَقَدُ نُقِلُوا إلى جَنّاتِ عَدْنِ يُسَعِنْ مَعَ الْأُسْتَارٰى وَالنِّهَابِ (١٦) بَنَاتُ مُحَوِّرًا بِهِ أَضْعَتُ سَبًا يا كسيى الروه وامية الكعاب (١٤) مُغَابِّرَ قُالِنَّ يُوْلِ مُكَشَّفَاتُ فهُنَّ مِنَ التَّعَقَّفِ فِي الْحِجَابِ (١٨) لَبِنُ آ بُوزُنَ كُوْهًا مِنْ جِجَابٍ وَقَدُ آضحيٰ مُبَاحًا لِلْكِلَابِ (١٩) ٱيُبْخِلُ فِي الْفُرَّاتِ عَلَى الْحُسَّانِي وَلِيُ جُعْنُ عَلَيْهِ ذُوالسِّكَا بِ (٣) فَلِيُ قَلْبُ عَلَيْهِ دُوالتِّهُ ابِ (1) داے مومن) کتاب کے ماتھ مشک کرا ور اس کے ساتھ جس نے اس کی جیجے ملاقہ كى م يس المبيت بنى مى الم كتاب مي -ر ۲ ) ایفیں پرکتاب نازل ہوئی سے اور اعفوں ہی نے اس کی تلاوت بھی کی سے اور وہی اگ عن کے جانب رہر ہیں -(س )میرے امام (علی ) سے اس سن میں ضاکی وحدت کا اعلان کیا تھا حب سن میں انسان رسی سے بولنے سے قابل بھی ہنس ہوتا۔ رمه) ده علی میں جرساری دنیا میں صدیق میں اورعلی ہی ہیں جو فاروق عذاب میں معین آواب وعذاب کے درمیان فرق کرنے والے ہیں ۔ (۵) میرے شفیع روز قیامت خدا کے حضور میں نبی اور ان کے وصی او تراب ہیں۔ (۱ ) میری شفیع فاطر شول اور منبع میں جوان موکر جانے والوں کے مرار منت جوسی میں ( ٤ ) طعت اوراس كے رہنے والوں يسلام ہواوران قبوں بيضاكى جرماني اول موتى است (٨) طعت كيساكن وه نفوس مين جرسادي المي ارض سيمقدس مي اورج باكيزه تطفوں سے بیا ہوے ہیں -( 9 ) زمین طفت ان جوالان کی خواب کا مسیح جفوں نے تاذند کی خدا کی هبادست کی م ادر میران صحوالی ادر کھا ٹیول میں سمیشہ کے لیے سو گئے ۔ (۱۰) ان کی خواب گاہوں پر نسبتان آئینی ہری اور زم بتیوں کے ساتھ ساپر کیے ہیں ۔ (١١) نيستان كي ان كي قبرون كوقصر سناديا م حس كي إده وموسيع اوركشاده حي من

الميال رساب سود مع) كيونكر حيئ قتل موس ا درمير الشولكاتا ربه رب مي -(٢) ان كاحبم كرالم ميس خون سے مرخ كيا بوا (خون الود) يا القا-اوران كامر ابل مرينه يدمنا دى سن كرسرويا بريهنه مرد وعورت كفرول سنكل كالمبيية السلام کے حالات بیان کیے ۔ و دھبی روتے جائے ۔ اور حاصرین کو بھی اُلاتے تھے۔ یہ دنیامیں دوسری محلب عزائقی جوا ما جسین کے سوگ میں قائم ہوئی فارن قدرت مجھو سبسے سیلی کس عزا خود قائل کے محل میں قائم ہوئی تھی- اور مندہ زوجیندانے تصردمشن مين منقدى عتى وولال البييد عليه والسلام كوكريد وبكا كي اليام سب مخدرات عصمت تشریف المرائيس حضرت زينب ني مايت ون والل كي ساتدا المحسين كامرشيه برها وده بيلا مرئيه تفاجها مصين كغمير مجلس عزاس بيعاليا بحادالا ذارمين جناب دنيب عليالسلام كامرشيدرج في يم مهانقل كرتيب. (١) تَمَسَنَكُ بِالْكِتَابِ وَمَنْ تَلَالُمُ فَأَهُلُ الْبَيْتِ هُمْ آهُلُ الْكِتَابِ (٢) بهورنزل الكِتَابُ وهُمُرتُكُونُهُ وَهُمُكَانُو اللَّهُ لَا الْهُ لَا الرَّالِي الصَّوَابِ (٣) إِمَا هِيُّ وَحِلُ الرَّحْمٰنَ طِفُلًا وَامَنَ قُبُلَ شَهُ مِيدِ الْخِطَا بِ (٣) عَلِيٌّ كَانَ صِدِّ نِيَّ الْبَرَّايَا عَلِيٌّ كَانَ فَارُوْقَ الْعُنَا سِ بَيِّ وَالْوَصِيُّ اَ بُوْ تُرا سِي (۵) شَفِيعِي فِي الْقِيَامَةِ عِنْدَ رَبّي (١) وَفَاطِهُ أَلْبَتُونُ لُ وَسَيِّدَ امْنُ يُحَلَّدُ مُ فِي الْجِنَانِ مَعَ الشَّمَابِ (٨٠) على الطّعفِ السَّلَامُ وَسَالِكَيْهِ وَرَوْحُ اللهِ فِي تِلْكَ الْقِبَابِ ١٨) نْفُوسِ قَلِّ سَتُ فِي كُلِّرُضِ فِلْهُ وَقَلُ خُلَصَتُ مِنَ النَّطُفُ الْعَكَابِ (٩) مَضَاجِعُ فِنُيَةٍ عَبَدُ وُافَنَامُوْا هُجُوْدًا فِي الْفَكَ افِدِ وَالشِّيمَا بِ با وُسَ ابِ مُنتَعَمَّةً مِي طَا بِ (١٠) عَلَيْهُ مُرِي مَضَاحِعِهِ مُركِعًا كَ (١١) وَصَالِيَونِ الْقُبُورُ لَهُ مُرْتُكُمُ وُرًا مَنَاخًا ذَاتَ أَفَيْدِيةٍ بِرَحَابِ (١٢) لَئِنْ قَارَتْهُمْ آطُبَاقُ آدْضِ كَمَا آغُمَهُ تَ سَيْفًا فِي قِرَابِ وَاسَايِهِ إِذَا سَ كِبُوا عَيْضَ بِيا (١٣١) كَانْمَا إِرازَاحَ اسُوارُواصِ

رس مُنتُوا عَلَى ابْنِ المَصُطَفَ لِبِسْ بَةٍ يُحْيَى بِهَا ابن صطفے پرایک مگورٹ یانی دے کراحمان کرو حس الطَّفَالُنَّ مِن الظَّمَا حَيْثُ الْفُرَّاتُ سَائِلُ ا ہادے بیے پیاس کی موت سے بی جائیں۔ ہر فرات بہہ دہی ہے۔ رس قَالُوْا لَهُ كَا مَا عَلَى اللَّهِ السُّيُوْتَ وَالْقِينَا اس موال کے جواب میں مفوں نے جواب دیا کہ یانی توہر گرند دیں سکے ہات موارس انسیر عمیق فَا نُزِلُ بِيُحُكُمُ الْأَدْعِيا فَقَالَ بَلُ أُفَاضِل اگران سے بچناچاہتے ہوتو ابن زیاد ویزید کا حکم ما نو -امام نے فرمایا ملکہ میں اس نگ وعاد کو اپنے سے دور کر دوں گا۔ ده ) حَتَّى أَتَا لُا مِشْقَصٌ مَمَالًا وَعَنْ أَبْرُصٌ آخركار ايك تيراب كولكا حس اكس مفيد داغ والي كيين في ما دا تفا-مِنْ سَقَيرِ لَا يَخْلُصُ مِ حَسُنُ دَعِّى وَاعِلُ ا جوم بيشرم بين رب كا -جونا يك حوامزاده ادر كمين عقا -(١) فَهَالُوْ الْمُعَاتُ لِهِ وَاعْضَوْصَبُوْ الْقَتْلِهِ لوگوں نے امام کے ممائق د غاکر کے تکبیر کہی -ان کے قتل میضبوط ہوکرآئے -وَمَوْ تُهُ فِي نَصْلِهِ قَلْ أَتَّجَمَالُمْنَا ضِلْ أخران مناب كى موست اس تيرس المونى -(٤) وَغَفَّرُ وَ الْجَبِينَةِ " وَخَضُّوْ عَثْلُو الْجَبِينَةِ " س جناب کی بیٹیانی و منوں نے خاک اودکردی ۔ اِس مبارک کوفون سے لگین کردیا۔ يا لذَّمِ يَا مُعِينَكُ مَا أَنْتَ عَنَهُ غَافِلُ اے مدد گارحسین تو ان سے فافل نہونا -(٨) وَهَتَكُو احْرِيْمَهُ وَذَبَحُو افْطِيمَهُ ان لوگوں نے امام کی ہتک حرصت کی اور ان کے بحوں کو ذریح کردالا -(٩) وَ اسْرُوا كُلْنُوْ مِهَ وَسِيْقَتِ الْجَلَاعِلِ ان كى بىن ام كلتوم كوتى ركيا اوران كى بىيدل كو دمايد بردياد كيرايا -

(۱۲) اگرچ اس وقت زمین نے انھیں اس طرح چھیا دیا سے جیسے نیام میں شمشیر۔ (١١١) كِيكِن (زندگ) ميرجب يداه چلتے تق تو انس جينيوں كى طرح اورجب كمفور ون يرسوار موت عظم توعضيناك سرول كى طرح معلوم بوت عظم (۱۴) یه لوگ حاجت مند، گرسنه اور قریب به ہلاکت استخاص کے میسے تل دریا (10) يون اب جنات عدن كونتقل بوكر بس مادرا تفيس دنيا كرمصائك عرض نعات بست مل كي بي -' (۱۶) محد مصطفع کی سیٹیاں قید ہوگئیں اور قید بوں اور مال عنیمنے ماتھ تشر کے گئیں۔ (١٤) كفار قيديان دوم كى طرح ان كردامن كردالود عظمداور ييرف برمن عقر اورنيزول كى نوكون سے ان كى ئيتىسى خون آلود كھيس -(١٨) اگرچ وه پر دول سے بجبر البرنكلي اوئي تقييل كين ان كے جمرول يعفت سك نقاب بڑے ہوے کتے۔ روا) حسین کے لیے فرات کے یانی سے بخل کیا گیا اگر حیکتوں کے لیے دہ یانی مباح تھا۔ (۷۰) نس میرا دل سین کے عن سی جل دہا ہے۔ ادرمیری انتھیں ان پررابرا سنو بہاری ب ایک ادر مرشی حضرت زینب سے شام کی محلس میں طریعا تھا بحالالوار سے درج کیا جاتا ہے۔ (١) كَمَا شَحِاكَ يَا سَكَنَّ فَتُلُ الْحُسَيْنِ وَالْحَسَانِي وَالْحَسَانِ اے صاحب سکیند -اے رسول فدا کیا آب کوحسن جسین کاقتل دنجد بہدی کتا ظَمَآنَ مِنْ طُوْلِ الْحُزَّنُ وَحُلُّ وَعُدٍ نَا هِلُ وه حسين جو بياسا قتل كيا گيا را درطويل جزن وعنم مي گرفتار را دررسب سكين سيروسيراب عظم -(١) يَا قَوْمُ يَا قَوْمُ آرِينَ عَلِيُّ الْنَبُو الْوَصِينَ اس قوم اس قوم مرب باب على مرضى خداكے برات نيك بندے اور وصى رسول من وَ فَاطِمُ أُرْتُمُيُ السِّيمَى لَهَا التُّعَلَى وَالنَّا يُلُ میری ان فاطمی نہرا ہیں جن کے حصے میں تقویٰ دجود وسخا آیا ہے۔

(١٥) أمَّا مِلُ بِحَاحِيدٍ وَحَافِدٍ مُرَاصِدٍ اس منکر حق کے اور تطع موں جو کینہ پرور گھا سے میں رسمنے والا -مُكَا شِيرٍ مُعَا يِيرٍ فِيْصَدُرِهِ غُوَائِلُ مكار اور دسمن خبيث ب حس كاسينه كينهس ملو كقا-(١١) طَوَا بِلُ بِلُ بِنَ بِنَ شِيَّةً فَوَا بِلُ حُكُفُرُ يَيَّةً \* ج بررے عصوں کفرے کینوں شَوْ هَاءُ حَبَا هِلِيتَ اَ اللّٰ لَهَا لُهَا لُهَا اَلَهَا فَاضِلُ اَ اور جا بلیب کی بڑا یکوں کا مالک سے حس کے سامنے صاحبان فل اللہ اللہ مع اللہ (١٠) فَيَا عُيُونُ فِي رَا سُكِينَ عَلَىٰ بَنِيُ بِلُتُ اللَّبِيّ ا ممری آ کھوں ، منس بنی کے فرز ندیر آ سو بہاؤ ۔ يِقَيْضُ دَمْعُ نَا ضِبُ كَفَاكِ يَبْلِي الْعَافِلُ عاقل اسى طرح ردتا ہے -جناب زينب اورحضرت ام كلثوم ..... اورجناب فاطمه كي خطول الم مرتوں پیغور کردیس سے کے سکے سامنے کے اور کیا کیا۔ یہ انفوں سے کیے جن کے تمام اعزا و اقربا ایک دن کی جنگ مغلوبہ میں قتل ہو گئے ۔جن کا کوئی معافظ وكلبان منيس دا -جوايف عمائيول اوربيون كصحواس مقتول هيركران كي قاتلوں کی قید میں جا وہی تقیں۔ ہاتھ رسیوں سے بندھے ہوے۔ بدن ظا کموں کے کوروں سے زخمی ایک آگے تھا بیوں اور بدیوں کے سر نوک نیزہ یر- بے عاری و كاه واونسو بينتي بدي منتهجيا يكوجا ربنين فالمراس باسدرتك بوك كمتنى زيادة كليف إوسك وهان كودي بعارى دكجا دهاد نثول كواس تيزى سے چلاتے معے کہ دومنزلیں ایک دن میں طے کرتے معے جب کا بتیجہ یہ ہوا کرہمتای اؤں کے چھوٹے چھوٹے کی اونٹوں سے شیئے گریے ۔ اس ملائی کہ اسمار بھے گرا۔ ظ الموں نے برواہ ندی۔ آئے رامع حلے سئے اور بج و اس ایر یال راکو کر مرکبا مرکبان اللهة بي كراسطرح جاليس بي كركرور عقر اوريجاليس قرس كرملا إوردمش کے داستہ برینی مونی میں۔ یہ مقاوہ اجرجو است ایندسول کوان کی رسالت کا دیا تھا۔

(4) يَسْفَنَ بِالنَّبَ يِفِي فِيضِكُمْ الْهُوَ الْهُوَ الْهُوَ الْهُوَ وه مخدوات صحوادُ سي تشهير كي كنيس ان برياتف كريد كرديج عقم -وَ إِدَامُ عُولَ لَهُا ذَوَ إِسِ فِ عُقُولُ لَهُا ذَوَ إِسِّلُ ان کی بیدیوں کے آسو نطقے مقے اور عقلیں بجانہ تقیں ۔ (١٠) يَعَتُكُنَ يَا حُحَمَتُ مُ يَاجِبَةً نَا يَا آخَمَنُ اللهِ وه سیباں میکادر ہی تقیں واسے محد اسے ہمارے نا اسے حدر قَلْ اَ سَلَوْمَنَا الْمَاعَدُلُ وَكُلُّنَا ثُوا حِلُ ہیں غلاموں سے قید کر لیا۔ حالا نکر سمسب کے عزیز مردہ کے ۔ (١١) تُهُماني سُبَايًا كُرُ تِلاَ إِلَى الشَّامِ وَالْبُلاعِ كرملاك تيرى شامك دبارلاس جراك والفعلق بي -قَلُ إِنْتَعَانُ إِللِّمَاءِ لَيْسَ لَهُنَّ نَاعِلُ اللَّهِ اللَّهِ لَكُنَّ نَاعِلُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّ ادر کا کے یا بوش ان کے پیروں سی خون کے موزے میں -(١١) إِلَىٰ يَزِيْدِ الطَّاعِنيَّة مَخْلَانِ كُلِّ وَ اهِيَّه یر برسرکس مخزن کرو فریب کے در بار یں ۔ مِنْ أَعِوْمًا بِ الْجَالِبَيْهِ فَعَاجِمٌ وَحَا لِلْ اب سابيت داخل كي كيس جان فكري حق ددين يضل دالغ والي وجد كق (١٣) حَتَّى دَنَا يَهُ رُالِيُّ جِي رَاسُ آلَا مَا مِرالِكُو بَجِّي معددات کے یاس اندھیرے کا جا ندمین سکیس امام کا سرلایا گیا۔ بَيْنَ يُنَ يَ شَرِّ الْوَرْي قَاك اللَّعَيْنُ الْعُتَا تِلْ اور برترین خلق ، ملون ادر حقیقی قاتل کے یاس رکھا گیا -(١٣) يُظِلُّ فِي بَتَ ينه فَيَينُ حَيْزِرَا بنه اس ملعون کے ہاتھ میں خیزران کی چھڑی تھی ۔ يَشْكُتُ فِي اَسْنَاينه فَطِيعَتِ الْمَا مَا مِلُ جس سے لب و دندان حسین کو چیے الے الگا - خدا اس کے باتھ طع کرے ۔

ا بزید کے مل کے سامنے مظاہرے ہونے لگ کرمتا اُل دسول کوکیوں نیدکردکھا ہے۔ ان كے عور ميزوں كوكيوں قبل كيا ہے - يظلم حوبنديا بن روم و دملم بريھى دوا بنديں روكھا حا تا توفيكيون آل رسول ريما أزسمها ينواميرى طاقت اس ترهتي موني مددلي كوردك سكي يزيد كو ترطره لاحق بوكياكمة إلى دسول كي دمشق مين سيف سے عالم و خطر ناك بوق عليا كى لمذابهت ملداس في الل بسيداسالت كوعور عد كيما عد مدينه بيسي كا انتظام كون إجاب المصين كى ايك صاحبزادى كانتقال زندان مين زوكيا -يزيكو در مواكرا كرجنا زه اللهاتو مباس مروم كى صيبت كويادكرس كادرا بسيب سالت سان كى بدوى بيقى كى المذاجنات زين لعابدين سے كملا بھيا كرج كھرجا موكفن وفن كاسامان مجم سے لير لىكىن دىكيوچنازەند أعطانا -اس كوندان بى بىردن كردوينا ئىزايدا بى كىياكيا محبان يزيد حكت بس كريزيد كقتاح مين سع رئج بواحيا كياس فالمبيت سالت كاس عرت كى ما تەبىر جار دواندكر دياسان كوچا جيد كري -يىسب كچە محبط تسين كى دجەس نه عَمَا كِلَيرَةُ وَيَهِ لَطَنْت كَى وَجِ سَ عَمَا - بهت عِلْديزيدكا هَا تربوكيا واس كمرض كَى مالي كيفيت منيس بيان كى مانى معلوم منبركس فى الراكيو كرادا كياموانيست و نا بدر موكيا - بهت مكن سي كرشا ميول في اس ظلم كي يادانش مي مار دال موراورساست طلی و عداوت قدمی نے بنوامیہ کواس کے افتا سے بازرکھا میرصورت جواس کا ام لیتا ہے طعون کتا ہے۔جہاں اب اس کی قبر بیان کی جائی ہے وہاں اب لوگ باخانہ مجرت بي اوركد ه يندهة بي اورج تخص ادهر سي كرزا سي الامت كى كنكرى أدهر مارتا حباتات حبب مضرت ذنيب علوات متعليها مدينة سي تشريف في أميل وروبال قيا كيريكي تواكثر مجالس عزاء اما م سينٌ قائم فرما تى تقييں ۔خود بھى رونى تقيس اور دوسر رس كوبَين كركے دُلاتی تقييں ۔اورواق ات كر ملايا د دلاتى تقييں ۔حكام كوكيو نكرگوا را ہوسكتا تقاكر ناج سينٌ اس طح علانيليا جامئ عروبن معيدالا شدق سن جواس زمان مي حاكم مدينه تقايزيدك لکھا کہ مدیندیں جنا ب ذینب کی موجودگی لوگوں میں پیجان پدیدا کر دہی ہے۔ وہ بہریضیے عاقله بين - اورا تفول في اوران كاما تقيول في اداده كرنيا سي كرمسين عليالسلام ك

قتل كالبرليس حبب بيد وقعديز مدكوملا تداس في عكم ديا كيناب زييب وران تحدما تفيورك

یہ تھا وہ اسلام حس کے وہ بئیرو تھے اور یہ تھا اس درخت کا ٹمرحو کا رکنا رہے فیربنی ساعثہ فے شام میں بنوامیہ کو حکومت دے کرلگایا تھا۔ ایسے مصائب کے صفح میں تھیسی مونی ال قیدیوں میں سے چندمصیب زدہ قیدیوں کا یہ بیان ہے۔ مسسيكا ان سيكاجن كيوتيدي عقدان سيكا كواس المد میں ان پر ہرتسم کا ظلم کرسکتے تھے ۔ ان سے کہا جو تخت بالطنت پر بنٹھے ہو سے شراب عرور میں مخور من -جواس مسندیر بلی موے مقص مندیر بلی کردون و مزود نے کما مقا المعمضدائي سيم كوسجده كرو اورجن كے بندے باوجود السفطلوں كے كتے ہیں کہ یزیرف کے سین میں حق بجانب مقا۔ كياكما وه كها جوتفسيرم آيم مبادكه آنتُمُ الأعْلَوْنَ إِنْ كَنْنُكُمُ مُومِنِينَ کی - معرب دربارس بزید کے مُنہ برکراکہ توظا لم ہے۔ نادی ہے میرے نا ناکی آلاد اور کی او لا دہے۔ حکر خوارہ کا یو تا ہے۔ نا اہل ہے۔ ہم ہا دی ہیں تو عوی ہے۔ ہم بنی کی اولادہیں تو زانیوں کا نطفہ ہے۔ سم اسلام عسم ہیں تو کفر عیم ہے۔ سم ضراک بن ہے ہیں توسیطان کا بندہ سے عفریب مادر توایک ایسے ماکم سے دوبر و کھوے ہو آ جال میرسے نا نامیعی ہوں سکے میری والدہ ستعنیت ہوں کی تجھیر سوال کیا جائے گا۔ اور توجواب مذہبے سکے گا۔ کیا تیرا یہ عدل ہے کرنبی زادیاں دربارعام میں سنرنگی کوڑی الون - اورتيري لوند يا ن اورتيري عورتين كل مين يرشي مين مون - يزيد يرك كل مين جاكر كيم بي كلام دُبِرايك و درب خوف خطر دم إياكيا - يزيد ال كما كراك جس قدرما الذنه اسين عبايلول ورعزيزوس كحوس بهايس ليناجا بين ميس فين كوتيا دبون رجواب ملاكم قیامت کے دن رسول فداکو یون بهادیا۔ مجھے ترے مال وزر کی حاجمت نہیں۔ جناب زینب،ام کلتوم، فاطرینب صبیع کے خطیدادر مرشی ظامر کرتے ہیں کرایان کابل اوربقین داش کیسا ہو اسے دیکھرہی تھیں کہ ناحت کس طبح سرمیے شما ہوا ہے کیننی طاقته دوراس میں ہے حق کس طح بظا مرخلوب معلوم ہوتا ہے لیکن عیرمی خدا کے عدل بر مجروسه معتروقيا مت كاعين اليقين ميد ليه عنى البسيط في من ن ن عرصنكراس تبليغ كاج كربلاس كوفه وكوفه سے دمشق تك داستوں بر، دمشق ك بازارون میں بزید کے در بارو رمیں کی گئی براز ہداکہ مک محسد شامیوں کا روت مدل گیا۔ سيرة فاطمة زيرا

تبجى اس مذب دنيا كے مذب بوضين اتنا بھى ذسوج سكى كرص قوم نے آل كوركے مامة يسب كهم كياده ان كي سيح الديخ كيا عله كى راس نتيج بريبنينا تودركنا داسى مذب دنیا کے مدرب درخین بعد خوسی سے جان برجو کراس طلم میں حصر لیتے ہیں۔ اور ان غلط روايتون كوابي طرف سے ماشير آوالي كرك دنياس كيليا تے ہيں۔ نظا ہر تو وعاقت مب كرصيح وغلطمين تميز نهين كرسكته ليكين اس حاقت مين بعبي ايك مقصد مخفی ہے جس درہب نے دنیا میں کھیل کراس مدنی نیاکی سیحیت کوعویاں کیا اُس کے بان اور بانی کے مرد کار ورشته داروں کو بذام کرنا یا بنا فرص سمجیتے ہیں۔ اور حب محدی امت خدیمی ان کا محقد شاری سے تو بیکیوں نداک کو اور ہوا دیں ۔

جناب رمول خدا کے بعد جوسلما ون کی بظاہرانتخابی لیکن درصال رائتی عکومتیں (میاست بین می وراشت بوتی سے) قائم بوتی دہیں ان سب کا داعدن العین ال مکرسے عدا دس دا خوان تقار كيونكدان كالكمان تقاكه اس عدادت بي مين ان كي حيات سهراد جب دعایا نے اپنی حکومت کا رخ دیکھا اور صرریح احکام ملاحظہ کیے کہ آل محد کی عداوت اور اُن كوبُراك سے انعام واكرام ملتا ہے . اور تقریب شاہی حاصل ہوتا ہے توانھوں مجى بهتى كَنْكُامير، باعدد هوك سروع كرديه وحكام كوخوس كري كاير بنايعة مان طريقها على - جهلارة شابى درا دوسي حاكرتها تدبن كي ادرا ل محد كافقيص سي نقليس كرك حكام كوخوش كرك سكفي اورعلاد في آل محد كي تنقيص مي غلطاها ديث وضع كرك ابنا كام كالا وال كعلاده موضين في أو تمايت عوس اورستقل كام كيا-فضائل على اور آل على كالخفارة ايك معمولي باست بقى وه وه واقعات اسية دماع سم آل محد کی مفیص کے لیے ایجاد کیے کوشیطان بھی بینا ہ ما نکتا ہے ۔ان میں سے ایک قیصر حصرت سكينه نبت الحيين كاسب

حبى لفاظى كے مائد اس قصد كولكه اكيا ہے اس كا بيان در انا منا سينيس -جَرِّغُض ان حِرافات ولغويات كومعلوم كرناج بِستاسي وه مسطر فك P. K. Hitte كى مرشرى أف دى عرب كصفى مد كيو له رفا صداس كايد م كدده البين كوس مجالس رتص سرود قائم كرتى عقيل ادرسب كواسف أن كرخود أن مي حصاليتي تقيل وربيت بي عامیا ندان کری عقیں مجمع سے خاوند کیے مطع جن میں سے اُن سکے خا بران کا دہمن

متفرق كودوا ورُختلف مالك يبي بيجيج دو- يه خيرش كرجناب زينب في مصركوبيندكيا مديكر الببية عليهم السلام ف شام ك شهرول كوييندكيا- ابن الاستدق ف ان كالتظام كيااله حضرت زمنيٹ کے ممراه ان کی جمتیمیاں دختراب صین سکینه وفاطر بھی تقیں۔ بیرے مصر كى طرت علادطن كردي كئے ماكم مصرسلم بن محلمانضادى اس قافله سے ايك كال مين أكد لل جودمنن ومصرك واسترياعا ليبسي كمشرن كيطوف غالبًا يقريعابيها حين كا نام عبا سرنبت احد من طولون والي مصرك نام يردكها كيا اول تنعبان سالته مطابق ١٧ راير ل المديم كويرقا فلمصربينيا عقا-واليمصرف ان كواليفي عل حرارالقصوى مين ركها مصرس أب كا قيام كيادة جمين ادريندرة دن دبا يشعيان النبه سي رحب ملاية كك جناب كيده وجناب فاطرآب كيمراه تقيس - بيكا نقال ورسفنه الدار كى دات ١٨ ما ٥ رحب كى تاليخ ستان مطابق بسر ما رج ستات كاليوا مورضين كتيب كداس حلادطني كاسحكم لسياسحنت بقاكدا للببية عليهم لسلام ميس سيسواليا ما مزياجا بين ك كونى مديندس باتى ذريا على -

جنا سے کیپندس الحسین چنکر جناب فاطم علیما السلام کے عزود و قار کو مدین مراکب وقت ور قات ان کی حقیقی بیانی کو بذام کرکھٹا ناد متنان اورمغروضه كالس وصور و و البيت كالقصديقا لهذا بم إينا فرص مجة بي

كاخفادكما فقاس كوبيان كرس ادرصل واقدكوظامركري

لوانزو دوام سيهرا ميك عمل عادي مينتقل موماتا سي اور ميروه عادب طبعية انيه يا فطرت بن جان ته ما مت محدّى ايك جاسوت من أل محدّ معدا وت قوار ودوام كى وج سے عادت میں منتقل مونی اور معرعادت سے فطرت میں داخل مرکئی معلوم مندیں کریا عدا وستكس منوس ماعمت سيمشروع بوني متى كدكونت عبى اس كوختم ذكرسكي بال محراكي قروں کوا کھیٹرٹا ، ان برہل جلوانا ان کے نفتائل کا اخفاءان کے نام تک سے مداوت، الل ك دوست الطف والون كوقتل كرنا ، أن ك كرون كومندوم كرنا - يرب مولي معد محر ك أكثريث كيمشاغل - اكرات الله يا بنولين ك وتثن كوني فوجى وستجيب كأن كى قبرو ل كواكها وكريهينك ديس اور أن كى اولاد اور رشته داروس كوفتل كرديس ترساري دنيا عَلَى مِيافِ كَى كُريكِيا جنون سي ليكين أل محد كرساعة يرسب كيوموا اوراس سعيد تربوا

سيرة فاطمة زعرا

ان کے ساتھ کیا سلوک کیا ۔ ١٢- جناب كين كي القريح باب زندكي كيا عقر دنيان اينا كون الخ جناسكينه كرسائ بيني كيا تفاركيا وه كربات السي سط كدان ك بعدهمي سي انسان کورل میں اس دنیا کی زندگی کی تجھ وقعت رہ جاتی ہے کیا وہ دنیا کو اور اس كى زندگى كو بينج نهيں سمجھنے لگتا ۔ حب ہم منقول کی طرف جائیں کے توہم کو من رجہ دیل موالو کا جواب بنا ہوگا:۔ ا- سب سے پیلے یو روایت کب الاکٹ " میں اوئی یعنی بیان کی گئی -٧- اتفع صد ماک كيدل ندسى سن بيان كيا -سر سب سے بیلے کس مورخ نے یہ تصد نقل کیا ہے۔ يه - اس قصد كالبيلانقل كرك والامورخ عقاياً مغنى يا داستان كو -۵۔ و تحف کس فرین کا عقا کیا اس دواست کے کریر کرنے میں اس کی کوئی ذاتی ٧- اگرمورخ عقا توكيا ده متبرها ،اس كا ما خذكيا عقا- کیا ا ل علی کے کسی سم حصر دسٹن نے (اوران دسٹمنوں کی کمی نریقی) علومین کو حضرت سكيدنك طرزعمل كاطعندديا-اس زماندس ايساسب وشتم عام عقار اب ہمان امور پر ذرا تفصیل سے گفتگو کرتے ہیں۔ پہلے معقول کو لیتے ہیں ظا ہرہے کریہ قصر لہو ولعیب بالکل فلا دعقل ہے۔ تربيت و يجر بالسام بفته، علم نفسيات كي جان والحادد وه لوك بن كو الرجیت و جرا با این اولیات عزر و فکررے کی عادت سے جانتے ہیں کسی خاندانی دوایات سخص کے ضائل و نظرت کے بناتے میں سے مناصر کا ہا تھ ہوتا ہے۔ اُس کے بنا نے میں اُس کے والدین کی عرصرت ہوگی موق سے رسا بقہ بر باست اور اس کا ماحل بھی اس کے بنانے میں بورا ا ترد تھے میں اور سے زیادہ انسان کے کردار د فطرت کے بنا نے میں توارث خصائل آبادی کا حصر ہوتا ہے۔ یکھبی کھبی دیکھا گیا ہے کہ نیک والدین کا بچہ بدمعاس نکل تاہیے۔ اوراس کے بعكس بعي بوتاب - اس كى دو وجو بات بي- ايك توما حول وترسيد كا ازر دوسرك

معدل بن دسريمي عقا عرضكه ايكسي عورت كي تصويريني سرحس نياس نيامين مفر عين وعشرت مي كود مكيها تفا اور ركيخ وغم سي مجمى واسط مبى منيس يراعقا -يسب كيوشوش الا كتاب لاغا في كي حوال سي لكي بي كيس كيس بن معداورا بن خلكان كيمي حوال ديه بي ليكن و بال بها يد مختصر الفاظ بي اورايفول في مي اسى كتاب الفائي سياليا ب ابوالفرج مولف كتاب لا غانى سے ملطے يدوا قد كسى في ادرا بوالفرج نے اينے اخذ كادالهنين ديا . يسه اس كاخ باندكى بنياد -اب بم كود كيمنا مع كريقص ميح ب يامحف كتاب لا غانى كى اوركها نيول كى طح يه ایک کہانی ہے۔اس جا بج کے دوطریقے ہیں معقول اورمنقول ۔ بینی کیا بردوایت خلاف عقل توہنیں ہے اور کیا ہے روامیت ایسے معتبر ذرا بغ سے آئ ہے کہ اس مصحب میں انکارہیں ہوسکتا ۔ معقول كى طرف جائيس توامورديل كو مدِنظر دكھنا ہو كا:-ا- صرت سكينك طفلي ادرجواني كي ترسيت كسيي تقي -١٠- سيلي زندگي كس ما حول مين گزري تقي -س والدين كيس كق اورورثر مين كيس خصائل ملى تق -الم - خانداني روايات كسيي تقيس -۵ - حب وقت كي وا تعات سيان كي حات من أس وقت أب ك كون كول قريبي رسنته دارموج د منظ -٧- سروا قعام خلافت مشريس اسلام بين يا منين -٤ \_ أكر خلا من مر بعيت مبي وكي سردار خاندان بريشر بعيت اسلامي يوفرض عائد بني کرتی کہ ابنے ضا ندان کے افراد کوجہ اس کے ماسخت ہیں خلاف سٹر بعیت راستہ بر ٨- جنابيكينكا سردارخاندان كون عما اوركميها عقا -و- اس سفي المينكيد كواس طرز دندگي سعدو كاليا تهين -١٠ - اگرروكا تو جناب سكينه كيون نه بازا 'نين -اا- اگرا کول نے اس خلاف سراحیت زندگی پراصراد کیا تومرداد خاندان سے

جناب كيدنى تربيت مين وا تعان كرملا كابست حصدها يه دى سكيدنسان ك جانى بين حفول نے اپنے سادے گر كوقتل بوتے ہوے دكھا۔ بيادے باب كا لاستميان ميں يرا مواديكها اور ديكه كر علقة م بريده سے جيك كياس اور اس وقت مك مران وسُن حب تك مخرف طائير ادكر عبدا ذكيا- عمائيوں كالاش ديھے اين تاكيں مجورومیتم اور لادارت دیمنول کی فرج میں گھرا ہوا یا یا۔ دستن کے الکٹ ایک فیدفانہ میں دہن - ایک جاعت کا خیال ہے کہ وہی رحلت فرمانی ۔ دوسری جاعت کہتی ہے كدوالبرا كير آوات بھائى،ابنى والدە اور، بنى بھوھىي كوشىين كے غرس مويشەر قستے ہوے دیکھا۔ یسکینہ اس او ولعب میں مصروف موجا نیں حس کا ذکرا ہوا لفرج اموی نے کیاہ، السے تلخ تجربات کے بعداور وہ بھی بھین کی عرکے بحربات کے بعد حب برای واقعدایا كرا زجيور اسمعولي دى كودياسى نفرت بوجاتى سے اورجاب كيد تواس ماندان كى فرد تقيل جان ميشديسن دياجاتا عما الديناجيفة وطالبها كلاب - كيايه كربات اوردا قعات ديناكى اصل حقيقت كدع يال كركمنيون كي ية تومسل نون كويقين أجا ما شيم كرصرت عام دا تعامت موت ومرض ومين و يكوكر كوتم بروس اپني سلطنت جوڙ دي ليکن د بني سلمان ييفين نهي کرسکت کرخود ان تجرابت ومصائب میں سے گزر کرجناب سکینے دنیا چھوڑ دی ۔ مكن سے كه وہ بدىعاشى دوركى باواحداد سے ورشيں پائى ہو۔ دادا، دادى، نانا،
نانى وغيرہ سے اوران ہى دجو ہات سے بھي بدىعاشوں كے بياں نيك بيج بيب ا
ہوجاتے ہيں ۔ جناب سكيسندكے والدامام سيئ، داداحضرت على، بردادا ابوطالب ابن
عبدالمطلب اوران كى دادى فاطر نبت ربول انتر تقييں عبدالمطلب جناب بول خدا
ك دادا تھے ۔ جناب سكيسنہ والدہ حضرت رباب دفار حسم تقييں جنوں سے امام سين علم السلام كو العدد وسرى شادى ذكى، تبھى سايدى بن نبتھيں، كيونكرا تفول سے امام سين علم السلام كو المجاور وكفن اسمان كے بينچے ديكھا تھا اور ان كى قبركى حاد دب سي بي سي سادى عمر كرادوى تركى السي مال اوراب بيا بيا داداكى بيشى وہ سكيسنہ ہوسكتى الم حبس كا نقشہ اوالفرج اسوى سے ابنى داكھيوں كى تاب بين حسن كا نقشہ اوالفرج اسوى سے ابنى داكھيوں كى تاب بين ہوسكتى اسے حبس كا نقشہ اوالفرج اسوى سے ابنى داكھيوں كى تاب بين ہوسكتى اسے حبس كا نقشہ اوالفرج اسوى سے ابنى داكھيوں كى تاب بين ہوسكتى اسے -

آنسان کی سادی زندگی کا طرز اورنقشه اس کی نطرت کے ویرمبنی ہوتا ہے۔ انسان برکیا منحصر م سرحوان کی ذندگی اور قبیت اُس کی نطرت برمنی بوتی م بیان اشا اک بھی میں حالت ہے ۔ اگر گھوڑا مواری نددے ، کا سے دورہ نے ، اورزر وجوہرا میں وہ خاصیتیں نہوں جو اُن میں ہیں آواُن کی قدر دقیمت کچھ بھی ہمیں ۔انسان کی قدرومنزلت بھی اُس کی نظرت برمنی ہوتی ہے۔اوریہ امروا قعہ ہے کہ انسان کی شروع کی فطرت تا زندگی اس کاما تونیدی جیورتی ملکه مرنے کے بعد بھی اعمال کی صورت میں اُس كے مناتق رہتى ہے - اس بات برحكما وقد مح وحال زور ديتے آئے ہيں - اور فصول كى صورت مين دين من سنين كرا ترسيم بي مشلاً جادوكي زورسي بلي سع بني ہدئی عورت نے عادت دھیوڑری اور فقیرنی ملکہ بننے کے بعد معبی گداگری کی شائن دہی۔ دوزاندز ندگی میں دیکھو کوئی شخص حیا دار ، کوئی بے حیا ، کوئی مغلوب بغضب ،کسی کوعضه ہی نمیں آتا کوئی مبادراور دلیر ہوتا ہے۔ کوئی اسٹے سایہ ہی سے ڈراجا ماہے وغیر وغیرہ ادرية خصائل عمر عيرتك ان اوكول كاسائق منسي حيورات كسي خاص موقع بينايت كلف اور مجودی کے عالم میں اس عادت کے خلاف مشکل سے ادادہ کرے کا مرکبی لیا و کھر دہی يُوانى فطرت غالب آجاتى ہے۔ فطرت كس طح بنتى ہے اس رحك امر صرب ادرام بن نفسیات نے بڑی بڑی کا بیں کھی ہیں بعب کا ماحصل بیٹ کر فلین و کوین نظرت کے صرف دو باعد این ایک آوارت خصائل اور دوسرے بحیبی کاماحل میدا بتدائی زمانه

ميرة فاطمدة برا

كونى سكينداسي يعبى بوكى حيى كاما جراميالغة آميزالفاظ مين الوالفرج في سيكب اس تقتق میں یہ امر مبت اہم ہے کہ ابوالفرج سے سیلے سی صنف اموائح یا مولف سیرة نے یردوایت نہیں تھی۔ ابوالفرج سیم عرای میں بیدا ہوا تھا تنس برا ى عريقى كدك بدالاغانى كلفنى مشروع كى - كويا جويشى صدى بجرى كى كتاب سب بناربسکیند بیل صدی بجری میں تقین -دوسری صدی بجری کے سروع میں تو بڑی عمر الكرانقال إى بوكيا - يرمفرد صنه واقعات وقص مردد دوصد برس كے بعداس الني كى تابىي كله ماتى بى اتناع صد كاك داديون فيددايد ايت دماغ يركس طح محفوظ رکھی۔اس سے بیلے کسی داوی نےمندسے ناکالا ۔اوراب جبکد ایک اموی اینی قصدوكها نيوں كى كتاب كھنے لكا تو اُس كو بتاديا- ابوالفرج سے كہلے مبست سى تابيخ وسير كى تابىل كھى عاجكى تقيس مولوى شلى نے جو موضين دريرة نكارول كى فرست مرتب كى ب أس ك ملاحظ سے معلوم إوتا ہے كەكتاب لاغانى سے بہلے اس كتامي سيرة بر الهي حاجي عنيس أن إمام زمرى الام بخارى الرفاى اعبد لرزاق بن مام عليه عمر ميني بين - ديكيوسنلي كي سيرة العني تقطيع كلان حلداول حصدادل صنا - ا مام زمرى جناب كيينه كيم بصريق ان كانتقال منال يجرى مين جناب كيينه كي مات مأل بعدانا بیان کیاجا تاہے ۔ ان میں سے سی نے جناب کیدنے حالات نہ تکھے۔ ان کے مضمون سے ميتعلق عقا يميونكم الرمناب سكيمة كاليطرزعل عقاتة وه صردرايني كتابول مي تكفيته كتشيدكرالا كى مينى ا درخا ندان رمالت كے ايك فرد كايد روية كا يهم يو چيخة ہيں كه ايك كويا ہى كويا تها اس كا مكلف والا إوا مورخ طبرى اس كوية الدالفرج كالمعصر عمّا أس ي واقت من كلهار ابن الاشيرن اين الكامل مين مين للها-تاريخ مسعودي اورتاريخ إبي الفعامين تھی اس کا ذکرہنیں -ابن الا فیرے الکامل میں سئالہ بھری کے داتھا صامی کمینہ نیست حسين كى وفات كھى سے لىكين اس مفروض وا قعات ميں سے ايك بھى مندي كھتا -تنفيد داويان اورصحت رواميت كى جستر لطمقرمي أن كے معياد ريمي روابي پورى منىي أرتى - علاميشلى لكفته بين :-" اس (فن سيرة نگادي) كا بدلا اصول بيه كم حودا فعربيان كيا حاسط

ان افغال کا خلا من بشر معیت ہونا تو ظا ہرہے۔ یوں ہی لہد ولعب ممفوع ہے وقص ورود ، عورت کا مردوں میں لبح علیہ ہوگر تا اوران سے بہنی ہذات کرنا ، فاوند کا افران ہونا۔ طلاق لینا۔ بادباد خاوند کرنا۔ اپنے خاندان کے دہن سے نکاح کرنا ، اپنے شئیں سجا کر عزم دول کود کھا نا پرسب اعور خلا من شریعیت اور موجب و کین خاندان ہیں ۔

خاندان کے سردادجناب علی ابن اسمین ذین العابدین کے جبنیتی سالگ سوا تراما عمسین کوروئے دیے ۔ یائی ساھنے آتا کھا تو ہے اختیاں وسے لگتے ہے۔
کلا گوسفند کھا نا چوڑد یا تھا۔ خداکی عبادت اتنا کرتے سے کہ زین العابدین کملائے مروقت گھر ہیں مجالس عزاقا نم رہتی تھیں ۔ جناب سکیدنہ بہت مجود فی بین تھیں کیا ممکن ہے کہ راما م زین العابدین سے اپنے باپ داداکے نام کو اس طح برنام اوران کے کام کواس طح برنام اوران کے کام کواس طح برنادہ ہوتے ہو سے دیکھا اورخا موسنی رہم حض سے باب نے اس کی لڑی ان ہی کام کواس طح برنادہ ہوتے ہو سے دیکھا اورخا موسنی رہم حض سے باب نے اس کی لڑی ان ہی افعال نامنا فیست کی ترکم ہونے کی دوج سے تو یہ ندی بعیت نہیں ہے منع نہ کرے افعال نامنا فیست کے اس حکم سے واقعت ہے کہ سرداب خاندان کا فرض ہے کہ اپنے خاندان کی فرض ہے کہ اپنے خاندان کے افراد موجھنگیں تو ان خوس ہے کہ اپنے مید ھاکردے ورنان کے گئا ہوں کا بوج اس سرداب خاندان سے اور پھی ہوگا۔ یہ سب مید ھاکردے ورنان کی طرف دین العابدین خاموس سے جہرے عقل سے بھی تو کام لینا چا ہیں ۔ ماس ہم منقول کی طرف دین کا موسن نے ہیں ہو۔
اب ہم منقول کی طرف دین کو تے ہیں ہو۔

اور دمان سے انعام و اکرام بھی اس طرح مجیب کر آتا تھا۔ بیک بالاغانی خاص طور سے حکم اناب اندلس کے حکم سے لکھی گئی تھی۔ اورسب سے پیلے اُن کے یاس جیا کر بيجي كري تقى -اور ولا ل سے اس كے صليب زرخطير آيا تھا ۔ حکام سے نقرب ماصل کرنا اس کی ذندگی کا مقصد تھا۔ اس کی ذندگی كذب وزدرسي مردهى - ييك أكن الدوله ابن بويشي سي اسيف تنايل تنعيد ظاهر كرك تعلقات پيدائيدا درفالدے ماصل کي نيکن جب اُس في اوالفضل سي عمياك اینا وزیر تقریکیا تو ابوالفرج کو اس مستحسد پیدا ہوا اور اس کی ہجو کھنی سٹردع كردى ساست مين ركن الدولمركي اوراس كاحانشين معزالدوله وااورأس سن اینا وزیرا دیگرسن بن محد تعلبی کومقرر کردیا- بیشیعه نه تقارابین تنگیرسنی ظلم رکرکے ار فرزيد يبهت كمريد تعلقات بيداكرك - دراصل الاهري متى يى تعاجيب اكريم الملى ظامر كرقي سى على الى مفل مين الوالفرج في كم يقلقات بيلكرك أكو قص كماتيان مناكزوش كويتا تقار دور يهاي كي الركان في الفري كي شريع لي واس كى فراح دلى اورسى وت سه الدالفرج كامباب عديث ا عشرتان بين اطافه بواادراس وزيرى خوشا ومي اس في سنب لمالبسداور مناجيليا لخضيان كتابي كلميس اوراس كي مدح ونزايس بهب فصالد كله ليكي يساءة ايى اُس كى يۇلىلى خوب كلىي . دە يۇندايت غلىغاسى -يه نمايت كندى طبيع كا ادى عام إس ع ايك يلى يالى بون على أس ا وردولي المال ون الإالفرج كدوست الواسيات المالي الوالعلاصاعدادر ا يعلى الدينادي اس سع مل السط . ون الباب كيا- ابدالفرج ببعد دير مي آيا-اس كا الاعلاقات من عرب بوت في لكن وم مجدك يدالن بادراس س معذرات كي كريم في مقين الي وتت كليف دى كجب كها نا كهارم عفي أس ت كاكد بنيل مي كل تابنيل كل دا تقاطكريري بلي بيارتقى - سي ك أس ك حقد كيا فقابراس كي غلاظم سبع - بيش كران كوا بوالفرج سي التي نفرت بولي كدوه اسى وقت دائيس جلے سكتے اور كيراس سے كلام كرنا حجور ويا -بوالفرج ايني جواني كوايام مين شراب وزناكا بست عادى تقا -یسب اموریم سے اس وج سے تھے ہیں کاس کے اخلاق و مذاق کا انداز وہو ما

اس خض كى زبان سع بيان كياجا ك جو حود شركي واقعه تقاءاور اگر خود من تقاتو مشر يك واقعة كك تمام داديون كانام برَترسيب بتاياجائي. اس كى سائقى يىلى تحقيق كيا جاك كري خض سلسال دواسيد يس اسك كون الك عَنْ ؟ كيس عَنْ ؟ كيامتنا عل عقر ؟ جال حين كيسا عمر إ وانظر ليسائقا ؟ سج كسيى عتى - تفته عقيا غيرتفة ؟ سطى الذهن عقيا وتيقبن-عالم عقريا جابل سي ؟ " (سيرة العنى علداول حصلة ول مدي) أكريل كوعلامه وصوف كلفة بين: -«حسب ذیل صورتول میں روابیت اعتبار کے قابل نر ہوگی اوراس کے متعلق استحقیت کی صرورت بنیس که اس کے را وی معتبر ہیں یا بنیس ب ا۔ جو روابیت عقل کے خلات ہو ۔ ۸ - جورا دی سی تخص سے اسبی دوامیت کرتا سے کیسی اور اے نہیں کی ادر میراوی استخص سے بندیں ملا۔ 9 - جوروايت السي موكرتام اركوا يكواس ست واتف موي كي ضرورت بوا در بایس بمدایک دا دی سکے سواکسی اورسے اس کی دوایت دی مو ١٠ عبي مدايت مين ايسا قابل اعتنا وانغر ببان كياك بوكداكره قرع میں آتا توسیروں آدی اس کورواست کرتے باوجوداس کے صرف اکسین دادی نے اس کی روایت کی ہوا مسس ان اصول و قواعد كے بوجب يردوايت مطلقًا قابل قبول نهيں -اب ہم دیکھے ہیں کہ اس قصر عجوبہ کے خالق اسرمانی ابوالفرج اصفہ آن کیسے يُرْدُكُ عظے - ان كا نام على بن الحسين عظا اور مروان ابن الحكم دستمن رسول كے براور ا ادلادیس تھے۔ان کے آیا و احداد اس مروائی مکرست کے مررو چکے تھے میں کا بهلااصول سياست عداوت على ابن ابي طأكب مقى - الإالفرج كو بنواميه كي دوايات اورع ب جا بليد كارشعاد سے براشف تقارسلاطين بني اميرسي ببت لكا و تھا. عنائي ايرنس كه امدى مكرانول سے اس كى خطوركتا بت بہت رہتى تھى۔ اور أن ع احكام كى تعميل كرتا عقا امن كے ليك تا بي فكي كر خفيد طور سے اُن كے ياس معي تا تقار ۵- د فیات الاعیان ابن ظلکان طبوعه مصر الجزوالا قل مقط کیه مورضین برهمی کفتی بین که جناب کینداین بجوهی زینب کے جماہ مصر نشریف ہے آئیں - اور جناب زینب کے انتقال کے بعد ان کے جی مزاد برمجاور بن کر رہیں - اور آخر کا رمصر ہی میں وفات بائی - دیکھو السیدہ زینب واخرا دالزینبیا مولفہ عبید کی امیر مدینہ ابن امیر مدینہ متوفی سے بعد ہے ہے فاصل مولف تلقیمیں کواگرچہ پیشہورہ کے جزاب سکینہ بنت الحسین نے مدینی موفات بائی کین صبح ہے ہے کا ب مصریب رہیں اور دیاں وفات بائی انھوں نے بی تحقیق کی سندی برے کا تبار کا میکویہ اور فاطم بھی اسی مکان میں دی کری گئیں کہ جہاں دہتی تقیمیں - اور ان کے بعد جنا سیکینہ اور فاطم بھی اسی مکان میں دیتی رہیں وہا ۔ اس کہ وفات بائی گئی یا اعقول سے اپنی کیو پھی زینیپ

حضرت ام کلتو مم ان کے حالات صفرت زینے حالات سے دابستہ بہ اپنی اس کی موجد کی کی وج سے آپ اکٹر خاموش دہیں المین جب آپ نے تقریر کی ہے یا مڑنیا کہا ہے وہ صفرت زینے کے خطبوں ادرو شوں سے کم خصفے حضرت ام کلٹوم کا مرشبہ بدینا سے کہ نہ سے کے وقت کا اپنی تا شرو نصاحت میں نظیر نہیں دکھتا ۔ ان کی تقریم بی اور مرشبہ ہم صفرت زینیٹ کے حالات میں درج کر چکے ہیں ۔

یه قطعاً غلط سے کوان ام کلتوم کا عقد حضرت عمرسے ہوا تھا۔ اس صنمون برابترین کیا ۔ جومیری نظر سے گزری ہے وہ کنز مکتوم فی صل عقدام کلتوم "مولف جنا بعد اوی کیم بریالی اظهر صاحب علی انتدم قامہ ہے۔ یہ بزرگوار خدا ان کو کروٹ کروٹ حبنت نصیب کرہ جناب مولا نا موادی علی حیدرصا حسب ظلالعالی کے والداور بانی "اصلاح" سے ۔

یعقی اولا د فاطمیس نے اسلام کو اسلام سنا دیا۔ امت مانے یا ندمانے ، یہ امروا تعریب کے اسلام سنا دیا۔ امت مانے یا ندمانے ، یہ امروا تعریب کے اگر حضرت فاطمہ ، ان کے سفوہ راوران کے بچے اس ا تبلائے ظیم میں کہ حسب اسلام ندر ہما ۔ جنا ب صاد ندتوالی نے اتفیس گزارا تھا ، کہ میں کھی لغز سش کرجائے ترکیج راسلام ندر ہما ۔ جنا ب اسل مندر مواجع کے دمانے میں کفرا دموا ہوگیا تھا ۔ بالکل نہیں مراتھا ۔ اس سانب کا سرزنمی ہوگیا مقا بول کھیا ہوگیا تھا ۔ کا میں کا مواد کو دعول درامامت کے دعول درامامت کے دور سے درسالت کے دعول درامامت کے دور سے درسالت کے دعول درامامت کے دور سے درسالت کے دعول ضاکی آگاہ مندر ہوا در

الیانٹخص سے ادر جوٹ کی پرواہ نہیں کرتا ۔ ابوالفری کے مذہب کا ذکر ضروری ہے یمورضین نے اس کوشیعہ زیدی تکھا ہے۔ لیکن اُس زمان س شیعہ اُس کو کہتے تقریب کو آج کل اہل سنت وجاعت کہتے ہیں۔ ابن جرعسقلاتی متوفی سم ہے کہ جری فتح البادی سرح صبحے بخاری کے مقدر میں تھتے ہیں حبس کا لفظی ترجمہ یہ ہے:۔

" تستیع صرف یه سب که علی سے مجست کریں - اور ماسوائے حضر سے خین بر کے دیگر صحاب بران کو ترجیح دیں ۔ غالی شیعہ وہ سب جو حضرت علی کو خین بر محص نفید اس کے دیگر میں - اوراگر سینی بن برنسی بھی کرے اوراگر سینی بیشنی شدے تو دہ محض شیعہ سب - اگر کوئی شخین برلس کے ساتھ وہ دہ جست امام کا بھی قائل اسکے تو وہ غالی داخض میں بھی شدرے کرتا ہے ۔ اوراگر اس کے ساتھ وہ دہ جست امام کا بھی قائل سب تو وہ غلو دخض میں بھی شدرے کرتا ہے ۔

میتحد نکلا کر ابوالفرج محص علی سے مجسف دکھتا تھا لیکین شیخیین کو حضرت برترجیج دیتا تھا اور اُن کی خلافت کے جواز کا قائل تھا۔ رحبت ِامام کوہنیں مانتا تھا۔ یہ ہی مذہب زیدیوں کا ہے۔

اکشر علماراس کی تضعیف کرتے ہیں۔ صافط ا بنعیم اصف ای حلیۃ الادلیاء میں اسلامی کے بیاری کی اسلامی کی اسلامی کی ا کھتے ہیں کہ بیراین کتاب میں بازاری کیسیں کھتا تھا۔

علام محد بن من الحسين ونجنى كت بين كرادالفرج كذاب تقا علام حلى ك فلاصدالا حوال مي المحد بن الحسين ونجنى كت بين ما مدم كله والمراس كالمراس كو فلاصدالا حوال مي اس كو تضعيف كي من ابن داؤ دعلي الرحمد في ابن كتا ب حال مي اس كو تعديف كي المراس كو مسترون كله المراس والعديد كي من -

ا بوالفرج اصفها بی کے واقعات مندرجہ ذیل کتب سے لیے سکتے ہیں ،۔ ۱- تاریخ بغداد خطیب بغدا دی الجزء الحادی عشر ص<u>صصی</u> ۱- مراة الجنان یا منی الجزء التا بی ص<u>وحت</u>

س - مفاتل الطالبيين طبوع مصركا مقدم محرده ميدا حدصقر - ٢ منا تأريخ الكامل لا بن الا شرائج والنامن ما ٢٢٢

سيرة فاطه ذهرا

اور كفركي أميرين مد بوراشيا اورافراد كي تميتون مين ، ان كاندازه مين بالكل يحيح وازايه حببا ورئيس قدراس ميں كفركي آميزس ، وكي اسي دقت اور اسي قدروه خواب بروجا سط كا-ونياكو حيال بوجلا عقاادرده وتحيال واقعيت برمبي عقاكه اسلام البيدانظام قالم كرككا حبر مين كذب كي أميزش مرموك ولهذا وه بهترين أورتقل موكا بجنام يسول ضراني دمات مين جونظام قا مركي عقاه وأكرمستقل بوجاتا تومبترين عقابتاريخ خامدسي كم جناب رسول ضدا ك ورا بعدي جيساك فودان صفرت في نصر رفوا يا عقا- اوراس كا اظهار مى كيا فدا (براكي صريف كى كتاب مين كتاب الفتن ديكه لو) اس نظام سي بهت مرعب كيسا ته كذب كي آميرش بوكلي جب كوخلافت داشده كيف بي - اسكى يالت عقى كركوني خليفابني موت بنيس مرار براكي كوقتل كياكيا يحضرت الويكركوهي نبراكيا على أن صفرت كم انتقال يردو جاعت بروكني ان مي سے أيك في حكومت جراً سنهال لی یم جراس دجرسے کہتے ہیں کہ اس میں حاکم کے تعین کرنے میں قرآنی حکم وَآفِيهُ الْوَزْنَ بِالْفِينُطِ وَكَا يَخْيِسُ وَالمَيْزَانَ بِرَعَلَ مِن كَياكِيا-اس عِلْعَت كَيا حكومت مي جواقعات موے اور دخترسول كساتة جسلوك كياكيا وه بم يسك الديك من - آخر كار وه حالات بيدا موسك كر دخشر رسول يكسى مون ون الساسدهادي كرمي مقاری شکایت خلااوراس کے رسول سے کرون کی۔ اور آخر دقت کان او کو رکوجانے پر نه أسفويا - أس نظام كريم كيونكم صحح اورصدق سع ملونطام كدسكة بس جبن بياتين ميود وسكيل در بعراس كے خلات كوئى آواز زائے بجاعت حكومت كان افغال خ لوگوں کے دلوں میں نا لفت بیداکر اسٹروع ہی کی تقی کہ وہ طرز عمل اختیاد کیا گیا جوات مبلے اوران کے بعد باد مثابان فاک کرتے آئے میں تمام او گوں کو وشنا صورت جلاؤن كرديا - يبلے مانعين زكاۃ سے چيطرخانی نكالي حبب وہ جلدی ہی ختم ہوگئی آان لوگوں ہے مدينه آي ملت يعبى مندى ملكه ما لا مالا بهي حكم تعبيد يا كداب روميون كي طرف حلي حائد ادرما تقومي سائد ايلان كي طرف مجيديا يستجديه مواكه جويد من امن وعافيت كا بيفام كرآيا تفاساب دنياكوينظراك لكاكرده توآك ادر تواركا بغام كرآيا ہے۔اورسی بات اسلام کے دنیا میں سیلیے سے انع ہوئی ۔اسلام نے عدل عام کا 

ہم از سرنو دوسر حالیقے سے جو وقت اور حالات کے مقاصلی تھا اسلام پر تعلائیں۔ بین الم مرسور سے میں اب حکد کرنا افکا میں ہوگیا تھا۔ دوست بن کر حکد کرنا افی تھا۔ یہ ذیادہ موثر تھا۔
اور بہ صدیدتک کا میاب ہوگیا۔ اس کی کمل فتح ہوجاتی اور اسلام دنیا سے مسط جاتا ہا گر یہ زرگوار ہوتع پراس کامقا بلرکرنے کے لیے تیادہ ہوتے کھونے اس طرح اسلام کا اب اس بین لیا تھاکہ ان بردگواروں کی ساری حدو ہو بدیحص اس کو بویالی کرنے میں صروت ہوئی۔ اور حب وہ عویاں ہوگیا تولوگوں کو معلی ہوگیا کہ اسلام کدھر سے ۔

جناب فاطمتالز برائے زمانے کی و نیا

جناب فاطمة الزبرائة اليخ بيداليش سلائد يا سھالدة ہے اور تاریخ وفات الامرائست مسلائة ہے - بول الاسال ہوئے - ہم دکھیں کراپ کے معاصر ون کو ہے اور اس کو زمانہ ہی کیا ہوتا ۔ ہم دکھیں کراپ کے معاصر ون کو ہے اور اس کو زمانہ ہی کیا ہوتا ۔ اور اس کو زمانہ ہی کیا ہوتا ۔ اور اس کو زمانہ ہی کیا ہوتا ۔ اور اس کو زمانہ ہی کیا ہوتا ہی کا زمانہ تو بی اور آپ کا زمانہ تو بی اس دنیا کا نقشہ کھینچیں گے ۔ جواں صفرت کے زمانے میں کی اور حس کو ان صفرت نے فقط ایک کلئے توحید کے ذریعہ سے بدل دیا ۔ اس حبکہ تو ہی ۔ ہم اضفعار کے ساتھ اس ذمانے کا تعادت ناظرین سے کراتے ہیں ۔

مغليبلطنت كمي زوال مي ايك بهت براسبب دكن كى لرائيال تقييب-ايران مي فشيروان عادل كازمانه سام هيم سيره هيم كالساس الدومن افواج كوياد بار فكست دى هى -اس كے مرفے ياس كالؤكا مرمز تخسين بوا و وظا لمراور نا ابل ا ثاري بوارا در ينده معرّ مين قتل كرديا كياراب برمز كالراكا خسر دبير ديزيا دشاً ه بوا - جو ایان کے ساسانی خاندان کا آخری بادشاہ ہے مبرام چرسین جس نے ہروز کے زمانے میں بغادى كى تقى اب تك طائقورها -اس فضروير ديزكو بادشاه نسيس مانا-ادر أخركار شرویر ویزنے بھاگ کراسینے رقب روس بادشاہ مارس کے پاس بناہ لی ۔ اس سے اس كرما تدايك فوج كردى جس كى مدد سي خسرد بدويز في اينا تخنت بجرك فيهم مين احاصبل كيا- اس مددكي عوص مي كيد علاقد أسعديا يراعقا ليكن اب مادس كو بعى یری دن دیکینانصیب بواج کاستقل اواکیون سے دو بے کی کمی برگئی تھی اس سے حكم جارى كياكرفيج كي تنخواه ميس ايك يعظ الي كمي كردى جائية اس سع فوج ميس عام بناور الماريكيل كئي- اور آخركا رياعي افواج ك كما ندر فوقاس ( Phoeas) سف تخت رِقب ندر ليا اور مادس ( Maurice ) مع البيني بيرى بيول كـ ٢٢ رُوريشن في عمل مجاگ کرایشائے کو حکم میں آگیا ۔ ادر بیلی اس نے ( chal cecton ) کی ایک فانقاه میں بناه لی-

لی جو خاصبوں کا فاعدہ ہو تاہے فوقاس ( Phocas) کی ہے کوشن درسی کیسی طرح مارس اوراس کے معصوم بچن کوقتل کردے تاکہ تخت کا دعو بدارکوئی مذرسے - اور برجین و آزام سے بے غل و عنق سلطنت کرے اس نے اپنے آدی بھیے حضوں نے اول تو مارس کے باریج لؤکوں کو مارس کے سامنے تسل کیا اور بھر مارس کو بہنا برے برجمی سے ذریح کوڈالا اس کے مرتے وقت کے الفاظ یہ تھے جنونداد ہا اس کے قتل کے وقت کا ایک اوروا قد بہا بیت ورد آمیز ہے جب ظالم کے آدمی مارس کے بچن کو قتل کے لیے تلاش کر رہے بھے تو ایک معصوم بچے کی واریہ سے ان مارس کے بچن کو قتل کے لیے تلاش کر رہے بھے تو ایک معصوم بچے کی واریہ سے ان مارس کے بچن کو قتل کے لیے تلاش کر رہے بھے تو ایک معصوم بچے کی واریہ سے ان مارس کے بچن کو قتل کے لیے تلاش کر رہے بھے تو ایک معصوم بچے کی واریہ سے ان لوگوں کے سامنے اینا کے رہ کھا گیا - اور اس سے ان سے ہما کر نہیں بیمیں میں اس کو قتل کر ڈوالو۔

لِلتَّقَوْني عَا فروسل ن افراد واقوام سيكم ساتق انصا من كرناجا سيد ايران الحكولي وج مخاصمت مذدى مقى - اور روميول كوان كے كيے كى سزارات كى تقى - اب سرو فوج كشى عدل م المبني ناتهى - بيرام ديكيفي بي كراكس الس مي أشت في ون بورسم بين فليفا وقت سع بغادت كرك بنزاد ون ملا و كوقتل كراديا-ايني نبي كي اولاد كواس طرح قتل كرنا حب طرح تسلمانون ف كرملامين كيا الني مي عبادت كاه كومنجنين سي كروانا - مدمينه و مكر كي مترون مین قال و غارت کرنا عزصک ساوراسی طرح کے آیندہ کے واقعات صاحب طورے بتاريب بي كرجونظام آل صنرت كي بعدفائم إوا ده اسلامي نظام منها اوراكر وه اسلامی نظام تھا توسادے الزامات اسلام بیعالہ ہوں کے ۔ يه تو حكم كرسنے والوں كى حالت كفى -اب اس زمان كى روم وايران كى حالت اي ارتے ہیں ۔ جناب فاطمہ کی ساری زندگی دوم کے ایک بادشا ہ ہرقل (مسالے مرابط) كے ذا نسلطنت ميں ہوئي-اس كا زمان حكومت طاع عدفا يت على اور مے جا ايمواضاً كا ما لازمانه نبوت منظ لترة لغايت طلط لنيرة السياديثا ه كے زمائے ميں واقع ہوا تھا۔ اسعظیم الشان دومن امیائر نے حس کی اصلی منیا دجولسی اسپرر نے مصدق م سِ ابِيْ وَقَيب بِهِم فِي اس ( Pom heius ) يَرْكُونُوالس (Pharsalus) يَرْكُونُوالس (Pharsalus) میں فتح باکرقائم کی اورس کواس کے جانشین السسس سرر (محصم قرم سماعم) نے قائم كرايا -صديون تك اين خوت سه دنيا كولرزه براندام ركها ليكن صب زما ي كاسم ذكركررسى بين اس وقت كاس كاندر بها ندرهمان لك جيا تقااوراس كى بنيادين متزلزل ہورہی تقیں سارا اختیار فرج س کے پاس حیلاگیا تھا بھی کو فرج جا ہت تھی وہ ہی إدشاہ ہوتا تقا۔ يصورت ما لات لطنتوں كے ليے ہمايت خطر اك ہوتى ہے اور حس سلطنت میں بیر بیاری گورکرجائے کھراس کی زندگی کے دن گنتی ہی کے دہ جاتے ہیں۔ مناسب معلوم ہو اسے کہ رقل کے دوسابق جانشینوں کاذکر کردیاجا سے تاکد دمن لطنت کا

ادراکست بست هی کو مادس (عدد عدد می افداج کا کمان ڈرائجیف کھا (مید عدد میں افداج کا کمان ڈرائجیف کھا مقبصر مقرد کیا گیا۔ ایران کی لڑائیاں بدستورجا دی دہیں۔ دومن ایمبیا کرکے ذوال کے اسباب میں سے ایران کی لڑائیاں بھی مہت بڑاسبب ایں جس طرح مهند وستان کی

ميرة فاطمئة يرا

غر بي يني ادب كاروا يكى اور باقى يى يوب فوقاس كظلمون سے عاجز اكر صوبوں فى بنا و ت افتارى اور اس بغادت كاليندر برق بعدالة ابركريورى اوريد مذيبي بيشوار ول كالتعادك بالركري رى في اين المراكل السائدة المرد والمددونات فالكرنوقاس كوابعطر حاتس كباش طمي فوقاس في اس كوتس كوا يتعانيلا كادافيهم آب نے دیکھا وہ مذہب عیں ایک کان کی آمیرس ہوگئی ہوکس طح حکومت کے اظارون بناچتا ہے۔ انسان نظرت مرح ادرمرزان میں ایک سی ہی ہوئی سی تیف ایت مذمب کے احکام کی بابیندیوں کوچوڈرکردنیا کے پیچے دوڑے کا اس کاطراعل ہی ہوگا ۔خواکسی ملک کا بانتدہ ہو۔ملکرایے لوگ مزمب کوسے سیلے فروض کرتے ہیں۔ کیونکدان کے نزدیک مذہب اس وقت کک قابل یا بندی سے کرمب مک اس کے ذرىيدسے دنيا حاصل موسكے - اوراگر مذہمب سے كوئى دنيا دى فائد وہنيں ہوتا توكير ان کے خیال میں سہے والدہ غیر صروری ادرسے کم قیمت ج شے کے دہ مزم سے ۔ اب مناا عمي برقل تحنيه بني مواين روان مناه وايران أكرم رس كي مددوقت بر فكرسكاليكن دوميول كرمائة اسد الوافي مغروع كردى - فوقاس كرمائي زمانه میں بالوائی ہوتی دہی حب مرقل تخت انتین ہوا تب بھی لوائی جاری تھی۔ ہرقل نے اگر چیست تد بیرکی ایمین ایرانیوں نے جنگ ِ نطاکیہ میں تلازیم میں رومیوں کی تکسیفیاش دی-اور پیروستن کامحاصره کرے اس کو فتے کرلیار بھر شال سی الیسیا ( حدی مرک اس کو فتے ادرطرسوس ( درمده وره ۲۵) يرقب كراميا - بيرا رسينيا مين جنگ كركاس ريهي ايرانيون ن تبضه كرايا - اورس المعمل سيك برى صيبت جرد ميول بريي وه يعقى كرس يا ۵ مئی سلانیئر کو ایرانیوں نے بہت لمقدس مینی پرفتلم پر قبضہ کر لیا اور تنہر مہا و دیگر قتل ولوط وغادت جاری رہی بیو دی بھی ایرانی فاسخان کے ساتھ مل سکنے رہتا وہ نیران رِومَنْ قَتَلَ كُرِد سِي كُنِّهُ- إِوْرِنْتِيسِ مِهْرَارِقْيدى بنائے عَلَيْحُ اور کُرِجاؤُں میں آگ لُگادی كُنَّى - اسققت اعظم ذكر ما كوا وراس كيسا تفريقد سصليب كو ايران مع كُنَّهُ يَاعْسِالْيُ دنیا میں ہملکہ ربیج گیا ۔ ردمن عبسی عیسا ای سلطنت بہت المقدس کواران کا فرول <del>س</del>ے بالقسے نہ بچاسکی۔ سهالاعسي ايرانيول في اليشيا الشي كومك يرقبضكرنا سروع كرديا واوراياني جرئيل شا بين سے روميوں كو و بال سے شكال ديا - برقل كے ياس اب نا وى دسے

تسیس ہے۔ یہ تواس دای کا بچیے ہے۔ سیا ہوں نے دایہ کا بچیے جور دیا۔ اور مادس کے بيچ كونكال كرقتل كردالا - ما دس اوراس كے بچوں كى لاشيں دريا ميں دال دى مئيس ادران کے سرعاصب فرقاس ( Pho cas ) کے یاس روانکردیے گئے جال ان کی تشيرك كئى يكين اليمي الدس كى بيرى اوراط كيار إفى عقيس اس لخال كي ييم قاتلوں کو دوڑا یا جینوں نے ان کو ایشیائے کو مک کے ایک فافقاہ سی بھام Chal (cedon یا یا - مارس کی بیوی کرجوایک تیمسرکی بیٹی ایک تیمسرکی بیوی اورکئی قيصروں كى ال عقى تمايت بے رحمى كے ساتھ ايزائيں بيٹھائيں يہلے اس كے سامنے اس کی لوکیوں کو قتل کیا ۔ اور میر آخر کا راس مرتضیب ماں کے اور خوالیوں کی تواریخ رحم کھایا - اور اس کوزندگی کی کلیف سے آزاد کیا عاصب بادشا ، نبیراستشنا سے ظالم بواكرت بين واوران كوجائز وحقدار ورثا وحكومت سيلتي عض بواكرتا مي ال به كوستُسن ديتى سي كركسي رئسي طرح ان كاخالمه كرديا جاك ويتخص فطرت انساني كامقا بله كناجا التاب، دنيا دارون بيراس دنياكى شان وشوكت وارد ت كافركا اندازه كرنا چا متا ب اس کے لیے بیعلی کرنا بنایت دیسی بوکا کراس ظالم بادشاه فوقاس کی حات اوراس کی حکومت کا خیرمقدم سے بیلے اورسے زیادہ جوس کے ساتھ اس نے کیا جواس نیا میں مفرسی سی کے فلیفہ ونے کا دعو بدار تھا مینی با با اے اظم کر گیری (ADPO & regary) سي يدل اس في ادراس كم الحت فريسي افدور في اس كى حكومت قبول كى الدمين حان کی گرمامیں میم ادا کی گئی -اس طالم یادشاه ادراس کی بیوی کی تصویریں گر جامیں حضرت مسینی و مضرت مریم کی تضویر دن کے باس کھی کئیں اوران کی سیشش کی کئی سرگری نے اور تام فرزی بیٹیوا وُں نے گرجا وُں میں دعائیں مانگیں کہ خدا وند تعالیٰ تو نے ایسے مربان دا بدوما براور وهاس ( Pohocas) كيمار اورايخ كوم سعماكم مقرركيا ہے اب اس كے القواس كے دشمنوں كے خلاف صفيد طكرا درطوبل مدت مك مكوست كرف ك بعداس كرابن جنستاي عكرك رياس في قاس كي شيت كماجاد باي سيس النايئ نمين كرارس اوراس كى بيلى وبيوى كواس بيري كاما توقعل كروايا ملكه مارس كے تمام طرفداروں كواوران كرجن بر ذرائعي طرفعاري كائشبہوا سے بيري كرمانة ذيح كراديا علاده اس كے اسبى مى ادر طالمانكا در دائيان كيس ليكين كرمكرى اوران

W16

ا جان بجار مهاك كيا ادر والمسترس ايراني منهرس فاسخا خطر بقيرس داخل موسكاراب يرمعلوم بوف لكاكرايران سمنف وخسرد برويزتام دوما نوى دسياكا مالكر بهون والاسم-اس دفت بترقل نے سوچا کیم مرکوجا کر بجانا ضروری سے ۔ وہ پورسیہ جھوڑنے ہی والا تفاکہ الكور كوخر موكى التسطنطينيك لوكول سفاس جاف نرديا ادرد بال ك اسقف عظم سن برقبل سفسم بروعده لے لیا که ده تسطنطنی کونه مجدرات کا -اب برفل نے یسوچاکا یا نیوں کے ساتھ جنگ کرنے کے لیے برصروری سے کہ وہ مُ ورزك فا قان سے ملح كرك - جنائياس نے بروان سے دو بيرما نكار كرما كے حكام فے بھی اپنی بے شماد دو امصابیں سے اسے رو برد پاکیو مکد اعفوں نے اس و وعدہ کو لے کر فتطنطينيس بابرنامان ديا تفادلها دولا كوردمي استرفيا ب بطور خراج كهرقل ك فاقان كوديس اوراييغ بيط اور بهيتي كولطور صامنان خاقان كے پاس بجيديا ريالار کا دا قعد سے راس عصدمی ایانی آزادی کے ساتھ رومی مالک برحد کرتے دہے۔ اب برقل نا باندن كرفا له كى تيادى متروع كى راس في تركب بوجى كه ايانيول كومصرس دهجير اجاك ملكه خدد ايران يردها دالول ديناجات يدمرايرا المتلائة لواس في بيلك خازقا فركى اوردوسرے دن مين ٥ راييل علالة عرك شطفطنيد ببلك حكام سينط ادراسقف اعظم كوبات ميدان مين جمعكيا ادراسقف اعظم روى اس ورد فاوجود في طوت مخاطب موكريولا "خداوراس كي والده كي ما تقس اوركويترك سين شركوا در اين الاك كري والا إدر" يكدكر كرماس الديشف ك بعدم ول معرفاييل ك تبت كواين سين سالكاكر كرماس كاكيا اوردرابديل ستاناء كوفيج كرمائة الينياك كوميكسين أكياء وإلى في كوسنيسن يديبي كداران في كواينيا التكوميك چوڑنے ریجبورکرے بیانچ حیندلوا ایوں کے بعد ایک آخری حباک میں ہرقل کو نیخ ہوئی۔ ادر بشر براذی فرج کاخا تمر بوگیا -اس طی ایشیا سے کوچک آداد او بوگیا سکین عزی وستی ا قوام ن عيرسر الطايا ادر مرقل دانس تسطيطيني حلاكيا -٢٥ ر ماريخ مسموري كو كيرايان كى جناك كف ليق طفطينيك بهرقل في جيورا اور مكوميدي إده الم Nic me di مي آيا- إلى الركواس كومعلوم إدا كرضرو يرويزك منا بيت حقادت كے ساتھ اس كى درخواست صلح مسترد كردى ادرايان برحمله كى دعكى جوبران

ادر ندرد بیر-ده بهبت عاجز جوگیا اور شاین سے درخواست کی ملکہ بید درخواست کے کوخود اس کے کمیرب بیں گیا اور اد طرسینٹ نے اپنی حالت خواب دیکھ کر متنفنا ہ ایمان کے باس صلح کی درخواست بھیج دسی رسکین خسرو پرویز نے ان درخواستوں کو مفکرادیا۔ بنت م مغرورانہ خط ہرقل کو کھا اور شاہین کو اس کشبہ میں کہ وہ ہرقل کے ساتھ نرمی کردہا ہے معزول کردیا ۔

روبیوں کے لیے ہی ایک صیبت نکفی - روی سلطنت کوکئی صدیوں سے شال مغرب کے دستی قبائل سے نوانا پڑر ہاتھا۔ وہ نها میت طاقور سکتے اورکئی دفعب الحفول كناطلي مك برقض كركيا-اس زمانه ميريهي الوافي حا دى عقى -الحفول ميلل ایان سیمشغول باکراین صلے تیزکردیے -ان میں سے ایک صشی قبیلہ آور (ورا مرم AU) كالهبت طامتور تقارية ريائے الدينوب كے شال مزب كى طرف آباد سي جوك ا میں ان کے سرداد خاکان نے یا خاقان نے ایک جال علی صلح کی خواسٹن ظاہری۔ دوى بست وسن موسد ادريقام تنريروليا برقل وخاقان كى ميننگ وستراريانى-ردىيول كإس خوسى مين خاقان كى أمدى ورسايي شركوبهب واستروبيراستركيا-ادراس کی آمد کے نتظر سے لیکین بجائے خود آنے خاقان سے اپنی فوجل کو جو اب ككيس كا وسي هي مونى عقيس اشاره كيا اور الفول في داوالسلط نشيط طانيا يرحك كرديا-اوراس كار دكر د قبض كرك كرجا وركولوشنا مشروع كرديا - مرقل اب خطره کے بیج میں تھاراس نے شا ہی جینا تو بھینکا اور تاج کو تغیل میں دباکر مگیشٹ کھوڑادوراکر شهر قسطنطنيهي داخل بوا اورلوگول كوخطره سع آكا وكيا -آورزف دولاكوسترسرار رديرون كو وتيدى بناليا حو دينوب كى طرت الحول في منتقل كرفيع رييشالا كاوا قديم اب ہم پر ایرانیوں کی جنگ کی طرف تو جرکہتے ہیں موسم بہار سالات میل عفول خ مصرر پیمار کردیا را درایرانی حبزل شهر رازشهر دل کو فتح کرتا موا اگریند در به (اسکندریه) یک آگیا جس کااس نے محاصرہ کرلیا -اس دقت ددمی نها بیت سخت کلیف میں تھے آرمینا جاں سے ان کو آ دمی ملتے محقہ ایراینوں کے قبضد میں تھا بشر میا ذیے تا مواستے بند كردي من قيطنطنيه من تحطاور د باكارور موكي مصرمية ميوكا حبرل (Nice to 8) گرنگری کا لوکا عقاسیه د کیوکر که اسکندریه کا بحینا محال یم و و تو آخر گرنگیری کالوکاتفا

ميرة فاطمه زيرا

اوروبین عیسانی شایت فرواعتقاد منهبی کے ساتھ لکھتا ہے۔ برف وباوان کے طوفان كى وجس جوخدا فيمين وقت يربيع ويا اورصفرت مريمكى مددس عقيد دورك شاہین کو اسی شکست فائل دی کہ و عمرے مارے مرکیا سال اب وسنى اقدام كا حال شيني . ١٧٥ ج لائي سلم المدورة عن اوراس كي افراج ف مسطنطينه ك سامل ديا والله ديا - اس قت أكردوميو ركو بجايا توان ي بجري فت بيايا - الفول في وصنى اقوام كالشنيال توسمندرسي عوق كردس اب شريراز ملي ی Chaleadon میں اپنی اؤاج لیے یوا تھا بغیر شیوں کے مجور مو گیا۔اس کے إس كونى بحرى بيرانه عقا اوروسشي اقوام ك كشنتيان باقى مذرسي كقيس المذاوه تو فقط وہاں سے دیکھتا ہی دہا اور اا دن کے ناکام محاصرہ کے بعدفا قان کو وائس مونا پڑا۔ اكرمين قان كى ناكاميابى كى صريح وجو إست موجود بيلكين عيساني يورومين ورخ لکمتا ہے" اگرچ بہت می گرجائیں وسٹول نے مبادی تقیم لیکن ان کے درمیان میں مناوتينال كادالده فالرحا اسى طرح قائم رئى - يراك ورشوت عقااس مركاك والده ضلاس كمتنى طاقت على اور خدا اور اسيف بليظ ك نزديد اس كاكتنا برارسوخ بها اورتمام دنیا کے انتظام میں ان کا کتنا بڑا دخل ہے ۔ متر کا یا فی رمنا حضرت کنوادی مال کی فتح ہے ال کے بوجا دیول نے جوائ سے دعائیں کی تقیں یہ اس کا جوال تھا ادر كليما فاس إسكى ياد سالا شعيد ك دريد ساتا يم ركمى" ساله میسبن سے ہوائے نوچوانوں کے لیے جوٹا دیخ اورسیاست میں خدا ورخداکی قدر بينبراورمنيروں كم جوون كا ذكركرتے ہو معشرات ہيل وركيتے ہيں كرفيش كے فلافتة اسطرے فیصرا بن فی کے ساتھ خاموش ہنیں سٹھا رہا۔اس سے کوہ فات کے قبائل سے ایران کے خلاف سانیا زمیروع کردی راوران سے اپنی دوستی قائم کرلی۔ اس طح گویا ایا نیوں کو ان کے میں سکرمیں آدائیلی ک گئی سات بنے میں ن قبائل نے ابدي إ ( معن عصما في مين لوث ماد كى يت لاء مين الباتيه يرقبعنه كرايا -ادر ون عليه بن دربندكا محاصره كرايا - ايراني خبرل ان كامقا بديركه كا اوراس combaide medie at History volt pass all cumbridge medienal History p 296

دى عنى اس سے دة طلق ند درا يضرو بيدينك مغروران حطك و برقل نے بات كرما مين بايك ادرست دورد كرختوع وخضوع سے كريدوزادى كركے خداسى دعاما نكى ١١٠ برابراس الله الله المام مرقل ایان کے حلید دوانہ ہوا۔ اورسیزیریا (قیصریہ ) کے داستہ سے ارمینا میں اخل ہوگیا۔ خسرور دیزنے سفرراز کو حکم دیا کہ اپنی افراج کوشا ہیں کی افواج سے اللے اور پھر حملہ کا مقًا لَمِيرَ ، برقل سيزي السعمة تا بوا آكم برها ادر Nachcau نكالون يُعِبَ كركے تخت بدلیان كى طرف بڑھا - ہماں اس كاخيال تھا كرخس ويد ديزخود دياں موجود سيے -این فیج کے ایک سند کی شکست کے بعد ضرو پر دیز دیاں سے معاک کھڑا ہوا ادربرقل اس کے پیچیے شہروں کو فتح کرتا ہوا چلا لیکن انعبی شہر براز وشا ہین کی فرجبیراس کے پیچیے تحقیں ۔لدزام قبل نے کسری وایان کا ذیا دہ تعاقب نرکیا ۔ داستہ میں شاہین **کو اس** نے تشكسية ي كيكين مثر ورازى فوج كامقا بله دكرسكا ا درست اليوكا حافرا أرمينا مين كزارات سيم لاء ك بهاد كم موم ي مرقل ايوان برحماد ندار كاسلكم أدمينيا بي مين شمن كي الرائيون من شفول وا- وال يران سكيتين جونل عقر سريلنك وشريوا واورشا بمن -مرطنگ توایک لوائی میں ماواگیا اورایک ورحبرل قید بوت بوك بجا لیكن اس لڑائی سے کھونیصل دہور کا ۔اور صلاع میں مرقل نے مغرب کی طرف آنے کا الادہ کیا۔ عال اس نے ان Pontue کے اضلاعیں گزارا۔ سلطانيم برقل كى دندگى كامنايت معيست كاسال عقارتام دستى اقدام نعينى Lies Slaves L'de Bulgars Us G! Avors is آپس میں دومیوں کے خلاف ال سنے تسطنطنیہ ریمنے کی تیادیاں کرنے لگے! دھ ارائی مصىعى سا زبادْكر لى حضرو پرويزمنداين افواج كومكم ديا كتيب خاقان يورب كى طرق مسطنطنيد يحدكرت وتماينيا كويك كعطف سعكردو عنامخ الالفا فاج ثابين ادرخمر بازگ الحق مين ادهر جي بوگئين ادر جريداده ماه و در ادر جي اور جي اور جي بوگئين ادر جي بوگئين والشياك كوجك يربالكل شطنطينه كم مقاسب مين اقع سم يبرقل ين ابن اقواع كو تین صور من فشمرکیا کھر تو قسطنطنیہ کی تفاظمت کے لیے دوانکردی مگئیں ، کھرائے بعالی فیدودوده کا کی دیک نظامین کے مقابلی ایشا نے کو کھیدیا اور ابق افرائ ارقل نے اپنی الحقی میں رکھیں ۔ تقید دور کی الوان کا ذکر کرتے ہو سے

سيرة فاطمه زميرا المركومتن كے داستەس مان يدى بندگارعتن توكهيس كے كدفريادكي آه زنگ لائي اورخشركو يدن ديمينايرا برندكار عسي توكية مي بي كرصفرت مريم درصفري سيل كي مدسم قل كو فع ماصل مونی لیکن روضین کی دائے سے کسرقل کی کامیابی کا دا زاس کے مضبوط عزم اور اس کی سیامیا ند جا نبازی دفرجی بهنریس سے کی بھی بوخسرد پرد زیکا د معودج کا سلطنالیونا مے ادکان کومتزلزل کردیا - اور بھریوز وال کرکتے کی مُوست مرا - ونیا کے انقلاب اور ضا کی شاریکا نادر نوندہیں مہول عزاقا ہی میں تھا کہ اربیل مثلاث کو ایان کے ایک مفرد ان کاس انقلاب کی اطلاع دی - اورخسرو کے جانشین ۔ قباد ٹانی کی طرف سے صلح کی سرالط بیش كيں جو ہرقل نے منظوركيں مينجكه ديگرمشرائط كصليب مقدس كى دائسي ادرايراني اواج كا ہول کے ماک کو بھورد میں صروری سرالط عقیر صلیب مقدس تدورس ہوگئی لیکن شرراز ایان جرل نے جہرقل کے ماکسیں تقا اس شط کو مانے سے انکار کردیا۔ یہ صلح ستمبر الم النيع مين ممل موني - ١٧٠ ماري موس النيع كومبرقل يرفيكمس داخل موا- اور صليب مقدس كواس كى حكمه يركيرواليس لكا ديا-اس آخری جنگ میں ہرول کامیاب تو ہوگیا لیکن بہت نقصان کے ساتھ یزاز خال موليا يبست سي ومي مركب من مدامني ماكسين عبل كني اوروستى اقوام في اسيوم منطيخ ديا-اسيين في بغادت كرك دورون كونكال ديا -اس طرح اسيين دوس مبارس نكل كيا وصفى قوم إمباء و ( aboral mod) في رقيف كرايا - اورديوب کصووں کوسلاور (Slaw 5) نے جین لیا-ایان ورد مای صدیوں کی جنگ اس طرح بهیشد کے لیے حتم ہوکئی-اب ایک تیسری طاقت بساط تاریخ بدار دار بوائی بصب ان دون کی مستی اوران کی مران عدادتوں كا بميشركے اليے خاتركرديا - يبطاقت عرب كسلانوں كالمى -سرقل کے بعدالمیا رمیں مرامنی عبیل گئی کئی دعو مداراب لطنت بریدا موکئے مرقل کی بیوی اس کے بڑے لڑکے اور دیگرلوکوں میں اسپ میں شکسٹ شروع بورکئ کے رعایا الكي معاف بوكني كي دومري عاف مرقل المسالية مين مركبا ميرين المانية السيرية و المركي مصر مرفع بوگي على وور بكر الكي أوريه بدامني اور كمزوري بي عووب كي فتح كاموتب بولي اب ہم کیم حال ایران کا سنا تے ہیں۔ دوم کی لڑائیوں کا حال تومعلوم ہی ہوگیا اور

دا وفراد اختیاری رای کے بیدان قبائل نے ہرقل کے ساتھ مل کوطفلسر کا محاصرہ کیا۔ برقل نے محاصرہ کا کام ان قبائل بیجیوڑا اور خود دسکیردی طرف بڑھا۔ بیمگرا یان کے دارا تخلاف مدائن سے صرف ، اسل کے فاصلہ پھی حب مرفل دریا کے داب برآیا آ ايان في كى وجر سيداس كوعيد رزكرسكا ودر مقام بنوايراك جناك عظيم واقع بولى . (١١١ رومر يوسي ايراني جرنل داه زاده توماداكيا لكين اس كي وزج س البترى مني بڑی-اور دہ پیچے مرف گئی-ادر بھران کے یاس اماد بھی آگئی- برقل آگے بڑھا-ا درشر و برویز دستگرد کے ایس آن کرمقیم مدا لیکن اس سے دل بیمرقل کا مجاسیا رعسيه يجها ياك ده اين في كرحيور كريهاك كيا - اور سيلى جورى معادة كوسرول بغیر فراحمت کے دیکیرد برقبضہ کرایان فرج اس طح نسیں بھائی بلید بھے مث كرمرول كا داستها في جانے كا دوك ليا رضروك اس برولان فعل سے بى كى رعایا سی بست به دل عمیل ملی ادر اس کا رعب جا تا -جذری معداد و درقل دستگرد مائن كى طرف برها ميروان صصرف مراميل ك فاصلى برها كرج مراول آساميا تقا ده خبراا یا که ایران افراج کی موجود کی میں نبروان کرعبور کرنامشکل او کا میرول جی کھے معذظ مالت میں زیرا ۔ رہمن کے ملک میں اپنے وطن سے بہت دورا یوانی اواج بادو الرف يْرى ول اور شريا ومرس ايى في اليه وسيرا الله برقل كويم ك طرف مع الما الديشة تقاراب مرقل ييج منف يرمجود إوارم ط كركنزاكا ين كايا (11,115 0112)

خرو کی مکسے برول کی در سے ایک بینادت میل کئی اور یا غوں نے اس کو قيدفاندس دال دياراس كس سع الوكون كواس كما الفقتل كرك اسكا بعى كام تام كرديا واسطى آخركارا يان كياس تهنشا واعظم كانجام بوايس كانام فاری ادب میں شوکھ دولت کے لیے ضرب التل جلائا تا ہے۔ ضرو کا تھوڑا سندیز اور روى خو لصورت بوى مشرى، فادى كم شعراى الك خاليون كے ليجميني تخذمتن بن بور بي - يدى شرب بحس كعنى مي فراد ففرك ومدي بيا وكوكاك كردددهك بنرجادى كالتى كيكن خورين دعده مصعيركيا وادرشرس كوفراد ك وال دريا و فراد في ايك آه كي اورص عيف سعيا وكو كافا تقا اس كالميادي

ایک انگریزمورخ کی داسے یہ ہے کہ اگر ذمی قار کی لڑائی میں ایرانیوں کی فتح ہوجاتی تہ عوبوں کو ایران کی اوائی میں مے انتها دستواریا ب بیدا ہو جائتی ادر بست مکن سے کاسلامی سلطست كي توسيع مزموتي اور ده ختم موجاتي هاله حب طرح برقل کے مرائے کی بدر شط نطفیہ میں طوالف الملو کی شروع ہوئی اسی طرح مرائن مین خسرور ویزکے مرف کے بعد فقع شرع ہوے اورکئی با دشاہ مقورے تقوراے عصب ليحتف يبيه في حضروبره يذك مرف ك بعداس كابياً مثيروبيا قبار يحت النفين ہوا۔ اس سے دومیوں سیصلح کی اور مرکبا بھراس کا سیرخواد بچاروسٹیرسوم کے نام سے تندیج بينها دياكيا -اس كي تحت يربيقي مي خزرون سن تركستان اور آرمين برحمد كرديا مسيرا لار عشرياز كوشكست بوني ليكن اس في مرقل كي مددست بجير وادف هايون كوتنسي الدايد اورخودبادشاه بن گيا صرف چند عيين بي سلطنت كي تقي كرانيون في استقل كرديا -سرمزد جادم كايك يوت مروسوم في اسان من ايني ادشامت كاعلان كرديا واور ملائن میں اس کی بہن بوران دخت تخذیشین ہوئی۔ اور دہ مخنت سے آثار دی گئی۔ اس کی بدر اس کی بن ادزمی وضع ملکسنی - دوسری طرف خسرو پرویز کے ایک بوتے ہرمزد جم نے اپنی ادشام ساكاعلان صيبين ( Nasicon) مين كرديا ليكن مسايع سي البين ستخت سے الدر شراد کے بیٹے ہزدگرد سوم کو تحت بشین کردیا۔ یہ وہ ہی بادشاہ ایان ب حس مساع دول ك الرائي موني واس كوعوب مسطىست ديكسية وي عال كيا الزكار سمسالة مين بواكيا اور ماراكيا - غالبًا اس دميقان ك ماداحس كيها لأس خماكر يناه لي عني اسطى مامانيون كي استطع الشان لطنسك كاخاتمين اج تقريبًا تام راني دمياي كسى زمانے ميں حاوى موجلى على - اورسب مسے ردما نوى شنشا دى مى كرز در براندام سكتے -ایان وشطنطنیه کے میچے حالات معلوم ہونے سے ناظرین کو جنگها کے عرب کر سمجھتے ہیں لله اوريداوم موسك كاكروون كمامن اسي علدى يددون الطنتين كور المئين اس زمانے کے بورب وافریقر کے حالات ہم کومعلوم ہوگئے جب ہم کور ومانوی لطنہ حالات سے آگاہی ہوگئی اورالیشیا کے حالات معلوم ہو گئے بجب ہم کو ایرانی حکومت کے حالات سے آگا ہی ہو نی کیونکراس زمانے میں بھی دو لطنتیں ہد زیدنیا پھاؤست کر بھی ہی History of Persio by Sypes vol T p 522 allo

ایک شخص نے دل سے ضرویر ویرویز کا دہمن تھا لیکن عدادت کوظا ہر نہیں ہونے دیتا تقا بخسرو بروزیز کے سامنے حیرائے باد شاہ نعان کی بیٹی کے حمن کی بہت تعربی<sup>ن</sup> کی۔ ادراس کواس بات پرآماده کیا که ده نغان سے اُس کی میٹی کی جواستگاری کرے ۔ و ه جانتا تقا كه نعان انكادكريك كا كيونكروب ايني اطاكى عنيركفو ميرينيس دياكرت يقيص كي وه سرافت و تجابت مين اين برابنس مجت عقد ودراس طرح لواني موجاكي بينانير السامي موا بعان في الكادكرديا-اورخسرويرويزف ايك في اياس بن قبيصر في المحت تعان كے خلاف روانه كى ينعان كويد خراكى تو وه قبيلة شيبا بن ميں جلاكيا واوراس كے خرار ہان کے پاس اینا ساوا ال دمتاع اما نے میں رکود یا بغان خود خسرو پر دیز کے باس معددت كي يه ما يكين خسروير ويزف اس كوفتل كرديا - بنوشيبان كوعم دياكنمان كا خزار اسے دیدیں عرب امانت کی ایما نداری کے لیے شور مقے - انفول نے انکا رکیا -اس برجا لیس مزارکی فوج حس میں عرب وارانی شامل عقے ان کی سرکوبی کے لیے دوانہ كى كئى -ذى قارير أخرى جنگ بوئى - ايرانى فرج كے مارسى وب دومرى طرف علے سی اور ایرانیوں کوشکست فاش ہوئی ۔ ان کی ساری فوج سے مگر سے کر دالے كئ - يرجاك ذى قاداس دقت داقع بونى كرجب أن صرت كى بعثت كاشوع بى ذمانه تقاراس الواني كمعلق ايكمسلمان ورخ كى بردائ ي كداكر ذى قارى الواني نهوتى توبهد يمكن تقاكدايران كى فتح مين سلما ذر كو دفت كاسامنا موتا ميهم

مماله ايران ياستان مولفه خليل الرحمن صفال

ظلم كى بهبت مذمت كى كئى سے داورظا لم كوملعون خداكالقت يا ہے -ظالموں كے حق ميں بينمبرون كى سفارتنات بمبى نِرْمَنَ خِائِين كَى - وَلا تُخَاطِ بُنِيُ فِي اللَّهِا بُنِ قَاظَلُوُ النَّهُمُ مُغْرَقُونَ ٥ ١١ = ١٣٠ ظالمول كاتو ذكرهبي منكروب تويقيني م كدوه غن موسك الحاركا كياحال بوكاجن كي مفاوش كرف سے بيغير بھي دوك نيے كئے ہي ماللقا المدين مون حَسِيْمِ وَلا شَفِيْع يَطاع من ١٨ م تياست ك دن ظالمون كا دركون دوست اوكااور منابيها شفاعت كرف والاحس كى شفاعت أن حاسك " وَ تِلْكَ الْقُرَى الْمُلَكُمُ فَهُمْ لَتَمَا ظَلَمُوا ١١: ٥٥ - "اكرا ري ومظم كرا للى توان كىستيا بالك بوجائين كى" ادرابيا موچكا ب ادراب مجى موريا سے - إنّ الله لَا يَعْفِينُ أَنْ لَيُشْرُونَ بِهِ گنا ہوں کے بختے جانے کا امکان سے لیکن شرک سی صورت میں ہندی مجتا جا الے گا " كيون شرك كياب - كانتُ وك بالله التال التي لك لط لم عظيم اس سرا-ظلم كياسي - مال ودولت رحكومي رعوت عظميد وطاقت بين جوح عب كاسب دهاسكو ندویا جاسے میں ظلم ہے - سرک کیو نظلم مے اس سلے کرمشرکین خداکواس کے درج سے گراتے ہیں۔ جب عرب وعظمت و حکومت کے وہ لائن ہے وہ اس کوہنیں دیتے۔ خداساری مخلوت کا تمنا مالک سے راورس کا انتظام و واکیلا ہی کرتا سے معترکمیاس کی مكوسي دومرون كومرك كرت مي - كية مي كدوه تها انتظام منين كوكا - اس ما عذاورون كو ملادية مين يونكه و وظلم ب اورضداكي ذات كما عظلم ب- لهذا مونين بنام الما أو وُ الْمِكْيَانَ وَالْمِيْزَانَ بِالْقِسُطِ وَلَا بَعْفَتُ وَالنَّاسَ الشُّيَّاءَهُمُ ١١: ٨٨ وَالسَّمَاءَ رَفَعَهَا وَوَصَّعَ المُنْزَانَ ٥ أَمَّا تُطْغُوا فِي الْمِيْوَانِ ٥ وَ إَقِيْمُوا لُوَزُنَ بِالْقِسُطِ وَكَا تَخْنِيرُوا لَمِيْزَانَ ٥٠،٠٠،٥٠ وَلَقَانَ آرُ سَلْنَا سُ سُكُنَا بِا لِتُهِيَنْتِ وَآنُوَلُنَا مَعَهُمُ ٱلْكِتَابَ وَالْمِيْزَانَ لِيَعُوْمُ النَّاسُ مِا لَفَيسُطِ ١٥٠٥٠ ان آیات کو عورسے پڑھنا چاہیے۔ ناپ تول سے طلب فقط کیرے اور دال جانول كى ناب تول منيس سے مان كا يطلب سے كه لوگوں كے حقوق ان كود و حو نضائل و خصائل سیمین بین ان کا اعتراف کرد- اوران کےمطابق ان کوتفظیم وعرب دور

جونکہ ہم کو نگلت فی مندنت ن سنعلق دہا ہے۔ لہذادل جا ہتا ہے کہ اسلامی تا انتی کے اسلامی تا انتی کے اس کے صالت کا بھی ذکر کریں لیکن ان کا ذکر ہم آن صفرت کے سوانح حیات ہیں کریں گے۔ جناب فاطمة الزہر اصلوات انتر علیما کے سوانح حیات ہیں ان کا ذکر غیر تعملق ہوگا۔ یمعلوم کرنا فالما ادبیبی نہو کا کہ عرب ایران و روم پرجناب فاطم کے حیات ہی ہیں حکم کردیا تقالیکین وہ حل مذہب کی تا سید کے لیے دتھا طبکہ اپنی سیاسی وجوہ وصروریات کی بناوی تقالور مذہب کے احد اور مذہب کے اس قوم برجغیر اصول کے فلاف تقاصی کو میں خواہ وہ قوم کا فرہی کیوں نہ ہو۔ بغیر فصور کے حکم کردینا اس کے فصور کے حکم کردینا میں بات نہ کا سلام کی۔

پاپ نسب ودوم نمونهٔ عمل

ہرایک مذہب ادرتام مکل کے اخلاقیات نے علی ہی کوانسانی زندگی کا احصل محمیا ہے۔ یہ دنیادارعل ہے کئی مذام سے کئی مذام سے تو محمیا ہے۔ یہ دنیادارعل ہے رساری تعلیم وتربیت کا مقصد درتی عمل ہے کئی مذام سے اللہ کا دکرا بن تعلیم سے کال کرمحض علی کو مطل خیات یا ندوان مجما ہے ۔ سے کل سے فلسفیانہ تخیل میں سے کال کرمحض علی کو مطل خیاس یا ندوان محمد واحد اور مختل میں سے دارتعلیم د تربیت کا مقصد واحد اور منتها ہے آخر کیرکیٹر کو قراد دیا ہے۔

 ميرة فاطمد زبيرا

وَالْيَوْمَ الْلَاخِوَ وَ ذَكَرًا لِلَّهَ كَثِنْيُرًا - ٢٣. ٢١ ان آیات سے یہ اصول علوم ہوگیا کھل نیک کے لیے پیروی بادیا ن بین فرری كتاب التكر محض اعتقادات كے ليے ہے عمل كے ليے قران ناطن كى ضرورت ہے اور صول جنت کے لیے ایان وعل دونوں کی خرط سے۔اب بیعلوم کرنا باقی رہ گیا کہ وہ کون لوگ ہیں جن کے عل کی بیروی صروری سے اورکون لوگ بیروی کرسکتے ہیں جبروى كرا بى نواب يا دى دين كى بيروى كوصرودى ندعجه دهكيا بيروى كيك لمذامعلوم ہواکہ دسول کا اسورُ حسنه ان لوگوں کے لیے نفع بخش ہے۔ (۱) جو خدا کے اوپر اعتقاد کا مل رکھتے ہیں ادراس کے دعدوں کی اُمیدیر زندگی سرکرے ہیں (ع) قیام معیر ایان ہے اور (۳) خدا کا ذکر کشرے کسا تھ کرتے ہیں۔ اکثر سنے میں آیا ہے کہ اگر تم ينيال كروك كرجناب سول خداك تام صحاب اسوه رسول مين دنكم موس اور لا بن بيروى مذيحة تورسول خداير سالزام أسط كاكران كيعليم وسحبت مي الزيز تقاعا لبًا يه بزرگوارملائكه وقرب خدايرسي اعتراض كرتے بين كيونكرية وسلمن كرالبسي اوجود اس دیرمین صحبت و قرب کے اللیس ہی رہا۔ ہبرصورت بہ ایا تاس من اعتقاد کی اوری تدديدكرتى بين - كا بل ايان والول بى كواسو أه رسول نفع د مصكتا سيح ي كا ايان كا بل منها - ان كوصحبت دمول نے كھ فائدہ نرمنا اب دمكيتا يہ م كه دهكون لوك بي جي عل کی پیروی ضروری سے ایک صاحب فے دو در ان کاسخیل در ان صامت و دران ناطن کے علے سے نے کوایک کا بھی ہے جس کا نام سے دو قرآن اس سے اتنا تو ثابت ہواکہ دو قرآن ہوسکتے ہیں لیکن ان بزرگ سے دومرا قرآن ادنس، میر جنونی کو سمجا ہے۔ اوران چیزوں سے معرف الهی حاصل کرنے کی بدامیت لوگوں کو دیتے ہیں۔ اس میں مجھوشکنیں کر عوز وفکر کرنے والوں کے لیے سیمفانظر مدائی برسے سبق ملتے ہیں کن صحیفا نظرت میں کتاب صامت سے - فرض کروز بدکواس کے دوستوں نے دھو کردیا یا حكومت كى الن ساس بيجر موا - رشته دارون في دروسى كى يا موت في اس اس كا ييا دالوكا حقين ليا - لوكون في اس كى على أداد عضب كرلى مند يد سوحيات كرس كياطرز على اختيادكرون يحبب مصائب جادو لطرف سي كميرليتي بين تو دهمجمتا سے كدان ميں مركزنا انسان كى طاقت سے إسريم يعبن دفعه يهي خيال مواتا يد كراتا يدخدا مي منسي ورد

ادران کوان کے مقام پر کھو۔ وَکُلا تَغِیسُوا لَنَّاسَ اَشْیاءَ هُمُدُ۔ یہ بین کسی بیغصراً ہُا۔

یکسی اوراغراض کے لیے اس کے نضائل کہ جبیا ؤ۔ اور دوسروں کوجان سے کم علم فیلیت رکھتے ہیں ان پر ترجیح دو۔ عقبیٰ و دنیا کا ما بدالا مثیاز ہیں ہے کہ حشر میں ، آخر حین مطلق طلم نہ ہوگا۔ اَلٰیوْ مُر تُحیُونِی کُلُّ تَفْسُ بِیما کَسَبَتُ طَلَّ ظُلْمَ الْیَوْ مُر بِیما کا جہر مُرکا۔ اَلٰیوْ مُر کُلُونِی کا برار دیا جائے گا۔ وہن کا اس کے کے کا بدار دیا جائے گا۔ آج کسی پر کھوبی ظلم ذکیا جائے گا۔ وہن کے اس تعرف کو ایک اس کے کے کا بدار دیا جائے گا۔ آج کسی پر کھوبی ظلم ذکیا جائے گا۔ وہن کے اللہ علی اس کی عدل کرنے کو اُل کے قوامِ اَن کَفْتُونِی وَاللہ وَ اِللّٰ کُلُونِی اِللّٰ اِللّٰ کُلُونِی اِللّٰ اِللّٰ کُلُونِی اللّٰ اللّٰ کُلُونِی اِللّٰ کَا اِللّٰ کُلُونِی اِللّٰ اِللّٰ کُلُونِی اِللّٰ اِللّٰ کُلُونِی اِللّٰ اِللّٰ کُلُونِی اِللّٰ کَا اِللّٰ کُلُونِی اِللّٰ کُلُونِی اِللّٰ اِللّٰ کُلُونِی اللّٰ اِللّٰ کُلُونِی کُلُونِی

ی و معلوم ہو گیا کے صراط سندیم کیا ہے۔ اب سوال یہ بیدا ہوتا ہے کے صراط سندیم کا سے۔ وہ کسل طبح تلتی ہے۔ دو طرح سیملٹی ہے۔ ایک تربتا نے سے کصراط سندیم کیا ہے۔ وہ قد قرآن شریف سے دو رہے یکا در لوگوں کے مطابان می کواعتقاد رکھنا جا ہے۔ دو رہے یکا در لوگوں کے علی کتا ہوا در کھیں تاکدان کی پیروی کرئے ہم بھی دلیا ہی کریں۔ یہ قرآن شریف کا کا م انتیں ہے۔ اب بادیا ہوگائی کی صرورت ہوئی۔ اور خلائے کا نے اصول قائم کردیا کہ سین ہیں۔ اس سے اس کی میں کے اور علی کی نے اور علی کھی نیک ہوں کے دو لوگ جن کے اعتقاد اس سے ہیں لیکن علی خواب ہیں یا وہ لوگ جن کے عمل نیک ہیں انسان میں اعتقاد اس در مساندیں ہیں۔ وہ جمہہ سی واضل نہ ہوں کے۔ جباں جباں جن سے کھنول کا ذکر ہے دہاں ہوں کے حباں جباں جن سے کھنول کا ذکر ہے دہاں یہ فقوہ قرآن شریف میں آتا ہے۔ کا ایکھا آلیوں نی امکوا و تعملوا کی صرورت میں اس کے حباں جباں جن انسان کی صرورت میں اس کے حباں کی انسان کی صرورت میں اس کی صرورت میں اس کی طرف اس کی میں میں در دو تھی۔ جنا کچواس کی طرف الله میں کہ میں کہ میں کہ کرتے کی کھن در دو تھی۔ جنا کچواس کی طرف انسان کی کھنے دورت کی میں صرورت میں کہ میں کہ ہیں کہ کہ کہ کو انسان کو گئی گئی کھنے دورت کی میں کہ کھنے کرک کھنے کہ کو انسان کا کے کہ کو انسان کا کی کی کی کھنے دورت کی کی کھنے کو انسان کا کو کہ کو کہ کو کہ کہ کہ کو کہ کھنے کہ ہوں کہ کے کہ کو کہ کہ کو کہ کہ کہ کو کو کہ کو کو کہ کو کو کہ کو کہ کو کہ کو کہ کو کہ کو کہ کو کو کو کہ کو کو کہ ک

بہت دورجلا جاتا تھا قبل اس کے کہ وہ دشمن اس کے رو کنے کی ترکیب سوچ - جا اس بى اصول يمنى مے ده اس بى اصول يمنى مے اخلاقیات کا جان کا تعلق ہے یہ لاگ اس طرح بحث کرتے ہیں کہ میں قرائن ادر دا تعات سے معلوم ہوگیا کہ بیہاری مالفت کرے گا۔ لدنداہم نے اس بیر موقع اى نبير، يا قَتْلَ الْمُؤْدِي فَتَبُ لَ الله يُذا إن لُولُون مِن المصول ہے اسکیں اویان دین کا ورجاس سے بلند ہے ان کے زویک فشل املو ذی قَبْلَ الْحُرْثِينَ إِكَامُولُ صرف رُسِيع الدرفط ناك جانور ول تك بي عدد ہے- اناؤں برماوی نہیں وہ کتے ہیں کرانے قیاس سے سی کو ازمانیں بنا سکتے انعنا فاجرم سے پہلےجرم کی سزانہیں دے سکتے کیونکہ مافورمض ابنی عادت یا الم السان وعلى كا الم - وه ضرورة السال المعلى السال وعلى كالى ہے۔ پیقینی نہیں ہوسکتا کہ وہ ضرور ہی ہیں نقصان بنیا ئے گا ، یہ امکان بمرصورت باتی رستاه که شاید آخری وقت مین اس کا الداده بدل جا آمادر وه جرم نه کرایشی نطرت كى دوس صفرت يقوب كاكمان غالب يدبوسكتا تقاكه عفرت دوس كو ان کے بھا یُوں نے قتل کر دیاہے . لیکن ان کے قتل کی مزانتیں دی اور اپنے ك ن يرعل منهي كيا جنائي وه كمان غلط ابت بوا مضرت على كومعلوم عمّا كاب هم ان او قال كرے كا - روايات محمد سے بايا جا اے كر مضرت على في عب كى دفعہ ابن محرس كماك ايك زمان آئے كاكر واپنے مائد يرك خون سے رنگين كرے كا-توا بن المجاف كما كراكي ب توآب عبكو بدلي سي قتل كيون نيس كر ديت فراياكم جرم سے پہلے سزانسیں دیجاتی - الوائیوں میں وجیں سائے کودی ہیں مقین ہے كداوان موكى دليكن ان بزركول في معلى على حد نديس كياجب مك كديدا تيروهن ی طون سے ندا کی مسلم بن عقیل ای سے گویں جی - د مال سرکی ابن اور جو اسيم سفي اكر فهرب اور بهار رك . وربات ارسوخ آدى عف ادرابن رياد ان کی بست عزت کرا منا-اس فے کمال میں شام کو تقاری عیادت کو آؤں گا۔ شریب ابن اعور نے مسلم کو پردے کے نیکیے جہیا دیا۔ اور کما کیجب عبيدالشداين زيادة ماك كالمرب إس بيق كاتوين إنى المكول كالمرم فوراً

mml

خیال تفاکد دنیایں مادہ کے سوائے نہیں جسم کے ساتھ دو ح بھی مرجاتی ہے۔ يه دونون فلسف حشرونشروحيات بعدمات ك قائل سنقي - لهنداي مجبور تھے کہ اسنان کی حیات کو دیناہی کی نر ندگی تک تھے رکھیں اور انسان کو ایسے طرز على كى تعليم دين جوص دنيا بى كى زند كى مك محدود سب دنياكى بي ثنانى اوراس کے دی خ وعم ف ان سے و ماغ کود ومتضادراستوں پر والد یااوراگر لکے نقط بكاه سيجث كي مائ تودونون درست تقييبسابان بنين يشرونشنبين. ی دنیا ہے تھکوں ماس سے سرنطف سے بسرہ الدوز ہوں ۔ایک تو پہستانونی دوسري بحث يدسنې که د ښاي جولطف د در ايوگاده سيج بوگا ، کيول که اس کوتيا منسي ا وداس کے ساتھ بھی و نج کی میرش ہے۔ لمدا ایسی سے سے فرکاد رکھنا باسونے جوكله يه دومتضا وجيش بين اويعقل الساني كيدوست دونون يح معام بوتي بين -اوري عض ايك بولام تونيتم كاكرس اصول بريد دواون عي قاعم بال علام ية و دان الشين اس اصول يرقائم بين كه اس ندكي سك بعدد وسرى زير كي نبيس الهذا وه اصول فلط أنابت بوار باطل معن شيس معد اب عيسايت أن عيسائيت ميا بعد مات كى قائل م ولكين حضرت عيسى كواتنا موقع سرملاكدده اين مذب كواتنا کواینے جانشینوں کے ول میں راسخ کرتے۔ ان کے بعد جو زرمب عیسایت کے شاد أست وهسب يونانى فلسفرس متا نربوك الدا كفول في ان دونول فلسفول كو است ندسب بین ای ارجد بات کوالفول فی بدان مک مارف کی کوشسش کی كمورت وايك والمحمد اس كاساية كناه پيداكرتا ب -اس سي بينابي نات كا ماعث مع لهذا الفول في تعليم وي من من بنا و الوشادي فرا جا ميد اور کنوارای رہنا جا ہے ان کی خالقا ہیں تعمیر دوئیں۔ کنوارے مرد اور کنواری عورین على و على و خانقا بول من ريخ لك - يهال تك من Stoce is m چونکدیه خلاف فطرت یما- اعین نفی تعلقات مرد ادر بورتوں کے ہونے لگے کہ ان کی خانقابين بمنام مون لكين الفول سال مين ايك ونعيرسم بهاري مردوي رتون كالك الشركة بن قائم كيارس من أو وب شراب بيلي تھے۔ ناچتے تھ الكاتھ اورجبدات كي باده بجقة قور أسبيراع كل كرديه مات ته وادر

آن کر قتل کردینا بینا نجه ابن زیادآیا . شریب ابن اعور نے گئی دفعه یانی مانگا پیزشها بھی پڑھے جن میں اپنی عمید بہ کو آنے کی تاکید کی تھی ۔ اشارہ یہ تھا کہ مسلم آن کرمن کر دیں ، وہ نہ نکلے ابن زیاد چلا گیا ۔ شریب ابن اعور نے مسلم سے دیوکا کہ تم نے کیوں نہ است قتل کی ۔ انفوں کہا کہ حضرت علی فرمایا کرتے تھے کہ دھو کہ سے آل زنا ہما کہ حضرت علی فرمایا کرتے تھے کہ دھو کہ سے آل زنا میں کیا۔ سما درصائز نہیں ۔ ارزا میں نے اسے قتل نہیں کیا۔ مدالے من مسبب کے ضلاف مع اورصائز نہیں ۔ ارزا میں دفت عبدیا الشد ابن زیاد دیکھنے خود منظلوم بننا گوارہ کیا۔ طالم نہ سبنے ۔ اگر اس دفت عبدیا الشد ابن زیاد کو قتل کر ڈوائے تو کر بلاکا نقشہ ہی بدل جاتا ۔

لبندا بادی عمل کی ایک شناخت پیمی ہوئی کداگر واقعات المیسے ہوجائیں کہ یا ظالم بنویا مظلوم تو وہ مظلوم ہونا پیند کرے مظل کم نہ سینے ۔ حکما و بنی ندع انسان کا یہ صفقہ فیصلہ ہے اور ہمار اروز کامشا ہو ہے کہ و نیا میں ریخے والام ومصائب بہت زیادہ ہیں۔ کا مل خوشی تومعد وم ہے۔ اور اگرچہ

داحت ب توبسن قلیل آدیوں میں نهایت فلیل عصد کے لیے ہے اور انجام کارمرزایک کا ریج پر نتیج ہوتا ہے جس لے موت کا نظارہ دیکھا ہے واس کانوا

معمشا ہرہ کیا ہے وہ ہماری اس را ب سے تفق ہوگا۔ غالب نے کیا خوب

قید حیات دبند وغم اصل میں دونوں ایک بیں موت سے بیلے آدمی غم سے نجات بالے کیوں

پیصروری ہے کہ وہ ایسے ہوں کہ جن پر مرتسم کی صیبت جوانسان پرٹرسکتی ہے یرے مصیب کا کوئی شعیہ غم کی کوئی ستم یا قی دره جائے تا کہ سرخص رہی تصیبت میں ان کی دسی ہی صیبت سے سبن حاصل کرے اور ان کے صبركو د كيوكراس كا ول صبرى طرف ماكل بور اسالم كى قيامت كر آخوالى نسلوں کا بادی اور رہنا بنا آسان کا مہنیں ۔اور اس بوتہ میں سے گزرنا برایک کاس کی است سنس - بقول شاع سه جوبرجام جم ازطينت كان دكرمت توقوقع زگل کوره گرال می داری لدذا باديان دين سي سيرنايال مصوصيت بوني جاميع حب سے ان كى شاخت موسکے کدان پر دنیا کی سرقسم کی مصائب بڑیں تا کیہ (۱) ان محصبرے لوگ صبر کرنا سیھیں اوران کی مثال ڈیر نظر رکھ کرکسی معيب مضطرب ومجنون من موجائين جب اليف اور معيس ويست ويفال كرك دلكونسلى د عليس كرجاد عاديان اورا مامول يراس سے ذياده وين ان كصبراور استقلال مزاج سالوكول بإن كادرج عيال موطائي رس يو كيمصيبيد كوضوا وندتعالى سفايان كميا كال امتحان قرادديا ہے اسلان کی صبیعت کی وجہ سے ان کے ایان کا درجمعلوم ہوجا نے -(١٧) وكرن كرسبن حاصل موجاع كرصيبت ك الدركيا طروعل فلياد كرناجا بيد . ظالم سيكس ف تك اس كظلم كالبدلاليا جاسك كب فالوش بوعا ناجاب، فداكم عدل اورحشر ونشركا اعتقا وكسي صورت مين متزلزل اور معبى إديان دين كى شناخت كم طريق بين وان كاعلم ادرهم الإن ا يهين، زبر وعادت الياصف اله داسك مرايك عض عدليادة مونا جاسي - درنه وه اسيخ سي لأماده علم وايان وعل الدكام منس بن سكة. ان امور ومشرا كط كومد نظر د كاكر صاحب عيال بوجا تا هي كراسلام مين

جرعورت جس مرد کے ہاتھ آتی تھی خوا ہ وہ اس کی بین ہویا اس ہواس سے مہاشرت کتے تھے ا فلاطون کتا ہے کمیں نے ان شنوں کے موقعوں پر اٹھنٹر کیے مہاری متنفس م بشراب سيمنور إيا انسان مصائب وآلام كوس نقطة نظرت وكيمنا جاسية ا در اس میں اسان کاکیا طرز عل ہوناچا ہیئے ۔ دنیا اس مسلے کو ابھی پہلے علیقر سے حل ذکر مکی ، اب اسلام آا اے راس نے حشرونشرکی نہا بہت سختی سے تعلیم ی اوردئياكومزرص تخرب قرارديا- دنياكى كوفى حيثيت بىنسين ما كل ييج به اگر آخرت يرايان نه جواورد نياكومرده اخرت نرجها جائ -اوردنيا سب بي بي الرائزت برايان هي اور د نياكومزرع أخرت مجهامًا هي ويلي ومعرب كويوناني عكماء مل فركسك موب كايك ائى بنى ليكيسى وبصورتى سے صلى كرديا بل كى كى تعلیم دی که مصائب میں صبر کر د- ہر صالت میں خدا کہ تحادر طالق و عاد ل جو آخر کا لم يرمنقال دره كيراريمي ظلم ذكيا حاسط كالبحشرين ابساميزان عدل ركها جلخ كا كنظالم سے ذرہ ذرہ ظلم كا برارولاد يا حالي كا يمان ك كدان مصائب كوايا كا محک امتحان قراد دیا گیا۔ پر نتیمجھ کر کم نے کہ نیا کہ بیم سل ان ہیں اور تم مومن سمجھ کے سم فے بیل امتوں کا بھی امتحان لیائے۔ مقاد بھی امتحان لیں گے کس جیزے۔ بوک سے ، مال وجان کے نقصان سے ، خراب کے نقصان سے ، اورجمبر کرے گا،اس کو اے رسول بٹارت دیرعے کسیا صبر مصیب کے وقت اس كاايان متزلزل مر مو اوروه فوراً ول مستكه دب إنَّا يِللهِ وَإِ تَا النَّهِ رَا مُنا "ہم ادر جاری ڈندگی ضدا کے لیے ہی ادر آخر کا دیم اس کی ہی طون عود کریں گے" ية وتغليم هي ،عقاله تك محدود على طريقه بناديا كيا- بيبناديا كم صبركس داعى مالت كرا عربه اچاہي مصيبت يونى سے رحب كوئ جادہ سيس تو بدانعن كرنى بى يرق ب و مصرفين ب يصريه ب كه مرصل مي مذاكوفدا مجمع بنوش سے بردانشت کرے مداکرعا دل محبر بردائشت کرے -اور کوئی الیا فعل شکرے جوایان کا مل کے خلاف مو عمل کرے دکھا ناضروری تھا۔ وه كوك كرس ، وه باديان دين المداسلام كري ، وه كيس بون حيا ملي -

سيرة فاطمه ذبثرا

mma

اپنے حقوق چھوڈ دیے۔ تلوار شاکھائی۔ سبت سے واقعات ہیں۔ ہم کن کن کا ذکر کریں ۔ امام حسن نے جب دیکھا کہ اب معاملہ ذاتیا ت پراٹیا فرید لڑائی سے اسلام فسلما نوں کا خطرہ ہے فوراً دا من کو حکومت سے جھا کو کو عینی دہ کھوٹ ۔ ہوگئے۔ دیکھ لیا کہ اب یہ حکومت دیکھنے کے قابل نہیں ۔ امام حسین نے جوکب اس کے سب قائل ہیں۔ سادی آکا لیف اکھائیں۔ گھر لٹا دیا۔ یزید سے بعیت ندکی جب ہی قولوگ معترف ہو سے کہ سے

سرداد ندداد دست دردست ننید والشرکه بنائے لا الرسست سین

مین کوسے آخری جادکر کئے تھے۔ ابذاان کے دبدج المر آنے ان کے الي جباد كاموقع نمين والقارلين الفون فيكسى الم مجركى بعيت بنين كى ادر نرکسی بادشاه سفان سے سجید طلب کی اورسب سے بڑی بات جو ہے وہ یہ ہے کہ اوج دحالات می لفت ہونے کے انفول نے تعلیم اسلام کو جاری رکھا ان س سے ہرایک کا دروازہ ہدایت کے لیے کفلا دہتا تھا اور دہ مرج خلائی کتے ۔ اِس علانیہ دلیرانه تقلیم اسلام کا نتیجہ یہ تھا کہ ہراکیں، ہا دشاہ ان سسے خالف دبتا تقا ادران كامخالف تقاء ان مين سي كوني اين موت بنسي مرا-سرایک باوشاه وقت نے کسی نرکسی طرح قتل کیا- انفوں نے قتل وقیرخانه كر مصالي بدواست كيلكن تعليم رسول كو زجيوارا ، جو بدايت كادرج بناب رسول خدان كي مع ركر كي عقد اس برقائم له سب - اين حكر كونه حيورا كيا كهيں اور السي مناليں مل سكتي ہيں ، كيا بيمكن فذعقا كر اس طريقة كو تھيور كر بادشارہ وقت کے دستر توان برجا بہنے اور اس کے مصاحب بن جاتے وہ مامی وظیف مقرر کرے ان کو بنا بیت خوسٹی کے ساتھ اپنا غلام بنا لیتا۔ و واپنی لطنت كى طرف سي طمئن إدجانا اورير اين جان دمال و آذادى كى طرف سے -ونیاوی تروت وعودج کا زما نه کها نهبت مرسے سے زندگی گزری کیکی انوالے جانشيني رسول كومصاحبت با دخاه يراور اخرت كودنيا يرتر بييع دس كرشابت لردیا کرج بینام أن کے حد بزرگوارلائے سقے دوداقعی حق برسنی تھا۔ اور بد

آل مضرت كے بعد باديان علم وعل كون مق قرآن وحديث سے تو باد با نا بت ورج المرام اين تصنيفات بين احيى طرح ثابت كريكي بي كما دبان اسلام كون عقر يهان المرولوان بالون كود مراسة مسطوالت موكى -ان كوما سن دو اور جو کچوان کے سوانخ حیات سے نابت بوناسے اس پر تو عور کرو وہ تو اس ا قابلِ انكار حقائق ہیں - ان سے ديميوكيا ظاہر ہوتا ہے - آفتاب آمدليل فتاب اس طرح کسی مجدث کی کنجائش باقی ہنیں رہتی ان کے سوائے حیات کے تذکرہ کے لیے بھی ایک دفتر جا ہیئے لیکن ہم ہیا ں اختصا دیے ساتھ بیان کرتے ہیں۔ اس يرنظرغا لروالف سي معلوم موتا سبح كه خدا و ند تعالى في اي معلى الما ديان بن كا أن مفرت سے كراب كى عرب سى آب كى منام فرزند كا والمكرديا -جناب رسول خداً سف ابني آغوش مين حفرت على كوما لا أورخو دتعليم دى مست بيلے على الان لا مئے۔ دعوت دى العقيرو تيموقع پر دعوت رسول كى موائے على تے کسی اورنے لبیک شکی - اورعلی نے جو دعدہ اس دن کیا تھا اس آخ عمرا نبهایا سنب بجرت حضرت علی نے صرف ایک سوال کیا کر گیا میرے بہال سفے سے آب کی جان نے جائے ؟ جناب دسول فدانے کہا کہ ا س علی نے سجد ا شكركي اوريم اطينان سي سوكم عيردوسراسوال نسي كيا . اورايني جان كا خيال تك دنياريه منس كها كدسيري حبأن كوتؤكوني خطره منسي مينيج يكارسزوع سے آخر کے کسی جاگ میں او فراد اختیار ندی حب سب عبال کے توتن تمنا رسول کی حفاظمت کی ۔ ان سب امورسے حت رسول اور قوت ایان ویقین کا بڑوت ملی ہے۔ فدا کے عدل پرتقین تھا مشرونشر پرتفین تھا۔ آخرت کی زندگی برایسا ہی بفتین تھا جبیبا کراس دنیا کی زندگی بر بیرجا ن بحاکرمیدان مباك سنے كيوں بها كتے - وفا دارى كى مدموكئى - جنازة رسول كو جهور نا بسندنك مكومت يرلات اردى رفاع في وبركما ب س اما میکرروز و فاست میسیت خلا فت گذار و به ما نم نشیند اسلام کے تقطاکا ہمیشہ خال رہا - اسلام کے معث جانے کے خیال سے

صُبَّتُ عَلَىَّ مَصَابِئِ لَوْ آيْهَا صُبَّتُ عَلَى أَكَا يَامِطِرُنَ لَيَالِكَا اب غورت و يحيي كراي مصائب وآلامك اندرجناب فاطرف إنى فركى اسمس طرح گذاری- ان كاطرز را نش كوايك سلمان عورت ميدرجه ويل فرائض ای نسبت سے دیکھا جائے گا-(1) عورت كے حقوق -(ب)عورت کے فرائض -(ج)عورت كاتعلق امور خاندداري سے -(د) اس كاطرزعل خاد ندسے -(لا) اس كاطرزعل اولادے -( و) حقوق السُّدى ادائيكى (ز) حقوق العبادكي تكهداشت -اس کے بعدم دیجھیں سے کہ موجد د اسلمان عورت کا طرز د ما نش کیا ہے ادرجاب فاطهك طرزر إنش كوتن نظر كمكراس كها ل اصلاح كى فارت ك ال عورت كے حدّ ق (ب) عورت سے فرائض -مورت علیده حقوق و فرائض اس کی از دواجی زید کی سے مشروع موت ایں۔ حیب کا موہ اپنے والدین کے گریس رہتی ہے اس کے وہ ہی حقو تی د فرائض بوت بين واولا ونرينه كي بوت بين فقه اسلام مين حقوق وفرائض وا بست میں کوئی فی نمیں میں کے ساتھ فرض نہ لگا ہو۔ اور کوئی فرض نمیر سے ية حق منهو-يهان بك كدجب رسول كو اجازت دى كنى كدتم لوكوراست دكو كا وصول کرو۔ آوان پر یہ فرض میں مائد کیا گیا کہ تم ان کے بیعد عاما مکو اکتفادی وما سے يونده أله الين خدا من من موز اله مرصة قعة تطَّه وهم وَتُزَكِيَّهُ مِنْ يِهَا وَصَلَّ عَلَيْهِمُ إِنَّ صَالِكُكُ سَكَنَّ تَهُ مِمْ وَا لَهُ سَمِيْعٌ عَلِيدًا و: ١٠ وعقل كالجي ين تقاضا كم فرالفن وحقوق والبته موں محبت دائمی کے سیم میں یہ ضرفدی سیم ور سر سارسے مقوق

اسی سلسله کی ایک کوئی گفتی جو حضرت آدم سے سٹروع ہو کر حضرت شنیت فنے وابراہ بیم و موسیٰ ٹسسے ہوتا ہوداب مک حضرت عیسیٰ تک بینچا تھا۔ ورنہ ایک شخص کا اتفاقاً صاحب قابلیت ہونا اور خداکی طرف رخیان رکھنا ایک طویل سلسلے کو نہیں ٹابت کرتا۔

يتعليم كمبل مزيوتي أكراس مسل مين كوني عورت شرموتي-كيونكرم داورعورت ك فرائض مين فراساا ختلاف ہے۔ جناب رسول ضمّا ہے مباہلے دن اپنے سائق این دختر جناب فاطمهٔ کوسائق کے کردنیا کویہ بتا دیا گران کی عترت میں عورتىن كى يادى بوتى بىن -اب مك عورتون مين صرف حضرت مريمى كاذكر آیا تھا۔لیکن ان کے سوائے حیات سے معلوم ہوتا ہے کہ ریک بیجے کویا لنے اوا عبادت آلی کرنے الے ملاوہ الفیکسی اور فرص کے اواکرے کا موقع ہی ہمیں ملا۔ اوريسي وجبمعلوم موتى تسني كرحضرت فليسلي كي امت مغالطرس طيركني اورا تفوسك دنیا کونعلیم دینی سروع کردی کوغورت سی اوج سیس اوق مید برخستای جانے کے قابل نہیں ۔ یہ اللیسی سائٹ کی ساتھی ہے ۔ بدی عجتم ہے ۔ اس میں خدنی بنیں۔ اور جواس سے تعلق دے دہ میں نیکی سے دور ہوجاتا ہے -عبادت کے سے تم قابل ہے۔ عرض کہ ج جو صفاحت وخصائل بدا مفول سے شیطان کی طرف منسوب کیے وہ ہی عورست کی طرف منسوب کر دیے۔ یقینًا یہ تعلیم خدا دند تعالیٰ کی حکمت وصنعت خلا می کے اور ایک الزام عالد کرئی تھی کہ اس نے السی بری شے پیارے میں معادا مشاغلطی کی اسلام کا فرطن مواکم وہ اس خیال کی تردید کرسے اورجاب رسول خدانے بتا یا کدیس منیں کہ عورت نیکی کا فرست بن سکتی سے ملک کا دندت میں مظرکت کرسکتی سے اور امت کے لیے یادی موسکتی ہے ۔

ان إ دیان دین کے تبوائ شیات انسان کے بیے کمکل درس ہا یہ بیشی کرتے ہیں۔ اند ہم ڈکھتے ہیں کر نباب ڈاططالا شراصلوات انشر علیہا کے سوائخ سیام سے ہم اچاہل کے لیکٹے ہیں۔ آب کو کھائب وآلام دنیا ہے حصہ وافر بلا۔ بیا نجی آپ خود فیسٹ زمانی ہیں کرسے بسرة فاطمه زهرا

توكيا سمجها در اسيس كمرس مجست موفى تو بالكل بى المكن سب مسلما نول يس يرخوابى بندو وں کے فاردان مشرک کی تقلید سے آئی ۔ پرانے زیانے کے بنے ہوسے میت جولوكي برسات يس مهولاً حموسك مهدئ كان بي ده ان كى طرز ربائش برايمي روشني الله عن التركيبتون من ساس اور نندون سے ظلموں كا توكر موتا سب اور ان سے نجات پانے کی تمنا کرن طالموں سے ظلم کی یہ انتها ہے کہ خا و بدر کے مرتف می عورت کورندہ صلادو- شاس کی اولاد کاخیال کر واورشاس کی زند کی کا اُن سے اس انتهاسے بیلے کے ظلم کا قیاس می اس بی پر کر اوضا و ند کی زید کی ہی میں وہ کیا اس کوآرام دیتے ہوں گئے تیسری برائی اس طرزر یائش میں یہ ہے کہ عورت ہمیشہ رنجیدہ رہے گی ۔ دل جلتارہ سے گا۔ ساس نندوں سے طعے سنتے سنتے ندر کی سے بزرار موجائ كى ع آزرده دل آزرده كند الجيفرا - ايسي كورت اسي خا و ندكه كيو تكر توش د كوسكتي سے . خا و در باسر سے آئے كا اس امر كامشني وركا كم هريس عجم ایک سنستا بو ایول نظر آستی جو میری ون بحری کوفت کوزائل کردے - لیکن حبب وہ کو من آتا ہے توسب سے پہلے ماں بنوں کی شکا بتیں سنتا ہے۔ عورت لو دیکھتا ہے کہ کو فیص میں تیجی مہوئی رو رہی ہے اس کو اپنی تندگی و بال جان نظراً تی مع وافسوس به كرسلما نون في يسبق بست مبلدى يادكرليا ورايني يسول ك فعليم كوهيول سكت حضرت على في حديث خواستدگاري فاطمه كي تواس كوفتو ل كرف ك بدبيل باستجورسولخدا فكرى وه يتي اسعلى فاطم كسي على مکان کے اوجیا محصرت علی نے علی و مکان کے لیا اس وقت فاطر بنت و سد ادر حضرت علی ورد و تھیں۔ اُن کا انتقال سی سے کے آخریں ہوا معلال سے بعد آخضرت في فرا ياكه فاطه كاحراد أكرو حيناني الخضرت كارشادك مطابق حضرت على في لدى أوه فروخت كرست بهراد اكبيار الدائم كي بركي اتني اكب مسعد آئ كل الإكيول ك والدين مزارون روسية كانهر بندورو البيتين ويمحق بن كمية عورت کی قیمت ہے میتنی قمیت زیادہ ہوگی اُتنی ہی عورت کی قدر ہوگی۔ تقداسلام کی بہ اکریداست مے کورث کے لیے فادندو بیا ہی اول پیدا ما الما المرة الرسول جلدودم صاعده بحالها سدالغام ابن الاشر

ایک طرف ہوں اور سارے فرائض دوسری طرف توحس نے و مسرتمام فرائض ہیں اور اس سے بھی مجست نہ کرے گا۔ جو اپنے حقوق ہی لینا جا نتا ہے اور اپنے فرائش کی طرف توجہ نہیں کرتا۔ اور یہ بھی ضروری ہے کہ و و فریقین میں جو کر ور ہے بیلے اس کا حق اور اکیا جا سے اور اس سے اس کی فرض کی اور آئیگی کا تقاضاً کیا جا لیگا عور ت کا سب سے بڑا فرض یہ ہے کہ وہ اپنے جیم کو اپنے خاو ند کے لیے بیش کرے میں فقہ اسلام نے اس کے لیے یہ شرط رکھی ہے کہ بیلے اس کا حق یعنی مراد اکر و و تب اس سے اس فرض کی اور آئیگی کا مطالبہ کر و۔

تب اس سے اس فرض کی اور آئیگی کا مطالبہ کر و۔

از دواجی زیدگی ہیں سب سے بہلا جی عورت کا یہ ہے کہ اس کا خاو ندائیگی

از دواجی زیری بین سب سے بیلا دم عورت کا یہ مے کہ اس کا فاونداسکے لیے کر متیا کرے جس طوری وہ مالکہ مطلق موشے - سوائے ضا و مدکے اس محمرین اس کا کوئی حاکم نمیں ہے آگر اس کھریں اس کا کوئی حاکم ہواجیں کے زیردست و در کهی حاتی ہے تو اس سے تین نهایت کری خرابیاں پریدا ہوں گی -اوّل تو یہ كه ده اولادكى تربيت ايمى طرح شكرسك كى -اولادكى تربيت كم مي يه ضرورى ہے کہ ان کوسا دیمیہ کرنے والے سے اوپر ووسراحاکم شرو و در شاولادیس افرانی كاجذبه بيدا موجائ كا-تا ديب مسختى كامونا ضرورى مع - اور بيحاس عنى کے خلاب بین والدہ کے حکم انوں کی طرف رجوع کریں گے اور مان کو بھی طور درہیگا كه آگريس نے سختى كى توان بچو كى محبت مجمد مستمقطع ہو كران كى وادى ادر كادر كھيمبى کی طرف جیلی جائے گی۔ اور وہ بجوں کو رہنا کرلیں گی۔ دوسری خیر ابی یہ ہے کہ اس تعودت کواس گھے۔ رہے ندمیت ہوگی اور ندمیسی حب کھریس دہ اپنے سئيس وزاد نهيس باتى ، جانتى مے كه يهال مروفت مجد پر كت جيني موتى رستى ہے میری برائیاں تکا لنے کے سب درہے ہیں میری سن تدبیر قسن انتظام کی تلویا لرنے والاکونی نہیں ، نہیں دہی مرضی کا کھا <sup>سک</sup>ٹی ہوں ، نہ بیں رہنی مرضی کا بہمن سكتى موں ، بېيشە بەللىكا رستاب كەخاد ندىكەدل كورىجەسى ئىمىر نے والىلىكا رستاب ميرے منروں كوچيا تے ہيں -اورميرے عيبوں كودس كنااضافكر كے مبرے فاولد سے بیان کرتے ہیں - آگرفا وندنے ذراسی بات بھی عصر کی کی قودہ قدر اُسی کھے کی کہ بیر میری ساس نندوں کے لگانے کا اثر ہے ۔الیے گوکوا کروہ قبیدخانہ نہ سمجھے

ا ورصرت علی نے بھی ان کی اس صفات کی بہت قدر کی۔خا وند کے جا کڑا حکام کی اطاعت کرنایحورت کا فرض ہے لیکن خا دند کو بھی جا ہیے کہ ایسے احکام صادر فكرب جوعورت كى طاقت ووسعت بدداست سے باہر ہوں جب فداد ندتعالى فرما تاب كم كمسى انسان كواس كى فكررت دوسعت سيزيا دة كليف بنيس ديت وفاوند كوكب ما راسع كدوه اسيد احكام صادركرك -جان آک کاح کا تعلق ہے سلمانوں سے بہند دوں کی تقلید کرکے اپنی مالت کوتیا ہکرلیا ہے۔فاندان مشترکہ کی خوابی کا ذکر ہم کر میے ہیں۔اس کے علاوہ جواوراز دواجي زندگي كو تلخ كريف والے امور بين - وه تهيز، حمر، ري بين - جيز اروى والے مياكرتے ہيں - مرخادنداداكراسى يا اس كواداكرنا جا ہيے-بُرى وه تخالف میں جوخا ونداینی نئی عوس کو دیتا ہے۔ مرز مدسے زیادہ مرمقرر کرناگناہ بے لذّت ہے۔ زیادہ مرد و وج است مقررکیا جاتا کے ۔ایک تو سے کہ کم مہروالی لڑکی کی قدرنہ میں ہوتی - مہرکوقمیت تصورکرلیا لیا ہے۔ دوسری وجربہ ہے کہ زیادہ جرخا وندکے اوپر ایک فستم کا دیاؤور کھتا ہے۔ورنہ اكركم مربوكا توجب جي جاسك كاعورت كوطلاق في رعليهده كرف كاريد ونوف حوات غلط ہیں اوران سے وہ مقصد حاصل نہیں ہوا حس کے لیے بیر قررکیا گیا ہے۔ یہ بیجو كر المرتبقارى الركى كرقيمت سع بمقارى الوكى كى قميت توكئى كرور ملكركى ارب دوييه ديا جائے تب يمبى ا دائنىيں ہوگى- اولا دقىيت پر فروخستى بنىيں كى جاتى- اس خيال كو دل سے نکال دو۔ اگریم نے اپنی لوکی کی قیمت ایک لاکھ یا دو لا کھرود بیبیر کھی ہے تو تم اس كوبهت ارزال فروخست كررسم مود ووسرات نوال مين بظام ركيم منطق سم لکن ده محبی غلط ہے - اگر متھاری اور متھاری لڑکی کی قسست السی ٹری ہے کہ اُسے ہنایت بطبینت خاوند ملاہے۔ تووہ اس کواتنا تنگ کرے کا کردہ لڑگی اس کوہبت عنيمت مجهد كى كه وه جر حقيور دے اور خا د نداس كو حقوردے راكر معامله عدالت ميں كيا اورازك كي حيتيت كم مع تو رج صاحب لا كعوب مع جركوسيكرون برك أيس مح رسول فدا کی لاکی سے زمایہ و توکسی کی قدر وقیمیت بہنیں برسکتی - اعفوں نے خاو تد كى الى حالت كے تناسب مهرمقرركيا - اور فوراً اداكراليا - كاش سلانوں كو تعيى لين

کرے جس کی دہ اپنے میکے میں عادی رہ جلی ہے جس آسائش کے ساتھ دہ اپنے اللہ اللہ کے گھریں رہتی تھی وہی آسائش فا دِنداس کے پیے اپنے گھریں بیدا اس کے پیا اپنے گھریں بیدا اس کے پہناں کہ میں کہ اس کا مرکئے افر اور بہاں فا دہ دہ بادر پی تھے جو گھر کاسب کا مرکئے نے اور بہاں فا دہ دہ بادر پی تھے جو گھر کاسب کا مرکئے اس تھے اور بہاں فا دہ دس بیرا ٹا آگے دکھدیا کہ جون جولائی کی گرمیوں میں بھولے اس سے آسے آسے آسے بیٹھ کر بیکا محض ہا گھرر ای جھاڑ و دے ۔ گھر کی جیزیں صاف کرے وقت نبی تو اس کا جسان ایک دھوئے ۔ بیٹل اگر وہ ندکر کی فیا ہے ۔ اس خرج کی برداشت بہیں ہے کہ اس وجہ سے اس اس کی خدر فا و ندکو یوٹی نہیں ہے کہ اس وجہ سے اس خرج کی برداشت بہیں ہے توامی گھرائے کی اگر اس وجہ سے اس خرج کی برداشت بہیں ہے توامی گھرائے کی اگر وہ خرمی ہے ۔ اس خرج کی برداشت بہیں ہے توامی گھرائے کی اگر کی لا سے کی تمنا کو اپنے دل سے نکال دے ۔ چنا نے جنا ب رسول فدانے صفر نے علی سے ذرایا کہ فاطر میں تقصیر نے کرا گھرائے کی اس کی دبح تی میں تقصیر نے کرا ۔

مقاری سوسائشی کارسم ورواج وطرور بائش بی رہے گا جواب ہے اور حب مک لاکی کے نکاح کرنے کاطریقہ دی رہے گاجواب ہے۔اس وقت ککتم اور محاری الاکی سال سے ظلم سے نمیں نی سکتی خواہ کروڑ وں روپید کا جینردے دو۔ متماران کاح کرنے کا طريقة توبيب جولائري بحالف كابوتا بايك براتاريك لقيلاب -اس بي كوس ادر کھوٹے رو بے بڑے ہیں الحروال کر اسکھوں بیٹی باندھ کر بکا لا کو انکل محماری الواکی کی شمت اجھی ہے ۔ کھوٹا کلا عرب کر اسے اسے جنم ل گیا۔ اگر کھوٹا ہے توامکی هل من من ين جاري وري المري وري المرود ول دوي كاجيروك دو- جتناً آیاده دو سے اس کی جرض برسے گی - سی گاید کھر مالدار سے اس کوخوب نوچو بہانے إلى س ايك مقدمه تقاحس كے واقعات يو تنظيم أفا و مدلا كى كومجبوركرتا رمتا تقاكرا سان والدين كريا ل مع روبيد لائے - اور وہ دے ديتے تھے - پھرابيا ہواكمان كي ردبیریندر بارشوسرف برمنورسابق الیک کومجبورکیا - ده جانتی تھی گداب میرے مان اب کے باس روبیہ نہیں - جاکر ان سے کیا کہوں ۔ لڑی نے انکار کردیا اس کے خاف نے اور فا ویدی ال نے بہت کھ طلم و تعدی کی - لوہے کی سیلافیری حرم کرسے اس کے بدن کود اغ دسی جب اس رکھی دو اپنے باب سے رو پیدیا شکنے نگئی تواس کی وطیاں کرکے قتل کردیا مالا مکہ یہ لواک بہت جہنرلائی تھی۔ اور مکاح سے بعد المالی سے ہاں سے لاتی دہی ۔ امیر خار دان تھا نیک عادت کی لڑ کی تھی ۔ بہت حسین کھی کیکن اس کا پیشروا - اگر شمت سے نیک اوک اللہ تو وہ جبیر کی یہ واہ ہی شکر سے گا وه کے گاکہ آل اور برت وہ مع جوابیف رور بازوسے صاصل کی جائے اور اگریما الركا ملاسم توده ببيرهي بيج كركها صالح كا -

پاکستان د ہند وستان کے سلمانوں میں لڑکی سے بھاح کرنے کا طریقہ ہی غلطہ ہے۔ لڑکی کو ایک سبے ذیال سے علطہ ہے۔ لڑکی کو ایک سبے زبان کو دائی دولت کے خیال سے کبھی سیاسی اعز اض سے اس بے زبان کو دوسرے کے حوالے کیاجا آسے ۔لڑکی کی حوشی اور جذبات کاکوئی خیال ہے۔ لڑکی کی حوشی اور جذبات کاکوئی خیال ہے۔ بھی سیاسی کڑنا۔ دیکی وجناب دسول خدانے فرمایا تھا کہ میں فاطمہ کا بکاح علی ہے بھی خدان ندی کردیا ہوں اور خدانے عرش پر ان کا بکاح کردیا ہے اسکان بھر بھی

رسول کی بیروی کی تونیق ہوجائے توکیا استھا ہو۔ خاوندگی مالی حالت کے مطابق مہر مقرد کیا جائے۔ اور وہ پیرفر قراً لڑکی کو اداکر دیا جائے۔ یہ بیمی خیال دے کہ لڑکی کو اداکر دیا جائے۔ ایسا نہ ہو کہ اس کے والدین یا دیگر رشتہ دار اپن کے بیس جناب رسول خدائے سادا مرلڑکی پرخرج کرالیا۔ ایسا بھی نہونا جا ہیں کہ بیم خاود در ہی بیمی کہ بیم خاود در ہی ایسا کہ وہ مرکا دو بیہ والیس کے دونوں طرف سے ایما نداری کی ضرورت ہے۔

جهير:- يه وه لعنت سے جوسلانوں نے مندووں سے لی ہے - مندوتو لڑکی کو زیادہ ہوز دینے میں حق بجانب محق ان کے پہا سلط کی کو ور فرمنیں ملتا اس خیال سے کدان کی اولا دہمیشہ کے لیے اُن سے جُدا ہورہی ہے ۔اوراب اس کا کوئی حصدان کے مال مین میں ہے انفوں نے لوگی کو زیادہ جیز دیدیا و کچورج منیں سلما نوں میں تولٹری کو ور شرماتا ہے - انھیں کیا صرورت ہے کہ اپنی ویگر ا دلاد کے حقوق میں کمی کرکے لوگی کو دیں۔ ہم سے اکثر خاندان جہنیر کی فراہمی میں برباد موت ديھے اہيں - قرص ليت ابي اوراتنا قرص ليت ابي كركم كي بينتوں كا وہ اوالنيس بوسك - رسول خدّان ابن الى صالمت كے مطابق جيزويا-اوراس ك لیکسی سے قرض ہنیں لیا -اس حانت سے محرک دوخیال ہیں۔آیک تو یہ کہ کم جنيس محيتمون مين ميلي موكى حبب اوروس الأواجهيزديا سبع قدم كيون ندي دوسراخيال يرب كرسسوال مين زياده جيزس قيدر موكى - يه دويون خيال غلط منطق پرمہتی ہیں۔ اس کا خیال نہ کرو کہ دوسرے لوگ کیا کہیں گئے ملکہ یہ دکھیوکہ يغل جِسمُ كررس مبي وه عا قلانه على احمقا نه نيك سم يا برس - باعث ثواب ہے یامرجب کنا وہے۔ اپنی حیثیت کے مطابق جمیز دینا اوراس کے لیے مقروض د ہونا بقینًا ایک عاقلان فغل باعث واب ہے۔ بیاں دائے تو ہمیں لی صاتی۔ يك صداحت ايك عاقل سے توزياده نهيں موجاتے - بيخيال كرنا كريكي من کیا کہیں گے نضول ہے۔ اور پھیرہم توسادی سوسا نٹی کا تذکرہ کررہے ہیں جبب سب ہی اس طرح کرنے لگیں سٹنے تہ ہم حینموں میں گریے کا بیوال ہی ہمنیں تبیا ہوتا۔ ر ما دوسراخيال كمسسسرال مين قدر مهو كل و توبه تو وسي يُلانا قسمت كالجهيرم حببة بك كم

اطینان کایه گو منوشه تھا۔

يه ده اموريس جومنرت فاطرك عطت وعوت بادى نظر دب من بر مانے كے علاده رسالت عمديه كي تصديق و تومين كرتے ہيں بوتنص محض دنيا كي نروت دعوت ك يے مجوى رسالت اوكوں كے سامنے بيش كرك ان كا سردار د بادشاه بنا چاہے گا دہ اپنیادلا د کوعسرت د فاقہ کی زندگی گذار نے ہوئے نہیں دیکھے گانھی<u>ا</u> عبکم اس کو دنیا دی باد شامس حاصل موجلی سے اور بغیر شبه بیدا کئے ۔دہ اتنا روبير تولتى اولاد كود ك سكتاب كه وه خوشى لى سى بسر كري - اور اس كى بولا بى اسىكى مبين لين ديى - ده نوي كنة كراتها دامقصد حيات ماصل مو يكسب اس میں سے میں بھی صت دلاؤ۔ بدال توسع صرے بعد بنی آخری عریس فتح خیبر کے بعد ایک او ٹری فضدد ی تو اس پھی یہ مشرط لگا دی کدایک دن گر کا سالال فضه كرك اورا يكدون في كرو صبياتم كما واس كوكملا وصبيا في بينواس كويناو كهان بين وه مد برا ن مسلطنت ومثيران اصول معامشرت ه باه جود اين انتكاب کوششوں کے مزدوراورا جرت کاسندائی تک طے نہیں کرسکے ہیں کیمی کوریا یس کاردار موتاب میمی جرمنی میں جناب دو تی ہے۔ دنیا بجین ہے اور یدمسئلہ د على رسكى محقارى زندكى كاسهادا ب عقادى آمدى كادسيله ب-اس مى محنت منهو لائم. نتوكيرام الرسكة بواورندا لاس بناسكة بويتهادى سارى بليل ورفسير يال بكار برجائيس كى -اكرمزدوراين محنت اس مين نه لكائيس يتمام مزد ورول كواين نفع يس حمة دار بنالورا در بعيد مكيوكتني ترقي بوتي هيه درسول عربي في فيس راسته تو دكهاديا ي - آگرتماس بدنجاوتويددوسري باتب، بسااد قات تم الميغ فيكري مے نیجریا کارکن کو صدد اربنا ہی لیتے ہو، حالا نکہ وہ کھرسر مایہ نہیں لگا آ ا صرف اسکی منت كي صلي بن اسعظة وادبنالية بداس كي منت فرودوكا ريكر كي منت س بدرجاكمتروق مع-اكرتم مزدد كاريكركو معتدداد بزالوتو قرين إنصاف مي عداد باعث اطمینان می بوگا اور مز دورکار گرابنی دو کن اور جارانی منت لی دینی جناب ريبول خذاكي بهي تعليم تقى كه أبيتے ملازم كواپنے كلو كا ايك بمبر محبور ميضمون بهبسا ہم ب بما تفصيل كي تنوائن منيل مفسل عبف بهاري كاب نفذ اسلام مين ديمهو

جناب فاطمه کی دضامندی صاصل کی گئی۔ اور اس دضا مندی سے ابذیل جواآن کل مسلما نوں میں تو بہہ کہ لڑئی کی با ضابط دضا مندی بھل بحاح بیں سے اللہ کی مسلما نوں میں تو بہہ کہ لڑئی کی با ضابط دضا مندی بھل بحاح بیں سے اللہ کی جو دوا ہے تو اس کی بال اور مہیلیا ل موقع پر کیا کہ کے دل سے ضلات بھی ہے تو اس کی بال اور مہیلیا ل میدور کرتی ہیں کہ مولوی صاحب کھڑا ہے کہ بال اور میں کہ نے گئے ہیں کہ لوی صاحب بیجا اسے کو اگر بخب بھی بوگیا ہے تو انسین کو ن الوشن اللہ کی نے بال کر دی مولوی صاحب بیجا اسے کو اگر بخب بھی بوگیا ہے تو انسین کو ن الوشن المدی سے کہ بال کر دی مولوی صاحب بیجا اسے کو اگر بخب بھی بوگیا ہے تو انسین کو ن الوشن المدی سے کہ بال کر دی مولوی صاحب بیجا اسے کو اگر بخب بھی کیا ہے جو شالوشن المدی سے المدی کی تو از دوا ہو بین کے سوالگ دا ور کی کہا ہے بڑھو النے کے مالوں کی موالی داور کی بھی کہا ہے بڑھو النے کے دوا کہا تھی کہا ہو کی کہا ہو گئی کے دوا کہ دوا ہو المدی کے موالی داور کی موالی دوا کہا مولوی دیں اس قصے کو جانے ہی دو ۔

کا مولوی ۔ نس اس قصے کو جانے ہی دو ۔

کا مولوی ۔ نس اس قصے کو جانے ہی دو ۔

رج) المورفان داري -

اپنے گرکا نودکا م کرنے میں ندجناب فاطمہ کوئھی شرم آئی۔ اور ندھشرت علی الفوں سے کیا۔ ول سے کیا۔ اس می نوشنی میں کی۔ ابدنا فرض بھی کرکیا۔ اور اس کو موجب ڈواب اور باعث برضائے آئی تھیا۔

تقسیم کا دیکھی کہ با سرکا کا مرحضرت علی کرتے تھے۔ صبح کی نماز پڑھتے ہی تلاش معاش میں باسر بھلے جائے تھے۔ شام کو چو کھی ہو سکا لائے۔ اور ضرت فاطمہ کے انتھیں جو کو کہ المانا و صلانا المحاسم معاش میں باہر بھلے جائے تھے۔ سام کو چو کھی ہو سکا لائے۔ اور ضرت فاطمہ کرتی تھیں جو کو کہ المانا و صلانا و معلانا کو میں تا کہ کہ کو کی صفائی کرتی ہو سکا لائے اللہ و مد تھا عصرت ہے گور کی تھی تا ہو کہ کہ کہ کہ کو تھی ہو تھی البی تکھیون کی شکا یت نشان اور اس کے آور اس کی مرطرح سے فرکھر کی کرنا آ ب کا کا م تھا حضرت علی نے تھی ان کو گورکی مالکہ کا ملہ بنا دیا تھا۔ ان کے کام میں نہ نود و فول دیتے تھے نہ کوئی اور وضل دیتا تھا۔ اکثر ایسا ہو اس کہ آئی کی مرطرح سے فرکھر کی کہ شکا ہوں نے کام میں نہ نود و فول دیتے تھے نہ کوئی اور وضل دیتا تھا۔ اکتر ایسا ہو اس کہ آئی کی مرطرح سے دارو داجی داخوت علی نے امداد کر دی سے۔ از دواجی داخوت ایسا ہو اس کہ آئی کی مرطرح سے دارو داجی داخوت علی نے امداد کر دی سے۔ از دواجی داخوت

ميرة فاطمه زنترا

پیداہدنے کے بوراس نوابیم کا دو سراطریقہ ہوتاہے۔ بیتعلیم بھی محض ماس کی موزیم ادراس کا ترکی بهت گر ابوتا ہے - دوسرے کوتعلیم دینے کی بیلی شرط یہ بیم کہ خودهي استعليم كاما مبر اوا درعامل او جس آدمي كؤيم ردز انه حبوث بوكة الدين ويكن بي وه اگرمنسر پرها كرد عظ كرسے كا بھائيو ي اولا كر ونو اس كاكيا اثر جو گا - <u>بج</u>يكو نيك بنانے سے لیے ال کوخوج بم نیکی بننا بڑے گا، پیکوخداشناس و عابد بنا زاہے تو مال كوعباوت مجتبم بنايرك كالمبية بها درنهين موسكتا سبخي نهين موسكتا حب ك ما ل مين بحيي پيجذ بات بد رجه اتم موجود نه بول ـ

اس طرح عودت كوخيالات ومقا صد نيك نظرك ساشنے ركھنے اور عمل نیک کرنے کی دوہری وجہ ہوگی-ایک آوٹو دھی انسان کا فرض ہے کہ حب خیا ل كرس نيك كر ب اورجواييغ سامين مقصد در كله ده نيك مور د وسرس بيكى تعليم وترمبيت كم يعيمي الميني تنبس نيكي تحتم بنا نابرته المهم-

جناب فاطمه زمرانے بوض کس خوبی سے اورکس کامیابی کے ساتھ ادا کیا ۔ کر بلاکے میدا وں آلوف کے بازاروں اور دشتی کے درباروں سے بونچیو۔ (و) حقوق التدر

جناب فاقمہ زہرا کی عبادت کا حال تم ان سے سو انخ حیات میں پڑھ لیکے بي جب مان كى عيادت كى طون اليقة بين تومعلوم بوتاسم كدان كوسو است عبا دت

(س) حقوق العاد

س ب کی ساری و نظاویت بین گزری-کونی نهیں که سکتا که جناب فاطینے نسی برطلم کیا - خادمه لوبلگی تک به حال متما که ایک دن خود کام کرتی تقیی ا در من ون فادمهرادام كرتى على -

آئيئ توركري كداب مندوستان مرسلمان عورت كاكرداد وممول في كيا ہے اور است کہاں کہاں اصلاح کی ضرورت ہے - ہندوستان سے ہارامطلب ا موجوده مبندوستان ویاکتنان ہے۔

مندوستان كىسلمان كے ليے اصلاح كالفظ صحيح نہيں ہے۔ اُسے تو

(د) طرزعمل خا و ندست

اس كاذكرسم اويركر چكي بين م

( کا ) طرائعمل اولا دست ، انسان کی آبای میں اس کی ابتدائی تعلیم کا بہت اثر ہوتا ہے۔ اور اس کی اسکاری میں اس کی ابتدائی تعلیم کا بہت اثر ہوتا ہے۔ يرتعليم اول نومان كربيط بي سي شروع جوجا في م - اهد أكركوني شخص آني دويك نهیں سوچ سکتا تو یہ ظاہر سے کہ بیدا ہونے ہی یہ تعلیم شروع ہوجاتی ہے انان کے خیالات کا افراس سے حسم کے ہر حستہ پر ہوتا ہے اورسب سے پہلے اس بچہ بہ ہوتا ہے کہ جور حمے اندیت جس طرح کہ وہ ماں سے حسم میں سے عذا ماصلی تا رستاہے۔ اسی طرح طرز تخیل و عادات لیتا رستاہے ۔آب نے دیکھا ہو گا کہ سی نے آپ کو گالی دی یا مرا کھلاکھا توفورا آپ سے جہرے کی ساخت میں تبریلی واقع ہو جاتی ہے۔ فوراً ایک آدی کا چرہ دیم کر آب بتا سکتے ہیں کماس وقت اس کو غصد آرام سے یا خوش مے یا یہ ریخیدہ مے یاکسی سوچ میں سے سوچ دا ہو تو اتھی لائے ہے رہاری یا خطراک یدبیروں پر فور کرد اے خوت کے وقت اور ہی حالت ہوتی ہے اور حوت كى مى د وسيس مير، ما ن سے خوف ميں اور كيفيت بوتى ہے ۔ عوت وا بدد كا در اور جره كى مالت ادر بوتى معركات سكنات مين فرق بوجاً المع مال سكنوف ير کھي فرق ہوتا ہے -آپ سے نوكر كى جان كرنطوم توصالت اور ہوگى-يؤيز بيٹے كى جان كوخطره ب توصورت مي يجرا در موكى- اپني جان كوخطره ب توادر صالت موكى بيد كيابين مض خيال -خيال كااثرانسان كاعصاب بربراه داست براا اس ماں کے خیال کا افریسے بریر نالا زمیہے۔اگر عورت میں جذباتی تحریجات زیادہ ہیں تو وسیامی انرنیچے پر بڑے کا ۔اگرعورت ہروقت خداکے خیال میں اورعبادت کی فکر ا ين روتى به تواس كاانر بي يرويكار كوياي كي بيداكش سع يلك اس كي تعليم شوع موجاتى م عامله عورت سي كره ين خوب صورت ا درهنيس جيزين سكف في اكيريج تاكه بيرخوب صدرت إدرسائنس تى تحقيقات كائتوبه سهك اكر معابية الوكدار كابيارا بوتورشرد عمل بی سے لوکول کی تصویریں ماں کے کمرہ میں لگادہ-اور اس کو ناکسید الردوك وه الركمين كالصوركن رست

دور جا پرمے ہیں - تو بہنت طوالت بادگ- اس استے سان كوصرف عورتوں كے كرداد يرخصركرت بي - ادر دويعي بسي اختصارك سائق-برده اور بے بردگی بینی قیدو آزادی دقیا نوسی جمالت و تر فی موجوده مبند وسموں کے سنیدا بُرائے زمانے کے مولویوں نے حس طرح عورت کو مکھنے کی تعلیم دی اور صب طرح ان لوگوں نے ان کو اپنے گھروں میں رکھا اس کا ذكر بهت اختصاد كے ساتھ ہم كر يكي ميں - دات ن تدبہت طويل سے ليكن چذ کہ آج کل کے ہرا کے مسلمان کو اس سے آگا ہی ہے لہذا طوالت دینے کی صرورت بنيس يونى بدنه مجھے كرم نے جوبي قصه سيان كيا سے ويوني ندانكا ہے۔ امیروں کے بیاں تو ملازم و با درجی مدستے ہیں وہاں بیا تیں نہوں گی، ا بهم ظلم کا واقعه بیان کردست سطفے-اس کی شکل دصورت امیرول عزیبوں کے ہماں ہی ہنیں بلکہ ہر گھریں مخلف ہوگی اور مبرصوریت ساس اورنندوں کا لكانا بجهانا اورطعن وتشنيع ايك تقل مرب - اسينا سين كفرك حالات ك مطابق ان کی پر بخ یز رنگ اختیاد کرتی ہے۔ امیروں کے گھر کا حال سُنیے۔ ہمیں ایک کھرکا حال معلوم ہے . بیوی بعنی نئی دولھن کومیاں سے پاس سیکھنے ہی کی مالعت بھی ۔ اور دانت کو بھی خاو تدکے کمرے میں اس کی بہتیں حاکمہ سوحانی مقیں اور بھائی کی بٹی سے بٹی ملی رہتی تھی گھر میں الازم سے لیکن كرے كى جمار و دُلن بى دے -كوئى لياس بنيں بين كتى تقى حبية كاساس اجا زب درے برح کا سے وسکنا سے پر یا بندی تقی - ایک اور مما بہت ہی امیر خاندان کا ذکر سنیے ۔ نهایت اعلیٰ سرکاری ملادم کا دکرے ہے۔ بیوی نهایت سین بنايت طبع - دونون مي محبي انهد - نندون سے يه بات زدنگي کئي -جب تھرمیں بھائی آتا توسب سے پہلے جواس سے بات کرتیں دواس کی ہوی کی : کمتهٔ بینی موتی را تنا اسے لگا یا کہ اسے بقین ہوگیا کہ میری ہوی بیصین ہے۔ حالا مکر بدچین ہونے کی کوئی وجہ نرمقی۔ سوی کواس فے طلات دینے کا الده کیا۔

اب انقلاب کی ضرورت ہے ۔ آگر جناب فاطمہ زہراکے زمانے کی سلمان مورت اس دقت زنده بوكركرايي كسيسنيا إؤس مين جائ - اورو إنسلمان نوجوان الركيون كوديكه كم كماني بيرتى ، ولتى مولى تصديرون كا أبس مين عشق بازى كونااور بوسد با زی کے مرسے لیناکس سوق سے دیکھ رہی ہیں اور وہ بھی اسینے عما کیوں اور ماں باب کے ہمراہ - اور ان کی نظر سے سامنے کسی فنشین ایبل ہوٹل میں چلی جائے اور و ہا مسلمان جوان کر کیوں کوغیر مردوں کے سابق ایتا ہوادیکھے، شراب پیتا موا دیکھے اور کیراس جمل مرکب کائیس معائن کرے کے میں بھیا لوکیاں اوران کے بے حیا اور اجمع والدین ان کی اس زندگی کو رقی یا فتر زندگی کا خطاب دیتے ہیں -اور دہ عورتیں جواب مک اس بسیویں صدی کے ترقی کے زمانے میں بردے میں بیٹی ہیں ان کوجا ہل جار دیداری کے قید اول کا خطاب دے کرا سے دل کوخوش اور اسے گنا ہوں کو محو کرنے کی کوششش کرتی ہیں۔ اور دہ یہ میں دیکھے کہ اس قوم کے ارباب حل وعقد اس بات بیاتے ہوے ہیں کہ كسي نه كسي طرح ان بر دلي ميس بيشي والى عورتول كويمي سنيما اور دفض خالول کی عادت ڈال کر تعلیم یا فتہ کہلوائیں۔ اور بورپ کے مالک میں ان کورقاصی وموسیقی سکھا کر بھیجیں اور پورپ والوں سے ان کے حسن ورتص دموسیقی کی دا دلیں - اور کھریدسپ تاشے دیکھ کر وہ شام کو وائس ہوتے ہوے کسی سے وچركر يريمي معلوم كرك كريسلما نول كالككسب إوراس كو ماكستان كت بين-توسمیں یقین سے کہ وہ اینے دوبارہ زندہ ہونے کوعذاب اوراینی دوبارہ موسے نجات سمجه کی - اینے ہی ملک میں صب کو و ہ اسلامی ملک سکتے ہیں، اپنے ہی نظام حکومت کے اندر حس کو وہ اسلامی نظام کتے ہیں اس طرح اسلامی نندگی چهوژ کرا درغیراسلامی طرز ریا نسش و طرز تخیل معینی فدسمنیست کواختیا دکر کی حسل طح مسلمان اینے طرزعمل سے کفرکی تصدیق اور اسلام کی تحقیر کررسے ہیں وہ الناني حاقت كى بدترين مثال- - -غورتوں پر کیا منحصر مع مردوں کا بھی کردار وعمل اسلام سے بہت دور ہوگیا ہے اگران تام اسباب کا ذکر کریں جن کی وجہسے سلمان اسلام

معاس رت کاعلم ہوا۔ دوسرے اسلامی ملک کے حالات معلوم ہوے۔ اخیار پڑھے۔ اب انفوں نے کہا کہ ہم جان کیوں ضائع کریں ۔عزے کوکیوں سُرقبہ لكائيں - وه صورت كيوں نواختياركريں جو ہم اپني نظركے سامنے ديكھتے ہيں-اوردنیا میں دائے ہے - زندگی داحت سے گزرے کی اورع تت قائم سے گی۔ مردیمی اس خاندان مشترکہ کے ظلموں سے عاجز آگیا تھا۔ زندگی کا مزا نہجوانی کا مزا- بروقت دوسروں کے زیر دست رہنا -اس نے بھی کھا کہ بیا جھا بہا نہے۔ انگریزوں کے طرزمعاً مشرمت پر سے لگا ۔ انگریزوں کی سوسائٹی میں بھی عزت ہوئی۔ انقلابات كى تا ريخ يرنظرة الني معملوم بوتات كرينيا دور ياطرز معاستر يجمن این خوبی کی وج سے لوگوں کے دلوں میں حکیہ نہیں یا تا۔ ملکہ ٹراسے دوریاطرز رہائی ى بُرائيا ب السيى عياب بوجاتى بهي اورسطح برآجاتي بهي كه انسا رجحض ان سف بينے كے يے حديد تنذيب كوافقيا كرليتا ہے - بنيرد كھے ہوے كراس جديد تندية میں تو السے عنوا نا سے منیں ہیں جو ا کے حیل کر ہمیب وخطر ناکے ورس اختیا ر کرائیں ہیردہ بذات خود بڑی جیز ہنیں ہے۔ اور سرقوم میں ہوتا آیا ہے۔ دوميون اورايرا نيون مين برا زبردست پرده عقا - يوج كها حاتا مع كممندون ف مسلما نوں سے پر دہ لیا۔ بیقط تا غلط ہے۔ مند دوں نے پر دے کاتخیل ول ج اس میرانی دنیاسے لیا حس میں وہ اواد تھے ۔اوراس کے بعدیر دہ براہ داست یونا نیوں سے آیا۔ یونانی سکندر اعظمر کے ساتھ آئے کے اس سے علادہ یول تھی ہندوںتان میں اور پینان میں تعلقات سے سکندر اعظم کے مربے کے بعد سندوستان کے شمال مغرب میں یونانی سلطنت یں قائم ہوگئیں اور پر دہ و ہیں ہے الماليكن اب ج كمديرد ك تحيل ك سائقاس ظلرد حُورُكا تخيل قائم بوگيا ہے ا يك نام سے دوسرا ياد آجا تا كھا۔ لهذا يرده اس طلم و جَوركي دحبر سے بڑا ملكنے لگا۔ ورند مندومسلان عورست حياد محبر مودي سے -اگر بردے ميں يظلم ند موار تو ويه اس کوتھی منتھوڑ تیں۔ سے کل جوسل نعورتیں کے پردہ ہوکر کے حیالی کی زندگی سركردى بين اس كے سبب اول دہ ہى سلمان بني جفوں نے بين دوكوں كے اطوار کی پئیروی میں اپنی عور توں کی اندواجی زندگی کو لعنست محسیمر بنا دیا تھا.

اس نے اپنے باب کو کھا۔ والدین آئے۔ اس عورت نے اور اس کے والدین اس نے اس خص کے آلدین اس نے اس خص کے آگے ہا تھ جوڑے ، مِنت کی کہ طلاق ندد ہے۔ یوں ہی چیوڈ نے ان و نفقہ طلب ذکریں گے۔ کیونکہ ان کے بیاں طلاق کو بہت ذکری کی نظر سے دکھا جا تا ہے۔ جو نکہ بدوی کو ریخ دینا تھا اس سے طلاق دے دی ۔ بیوی یہ ذکریت بداراس کے دیخ میں اس کے مرجا کر زہر کھا کر مرکئی ۔ اور اس کے دیخ میں اس کا اب بھی مرکبا ۔ ہم یہ صالات اس وج سے کھر سے کھر سے ہیں کہ لوگوں کی آنھ میں گھلیں اور دہ اصلاح کی طرف مائل ہوں ۔ فاوند کے کتنے ہی حقوق ہوں فقہ اسلامی اور مائل میں دیتا ۔

اس میں بھی کچھ شاک ہزیں کہ کھر عوصہ سے اسلامی سوسا کی بی ایک ایسی جاعب بیدا ہوگئی ہے جو بالکل راستہ کے دوسرے سرے پر جلی گئی ہے۔ الکل پردہ اٹھا دینا تومعمو لی بات تھی سنیا میں حانا ہے غیرمردوں کے ساتھ ناچنا خا**دی** کے والدین اور دیگیردشتہ داروں کی پرواہ نڈکرٹا۔ ملکہ خا دند کی بھی پرواہ نڈ کرنا۔ لامدرك ال رود يرت م كوضرور حكر لكانا - لارنس باغ مين مرد دوستون كي صحبت میں رہنا ، ویاں کے تہا بی کے گوشوں سے فائدہ اٹھانا ، گھر کا کا مر يؤكر ہوتو وہ كرے ۔ورنہ خا وند كھانا يكا كئے۔ يہ بھى ايك مسلمان عورتوں كقسم ہے۔ بدلاسوال یه بیدا موتا سے که اسا کیوں موا - مولوی صاحبان کا توجواب صاف ہے۔ انگریزوں کی تعلیم اور مندو وُں کی سحبت کا پراٹرہے۔ ہم نے جو عوركيا توميس تويمعلوم مواكراس كى بيلى اوراصل وحران بى مولويول كاسلوك ہے بیس کے خلاف بناوت ہوئی اور می**نا د**ت نے بیصورت اختیار کرلی-انگر زی تعلیم و مندوون ک صحبت تو وجه نا نوی سب به بغاوت تومونی تقی آگرانگر بزول ئ تعلیم نمونی توکونی اورصورت بیدا موجاتی مولوی کے اثریا بول کموکو خودسلا فول کی تنگ نظری کی وجہ سے جوعور توں کے ساتھ سلوک ہوتا تھا وہ کپ تک بردانت کیا جاتا۔ است پہلے ا يطريفي دائج تق كه دوسر مذمه باختيا كركيتي كفيس يادومس مذمهب كابها مركليتي تفييت كاس فيت ا زادی ملے گھرسے کا جاتی تھیں، دوسرے یا ہیں اکولیتی تھیں۔ زہر کھالیتی تھیں -دق لگ کر مرجاتی تقییں ربان جاتی تھی یاعزمت - حبب با مرکی ہوا لگی - انگریزو ل کی

پده قام رہے جورتیں سے ساتھ دہیں۔ اسے داشہ سے مائیں کی جان مرد نهدن اکیلی نهون-اورمقنعه و برقد بهیشها تقامه کا عوب و مندوتانین بردے کی سخت نم ہونے کی دج بیکھی کران کے بیاں براصول مانا ہوا تھا کا کے فئبيله ايك بالتخص كي اولا دسها اور قبيله قبيله علي وربيته عظ مِثْلا محله بنواتم عجله بنوامتيه، محله بنومتيم، محله والوركو رمنته داريمجه كر ذرا برد بيريمي موگنی ہوگی معلوم ہنیں وہ لوگ جو کہتے ہیں کرعرب میں ایسا پر دہ شکھا۔ انفوں سے اس قبیلہ یا بیشری عورت کے حالات پڑھ کریے متی نظالاہے ۔ مرصورت ہم آد جناب فاطمة كى طرز د بالش كواينا لنومة قرار ديتي بي - الفور سن فرا يا الم ك عورت كىب سى بېزىملى يەسىكىدە دەنكى مردغىركددىكى ادرنىكونى مردغى اُسے دیکھ۔عرب سی جاب فاطر کے زمائے میں ایسا یہ دہ میترین بددہ مجھا ماتا قا يم يحكسي زمان ميرينس ديكها كرحضرت فاطمه ما جناب عائفه إ الملمه بازارس سودا خريد في الول- اور بم كو دوسرى عروق سع عرض منين جو بابر بازارس مان موں عرب ي عورش خود مي كفانا يكان تقيل - يانى مرت تقیں۔ گھری صفائی کرتی تقیں۔ اور چو کہ ان کے بیاں پردہ تھا۔ لمذان کے تقريبا سركفريس كنوال مواكرتا عقامهم الع كسى دواست ميس بنيس د كليا كرورتول كى الجنسي قائر تقيي هباں ده حاكر كلجرديا كرتى تقيب -اگرچ كلجر دينا زمانه حال كى ايجاد منى ج- اس زمانى بى مردول كالكيودينا، تقريركرنا عام تقا-اجيا سادی کیف کرجا مے دو۔ ایسایرده تقایانهیں تقا۔ یا کیسایده تقا۔ یہ تو سلمدامر سے كرغير مردول كے سائد مل كرعورتين ا جانبير كرتى تقين يغير صرورت مجمع عام مین کل کرا پیخ حسن کا مظا ہر ہ تو ہنیں کیا کرتی تقیں۔بنیرصرور پیجھن تاشاكے خاطر بازارس تومنس عيراكرتي تقس-اگراس زمامے سي اسام ده نتقا توالىيى بېردى مى تورنىقى - دوسرے ملكون ميں حاكرا بنى موسيقى ادراسي رتص کے ہز تو ہنیں دکھا یا کرتی تھیں ۔ اور بھر بے پردگی ہے بدگی میں جی فن برتا ہے۔ اس نیا نے کاچر دہ ایا نہ تھا تواس نیا نے کی بے یولی بی توالیں نامی -آج کل لی ا ہر کی نضامیں ہرقتم کی بے حیائ اور بے دینی

الكرنيي تعليم اس كاسب اول نهيس سع - يه تومحض اسينا وبرسالوام بالعاح کے لیے کہ دیے ہیں کہ پرسے کھ خوابی انگریزی تعلیم کی ہے۔ بے بردگی کے مای کتے ہیں کرید دہ کا تعلق نظہب سے مندیں میالک سمی طرز ریائش ہے۔ مذہب ہمیں - دوسری سجٹ ان کی یہ سے کر عوب میں جناب رسال المسام ب ك زمان سي اتنا يرده ند تقاع ورس إسر ميرتي تقيل سودا خريدني عقيس - لوگوں سے بات جيت كرتى تقيس الب ان كواس سختى سے اندر کیوں بندردیا گیا ہے۔ يردے كا حكم قرآن تربيف سي يسورة نوركى آيات ٣٠ اوراس بره حاد معادم بوجائ كالمم وقران كحمكم كو مذبب بى محصة بي- رااسا يرده اور وسیا پرده - بیال اصول سے محبف ہے جب بردے کا اصول مان لیا گیا تو حب طرح کا پرده حالات کے مطابق ہو ویسا ہی مناسب ہوگا - اول تو پیٹیک طرح سيهنين كهاجاسك كروبس كيسا يرده تقاجو تواديخ وغيره مين دمليتم ہیں اس سے تو میمعلوم ہوتا ہے کرعورس گھرس یا خیمس رہتی تھیں۔ قضار ماجت کے بے پاکاریاں چننے کے لیے یا اونٹ یُرانے کے لیے میکی عوریں بالبرجين حاتى تقنين لسكين ان مين هجي مشرفاء كي عورتمين برقع اورمقنعه اوار هوكر-عرب ك تومرد بمى مندير نقاب دا لے ديت مخد . توعورتوں كاكياكنا - بادسموم الىي مېنتى كى كەشدادرىيى كى كاردن كى كردن كىدل بنىس سكتے كى بھرىيى كى ضرور ہے کہ آبادی ہمیشہ کئی اقسام پرشتل ہوتی ہے -صدیوں سے ہیں ہے کہ لهراكيسآبادي مين ، مشرفا ، إرذال ، إمراد ، غربار محنت والع لوك اور دوسروں سے محنت لینے داکے لوگ موجود ہوتے ہیں ان کی عور قوں کی طرز الح الش مفتلف ہوتی ہے۔ میرشری وبدوی کا فرق ہوتا ہے حکل میں مسن والے اوگ ندزیاده پرده کرسکیس اور ندا تفایس پردے کی ضرورت محنتی لوگ پرده کریں تو السطرح كما ليس الكن برصورت اسلام كے بعديدوے كا اصول سب مانتے ته دادر حب اصول مان ليا توكسي نكسي شمكا برده صروركري كي أكر كهيت مي ما رمحنت کرنی ہے یا حکل سے کلویاں لانی ہیں تواس طرح کام کریں گی کمہ

ميرة فاطبه نبرا

اگرخود منسطر، بیوی در بیلی مسطر تو بس گفرسکر سیرمیط قصیحتم بوا - بنی نوع ا نسان كوقدرت في دو حداكا نه مخلوق مين تقسيم كرك بتادياكدان كا دائرة عمل عليحده عليحده سع -قرآن سريف مين عورت كي مستى كالمقصد مبت واضح كرا دياسي -وَحَعِلَ مِنْهَا زَوْجُهَا لِلسَّتَكُنَ إِلَيْهَا عِنْهِ الْمِرَى دَنِهَا مِن ست لڑائیاں لونی بڑی ہیں عورت کاصرف یہ فرض سے کرم و کے لیے کھر اميها بنا دے كراسے اس ميں تسكين بو اور حب با ہرسے اسط ورساتى كوفت مجول جائے۔اور معردوسرے دن کی لڑائی کے لیے ا زمرو قارہ ہوجائے۔ كيا بمقادا خيال م كرير حيورا ما كام م - يربهت براكام م - اس ك ليے عورت كو ديكھے كتنى محنت كرنى يرك كى - اول تو كھركواب سليق سے ركھے كرمردك ليح جاذب ونظر مور اكروه تعليم ما ينة اور مذاق صيح ركصنه والاب قواس فرض يرزياده نوروينا يراك كا - كمرك كهان بكان كا انتظام - اكرنوكر بلي توان سے مج طریقے سے کام لینا کروہ خیا نت و بددیانی ندکر کیں حمال کانا کھانے کو دیکھنا کرخواب نہیکے۔ یہ تنہیں کہ خا دمہ بر ڈال دیا۔ اور خود آزاد ہو گئے۔ بيكول كى تعليم كالهبت برا كام مے-اس بران كى تريندہ زندگى كا دار د مدار ہے-آج كل آب ديكھتے ہيں كيا ہو تا ہے - بيتے بناك اوا تے ہيں يا آوارہ ميرتے ہيں يا ارمى عادة ل مين برجائي من ان كوفيح واست يراكا ك كورت كاستكل تان کام ہے ۔ ان کی روزانہ پڑھائی دیکھنا باپ کے سامنے ضروری باتوں کی موقع و مناسب وقت دیکه کردیوری کرنا- سوله برس کی عمر تک ده مال کے زیرا از رہے ہیں۔اور ان ہی وارس میں ان کی زندگی مبنی یا بگراتی ہے۔ انسان کامقص میں دوبيهكا ناسيس سے اور مزوستى كودولت سے كوسيت سے الله الله بری دمرداری اسینے اور کی سے کرکئی انسانوں کوکتم عدم سے منصر شہور پر السق مو الران كي زندكي بكواكئي توكيا تم نه يكرس حلة كي يا در هوكه خدا كلي م حماب كاب مي ميران عي مع وادر حشرونشر على مع - اور

عاقبت كى عقوب بست سخن ہوتى ہے -اس كے بعدورت كايھى كام ميك

بينى بولى ب - اور برد ے سے بامران كرورت ان تام بے جانى كى كر كات دوچار موجات ہے ۔ کہیں سنیا ہے ، کہیں رفض ہے ، کہیں سراب کے دور طاری دیکھتی ہے۔ ہوٹلوں میں مردوں سے آنکھیں اول ہیں سنیا کون آل درکر القاعى المن علق ميں وضاميں مرمتم كى بے دينى كى امري دور رہى ميں-اور وہ ان سب سے اٹرلیتی سے رضوا کا نام لینا فلیشن کے ظلاف اوزاز یا فیا بُرُانے زمانے کی جبالب مجھے لگتی ہے۔ دیکھیے ایک بے پردگی کتنی مرکب بن گئی۔ اس ز مائے میں محص ایک سبے بردگی محص اگر ہوگی۔ گھریس محص خدا کا نام سنتی تھی با ہر بھی خدا ہی خدا کو لگ بکارتے سے ۔ نازیر هنا فلیش میں داخل تھا۔ اس سے پردگی کے ساتھ کوئی اور گنا ہ د تھا ۔ ہم جناب رسول خدا کے زمانے کی عورتوں کا ذکرکر رہے ہیں - بنوامیداور بنوعیاس کے زمانے کی عورتوں کا دکرہنیں كرت -أن سے تو خدا بچا ئے معلوم ہوتا ہے كربے بردگى كے مامى حضارتكى نظروں میں بنوامیہ و بنوعیاس کے زمانے کی عورتیں ہیں - ان کے کر دار کی تیم بیروی منیں کرتے -اور نہ وہ ہمارے کیے قابل بابندگی ہے -قصم خضرياكه أكرجاب فاطمئر كى طرز را سن دكردا دعل كى بيروى كرنى ب ترب بردنی کوچھوڑ دسیما اور قص خانوں کوخیرباد کہدر سراب کوممنہ سے

مذلكا أو ينرموون كاخيال مذكرو - مقادا دائرة على فقط كفرب - أكراس كوحنت كا منو رنبا وو كى تونس مقا دا فرض ادا بوگيا -اور ويا بهى تقارے كياتنا كام ہے کہ باہری فرصت ہی دہتی -

وہ اوگ جو یہ کہتے ہیں کیعورتوں کو پردے میں بھانے سے نصف بنی فوع النا انگا بیگار کر دیناہے ان کو ا مرکا کو تاکہ خاوندوں کے دوسش مدوست ہوکروہ ردیر کمالیں اور گھریس فراعنت حاصِل مو-اس سئلہ پراس کے ہر مہادسے نظر نمیں ڈالنے يه لوك انساني زندگي كوتو د وحصول سي تقسيم كرت بي يعيني برايوه زندگي إور ببلک ڈندگی بیکن گھری زندگی کا خیال ہنیں کرتے۔ اگر گھرسے عورت کو کال کر ببلک پن دال دیں سے تو گھر کا کیا انتظام کیا نیا امرواقعہ سے کہ انسان کی ریخ وراحت خوشی دغم تعلیم و ترمهیت، ترتی و تنزل کا انحصاراس کے گوریہے۔

يرة فاطر تنزل

لِيسَكَنَ إِلَيْهَا كَلِ و وتفسير الم جن م في اوري بيان كي عورت كوكفريس سیسکام ہیں۔ اگر کم نے اسے باہر کال کرسکر طیری بالیا یاکسی اتحابیں واليا تو گورى دستى معدوم موج الح كى - ده مروقت اس خيال يى دې گى كسين انتخاب كيونكر لاول - ناچنكاكون سالباس بينون - فداكر - آج اچ كا ما تقى مطر .... من جا كار الوله در سع وان محد خوب ناچاہ اور مجھ اسطح أظاكر بال ميں جكر دلاتا ہے كرمزة مانا ہے۔ جنت تروہ م جب میراسینداس کے سینے سے ماتا ہے۔ شا پر بعض صفرت اس فسین کے دلدادہ کمیں کمکن ہے کہ یہ خیال جابل عور توں کے دل ا میں گزرتے ہوں کے میری ورت اس سے الا تر ہے جب طرح جلیس میزر العنا على كالمنزوى بيرى تشبه سى بالاترسى عب المرح ووسنبرس بالاتر Whereignorancies Libra 2000 - 4- Eiles is is Enjoy to be wese توجابل ہی دہنا اچھاہے۔ اور ہم کب کتے ہیں کسی سفریف ذادی پائشبہ كيا حاع - يم توي كت بين كراس كواليه ما حول بين كيون والت بوك مشبری کنجا نسش موسکے رہاں کے عورتوں کی طرز رہائش اور زندگی کا تعلق م مندوت ن سي حس مي باكسنان شامل هي مسلم سوسا سي دوصول تعليم ہو کئی ہے۔ ایک تو وہ حس میں عورتوں پروہ طلم او تے ایس عن کا ہم سے اور وَكُمُا ہے۔ اور دوسرے وہ عواس سے بنا وست كر كے بنى ہے اور س عورتيں اسي آزاد بين جليا كم مم الممى بيان كر يك بي راور يدظا مرسم كري وونون طريق درست انس اين -قصر مخقرید کر واب فاطر کے کردار وعل کی بیروی کر ف سے تو ب يردى كوجهدارو سنيما ورقص خانون كوخير بادكهد مشراب كومنست ولكا و. غیر مُردوں کا خیال ذکرو - تھا را وا ٹرُہ عل نقط گھرہے ۔اور اس کو اگر تم اسینے خا و ند اور بچوں کے لیے خوشی کامحل سا دوگی تونس بھا دا فرصل اوا ہوگیا۔ یہ خیال کر و کہ مقادے خا و کر کو گھرے ملادہ کہ میل ور ثورشی ملتی ہے

لینے حرکات وسکیا سداور اپنی گفتگو سے اپنے خاوند کو اتنا محکرسے کرم وہ فرافا ولغویات کی طرف نظر فرا اے ۔ اپنی آ دائش کرنی عورت کاسب سے بڑا فرض لیکن وہ آرائش فاوندے کے ہے۔ لا ہدرکے مال روڈ یا کراجی کے کلفنش کے لیے ہنیں ہے۔ اس آ دائش کی تا کی راحا دیث درول میں نے جب فاؤمر يا برسائ وسي سي بيل عرب كا زمن به كدده منة وسي وسي اس كا استقبال كرے - اس كو استے كك سے لكا مي اور اس كى بيشا في بر بوسہ د ہے کراس کے دن عرکے دیج دالم کو دور کرے ۔ فام کو کھا ہے ، بر سب بچوں کو مبلا ہے ۔ ان کی دن عبر کی بابتیں مُنا کراس کا دل ہبلائے۔ یر بھی عورت کا فرص ہے کہ کوئی کام باکوئی بات السی نکرے حب سے اس کے فا دند کی عزب پرجرف آئے ۔ گھر کو اپنی شان وعزب کے لائن آ داستر رکھے ۔ ابیا نم و کہ لوک کمیں کہ اس کے خاوند نے عورت کے انتخاب بین علطی کی۔ لیکن بیسب موراس وقت ممکن ہیں کرخا و ندھمی عورت کے لیے ایسا ما حول پیل كرد اكداس كادل وشى سے لبريز ائے - تب سى تداس كا جره كال بكى طرح لجف کا۔ ور مدمیری بیساری نظریر بیٹھ کردہ کھے گی کہ استخص نے اتن بڑا تو لکیر دیدیا - اس کواتنا بھی ہندیں معلوم کہ خوشی بنا وٹ سے ہنیں بنا کی جاتی-دل سے البتی ہے۔ میں تو اتنی تکلیف میں ہوں کرمیرا خدا ہی جا نتا ہے ۔ يتحض كت به كريخ كوتعليم بهي دو - كمركوسليقرس ركهد-اور دل كو دورن إلى سيمون كرحب فاونداك توسينة بوسهر عامير می کرو- اور اس خوش کرو- میرا تو دل رو را بے میں اس کونش کروں میں نے خوش بھی کیا تو ابھی ساس نندیں آن کرسٹ کچور کی امیط کردیں گی۔ عبار س جائے گور اور عبار س جائے ، بیتوں کی تعلیم ۔ يه ياد ركفوكه أكرتمتيس الين كرمين وسنى نه ملى توليم كهيس ننس طع كي-ابرة تنازع البقاع وزين ماؤ - كورزين ماؤ - لاك مقادع آك بیجیے پیریں کے لیکن اصلی وشی کا ایک قطرہ تھی مذد سے سکیس کے ۔ محما را جرره تخفيل تطيف دے كا - توستى نددے كا -

m09

MOA

ميرة فاطدنهم

## كلمات نانسر

ببسيراللوالرتحمن الرتحيثير

اَلْمَمْكُ بِيَّهِ الْوَاحِي الْفَقَارِ وَالصَّلَوْةُ وَ السَّلَامُ عَلَى دَسُولِهِ الْمُنْتَارِ وَعَلَى اللهِ الْاَطُهَا رُسِيِّمَاعَلَى الْبَنُولِ الطَّاهِرَةِ الصِّدِينِقَةِ الْمُعَصُّوْمَةِ النَّقِيَّةِ النَّقِيَّةِ الرَّضِيَّةِ الْمَرْضِيَّةِ الرَّكِيَّةِ الرَّشِيْكَةِ الْمُظَلُّوْمَةِ الْمُقَصُّوْرَةِ الْمُقَنُّوبَةِ حَقَّهَ الْمُمَنُوعَةِ إِذْ قُلَا الْمُسَكُورَةِ فِي لَهُ الْمُظَلُّومِ بَعُلُهَا الْمُقْتُولِ وَلَى هَا فَاطِمَ فَ بِنْتِ رَسُولِ اللهِ وَبِضَعَيْهِ - اَمَّا بَعْلُ اللهِ اللهِ وَبِضَعَيْهِ - اَمَّا بَعْلُ اللهِ وَاللهُ اللهِ وَالْمُ

فاطمه زبسراصلواة الشرعليهاكائنات كى محترم ترين ضاتون اور دنياك اسلام کی معتبر ترین شخصیک تھیں۔ آپ کے ذاتی کارناموں سے تاریخ اسلام ٹرہے بہت بوی میں آپ کا انداز حیات سبیت مرتضوی میں آپ کا طرزمعا شرت میڈان مباہلہ میں حایت حق بیں آپ کا وجود اور در بارضلافت میں آب کی صدق گفتاری ایسے وا قعات نهیں ہیں جھیں فراموش کرکے عظمت اسلام کی تاریخ مرتب کر لی جائے۔ مورخ جب حیات نبری کے مختلف گوشوں پر علم فرسانی کرے گاتہ اسے دانت داری مجرر کرے کی کردہ واقعہ کسا وکو تحریر کرے میں مساءے یہے موجد دا فرادس صرف ایک خاتون معنی معصومه کوئین ملیل کی (مستدر صحیحین عاكم)مفسّرجب نزول آمية تطهركا ذكركركا تواستسليمكرنا يرس كاكراس ك مصدان نجتن مین ان معصور کرنین بیمی نفی (تفسیر کبیر) نزول آیر تطهر کے بعد روزایہ بیغیم شرکا سیندہ کے سبت اکٹر وٹ تک جانا اور سلاَم کرنا ( ابن مردویہ ؓ) معمولی بات دیشی ا در نه میمولی بات تھی کرحب آپ اپنے باہا جان کی ضدمت میں حاضر ہوتی تھیں وانخفشر سروقد کھوسے ہو جایا کرتے تھے (مناقب ابن شہرآ مثوب) کسی کے جتنے بھی فضائل بیان کے جالیں وہ اس نضیات کی تمسری منیں کرسکتے کہ آپ رسول کرم کا جز تھیں ارشاد انبوى ب إنَّ فاطمةً بُضْعَة منى فمن اغضبها اغضبني (صيح بخاري) فالممّ میرافکرا سے حس نے اسے غضبناک کی اس نے مجھے غضبناک کیا ۔ بی تھی ارشا دفرمایا یود بنی مااداها (صیح مسلم) اس کی ایرا میری ایرائی - به بھی فرایا نیسری مایسها یا مل کتی ہے۔ اگر غیر تور توں میں بھی جاتا ہے ، سراب بیتا ہے ، برج کھیلتا ہے

تواس کو خوش نہیں متی ۔ وہ توان با توں سے عنم غلط کرتا ہے لیکن عم بھی غلط

نہیں ہوتا ۔ غالب نے علی کہا ہے ہے

اکھے وقول کے ہیں یہ لوگ انھیں کچھ نہو

بو سے و نغمہ کو اندوہ ربا کتے ہیں

میرکام اس منزل کا ختم ہوا ۔ حافظ کا پر شغر طرح کردل کوستی دیتا ہوں

میرکام اس منزل کا ختم ہوا ۔ حافظ کا پر شغر طرح کردل کوستی دیتا ہوں

حافظ وظیفہ تو دعا گفتن است ولس

محد شلطان مرزا سی سائڈ بلڑنگ۔ اے ایم ش

ادارة اصلاح لصهنؤكعلى ومعلومات ترجمان

ماهناملا اصلاح لصعنو

سالانه قیمت جالیس رویئ کخریدار بنئے - نئے مطبوعات اصلاح طلب سنجی اوراعات رفم خمس و دیگر شرعی رقوم سے ادارہ کا مکمل تعاون فریے مائیے

بنك و اصلاح مسي واون اصعلى منفى حبين و ولكونوس

FIL RELE

بَهَارُهُ صَدْنَالِيَا وَكُافِقُ فَانْكُ شَهَا وَتُرْجُنَا بَ سِيْنُ صَلَوا عَالِيْكُلِمَا وَالْعَلِيمَا وَالْعَالِمُ الْعَلَيمَا وَالْحَالَةُ عَلَيْهِمَا وَالْحَالَةُ عَلَيْهِمُ وَالْحَالَةُ عَلَيْهِمُ عَلَيْهُمُ الْحَالَةُ عَلَيْهِمُ الْحَالَةُ عَلَيْهِمُ الْحَالَةُ عَلَيْهُمَا وَالْحَالَةُ عَلَيْهِمُ الْحَلَيْهِ عَلَيْهِمُ الْحَلَيْمِ عَلَيْهِمُ الْحَلَيْمِ عَلَيْهِمُ الْحَلَيْمِ عَلَيْهِمُ الْحَلَيْمِ عَلَيْهِمُ الْحَلَيْمِ عَلَيْهِمُ الْحَلَيْمُ عَلَيْهِمُ الْحَلَيْمِ عَلَيْهُمُ الْحَلَيْمِ عَلَيْهُمُ الْحَلِيمُ عَلَيْهُمُ الْحَلَيْمُ عَلَيْهُمُ الْحَلْمُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُمُ الْحَلْمُ عَلَيْهُمُ الْحَلْمُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُمُ عِلَهُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُمُ عَلِي عَلَيْهُمُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُمُ عَلِيهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُمُ عَلِيهُ عَلَيْهُمُ عَلَّهُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُمُ عَلِي عَلَيْهُمُ عَلِي عَلِي عَلَيْهُمُ عَلِي عَلْمُ عَلِي عَلِي عَلَيْكُمُ عِلَاهُ عَلِي عَلَيْكُمُ عِلِي عَلِي عَلَيْكُمُ عِلَاكُمُ عَلِي عَلَيْكُمُ عَلَّهُ عَلِي عَلِي عَلِي ع

مولانا سيرمحر باقرصاح فيليبا قرى جواسى تكرابط منامل الصلاح للهنأو

سوگ بهردل کے عزافانون پاہے آج
ذکر معصومہ کو نین کا زندہ ہے آج
نقش ہزفلب پی خطلومہ کا فوجہ ہے آج
ہرطرف آہ و مجاکر یا و نا لہ ہے آج
جال گشل ابل تو لا کو بیصدمہ ہے آئ
قلب مومن ہیں اسی آگ کا شعلہ ہے آج
باعث مرقد پاک پہ قبات ہے سامی ہوہ ہے آج
مرقد پاک پہ قبات ہے نہ سامیہ آج
مزد بار عدالت بی کا مشیوہ ہے آج
بانی کوب و بلا لین کے اعداہے آج
نفس السرونی بیکس وتنہا ہے آج
نفس السرونی بیکس وتنہا ہے آج

ازه عالم سغم فاطرزسراب آح چوده کلوسال کی ترت ہوئی رحکت کو مگر كسي أمت فكرك تصمالي ببال معترض بعدني لوك جو تقدو في بر قوم نے بعد پدر آپ کو جینے نہ دیا مختصر عمريس به در د والم كالكانجوم گھرجلانے کیلئے لائے تقیمیں کو نا ری شب کے بردے سرکھی اُن کا جنازہ اُٹھا ظلم معول نذر مانے كا تعبر ابعد و فات شاد فردوس کے گلش میں بھی رہنے نر دیا حِس كو دُريار خلافت نے كما تھا الاحق ابتداحفرت محسن كشادت سے بو كى آب سے بعد بہیم بڑھی علی کو ڈھا رس فرت اولادس رفصت بهوا مال كاسابه

یاد ہے چاردہ صدسالر سینی سن میں ا قول آقرہ عنم سیدہ زمبرا ہے آج ا ۵ سرا شادی سینی ویفضبنی مایفضبه ها جوچیز اسمسردر کرقب ده مجھ بھی خشکرتی ہے اور جوچیز اس غصر دلاتی ہے ده مجھ بھی غصر دلاتی ہے - بربات صرف بنگ ہی تک محدود نہیں بکر سفی برنے سر بھی بیان فر ایا کہ اِن الله یغضب بغضب فاطمه ویوضی لرضاها (کنز الدفائن) بقیناً خدا غضب فاطمہ سے غضبناک ہوتا ہے اور فاطم کی رضامندی سے راضی ہوتا ہے ۔

ایسی با عظمت فیدد مرکونین کی حیات و کار ناموں سے واقفیت مسلمین و مرمنین کا دینی وایان فریضہ بہت آکہ وہ آپ کے کردار اور نظریات کی روشنی میں دنیا و آخرت کو سنوارسکیس با مخصوص خوانین اپنے اصلاح حال کے لئے سیرے معصوم کرونین کا گہرائی سے مطالعہ فرمائیں - اس موضوع پر آخم سیرے محرسلطان مرزاصا حب دہوی طاب تراہ نے بہترین کا بسیرے فاطن النہا مالیف فرمائی تھی جو لانا سید محر باقرصاحب قبلہ نقوی طاب تراہ سات مریما منا اصلاح کجوہ ضلع سیوان بہارنے باردوم با 190 میں شائع فرمائی تھی اوراب معصوم کے عالم صلوا قرائی خریا کی شہادت کو چدہ سوسال کمل ہونے پر اس کا حصور کے اوراب اس امید کے ساتھ کرآپ کا تعاون ادا رہ اصلاح کو مزید ضربات کا موقع فرا ہم کرے گا۔ حالات اور بروثت اسباب فراہم نہ ہونے پر کتاب کی اشاعت میں کچھا خیر ہوئی ۔

فقط والسلام سیرمحد ما برجوراسی دیرنا بنامه اصلاح کمن دیرنا بنامه اصلاح کمن دیرنا بنامه اصلاح کمن

**\*** 

كاب بريض فاطر الزبراصاواة العلياكات رابطة الى البيت الاستدالعالميه المحلس الاعلى للعلماء وخطباء الهند تتوسط ناكره مرج لملين ضرت آبند الله نظم في قائ السيرا يوالق مم الموسوى نوفي والظرام ججة الاسلام والمسلمين أقائ السير محرا لموسوى مظلالعالى مَجْفِي إِوْسِ ١٥٩ نشان ياره رود- بمبئى